ॐ

किताब मुफीद आम मोसुम ब

जगत हितकारनी

अज तसनीफ

साध अनुपदास

मुतवतन मुल्क मारवाड

यह जगत हितकारनी
जिसको

श्री अनुपदास - मीटिंग प्रेस
छावणी ऐरनपुरामें छापके
मसिद्ध किया

ता १७ अप्रेल सन १९०९ इा वैसाष बुदी १२ सां १९६५

॥श्री

जगत हितकारनी

इल्तमास

यह किताब मैंने फायदा आमके वास्ते व महनत तमाम
और बहुतसे रुपीया खर्च करके तयार कीहै
इसवास्ते सब सजनोंसे यह मार्थनाहै
कि इस किताबको तमाम व कमाल
व हरुफ व हरुफ व गौर
तमाम पढें — और सोचें
समझें और इन बनियोंके
जालसे बचें

परमात्माने नम

हजार हजार शुक्र उस जोतीस्वरुप नीरंजन नीराकारका है कि जिसने ज मीन व आसमानको बनाया और तमाम सृष्टीको पैदाकीया परंन्तु उस की कारीगरीका भेद किसी पर जाहीर नहीहुआ कि क्या भेदहै फिर मेरी जबानसे इश्वर परमात्माकी तारीफ अदा नहीहोसक्ती और दूसरा मजमुन बतौर समुद्र केहै सो कलमसे लिखा जाताह कि जो२करतब मैंने इन सौदागर महाजना न-के देखे वोह अजब तरहके नजर आये जिससे मुझ गरीब साध अनुपदा सको तमांम जहानके हिंन्दु मुसलमान और साध संत और पण्डित फकीर और मुल्कों मुल्कोंके राजा महाराजा और सातों आठों और सब--विलाय तोंके बादशाह और दीगर अंग्रेज वगैराकी खिदमतमें हाथ जोड्कर अरज; करना लाजिम आया कि जिसको जादूचाला और राक्षस विद्या और काफिर विद्या और इन्द्रजाल कहतेहैं वोह एक किसमका पापहै कि जिस्तरहसे रावण ने चलायाथा और मेह और मोतको कबजेमें करलीथी पापके सबबसे याने होम करा२के बुद्धी भी भ्रष्ट करदीथी इन्द्रजालके पापसे और काल वगैरा, पढा२करके लक्षमी अपने काबूमें करके लंकामें लेगयाथा और उसीतरहसे-हिरनाकश राजानेभी चलायाथा और उसीतरहसे कंन्स राजानेभी चलायाथा और उसीतरहसे कारुन बादशाहनेभी चलायाथा और रावण हिरनाकश कंस कारुन वगैराकी तरहसे बल राजाके बादसे इन सौदागर महाजनाननेभी— राक्षस विद्याका पाप चलायाहै सोइन बनियोंनेभी मेहको और मोतको सहारे

करलीहै और बुद्धी भ्रष्ट करदीहै पापके सबबसे कि जिस दिनसे इस हिंन्दु स्तानमें काल पडनेका बल राजाके बादसे शुरु कियाहै सो इन्होंनेभी काल पडा पडाके रावण वगैराकी तरहसे लक्षमी और धन काबूमें करलियाहै और ज हाजोंमें लाद२के दरियाओंके पार लेगयेहैं जेसे कि रावण लंकामें लेगयाथा उसीतरहसे यह बनियेभी दरियाओंके पार लेगयेहैं सो यह राक्षसीपाप धन लेनेके वास्ते काल पडनेका पाप चलायाहै सो धन हिंन्दुस्तानका तो काबूमें करलियाहै परन्तु धन हिंन्दुस्तानमें बहुतथा और अलावा इसके दुसरी बाद शाहतोंमेंभी बहुतथा जिसका सबुत वैदकी किताबोंमें लिखाहै कि सतजुगमें; सोनेका ठाट और पाटथा और गरीब गुरबाके घरमें सोने चांदीके बरतनथे और पग पग रत्नोंकी खानें सुनिजातीथी कि जिसकी कुछ गिनती नहीहो सक्तीथी सो राजा बादशाहोंके टोटा-किस बातकाथा इस सबबसे तमाम— खलकतको यकीन दीलाया जाताहै कि बल राजाके जमाने तक मोजुदहोने खानहाये सोना चांदी वगैराके सतजुग रहा क्योंकि उस जमानेमें चांदी सोनेका ठाट और पाटथा और धांन वगैराभी बहुत होताथा क्योंकि सतजुगमें काल वगैरा नही पडताथा इससे धांन वगैरा सतजुगमें बहुत होताथा जबसे इन महाजनानने काल पडाना शुरु कियाहै जिस दिनसे दिन२जमानां बुरा होता जाताहै और काल वगैरा यह बनिये लोग नहीपडावें तो सदा सतजुगहीहै परन्तु बल राजाके बादसे जो तरह२के रोग और काल वगैरा पडाने शुरु, कियेहैं जबसे धन दुनियाका खेंच रहेहें और सबको नीरधन करदियाहै–व लकि दिन२बुरा होताजाताहै सो यह फितुर सौदागरांनके राक्षसी पापकाहै क्योंकि इनहोंकी दुकानें दूसरी बादशाहतोंमें पहूंचगइहें सो अब ऊनके बाल बच्चोंको गारत करके ऊनका धनभी काबूमेंकरेंगे कि जिसतरहसे हिंन्दुस्तान को गारत करदियाहै उसीतरहसे दूसरी बादशाहतोंकोभी गारत करेंगे और; अलावा इसके किजिन बादशाहोंको हिंन्दुस्तानमें लाना चाहतेहैं तो हिंन्दुस्तान का लोभ बता२के सब बादशाहोंको गारत करदेंगे और आप मीलेके मीले रहतेहें और हिंन्दु मुसलमानके बच्चोंको दूसरी विलायतोंसे मरवादेतेहैं और अपने– बच्चोंको बचाये रखेतेहैं और होले२अखीरमें सातों आठों विलायतोंको गारत करादेंगे जैसे कि रावणने दुनीयाके गारत करनेको जाल चलायाथा कि;

सब वलायेतोंमे जब थोडेसे आदमी रहजावेगे जब मेरा चारकुटमे राजहोजा वेगा तोकोईमेरा राज छीनन्हीसकेगा उसीतरहेसे ईनबनीयोनेभी यहीसोचकर यह जाल चलायाहे ओर पहलेही सबकी अकल अपने राक्षसी पापसे खरा ब करदेतेहे क्युंकी सातो आठो वलायेतोकेलोग हीन्दुस्तानके लोभ केवास्ते आपुसमे लडलडके गारत होजावेगे जबसातो आठो ओर सब वलायेतो मे आदमी थोडे रहजावेगे तोचारकुटमे हमारेबचोंका राजहोजावेगा तोफीर हमा रा राज कोईन्ही छीनसकेगा जबसब वलायतोंमे आदमी थोडेरहजावेगे ओर यह बनीये यह जांनतेहे कीहमारी ओलाद जीयादा रहजावेगी तोफीर हमा रा राज कोईन्ही छीनसकेगा सोतोदुनीयामे हीन्दुओमे कहतेहेकी ऐसाकलज ग आवेगाकी सो[१००]कोस छोटासा ऐकगांवडा मीलेगा ओर मुसलमांनों मे यह कहतेहे कीचोदहवी[१४]सदी ऐसाबुरा वकत आवेगा कीकाल वगेरा बहोतहोगा ओर रीजकवगेरा कमहोगा सोआदमीको आदमी खानेलगेगा सो पहलेसेही ऐसीऐसी बातदुनीयांमे चलादीहें सोदुनीयामे अच्छे अच्छे बडेगुनी लोगकहतेहे सोजेसे दुनीयांमे बुराहोनेके पहलेसे बातचलाईहे उसीके मुवाफी क दुनीयांके नांमका ईन्द्रजालका पाप करातेहे वेसाहीबुरा होजाताहे ओरयह ऐसीऐसी वातेंबुरा होनेकी चलाई तोबनीयोनेहे ओर अगलेस्ती लोगोंके सर अपने बचावके वास्ते रखदेतेहे सोवोह लोगतो हमारे तुमहारे मुवाफीक आद मीबिंन्दाथे क्युंकी रचनातो पेदाकरंन्तेने रचीहे उसपेदाकरंन्तेने अपनेनांम के वास्ते क्युंकी वोहतो पेदाकरंन्ता सबसंसार ओर सबवलायेतोंके उपर दयार खतेहें यहतो काफरी पाप ओर ईन्द्रजालका पाप करानेवाले बेईमांन पाप-करातेहे जीससे दुनीयांमे बुराहोताहे ओर काफरीपाप ओर ईन्द्रजालकापाप दुनीयांमे कईवार चलायाहे ओर दुनीयांने दुखपापाकर छोडायाहे जबदुनीयां कीओलाद वचीहे ओरयह कदीमीजाल याने ठेटसे बनीयोंका हीहे ओरबनी ये लोगोने हीचलायाहे ओर रावण हरनाकस ओर कंस कारून वगेराकोअ पने पाप मेसे थोडासा सीखाकरके ईनबनीयोहीने जालमे डालकरके मरादी येहे ओर तमांम कदीमी जाल अपनेपासही रखतेहे ओर वोह पाप चोडेन्ही आनेदेतेहे ओर ईनका जाल पकडान्हीजाताहे ईससबबसे दुनीयांमेदुख रहता जाताहे क्युंकीईनका पाप अलोपहे ईससेमालुमन्ही होसकताहे ओर जोमेरेको

ईनहोंने समामुख कलपायाहे जेसेकी रावणने सनीचरको समामुख कलपाया था ओर सनीचरको मालुमपडी ओर संसारको वाकीफकीयाथा उसीतरहेसे मेरेकोभी समामुख कलपातेहे जीससे मुझकोभीमालुम पडीहे जीससेआपलोगो को वाकीफ करताहूं सोहीन्दुस्तांनमे रावण हरनाकस कंस कारून वगेरावेई न बनीयोंके शांमीलही जनम पायाथा?जब उनकोही-खबरन्ही पडीतो दुसरी वलायेतोंके राजा बादशाहोंको-क्याखबर पडनेदेंगे ओर सातो आठो वला यतो ओर अंग्रेजो वगेराके आगे मेरी हाथ जोडके अरजहे कीजब रावणव गेराको ईन बनीयोने खबर न्ही पडनेदी तोआप लोगतो दुसरी वलायेतके हो आपको कीस्तरहसे खबर पडनेदेंगे ओर मेईस्वास्ते लीखताहुकी आपलो ग तोआठ सात वलायेतहो ओर हीन्दुस्तांन ऐक वलायेतहे ओर यहां हीन्दु मुसलमांनके वचे सीवाये ईनवनीयोंके अगर गरीव होकरभी रहेंगे तोजादुसे बुदी भीष्टकरके ओर आपुसमे लडाकरके मारदेवेंगे जव आपलोगोंको मालु म होगा कीहीन्दु मुसलमांन बदमाशहें ओर आप!लोगोंको यह मालुम न्ही कीतमांम?संसार कीजादुसे बनीयोंने बुदीभरष्ट करीहे जब,भीआप सातो-आ ठो वलायतोंके हाथोंसे मरवादेंगे सोआप लोग ईनकुलंकीयूंका जाल छोडा ओगे तोआप लोगोकी?ओर सबहीकी ओलाद!उभरेगी ओर आपके ईकवाल सेहीन्दु'मुसलमांन कीओलादभी उभरेगी यांने सब संसारकी ओर खुद यह बनीये आपलोगोसे मीलेके मीले रहतेहें!ओर अपनेदगाकी खबरन्ही पडनेदे तेहें ओर अखीरमे दगासे आपलोगोंके बचोंको भीगारत करेंगे?सोईन बनी योंने अपना राजचार कुंटमें करने केवास्ते ओर अपने?मतलबके वास्ते यह जाल चलायाहे जीससे आप लोगोंको हीन्दुस्तांनमें!लातेहें सोसातों आठोंव लायेतोंको आपुसमें लडालडाकर गारत करदेंगे फीर यह!कुलंकी जब संसा रथोडा रहजावेगा जब अपनाराज करेंगे जीससे हीन्दुस्तांनमे दुसरीबादशाह तकेलोगोंको लातेहें परंन्तु यहजाल ईनसोदागर महाजनांनने बल राजाकेबा दसे चलायाहे ओर दुसरी बादशाहतको ओर सातों आठों ओर!सब-वलाये तोंमें राज करनेके सवबसे,बल राजा केबादसे'लानेलगेहें सोउनकाभी धनले नेके गरजसे ओर धनका लालचदेके वास्तेराज कराने हीन्दुस्तांनके लातेहें ओर जब उनका धनलेलेवेंगे फीरउनकी अकलकोभी राक्षसी पापसे केदकर

केखराब करदेंगे जब खुदबखुद आपुसमे लडकरही मरजावेंगे-सोऐसे ऐसेईन सोदागर महाजनांनने ईसजहांनमे जाल चलादीयाहे,ओर सबसे हीले मीलेहें ओर रातदीन गुपतीपाप करातेहें जीसकीखबर,आपलोगोंको,अबतक बीलकु लन्हीहे सोआपलोग ईसगरीबके लीखनेपर गोरफरमाकर ओर ऐकदीलहोकर ईनकेराक्षसी पापको छोडाईये देखोभाई हीन्दु मुसलमांन अंग्रेज ओर सातो आठो वलायतके बादशाह सबऐक दील होकर लोभको छोड्दो ओर ईनसो दागर महाजनांनके जालकी पहचांनकरो ओर ऐकदीलहोकर ईनहोंके राक्षसी पापको छोडाओ;जबतुमहारे बाल बच्चे बचेंगे न्हीतो यह;सोदागर महाजनऐसे हकी सबको गारत करदेंगे सोईनहोंके ऐसेऐसेजालहें ईसगरजसे यह कीताब [जगतहीतकारनी]बनाईहे कीईनहोंके जालोंसे वाकीफ होकरईसका!बंन्दोवस्त करो ताकी तमांम लोगोको सुखप्राप्तहो वरना यह जादुखोरा ऐसेहें कीसव कोआपुसमे लडकर मारदेंगे ओर धन सातों आठों बादशाहतोंका लेलेवेंगे क्युंकी पहले जमांनेमे राजा रावणने राक्ष बीद्याका पाप चलायाथा उसजमां नेसे दुनीयांकी थोडी२बुदी भरष्टहुईथी परंन्तु उसजमांनेमे राजा रावणने स नीचरजी महाराजको राक्षसबीद्याके पापमे समामुख कलपायाथा!ओर तकली फदीथी जबसनीचरजी महाराजने संसारके गारत होनेकेसबबसे भवीक्षनसेईस बातका जीकरकीया कीतुमहारा भाई रावण संसारकेनांमका गुपती पाप क रारहाहे जीससे संसारके लोगोंकी अकल खराब होगईहे ओर ईसी सबबसे तमांम जहांनमे रोग चाला-वगेरा फेलेहुयेहें सोआप महरबांनीकरके ईसराक्ष सी पापका अपने भाई रावणसे बंदकराओ ओर जोईसं राक्षसी पाप काक रना बन्द नाकराओगे तोरावणके साथ तुमहारे कुलकोभी नुकसांन पहूंचाया जावेगा ओर तकलीफ दीजावेगी क्युंकी आप रावणके सगेभाईहो ओर आ पलोगोंको ईनके जालोंकी अच्छीतरहेसे वाकफीयतहे सोबताओकी कहांपरगुप तोपाप होरहाहे अगरचे आप नावतेंअंगे तोआयंन्दा ईसका नतीजा आपकेह कमे नीहायत खराबहे जब सनीचरकी भवीक्षनने दहशतअंगीज बातोंको सु नकर अपनेदीलमे बीचारकीया कीमेरेभाई रावणका जोराक्षसी पापहे वोहस नीचरको कुल मालुम होगयाहे जोईसके बतानेमे मेंनेकीसीतरहका फरेब रखा तोजरुर मुझको रावणके साथ तकलीफ ओर नुकसांन करादेगा ईसवजेसे भ

बीक्षनने अपनेभगतीका खीयालकरके ओर संसार ओर ईश्वर परमातमाकाखी यालकरके ओर डरकरके अपने भाईरावणका कुलगुपतीपाप बतादीया कीजी सकदर रावण कराताथा क्युंकीलंका पेशतर अलोपथी कीजबतक भबीक्षनने न्हीबताईथी परंन्तु लंका जबसे प्रघटहुईहे कीजबसे भबीक्षनने बताईहे लेकी न जबकी रावणसे ईसबारेमे दरीयाफत कीयागया तोरावणनेअपना राक्षसी पाप जोकीलंकामे रातदीन कराताथा कीसीकदर बताया ओर कीसीकदरन्ही बताया जबसनीचरने यहदेखा कीरावण मेरेसे अपनेराक्षसी पापको अलोपर खताहे कीजो राक्षसी पाप बाकीरहजावेगा तोहम फीर पाप करनीकलेंगे ओ र तमांमजहांनको गारतकरके चारकुंट ओर चोदाभांणमे हमअपना राज करें गे ईसगरजसे कुल जाल अपना न्हीबताया?कीजोलंकामे गुपतीपाप कराताथा जब सनीचरजीमहाराजने अपनेदीलमे बीचार करकेदेखा कीजबतक कुल सं सारको रावणके राक्षसी पापकी खबरन्हीहोगी जबतक राक्षसी पाप छुटना मुशकीलहे ईसबजेसे सनीचरने रावणके राक्षसी पापका चरचा कुल जहांनमे करदीया कीरावणने राक्षसी पापके जादुसे मेहको ओर मोतको अपने कबजे मेकररखखहे ईससेदुनीयांमे दीनरबुराहोता जाताहे ईसबातके सुनतही कुलजहां नने सनीचरके कहनेपर यकीन लाकर ऐका सबसरष्टीनेकीया कीजरुर रावण केबरका राक्षसी पापहे ओरहम सबलोगोंकी अकल ईसीराक्षसी पापमे केदहो रहाहे कीजोरावणके राक्षसी पापको न्हीपहचांनतेहें परंन्तु सनीचरजी महारा जका जुगजुग ओर भोभो भलाहुजीओ कीरावणके राक्षसी पापको न्हीपहचां नतेथे उन्होंको बाकीफंकरके पहचांनबाया न्हीतोसब लोग अन्धोंकी तरहसेथे ओरजो रावगने सनीचरजीको राक्षसी पाप सेन्हीकलपायाहोता तोरावण ज रुर कुलजहांनको गारतकरके अपनाराज करलेता परंन्तु सनीचरजी महाराज नेअपनेउपर दुखपडतेही रावणका राक्षसी पाप तमांमजहांनमे प्रघट करदीया जीसके सुननेसे सबलोग फोरन समझगये कीजोलंकामे रावण राक्षससी पाप कराताथा उसकोतमांम खलकतने ऐकदीलहोकर बीलकुल मीटादीया जबसेज हांनकी ओलादको सुखप्रापत हुवाहे न्हीतोओलाद दुनीयांकी न्हीरहती क्युंकी रावण तमांमदुनीयांको गारतकरके सातों आठों बलायतोंको अपनेकबजेमे कर लेता ओर अपना राजकरता जीसकासबुत परांनों वगेरासे साबीतहे बलके

राक्षसीवेदकी कीतावें ओर टीपनावगेरा चलायेथे ओर रतनागर सागरकेउप
र लंका शहर बसायाथा कीजहां हजारों कोसोंमेपांनी भराहुवापडाहे जीसका
हाल परांनोंवगेरामे लीखाहे कीरावणने लंका समुन्द्रके बीचमे आवाद कीथी
ओर सुरग नरक बनायाथा ओर चोरासीलाख कुन्डीयां राध लहुकीबनाईथी
सोउन कुंन्डीयोंकेउपर रखेश्वरोंकेनांम कीजीसकी वजेसे लंकामे कोईन्ही जास
कताथा जोकोई लंकामे जानेकेवास्ते समुन्द्र कीतरफजाता तोजादुचालेसे डबो
देता ओर लंकाकेउपर कीसीको न्हीजानेदेताथा ओर दुनीयां येहन्हीजांनतीथी
कीरावणलंकामे ईन्द्रजालकी वजेसे न्हीजानेदेताहे ओर जोकी सुपना ओर ग्रेह
चाला दुनीयांमे जारीहुयेहें यह भीरावणके जमांनेसेहुयेहें ओर जोरावणके रा
क्षसीवेदकी कीतावें ओर टीपनावगेरा दुनीयांमे चलाकरके सबकी अकलोंको
खराब करदीयाथा सोयह बातभी वेदकी कीतावोंमे लीखीहुईहें कीरावणनेरा
क्षसीवेदकी कीतावें ओर टीपनावगेरा दुनीयांकी अकलोंको फेरनेकेलीये चला
येथे जीसकासबुत परांनोंवगेरासे साफअघटहोताहे परन्तु रावणके जाल मीटां
नेकेवास्ते तमांमदुनीयां लंकामे पहूंचनेकेवास्ते तयारहुई परंन्तु दुनीयांको यह
पतान्हीलगा कीलंकामे कीस्तरहसे जासकेंगे फीरकुछ अरसा गुजरनेकेबाद यह
तजवीजकी कीतमांम सरष्टीके राजा बादशाह ओर रईयतवगेराने ऐकाकरके
बडी भारीफोज बनाई ओर जोकी राजारावणके भाईबंटे फोजसमेत हीन्दुस्तां
नमे रहतेथे उनकोपकड२कर पुरा२तंगकीया जबरावणके भाईभवीक्षननेकी रा
वणका राक्षसीपाप चलायाहुवाथा वोह तमांम राजा बादशाहोंको ओर दुनी
यांवगेराको भवीक्षनने बतादीया देखोजबकी सनीचरने रावणके राक्षसीपापका
पता लगादीयाथा ओर बाकीफकीया जबदुनीयांकी ओलादबचीहे परंन्तु रा
वण तमांम दुनीयांको मारके धनअपने काबुमे करलेता तोसनीचरका नांमई
सदुनीयांके उपर सीरफ नेकी करनेकीवजेसे अमर रहाहे कीजो रावणका रा
क्षसी पापथा उससेदुनीयांको बचाई ईसीतरहसे हरनाकुश नेभी राक्षस बीद्या
चलाईथी जबभी तमांमदुनीयांकी बुधीभरष्ट होगईथी परंन्तु उसकेजमांनेमेभी
तमांम दुनीयांने ओर राजा बादशाहोंने ऐकदीलहोकर हरनाकुशके राक्षसीपाप
कोछोडाया जब तमाम दुनीयांबची न्हीतो हरनाकुशभी तमांम दुनीयांको गा
रत करकेधन अपने काबुमे करलेता ओर हरनाकुशनेभी राक्षसबीद्याका सुरग

ओर नीरक बनायाथा ओर अलावा ईसके चोरासीलाख कुन्डीयांभी राद ल हुकी बनाईथी सोउन कुन्डीयोंके?उपर दुनीयांके नांमका पाप कराताथा ईस से दुनीयांकी अकल?खराब होगईथी जबकी हरनाकुशके राक्षसी पाप!कीख बर दुनीयांको नरसिंघजीके-कहनेसे मालुमहुइ,जबःतमांमःसंसारने दीलये वी चार करकेकहाःकीयह जीतनी! खराबीयांःदुनीयांमेहोतीहें यह कुलहरनाकुशके राक्षसी!पापका फीतुरहे जबभी तमांम राजाःबादशाहोंने ऐकदील होकर हरना कुश केराक्षसीःपापको छोडाया जब!तमांम दुनीयां बचीहे.ओर जोहरनाकुश काराक्षसीःपाप न्हीमीटतातो हरनाकुशभी!चारकूटमे ओर चोदाभांनमे अपना राज करताःपरंन्तु संसारनेहेत करके!हरनाकुशके राक्षसीपापको;मीटादीया ईस से दुनीयां सलांमतरहीहे उसकेबाद कंसराजानेभी राक्षसबीद्याका पाप चला याथा ओर अलावाईसकेःराक्षस बीद्याकेबेद ओर टीपनावगेरा चलायाथा ओर राक्षसीपापका सुरग नीरकभी बनायाथा ओर चोरासीलाख कुन्डीयांभी राद लहुकी बनाईथी यहबात दुनीयांमे मशहुरहे परंन्तु जबकीकंसराजाके राक्षसी पापकी खबरपडी जबतमांम दुनीयांके राजा बादशाहोंने ऐकदीलहोकर कंस राजाके राक्षसीपापको छोडाया जबतमांम दुनीयांबचीहे न्हीतोकंस राजाभीत माम दुनीयांको मारके धनअपने!काबुमेकरलेता ईसीतरहसे कारून बादशाहने राक्षसबीद्याके बेद ओर कीतावें ओर टीपनावगेरा दुनीयांमे चलायेथे ओररा क्षसीपापका सुरगबनायाथा ओर चोरासीलाख!कुंन्डीयांभीःबनाईथी सोउनकुंन्डी योंपर चोरासीलाख जीवाजुनकोःकलपाताथा;जबकीकारून बादशाहके राक्षसी पापकी खबरपडी जबतमांम दुनीयां ओर राजा बादशाहोने ऐकदीलहोकर कारू नबादशाहके राक्षसी पापको छोडाया जबतमांम दुनीयांबचीहे न्हीतोकारूनबा दशाहभी तमांम दुनीयांको मारकर धनअपने!काबुमेकरलेता सोयहबात दुनीयांमे घटहे ओर जोकीराजा रावणने ओर कारून बादशाहने राक्षसीपाप चलाया थां सोउनहोंके पापको तमांम जहांनने ऐकदील होकरके छोडायाथाःजबतमांम दुनीयां बचीथी वरना औलाद दुनीयांकी न्हीरहती परंन्तु ईनचारों शखसों नेजोराक्षसी पाप चलायाथाःउनकेनांमभी बदल२कररखेथे?कीजीससे हमारा राक्षसी जाल?मालुम न्हीहोगाःजीनकीतारीफःमेःनांमके हवाला कलमहे कीजो रावणने राक्षसीःपाप चलायाथा उसकानांम ईन्द्रजालरखाथा?जीसको सनीचर

जीमहाराजने तमांम जहांनमे मशहुरकरदीयाथा ओर हरनाकुश राजाने!जोरा क्षसीपाप चलायाथा उसकानांम?राक्षसवीद्यारखा जीसको नरसिंघजीने दुनीयां मेमघटकीया ओर कंसराजाने जोराक्षसी पापचलायाथा उसकानांम जादुचा लःरखा कीजीसको श्रीकृशनमहाराजने संसारमे मघटकीया—ओर कारूनवाद शाहने जोराक्षसीपाप चलाया उसकानांम काफीरवीद्यारखा कीजीसको गुरु नांनकनेमघटकीया यांने पापतोवोहका वहीथा?परन्तु नांम ईसवजेसे वदल२कर रखेथेकी जोऐकनांमसेही पापमजकुर चलायाजावेगा जवतोदुनीयां समझजावे गी फीरहमको कोनपापकरनेदेगा ओर जबकी नांमईसपापके बदलकर:रखेंगे तोहमारा जाल!ऐकाऐक जाहीर न्हीहोसकेगा ईससेऐसे२नांम वदलकर:रखेथे परंन्तु बलराजाके बादसे ईनसोदागर महाजनांननेभी रावण?हरनाकुशवगेराकी तरहसे राक्षसीपाप चलायाहे परंन्तु पापतो वोहकावहीहे लेकीन नांम ईनहों नेभीवदलकर रखाहे कीजीसको तमांम हीन्दु?मुसलमांन ओर सवलोग:कहुका ल:कहतेहें सोवोह सोदागर महाजनांनके घरका राक्षसीपापहे कीजीस्तरहसे!रा वण वगेराने चलायाथा उसीतरहेपर ईनसोदागरांनका राक्षसीपाप चलरहाहे ओर ईनसोदागर महाजनांननेभी रावणकीतरहसे राक्षसीवेदकी कीतावें ओर टीपनावगेरा दुनीयांमे चलायेहें कीजोआजदुनीयांमे चलरहेहें?यहसवईन्द्रजालहे जीसकोहीन्दु:मुसलमांन अंग्रेज!ओर सवसरष्टी देखरहीहे ओर ईनसोदागरमहा जनांनने पहलेसेयह केसीअकलमंन्दीकीहे जोअगले जमांनेके:स्तीलोगहुयेहें उन केनांय कीतावोंमे लीखकर जाहीरकीयेहें?ओर ऐसाभी लीखाहेकी?अवऐसाज मांना तंगआवेगाकी जीसकेघरमे ऐकसेरकांसीरहेगी वोहदोलतमंन्द?कहलायेगा सोयह कीतावें जीसमेदुनीयांके बुराहोनेका लीखाहे वोहईन सोदागरोंनेही रा क्षसीजालकी कीतावें चलाइहें?ओर अगलेस्तीलोगोंका नांमउन कीतावोंमे ली ख दीयेहें ईसवास्तेकी आपमघटनहूं ओर यहभीलीखाहेकी वोहसेर कांसीभी राजा बादशाहोंके घरोंमेरहेगी सोदेखोभाई ईसजमांनेमेतो राजा बादशाह हा थी घोडा फोजवगेरा केईकीसमके आरांमउठातेहें फीरजबकी सेरभर?कांसीर हजानेकी नोवत पहूंचेगी उसवकतमे?ईनराजा बादशाहोंका क्याहालहोगा सो यहबात काबीलखीयाल करनेकेहे कीसेरभर कांसीमेसे क्यातो अपने?खरचमे लावेंगे:ओर :क्यादुनीयांके कारजकरेंगे?ओर क्याफोजरखेंगे!ओर कहांसेअच्छा

कपडा जरी व रेशमका पहनेंगे जबसेरभर कांसीरहजावेगी?तोरईयतवगेरा सबमरजावेगी!क्युंकी सबकांम रुपीया पेसासेहोताहे:ब्याह शादीमे कपडावगेर कहांसेआवेगा ओर बगेरबलद गायेके खेतीबाडीके कांमकीसतरहसेचलेंगे ओ वगेरपेसेके दुनीयांका कोईकांम न्हीचलसकताहे ओर जबरईयत तबाहोजावेगी तोराजा बादशाह क्याकरेंगे?रेयतबगेर राजहीन्हीहे:क्युंकीपेसेवगेर दुनीयांकिका रज चलेंहीन्ही ओर पेसेबगेर रेयत मरहीजावेगी ओर ईनसोदागरांनने काल पडा२करधन अपनेकाबुमे?करलीयाहे ओर जोकुछकी बाकीरहाहे:उसकोभीकाल पडापडाके काबुमेकरलेंगे ओर यहसोदागर धनको?जहाजमे लाद२करलावणकी तरहसे दरीयावोंकेपार लीयेजातेहें जेसेकोरावग लंकामेलेगयाथा उसीमुवाफीक यहभीलेजातेहें ओर फीरपहलेसे दुनीयांमे यहवातेंभी ईनहोंने चलादीहें?कीसेर कांसीरहेगी वोह!दोलतमंन्दहोगा ओर दुनीयांकी आंखोंदेखते धनकोलेजातेहें ओर दुनीयांकी बुदीभ्रष्टकरके ऐसासुजातेहेंकी अंग्रेजलेजातेहें?ओर लीयेजातेहें यहबनीये सोदुनीयांकोतो कुछदोशन्ही क्युंकीदुनीयांकी बुदीतो ईनहोंकेजादुमे ईनहोंनेकेदकररखीहे ओर आंखोंदेखते यहबनीये धनको रेलमे:व:जहाजमेला दकरलीयेजातेहें ओर दुनीयांको बुदीभ्रष्टहोनेकेसबबसे खबरन्हीपडतीहे ओर ईनहोंने केसीअकलमंन्दीकीहे कीयहबनीयेजब दुसरीवलायतके लोगोंको हीन्दु स्तांनमेलावेंगे तोवोह दुसरीवलायतकेलोग दुनीयांसेयह वातसुनेंगे!कीहीन्दुस्तांन कापेसा अंग्रेजलेगये तोफीरवोह अंग्रेजोंसेलडेंगे ओर असलमेयहबनीये अंग्रेजों सेलडावेंगे परन्तु आप यहअलगकेअलग ओर!न्यारेकेन्यारेरहेंगे ओर सेरकां सीकीभीबातें ईनबनीयोंनेही पहलेसेचलाईहें सोयहतोजाहीर दीखाईदेवेहे कीज बधन हीन्दुस्तांनका यहबनीयेलेजावेंगे तोसेरकांसीही बाकीरहजावेगी ओर यह वातसेर कांसीवगेराकी ओर कालवगेराकी चलाईतोपहलेसे बनीयोंनेहें ओर साधु फकीरोंकानांम लगाकरलीखदीयेहें कीफलांनेसाधु फकीर पहलेसेलीखग येहें कीऐसा२बुराजमांना दुनीयांमेआवेगा सोअगर साधु फकीरोंको पहलेसे मालुमहोता तोवोह यहभीलीखजाते कीयहबनीये राक्षसीजाल दुनीयांका बुरा होनेकेवास्ते:चलावेंगे सोवोहतो बेचारे परमेश्वरकी भगतीकरतेथे ओर उसका नांमलेतेथे अपनेजीवका भलाहोनेकेवास्ते सोयहबनीये ईसजालको मवट ओर खोडे!नाहोनेकेवास्ते?अपनेसर रावणकेमुवाफीक न्हीलेतेहें जेसेरावण अपने सर

म्होलेताथा और सोवापेईसके ओरभी बातकेसी लीखकर जाहीरकीहे:कीसुरज हजार कीरनोंसे तपेगा जीसकी गरमीसे धरती लाल सुरख तांबेकेरंग होजावेगी ओर जमीनमाताके उपर पांनीजोहे वोहईस्तरहगरमहोगा कीजीस्तरहसे कडाईके अंन्दरतेल उबलताहे उस्तरहसे पांनीउबलेगा सोदेखोभाई उसवक्तमे ईनराजा!बादशाहोंकाक्या हालहोगा परंन्तु अब;लोगोंको यहबात नीहायत खुबी केसाथसोचनी ओर समझनीचाहीये ओर यहजो आगमे ईनसोदागर महाजनांन ने कीताबोंकेअंन्दर लीखकर जाहीरकीहें यहकुल सोदागर महाजनांनकी जालसाजीयांहें क्युंकीसुरज हजारकीरनोंसे न्हीतपेगा यहतोतमांम जहांनको भुल बताईहे परंन्तु यह ऐसातो जरुरकरेंगे कीजमीनमाताको अगनीका रोगकरके बीमारकरदेंगे जीसकीवजेसे धरती सुरख तांबेके रंगहोजावेगी ओर पांनीभी तेलऊनटने केमुवाफीक ऊनटेगा परंन्तु यहजादुखोरा सुरजकोतो नाहकबदनां मकरतेहें ओर सबसंसारके लोगोंको भुलवताईहे कीतपेगा मेरा लीखनायहहे कीसुरज हरगीज२न्हीतपेगा क्युंकीयहतो अपने मामुलीकीलपर घुमतेहें ओर सुरज चंन्द्रमातो ईस्तरहसेहे-कीजीस्तरहसे आदमीके सरीरमे जोतहोतीहे उसी तरहेसे जमीनमाताके सरीरमे सुरज चंन्द्रमाकी जोतहे परंन्तु ईनसोदागर महाजनांनके ईन्द्रजालके पापसे कुलजहांनके लोगोंकी अकल केसीखराब करदीहेकी जीससेसब लोगोंको ऐसाहीमालुम होताहेकी यहराक्षसी बेदकी कीताबें अगले स्तीलोगोंकी लीखीहुईहें जीससेउनको कांममेलातेहें परंन्तु उनको यह बीलकुल मालुमन्हीहे कीजीतनी कीताबेंराक्षसी बेदकीहें वोहकुल ईनसोदागर महाजनांनकीहें ओर ईनकीचलाईहुईहें परंन्तु नांम उनकीतावोंमे अगले स्तीलोगोंका लीखकर जाहीरकीयाहे जीससे तमांमलोग उनकीतावोंकोपढतेहें ओर उनहीकेउपर चलतेहें हालांकी रात दीनखराब होतेजातेहें तोभीन्ही समझतेहें,कीईन बनीयोंने रावणके मुवाफीक राक्षसीवेदकी कीतावें ओर टीपना वगेरा चलायेहें क्युंकीसंसारकी बुदी राक्षसीपापमे केदहोरहीहे;ईससे न्हीसमझा जाताहे क्युंकीजब रावण वगेरानेपाप चलायाथा तोदेवतासरुपी जोलोगथे;उन कोभीन्ही मालुमहोताथा-जबसनीचरने वाकीफकीया जबसंसार बाकीफहुवा ईस से मेहाथजोडकर अरज करताहूं कीकुलजहांनके राजा बादशाह ओर रयतऐक दीलहोकर ईनबनीयोंके राक्षसीपापको छोडाओगे—जबतुमहारे;बालबच्चे बचेंगे

न्हीतोयह सोदागर?महाजन ईसपरमेश्वरकी!रचनाको गारतकरके:धनअपनेकाबु मे करलेंगे?ओर ईनबनीयोंकी दुकानें दुसरीवलायतोंमे पहुंचगईहें सोदुसरेबाद शाहोंको!हीन्दुस्तांनमे ला२करके:हीन्दुस्तांनके लोगोंको?गारतकरादेंगे?ओर:धन सबबादशाहोंका अपने काबुमेकरलेंगे ओर सबको नीरधनकरदेंगे परंन्तु ईनके जालोंकीखबर कीसीवलायतके राजा बादशाहों?ओर अंग्रेजतकको भीन्हींहे ओर ईनसोदागरांनका दील ईस्तरहपरहे?कीजीस्तरहसे हमने?हीन्दुस्तांनकाधन अपने काबुमेकरलीयाहे उसीतरहपर दुसरी बादशाहतोंका धनकाबुमे करलेनेकेवास्ते यहजाल चलायाहे परंन्तु यहसोदागर महाजनांन!जबकीसी बादशाहको हीन्दु स्तांनमे लाना चाहतेहें तोउनकोरुपीया पेसाकी:मदददेतेहें ओर हीन्दुस्तांनके:राज करनेका?लोभवतातेहें ओर जबवोहआनेकेवास्ते तय:रहोजातेहें तोसोदागरलोग उनकोहीन्दुस्तांनमे लेआतेहें:ओर राजकरादेतेहें?तोईसहीन्दुस्तांनमे वास्तेराजकर नेके पहलेतो!मक्कावालोंकोलाये:तोउनहोंने अरसातक!राजकीया बलके मक्का— वालोंनेअपने राज अहातेमे जबरन हीन्दुओंको मुसलमांनकीया जीसकीखबर हीन्दुस्तांनके!लोगोंको बीलकुल न्हीपडनेदी!जोसकीवास वजेयहहीहे कीउनकी अकल अपनेराक्षसीपापके जादुसे ईनबनीयोंने केदकरदीथी जीससेखबर न्ही पडी ओर पहलेजमांनेकासा धन?अबमक्कामेभी न्हीरहा ईसवजेसे:वहांकेलोगभी दुखीहें परंन्तु यहखबर नातोहीन्दुस्तांनकोहीहे?ओर नामक्कावालोंकोहे?कीईनसो दागरांनने अपनेराक्षसीपापसे संसारकेलोगोंकी अकलको खराबकरके धनको काबुमे करलीयाहे जीससेतमांम दुनीयां दुखीहे?उसकेबाद वास्ते राजकरानेके अंग्रेजोंकोलाये तोमक्का वालोंकीतरहसे अबयहभी राजकररहेहें!ओर जीस्तरहसे कीमक्का वालोंको राज?करानेकेवास्ते यहसोदागर महाजनांन लायेथे उसीतरहसे अंग्रेजोंकोभी लायेहें ओर जीस्तरहसेको ईनसोदागर—महाजनांनने'मक्का,वालोंका धनअपने.कबजेमे करलीयाहे उसीतरहसे अंग्रेजोकाभी धनअपने काबुमेकरलेंगे ओर नीरधनकरदेंगे जबरुसके बादशाहसे मीलकर अंग्रेजोंके बच्चोंकोमरवादेंगे ओर अपने मीलनेकी खबर अंग्रेजोंको ओर अंग्रेजोंके—बच्चोंकोभी न्हीपडनेदेंगे ओर—रुसवालोंकोलाके-हीन्दुस्तांका राजकरादेंगे ओर जबउनकाभी धनकाबुमे करलेंगे ओर रुसवालोंको नीरधनकरदेंगे:फीरओरकीसी बादशाहतके-राजा वा दशाहसे:जायीलेंगे ओर जबउनकाभी धनकाबुमे करलेंगे,ओर रुस:वालोंकीतरह

सेउनकोभी नीरधनकरदेंगे ओर-उनकेबच्चोंको मरवादेंगे गरजकी सोदागरमहा
जनअपने-राक्षसीपापसे सबकीअकलोंको?भ्रष्टकरके सातों?आठों-बादशाहतोंके
राजा बादशाहोंको हीन्दुस्तांनके राजकरानेका लोभदेकरकेलावेंगे ओर?उनसे
हीन्दुस्तांनका राजकरावेंगे ओर?सबबादशाहोंको-नीरधन करदेंगे-ओर राजा
बादशाहोंको अपने,राक्षसीपापसे यहबनीये बाहमलड़ाके मरवादेंगे ओर?अपने
जालकी खबरन्हीपड़नेदेंगे?क्युंकीईनसोदागरांका?जालरावणकीतरहसे अलोपहो
रहाहे कीजीस्तरहसे रावणने लंकामे चोरासीलाख कुंन्डीयोंका सुरग नरकब
नायाथा उसीतरहसे बलराजाके बादसे ईनसोदागर महाजनांनने राक्षसबीद्या
कासुरग?नरक बनायाहे सोबोहसोदागर महाजनांनके:घरकाराक्षसी पापहे ओर
ईसीराक्षसीपापके जादुसे कुलजहांनके लोगोंकी अकल फीरीहुईहे?कीजेसेरावण
केवकतमेसबकी अकलफीरगईथी परंन्तु?ईतनाखीयाल?कोईभीसाहब न्हीकरतेकी
जबरावणने राक्षसबीद्याचलाईथी ओर?रावणकीचोरी सनीचरको:मालुमहोगईथी
सोसनीचरके मुहसेसुनतेही रावणके राक्षसीपापको कुलसंसारने ऐकदीलहोक
र फोरनतजादीया फीरओर न्हीचलनेदीया ओर सनीचरकोभी?जीयादान्हीस
मझानापड़्था क्युंकीउसजमानेमे संसारकीअकल थोड़ी२खराबहुईथी ओर अब
ईनसोदागरांनके?राक्षसीपापसे ऐसीअकल खराबहोगईहेकी समझायेसेंभी:न्हीस
मझतेहें सोऐराजा बादशाह ओर रयतवगेरा मेरीयहअरजहे कीईनसोदागर म
हाजनांनके अजहद जालहें-सोजीस्तरहसेकी?रावणके राक्षसीपापको सनीचर
केकहनेसेतमांम संसारने ऐकदीलहोकरके छोडायाथा?उसीतरहसे:ईनसोदागर:म
हाजनांनकेजालको कुलसंसारके हीन्दु:मुसलमांन ओर:अंग्रेजवगेरा ऐकदीलहो
करकेछोडाओ जबतुमको ओर?तुमहारेबाल?बच्चोंको आरांममीलेगा ओर जीस
बादशाहकोकी-हीन्दुस्तांनमे लानाचाहतेहें तोपहलेउनका धनभी:राक्षसबीद्याके
पापसेखेंचलेतेहें ओर नीरधनकरदेतेहें जबभुखे मरनेलगतेहें तोफीरयह सोदा
गरलोगउनको?रुपीयापेसाकी मददेकरके हीन्दुस्तांनमे हीन्दुस्तांनका!राजकरा
नेकोलातेहें ईससेबोहभीकुछ खीयाल न्हीकरतेहें ओर भुलेहुये ओर बहकेहुये
रहतेहें ऐ सातो:आठो:बादशाहतोंके हीन्दु!मुसलमांन-अंग्रेज मेरीयह अरजहेकी
सोदागर:महाजनांनको धनका!लोभबहोतहे:कीपेसा!रुपीयासब-हमारेपासहोजावे
तोहम सबकेमालीक ओर सेठबनबेठें ओर!अपनाराजकरें सोतुम!संसाकेलोगो

Scanned with OKEN Scanner

अगर,हीम्मतकरके!ईनसोदागरांनके?राक्षसीपापको ना छोडाओगेतो:तुमसबसंसार केलोग लोभहीलोभमे गारत होजाओगे ?ओर?हीन्दुस्तांनतो गारत होहीगईहे ओर जोथोडीबहोत बाकीरहीहे सोवोहअब तुमलोगोंकोलाके?तबाहकरदेंगे:सो यह जाल सीरफधन लेनेकेवास्ते:ओर राजकरनेकेवास्ते चलायाहे?ईससेईसईन्द्र जालकेपापको?छोडानाचाहीये जबदुनीयांकी ओलाद सलांमतरहेगी ओर जो स्तरहसेकी राजारावगने ओर हरनाकुशने:ओर:कंस!ओर-कारूनबादशाहने,रा क्षसबीद्याका?सुरगबनायाथा उसीतरहसे:बलराजाके बादसे-ईनसोदागर महा-जनांनने राक्षसबीद्याका सुरग नरकबनायाहे सोयहबात सबसंसारमे मशहुरहे कीवहांपरराध लहुकीकुन्डीयांहें ओर यहभीकहतेहेंकी सुरग नरकहे जीसको आंमलोग हीन्दु:मुसलमांन सुरग?नरककहतेहें सोभाईमेरेहो वहांपरकोईसुरगहे ना नरकहे यहतोसीरफ सोदागरमहाजनांन बनीयोंकेघरका राक्षसीपापहे!ओर सुरग वो नरकतो यहजमीनमाताहीहे ओर-अपनहीन्दु मुसलमांन राक्षसीवेदकी की तावेंपढतेहें!कीजीनमे चोरासीलाख कुन्डीयोंकाहाल ओर चोरासीलाख;जीवाजु नकाहाल दुखदेनेकुलोंकेलीखाहे सोभाईमेरेहो यहअसलीवेदन्हीहे यहतोसोदागर महाजनांनके घरकागुपती पापकावीखांनहे ओर जोटीपना ब्राहमनलोग बांचते हें वोहभी ईनसोदागर महाजनांनकेघरके-चलायेहुयेहें क्युंकीयह राक्षसीवेदके टीपनेहें असली:वेदकेटीपनेन्हीहें सोयहबात वेदकीकीतावोंसे साबीतहोतीहे की रावणने राक्षसीवेद ओर कीतावेंराक्षसीवेदकी ओर गीरहचालोंके टीपनावगेरा दुनीयांमेचलायेथे उसीतरहपर बलराजाकेबादसे ईनसोदागर महाजनांनने राक्ष सीवेदकीकीतावें-ओर टीपनावगेरा:चलायेहें सोईसबातका!खीयालकरनाचाहीये कीचलायेतो बलराजाके बादसेहें परंन्तु कीसी२कीतावमेऐसा लीखकरजाहीर कीयाहेकी यहकीतावें:जमीन व आसमांनसे पहलेकीबनाईहुईहें:यांने[मन्सासागर] कीताव पहलेकीबनाईहुइहे ओर चलाइहुइहें सोयहबात काबील गोरकरनेकेहे कीजबरचाहीन्हीथी तोलीखने पढनेवालाकोनथा सोऐ भाईयोयह:रचनातोकदीम सेहीहें ओर कीतावोंके बनानेवालेभी कदीमसेहें क्युंकीजीन कीतावोंको जमी न:आसमांनके पहलेकीबतातेहें सोवोहपहलेकीन्हीहें यहतोईनसोदागर महाजनां नकेघरका:जालहे सोतुमसंसरके लोगोअपनी आंखोंसेहीदेखरहेहो क्युंकीरावग नेतो,दुनीयांके!पीछे[९]हीगीरह!लगायेथे!परंन्तु ईनसोदागर!महाजनांननेतोईस

कदर?गीरह लगायेहेंकी?जीसकीकुछ गीनतीभी?न्हीहोसकती सोतुमतमांम?जहां नकेलोग अपनीआंखोंसे देखरहेहो–अोर कांनोंसे सुनरहेहो:कीटीपनोंमे गीरह चालोंका:पारहीन्हीहे क्युंकीहरसाल रोगचालोंका!ओर गीरहचालोंका?ओर:डाड चालोंका थांने,टीडकाआना ओर?चुहा:यांनेऊंदरोंका?जीयादाहोना यांनेऊंदरा सांप बीच्छुवगेराकी लाखोंजीवाजुन जमीनकेपेटमे पेदाहोतीहें कीजीस्तरहसेआ दमीकेपेटमे कीसीकीसमकी बीमारीसे:सेंकडोंतरहके!कीडेपडजातेहें सोभाईमेरेहो जीस्तरहसेकी आदमीकेपेटमे रोग:बीमारीकेसबबसे कीडेपडजातेहें ईसीतरहसे जमीनमाताके-पेटमे रोगचालेकीवजेसे सेंकडोंतरहकेकीडे पडजातेहें यहहालटीपनों केअंन्दर हरसाल–लीखाहुवाआताहे.कीफलांनेसाल फलांनेकीसमकी बीमारीशरु हागी याकालवगेरापडेगा सोऐ संसारकेलोगो जबकीसाल गुजरनेकेबाद दुसरे बरसआतेहें तोब्राहमनलोग कालवगेराके पडनेकेबारेमे तमांमजहांनकेलोगोंको साफदीलसे:सुनातेफीरतेहें परंन्तु ब्राहमनलोगोंकोतो सुनानेकीवजेसे कुछदोशन्ही परंन्तु सोदागरसहाजनांननेकी जोचोरासीलाख कुंन्डीयोंका?स्वर्ग नरकबनायाहे वहांपर जमीनमाताके नांमकापापकरातेहें जबतोजमीन माताकोलगजाताहे ईसव जेसेजमीनमाताके पेटमेकीडेपडजातेहें ओर जबकीजीवाजुन ओर आदमीयोंके नांमका पापकरातेहें तोपापहोनेकेसबबसे?आदमीयोंको हरतरहकी:अंगपीडा पेदा होजातीहे गरजकीदुसरी जीवाजुनके नांमकापापकरातेहें तोपापहोनेकी वजेसे आदमीयोंकीतरहसे दुसरीजीवाजुनभी!बीमारीकेसबबसे तरह२कीअंगपीडापातीहे ओर यहबनीये ऐसाभीकरतेहेंकी जबकीसीकेनांमका बाबतमरनेके जीयादापाप करातेहें तोसंसारमे मरीभीपडजातीहे ओर यहबेईमांन ऐसाभीकरतेहें कीराजा बादशाहोंकेनांमका:पापहोमकरावें तोराजाबादशाह कचीउमरमे मरभीजातेहें उमर पाकेमरेतो कुछसोचन्ही परकचीउमरमे मरजावेंतो टीपनोंके?अंन्दर सुनातेहीहें कीअबकेराजा बादशाहोंपरभारहे तोफीरउसराजा बादशाहोंकेनांमका होम पाप चोरासीलाख-कुंन्डीयोंकेउपर करावेंतो उससाल–राजा बादशाहमरजातेहें सोपह लेटीपनोंकोसुनातेहें ओर फीरचोरासीलाख कुंन्डीयोंकेउपर पापकरातेहें,जीससे तरह२कीबीमारीयां.होजातीहें जीसकाहाल टीपनोंकेअंन्दर सालवसाल–बजबांनी ब्राहमनांन सुनतेहीहो कीजोआयेबरस टीपनोंकेअंन्दर कालपडनेकेबाबत ओर रोगचाला-फेलनेकेबारेमे ओर गाये,घोडा ऊंटवगेरापर भारहोनेकेबारेमेभी.ली

खतेहें ओर यहभीलीखतेहें कीफलांनेबरसमे तलवार?चलनेकाजोगहे–क्युंकीटी पनोंमे!यहबातलीखीहे!सोजबतलवार चलनेकेनांमका पाप-होमकरातेहें!तोतलवा र चलजातीहे परंन्तु ईनसोदागर,महाजनांनने तमांमजहांनके लोगोंकी अकल अपने राक्षसीपापसे!ऐसीकेदकरदीहे कीईनकेजालोंको सबसाहबांन सरआंखोंसे कांममेलातेहें ओर मुलाहजाफरमातेहें!जबभीईस बदहुनरकेबारेमे ऐसीकोशीसन्ही करतेहेंकी जीससेराक्षसीपाप ईनसोदागर महाजनांनका संसारसे दुरहोजावेतो केसीउमदाबातहे क्युंकीयहसोदागर महाजन जीससालमेतकरार फीसादहोने सब संसारके पापकरावें तोदुनीयांकी अकलफीरनेके सबबसे'आपुसमे लडाईकरतेहें ओर फीरउसतनाजेसे भाईभाईआपुसमे लडकरमरजातेहें सोयहहाल सबजांन तेहीहो ओर प्रयटहे,कीहम तुममेऐसे२हेतईरादेरहेहें कीऐकदुसरेको?देखकरकेना राजहोतेहें बलकेरंज व गममे'गीरफतारहोजातेहें ओर:जहांतककी मेाकामीलताहे ऐकदुसरेको जमनेन्हीदेताहे ओर गरीबों अमीरों ओर राजा,बादशाहोंमे ऐसा खार अेंखारहेकी भाइभाइआपुसमे यहचाहतेहें कीमेराबडा भाइमरजावेतो इस कामालभी मेरेहाथआजावे ओर छोटाभाइको-बडाभाई न्हीचाहताहे कीयहमरजा वेतो सबमालधन मेरेहाथआजावे गरजकी जीतनेभाईहोवें आपुसमे ऐकदुसरेका यहचाहतेहें ओर-राजालोग यहचाहतेहेंकी भाईबेटों ओर ऊमरावोंवगेराको गा ददतो सबमुलककी पेदायशमेरे हाथआजावे परन्तु यहबुधी फीरनेका सबबहे कीराक्षसीपापसे बुधीफेरदेतेहें जबऐसाही सुझताहे–परंन्तु यहराजा बादशाहोंकी भुलहेकी जबभाई बेटेसरायत'गलजावेंगे–तोराजालोगोंकोभी कोनराजकरनेदेंगे परंन्तु बुधीफीरनेसे सुझतान्हीहे सोऐसे२खार अेंखार ईसजमांनेमे रहगयेहेंकी ऐसाहाल ओरकीसी:जमांनेमे न्हिहुवाथा कीजोआजहम.ओर तुम ओर सब-संसार–अपनी२आंखोंसे देखरहेहो कीउसपरमेश्वरके घरमेतो,सिंघ–ओर बकरी शांमीलचरीहें ऐसासंम्प ओर हेतइरादाथा सोजीसदीनसेकी राक्षसबीद्याका पाप दुनीयांके नांमसेकरातेहें उसदीन:दुनीयांकी अकल लज्जामांन'होजातीहे सोयह टापने'राक्षसबीद्याकेहें–कीजीस्तरहसे-रावणने,राक्षसबीद्याके टीपनेचलायेथे ईसी तरहपर ईनबनीयोंनेभी राक्षसबीद्याके टीपनेचलायेहें ओर बृाहमनोंको मरामे केवास्ते-पकडादीयेहें परन्तु बृाहमनोंकोतो ईनके जालोंकी खबरन्ही कीटीपने बनीयोंके चलायेहुयेहें सोईनबनीयोंने टीपनोंकेअंन्दर यहकेसीचालाकीकीहे'की

ब्राह्मनोंके बुजरगोंकेनाम टीपनोंकेअंन्दर लीखकरके मघटकीयेहें ईससे ब्राह्मन यहजांनतेहेंकी!यहटीपने;हमारेहें सोयह?ब्राह्मनोंकीभुलहे?क्युंकीयहःटीपनेराक्षसी वेदके?बनीयोंके बनायेहुयेहें!ओर चलायेहुयेहें:कीजोटीपनोंको ब्राह्मनलोग;अ ज!बांरहेहें परंन्तु?ईनमहाजनांनने–यहअकलमंन्दीकीहे कीजोराजा बादशा टीप नोंका हालदरीयाफत करेंगेतो ब्राह्मनोंके बच्चेमारेजावेंगे लेकीन-ब्राह्मनलोग ईनटीपनोंका बीलकुल.खीयालन्हीकरते कीईनटीपनोंमे ग्रेहःगातातो राक्षसीवेद केमोजीवहें!सोईसबातको बीलकुलन्ही;सोचतेहें कीटीपने हमकोकीसीने राक्षसी वेदकेतोन्ही पकडादीयेहें–क्युंकीरावणने छलकरके राक्षसीपापके टीपनेरखेश्वरो कोपकडादीयेथे सोउसीतरहसे छलकरके जालकेटीपने हमारेबच्चे मारतकरनेके वास्तेतोन्ही पकडादीयेहें सोतोबीलकुलन्ही?समझतेहें?सोयहअकल;फीरनेकासबब हे क्युंकीबुधीको ईनहोंने:राक्षसीपापसे ऐसीखराब करदीहेकी कलमसे लीखा न्हीजाता बलके;ब्राह्मनोंको ताहम ऐसाहीसुझताहे?कीयहजोटीपनेहें?कीजीनहोंको हमरोज-मरता बांचतेफीरतेहें–यहहमारे घरकेहें:परंन्तु यहन्हीजांनतेकी ईनसोदा गर महजनांनने जालसाजीकरके राक्षसीपापके टीपनेबनाकरके?हम ब्राह्मनोंको पकडादीयेहें कीजेसेरावणने जालसाजीकरके रखेश्वरोंके हाथोंमे राक्षसीवेदके-टीपने?पकडादीयेथे यहहाल:ईस्तरहसेहे कीरावणकादील?चकवे–राजकरने ओर कुलमथविंपर राजकरनेकाथा ईसीतरहसे ईनमहाजनांननेभी बलराजाके बादसे जालसाजीकरके ब्राह्मनोंके?बच्चेमारनेकेवास्ते राक्षसवीद्याके-टीपने पकडादीयेहें ओर ईनकाभीमन चकवे,राज करनेकाहे सोयहहाल ईस्तरहसेहे कीजब;अकल खराब होजातीहे?जबऐसाहीसुझताहे परंन्तु यहभीगोर करनेकीबातहे कीजोब्रा हमनलोग टीपनोंको ईसजमांनेमे घर२बांचतेफीतेहें परंन्तु बांचनेसे;कोनसाका ल ओर?कोनसारोगबगेरा ओर–कोनसीबातें होतीहें ओर टीपनोंमे जोकहतेहें कीफलांनेदीन तमांम साओदेसमे मेहकाजोगहे तोउसदीन? जमीनमाताके नांम कापाप उन:चोरासीलाख कुंन्डीयोंकेउपर?बंन्धकरलेतेहें ?तोबीरखा तमांमदुनी-यां जहांनमेहोजाताहे!ओर!जोयह महाजनलोग यहचाहें;कीमेह;थोडाबरसनेदेवें तोउसीवकत जमीनमाताके नांमका पापकरना–शरुकरदेतेहें तोबरसते२मेहबंन्ध-होजाताहे ईसकीऐसी मीसालहे कीजेसेआदमी खाना खाताहोवे ओर खाते२ एसकेपेटमे?वहोतसखत–दरद:दुखपेदाहोजावे#तोउसीवकत वोह;उसदरदकीवजेसे

खाना?पीनाबंन्ध!होजावे-उसीतरहसे;जमीनमाताकेभी?जादुसे*रोगकरदेतेहेंतो-मेहबरसते२बंन्धहोजाताहे याने जमीनमाता पांनीपीते२रोगकेसबबसे बंन्धहोजा तीहे क्युकीजमीनकी खोराकपांनीहे ओर जोटीपनोंमे यहलीखाहुवाहे वो ली खतेहें कीफलांनीजगेह मेहहोगा ओर फलांनीजगेह मेहन्हीहोगा याने?फलांना खंन्डखालीरहेगा तोजीसतरफका खंन्डखालीरहताहे-उसतरफकी जमीनकेनांम कापाप करायेजातेहें ओर जीसखंन्डके अंन्दरमेह होनेकालीखतेहें?ओर उसखंन्ड कीजमीनके नांमकापाप छोडदेतेहें तोवहांमेह बरसताहे कीजेसे आदमीकेसरीर मेऐकपासेकीतरफमे दरदहोजावे ओर दुसरीतरफका?पासाअच्छारहे याऐकहाथ यापांव यासर यापेट यापीठमे!कीसीतरहका दरद यारोगहोजावे ओर दुसरा हाथःपांवःयासर यापीठअच्छीहोवे ईसीतरहसे जमीनमाताकेभी देह ओर सरीर हे ओर जीसतरहसेकी आदमीकेसरीरमे रोगहोजावे उसीतरहसे-जमीनमाताके सरीरमे!जादुचालेसे यहबनीये महाजन-जमीनके नांमकाहोम यानेपापकरातेहें-ओर रोग व बीमारीपेदा करदेतेहें?तोजमीनमाताभी बीमारहोजातीहे ईससेकही बरसताहे ओर कही न्हीबरसताहे क्युंकी जीसतरहसेआदमी जीन्दादीलहेःउसी तरहसे जमीनमाताभी जीन्दाहे ओर टीपनोंमे यहलीखतेहें कीअबकेबरसपवन जीयादाचलेगा तोजमीनमाताको जादुसे दमकारोग करदेतेहें;तोईनमहाजनांनकी ईससेयह गरजहे?कीधांन रीजकवगेरा कमहोवे तोईनकेघरमे फायदा पड्ताहे-तोपवनका रोगइसतरहसेहे-कीजेसेआदमीको दमकारोग होजाताहे ओर जोटी पनोंमे यहलीखदेतेहें कीअबकेबरस अगनीचाला वहोतहोगा तोउसबरस जमी नकेनांमका पापकराकेःगरमीका रोगकरदेतेहें जेसेआदमीके-पेटमेगरमी ओर आ ग पेदाहोजातीहे ओर कहीं२गरमीका जादुसे-जीयादारोग करतेहें?तोबहोतसे गांवःजलजातेहें ओर जंगल व पहाडोंमे धांन घास झाड बनासपतीवगेराखुद बखुद जलजातेहें ओर मेकहांतकलीखूं आपलोग गोरकरोतो बहोतसेरोग ईन महाजनांनने जमीनमाताको जादुसेकररक्खेहें कीजीससेपेदावार धांनवगेराकी न्हीहोतीहे!ओर ईनहोंने!बेशुमाररोग जमीनमाताको करदीयेहें?जीससेधांनवगेरा न्हीहोताहे ओर!मेनेतोऐक दोबात आपलोगोंके वाकीफकरनेको लीखीहें ओर जेसाकी?स्तजगमे रीजकहोताथा-वेसाअब न्हीहोताहे क्युंकी;जमीनमाताके!सरी रमे बारोमासही-जादुसे रोगरखतेहें;ईससेस्तजगके!मुवाफीक रीजकन्हीहोताहे

जोससेकुल दुनीया दुखीहे!ओर जोटीपनोंमे!यहलीखतेहें कीअबकेबरस आदमी योंमे बीमारी कमहे:तोउसबरस!संसारकेनांमका पापथोडा:कमकरतेहें ओर जोटी पनोंमे यहलीखतेहें कीअबकेबरस जांनवरोंमे–याने घोडा:ऊंट,गाये'भैंस-बकरी वगेरामे बीमारीकमहे तोउसबरस;जांनवरोंके नांमका पापथोडा कमकरतेहें तो जांनवरबेचारे फलतेफुलतेहें ओर टीपनोंमेयहभी लीखतेहें कीगाये भैंस:भेड-ब करी वगेरामे-रोगजीदाहे तोउसबरस उनकेनांमका पाप-जीयादाकरावें तोयहव नीये महाजनबेईमांन केसीचालाकीकरतेहें कीचार पांचबरस पेशतर घीरतख-रीद२कररखतेहें ओर!फीरजांनवरोंमे जादुसेमरी डालकरके–घीरतमहेंगाकरकेव चतेहें सोपहलेसेतुम सबसंसारको टीपनोंमे सुनातेहीहें कीघीरत रुईवगेरा खा ने पीनेकी चीजवगेरा महेंगीहोगी!गरजईनकीयहहे कीहरऐकतरहसे छलकरके पेसासंसारमेसे खेंचलेवें!सोयहबनीये ऐसे२पापकराके चालाकीकरतेहें ईससबब से मेनेऐक२बातको सोसो जगहलीखीहे परंन्तु ईनबनीयेंने केईलोगोंकेदीलोंमे जादुसे मेरेको:पागलसुझातेहें सोलोगोंकोतो कुछदोशन्ही क्युंकीजादुसे कुछका कुछसुझादेतेहें ओर मेतोसंसारके बचेउभरनेकेवास्ते आपलोगोंको;वाकीफकरताहूं ओर खबरदारकरताहूं कीजोब्राहमनलोग टीपने ईसजमांनेमे घर२बांचतेफीरते हें:परंन्तु बांचनेसे कोनसाकाल ओर कोनसारोगवगेरा ओर:कोनसीबातेहोतीहें ओर टीपनोंके बांचनेसेकोनसी–मरीवगेरापडतीहे लेकीन!यहटीपने!परबांनेकेतो रपर:संसारकेलोगोंको छे२महीनेपहलेसे लोगोंके:नुकसांन पहूंचानेकेलीये कांनो कांन सुनादेतेहें ओर दीन मीतीईनटीपनोंमेभी लीखीहुईहे मगर जीसवकतकी चोरासीलाख कुंन्डीयोंकेउपर–पापकरातेहें जबयहटीपने सचेहोजातेहें ओर जो कीचोरासीलाख कुंन्डीयोंकेउपर जमीनके–नांमका पापकरावेंतो अनेकतरहकी-बीमारी जमीनके सरीरमेहोजातीहे ओर संसारकेनांमका पापकरावें तोआदमी योंको बीमारीहोजातीहे ओर जोसंसारके नांमकाजीयादा पापकरावें तोमरीभी पडजातीहे उसीतरहसे–अनबोले यानेबेजबांन घोडा ऊंट!गायेवगेराके नांमका पापकरावेंतो उनकोरोग पेदाहोजाताहे ओर जोउनकेनांमका जीयादा:पापकरा वेंतो बेजबांनोंके उपरभी;मरीपडजातीहे सोटीपना सुनानेसेतो:कुछभीन्हीहोताहे बोह–जबचोरासीलाख कुंन्डीयोंकेउपर पापकरातेहें!जबसंसारका बुराहोताहे-ईस तरहसे पापकरा२केईनटीपनोंको यहमहाजनलोग सचाकरतेहें ईससे:ऐ:ब्राहमन

लोगो साधअनोपदासकी हाथजोड्के?अरजहेकी यहटीपने बनीयोंके बनीयोंको बापीसदेदो ओर राजःदरबारमे यहकहनाकी यहटीपने राक्षसबीद्याके रावणके तोरपर ईनबनीयोंने हमारेबुजरगोंको कीसरीतसे पकड्वादीयेहें ओर?हमलोगतो भुलेहुयेहें–क्युंकीहमारे बुजरगोंकानांम?टीपनोंकेअंन्दर लीखाहुवाहे ईससेईनटीप नोंको हमअपना जांनतेहें क्युंकीरावणने हजारोंतरहकेःजालकरके–राक्षसीवेदके टीपनेवगेरा रखेश्वरोंके–हाथोंमे पकड्वादीयेथे तोरखेश्वरलोग ऐसे२स्तीथे जेसे शीवजी!ओर!ब्रहमाजी ओर रांमचंन्द्रजीसरीखे ओर रखेश्वरवगेरा ऐसे२लोग रावणके ईन्द्रजालकेपापमे भुलगयेथे तोईसवक्तके÷आदमीयोंकीतो–क्याचलाई जबऐसे२स्तीलोगोंकोभी!खबरन्हीपड्तीथी!कीईन्द्रजालमे हमारीबुधी केदहे तोआ ज!कलके जमांनेकेलोग कीसतरहसेईस ईन्द्रजालकाहाल मालुमकरसकतेहें राव-णने सनीचरको समामुखकलपाया जबरावणके जालकी–खबरपड्ती तोसनीचर जीने सबदुनीयांको वाकीफकरदीया जब;सबदुनीयांको ओर रखेश्वरोंकोःखब रपड्ती सोतमांमबातें–रावणके ईन्द्रजालकी अगलेस्तीलोग-वेदशास्त्रमे लीखगयेहें ओर–दुनीयांमे मुहजबांनीभी*कहतेहें कीरावणने;ईस२तरहसे ईन्द्रजालचलायाथा सोमेरेकोभी ईनबनीयोंने सनीचरजीकी तरहसेसमामुख कलपायाहे ईसवास्तेमे तमांमसंसारको वाकीफकरताहूं ओर जबमुझको समामुख न्हीकलपायाथा तो-मुझकोभी तुमहारीतरहसे कुछखबर–ईसईन्द्रजालके जादुकीन्हीथी—सोयहजाल सबसंसारःमीलकर,छोडाओ तोतुमहारे सबसंसारकी'ओलाद उभरेगी न्हीतोयह बनीयेअपने लोभ ओर धनकेवास्ते–सबदुनीयांको गारतकरदेंगे ईसवास्तेतरह२ केछलकरके–राक्षसबीद्याके टीपने?हम ब्राहमनोंको?पकड्ा दीयेहें–सोऐ भाईयो ईन बनीयोंकेतो अनेकतरहके जालहें?किजीसका अंन्दाज कुछन्ही होसकता–क्युंकि ईनबनीयोंने ईसतरहके फरेबकरके राक्षसीवेदके टीपने ब्राहमनोंको प कड्वादीयेहें सोयह टीपने सीरफ ब्राहमनोंके कुल ओर ओलाद मरानेको पक ड्वादीयेहें?ओर आप अलाहदाके–अलाहदा रहगयेहें क्युंकि जोटीपने स्तजगमे थे उनमेदीन मीती?यादरहनेके वास्तेलीखीहुईथी नीमधरम–पुन्यकरनेके वास्ते थेःसोअसली–टीपनेतो ईनबनीयोंने दबालीयेहें किजीसतरहसे रावण?वगेराने-दबालीयेथे ओर अपने जाली टीपने चलादीयेथे उसीतरहसे ईन;बनीयोंनेभी बलराजाके?बादसे राक्षसीपापको चलाकरके रावणके तोरपर—ईन बनीयोंने

असली टीपनेतो?दबालीयेहें ओरःअपने-तोरपर जालके टीपने रावणकी?तरह से;चलादीयेहें मगर दीन,व,मीती ईन'टीपनोंमेभी याद-रहनेकेवास्ते; लीखदीहे ओर ग्रेहचाला ओर रोगचाला-व;मांदगीवगेराके?बारेमे लीखाहे*ओर;ऐसाभी लीखाहेकि कलजग-ईसतरहका आवेगाकि बहन,व,भाई?आपुसमे हरांम-कांम; करेंगें क्युंकि यहबनीये जादुसे-बुधीभ्रष्ट करदेवेंतो आदमीयोंकी?बुधी जांनव रोंके-मुवाफीक होजावे-फीरःआदमीभी-बहन?बेटीको न्हीसमझें लेकीन जीस तरहसे संसारमे भुलपडतीजावेगी जबयह?महाजन ऐसीबुधी*भ्रहीष्टकरेंगे जब जांनवरोंके मुवाफीक बहन बेटीसे हरांम करनेलगेंगे सोअबईस जालकी;खब र पडगईहे?सोसब संसार-मीलकर-ईसजालको छोडाओ न्हीतोईन-महाजनांनने जीस्तरहसे टीपनोंमे लीखाहे तोबेसेही बहबनीये बुधी;भ्रष्टकरके करदीखावेंगे क्युंकि तुमःजोतीश्के-भरोसे-भुलेहो ओर यहराक्षसी जालहे सोयह!टीपनेतो-राजके—परवांना मोजीब ईसतमांम;दुनीयांमे फीररहेहें किजीस्तरहसे नेकी;व; बदीकेबारेमे बाबततलबी फरीकैंनके समन मजकुरेवाला-राजसे जातेहें उसीत रहसे ईनसोदागर महाजनांनके राक्षसबीद्याके टीपने दुनीयांमे?फीररहेहें-ओर अलावाईसके चोरासीलाख कुंन्डीयांभी;राधःलहुकीबनाईहें सोउनकुंन्डीयोंपर;चो रासीलाख जीवाजुनको-दुनीयांके नांमसे-कलपातेहें किजीस्तरहसे ईनटीपनोंमे बीमारी ओर मीरगी ओर कालकाहाल दरवारे पडनेकेलीखाहे?सोपडजावे-सोजमीनःमाताके नांमसे जीवाजुन कलपातेहें तोकालभी दुनीयांमे पडजाताहे ओर ग्रहनभी दुनीयांमे!पडजाताहे-ओर जीस्तरहसेकि रावणने सुरज चंन्द्रमा को;बांधाथा सोईसकाहाल वेद ओर कीतावों,व, परांनों-वगेरामेलीखाहे परंन्तु दुनीयां यहकहतीहे केरावणने सुरज;चंन्द्रमाको बांधकर अंन्दाजदेखाथा-किज मीनकेनांमसे पाप?कीयाजाताहे-वोह जमीनको-लगताहेकि न्हीलगताहे ईसवजे से बतोर;तजरबेके रावणने?दोचार मरतबा?ग्रेहनभी डालके देखाथा :सोवोह पडगयाथा ईससेजमीनको पाप लगगयाथा सोग्रेहनकापडना दुनीयांमे रावण ने चलायाथा सोयह बातदुरस्तहे सोरावणके वक्तमेतो रावणने दोःचारवारही ग्रेहनपडायाथा-रावणने सुरज;चंद्रमाको दो-चारवारही-बांधकर?ग्रेहनडालाथा-जीससेदुनीयांमे यहबात-प्रघटहे किरावण-ऐसाथा किसुरज चंन्द्रमाको व;पवन ओर पांनीकोभी बांधलेताथा ऐसाकांम उसनेकीयाथा जीससेउसकी-यहबात

मशहुर चलीआतीहे?परंन्तु?यहबनीये-बेईमांन*वारामहीनेमे दो?तीनदफे ग्रेहन पड्जातेहें सोतुमसब संसार दीपनोंमे सुनतेहीहो सोयहबात—दुरस्तहे?किजोज मीनके नांमका पाप?कीयाजाताहे वोहजमीनको-लगजाताहे जबउनहोंने अपने दीलमे-यह खीयालकीया ओर परमेश्वरसेडरा किजमीन माताके आसरेतो;कु ल सरष्टी ओर;जहांनबसताहे-ओर हमभी जमीनके आसरेसेही-पलतेहें ईससे जमीनके-नांमका पाप न्हीकराना चाहीये क्युंकि जमीनमातातो सबचीजोंकी पालनेवालीहे किजोचीज जमीनके उपरहोतीहें ओर हें ओर जमीनकेउपर;रा जा बादशाह-ओर तमांमजहांन ओर चोपाये?पंखेरुवगेरा रहतेहें अगरचे — उनहोंको हमारे ईसराक्षसी पापकी खबरपड्गई- तोमुझको;मे;ओलादके गारत करादेंगे?ईसबातको भवीक्षनने अपनेदीलमे सोचा ओर सोचवीचारकर-अपने बड्भाई रावणसेकहा किजमीन?माताके नांमका—पाप?न्हीकराना चाहीये:क्युं कि जमीन माताकेउपर-कुलजहांनके लोगबसतेहें अगरतुम्हारे राक्षसीपापकी; खबर दुनीयांकोपड्गई किरावण जमीनके नांमका?पापकराताहे:तोतमांमजहांन वगेर-ऐक दीलहुयेके अपनी ओलादकोही गारतकरदेंगे सोईसबातका जीकर भवीक्षनने अपनेभाई रावणसे करकेकहा कितुम पाप करनाछोड्दो परंन्तु रा वणने अपनेभाई भवीक्षनका कहानमांना-ओर राक्षसी पापकरातारहा लेकीन भवीक्षनअपनी भगतीकीवजेसे-संसारके लोगोंसे बहोतडरा ओर डरकीवजेसे-अपनेभाई रावगको छोडकर ऐकतरफकोबचा सोअपनेभाई रावणके राक्षसी, पापसे बचकर अपनेकुलका नांम सलांमतरक्खा सोयहबात-बेद;ओर;परांनोंमे लीखीहे किभवीक्षन अपनी भगतीसे भगतथा ओर रावण व भवीक्षन जोआ दुसमेमीलके जमीन!माताके नांमका पापकराते-तोसंसारके लोगोंको जोखबर पड्ती किभवीक्षनभी रावणके साथ पापकरारहाहे परंन्तु!भवीक्षनतो पापकर नेसे बचाहुवाथा ईससेबचगया अगर रावणके शामीलहोता तोभवीक्षनकीभी-जांन ओलादसमेत नीकालडालते लेकीन भवीक्षन संसारका ओर अपनीभग तीका-डरकरके अलाहदारहा ओर नेकीकीवजेसे अपनानांम—सलांमतरक्खा परंन्तु रावण जमीनमाताके नांमका!पाप;कराताथा:ईससेजमीन माता दुबलीहो गईथी-फीरउसके सरीरमे चरबी कहांसेरहती लेकीन जमीनके:सरीरमे चरबी ईन:चीजोंको कहतेहें किजीनको—कीजमांनेमे चांदी;व;सोनेकी खानें बोलतेहें

वोह:चरवीहे परंन्तु रावणके?वकतमेतो चांदी?सोनेकीखानें मोजुदथी-क्युंकि;रा वण जमीनमाताके'नांमका पाप!थोडाकराताथा ईससेजमीन-माता; रावणके भा मांनमे-दुवलोन्हीहुईथी लेकीन-रावण दुनीयांकेनांमका:पाप:अलवत्ता कराताथा सोखासवजे रावणके—जाल चलानेकीयहथी!किजवसंसारके लोग-थोडसरहेंगे ओर अकलखराब होजावेगी*तोहमअपना राजचारकुंट ओर:चोदामांनमे अच्छी तरहसेकरेंगे ईससेसाफ;जाहीरहोताहे किदुनीयांके:नांमकापाप रावण-कराताथा परंन्तु जीसवकताकि रावणके राक्षसवीद्याकी खवर दुनीयांकोहुई किरावण त मांम-दुनीयांको अपनेराक्षसी!पापसे गारतकीया-चाहताहे जवतमांम दुनीयांने; ऐकदीलहोकर-रावणके राक्षसीपापको!मीटादीया वलके रावण पापना छोडनेकी वजेसे ईमांनहारहुवा जवखुदअपनी ओलादको तमांमजहांनके-हाथोंसे अपनेसा थहीमरादी:सोभाईमेरे-यहवात काबील गोरकरनेकेहे किराज; तेजतोधरम ओर नेकीकाहे परंन्तु नेकीका छोडनाअच्छान्ही क्युंकिरावणने दुनीयांकी अकल अ पने राक्षसीपापसे थोडी:खराबकीथी सोकुलजहांनके राजा वादशाह;व;रईयेत वगेराने ओर साधु फकीरोंने ऐकाकरके फोरन रावणके!राक्षस;वीद्याको छो डादी सोजलदी पापछुटनेकी वजे;यहथीकि सरष्टीनेअपनी ओलादकी तरफ-देखाकि अभीतो:रावणने अपने राक्षसी;पापसे थोडी२अकल खराबकरीहे;ओर जोजीयादा पापकरायातो!कुलसरष्टीकी ओलादको गारत;करादेगा ईससेरावण के राक्षसीपाप छोडानेका अभीसे वंन्दोवस्तकरना!वाजीवहे ताकि:जोरनापकड नेपावे ओर जोजोर;पकडगयातो फीरपापका छुटनामुशकीलहे जवतमांम जहां नने ऐकदीलहोकर रावणके राक्षसीपापको×छोडाया जवजहांनकी ओलादको सुखमाप्तहुवा अलावा:ईसकेदुनीयां यहकहतीहे;किसुरज-चंन्द्रमा रावणके रसोडे को तपताथा-यहवात खीलाफहे क्युंकि; दुनीयांकी अकल ऐसीखराब:करदीहे किझुठीवात जोकोई जमीनके पडदेपर:कहताहे उसकोयकीनसे सचामांनलेतेहें-जीसकीवजे-यहहे किसवसंसारके—लोगोंकी अकल राक्षसीपापसे!भ्रहीष्टकरदीहे जीससे झुठीवातकोभी सचमांनलेतेहें देखोभाईकि सुरज चंन्द्रमाकोनसा-आदमी थे किजो रावणके रसोडेको तपतेथे—सोयहवाततो- ईस्तरहसेहे किजीस्तरहसे-अपनी देहकेअंन्दर*रोशनीहोतीहे उसीतरहसे जमीनमाताके देहमेभी सुरज—चंन्द्रमा-कुव्वतके सवबसे रोशनीरखतेहें:सोयहवात; ईस्तरहसेहे किजमीनके पेट

मे अगनीका रोगजादुसे करदेवें तोपहाड!या!ओर कोईजगह आपहीजलनेको लगजावे सोवोहजगह?अगनीके-रोगकीवजेसे ऐसीतपतीहे किजोचाहोतो;खाना वगेरा उसजगह पकालो ओर यहअगनीका?रोग ऐसाहे-किजेसे आदमीकेपेट मे याबदनमे गरमीकी आग;उठजावे ईसीतरहसे जमीनकोभी गरमी वगेराका रोग करदेतेहें-ओर अपनाजाल प्रघट नाहोनेकेलीये ऐसी२बातें प्रघटकरदेतेहें किसुरज रावणका-रसोइ तपताथा ओर असलमे जमीनमाताको यहरोग अ गनीका करदेतेहें ओर?दुनीयांकी बुधीभ्रट करदेतेहें जीससे जमीनमाताके रो गोंको समझतेहीन्ही जादुसे जमीनमाताको-फाडभीदेवें जबभी न्हीसमझें ओर यहन्हीजांनते किजमीनमाताकाभी हमारेमुवाफीक जींन्दा सरीरहे;जोयहफटतीहे तोईसकोभी बहोत दरदहोताहे ओर बाजईत्तफाक नादुस्तहोने सबीयत गरमी वगेराके सबबसे ऐसीकुमला जातीहेकि जोखाना पीनाभी-न्हीखाया जाताहे-बलकेपेटमे बीमारीके सबबसे-हजारोंतरहके कीडे?पेदाहोजातेहें तोफीरकेसी त बीयत हेरांनरहतीहे—तोईसीतरहसे जमीनमाताके नांमका पाप चोरासीलाख कुन्डोयोंके उपर सरद गरमका रोगकरावें तोमकांन;ब;कीला?वगेराकी दीवारें जलनेको लगजावें सोईनबातोंको दुनीयांतो जादुचालेके पापसे भुलीहुईहे क्युं कि यहबनीये लोग अपने राक्षसीपापसे ईसबातको जाहीर न्हीहोनेदेतेहें;परंन्तु यहबात ईस्तरहसेहे-किजब:जमीनके नांमका पापकरातेहें जबअगनी आपसेआ प लगजातीहे ओर ऐसाभीहोताहे कियह जोबनीये जादुकेजोरसे सुरज चंन्द्र माको नीचे उतारनाचाहें तोउतारभी सकतेहें ओर?अगले लोगोने राक्षसवीद्या वालोंको अच्छीतरहसे हाथ दीखायेहें किउनकी ओलादको गारतकरदीयाथा-ईससबबसे यहबनीये डरतेहें?किजोहमारा जाल लोगोंको मालुमहोगया तोहम कोभी!मे!ओलादके संसारकेलोग मारडालेंगे-जीससे-डरतेहुये*सुरज चंन्द्रमाको नीचे न्हीउतारतेहें क्युंकि अगले लोगोंको जीन२ने जाल चलायाथा उनको अच्छीतरहसे सजा?मीलचुकीहे ओर अलबत्ता लोगोंको भुलडालके ओर कोई देवता फकीरोंकी करामातका?नांमलगाकर तोकभीउतारेंगे ओर अपना जाल प्रघट-नाहोनेकेवास्ते पहलेसे करामात वगेराका नांम मशहुर-करदेतेहें जेसेकि शम्सतबरज फकीरका हाल लोग बयांनकरतेहें-किजब उसके बदनकी-खाल इसने अपनेहाथसे उतारदीथी तोअंन्दरसे कोरामांस उसकेबदनका नीकलआ

या?तोउसको संसारमेकोई!अपनेपास न्हीआनेदेताथा-जबवोह कसाईसे?मांसला या ओर वोह-टुकड़ामांसका सेखनेकेवास्ते सुरजको नीचेउतारलीया ओर;वोह मांस सुरजकी गरमीसे सेखकरखाया तोतमांम दुनीयां जलनेलगी-सोयह;बात बीलकुल गलतहे क्युंकिजोवोह फकीर गोस्तकाटुकड़ा-सुरजकी गरमीसेसेखता तोउसके-बदनकी खाल उतरीहुईथी ओर बदनका कोरामांस नीकलाहुवाथा तोवोह फकीर सुरजकी-अगनीसे आपभी?जल?भुनजाता तोवोह आप कीस्त रहसे वचगया ओर ऐसा मालीकभीन्हीहे किजोऐक आदमीकेवास्ते सबदुनी यांको?जलादेवे-यहबात कीसतरहसे समझमेआवे ओर-अलावाईसके?अपनेहाथ से खोलीकीतरहसे अपनी खालउतारके उसफकीरने डालदीबतातेहें सोयहभी बात समझमे;न्हीआतीहे सोभाईयो गोरकरो किखोलीकीतरहसे खाल:कीस्तरह से आदमी अपनेहाथसे?उतारसकताहे यहबात सीरफ राक्षसी:जालकीहें ओर मालीकनेतो?यहखाल खोलीकीतरहसे-उतरनेके:लायकतो बनाईभीन्हीहे सोऐसी ऐसी बातें ओर कीस्सा:पहलेसे चलादीयेहें;ओर ऐसी२बातें जतीयोंके नांमसे सुनातेहें किजतीलोग तारे ओर-चंन्द्रमाको उतारलेतेहें ओर:बडेकराभातीहें;सो यहबात ईस्तरहसेहे किजब तारेउतारेंतो जेसेआदमीका जीव बीखरनेलगताहो वे जबऐसारोग दुख-जमीनमाताको?तारेउतरनेसे होताहे ओर-सुरज चंन्द्रमाको जोउतारें तोजमीनमाताको यह ऐसारोगहे किजेसेजीव-घबराके भुलाहुवा हो जाताहे-जबसुरज चंन्द्रमाको उतारें तोऐसे२रोग;व;दुख जमीनमाताके जीवको होजावें जोयह बनीये सुरज:चंन्द्रमाको नीचेउतारें तोऐसा२दुखहोजावें ओर-बातें जालकी-ऐसीचलाईहें किकरागातसे तारे चंन्द्रमा सुरज वगेरा उतारतेहें ओर-फकीरोंकोभी ऐसाही:सुजादेतेहें किहमबडे!करामातीहें ओर ऐसेहीसंसार; को सुजादेतेहें कियह फकीर साधुलोग-बडेकरामातीहें ओर जेसेरावण;वगेराने रखवरोंको:ओर:संसारको करामातके भरोसेभुलायेथे ईसीतरहसे यहबनीयेभी; भुलारहेहें सोमेआप लोगोंको वाकीफकरताहूं किजब-दुनीयां; भुलमेपडजावेतो यहबनीये-बेईमांन जादुसे सुरज चंन्द्रमाको नीचेउतारेने लगजावेंगे सोईनका-मतलबयहीहे किबडेलोग—सब-उजडजावें?तोसब संसारमे हमारा राजहोजावे सोदुनीयांमेभी यह बातकहतेहें किदील्ली फकीरोंजोगी अबहुईहे:सोबगेरपेसाके लोग फकीरहीहोगयेहें ओर होले२सातों-आठों बलायतोंको फकीरोंजोगी याने

जेसेदील्ली?हिन्दुस्तांनकी वलायतको करदीयाहे!ऐसेहीकरदेंगे ओर; सबदुनीयां करामातके भरोसे भुलीहुईहे ओर असलमे ईनमहाजनांनका-यहजादुका जाल हे ओर जादुकी करामात चलाईहें?ओर दुनीयांमे यहकहतेहें किफकीरोंहीने-बददुआदीहे जोबादशाहूंका-राजजातारहाहे ओर असलमे तोराज ईनमहाजनां नके जादुसेडुबाहे ओर फकीरोंकीभी बुधीभ्रष्टकरके उनकेमुहसे-जादुसेकुछकी कुछ-बददुआ कहवाकर-फीरजादुसे राजा बादशाहोंके नांमका होमकराके उन की बुधीभ्रष्टकरके;आपुसमे लडाकरके:मरादेतेहें या ओर कोईबीगनकरके ओर जब-राजा बादशाहोंकी बुधी भ्रष्टकरदेतेहें तोवोह-फकीरोंसे करामातें पुछने; लगतेहें ओर यह न्हीसमझते?किकरामात कचाचीजहोतीहे क्युंकिउनकी-बुधीतो जादुसे-भ्रष्टकरदेतेहें ईससेवोह करामात-पुछने लगजातेहें:ओर जोफकीर साधु बददुआ न्हीदेवेंतोभी यहबनीये महाजन जादुसेगारत करदेतेहें परंन्तु फकीरों की बददुआकातो ऐकरावणके-मुवाफीक-बहांना चलायाहे जेसेरावणने?जादुसे फकीरोंकी करामात चलाईथी ओर केईफकीरोंके मुहसे कहवाकर जादुसेकेई; राजा!बादशाहोंको-डबोदीयेथे?ओर,रांमचंन्द्रजी महाराजके उपरभी:जादुसे;ग्रह-करके रावणने वनबाश दीलादीयाथा उसीतरहसेअब ईनबनीयोंने फकीरोंकी; करामातका जाल-जादुसे?चलायाहे चाहेफकीर कुछभीन्हीकहें;सोयहबातें:कोईर पोथीयों वगेरामेलीखीहें सोतुमसंसारके कीसीरलोगोंने देखाहीहोगा न्हीतोंपो थीयों तलाशकरके देखलो कियह लीखाहोगा किफलांने राजाका-राज!ईतने बरसरहेगा ओर फलांने बादशाहका राज ईतनीमुदत्त—तकरहेगा ओर अंग्रे जोंकाभी कहतेहें-किईतने-बरसरहेगा?सोयहपोथीयों कोईरहिन्दु मुसलमांनोंके-घरोंमे प्रघटभीहें ओर कीसीरने देखीभीहोंगी ओर हिन्दुओंकी; पोथीयोंमेतो हिन्दुओंके फकीरोंके नांमहें ओर-मुसलमांनोंकी कीतावोंमे मुसलमांनोंके फकी रोंका नांम लीखदीयाहे ओर बनाके?ईनबनीये बेईमांनोंने चलाईहें-ओर आप प्रघट-नाहोनेकेवास्ते अपनानांम पोथीयोंमे न्हीलीखाहे क्युंकिकोई?परबलायतके जब यहांआवेंगे तोहिन्दु मुसलमांनोंके बच्चे-मारेजावेंगे?ओर हमकोकोई;न्हीपुछे गा;तोयहबनीये;खुदबचजावेंगे?अपने?बचनेकेवास्ते ऐसाकांम;कीयाहे-किपोथीयोंमे दुसरोंके नांमलीखदीयेहें ओर दुसरी बलायतके-आनेवालोंकीभी-बुधीभ्रष्टकर देतेहें-कियेहफीर:दरीयाफत न्हीकरते-कि?कीतावोंमे लीखाहोनेसे;संसारकाबुरा

थोडाहीहोताहे टीपने पोथीयोंके बांचनेसे संसारका कुछबुरा नहीहोताहे;यहतो जब होमकराके?चोरासीलाख कुंन्डीयोंपर-जोअलोप?बनाईहें;उनपर पापकरातेहें जबसंसारका:बुराहोताहे ओर-पोथीयां ओर;टीपनेभी सचेहोजातेहें ओर:दुसरी वलायतके आनेवालोंकी-ऐसीबुधी भ्रष्टकरदेतेहें किउनकोयह नहीमालुमहोता किजोचोर?जालचलातेहें जबतकउनका बंन्दोबस्त नहीहोगा:ओर वोहचोर नही पकडेजावेंगे तोहमकोभी-ओर दुसरी?वलायतोंकोभी गारतकरदेंगे ऐसेउनको-यहबनीये सोचने नहीदेतेहें ओर:अछेभले आदमी स्तीवनके मीलजातेहें ओर वोह-यहन्हीसोचें-कियही?हमारे ओर कुलसंसारके:बचोंका बेईमांन बनीये का लहें ओर वोहदुसरी वलायतवाले यहन्ही सोचतेहें किईनबनीयेही बेईमांनोंने; दुनीयांमे-बुराहोनेकी?पोथीयां ओर-टीपनेवगेरा चलायेहें स्तजगमे जोधरमका बेदथा वोहतो ईनबनीयोंने अपनेकाबुमे करलीयाहे ओर?जालका-चलादीयाहे जेसेकि-रावगने असली!कीतावें बेदकी?दबालीथी-ओर राक्षसीबेदकी चलादी थी उसीतरह ईनबनीयोंनेभी अपनाजाल रावगवगेराके-मुवाफीक चलायाहे-ओर पहलेसे-संसारका बुराहोनेकेवास्ते ईनमहाजनांनने ऐसी२बातेंचलाईहें?सो कहनेसेतो कुछन्हीहोताहे परंन्तु पहले जेसाकहतेहें फीरवेसाही पाप चोरासी-लाख कुंन्डीयोंपर कराते?जातेहें?तोफीरवेसाही होताजाताहे ओर दुनीयांमे ईन महाजनांननेही ऐसी२बातेंचलाईहें?किसुरज:सेसकीरनसे तपेगा जीसकीगरमीसे जमीनमाता सुरख तांबेकेरंग होजावेगी ओर जोकि;जमीनकेउपर पांनीहे वोह ईसतरहसे-गरमहोगा किजीसतरहसे कडाईके-अंन्दर!तेलऊनटताहे-ईसतरहसेपां नी ऊनटेगा सोदेखोभाई दुनीयांके-भुलानेकेवास्ते यहकेसीबात पहलेसेचलाके: जाहीरकीहे किसुरजतपेगा-सोयहबात बीलकुल खीलाफहे ओर हमतुम लोगों को भुलबताइहे क्युंकिजब तमांम जहांनकेलोग-ईसजालमे:पडेहोंगे तोहमारेपाप की:पहचांन नहीकरसकेंगे!ईससबबसे ऐसी२बातें तरह२कीपहलेसे जाहीरकरदी हें:किजीन:बातोंका हमतुम अपनी जबांनसे बीखांन कररहेहें सोयहबात ईसत रहसेन्हीहे यहतो ईसतरहसेहे किजेसेअपने सरीरके अंन्दर बीमारीके सबबसे: बीसकांटावगेरा नीकलताहे तोजहर नीकलनेकेवक्त-कीसकदर दरदहोताहे कि जीसकीगरमी'कीवजेसे कुलसरीरमे तरह२कीतकलीफें पेदाहोजातीहें,ओर,मगज भी जलनेलगताहे जबउसका ईलाज कीयाजाताहे ओर कोईदवा इत्तफाकसे-

मुवाफीक आजातीहे तोफेारन?तबीयतको?आरांम होजाताहे मगर बलराजाके बादसे ईनसोदागर?महाजनांनने ईन्द्रजालके?पापसे जमीनको!बीमारकरके-ऐसा कमजोरःकरदीयाहे किचरबीतक-गलगइहे सोऐसे२रोग तोजमीन?माताको जा हीरहीहें किजीनहोंको सबजहांनके लोगअपनी२आंखोंसे?देखरहेहें किजहांपरःज वालामुखी पहाड्हे उसपरवतमे आगलगीहुई रहतीहेःओरःजोकिदुसरे पहाड्हें वोहजमीन माताके-सरीरके हाडहेंःसोईसीतरहसे जवालामुखी पहाड्भी जमीन माताके सरीरकाहाड्हे,ओर,जोकि जवालामुखी पहाड्मे आगलगीहुइ रहतीहे वोहजादुचालेका रोगहेःजीसकोहिन्दु मुसलमांन-अंग्रेजवगेरा देखरहेहें?ओरःसुन तेभीहें सोयहबात-ईसतरहपरहे किजबःकीसीकेपेरमे कीडीनगराःहोजाताहे ओर कीडीनगरेके सबबसे उसकेसरीरका हाड मांसवगेरा गलकेगीरने लगजाताहेः तोउसकेसरीरमे गरमीकेसबबसे केसी२जलन पड्नेलगतीहे तोईसीतरहसे जमी न माताके सरीरमे जादुचालेका रोगहे जीससेजमीन माताबहोत दुखपारहीहे क्युंकि जमीनमाताभी जीवता जीवहेःओरःफीरकहिं२पर-तपतकुन्ड बनायेहें सो वोहभी-जादुचालेका'रोगहे सोजीसतरहसेकि लहुका राश्बनताहे—तोफीरउस राधसे केसाभारीदुख ओर दरद ओर जलनहोजातीहे ओर ईसतरहसे ईनसो दागर-महाजनांनने केइ२तरहके रोग राक्षसबीद्याके पापसे-जमीनमाताको बल राजाके बादसे सरद-गरमका रोगकरतेहें;परंन्तु;संसारकेलोग अभीतक परचोंके धरोसे-भुलेहुयेहें हालांकि ऐसे२भारीरोगहें किजीसकाकुछ-हीसाबभी-न्हीहो-सकताहे बलके रतनागरसागरकोभी देखीये किउसको केसाभारी रोगकीयाहे किजोतमांम जल समुन्द्रका खाराजहर करदीयाहे ओर दुनीयांके-भुलानेकेवा स्ते यहकेसा-जाल-चलायाहे?किससुन्द्रमे*जोजलखारा होगयाहे वोह रामचंन्द्रः जी-महाराजके सरापसेहुवाहे सोदेखोभाई कीयांतोईनःसोदागर-महाजनांननेहे ओर नांम रांमचंन्द्रजी महाराजका बदनांमकरतेहें किउनहोंने कीयाहे यहबात बीलकुल खीलाफहे क्युंकि जलतोबड्हे ओर तीरनतारनहे-ओर रांमचंन्द्रजी कीपेदायशतो ईसीतरहसेहेःकिजीसतरहसे.हम.ओर तुम ओर सबजहांनके;लोग पेदाहुयेहें ईसीतरहसे जलकीपेदायश रांमचन्द्रजीभीहें ओर जलतोःदीनदीयाल हें ओर जगतका तारनेवालाहे ओर-कुल जलकीही,मायाहे,क्युंकिजलको सराप नहीलगताहे परंन्तु जलके खारीहोनेकाःयहसबबहे कियह सोदागर महाजनांन

जमीनमाताके?नांमका?राक्षसी पापकरतेहें जीससेजमीन-माताके-सरीरका!हाजमा बीगड्गयाहे ईससेजल खारीहोगयाहे ओर जीसकोकितुम तमांमजहांनकेलोग: रतनागरसागर ओर समुंन्द्र२कहतेहो-वोहजमीन माताकी?ओझडीहे ओर:जीन होंकोके नदीयांबोलतेहें वोहजमीन माताक सरीरकी अतडीयांहें ओर जोकि छोटेबडे-नाले दीखाइदेतेहें वोहजमीन माताके सरीरकी नाडेंहें जीसतरहसे;अ पने सरीरमे-जीसकदर चीजें याने नाडेंवगेराहें ईसीतरहसे जमीनमाताके स रीरमेभी कुलचीजें नाडेंवगेराहें ओर जबकिहम तुमलोग पांनीपीतेहें तोआंतों ओर नाडोंके अंन्दरहोकर ओझडीमे-पहूंचताहे:ईसीतरहसे:ईसबातकोभी समझ नाचाहीये किजबमेह बरसताहे जब जमीनमाता पांनीपीतीहे जबवोह बरसात का पांनी-नदीयोंके रस्तेहोकर—रतनागरसागरमे!पहूंचताहे सोसब दुनीयांदेख तीहे किरतनागरसागरका जल खाराकीयाहे ओर बलराजाके बादसेही ईन- बनीयोंने ईन्द्रजालका पाप.चलायाहे जीससे-रतनागरसागरका-जल खराजह र होगयाहे जीसकीखास वजेयहहे किजबहम तुमखाना खातेहें ओर!हजमन्ही होताहे ओर पेटमे दरदहोजाताहे तोउसवकतमे केसीसखती उठानी पडतीहे- ओर मारेतकलीफके कुछन्ही सुहाताहे तोउसीतरहसे जमीनकाभी हाजमा बी गड्गयाहे जीससे रतनागरसागरका जलखारा होगयाहे ओर सीवाये ईसके ओर कीसी२केसरीरमे बीमारीकेसबबसे ऐसाभीहोजाताहे-किजोखाना बीलकु: ल हजमन्हीहोताहे बलकेखाना पेटमे फुलजाताहे तोफीरउसके- पेटमेकीसबला का?दरदहोताहे किजोबीमांन न्हीकीयाजाताहे सोबोहभी ईन्द्रजालके पापसे हो ताहे ओर यहसोदागर महाजन ईन्द्रजालके पापसे सरद व गरमकाभी रोग करदेतेहें जब रतनागरसागर दीनभर ओर-रातभरमे-दो तीनमरतबा चढाईकर: ताहे तोभीदुनीयांके लोगन्ही-समझतेहें:कियह-जमीन-माताको आफरेकी बीम: रीका रोगकीयाहे ओर पहलेजमांनेके आदमी देवता सरुपीथे किजीनकी अ: कलको रावणने राक्षसबीद्याके पापसे-केदकरदीथी ईससेदुनीयां स्वर्गको भुल गईथी ओर रावणनेतो स्वर्गका राजही लेलीयाथा क्युंकि रावण; स्वर्गमेही- रहताथा सोसबुत वेद.व.पुरांनोंमे-लीखाहे किरावणने स्वर्गका राजलेलीयाथा परंन्तु स्वर्ग ओर.नर्कतो यहजमीन माताहीहे किजोकुल जहांनके लोगोंको - पालनेवालीहे मगर रावणनेतो जमीन माताकी पहचांन:अपने राक्षसी पाप से

दुनीयांको भुलाईथी क्योंकि रावण?जमीन?माताको हरतरहकारोग कराताथाः ओर दुनीयांको न्हीमालुम-होनेदेताथा ओर रावणके राक्षसी पापकोही दुनीयां स्वर्गजांनतीथी ओर जमीनकी पहचांन-बीलकुल!भुलादीथी-क्युंकिरावणने; चोरासीलाख कुंन्डीयां—राद:लहुकी बनाईथी उसकोस्वर्ग जांनतेथे!ओर!जमीनकी पहचांन-बीलकुल भुलादीथी किजोरावण जमीनमाताको राक्षसबीद्याके; जुलमसे-फाड्भी देताथा तोदुनीयां यहन्ही जांनतीथी किजमीनमाता रावणके राक्षसी पापसे फटतीहे बलकेयह जांनतेथे किपरमेश्वरकी कुदरतहे ओर यहखीयालन्ही करतेथे कियहजमीन-जोफटतीहे यह;राक्षसी-पापके जादुसेफटतीहे ईससेजमीन-माता!कांपतीहे ओर ईसीवजे जमीन माताके सरीरमे दरदहोताहे लेकीन जमीनके सरीरकी-पहचांनतो दुनीयांके लोगोंको?ईसगरजसे;भुलादीथी किजोजमीन माताको तरह२कारोगकरूंगा तोजहांनके लोगोंको मेरा+राक्षसी पापका-करना.मालुम.न्हीहोगा तोसब जहांनको गारतकरके अपनाराज करूंगा ओर जोमें दुनीयांके नांमका?पाप नकरूंगा तोदुनीयांको मेरेराक्षसी पापकी-खबर:पड्जावेगी तोमेरी ओलादकोही मारदेंगे ईससे रावणने राक्षसबीद्याका: पाप चलाकरके संसारके लोगोंकी अकलको पहलेसे खराब करदीथी ईससे जमीनकी पहचांन संसारके लोगोंको बीलकुलन्हीथी-सीरफ-जमीनकी;पहचांन रावणकीही?ओलाद?जांनतीथी सोअगले जमांनेकेलोग बेदकी किताबोंमे ओर परांनोंमे ईनबातोंको लीखगयेहें क्युंकिजमीन माताकी-पहचांन!तमांम दुनीयांको रावणने भुलादीथी सोजमीनकोतो जीसतरहसे-हम-ओर-तुमजांनतेहें उसी तरहसे वोहभी जांनतेथे-परंन्तु राक्षसबीद्याके पापसे जमीनमाताको रोगकरा. ताथा-जीसकी?मालुमतक न्हीपडीथी अगरचे?दुनीयांको:खबर पड्जाती तोदुनीयां रावणकी ओलादकी-ओधकोही—नीकालदेती क्युंकिजमीनके सहारेतो:कुल जहांन पलताहे क्युंकिजमीन माताका सरीरतो ऐकहे सोभाईमेरेहो जबकि जमीनके-सरीरमे दरदहोगा तोउसवकत?तमांम सृष्टी कहांरहेगी ऐसाखीयालकरके संसारने-ऐकदीलहोके-रावणकी ओलादकोही मारदीया उसहालतमे राक्षसबीद्याका पाप संसारसे मीटाथा-क्युंकि जीसकदर पापहोताथा बीलकुलतजादीया-हालांकि पहलेजमांनेके राजा बादशाहोंको?सनीश्वरजी—महाराजने; राक्षसी पापसे वाकीफ करकेकहा-कियहजो जमीनमाताको तरह२कीतकलीफें

होतीहैं जीसकेहालसे?मेतुम सबलोगोंको-वाकीफ करताहूं?क्युंकि रावन राक्षस बीग्राके-पापसे मुझकोभी!दुखदेताहे ओर जमीनमाताकेभी नांमका: पापकराता हे ईससेमे आपको वाकीफ करताहूं?किरावणने संसारके-लोगोंको स्वर्गही छु लादीयाथा-ओर रावण जमीनको हरकीसमका?रोगकराताथा ओर हवावगेरा बहोत चलाताथा-परंन्तु-दुनीयां बीलकुल नहींसमझतीथी कियह राक्षसी पाप हे क्युंकिजब कीसी आदमीको-दमका रोगहोताहे तोकीरउसके-सरीरसे?बील; कुल हवा नहींसमाती जीसतरहसेकि आदमीके पेटमे दमकी बीमारीसे सांस-नहीसमाताहे क्युंकिहवाहे वोहतो दमहे?किजब-आदमीको दमकी बीमारीहोजा तीहे तोबीमारीके सबबसे.आदमी.कीसकदर दुखपाताहे-किजो-मरनेके लायक होजाताहे तोऐसे२रोग रावण राक्षसबीग्रासे कराताथा!जीससेअगले जमानेके सतीलोगोंकोभी मालुमनही होनेदेताथा क्युंकि:जीयादाहवा जोचलतीहे वोह-जमीनमाताको दमकारोगहे-परंन्तु दुनीयांतोभी-नहीसमझतीथी.किजमीनमाताको दमका:रोग-होगयाहे क्युंकि दुनीयांको भुलारक्खाथा जीससे दुनीयां यह?नहीं समझतीथी किजमीनमाता-बीमारहे या अच्छीहे ओर हवावगेरा जोजीयादा-चलतीथी तोझाड दरखत वगेराभी टुटजातेथे ओर फल फुल गीरनेलगतेथे तोभीनही-समझतेथे.किजमीनमाताकोजादुसे रोग करदीयाहे-क्युंकि दुनीयांकी; बुधीखुद जादुकेपापमे फीरीहुईथी यहतो-समझतेथे किजमीनके पेटमे हम सब संसार बसतेहैं परंन्तु?जमीनमाताके.दुख बीमारीसे-कोई वाकीफनहीथा क्युंकि रावण-जादुसे-तरह२केरोगकराके धांन घासवगेराका नुकसांन कराताथा तो; यह समझतेकि नहीमालुमकि जमीनको,क्याहुवाहे!ओर!जबदुनीयां जमीनमाता के.बीमारीयोंको?नहीसमझतीथी तोइससे कहाजाताथा किदुनीयां—स्वर्ग भुल: गईथी ओर स्वर्ग नांम सुख व आरांमकाहे ओर जमीनके:सीवाये दुसरास्वर्ग कोईनहीहे ईसीतरहसे रावण जमीनमाताको दमका-रोगकराताथा जीसकाहाल अगले जमानेके सतीलोग वेद ओर शास्त्रमे.लीखगयेहैं किहमको!यहखबरनहो थी किहमारी बुधी जादुसेकेदहे-यानही सोउसीतरहसे-ईसवकतमे ऐसीजीयादा ओर जोरकी-हवाचलतीहे वोह जमीनमाताको दमका रोगहे लेकीन जबकि-थोडी२हवाचलतीहे जब यहजांनना किआदमीयोंको ओर जांनवरोंको सुखमा महुवाहे जब यहजांनना-किजमीनमाता सीधा सांसलेतीहे—ओर दुनीयां यह

जोकहतीहे किरावण सुरज चन्द्रमाको ग्रहनकराताथा सोदुनीयां ग्रहन२करती थी परंन्तु?यह नहीसमझतेथे-कियह जमीनमाताको दरदहोताहे सोऐसे२जालः राक्षसदीयाके.चलानेवाले अगले सतीलोगोंकोभी-मालुम नहीहोनेदेतेथे सोईस का सबुत वेदःओरःपरांनोंमे लीखाहे किअगले जमांनेकेलोग ऐसेभगतथे कि परमेश्वकाही भजनकरतेथे ओर बुरेकांमोंसे बचतेथे याने उनके पासहोकरकेः नहीनीकलतेथे ओर अपनी चीजको अपनी?जांनतेथे?ओर पराईचीजको परा इ-जांनतेथे ओर दया धरममेहीरहतेथे सोऐसे२सतीलोगोंको जमीनके?सरीरकी पहचांन भुलादीथी सोईसजमांनेमे ईनसोदागर महाजनांनने-अपने! ईन्द्रजालके पापसे.सबकी.अकलको खराबकरदीहे जीससेभाई२मेऐकानहीहे बलके नाईच. फाकीका होसला बढगयाहे सोयह-सोदागरांनका जालहे सोजीसतरहसे किदु नीयां रावणके राक्षसीपापको स्वर्गजांनतीथी उसीतरहसे-अब बनीयोंके राक्ष सीपापको दुनीयां स्वर्गजांनतीहे किजोबनीयोंने रावणकीतरहसे-चोरासीलाख कुन्डीयां-राध लहुकी कीसीसमुन्द्रके दरमयांनमे-पापकरके संसारके गारतकर नेकेलीये बनाइहें सोजीसतरहसेकि—तमांमदुनीयां रावणके; जालकी.माला के रतीथी उसीतरहपर अब ईनबनीयोंके स्वर्गको माला तमांमदुनीयां फेररहीहे- सोजीसतरहसेकि रावणका.राक्षसीजालथा उसीतरहपर-ईनसोदागरांनका राक्ष सीजालहे मगर?रावणके जमांनेमेतो रावणके राक्षसीपापको सनीश्चेजी महारा जने सारेजहांनसे भयटकीयाथा ओर-वोह-जातके तेलीथे जीसकोगरीब-बाल्स देखकर राक्षसदीयाके पापमे केदकरदीयाथा ओर रावण-अपनेपापकी खबर नहीपडनेदेताथा मगर?जबके?रावणके गुपतीपापकी-खबरपडी जब सनीश्चेजी महाराजने तमांम-राजा-बादशाहोंको.ओर रईयतवगेराको वाकीफकीया तोउन लोगोंने ऐकदीलहोकर रावणके राक्षसीपापको छोडाया-लेकीन अगलेजमांने- के लोग ऐसेनेक व सतीथे किउनहोंने उसबातको फोरन कबुल करलीया- ओरःदीलमे बीचारकरके?यह?कहनेलगे-किअगर.हम.संसारके लोगोंनेःऐकदील होकरके ईस राक्षसीपापको नातजाया तोरावण कुल जहांनको जरुर गारत; करदेगा-जबकुल.जहांनने ईसबातका-खयालकरके ओर सनीश्चेजीके-कहनेको कबुलकरके रावणके राक्षसीपापको मीटादीया ओर सनीचरकी मनशायेदीली को अपनेसर-व-आंखोंपेरक्खा ओर-यहबात अरजकीया किहमलोगोंको राव

णने अपने राक्षसीपापसे-अंन्धोंकी तरहसे करदीयाथा?किजोजमीनके-सरीरकी पहचांनतक-भुलादीथी परंन्तु.रावणने सनीश्चरको अपने राक्षसीपापसे?दुखीकी याथा जब रावणके?राक्षसीपापकी खबरपडी अगरचे-रावणने अपने राक्षसी पापसे.सनीश्चरको नहीकलपायाहोता-तोहरगीज?रावणका राक्षसीपाप.मालुमनहीं होता मगर सनीचरको कलपाया:जब:रावणकी चोरी-संसारमे प्रघटहुई जब: तो.प्रघटहोतेही संसारने—रावणके राक्षसीपापको छोडाया गरजकि रावणकी तरहसे ईनसोदागर महाजनांनकाभी राक्षसीपाप होरहाहे जीससे तमांमजहांन के-लोगोंकी अकल-फीरीहुइहे किअपनी चीजको?अपनी?ओर पराई चीजको पराई नहीजांनतेहें परंन्तु ईन-सोदागरांनने रावणकी तरहसे--मुझ:गरीब— [अनोपदासको]अपने राक्षसीपापसे कलपायाहे ईससेईन सोदागरांनका राक्ष सीपाप मालुमहुवाहे क्युंकियह महाजन रावणकी-तरहसे.राक्षसीपाप कररहेहें: ओर?जीसतरहसे सनीश्चै जातका तेलीथा उसीतरहसे मेजातका चाकरहूं सो मुझ गरीबको ईन सोदागर महाजनांनने-अपने.राक्षसीपापसे कलपायाहे-ओर अमीर लोगोंकोतो?मारेडरके?समामुख नहीकलपातेहें लेकीन-यह बनीये अपने राक्षसीपापसे गारततो सबकोकररहेहें:परंन्तु:अपने राक्षसीपापसे दुखीतो बगेर जबांनवालोंको?ओर गरीब आदमीयोंकोही करतेहें-ईसलीये मेगरीब साधु त मांम जहांनके लोगोंको ईनबनीयोंके राक्षसीपापसे वाकीफकरताहूं किईन.बनी योंके?अनेकतरहके छलहें:ओर:फरेबहें किजेसे रावणके अनेकतरहके छल;ओर फरेबथे उसीतरहसे-ईन सोदागरांनकेभीहें सोजीसतरहसेकि रावणके वकतमे-सनीचरके कहनेसे तमांमजहांनने ऐकदीलहोकर रावणके राक्षसीपापको?छोडा याथा.उसीतरह अब ईन सोदागरांनके राक्षसीपापकोभी तमांम जहांनके लोग ऐक-दीलहोकर-मुझसाधुके-कहनेसे छोडाओ तोईन बनीयोंके जालसे सबको-सुखप्राप्तहोवे क्युंकिईन सोदागरांनके जालसे तमांमजहांनके चोपाये व पंखेल; ओर-मे-आदमीयोंके तकलीफ पातेहें.ईसीतरहसे जमीनमाताभी ईन्द्रजालकेपाप से,बीमारीयां पारहीहे किजीसतरहसे आदमीको:बीमारीहोतीहे-ओर वोह:बीमा रीके सबबसे.दुबलाहोजाताहे ओर चरबी गलजातीहे ओर खुन सुखजाताहे, उसीतरहसे जमीनमाताभी राक्षसबीद्याके-पापसे बीमारीके सबबसे?दुबलीहोग इहे क्युंकिगोशत ओर चरबीवगेरा गलगइहे जीसकीवजे-यहहे किजमीनमाता

सीरफ जलकाही?अहारकरतीहे सोअब जमीनमाताके पेटभरनेके?काबील जल नहीबरसताहे ईससेदुखीहे क्युंकिजेसा-मेह बरसताहे.जब.जमीनमाता जलको-पीतीहे जबःमेवा मीसटांन-रीजक बनासपती वगेरा अच्छीतरहसेहोतीहे जब. सब जीवःजुन पलतीहे ईसीतरहसे-आदमीभी?रीजकवगेरा खा पीकर पलतेहें मगर?जमीनमाता कोनसा पापकरतीहे जीससेअब पहलेकासा!रीजकवगेरानही होताहे क्युंकि जमीनमातातो ऐसीसतीहे किसीरफःजलकाही अहारकरतीहेःकि जमीनमाता जलका अहार जबकरतीहे किजब जलबरसताहे सोसब जहांनके लोग अपनी२आंखोंसे देखतेहीहें कुछ-मेरेकहनेकी जरुरतहीनहीहे ओर यहःब नीये-जबकि जमीनमाताके नांमका पापकरातेहें जब जमीनमाता बीमारहोजा तीहे सोजीसतरहसेकि आदमी बीमारीकेसबबसे?खाने पीनेका अहारवगेरा क करताहे सोजबकि कमबरसताहे जबदुनीयां अपनेमुहसे काल२कहतीहे परंन्तु यहबनीये.जमीनमाताके नांमका पापकरातेहें-जीससे जमीनमाता बीमारहोजा. तीहे ओर जीसतरहसेकि मालीकने आदमीके सरीरमे गोस्त हड्डी चरबीवगेः रा—बनाइहें उसीतरहसे-जमीनमाताके सरीरमेःगोस्त-चरबी?हड्डी वगेराबनाइहें लेकीन यह जोपहाड्हें तोयह जमीनमाताके सरीरकेहाडहें ओर जोकिमीट्टीहेः वोह जमीनमाताके सरीरका गोस्तहे ओर जोकिचांदी सोनेकीखांनेहें वोहःज मीनके सरीरकी चरबीहे परंन्तु ईनसोदागर महाजनांनने बलराजाके-बादसे; राक्षसीपाप चलायाहेःओरःबलराजाके बादसेही कालपड्नेलगेहें ओर जबका ल पड्ताहे-जब जमीनमाता बीमारहोतीहे जोबीमारीके सबबसे-दुबलीहोगइहेः जीससे जमीनमाताके सरीरकी चरबीगलगइहे जीससे-जमीनमाता बीलकुलदु बली होगइहे ओर जीसतरहसेकि आदमी बीमारहोताहे ओर उसकेसरीरकी-हड्डी-गोस्त.ओर.चरबीवगेरा बीमारीकेसबबसे गलजातीहे-तोबीमारीकी वजेसे नाताकतीभी होजातीहे तोईसीतरहसेःअबःजमीनमाताभी बीमारीके सबबसे ना ताकतहोगइहे-ओर चरबीवगेरा गलगइहे ओर जोकि-नोहीधातुकी खांनेंसुनी जातीथीं वोह जमीनमाताके सरीरकी चरबीथी जीसकोचांदी सोनेकी खांनेंः बोलतेहें!वोह!नातो अंग्रेजोंकी वलायतमे मोजुदहें-ओर नादुसरी वलायतोंमेहें-ईसीतरहपर अब ईन बनीयोंके?जालकीवजेसे सातों आठों वलायतोंके अंन्दर चांदी सोनेकी खांनेंनहीहें ओर जोकहींपरहेंभी तोपहले जमानेके बराबर धन

नहींनीकलताहे.बलके जीयादा!लागतकेसबबसे नुकसान-उठानापड़ताहे : क्युंकि पहलेजमानेमे-ऐकरुपीया खरचकीयाजाता तोकेईरुपीयोंका माल नीकलताथा-ओर अबऐके रुपीया खरचकीयाजाताहे!तोलागतके दांमभी वसुल-नहीहोतेहें: सायहबजे ईन्द्रजालकीहे जीससेचांदी सोनेकी खानेंनहींहें ओर अलोपहोगइहें ओर यहसातों आठोंवलायतें.ईस जमीनमाताके पेटमे आवादहें.परन्तु.जमीनके नाताकतहोनेकाभी सबबहे किईन-सोदागर महाजनांनका राक्षसीपाप चलरहा हे:जीससेचांदी सोनेकीखानें-आकास-पातालमेभी नहीरहींहें क्युंकिजब आदमी बीमारहोताहे-ओर बीमारीकेसबबसे उसकाकुल-सरीर दुबलाहोजाताहे:परन्तु-जीसको बीमारीहोतीहे उसकेसरीरकी!चरबीगलजातीहे!तोफीर उसकेसरीरमे ता कत कहांसेरहतीहे बलके:ईस:काबीलहोजाताहे किहुसरेशख्सकीभी आसरखता हे-सोअब ईसीतरहसे जमीनमाताभी राक्षसबीद्याके पापसे दुबलीहोगइहे परन्तु ईनसोदागर महाजनांनने बलराजाकेबादसे राक्षसबीद्याका-पापचलायाहे.जबसे जमीनमाताके नांमका पापकरातेहें सोजबकि जमीनमाताके नांमका पापजीया दा:करातेहें तोकालभी?पड़जाताहे!ओर;ग्रहनभी पड़जाताहे-क्युंकिपापसे जमीन माता दुखपातीहे ईससे जमीनकेउपर धांनवगेरा नहीहोताहे जंवदुनीयां भुखे; मरनेलगतीहे ओर पहलेजमांनेमे जमीनमाता हुस नहीपातीथी तोमेवा:मीसटां न रीजक वनासपतीवगेरा बहोतहोतीथी किजीसकीवजेसे गरीव गुरवा जग करलेतेथे-परन्तु पहलेजमांनेकासा धांन अबनहीहोताहे ओर नाअब:पहलेजमां नेकासा——बीकताहे जीसकीखासवजे यहहे. किजमीनमाता-बीमारीकेसबबसे-पांनी कमपीतीहे जीससेमेवा मीसटांनवगेरा.कमहोताहे:ओर:जेसेकिझाड़;दरखत पहलेजमांनेमे होतेथे वेसेअब-नहीहोतेहें क्युंकि जमीनमाता अच्छीतरहसे पांनी नहीपीतीहे ईससेअब.दरखतभी लंम्बे.ओर चोड़ेनहीहोतेहें-मगर अपनेबुजरगों के देखनेमेतो रीजक ओर बनासपतीवगेरा ईसकदरहोतीथी.ओर.अलावाईसके बलराजाके जमांनेमेतो वगेरखेतीकीये-ओर-वगेरवोये ईसकदर!धांनहोताथा:कि जीसकाकुल अंन्दाज नहीहोसकताथा तोपहलेजमांनेके-गरीब.लोगवगेराभी;जग करदेतेथे तोभीकरजदार नहीहोतेथे!सेईसकासबुत.वेद.ओर पुरांनोंमे साबीतहे परन्तु ईसजमांनेकेतो राजा वादशाह ऐकरजवाड़ेकी रैईयतकोभी खाना नहीं खीलासकतेहें सोयहहाल सबतुम?अपनी२आंखोंसे देखरहेहो किअब ऐसाजमां

ना आगयाहे किसीवाये खार-अैंखारके ओरकुछनही सुझताहे क्युंकि:पहलेज मांनेमे ईसकदर रीजकहोताथा तोपहलेजमांनेमे हरऐकजातका?आदमी जगकर लेताथा तोउसजमांनेके राजा बादशाहभी जगंकरलेतेथे तोकोनसी अचरजकी बातथी-परंन्तु बलराजाकेबादसे ईनबनीयोंने ईन्द्रजालका पापचलायाहे जीस: से जमीनमाता?दुखपारहीहे ओर जबकि जमीनमाता पेटभरके पांनी पीतीथी तोरीजकभी बहोतहोताथा?सोईनबातोंका?सबुत.बेद ओर परांनोंमेलीखाहे मगर हम तुमलोग ईन्द्रजालके पापसे अन्धोंके मुवाफीकहें?ओर?अपनेपेटमे जोकीछे हें-सोवोह अपनेपेटमे कोनसी खेतीकरतेहें.परंन्तु जबहम तुमलोग:खानाखातेहें जबवोहभी-अपना पेटभरलेतेहें?ईसीतरहसे हम.तुम.ओर-तमांम जीवाजुन जमी नमाताके पेटमे कीडोंकीतरहसेहें लेकीन:जमीनमाता ईसकदरबडीहे!किजीसका कुछअंन्दाज नहीहोसकताहे फीरईसकेपेटमे कीसबातका टोटाथा मगर बलरा: जाकेबादसे.ईनसोदागर महाजनांनने ईन्द्रजालका पापकरना शरुकीयाहे जीस से-दुनीयांका बुराहोताहे?लेकीन रावणके पहले ईन्द्रजालका-पाप नहीहोताथा ओर नाकोईपहले राक्षसीपापको-समझताथा परंन्तु राक्षसीपाप रावगके वक्त सेही शरुहुवाहे क्युंकिरावणने दो चारमरतबा ग्रहनडालके अंन्दाजदेखाथा— परंन्तु यह बनीयेलोग अपने?राक्षसीपापसे साल बसाल ग्रहनडालतेहें किजो टीपनोंकेअंन्दर हमेशा-ग्रहनपडनेका हाल लीखाहुवाआताहे सोयहटीपने बनी योंके चलायेहुयेहें किजीसतरहसे.रावणने.चलायेथे सोयहहाल सबसंसारकेलो- ग अपनी२आंखोंसे देखरहेहें परंन्तु ग्रहनपडनेसे जमीनमाता?नीहायतदरजेका दुखपातीहे ईससेकोईचीज जमीन माताकेउपर उमदातोरपर नहीहोतीहे क्युंकि पहलेजमांनेमे आदमी खेती बाडीवगेरा नहीकरतेथे तोवगेरखेती कीयेहुयेकेही धांनवगेरा पेदाहोताथा परंन्तु खेती बाडीका पापभी बलराजाके:बादसेहीहुवा हे किजीसदीनसे ईनहोंने कालपडना शरुकीयाहे अगरचे जमीनमाता.पेटभर के:पांनीपीलेवे ओर सोदागर महाजनांनको खबरपडजावे-तोयह बनीये-जमी नमाताको बदहजमीका रोग जादुसेफरके फल फुलवगेरा गलादेतेहें जीसकी: बजेसे फीर चीजेंवगेरा-होवेंहीनही क्युंकिकुल जहांनकी अकल ईनसोदागर:म हाजनांनने-अपने राक्षसीपापसे खराबकरदीहे?चाहे बारीश अच्छीतरहसे नही हुईहोवे तोभीदुनीयांके लोग यह कहनेलगतेहें किबारीश बहोतहुइहे:ईससेफल

फुलवगेरा गलगयेहें?ओर?ईन्द्रजालके पापसे जांनवरोंकोभी-यहबनीये;जीयादा सजादेतेहें-ओर चोरासीलाख जीवाजुनको.हदसेजीयादा सजादेतेहें;जीससेबुरा होताहे क्युंकि यहबनीये जादुसे चोरासीलाख जीवाजुनको मारतेहें जीसका; पाप बहोतहोताहे ओर खेती बाडीमेतो जीवडोंको थोडाकलपातेहें?ओर ईन्द्र जालके पापमे जीवडोंको जीयादा दुखदेतेहें ईससेजीयादा पापका नांम;जादु कहतेहें!ईससेईन!बनीयोंकानांम जादुखोरा रखदीयाहे क्युंकि-यह;जादुखोरा;ज मीनके नांमका पापकराके जमीनमे आगभी लगादेतेहें जीससे कीरोडों जीव जलजातेहें जीससेबुराभी.जलदीहोताहे ओर?यह जादुखोरालोग-संसारके-लो; गोंको बहकाकरके ऐसासुझातेहें कितुम उल्लु जांनवरको मारके ओर उसकी बवावनाकर जीसकीआंखमे डालोगे यादुसेरकी ओरतके-कपडेमे-लगादोगे तो बोह तुमहारेकहनेमे होजावेगी साभाइमेरेहो;जादु;कोईचीजनहीहे यहतो राक्षसी बीद्याका पाप चलायाहुवाहे जीसकाकुछ अंन्दाज नहीहोसकताहे अगरचे दु; नीयां ईसपापका हीसाबकरेतो ईसकीगीनतीभी नहीहोसक्तीहे क्युंकि?राक्षसी-पाप-बहोतहोरहाहे सोईसबातको जरुरही समझनाचाहीये किईनबनीयोंने!कीस तरहके पापचलायेहें किजोकोईभी साहब खयाल नहीकरते किईनबनीयोंने;रा क्षसीपापसे सबकीअकल खराबकरदीहे जीससेदया धरमही-नहीजांनतेहें-बलके संसारकेही-हाथोंसेबहोत.पापकरारहेहें ओर जोकि-देवताहुयेहें सोउनहोंने मा-लीककी भगतीकीहे ईससेउनकी समाजीका?पुजनातो दुरस्तहे.परंन्तु समाजी: कोतो नहीपुजतेहें ओर उनकी?समाजीयोंके उपर उनकेनांमसे—अपनेहाथोंसे जांनवरोंको मारतेहें सोधरमकी पुजनतो नहीकरतेहें ओर जीवडोंको:मारनेल गतेहें सोसंसारकोतो,कुछ दोशनहीहे क्युंकिउनकी बुधीतो-जादुसे केदहे ईससे दया-धरम भुलगयेहें सोजीन२रजवाडोंमे देवतोंकेउपर जीव मराने शरुकीयेहें ओर जबसंसारमे भुलपडजावेगी जबतो सबदुनीयांको जादुसे बीमारकरके;व देवतोंका मुजा२के जीतने संसारमे'हिन्दु'मुसलमांन ओर-अंग्रेजवगेराके कुळमे भगत लोगहुयेहें सेदेवतासरुपी लोग भगतहीहोतेहें चुनाचे सबकीसमाजीयों: पर जीवमराना?शरुकरादेंगे ईसीतरहसे जेसेकिअब जीन२रजवाडोंमे देवतोंपर जीवमरातेहें ओर संसारको.जादुसे खबरभी नहीपडनेदेंगे.सोयह बनीये पहले तो अपने राक्षसीपापसे संसारकेलोगोंको बीमार करदेतेहें ओर फीरऐसा मु

झादेतेहैं किदेवताने बीमारकीयाहे-सोदेवता-जांनवरको चाहताहे सोदेवताकेनां मका देवताकेउपर?बकराचढाओ जवतुमको आरांमहोगा:सोवोह:बीमारआदमी: अपनी बीमारीके सबबसे.ओर.डरकीवजेसे-अपनी जिन्दगीके खातिर चढादे-तेहें सोवोहतो बनीयोंके राक्षसीपापसे खुलेहुयेहें जीससेजेसाकि सुझातेहें;वेसा हीकरनेको लगजातेहें?सोबीमार आदमीके नांमका पापकरना छोडदेतेहें जब-वोह अच्छा?होजाताहे सोईनलोगोंकी बुधी-ईनबनीयोंने अपने—राक्षसीपापसे ऐसीखराब:करदीहे जीससेऐसाही सुझताहे किजोभगत:होताहे उसकोभीऐसाही राक्षसीपापसे करतेहें-किजीससे उनकोभी खबर नहीहोनेदेतेहें-किपापका करा नाबुराहे याभलाहे सोऐ संसारके लोगो-पापका करानातो बुराहीहे:सोकीसी जांनवरको यादुसरी जीवाजुनको?मतसताओ बलके दुसरेशखसको मारतेहुये; देखो तोमतमारनेदो-जीसतरहसेकि जांनवरोंकी!ओर!दुसरी जीवाजुनकी!जांन हे उसीतरहसे सबके सरीरमेभी जांनहे सोजीवाजुनकी जांन तुमहारे,कोशीस करनेसे बचसकेतो बचाओ क्युंकि नेकीका दरजाहे वोहअच्छाहीहे मगर यह: बनीये?अपने राक्षसीपापसे-साधु फकीरोंकोभी ऐसाही सुझादेतेहें.किसमाजीके उपर बकराचढाना दुरस्तबातहे अगरचे:वोह:दयाभीकरेतो राक्षसीपापके जादु से उसकोदयाभी नहीकरनेदेतेहें-तोउसको दयाभी नहीआवे ओर;वेसाहीकहने को?लगजावे ओर जबयह बनीये राक्षसीपापसे;साधु;फकीरको बीमारकरदेतेहें ओर उनकेघटसे देवतोंका-छल सुझादेतेहें तोवोहभी जांनवरोंको अपनेहाथसे; मारनेको लगजातेहें,ओर,जबअच्छे होजातेहें तोफीर!परचोंके भरोसेसे.यहकहने लगजातेहैं किदेवी देवतासचाहे ओर मैंझुठाहूं ओर यह नहींसमझतेहें कियह-रावणके-मुवाफीक-राक्षसीपापका;करतबहे ओर यह,महाजनलोग,पहलेतोउसके नांमका पाप चोरासीलाख कुंन्डीयोंपर कराके-उसकोबीमार करदेतेहें—ओर-उसके घरवालोंको!याखुद उसबीमारको?जादुसेऐसा सुझादेतेहें;किदेवताने:बीमा एकरदीयाहे सोदेवता जीवमांगताहे जादुसे ऐसीबुधी फेरदेतेहें ओर जब यह समझतेहें किअबतो बीमारके घरजीव यानेबकरा पाडावगेरा-देवताके नांमसे-मारदीयागयाहे जबउस:बीमारकेनांमका?पापकराना?उन चोरासीलाख-कुंन्डीयों परसे छोडदेतेहें.तोफीर.वोहबीमार अच्छहोजाताहे ईससे-देवतोंके परचोंको—सचा?जांनतेहें मगर:उनकोयह खबरनहीहे-किरावणकी तरहसे!ईन बनीयोंनेभी

राक्षसीविद्याका पापचलायाहे?अगरचे?ईनबनीयोंके राक्षसीपापकी खबरःदुनीयां को पडजाती-तोदुनीयां फोरनःईनके जालको;छोडादेती परन्तु!संसारको अब तक.ईनके जालकी खबरनहीहे ईससे?दुनीयांके लोग अपने हाथोंसे कीरोडों जांनवरोंको देवतोंकेउपर मारतेहें ओर अलावाईसके-संसारके अंन्दर हेजाकी बीमारीमे कीरोडों शखसोंको मारदेतेहें.ओर राजा बादशाहोंके हाथोंसे कीरो डों जांनवरोंको मरवादेतेहें जब कीरोडों पाडा बकरोंके चमडोंकी चीरेंकर-बा२के दरखतोंकी मुलांयम डालीयोंमे बांध२के लटकादेतेहें.ओर'जोसंसार उ नके चमडोंकी चीरें नाकरेंतो बीचारेसंसारको-जादुसे बीमारकरके ऐसामुझा देतेहें:कितुम खालोंको चीरकर झाडों.ओर.दरखतोंकेउपर खालकी चीरेंबांधो जबबांधतेहें-ओर जोनहीबांधेंतो?उनको यहमुझातेहें किदेवताने बकराःपाडानही मांना ईससेउसको जादुसे बीमारहीरखतेहें सोजबकि वोह चमडेकीचीरें सुख जातीहें जबदरखतोंको तकलीफहोतीहे क्युंकिजीसतरहसे अपनेसरीरमे जांनहे: ईसीतरहसे ईनदरखतोंके अंन्दरभी जांनहे जीससेदरखत-सरसबज रहतेहें:सो: यह-दरखततो ऐसेसतीहें-किअपनेको फल?फुलखीलातेहें ओर आप-धुपमेखडे रहतेहें ओर दुसरेपर सायाकरतेहें ओर उनकी लकडीयोंको अपनलोग;जला नेके कांममेलातेहें ओर जोकि बनासपतीहे वोह-तमांम जहांनकेलीये रीजकहे; क्युंकितमांम ईससे.परवरशपातेहें सोसबकोही मालुमहोताहे ओर मै'जोआपलो गोंको बार२लीखकरके दरसाताहूं सोसीरफ-ईसगरजसे दरसाताहूं कितुम सं सार्के?लोगोंकी बुधी-ईनबनीयोंके?राक्षसीपापसे भ्रष्टहोरहीहे ईससेदुसरे जीवों की पहचांनतोक्या तुमको अपने सरीरकीही पहचांन नहीरहीहे क्युंकि:ईनब: नीयोंने अपने राक्षसीपापसे बनासपतीसी चीजोंकोही.मुत पलीत बनारक्खा हे ओर दुनीयांके हाथोंसे उनदरखतोंके-अंन्दर कीलोंतक!गडवादेतेहें सोयह-दुनीयांकी मुलहे क्युंकि दरखतोंके अंन्दर नातोमुतहे ओर नापलीत खबीस बगेराहे यहतो सीरफ सोदागर महाजनांनकी जालसाजीहे-क्युंकिअपन;लोगों की बुधी भ्रष्टकरदीहे.ईससेऐसाही मुझताहे बलके यहांतकतो ईनकाजालहे-कि नीदकेअंन्दर सुपना बगेराहोताहे जेसेकि नीदमे मरेहुयेका सुपना मुजजाताहे उसीतरह जादुसे मरेहुयेका?जागता सुपना;कीसी२को करदेतेहें ओर;फीरउसी के घटमे.ऐसा,मुझादेतेहें किमेरेको-मुतमीलाहे ओर देखाहे ओर;जीसकोसुपना

करातेहैं?फीरउसको जादुसे बीमारकरदेतेहैं ओर बीमारकरके उसको:यहसुझा-
देतेहैं किमेरेको फलांने दरखतकेनीचे या.ओर.कीसीजगह भुत लगगयाहे जी
ससे.मै.बीमार-होगयाहूं-ओर साधु?फकीर संसारमेसेभी कीसीको ऐसाहीसुझा
देतेहैं किईसको भुतलगगयाहे.सो,मै,ईसभुतको झाडादेकर:नीकालसकताहूं-ओर
वोह-झाड़ा देनेवाला बकरा वगैरामंगावे ओर यहकहे किभुत खबीस बकरा
मांगताहे नहीतोभुत?ऐसा जबरदसतहे किईस.बीमारका.जीव लेजावेगा?ईसबी
मारकेउपर बकरा फेरकेमारो सोईसबकरेका जीवतो भुतलेजावेगा ओर यह;
बीमार बचजावेगा-तोफीर उसबकरेको मारदेतेहैं ओर वोह झाड़ादेनेवाला!क
हताहे-किमैभुतको झाड़मे.कीलदूंगा तोभुत फीरईसको?नहीलगेगा जबउस झा
ड़ादेनेवालेको जादुसे ऐसासुझादेतेहैं!किवोह!यहकहताहे किमैनेभुतको पकड़ली
याहे ओर झाड़मे कीलूंगा ओर जीन२रजवाड़ोंमे यहभुत पलीतका:पापचला
याहे-वहांहजारों दरखतोंमे?लोहेकीकीलें गडवादेतेहैं!ओर नाकोईभुतहै:ओर ना
पलीत खबीस डाकनवगैराहैं फकत यहतो बनीयोंका राक्षसीपापहे ओर-दर
खतोंमे-जोकीलें-गडवातेहैं सोयह दरखततो,बेचारे बडेसतीहैं मगर कीलेंगाड२
कर नाहक तकलीफेंदेतेहैं-ओर-बकरेवगैरा जोदेवतों ओर भुतोंका बहांना क
रके.हजारों.जीवजंतुको मारतेहैं तोनाहक बेचारोंको?संसारके:हाथोंसे जीव:मरा
करके तकलीफेंदेतेहैं ओर जादुसे संसारको बीमार कर२के भुतोंका ओर दे
वतोंका सुझा२के कीरोड़ो-जीवजंतुको देवतों:ओर भुतों ओर पलीतोंके.नामसे
मरादेतेहैं,सोतुम!संसारके लोगो तलाशकरके.देखलो किजीन२रजवाड़ोंमे ऐसा
पाप चलाहे सोसंसारकोतो कुछ दोशनहीहे क्युंकि-उन बेचारोंकोतो जादुसे-
बीमारकरके?भुत पलीत ओर देवतोंका सुझादेतेहैं तोलोग डरके ऐसेकांमकर
ने लगजातेहैं सोसंसारकोतो:मालुम नहीहे कियह.जादुहे.वोहतो.भुत पलीतही
समझतेहैं क्युंकिभुतों ओर देवतोंके भरोसेभुलेहैं ओर जीसको जादुसे.मारना
चाहेंतो-फीर-वोह चाहेकीतनेही जीवमारें उसको.कचीउमरमे मारहीदेतेहैं भुत-
पलीत ओर देवतोंका बहांनाकरके जोतुम संसारकेलोगो तलाशकरो तोयह.
पापतो!ईन,महाजनोंका मयटहे ओर संसारके हाथोंसे बुधीफेरके;पापकरातेहैं
सोईनहोंने संसारमे बुराहोनेकेवासते-अनबोलोंकेउपर ऐसाजुलम चलायाहे,सो
ऐसे२पाप-देखतेजाओ ओर छोडातेजाओ ओर ईनका गुपतीपाप छोडाओगे:

जब ऐसेफेल दुनीयांमे नहीहोंगे देखतेपापको जोभुत पलीत!ओर!देवतोंवगेरा के,नांमसे जीवमारतेहें–उसकोतो–हरकोई छोडादेगा परन्तु ईनका गुपतीपाप– छुटनाचाहीये जबदुनीयांसे यह'फेलछुटेंगे,जबतक गुपतीपाप;नहीछुटेगा;तबतक; संसारको भुत पलीतका बहांनाकरके जादुसे बीमार करतेरहेंगे ओर संसार: भुलकरके–डरकीवजेसे देवतों ओर भुतों ओर पलीतोंके नांमसे–अनबोलोंको मारतेरहेंगे ओर भाईमेरेहो गुपतीपाप वोहहे किजहां ईनमहाजनांनने चोरासी लाख कुंन्डीयां राध ओर लहुकीबनाईहें ओर तुमसब संसारकहतेहो कियहां पर.स्वर्ग ओर!नरकहे ओर नारगीडालतेहें सोयहांपर–तमांमपाप बनीयोंके-कु ळके हाथोंसेहोताहे सोवोहतो!ऐसापापहे किजेसा रावगने दरीयावोंपार;अलो; ष.पाप-चलायाथा!उसीतरहसे ईनमहाजनांनने गुपती पाप!चलायाहे सोवोहबो महाजनांनकी जातकोही मालुमहे ओर वहांपर ईनकीजातके सेठ महाजनहीं– जातेहें ओर!उसी गुपतीपापसे देवतों:ओर:भुत.ओर.पलीतोंका दुनीयांमे फेल चलायाहे ओर उसीफेलसे देवतों ओर'भुतों:व:पलीतोंका बहांनाकर२के.कीरो डों जीवमरातेहें.उसकासारा.मतलबयहहे कि नातोभुतहे ओर नाकोई!पलीतहे यहतो फकत ईनमहाजनांनका राक्षसीपापहे.ओर.राक्षसीपापसेही नींदकेअन्दर; ओर-जागतेमे-सुपने करादेतेहें–ओर कुछका'कुछ'सुझातेहें सोयह सुपने राक्षसी पापसेहीहोतेहें ओर.ईसीतरहसे रात-दीनमे!जागते;सुपने?करादेतेहें सोजीसतरह से'कि'रावण–राक्षसबीद्याके पापंसे केई२कीसमके सुपने सुझाताथा;उसीतरहसे; अब.यह.बनीयेभी केई-कीसमके सुपने सुझादेतेहें–किजो!मरेहुये मुरदे सुपनेमे- नजरआतेहें सोभाइमेरेहो मरेहुयेतो नहीआतेहें यहतो राक्षसीपापसे ऐसासुझा देतेहें किजीसतरहसे.बाजीगरलोग–ठीकरीका?रुपीया:पेसाकरके दीखादेतेहें!ऐसे यह-बनीयेभी राक्षसीपापसे;भुत;पलीतवगेरा सुझादेतेहें परन्तु.भुत पलीतवगेरा जोसुझातेहें वोह,सब,जालहे ओर कुछभीनहीहे क्युंकि पापको ताकतहे किजो चाहे सोहीकरसकताहे ओर–ऐसाबुरा गुपतीपापकरातेहें किजीसकेनांमका गुप तीपापकरावें तोउसीका!बुराहोजावे ओर सबबलायतोंके–नांमका पापकरावें;तो सबबलायतोंका बुराहोजावे सोपाप,जोसंसारके नांमकाकरातेहें सोपापतो लग जाताहे मगर करनेवाले बेईमांन काफीरहें क्युंकि!बेचारों अनबोलोंको-कलपा देंहें;ओर;दुनीयांमे जादु२जोकरतेहें!ओर–ईन्द्रजाल जोकहतेहें ओर राक्षसबीद्या

ओर काफीरबीद्या कहतेहें सोपापतो ऐकका ऐकहे परंन्तु दुनीयांके नासमझने केवासते नांम अलग२लीखदीयेहें सोयह चतराई-दुनीयांके नासमझनेकेवासते कीहे मगर दुनीयां-यह-खयाल नहीकरतीहे किपहले रावण?हरनाकुश कंन्स-कारूंनवगेराने राक्षसबीद्याकापाप चलायाथा?जब वोहभी.ईन बनीयोंकीतरहसे कुछकाकुछ सुझातेथे सोयहबात:दुनीयांमे मघटहे?कियहबातें!राक्षसबीद्यासे!सुझा तेथे लेकीन यहबनीयेतो रावण वगेरासेभी जीयादा कुछकाकुछ सुझातेहें सो ईसबातका खयाल कीसीकोभी नहीहोनेदेतेहें पेशतर-मैंभी-संसारकीतरहसे भु; लाहुवाथा-क्युंकि?मुझको राक्षसीपापसे जबतक.कि.ईनबनीयोंने दुखीनहीकीया था जबतक मेरेकोकुछ खबरनहीथी ओर अबतोजोकुछ मेरेउपरहोचुकीहे वोह बीतीहुईलीखताहूं ओर-मुझकोतो:ईनसोदागरांनने तरह२की;जालसाजीयां,दीख लाइहें ईससे;मैं;बार२लीखकर तुमभुलेहुये शखसोंको खबरदारकरताहूं क्युंकि; ईनबनीयोंने फकत दुनीयांकेनांमका,पापहीचलायाहे ओर पापसेही:बुराकरतेहें; सोमुझको ईनकापाप?मालुमहोगयाहे-जीससे मे आपलोगोंको वाकीफकरताहूं-ओर लीखताहूं ओर तुमसब संसारअपनी२आंखोंसे देखरहेहो किकेसा;जुलम चलायाहे सोजीन२रजवाडोंमे ऐसापापचलायाहे सोसबसंसार दरीयाफतकरके देखलो-किईन बनीयोंने बुढ्ढे;आदमीयों?ओर?ओरतोंपर केसाजुलम कीयाहे;कि उनहोंको डाकी-डाकनबनायेहें जीसकाहाल तुमसंसारके लोगोजरा-दीललगा. कर,सुनो,किजोछोटा गांवहे उसमे:सो:पचास डाकनीयां-बनाइहें ओर:जोकेउस से:वडाशहरहे वहांपरवहोतसी डाकनीयांबनाइहें परंन्तु जोकिबुढ्ढे मरद-ओरतहें तोवोह तीरथसमांनहें सोवेद.ओर.परांनोंमेभी-लीखाहे ओर दुनीयांमेभी जांन तेहें!किजो बुजरगहोताहे;वोह तीरथके-मांनींन्दहे मगर ईनके,सर,बदनांमीदेदीहे परंन्तु यह.बनीयेऐसेहें.कितीरथसरुपी आदमीयोंको-संसारकेहाथोंसे मरवादेतेहें ओर तरह२की बीमारीयांभी राक्षसबीद्याके पापसेकरतेहें ओर संसारकेदीलमे डाकी-डाकनीयोंका सुझातेहें;ओर;जोकि डाकी?डाकनीयांबनाइहें-उनकेदीलमेभी ऐसासुझादेतेहें जीससेवोहभी ऐसाकहनेको लगजातेहें किहम डाकन;डाकीहीहें; सोईसवजेसे-ऐसी२बातेंकहनेको लगजातेहें.किउनकीअकल ईनबनीयोंने अपने-राक्षसीपापसे ऐसीखराबकरदीहे?मगर यहबात:काबील खयालकरनेकेहे.किऐक शखस वहोतफासलेपर याकुछ नजदीकबेठाहे तोउसकादील वोह?कीसतरहसे:

खासकताहे?क्युंकि जबखाना सांमनेरक्खाहुवाहे तोवगेरहाथ उठायेहुयेके-कीस तरहसे खासकताहे-परन्तु खानातो उसीहालतमे?खायाजावेगा किजबहाथउठा कर.मुहमे.लुकमादेगा मगर दीलकेचलानेसे खाना नहीखासकताहे सोयह;बनी येतो पापकराना समझतेहें-किजोगरीब आदमीयोंको?दुखकरेंगे:तोआपुसमे'लड कर-खुदहीमरजावेंगे सोईनबनीयोंने ऐसा.राक्षसीपाप चलायाहे:सोयह पाप?सी जक खोनेकेवासते-चलायाहे किईस-राक्षसीपापसे कुलसंसारका!धनअपनेकबुमे करलेवेंगे ईसखयालसे ईन्द्रजालका पापचलायाहे सोईनबनीयोंने धन,कुलजहां नका काबुमेकरलीयाहे.सोसंसारके लोगोंको यहबनीयेअपने राक्षसीपापसे-बी-मारकरदेतेहें ओर फीर उनकेमुहसे यहकहलातेहें किमुझको-डाकनलगगइहे सो अबकि उसबीमारीसे;मरजावे.तोफीर.कहनेकोलगतेहें,कि,डाकनीयोंने खालीयाहे ओर-अबतो जीसदीनसे.अंग्रेज.हिन्दुस्तांनमेआयेहें जबसे डाकनीयोंके बहांनेसे जराकममारतेहें ओर डाकनीयोंका जलाना मारनाभी थोडा?बंन्दकीयाहे:मगर डाकनीयोंके बहांनेसे-नहीमारेंतो ओरही?संसारकेनांमका जादुसे तरह२का;पाप कराके ओर?बीमारकर२के?कचीउमरमे मारतेहें-ओर-कीसी२को-चोरी—छांने-जादुसे बीमारकरके;अबभीडाकनीयोंका सुझातेहें तोअब,अंग्रेजोंसे,डरतेहुये गरी ब;आदमी चोरीछांने:अबभीडाकनीयोंकी बातेंकरतेहें-ओर चोरीछांने!ईसवासते करतेहें किहमाराजाल मालुमहोजावेगा-ओर अंग्रेज हमाराजाल समझजावेंगे-बोहमारा जालछोडादेंगे?जीससे डाकनीयोंका-जलाना-मारना अब बंन्दकीयाहे ओर रावणने दुनीयांकेपीछे केईग्रहलगायेथे किजीससे केईगरीबोंको संसारके; हाथोंसे संसारमे बुराहोनेकेवासते दुखदीलाताथा उसीतरहसे यहमहाजनभी:बे चारे,गरीबबुद्धे आदमीयोंको ओर-बुढीओरतोंको?संसारमे बुराहोनेकेवासते डा कन डाकीबनाकर मरातेहें-उसीतरहसेयहभी वेसेहीगरीबहें सोसंसारकेलोग;अ; ब्बीतरहसे ईसबातकोसोचो कि?रावण जोराक्षसीपापसे बीमारकरदेताथा ओर कीसी२को-मारभीदेताथा सोजबकि!दुनीयांको खबरपडी:जबदुनीयांने.रावणको मथे उसकेकुळके मारदीया सोभाई जबकि राक्षसबीद्यासे:मेहःओर मोतको स हारेकरलेतेहें तोफीर राक्षसीपापके-चलानेवाले-जोचाहें वहीकरसकतेहें-सोजब-कि:संसार-ईसकेतजानेका बंन्दोबस्तनाकरें जबतोजीनेकाभी धरमनहीहे क्युंकि मालीकनेतो सबहीको:पुरीउमरदीहे सोकदीम ओर ठेउसे;बुजरग;यानेबुद्धे:जईफ

होकर मरतेहैं:परन्तु:ईनबनीयोंने रावणकी तरहसे.संसारकेलोगोंकी मौतको:का बुमे करलीयाहे लेकीन पहलेजमानेमे बापसेपहले बेटानहीमरताथा-ओर अब बापसेपहले बेटामरजाताहे सोअब.ओर.पहले क्यामालीक ओरथा.जोअबऐसा होजाताहे!ओर पहलेऐसा-नहीहोताथा परन्तु.मालीकतो.बोहकावहीहे सोऐसे२ पापतो ईनबनीयोंने जाहीर चलायेहैं-जीसकोतमांम जहांनकेलोग अपनीआंखों से देखरहेहैं ओर अगलेजमानेके लोगतो ऐसेसतीहुयेहैं किबोह-सीवायेनेकीके दुसरीबातही नहीजांनतेथे जीनकी तारीफैंयहहैं किबोह जनमसेही.मालीककी-भगतीकरतेथे!जीससेबोह-शखस देवतासरुपी कहलायेहैं.परन्तु ईसजमांनेकेलोग उनदेवता सरुपीयोंके नांमसे उनकी समाजीयोंपर बकरा पाडावगेरा-चढातेहैं; ऐसे२पापसे अगले२लोगोंका-नांमभी-डबोतेहैं सोयह!पापनही करनाचाहीये अ मरचे उनहोंकी समाजीयोंको मांनोतो धरमहे सोधरम पुन्यकरो याउनकेनांम से.मीठेभोजनकरके खीलाओ!याअपने—बाल.बच्चोंकोखीलाओ ईसीतरह.अगर तुमहारेकुळमे कोईभगत हुवाहोवे तोतुमलोग उनकेनांमसे धरम पुन्यकरो या. ब्राहमन साधुबगेराको,खीलाओ,याअपनेघरके-बच्चोंको भगतलोगोंके नांमसे-खी लाओ ओर जांनवरोंको मतसताओ क्युंकि ईन बनीयोंने तुमहारी अकलको अपने-राक्षसीपापसे खराबकरदीहे.ईससे.तुमलोग-पापकरतेहो किजोभगतोंके;नां मसे जांनवरोंको मारतेहो जीससेदुनीयांकी अकल दीन'रात'खराब होतीजा. तीहे-मगर ईनबनीयोंनेतो-अपना मतलब समझकर-यह राक्षसीपाप चलायाहे ओर ईससेही संसारके लोगोंकी?अकल-भ्रष्टकरदीहे जीससेतुम लोगोंको पाप करनाही धरमसुझताहे:अगर:कोईशखस जांनवरके मारनेसे मनेकरेतो मरने व मारनेको-तयारहोजातेहैं ओर जोनेकीकीबात बतावेंतो उसकोनहीकरतेहैं कि-जीससेभलाहोवे ओर परमेश्वभी खुशहोवे सोऐसे२कांमकरनेकोतो जीवनहीचाः हताहे ओर पापकी बातोंकेलीये जीवचाहताहे जीसकीवजे यहहे किबनीयोंनेः अपने.राक्षसीपापसे-सबोंकी अकल खराबकरदीहे जीससेनेकी ओर बदीको:न हीसमझतेहैं ओर ईसी.पापकीवजेसेही.गरीब अमीर-बेओलाद रहजातेहैं!सोजो बेओलाद?रहजातेहैं बोह राक्षसबीद्याके पापसे बेओलाद रहजातेहैं क्युंकि सा लीकनेतो सबोंको:ओलाददीहे:क्युंकि-सतजगमे!कोईबेओलाद नहीरहताथा;ओर सबके ओलादहोतीथी ओर अबजो बेओलाद रहजातेहैं ओर उनके ओलाद;

नहीहोतीहे सोयह!बनीयोंका राक्षसीपापहे किजीस:मरद:ओरतके नांमका?पाप करातेहें ओर जीसके बच्चानहीहोताहे ओर कीसी२को-ऐसाभी सुझातेहें—कि भेरूंके-नांमका.यादेवीके नांमका बकरा!ओर!भैंसा वगेराचढाओगे जबतुमहारे बेटाहोगा सोजबकि उनकेनांमका-बकरा;या;भैंसावगेरा मारदेवें तोफीर उनके-बेटाहोजाताहे सोजब?बनीये उनकेनांमका पापकरना-छोडदेतेहें?जब बेटाहोजाताहे.ओर जोपापकरना नहीछोडेंतो नहीहोताहे अगरचे होजावे-जबतो-संसारकेलोग ऐसाकहनेको लगजातेहें किहमने देवीवगेराके नांमका बकरावगेरा चढायाथा-सोदेवीवगेराने बेटादीयाहे ओर.जोबकरा चढानेसेभी!नहीहोवे तोयह कहनेको लगजातेहें किपरमेश्वने मेरीकीसमतमे ओलाद नहीदीहे ईससे-नहीहोतीहे सोयह संसारकीभुलहे क्युंकि:परमेश्वनेतो:सबको ओलाददीहे-मगर बनीयोंके?राक्षसीपापसे नहीहोतीहे;ओर;जीसकेनांमका पापनहीकरातेहें उसकेओलाद होजातीहे परंन्तु संसारके लोगोंकी अकलतो-ऐसीफेरदीहे किजो समझनेसेभी-नहीसमझतेहें-क्युंकि पापकरनेसेतो-ओलाद मरजातीहे सोतुम;पापकरतेहो ओर पापकोही?धरम समझतेहो:सोभाई मेरेहो-देवतोंके-उपरतो बकरा चढानेसे नुकसांन पहूंचताहे क्युंकिवोहतो भगतहुयेहें जीनकेउपर तुमबकरा चढादेतेहो; सोउनकेउपरतो?पापकरना बुराहे-क्युंकिउनके-नांमका धरम पुन्य.करनाचाहीये वोह अच्छीबातहे ओर जीसतरहसे रावणने राक्षसबीद्याके:ग्रह:चला२के लगादीयेथे!ओर!देवतोंकेउपर हाडवगेरा-गीरवादेताथा परंन्तु दुनीयांको अपने,राक्षसीपापसे ऐसा सुझादेताथा किदेवताने रोगवगेराकीयाहे-सोऐसा बहांनाकरके रावण दुनीयांके,हाथसे,हाडवगेरा गीरवाताथा:सो:रावणनेतो थोडाही पाप-चढायाथा ओर ईनबनीयोंनेतो.ईतना.पापकराना शरुकीयाहे-किजहांनके;हाथोंसे देवतोंकेउपर जांनवरोंको मरवादेतेहें ओर हाडोंको डालदेतेहें सोहम-तुम सबही जांनतेहें किअपने'हाथोंसे'हम ओर तुम देवतोंकेउपर-हाड-ओर खुन डालदेतेहें!सोईस२तरहके;पापतो;जाहीरा संसारके!हाथोंसे!करवातेहें ओर-गुपतीपाप: यहबनीये दरीयावोंके उपरकरातेहे:ओर:उसीगुपतीपापसे दुनीयांकी बुधीभ्रष्ट-हुइहे.किजीससे लोग.देवतोंकेउपर जीवमार२के हाडडालतेहें ओर-उसीपापसे; देवतोंके बहानेसे भुतोंको नचातेहें-ओर-सुझातेहें.देवतोंका!ओर!उसीपापसे;दुनीयांमे:यह:बीगन-तरह२केचलेहें जीसकी गीनतीभी;नहीहोसकतीहे जबतक संसा

रमेसे-यहबीगन-दुरनहीहूंगे ओर वोह गुप्तीपाप जहांपरहोताहे!वहांपर!सीवाये बनीयोंके ओरकोईभी नहीजासकताहे?ईससेईनका?जाल मालुम नहीहोसकताहे; सोसंसारके-लोग ऐकदीलहोकर ईनके राक्षसीपापको.छोडाओ.जबसंसारका!भ लाहोगा ओर सबसंसारकीःओलादःउभरेगी क्युंकिपहले जमांनेमे चांदी सोने का,ठाट,ओर-पाटथा ओर अबनहीहे सोवोह'पेसा'कहांगया क्युंकि जमीनतो; वोहकी वहीहे क्युंकिपेसा?नातो?गलायाजाताहे ओर नाखायाजाताहे वोहतो-सीरफःखरचकरनेके काममे लीयाजाताहे सोतुम सबहीजानतेहो कि?पहलेजमां नेमे धनबहोतथा ओर.सोने.चांदीकी खानेंथीं सोईन!सोदागर!महाजनांनने?रा क्षसीपापसे खानोंको.गुमकरदीहें ओर;यह;खानेंजोहें वोह जमीनमाताके सरीर कीःचरबीहेःपरंन्तु यहबनीये जमीनमाताके नांमका-पापकरातेहें जीससे?चरबी गलगइहें सोईसबातका तुमलोगोंको जरुर-खयाल-करनाचाहीयेःकिहरऐक मुल कमे;चांदी;सोनेकी खानेंथीं वोह'कहांगई'वलके सब,चीजोंकी तेजीहोगइहेःओर जीनको कि-हीरा-ओर पन्नाकी खानेंकहतेहें वोह पत्थरहें!मगर!हरापत्थरथा-सोवोह.हराहीराथा ओर?नीला?पत्थरथा-वोह-नीलाहीराथा ओर सुफेद पत्थर था'वोह'सुफेदहीराथा ओर लाल;पत्थरथा;वोह लालहीराथा ओरःपीलाःपत्थर था तोपीलाहीराथा.क्युंकि.यहपत्थरहें जोजमीनमाताके हाडहें तोअगले जमांने मे जबकाल नहीपडतेथे जब जमीनमाताका-सरीर-नीरोगाथाःतोहाडोंमे-रोशः नीथी परंन्तु-यह-बनीयेलोग जीसदीनसे काल पडानेलगेहें ओर तरह२केरोग जमीनमाताको करदीयेहें सो-बीमारीके-सबबसे.सब.चीजोंकी शीकल बीगडग इहे जीसतरहसेकि!आदमी!बहोत बीमारहोताहे ओर बीमारीसे उसके-सरीरका खुन सुखजाताहे ओर गोस्त गलजाताहे ओर हाडभी बदशीकल होजातेहें-ओर-बीमारीके सबबसे?आदमीका रुपभी.तमांम.जातारहताहे उसीतरहसे जमी जमाताको जादुसे रोगकराके बीमारीसे ईनमहाजनांनने.रुप.गुमादीयाहे ईससे-पत्थरोंकी-खानोंका-याने पहाडोंका रुप?जातारहाहे?सोहीरा पन्नोंकीभी;रोशनी चलीगइहे सोईसीतरह जबकि आदमी बीमारीके सबबसे कमजोर होजाताहे-तोउसकेभी-सरीरकी-रोशनी नीकलजातीहे ईसीतरहसे जमीनमाताके सरीरमे भी बीमारीके सबबसे रोशनी?नहीरहीहे ओर यह.चांदी.सोनेकी?खानेंजोथीं-वोहअब;जमीन;आसमांनपरभी नहीरहीहें-बलके-कीसीचीजमे रोशनी नहीरहीहे

ईसकासबब यहहे कियह बनीयेलोग जमीनमाताके नांमका पापकरतेहें ईससे जमीनके सरीरमे-बारेमास-तकलीफरहतीहे ओर जीसतरहसेकि.रावणने.सनी: श्वको राक्षसवीद्याके पापमे दुखीकीयाथा ईसीतरहसे ईनबनीयोंनेभी मुझगरीब को-अपने राक्षसीपापसे दुखीकीयाहे ओर ईस पापसेही तमांमजहांनके लोगों की बुधी!भ्रष्टकरदीहे,सो,में-तमांमजहांनके?बचे?बचनेकेलीये ईन सोदागरांनके: जालसे बाकीफकरताहूं क्युंकि जीसतरहसे रावणने ओर हरनाकुसने तीनलो ककी बुधी भ्रष्टकरदीथी उसीतरहसे सोदागर महाजनांनने तीनलोकको-बुधी भ्रष्टकरदीहे-किजो भाई२केसंम्पनहीहे:सोदुनीयांकी बुधी राक्षसीपापसे केसीभ्र ष्ट करदीहे किजेसे!जांनवरहोतेहें ओर वोह बेसमझहोतेहें'ईसीतरहसे संसारके-लोगहोगयेहें:क्युंकि;आदमीके सरीरमे जांनतोहे.परंन्तु अकलनहीहे सोयह:बनी ये;बड्हरांमीहें किजोईनहोंने;ईन्द्रजालका पापचलायाहे-किजीसका-कुछ हीसाब नहीहे किअव्वलतो खुदहीतुम अपनी;अकलसेदेखो,किपहलेतो ईनसोदागर म, हाजनांनने जमीनमाताके नांमका पापकराके जमीनमाताको बीमार करदीयाहे ओर जमीनके चरबीको.गलादीहे.सोईसबातकी खबरअबतक.कीसीकोभीनहीहे किवोह खांनेकहांगई सोयह अकलसेभी सोचनाचाहीये किखांनें कोनसा आ दमीथा.किजो उठकरचलागया यापंखेह-जांनवरथा किजो उडकरके चलागया जीसकापता नहीलगता क्युंकि,यह,चीजतोऐसीहे किजो छुपायेसे नहीछुपतीहे; यहतोईन सोदागर?महाजनांनने ईन्द्रजालके पापसे जमीनमाताको-बीमारकरदी याहे-जीससे जमीनमाता-दुबलीहोगइहे:जीससे;चांदी;सोनेकी खांनेंगलगइहें'ओर संसारको अंन्धोंके मुवाफीक करदीयाहे किवीलकुल नहीसमझनेदेतेहें ओर ब नीयेतो ईसबातसे?बाकीफहें?ओर पहलेजमांनेमे चांदी:सोनेको:खांनेंथीं?जीसकी वजे.यहहे.किपहलेजमांनेमे जमीनमाता ताजाथी-ईससे खांनेंभी मोजुदथीं ओर अबपापके सबबसे खांनेंगलगइहें ओर.अब.जमीनमाता जादुकेपापसे दुबलीहो गइहे सोईसका हीसाब ईनमहाजनांनको अच्छीतरहसे-मालुमहे किपहलेजमांनेमे जमीनमाता ताजाथी ओर अबईतनी!दुबलीहोगइहे सोईन महाजनांनको जमी न;माताके दुबली.होनेका सब हीसाबमालुमहे क्युंकि दुनीयांकी अकलतो-ईन: बनीयोंने!राक्षसीपापसे!खराबकरदीहे जेसे रावणने;दुनीयांकी;बुधी;भ्रष्टकरदीथी जीससे संसारको जमीनमाताकी पहचांन?नहीरहीथी परंन्तु अबईन बनीयोंके

कुळकोतो जमीनमाताका सब!हीसाबमालुमहे!कि जमीनमाता ईतने वीसवा दु खीहे ओर दुबलीहुइहे-जेसे-रावणके कुळको जमीनमाताका:सबहाल:मालुमथा; सोईनबातोंका हीसाब बनीयोंके.घरोंमे.सभोंकोमालुमहे ओर जोकि राक्षसीवेद ओर राक्षसीवेदकी कीतावें!ओर!टीपनावगेराहें वोह सब-बनीयोंके-घरकेचला: ये'हुयेहें'सोईस!वेदको ओर कीतावोंको कांमेलाकर-सबदुनीयां भुलगइहे सो यह सबबातें:मेंःगरीब-अनोपदास अपनी-बीतीहुई लीखताहूं ओर सारीदुनी-यांभी जांनतीहे किवेदवगेरा मालीकके बनायेहुये ओर उसकेही चलायेहुयेहें; क्युंकि मालीककीतो कुदरतही ओर हे क्युंकि मालीकतो.कोई.कीताव पोथी: नहीलीखताहे यहतो!आदमीयोंकीही-बनाईहुइहें-मालीककीतो फकत!सबमे रोय नीहे परंन्तु'ईन'बनीयोंने अपने राक्षसीपापसे संसारके लोगोंकी बुधी भ्रष्टक रदीहे जीससे ऐक दुसरेसे महोबतनहीहे बलके नाईत्तफाकीसे:देखरहेहें:ईससे; जींन्दा रहनेकाही धरमनहीहे ओर परांनोंमे.ओर.कीतावोंमे ऐसालीखाहे-कि-कलजगआवेगा जब अनाजकेदांने?गीनतीसेबीकेंगे सोपहलेसे यहबातें!संसारमे चलादीहें कि-पांनीभी-तुलकर बीकेगा ओर दरखत ऐक हाथकाहोगा ओर आदमी चार बालीस्तकाहोगा:ओर:जीसकेघरमे ऐक.सेर.कांसी या;लोहाहोगा वोह दुनीयांमे-दोलतमंन्द कहलावेगा सोयह दुनीयांमे केसी भुलवताइहे ओर ईस.जमांनेके लोग गीताको वहोतमांनतेहें!किजीसमे!यह लीखाहे किउरजनको ?श्रीकृष्णजी ?महाराजने मुह'के'अंन्दर तीनलोक दीखायेथे सोयह:बातभी दु: नीयांके भुलानेकेवासते-झुठीचलाइहें-ओर कीतावेंभी दुनीयांमे झुठकी;चलादीहें कि-जमीनमाता श्रीकृष्ण महाराजके:पास:गायेका रुपबनाकर.आईथी ओर क हतीथी किमेंपुरीदुखीहूं-सोदेखोभाई-खयालकरनेकी बातहे किसुरत;कीसीकीभी नही बदलतीथी क्युंकिजो जांनवरहे वोह जांनवर-रहताहे-ओर जोआदमीहे: वोह आदमीरहताहे क्युंकि जीसका सरीर मालीकने जेसा२बनायाहे वेसाही; रहताहे जीवे:याःमरे सुरत-कीसीकी-नहीबदलतीहे फीर जमीनमाताने गायेका सरुप कीसतरहसे कीयाहोगा सीर्फ यहतो दुनीयांके भुलानेकेवास्ते-झुठीबात चलाइहे क्युंकि कृष्णजी महाराज अपनीतरहसे जमीनके पेटमे ऐककीसमका; जीवहोकर गुजराहे किजीसतरहसे-अब-हम ओर;तुम जमीनके:पेटमे:कीडे वस तेहें परंन्तु.ऊनहोंने.भगतीकीहे ओर दुनीयांकेसाथ-नेकीकीहे जीससे!देवता!स

ऋषी कहलायेहें ओर पहलेजमानेमेंःगोतमःऋषि हुयेथे सोवोह परमेश्वरके-भगत थे ओर दुनीयां,यह,कहतीहे किजीसवकत मुरगा आवाज देताथा उसवकत-गोतम ऋषिजी गंगापर अशनांनके वास्तेजातेथे ओर गोतम ऋषिकी ओरत अहलीया वहोत खुवसुरतथी सोईन्द्र महाराज?अहलीयाके?साथ हरांमकरनेका खयालरखतेथे जव ऐकरोज.गोतम.ऋषिजी मुरगेकी आवाजसुनकर गंगापर; अशनांनके वास्तेगये परंन्तु उसदीन!ईन्द्र!महाराजने मुरगेको यह कहदीयाथा किःआजःतु आधीरातको वोलना तोजव मुरगा आधीरातको वोला?तोगोतम ऋषिजी गंगापर अशनांनके वास्तेचलेगये.ओर.उनके जानेकेवाद ईन्द्रमहाराज उनकी'ओरत'अहलीयासे हरांम करनेकोआये ओर चंन्द्रमाको पहरेपर खडा-कीयाथा जव गोतम ऋषिजी-गंगापरपहूंचे-तोगंगाने गोतम ऋषिजीसेःयहकहा कितुम ईसीवक्त अपनेघरको वापीस चलेजाओ क्युंकि तुम्हारेःघरमेःकोईछलहे जव गंगाके कहनेसे उसीवक्त गोतम ऋषि वगेर अशनांनकीये अपने घरको चलेआये ओर आकर देखातो-घरमे-छलहीथा ओर ईन्दरमहाराज मोजुदहें; ओर चंन्द्रमा पहरेपरखडाहे जवकहतेहें किगोतम ऋषिने वहोत गुस्साकीयाः ओर चंन्द्रमाको सरापदीया ओर अपनी धोतीके फटकारेसे छांटेदीये?किउन छांटोंसे'चंन्द्रमामे कालेदाग-पडगये-ओर;अपनी;ओरत अहलीयाको यह सराप दीया कितु पत्थरकीहोकर गंगापर.जापडना सोसंसारमे कहतेहें'किवोह'ओरत सरापदेतेही!पत्थरकीहोके!गंगाकीतीरपर जापडी वहोत?दीनोंतक वहींपडीरही-ओर जीसवक्त!रांमचंन्द्रजी!महाराज जनक राजाकेयहांःजगमेःआये तोउनहोंने उसीपत्थरके उपर जोपत्थरकी अहलीया.होगईथी.अपनी जोडी जुतेकीझाडीः तोवोह फीरअपनी-असलीसुरतपर ओरतवनगई भला गोरकरनेकी.जगहहे कि आदमी'पत्थर'क्युंकर होसक्ताहे ओर.फीर.पत्थरसे आदमी केसेहोसक्ताहे-तुम-संसारकेलोग ईसवातको:दीलसेःखयालकरो किईसझुठका कहांठीकांनाहेःमें;कहां तक.ईसझुठका.हालखीखूं झुठतो दुनीयांमे-वहोतहे-ओर लीखनेवाला'मैं'ऐककहां तक लीखसकताहूं मैंतो-कोई२वात तुमसंसारके लोगोंको आंखें तुम्हारी-खोल नेकेवास्ते लीखताहूं सोतुम,सव,संसारकेलोग ईन्साफकी!आंखोंसेदेखोःकिजो,में लीखताहूं;यहःसच;मालुमहोताहे यायह अगलीवातें'जैसे'गोतम ऋषिजीकी-ओर ईन्द्रमहाराजकीहे यह सच,मालुमहोतीहे,अव जरा ईसवातको सुनोतोसही कि

गोतम;ऋषिने ईन्द्रमहाराजको!सरापदीया!सोवोह,कोढीहोगये ओर उनकेवदनमे सुराख-ओर-बंगहोगये ओर कहतेहें किगोतम ऋषिने चंन्द्रमाको सरापदीया-ओर उनकी धोतीकेछांटोंसे,चंन्द्रमामे,काले दागपडगये.ओर.रामचंन्द्रजीके:जुते झाडनेसे पत्थरसे-फीर-ओरतहोगई ओर गंगाजी गोतम ऋषिको मुहसे बोले किंतुम अपनेघर वापीसचलेजाओ?तोगोरकरो:किआदमीको मालीकने अकल-समझनेके वास्तेहीदीहे सोतुम;सब;संसारकेलोग अपनीअकलसे समझो-कि-गंगा जोहे.वोहतो.जलहे जल मुहसेकव बोलसक्ताहे ओर चंन्द्रमाजोहे जोतीसरुपहे; वोह-ऐसेखोटे कांमोंकेउपर पहराक्युंदेते ओर!गंगाकामांन!ओर घुजरगी?ईसवास्तेहे:किवहांपर साधु फकीर;ओर;अच्छेलोग तपेहें जीससेईस-नदीकानांम-प्रयट हे नहींतोजेसे'ओर'नदीहें वेसेगंगाभी ऐकनदीहे ओर जोकोई यह खयालकरें किं,गंगाकापांनी नहीवीगडताहे,ओर,कीडेवगेरा नहीपडतेहें;ओर;दुसरी नदीयों का पांनी खरावहोजाताहे ओर कीडेवगेरा पडजातेहें ईससे:गंगामे:यह वात; जीयादाहे?सोभाई मेरेहो ईसकासवब.यहहे.किईन महाजनांनने गंगाके नांमका पापकरके अभीतक;रोगनहीकीयाहे;जीससे यहपांनी नहीवीगडताहे-ओर?दुसरी तमांम नदीयोंके नांमका पापकरके रोगकरदीयेहें जीससेउन नदीयोंके पांनीमे कीडे?पडजातेहें?ओर पांनी खरावहोजाताहे सोजीसदीन:गंगाकेनांमका:पापकर के गंगाको रोगकराया?उसदीन ईसकापांनीभी खरावहोजावेगा,ईसीतरहसे,यह वांत-पेशतरसेही-प्रयटकरदीहे किगंगाजी अलोप-होजावेगी:ओर:ईसका महातम कम पडजावेगा सोभाईमेरेहो.अलोपहोजाना ओर महातम'ओर'मांनकम होजा नां'गंगाका'यहहीहे कियह;वनीये;महाजनलोग गंगाकेनांमका पपकराना?शरुकर के ईसकोरोग!करादेंगे!तोउस पापकेहोनेसे-गंगाकेपांनीमे यहवात जोअवहे:नही रहेगी;ओर;ईसकेपांनीमे कीडेवगेरा-पडनेको लगजावेंगे.तोफीर.संसारकेलोगोंके दीलमे गंगाकामांन?ओर!महातम कमहोजावेगा.ओर.दुनीयांखुदही;कहनेलगेगी किअव-गंगा-अलोपहोगई ओर ईसकामहातम कमहोगयाहे जीससेपांनी खराव होकर कीडेवगेरा?पडनेलगेहें?ओर?खयालकरो किजलतो,सदा'नीरमलाहे;परंन्तु ईनें;वनीये वेईमांनोंने जगह२जादुसे रोगकरके-जमीनमाताको बीमार करदीहे-ओर.जोकि.मेह वरसताहे उसकोदुनीयां ईन्द्रकृतीहे;सो;ईन्द्रमहाराजतो तीरन: तारन ओर दीनदीयालहें!पंन्तु!ईन वनीयोंने यह.केसाजुरहा.जाल चलायाहे

किजल कोई आदमीनहीहे किजोअहलीयासे;हरांमकरनेको आयाहोगा क्युंकि जलतो!दीनदीयालहे!ओर-जमीन आसमांन सब जलकीही-मायाहे-ओर सब; जीवाजुन जलहीकी मायाहे!क्युंकि!परमेश्वभी जलहीहे ओर हम:तुम:सब!दुनी यां जलकीही मायाहे ओर जलकीही पेदायशहें सोजल,कोई,आदमीथोडाहीहे जलतो बरसताहे सोहम:ओर.तुम.सबहीदेखतेहें-सोजबकि-जल जमीनमाता पी तीहे जबजल बरसताहे सोसबही देखतेहें'ओर'जोकिसंसारने-गोतम ऋषिकी: ओरतको;पाप;लगायाहे बोह बनीयोंका जालहे जीससे संसारकेलोग:ऐसाकल मा कहतेहें क्युंकिजल:कोईआदमी थोडाहीहे-जोगोतम-ऋषिकी ओरतसे हरांम करता यह,बनीयोंका,छुपतीपापहे-सोसबतुम हिन्दु मुसलमांन ओर अंग्रेज!सम झो.ओर खयालकरो किपहले रावणने राक्षसीपाप;चलाकरके;राक्षसीवेद ओर राक्षसीवेदकी कीतावें-ओर-टीपनावगेरा.संसारके भुलानेकेवास्ते चलादीयेथे उ सीतरहसे ईन-बनीयोंने-चलादीयेहें ओर जोकि:दुनीयां:भुलीहुइहे सोईसतरहसे तो नहीभुलीहुइहे परंन्तु चोरासीलाख कुंन्डीयोंकेउपर नारगीवनाइहे वहांपर-पापकरातेहें जबदुनीयांकी बुधी भ्रष्टहोजातीहे ओर दुनीयां यहजो;कहतीहेकि चंन्द्रमा गोतम ऋषिके.घर.ईन्द्रमहाराजके पहरेपर खडाहुवा सोयह बात खी लाफ-अकलकेहे-क्योकि चंन्द्रमा बुरेकांमके पहरेपर नहीखडाहोसक्ता ओर सु रज चंन्द्रमा कोईआदमी,थोडाहीहें,जोपहरेपर खडेरहें क्युंकि!सुरज!चंन्द्रमातो-मालीकने.जमीनमाताके सरीरमे जोतबनाइहे:सोयह:जमीनमाताके सरीरमे-रोश नीहे,किजीसतरहसे आदमीके;सरीरमे;रोशनीहे उसीतरह जमीनमाताके सरीरमे सुरज चंन्द्रमाकी रोशनीहे ओर संसारकेलोग-यहजोकहतेहें;किअहलीया अपने खांवींन्दकी बदद्वासे पत्थरकीबनके गंगाकी तीरउपर जापडीथी!ओर!फीर; पत्थरसे ओरतहोकर-आसमांनपर चलीगईथी;सोयहबातें;बीलकुलझुठहें ओर-ख यालकरनेके लायकहे किओरत पत्थर नहीबनसक्ती ओर;न;आसमांनपर जा; सक्तीहे यहतो बनीयोंने दुनीयांके भुलानेकेवास्ते राक्षसीपाप चलायाहे-ओर-जोयह,गोतम,ऋषि ओर;ईन्द्रमहाराज बगेराकाहाल ओर,भी,अनेकतरहकी;झुठी बातें दुनीयांमे.प्रगटकीहें.सोयह बातेंतमांम तुलसीकीरत रांमायणमे किजो;झुल सीदासने बनाइहे.ओर.भागवतमे लीखाहुवाहे.ओर.ओतार चरीत्रमेभी-लीखा. हुवाहे सोतुमसब संसारकेलोगोने-ईनकीतावांमे-यहबातें लीखीहुई देखीहोंगी-

ओरःअगरःनहीदेखीहूंतो देखलो!किऐसे२अनेकतरहके कीस्सा;ऐकईन;कीतावोंमे क्या ओर सेंकडों.कीतावोंमे.लीखेहुयेहूंगे सोतुम संसारकेलोग देखलो किईस झुठका,कुछपारनहीहे.हजारों बातेंझुठी राक्षसीवेदकी-कीतावोंमे-लीखदीहें?ओर-दुनीयांअंन्धी उनकीतावोंमे-लीखीहुई-बातोंको सचीजांन२कर मांनतीहे क्युंकि; दुनीयांकी बुधीतो राक्षसीपापसे केदहे सोझुठही सचमालुमहोताहे ओर-ईसवा तको.खयाल.नहीकरते कियहबातें जोउन कीतावोंमे लीखीहुईहें:यहःसमझमेभी आतीहें.यानहीआतीहें.ओर,झुठहे,यासचहे ओर ऐसे२झुठेकीस्से'ईन'महाजनांनने कीतावोंमे लीख२कर-अगले-सतीलोग!जोहुयेहें!उनकेनांमसे यहकीतावें राक्षसी वेदकी दुनीयांका बुराहोनेकेवासते चलादीहें किजीससे हमाराजाल दुनीयांमे; प्रघटनहीहोवे!ओर!दुनीयां उन कीतावोंको अगले सतीलोगोंका नांम लीखा; होनेसे,मांनते,चलेजातेहें.ओर.दुनीयां.यह नहीदेखती कियहबातें;जोईन;कीतावों मे!लीखीहें यहसचहें याझुठहें,ओर,यह;बातेंहुइहें यानहीहुइहें ओर,ईन,बनीयोंने असली धर्मके,वेदकी,कीतावेंतो सबछुपादीहें किजीनमे धर्म.पुन्यकी.बातें ओर कुलकांमःधर्मचलनेके,लीखेथे;ओर;राक्षसीवेदकी कीतावें,झुठीचलादीहें.सोराक्षसी वेदकी कीतावोंमेही ईनमहाजनांनने;यह;चालाकीकीहे किउन कीतावोंमेःअव्वल नांम परमर्श्वका-ओर-कोई२बातसची लीखदीहे किजीससे.दुनीयां'उन कीतावों को!राक्षसीवेदकी ओर झुठी'नासमझें'यहःचतुराईकीहे ओर बाकीतो!तमांमझुठी बातें ओर राक्षसीजालकी दुनीयांको डबोनेकेवासते;ईन;कीतावोंमे लीखीहुइहें; सोदुनीयांःअसलीःधर्मकेवेदकी कीतावोंकोतो तलाश नहीकरतीहे.ओर.ईन,राक्ष सीजालकी कीतावोंको पढ२कर डुबते चलेजातेहें.सोकीतावोंके.पढनेसेतो कुछ नहीहोताहे-परंन्तु?ईन कीतावोंमे?ओर?टीपनोंमे संसारकाबुरा होनेकाहाल-ली. खाहे सोजेसेःयहःमहाजनलोग-उन-कीतावोंके.लीखेमोजीब.होम पाप संसारका बुराहोनेकेवास्ते करातेहें वेसेही!डुबतेजातेहें!सोमें*गरीबसाधु कुल.संसारका-भ लाहोनेके वासतेलीखताहूं-किअसली धर्मकेवेदकी;कीतावोंको;देखो किउनमेक्या लीखाहे!ओर!धर्मपेचलो ओर राक्षसीजालको मीटाओ ओर.राक्षसीद्याके,जा लसे नीकलो जोतुम्हारे-सब-संसारकी ओलादउभरे ओरःयहःराक्षसीजालकी-कीतावें ऐसीहें.जेसेकि.रावणने संसारका बुराहोनेके-वासतेचलाईथी-ओर राव णनेभीःकीतावोंमेःअगले सतीलोगोंका ओर रषेश्वरोंके;नांम किजो;रावणसे;पेश

तर'हुयेथे'उनकेनांम उन कीतावोंमे-लीखदीयेथे किंजीससे रावणका:नांम:चोडे नहोवे ओर संसारमे.लोग.अबतक ईसबातको-कहतेहें!ओर!खुदजानतेहें कि?रा वण!कोईबात!अपनेसर नहीलेताथा.उसीतरहसे ईनसोदागर महाजनांननेभी:ईन राक्षसीजालकी कीतावोंमे अपनानांम नहीलीखाहे किजीससे:ईनकानांम संसर मे?चोडेनआवे?ईसवासते अगले सतीलोगोंका नांम ईन बनीयोंने लीखदीयेहें: ओर रावणने असलीधर्म-पुन्यके-वेदकी कीतावेंछुपाईथीं.सो रावणके वक्तमेतो रांमचंन्द्रजीसरीखे ओर कंसके:जमांनेमे:श्रीकृष्णजी सरीखेलोगोंने ईस राक्षसी जालकी-कीतावोंको-ओर टीपनोंको पांनीमेडुबादीये.ओर.गलादीये ओर दुनी; यांमेसे ईनकीतावोंका नांममीटादीया ओर असलीधर्म पुन्यके–वेदकी–कीतावें: दुनीयांमे चलाइहें.जब.दुनीयांसमझी–ओर-दुनीयांकी आंखेंखुली जब;संसारकी ओलाद!उनके!राक्षसीपापसे बचीथी सोअबभी ऐसाही राक्षसीजाल.ओर.राक्ष सीजालकी कीतावें ईनसोदागर महाजनांननेभी;रावणकी;तरहसे दुनीयांकाबुरा होनेकेवास्ते?दुनीयामे?चलाइहें सोईसवास्ते मेंगरीबसाधु ईस–जालसे संसारको वाकीफ'करताहूं'किअसली धर्मकेवेदकी कीतावोंपरचलो ओर:देखो;ओर ऐसे२ जाल भागवतके [१०]दसवें?हीस्सेमेलीखेहें?किश्रीकृष्ण महाराजके जमांनेमे-नोनंन्द.ओर.नोउपनंन्द रहतेथे सोऐक नोनंन्दके घरमे:नोलाख:गायेंथीं ओर; ऐक नोउपनंन्दके!घरमें!सवाकीरोड गायेंथीं तोवोहगायें हमेशां गोवरधन पर वतपर:चरनेकेवास्ते जायाकरतीथीं:सोकुल ऐककीरोड?चोतीसलाखहुई सोभाई मेरेहो जरादीलसे;खयालकरो किईसकदर;गायें;गोवरधन परवतपर कीसतरहसे रहीहोंगी क्युंकि गोवरधन-परवत-कुछजमीन थोडाहीहे'वोहतो:पहाड्के:मोजीब पहाड्हे!ओर!अलावाईसके यहजो संसारकेलोग कहतेहें किबृजके.लोगोंसे.ईन्द्र महाराजने तकरारकीथी:जब:ईन्द्रमहाराजने गुस्साहोकर–बारह मेघमालसे;चढा ईकी,ओर,कहाकि अब-में-बृजको जलसे-डबोदूंगा सोईस:हालकीखबर:श्रीकृष्ण महाराजकोपडी जब श्रीकृष्ण महाराजने अपनेहाथके नाखुनपर;पहाड्को;उठा करके बृजकेउपर सायाकीया:ओर-बृजको नहीडुबनेदीया सोयहबातभी झुठीहे ओर?खयालकरनेके?कावीलहे क्युंकि पहाड्कीसीसे,नहीउठसक्ताहे;क्युंकी:पहाड् क्याऐकसेर दोसेरका यामण-दोमणकाथा-जोउठा?लीयाहोगा यहबातें ईनसोदा गर महाजनांनके राक्षसीपापकीहें सोअबतुम सबसंसारके लोगो—ईनबातोंका;

खयालकरके होशीयारहोके ओर ईन बनीयोंके पापको छोडाओगे जबतुमको ओर तुम्हारेबाल बच्चोंको;सुखमात्रहोगा नहीतो;यहबनीये सबको अपने राक्षसीपापसे बीनामोत मारदेंगे ओर संसारकेलोग यहजो कहतेहें-किरामचन्द्रजी महाराज;लंकामेगये;ओर रावणसेलडे जब लक्ष्मणजीके.बांणलगा तोबांणके लगतेही लक्ष्मणजी बेहोशहोगये ओर'मरगये'जब हनुमानजीको सजीवन बुटी-लेनेकोभेजा;तोहनुमानजीको सजीवन बुंटी कहींनहींमीली जब;पहाड्कोही;उठाकर लारहेथे परंन्तु रसतेकेअंन्दर रामचंन्द्रजीके भाईभरतजी खडेहुयेथे—सो ऊनहोंने अपनेदीलमे-यह-बीचारकीया किकोईदुशमन मेरेभायोंकेउपर.डालनेको पहाड्उठाकर,लीयेजाताहे ओर मेरेभायोंपर ओर मेरेभायोंकी फोजपरडालेगा तोमेरेभायोंकी तमांमफोज!ओर!मेरेभाईदबके-मरजावेंगे ईसबातका खयालकरके भरतजीने हनुमांनके-बांणमारा तोउसबांणके लगतेही-हनुमांन नीचेआपड्ा;जब हनुमांनको:भरतजीने पहचांना:ओर पहचांनकर बहोत फीकरकीया किमेनेतो; अपनेघरकेही आदमीके तीरमारदीया!जब!हनुमांनको भरतजीने अपने बांणके उपर पहाड्समेत बेठाकर अपनेभाई रांमचंन्द्रजीके पास पहूंचादीया सोभाई. मेरेहो बांणकोई घोड्याथा यागाडीथी जोउसकेउपर लादकर पहूंचादीया ओर पहाड्क्या ऐकसेर दोसर!यामण!दोमणकाया जोबांणकेउपर लादकर पहूंचादी या सोभाइमेरे अव्वल ऐसीबातका खयालकरो किजोबांणकेउपर:कीलहोतीहे तोउसमेभी पेसाभर बोझहोताहे सोजबकि बोहपेसेभर बोझ नहीजासक्ताहे तो पहाड्बगेरा:कीसतरहसे:जासकताहे सोऐसी२बातें कुलझुठीहें;ओर;दुनीयां,अंन्धों के!मुवाफीकहे किजोकोई शख्स:फरबेकी:बातेंकहताहे उसकोभी सच्चाजांनलेतेहें क्युंकि दुनीयांकी बुध्धीभ्रष्ट होरहीहे ईससे बीलकुल!खयाल!नहीकरते ओर: यह-तमांमकीस्सा-रांमायणये लीखेहुये मोजुदहें सोदेखलो बलके झुठकीकीतावें हिंन्दु;मुसलमांनोंके घरोंमेहें-वोहसब!बनीयोंके घरकी चलाईहुइहें परंन्तु;जीतनी कीतावें किबनीयोंने चलाइहें उसकाकुछ अंन्दाजभीनहीहे ओर-अपन हिंन्दु-मुसलमांनोंके हाथोंमे:पकडादीहें:ओर आप अलाहदाके अलाहदा रहगयेहें कि जबकोई झुठकी कीतावोंका हाल दरीयाफतकरेगा तोहम बनीयोंसे-तोकोईभी दरीयाफत नहीकरेगा तोईसवजेसे?हिंन्दुओंके?ओर-मुसलमांनोंके ओर:अंग्रेजोंके बचे!ओर!ओलाद मारीजावेगी!ओर!हमतो बचेके बचेरहेंगे परंन्तु अपने,हिंन्दु

मुसलमांन ओर अंग्रेजवगैराके;बुजरगवो;भगत होगुजरेहैं ओर मालीककी?भग तीकरतेथे-ईससे-भगतलोग अबतक मशहुरहैं ओर जोकीतावें.किछुठकीहैं वोह; बनीयोंकी चलाईहुईहैं ओर ईन बनीयोंनेही-हमसब-हिंन्दु मुसलमांनोंके;घरोंमे ओर-अंग्रेजोंके घरोंसे,छलकरके,देदीहैं;सोईससे तीनलोकके'बचेमारेजावेंगे'क्युंकि ईसहालको बनीयोंसे कोईभीदरीयाफत;नहीकरेगा;देखोईन बनीयोंने कुलजहांन का पेसालेलीयाहे ओर जोथोडा बहोतरहाहे,वोह,अब जादुकेजोरसे लेलेवेंगे, जबकुल बनीये समुन्द्रपार चलेजावेंगे सोईसवातका बंन्दोवसत बहोतजलदी-करनाचाहीये जीससे तमांमजहांनको;आरांमपीले-ईससे मुझगरीवके लीखनेपर गोरफरमाकर.जलद.बंन्दोबस्तकरो जीससे तुम्हारी-कुल-ईस ईंद्रजालसेबचे तो सुखमाप्तहोवे क्युंकिईन बनीयोंने.अपने.राक्षसीपापसे धन दुनीयांका;कावुमेकर लीयाहे किईन बनीयोंको?धनका?लोभबहोतहे किकुल जहांनकाधन हमारेपास होजावेतो फीरहम अपना राजकरें-सोयह बनीये अपने राक्षसीपापसे भुलही भुलमे,बुध्धी,भ्रष्टकरके;सातों आठों बलायतोंके बचोंको'गारतकरदेंगे'जबसंसार की-ओलादको नीहायत दुखदेंगे ओर;पताभी;नहीलगनेदेंगे बलके यह-बनीये अपने राक्षसीपापसे ऐसामुझादेंगे-किजो-आपुसमेही लडकर मरनेलगेंगे ओर; जबहिंन्दुतो:यहजानेंगे किहमको मुसलमांनोंने गारतकीयाहे-ओर-मुसलमांन;यह जानेंगे किहमको हिंन्दुओंने गारतकीयाहे ओर दुसरी:बादशाहतके?लोग अंग्रे जोंको!गारतकरेंगे!जबअंग्रेज--यहजानेंगे किहमको--दुसरी बादशाहतके लोगोंने: गारतकीयाहे सोऐ संसारकेलोगो.ईस.राक्षसबीयाके पापको बहोतजलद:छोडा ओगे तोसंसारकी.ओलादको.सुखमीलेगा नहीतोयह-बनीये-राक्षसीपापसे सब की?अकलको खराबकरके ओर आपुसमे'लडाकरके'दगासे मारदेंगे ओर?खुद अलाहदाके अलाहदा रहजावेंगे?क्युंकियह?सबसे हीले मीलेरहतेहैं ईससे;ईनहों का:दगाकरना;मालुम;नहीहोताहे ओर ईनहोंको'सीर्फ'पेसेकालालचहे क्यंकिजब बडे२लोग गारतहोजावेंगे ओर--थोडेसे--रहजावेंगे तोवोह लोग पेसेकीवजेसे-हमारीही?खुशांमदरखेंगे?ओर फीर हमारेही नोकररहेंगे फीर जोकोई यहचाहे किहम दोलतमंन्द होजावेंगे!तोफीरकभी?हरगीज२हमबनीयोंसे-जीयादा-दोलत मंन्द,नहीहोगा चाहे जमीनकेउपरही सर मार२कर क्युंनमरजावें परंन्तु सोदा गर महाजनांनकी!बरावरी!हरगीज नकरसकेंगे क्युंकि हमारेपास,जब,कुलजहां

नका;असली:पेसाहे:याहोगा ओर हिंन्दु मुसलमांनके पासनहीहे!ओर नअंग्रेजों केपासहे ओर नहोगा तोफीरहिंन्दु-ओर-मुसलमांन ओर अंग्रेज ओर सातो; आठो वलायतोंकी रैईयत हमारीवरावरी नहीकरसकेगी!परंन्तु?यहवनीये तीन हीस्सेसे जीयादा अपने राक्षसीपापसे कुलजहांनके बचे गारतकरदेंगे जवऐक हीस्सेसे.कम.आदमीयोंको देखकेजीयादा अपनाजोर?शोर?दीखावेंगे ओर जव तक किहिंन्दु मुसलमांन-ओर-अंग्रेज ओर सातो आठो,वलायतोंके,लोगगारत; नहोजावेंगे,जवतकतो,यहवनीये राक्षसीपापके करनेवाले'गरीव'होकररहेंगे ओर जवकुल दुनीयां गारतहोजावेगी:जवयह:वनीये अपने राक्षसीपापसे तमांमनहीं नकी;अकलफेरकर;ईसकदर जोर शोर फेलावेंगे किजीसतरहसे!राजा!रावणने: राक्षसवीद्याका पाप चलायाथा ओर-यह-समझाथा किमें अपनी ओलादसमेत जवरदस्तरहूंगा.तोफीर हमाराही राजपाट होजावेगा सोईन वनीयोंनेही ऐसा खयालकरके राक्षसवीद्याका पापचलायाहे?किजीसतरहसे रावणने राक्षसवीद्या का:गुप्तीपाप चलायाथा-ईसवजे-कुलजहांनने ऐकाकरके,रावणकी.ओलादसमेत रावणको मारदीया सोईसवातका खयालतो-वनीयोंने वीलकुल नहीकीया कि जोकोई.शख्स.राक्षसीपाप चलाताहे ओर उसके'पाप'चलानेकी खवर संसार; को;पड्जातीहे तोसंसारके लोग राक्षसीपाप चलानेवालेको मथे-कुळ,ओर,ओ लादके गारतकरदेतेहें किजेसे!रावणके!राक्षसीपापको संसारने रावणको गारत करके:छोडायाहे:सोअगर हम सोदागरांनके जालकी-खवर-संसारको पड्गईतो रावण कीतरहसे,हम,सोदागरांनकीभी जांन;रावण कीतरहसे कुलजहांनके;लोग ऐकाकरके नीकालडालेंगे सोईसवातकोतो ईनवनीयोंने वीलकुल नहीसोचा— वल्के पेसेका लालचकरके राक्षसीपापको चलादीयाहे.ओर.सवकी अकलोंको जालही जालसे केदकरदीयाहे ओर जवके रावणने राक्षसीपाप!चलायाथातो; जहांनके लोगोने रावणके कुळको मारकरके राक्षसीपापको छोडाया किजीस कदर रावणने चलायाथा?परंन्तु?भवीक्षनने अपनी ओलादके.हाथसे.राक्षसीपा प:नहीहोनेदीया:ओर रावणका पाप सवसृष्टीमे भवीक्षणने जाहीर करदीया.इ ससे भवीक्षणकी ओलाद सलांमतरही'कयुंकि'भवीक्षण परमेश्वका भगतया?ईस से:भवीक्षण अपनेदीलमे-भगतीके सववसेडरा ओर:अलावा ईसके-संसारके-लो गोंका खयालकरके अपनेदीलमें'वीचारकीया'किजोमे रावणके:साथ:राक्षसीपाप

करूंगातो अव्वलतो,मेरी,भगतीने?बहालनजावेगा:ओर:मुझकोभी रावणके साथ ही:गारतकरदेंगे ईसवजेसे भवीक्षण नेकीमे चलतारहा ओर नेकीकी-वजेसे,अ पनानांम:ईसजहांनमे:सलांमत रखगया किजोकदीभसे भवीक्षणका!नांम:भगतीके सबबसे ओर नेकीकीवजेसे-पीढी-दरपीढी सुननेमे चलाआताहे ओर ऐसाभी: सुननेमे,आताहे.ओर कीतावोंमेभी लीखाहुवाहे किपहलेभी:रावण:कीतरहसे;ईन बनीयोंने राक्षसीपाप चलायाथा-सोजवकि ईनकेजालकी खबरपडी.जब.राजा बादशाहोंने ईनबनीयोंसे दरीयाफतकीया तोनहीबताया जब;राजा बादशाहोंने ईनबनीयोंको सख्तीदी-ओर-जीतनेकि मंन्दीर जेनधर्मकेथे.उनकोऐक.दोमरतबे गीरवायेथे ओर जोकि मंन्दीरकेअंन्दर-पुतलीयांथी-उनकीनाकें कटवाई सोयह वातें दुनीयामे मशहुरहैं-सोजीसवक्त किईन बनीयोंने जाल चलायाथा-ओर: राजा,बादशाहोंको.ईनके जालोंकी खबरपडीथी उसवक्ततो!बादशाह!ईनबनीयों को-बनीयोंकी ओलादसमेत रावण-कीतरहसे-गारत कीयाचाहतेथे परंन्तु ईन: बनीयोंने ऐसी-अकलमंन्दीकी-किकुल बनीये बादशाहकेसांमने यह अर्जकरने; लगे.किबेशक!हमसे कसुरहुवा सोहाथों-पांवपड्के ओर तरह२की.कसमेंखाकर भवीक्षण कीतरहसे अपनीओलादको बचालीया ओर कुछदीनोंतक फीर'राक्ष सीपाप-नहीकराया-सोभाइमेरेहो भवीक्षणतो सच्चाभगतथा ईससे भवीक्षणने?अ पनेकुळमे राक्षसीपाप:नहीचलनेदीया परंन्तु-ईनबनीयोंनेतो.फीरचलादीया ओर पहलेईन,बनीयोंको,बादशाहने ईसगरजसे नहीमाराथा किईनहोंने हाथोंपांवपड्के:माफीचाहीथी ओर'यह वाअदा करलीयाथा किकभी राक्षसीपाप नहीकरा वेंगे सोबादशाहने.ईनबनीयोंका अेतवारकरके छोडदीयाथा!जीसकीवजह?यहहे: किसंसरके,आधेलोगोंनेतो,यहकहा किईन काफरोंको मारदो!ओर!संसारके आ धेलोगोंने यहकहा किमतमारो:कियह:बनीये अपनेकसुरकी माफीचाहतेहैं ओर आयंन्दा;नहीकरेंगे;जबकि बादशाहने संसारकादील ऐसादेखा;किईन;बनीयोंको मतमारो ओर कसुरको?माफकरदो चुनाचें बादशाहने.दीलमेऐसा.खयालकरके समझाकि;यहअव;राक्षसीपाप नहीकरेंगे क्युंकि अव्वलतो अपने,कसुरकी,माफी मांगतेहैं ओर आयंन्दा नहीकरावेंगे?क्युंकि!गाये ओर सुव्वरकी कसमेंखातेहैं- सोअव:ईमांनको:नहीहारेंगे ऐसा वीचारकरके बादशाहने आधे!संसारकी राये मांनकर छोडदीया परंन्तु-बादशाह यह नहीजांनतेथे-कियह बनीये ईमांनहार;

कर!ओर!परमेश्वरको भुलकर यहफीर अपना राक्षसीपाप चलावेंगे!अगर?ऐसा मालुमहोता कियह;बेईमांनजातहे ओर;धर्मपर;कायमनहींहें,तोईन बनीयोंको हर गीज२जींन्दा नहीरहनेदेते ओर-संसारमेसे-ईनबनीयोंका नांमही.नीकालदेते.सो यहबातें-जालकी-कुलजहांनमे मशहुरहें बलके बेदकी कीतावों'ओर'परांनोंमे;लीखीहुइहें किजबतक हमारे.ओर तुम्हारे बच्चे!जींन्दारहेंगे जबतकहम तुम्हारी-रैईयत;होकररहेंगे;सोईसतरहके जाल ओर फरेबकरके बचेथे,परंन्तु;राजा बाद शाहने ऐसाखयाल नहीकीया किजोशख्स खेती बाडीकरतेहें वोह;सब;हमारी रैयतहे-परंन्तु-यह बनीयेलोग हमारी रैयत!क्युंकरहोगये क्युंकिईनकेतो अनेक तरहके जालहें क्युंकि जबहम,काफरोंको,छोडदेंगे तोयह-बनीये हमारेगुजरनेके बाद फीर,काफरीपाप,चलाकरके हमारे बाल बच्चोंको ओर-रैयतके-बाल.बच्चों को;मारतकरदेंगे सोतो राजा;बादशाहोंने बीलकुल नहीसोचा-सोदेखोभाई यह नहीसोचनेकाही--सबबहे-किसीवायेईन बनीयोंके ओर कीसीजातके घरमे?पेसा नहीहे ओर ईनबनीयोंने कुलजहांनका.धन.राक्षसीपापसे दरीयावोंके कीनारे-खेंचलीयाहे;ओर;जोकिजाहरी धनहे वोह बेईमांनीसे ओर!कपटसे!संसारकाली याहे!वोहछुपारक्खाहे!ओर यहबनीये संसारके देखनेकेवास्ते-गरीबहोकर;रहतेहें ओर दुनीयांसे डरतेभीहें-किजोदुनीयांको-हमारेजालकी खबरपडगई तोहमारा; धन,छीनकर,ओर बांटके सभोंकेघरोंमे पहलेकासा धनकरदेंगे तोफीर'सतजग होजावेगा परंन्तु.सतजग.ईसकोकहतेहें-किजीसकीसीके घरमे रुपीया;पेसा;ओर अनाज;वगेराका सुखहोवे ओर कीसीचीजकी भुखनहोवे परंन्तु-ईन-बेईमांनोंके दीलमेपेसा ईरादारहताहे;किसभोंके घरकापेसा;रुपीया!हमलेलेंवे सोहिंन्दुस्तान-का;पेसातो;लेलीयाहे सोधनलेनेकीही गरजसे ईनबनीयोंकी दुकानें!दुसरी!बाद शाहतोंमेभी पहूंचगइहें सोउनको हिंन्दुस्तांनके-राजकरानेका-लोभदेकर ओर-रुपीयावगेराकी मददेकरके लानाचाहतेहें;ओर;हिंन्दु मुसलमांनके बच्चोंको मर वानाचाहतेहें;ओर!रहेसहे!धनको-लेनाचाहतेहें'सोदुसरे.मुलकको;राजा;बादशाहको राजकरानेको लातेहें सोउनको,यहतो.खबरनहीहे किजीसतरहसे हिंन्दुस्तांनका पेसा लेलीयाहे उसीतरहसे हमारेमुलककाभी लीयाचाहतेहें ईसवास्ते हमकोभी हिंन्दुस्तांनये लीयेजातेहें अगर वलायतके लोगोंको ऐसामालुमहोवे;किजेसे?हिं न्दुस्तांनको;तबाहकीयाहे?उसीतरहसे हमारेमुलकको?तबाह कीयाचाहतेहें सोईस

बातकाहाल वलायतके लोगोंको मालुमहोजावेतो रावण कीतरहसे!ईन!सोदागरोंकोभी गारतकरदेवें परंन्तु!ईनकेजालकी खबरनहीपडी ओर मैं ईसगरजसे आपलोगोंकी खीदमतमे लीखकरके अर्जकरताहूं किआप.सबसाहब.हिन्दु मुसलमांन ओर;अंग्रेजवगेरा;ओर सातों आठोंवलायत ऐकदीलहोकर ईन काफरी की!काफरबीद्याको!संसारमे जाहीरकरो ओर छोडाओ तोतुम्हारे;बाल:बच्चोंको हरतरहसे आरांममीले नहीतो-यह काफर'लोगऐसेहैं'किसभीको झुलही झुलमे गारतकरदेंगे किजोफीर तुमको ईनकेजालोंका पत्ताभी नहीलगेगा:सोतुमको-अगर तुम्हारेबच्चे प्यारेमालुमहोतेहैं तोअपनेबच्चे बचनेकेखातीर ईन बनीयोंके: काफरीजालका बंन्दोबस्तकरो ओर-ईन-बनीयोंके!जालकी खबर सातों आठों वलायतोंकोदो:ताकिअपना:भलाहोवे नहीतोयह बनीये,तमांमजहांनको,गारतकर देवेंगे किजीसतरहसे हरनाकुश राजाने!ओर!रावणने ओर कारून बादशाहने राक्षसीपाप चलाकरके तीनलोककी बुध्धी भ्रष्टकरदीथी सोतीनलोक सातों-आठों वलायतके.हिंन्दु.मुसलमांन ओर अंग्रेजोंको ओर!जीसकदर!जमीनके-पडदेपर'आदमीहैं'उनकोकहतेहैं सोजबकि!राबणने ओर हरनाकुश राजाने राक्षसीपाप चलायाथा तोसातों.आठों.बादशाहतोंके लोगोंने रावणके राक्षसीपाप: को!मीटादीया जबकुल संसारकी ओलाद सलांमतरही,उसीतरहसे,अबभीसातों आठों वलायतोंकेलोग ऐकाकरके'ईन'बनीयोंके जालको छोडाओ,जब,फीर सं सारकी-ओलादको-सुखप्राप्तहोगा नहीतोयह सातों आठों वलायतोंके लोगोंको जीसतरहसे अपने दीलकेअंन्दर.मुनासीवसमझेंगे.रखेंगे ऐसा खयालकरके ईन बनीयोंने राक्षसबीद्याका पाप चलायाहे ईसकोदेखो कि ईसवक्तमेतो दुनीयां; जीयादाहे,ओर दुनीयांसे,बनीयोंकी जातथोडीहे सोईन;बनीयोंने यह'सोच र, क्खाहे किजब-संसारकेअंन्दर राजा!बादशाह मअे रैयतकेथोडे-रहजावेंगे जब यह बनीये अपना राजकरेंगे सोजबकि;राजा;बादशाह ओर रैयत संसारकी-ईनबनीयोंसे'जीयादाहें'जबतकतो यहबनीये अपनेदीलमे-दहशतरखतेहैं-ओर!जबकि संसार कमहोगया तोफीर.यह.बनीये फोरनही अपनाराज,करलेवेंगे,ईस गर्जसे-ईनहूंने-राक्षसीपाप-चलायाहे जीससे,हजारों;आदमीयोंको केईबीमारीयां. करके मारदेतेहैं ओर सारेजहांनमे!यहबात पहलेसे प्रगटकरदेतेहैं!किहेजावगेरा की,बीमारी जगह२होवेगी;ओर;हजारों आदमीयोंको'कालका बहांनाकरके'ओर

कालडालके मारदेतेहें गरजके?जीसतरहसे!यहबनीये संसारको बरबादनाचाहतेहें तोराक्षसीपापसे पहले-बुध्धीभ्रष्ट-करदेतेहें ओर,फीर,आपुसमे लडाकरके मार; देतेहें ओर जोकि:हिन्दुस्तांनमे:हिन्दु मुसलमांनकी ओलादहे!उनहोंको!यह;बनी ये:दुसरी बादशाहतकोलाके अपने राक्षसीपापसे अकल खराबकरके मरवादेंगे सोईसबातको कुलजहांनके:लोगजांनतेहें बलके दीन२अपनीआंखोंसे-देखतेहीजा तेहें तोभीखयाल नहीकरतेहें किअबईससेभी जीयादाखराब ओर नाजुकवक्त: आवेगा जोसोकोस जमीनकेउपर;जाकरके;ऐकगांव बसाहुवामीलेगा परंन्तु-ईस जमांनेमेतो कोस दोकोसपरही गांवआजाताहे परंन्तु खराब जमांनाआनेपरतो सोकोसकेउपर बसाहुवा गांवआवेगा'ओर'ईसीतरहपर शहरोंका ओर गांवोंका बुरा हालकरेंगे:सोयहबाततो:पहलेसे बनीयोंने चलादीहें!ओर नांम फकीरोंका ओर-साधुलोगोंका जाहीरकरतेहें किफलांने साधुने ओर फकीरने-यह बचन कहाहे सोसच्चाहे सोजीसतरहसे!किदुनीयांको!सुपनाहोताहे-उसीतरह फकीरोंको भी सुपनाहोताहे-ओर कुछकाकुछ दीखाईदेताहे ओर फकीर उससुपनेको पर मेश्वकी कुदरतजांनतेहें.किजेसा सुपनादेखतेहें वेसाहीहोजाताहे.परंन्तु यह-खया ल-दुनीयामे कोईभीसाहब नहीकरतेहें किबनीयोंके घरका राक्षसीपापहे जीस सेहमको जागतेमे;ओर;सोतेमे ऐसे२सुपने नजरआतेहें'ओर'यह परमेश्वकी!कुदर त-नहीहे-सोईसबातका खयाल फकीर अतीतभी नहीकरते किजेसा रावणने, रषेश्वरोंको दुनीयामे बुराहोनेका सुझायाथा.जब.रषेश्वलोगभी यहजांनतेथे कि बुराहोनेका?हाल?हमको मालीकने-सुझायाहे परंन्तु रावणके पापकी उनकोभी खबरनहीथी सोखबर:नहोनेकी यहवजेहे किपहले!राक्षसीपापसे अकल खराब करदेतेहें जीससेफीर कुछनही.समझनेदेतेहें.परंन्तु राक्षसबीद्याके?चलानेवाले;दु-नीयांके-दीखानेकेलीये ओर फकीरोंवगैराके दीखानेकेलीये भगतीकरतेहें सो: रषेश्वरोंके:दीखानेकेवास्ते रावणभी भगतीकरताथा सोरषेश्वलोग?ओर शीवजी सरीखे भुलगयेथे परंन्तु-राक्षसीपाप-अपने भाई बेटोंसेकराताथा लेकीन दुनी यांकेलोगोंसे छानेकराताथा किजहांपर कोईपंखेरुतक नहीजासक्ताथा तोआद: मीकीतो क्याताकतथी किजोवहांपर जासक्ता क्योंकि;जबकुछ हाल मालुमनही था?तोफीर कहांपरजावें अगरचे मालुमहोवेतो यहभी यकीनकीयाजावे?किइसी याफत करतेहुये चलेजावेंगे परंन्तु?मालुमनही!यहतो जब सनीश्वजी महाराज

को रावणने समामुख होकरदुखीकीया?ओर?कलपाया जब सनीश्वजीने दुनी यांमे-रावणके-राक्षसीपापको जाहीरकीया किरावण गुपतीपाप कराताहे;उसकी तलाश करनीचाहीये अलावाईसके:रावणने:राक्षसीवेद ओर राक्षसीवेदकी की तावें.ओर.टीपनावगेरा चलादीयेथे ओर टीपनोंको रवेश्वलोग संसारमे!वांचते फीरतेथे!सोउनकी तलाशकरो अगर तलाशनकरोगे तोयह,सब,जहांनको गार तकरदेंगे परंन्तु:रावणके:जालकी खबर राजा बादशाहोंकोहुई तोउनहोंने;उसी वक्त अपनीरैयतसे सलाहकरके बडीभारीफोज तैयारकी ओर अपनी?फोजके वसीलेसे ओर जोरसे'रावणको'रावणके भाई बेटोंसमेत,ओर:मअे?फोजवगेराके गीरफतार-करलीया जब रावणके भाई!भवीक्षणको बडीभारी शरमींन्दगीहुई-किजो नीहायत दरजेकी शरम ओर:आबरुरखताथा ईससे भवीक्षणने अपने: बडेभाईका जाल!कुलजहांनके!लोगोंपर जाहीरकरदीया.किजो रावणने?राक्षसी बीद्याका पाप चलायाथा मगर पेशतर?लंका?जाहीरनहीथी पोशीदाथी परंन्तु भवीक्षणके;बतानेसे ओर सनीश्वके कहनेसे संसारमे जाहीरहुइहे जीसकाहाल: साफतोरपर कीतावोंसे साबीतहोताहे परंन्तु जबतक,कोईभी.लंकाका नांमनही जांनतेथे लेकीन रावणके भाई बेटे:ओर:उनकीओलाद जांनतीथी ओर.कीसी कोभी खबरनहीथी क्युंकि!रावण!राक्षसवीद्याका पाप लंकामे कराताथा ओर मअे कवीलेके'ओर'मअे भाई बेटोंअपनेके लंकामेरहताथा ईससेउनकी ओलाद भी!अपने बुजरगोंके मुवाफीकही कांमकरतेथे क्युंकिजेसा-राक्षसीपाप?चलाया था उसीतरहसे उनकेभाई बेटेभीकरातेथे परंन्तु जबकिउनके पापको संसारने; ऐकदीलहोकर-छोडादीया-तोकुछदीन गुजरनेकेबाद हरनाकुशवगेरानेभी-तरह-तरहसे राक्षसीपाप चलायाथा जीसकाहाल साफतोरसे उपरलीखागया:उसी तरह!अबईन!बनीयोंनेभी बलराजाकेबादसे राक्षसीपाप चलायाहे ओर सबकी अकलोंको राक्षसीपापसे खराबकरदीयाहे ओर ईनबनीयोंका गीरोह-हिंन्दुस्तां नयेसे रावण कीतरहसे:पापकरानेको नीकलाहे:जबसेबराबर दुनीयांके नांमका पापकररहेहें.जीसकीखबर दुनीयांको!बीलकुलनहीहे परंन्तु ईसकदर:अलबत्ता मालुमहे किईन बनीयोंने!राक्षसीपाप चलायाथा उसजमांनेमे बादशाहने जेन; धर्मके'मंन्दीर'गीरवायेथे जीसका अबतक;सबुत मोजुदहे बलके,ईसकाहाल,तवा रीखोंसे जाहीरहोताहे?किजीसकदर मंन्दीरके अंन्दर?पुतलीयांथीं उनकी नाकें

तक काटलीथीं ईससेउनकी सुरतें बीलकुल बदलगईथीं सोसब: संसारकेलोग जांनतेहें परंन्तु;मंन्दीरोंका-गीरवाना ओर पुतलीयोंकी:नाकोंकाकाटना:ईसवजह से हुवाथा किईन सोदागर महाजनांनने-राक्षसबीद्याका पाप चलायाथा ईस से!मंन्दीरोंको ओर मंन्दीरोंकी पुतलीयोंको बादशाहने तुड्वायाथा परंन्तु:सो दागर महाजनांन अपने:फरेबी.हीलेसे'कब बाजआतेहें बलके यहतो उसीतर. हसे;राक्षसीपाप चलारहेहें जबसे अबतक कीसीकोभी;ईनके राक्षसीपापकी ख बरनहीहे परंन्तु अबमुझको राक्षसीपापमे ईनबनीयोंने दुखीकीयाहे जब;मुझको ईनके!राक्षसीपापकी खबरपडीहे जीससे!मैं!ईनबनीयोंके राक्षसीपापके दफेकरा नेकेलीये,कोशीश;कररहाहूं सोतुमसब संसारके आदमीयो ओर'राजा'बादशाहो ऐकदीलहोकर ईस काफीरबीद्याको छोडाओ जबतुम्हारी?ओलादबचेगी ओर; पहलेईन बनीयोंने:राक्षसीपाप चलायाथा सोजब बादशाहको खबरपडीथी:तो बादशाहने ईनबनीयोंको सजाऐंदीथीं जब:सच२बोलकर अपनापाप बतादीया ओर पापको छोडदीया?ओर आयंन्दा केवास्ते यह?ईकरार हाथजोड्के ओर कससेंखाकर!कीयाथा किऐ बादशाह अबहम सोदागरांनसे दुनीयांके-नांमका; पाप!नहीहोगा?ओर अबके कसुरको अपना बाल बच्चाजांनके माफकरो ओर छोडदो ईसीतरहसे!बादशाहने सोदागरांनकी कसमका भरोसाकरके सोदागरां नको:छोडदीया:परंन्तु ईन सोदागरांनने;कसमका डरकरके दो;तीन;पीढीतकतो राक्षसीपापका करना?बंन्धकरदीया परंन्तु ईनबनीयोंने अपनेदीलमे ऐसाखया लकरके!किअबहम!अपना राक्षसीपाप करेंगेतो अबहमारे जालकी-खबर-कीसी कोभी नहीहोगी ईससेईन-बनीयोंने फीरअपने-राक्षसीपापका करनाशरु करदी याहे!ओर जबसेकि राक्षसीपापका:करनाशरुकीयाहे जबसे संसारके लोगोंको; गारतकररहेहें सोमें;आपलोगोंको समझानेकेवास्ते;राक्षसीपापका हाललीखरहाहूं कियह बनीये बडेजाली ओर:बदकारहें:किबादशाहसे कसम धर्मखाकेभी,बाज नहीरहेहें!तोअब कीसतरहसे रहसक्तेहें सोअबतुम राजा बादशाह:ईनबनीयोंका भरोसा नकरके ईनकेपापको फोरनछोडाओ ओर पहले बादशाहों:कीतरहसे ईनबनीयोंसे कसमधर्म नलोगे ओर नअबईनके धोकेमेआओगे क्युंकि ईनकी: कसमकाकुछ-भरोसानही?अगर बादशाहको ऐसामालुमहोता किबनीये-अपनी. कसमपर नरहेंगे ओर हमसेही!दगावतकरेंगे!अगरचे बादशाहको ऐसा;मालुम

होतातो ईनबनीयोंको हरगीज२जींन्दा नरहनेदेता ओर नकसमका भरोसाकर तेःपरंन्तुःऐसाबनीयोंको नहीजांनतेथे किजेसायह-बनीयें-कररहेहें यह?सबहाल कुलजहांनमे मषटहे कोईमेरे लीखनेकीभी जरुरतनहीहे क्युंकि ईनहोंने अपनेः राक्षसीपापसे तमांमजहांनके'लोगोंको'अकल ऐसीखराबःकरदीहे कितुमलोगोंको अपनाजाल नहीसमझनेदेतेहें सोःअबतुम संसारकेलोग अपनी अकलको दुरस्त रखके-ईन-सोदागरांनके पापको छोडाओगे तोतुम्हारे.बाल.बचोंको आरांममी-लेगा क्युंकिईन बनीयोंनेभी रावण कीतरहसे राक्षसीपाप चलायाहेःओरःराव णने-ऐक-टापुकेअंन्दर ऐकशहर अपनी ओलाद रहनेकेवास्ते ओर'संसारके'नां मका पाप करानेकेवास्ते आबाद कीयाथा ओर-उस-आबाद कीयेहुये शहरसे दुनीयांके नांमका पाप कराताथा,ओर,उसीटापुये अपनी ओलादको-ईसगर्जसे रखताथा,किजो,मेरीओलाद मुझको पाप करतेहुयेदेखेगीःतोफीर;मेरीओलादयी मेरेमरनेके.बाद दुनीयांके नांमका'पाप'करतीरहगी सोबराबर दुनीयांकेःनांमका पाप करतेरहे-परंन्तु-जबसेकि सनीश्चिने भवीक्षणसे राक्षसीपापका पतालगाकर संसारमे जाहीरकीया तोसंसाके लोगोंने सनीचरके?कहनेको!सचाजांनकरःरा वणके राक्षसीपापको दफेकरानेकेवास्ते बंन्दोबस्तकीया परंन्तु बलराजाकेःबाद से!ईन!बनीयोंनेभी राक्षसीपापका स्वर्ग बनायाहे सो.रावण.कीतरहसे कीसी. टापुकेउपर स्वर्ग बनायाहे वहांपर!दुनीयांके-नांमका पाप करातेरहतेहें-जीसके हालसे.मैं.तुम राजा बादशाहोंके वाकीफ होनेकेवास्ते लीखाकरताहूं किजीसः तरहसे अगलेजमांनेके राजा बादशाहने-ईन!सोदागरांनके जालको दफेकरनेके लीये गीरफतार कीयाथा ओर उनसे पापकाकरना छोडादीयाथा;उसीतरहसे अबतुम राजा बादशाह ईन!सोदागरांनके!राक्षसीपापको पकडकर ओर सजा देकर?ईन?बनीयोंके पापको छोडाओ अगरचे ईनके पापको छोडानेमे-तुमः राजा बादशाहोंने गफलतकी तोयह बनीये अपने राक्षसीपापसे सातों आठों बलायतोंके लोगोंको गारतकरदेंगे क्युंकियह-सोदागर महाजनांन-मेंअ अपनी ओलादके.दल्ली.मंन्डलसेउठकर दुनीयांके नांमका पाप?करानेकेवास्ते?नीकलेहें जबसे अबतक बराबर दुनीयांके!नांमका!पापकरारहेहें परंन्तु पाप करनेवाले. बनीयेःहिंन्दुस्तांनकेःबनीयोंसे मीलेहुयेहें'किजहांपर दुनीयांके;नांमका;पापकरातेहें वहांपर हिंन्दुस्तांनके बनीये'उनकेवास्ते'हमेशा खरचभेजतेहें परंन्तु;बांनी;मुबांनी

यह हिंन्दुस्तांनके वनीयेहें क्युंकियह:जीसकदर पाप करनेकेलीये हुकम लीख कर:भेजतेहें वोह-उसीकदर बमोजीव हुकमके:तामीलकरतेहें क्युंकि वोह:पापके करनेवाले:बनीये:ईन हिंन्दुस्तांनी.बनीयोंके नोकरहें सोजेसाकि'हुकम'यहबनीये देतेहें वेसाही वोहकरतेहें ओर वोह पापकरनेवाले.वहींपररहतेहें ओर रात.दी न:दुनीयांके:नांमका पापकरतेहें सोहिंन्दुस्तांनके बनीयोंको पापकरनेकी:जगह मालुमहे सोईन बनीयोंको सजा वगेरादीजावे?ओर दरीयाफत कीयाजावे तो यह बनीये सखतीके सबबसे पाप करनेकी जगहको बतलादेवेंगे ओर?बाद मालुमहोने;पापकीजगहके उसजगहका नीशांनही मीटादेनाचाहीये;ओर पापको ईनबनीयोंसे छोडादेनाचाहीये तोफीरवही जमांनाहोजावे किजेसा पहलेया:कि जोगरीब शख्स जगकरलेताथा उसीतरहसे ईनबनीयोंका:पाप छोडादीयाजावे तोईस जमांनेके!गरीब गुरवाभी पहले जमांनेकीतरहसे!जग करलीयाकरेंगे— क्युंकिपहले मुझकोभी!ईनके जालकी खवरनहीथी परंन्तु जवसेमुझको ईनबनी योंने अपने.राक्षसीपापसे कलपायाहे ईससेमुझको ईनबनीयोंके राक्षसीपापकी; खबरपडीहे कियह तमांमजहांनके बचे गारत करनेकेलीये यह?राक्षसीपाप?च लायाहे ईससेमेंने तमांमजहांनके!बचे!बचनेकेलीये यहकांम अपनेउपर उठायाहे कियह.सोदागर.महाजनांन तमांमजहांनके बचे मारनेकी:गर्जसे-राक्षसीपाप-कर रहेहें ओर कचीउमरमे मारदेतेहें;ईससेमेंने;तमांमजहांनके ओलादको बचानेकेवा स्ते:यहकांम:अपने सरपरउठायाहे ओर दीन२तुमलोगोंको ईनके,जालोंसे,वाकी फकरता फीरताहूं;ओर जोकोईबात कीतावके पढनेसे तुम्हारे समझमें नाआवे यामेरे मुलाजीम यामुन्शीके समझानेसे समझमेनआवे!किजो-में-शहर२मे मुला जीम,करकेभेजूंगा,तोउसकी दलील तुम संसारकेलोगों ओर राजा बादशाहो- मुझको बुलवाकरकहो याने पुछो!ओर:समझो यामुझको अपनेपास बुलालोतो में:तुमलोगोंको ईन सोदागरांनके जालसे वाकीफकरके अच्छीतरहसे समझादूं- कि-जीसतरहसे!ईन्द्रजालका जाल?चलायाहे ओर ईसीजालसे बुध्धी भ्रष्टकीहे परंन्तु अव्वलतो राक्षसीपाप राजा रावणने ओर हरनाकुश-ओर:कारुंन वा दयाहने चलायाथा परंन्तु जवकि!रावणके!भाई भवीक्षणको रावणके राक्षसी; पापकी.खबरहुई.तोभवीक्षणने ईसबातका खयालकरके कसमखाई किजो दुनी यांके'नांमका'पापहोरहाहे-वोह:में:नहीहोनेदूंगा चुनाचे;भवीक्षणने;कसमखाईहुईका

लीहाजकरके अपनेभाई रावणको:दुनीयांके:नांमका पापकरनेसे रोकदीया!ओर कसमको भवीक्षणने कायमरक्खा ओर अपनी जींन्दगीमे भवीक्षणने अपनी-ओलादकी जींन्दगीमे रावणका राक्षसीपाप नहीचलनेदीया ओर कसमखाईहु ईका असर भवीक्षणने कुलजहांनमे जाहीरकरदीया किजोहम ओर तुम-ओर सब!संसारकेलोग-भवीक्षणका हाल अच्छीतरहसे जांनतेहें,किअसीलमे,रावणका राक्षसीपाप भवीक्षणके बंन्दकरानेसेही;बंन्दहुवाहे;ओर जबसे रावणका राक्षसी पाप-फीर-नहीचलाहे परंन्तु बलराजाके!बादसे ईन सोदागर:महाजनांनने:ऐसा ईन्द्रजालका जालचलायाहे?हालांकि यहबनीये!जादुकरनेके सबबसे:केईपकडेभी गयेहें ओर सजाभीपाइहें ओर कीतनेही दफे धर्म ईमांनकीकसम ओर:गाये सुव्वरकी;कसमेंखाइहें सोउसवक्ततो;मारेडरके;ईन सोदागरांनने!अगलेबादशाहोंके सांमने ईस-ईन्द्रजालके जालकी किजोदुनीयांके नांमका किजहां.चोरासीलाख कुंन्डीयां नारगीकी बनाईहुइहें सोउन कुंन्डी:केउपर दुनीयांके नांमका पाप-करातेहें:सोजबकि:ईन?सोदागरांनके जालको बादशाहने?पकडा'ओर'महाजनांन को!तकलीफदी तोउनहोंने उन कुंन्डीयोंकेउपर किजहां.दुनीयांके.नांमका पाप करातेथे बंन्दकरदीया परंन्तु यह सोदागर महाजनांन ऐसे बदमाशहें?किजहां पीढी दोपीढीगुजरी ओर ईनहोंने:अपना:ईन्द्रजाली जालकरना शरुकीया चु-नाचे.यह.सोदागर महाजन दुनीयांके नांमका पाप-बराबर-करारहेहें परंन्तु,रा जा!बादशाहको ओर संसारके लोगोंको;ईन;सोदागरांनके जालकी बीलकुलख बरनहीहे किदुनीयांमे?क्याहोरहाहे ओर क्यानहीहोरहाहे?परंन्तु मुझकोतो ईन. बनायोंके,जालकी,अब खबरपडीहे ईससे में तुमको ओर सब-संसारको-ईन; बनीयोंके जालसे वाकीफकरताहूं.किजोतुम.सब संसारकेलोग ईन सोदागरांन को-तकलीफ नादोगे ओर सजादेकर दरीयाफत हाल नाकरोगे जबतक यह बनीये अपने राक्षसीपापको;हरगीज;नहीछोडेंगे सोईनके पापको:छोडानेमे:पुरे: तोरसे-कोशीसकरके-छोडाओ जबकि पापकरना,छुटजावेगा.जबतुमको ओर-तु म्हारी ओलादको आरांयमीलेगा ओर कुल जहांनमे अमन अमांन?होजावेगा ओर:ईन:बनीयोंसे यहभी दरीयाफतकरो किजो तीनलोककी-जातोंको-यह-हिं न्दुस्तांनी बनीये.स्वर्ग.ओर नर्ककी कुंन्डीयां कहाकरतेहें किवहांपर चोरासी-लाख कुंन्डीयांहें ओर जमराज चोरासीलाख जीवाजुनको सजादेतेहें;सोभाई

मेरेहो स्वर्गःओर नर्कतो;यह;जमीनमाताहीहे वहांपर कुछभीनहीहे ओर जोकि यह बनीये बतातेहें वोह बनीयोंके घरका!राक्षसीपापहे!ओर हम संसारके.लो गोंको ईन,बनीयोंने,भुलारक्खाहे ओर जहांपर कियह स्वर्ग'ओर'नर्क वहकाः करके-बतातेहें-उसजगहको ईन बनीयोंसे दरीयाफतकरो क्युंकि जहांपर;यह बनीये दोजख ओर वहीस्त;बतातेहें;वहीईनके घरकाजालहे ओर?यहजोकहतेहें किफलांनी'जगहपर'राध लहुकी कुंन्डीयांहें!ओर लोहेके थंम्बहें:सोंवोहःहरवक्त गरमरहतेहें:ओरःजबकोई बुरेकर्म करतेहें तोंउनको नर्क नसीवहोताहे ओर-जो थंम्बोंसे बांधाजाताहे सोयहतो'ईन'सोदागरांनका जालहे ओर;स्वर्ग;नर्कतो.यह जमीनमाताहीहे ओर-जहां-यह बनीये ओर दुनीयां बतातीहे सोदुनीयांकोतोः कुछदोशनही क्युंकि दुनीयांतो!सुनकर!कहतीहे वोह.बनीयोंके.पापकरनेकी-ज-गहहे सोईन-सोदागरांनसे साथ कोशीसके तकलीफदेकर दरीयाफतकरो,कि जहांपरतुम स्वर्ग नर्कःबतातेहो!वोह!हमसब;राजा बादशाहोंको दीखाओ,क्युंकि तुम;बनीयोंने हमको अपने राक्षसीपापसे भुलारक्खाहे ईससेहम संसारकेलोग तुम बनीयोंके.जालसे.बहके२ओर भुले२फीरतेहें सोयह-तुम-बनीयोंका राक्षसी पापहे किजीसतरहसे रावणने.संसारको;भुलायाथा ओर पापकरनेकी जगहको स्वर्ग,ओर,नर्क दुनीयांको भुलानेकेलीये कहाकरताथा ओर सबकी.अकलको; राक्षसीपापसे केदकरदीयाथा उसीतरहसे?तुम?बनीयोंनेभी अपने;राक्षसीपापसे सबकी अकलोंको खराबकरदीयाहे,ईससेहम संसारकेलोग तुम्हारे पापकरनेकी जगहको-स्वर्गही-जांनतेहें मगर दोजख ओर वहीस्त,यह,जमीनमाताहीहे ओर जोकि हिन्दु मुसलमांन,कीतावोंको,पढतेहें सोयह कीतावें सब'बनीयोंके'घरकी चलाईहुइहें सोईनके जालकी.खबर.हमकोतो अबतकनहीथी परंन्तु अबहमको, साथ?अनोपदासने?हमारे बाल बच्चोंकी जींन्दगीकेवास्ते'तुम्हारे'जालसे,वाकीफ कीयाहे जीससे तुम्हारा जाल हमको मालुमहुवाहे नहीतो अबतक हम?सब-जहांनकेलोग तुम्हारे जालोंसे-बेखबरथे-परंन्तु बाबा हमारे?बबे बचनेकीगर्जसे ओर सतजग;होनेकीवजहसे;तुम्हारे पापको मवटकीयाहे किजोतुम बनीये.रात दीन,दुनीयांके नांमका पाप कीसीटापुके उपर करातेरहतेहो उसको दीखाओ अगर नहीदीखाओगे-तोहम-तुमको ओर तुम्हारे बाल बच्चोंको,जांनसे,मारेंगे जबकि?ईन सोदागरांनको ऐसे२डरदीयेजातेहें जब कीसीकदर पाप करनेकी.

जगहको बतातेहैं परंन्तु कुल नहीबतातेहैं क्युंकियह सोदागर महाजनांन बडे जाली?ओर?फरेबीहैं सोजबतककि ईन सोदागर महाजनांनको-अच्छीतरहसे संसारकेलोग तकलीफ नहीदेंगे जबतक,यह;सोदागर महाजनांन हरगीज अपने फरेबीहीलेसे:बाज:नहीआवेंगे क्युंकि हिंन्दुस्तांनके बनीये उनसे'मीलेहुयेहैं'ओर यह जालभी फेलायाहुवा ईन-सोदागर-महाजनांनकाहीहे सोईसके छोडानेका: बंन्दोबस्त,तुम,संसारकेलोगो जलदीसेकरो ताकि तुम्हारे!बाल?बच्चोंको आराम मीले क्युंकि जोसोदागर महाजनांन.दहली:मंन्डलसे उठकर पापकरनेको राव णकी-तरहसे-कीसीटापुके उपरगयेहुयेहैं सोवोह वहांपर दुनीयांके नांमका?रात दीन पाप करातेरहतेहैं'परंन्तु:पापकरनेवाले;बनीयोंको पाप करनेकीजगह मालु महे-किजो-बलराजाके बादसे अपने कबीलेसमेत पाप करनेकेवास्ते नीकलेहैं परंन्तु यह सोदागरभी,उसीतरहसे,चलरहेहैं किजीसतरहसे रावण.लंकामेंगुपती पापकराताथा उसीतरहसे यह बनीयेभी गुपतीपाप करारहेहैं परंन्तु?ईन-सोदा गरांनके गुपतीपाप करनेकीजगह:कीसी;राजा बादशाहको ओर'साधु'फकीरको ओर,सातों,आठों वलायतके लोगोंको मालुमनहीहे नअंग्रेजोंको-ईनके-जालकी: खबरहे;ओर;जहां२कि ईनकी दुकानें पहूंचगईहैं वहांपर ईनहोंने'अपनी'हीकमत से!जालकरके खोलदीहैं परंन्तु-जहांपरकि-यह बनीयेजातेहैं तोअपना,सरुप,बद लकरजातेहैं सोयह.यातो.फकीरीकेभेसमे या!गरीबीके!होकरजातेहैं या अमीर-बनकेजातेहैं:ओर:शहरों फीरतेहैं किजीसतरहसे रावण अपना-सरुप-बदल२के. मुलकों२मे फीरताथा ओर अपना.राक्षसीजाल.फेलाता फीरताथा उसीतरहसे यह;सोदागर;महाजनांन तरह२के भेसबदलकर मुलकोंमेजातेहैं?ओर?अपनाजाल रावण.कीतरहसे.फेलातेफीरतेहैं सोकीसीको यह बनीये अपने राक्षसीपापकी-खबर नहीपडनेदेतेहैं किजीसकी तुमको खबरपडती:किजोईन:सोदागरांनने?रा क्षसीपाप;चलायाहे;मगर यह अच्छीतरहसे समझनाचाहीये किईन'बनीयोंने'राव णकीतरहसे संसारके बच्चे गारत-करनेकेलीये-यह राक्षसीपाप चलायाहे ओर: जालकी;खबर;नहोनेका यह सबबहे किईनहोंने अपने राक्षसीपापसे पहलेहीस बकी अकल खराबकरदीहे,सोईसबबसे,खराबकीहे किकोईभी हमारे जालको ओर'फरेबको'नपहचांनसकें ओर जोकिईन बनीयोंने;गुपतीपापका;स्वर्गबनायाहे उसकोअपने कबजेमेरखतेहैं?ओर?अपनी न्यात बीरादरीके हाथोंसे—दुनीयांके

नोंका पापकरातेहें किजीसतरहसे रावण अपने कुळकेहाथोंसे पापकराताथा-उसीतरहसेःबलराजाके बादसे ईनःसोदागरःमहाजनांनने दुनीयांके नांमका;पाप करानाशरुकीयाहे'ओर जोकि पापकररहेहें वोह वहींपररहतेहें:ओरःउसीजगह उनकेबाल बच्चेरहतेहें क्युंकिवोह.मेअ.कबीलेके हिंन्दुस्तांनसे उठकरगयेहें: ओर जीसतरहसेकि'हिंन्दुस्तांन'ओर दुसरी वलायतकेलोग खेती;बाडीका;कांमकरतेहें उसीतरहसे उनकेबाल बच्चेभी,सीख२के,खेती बाडीका कांमकरतेहें:ओरःकमाई करके,खातेहें,ओर जोकांमकरना नहीजांनतेहें वोहउसको सीखतेहें:उसीतरहसे; पापकरनेवालोंके बच्चे अपने मा:बापोंसे!दुनीयांके नांमका पापकरना सीखतेहें सोईन.बनीयोंके.घरांनेमे गुपतीपापकी बीया पीढी;दरपीढी:सीखतेचलेआतेहें?इ सवजहसे यह महाजनांन अपने,कबीलेसमेत,ओर ओलादसमेत दुनीयांके नां; मका-पापकरनेके-वास्तेगयेहें ओर कबीले ओर.ओलादको?ईसगर्जसे?साथलेग येहें किजोहमारी ओलाद!हमको!पाप करतेहुयेदेखेगी तोहमारी ओलाद.हमारे' घरकेकांमको.सीखकर.बादहमारे गुजरनेके बराबर कांमकरतेरहेंगे-ओर-अपने-खांनदांनमे यहकांम हमेशा;रहताआवेगा'क्युंकि'यहऐक कीसमका पापथोडाहीहे यहतो तरह२काहे ईससे,ईन,हिंन्दुन्तांनी बनीयोंने उन पाप करनेवालों बनी: योंको'कबीलेसमेत'दील्ली मंन्डलसे खरच देकरभेजाहे सोखरचःअभीतकःभेज; तेहें किजीसतरहसे अपने!भाई!बेटोंको रावणने कबीलेसमेत भेजाथा.ओर?यह कहदीयाथा किलंकामे दुनीयांके नांमका पाप अलोपकराना सोवोह:रावणके कहनेयोजीव दुनीयांके नांमका लंकामे पापकरातेथे जीससे दुनीयांकी अकल ओर-राजा-बादशाहोंकी अकल खराबहोगईथी सोऐसा खयालकरके,ईन,बनी-योंनेभी राक्षसबीद्याका;पाप;चलानेकेलीये अपनी ओलादको.बलराजाके,बादसे कीसीटापुपर भेजदीयाहे सोवोह दुनीयांके-नांमका-पाप कररहेहें ओर जबकि; रावणने राक्षसीपाप चलायाथा तोरावणने सनीश्चको गरीबदेखकर:अपने?रा क्षसीपापसे दुखीकीयाथा जब?सनीश्चने दीलमे खयालकरकेदेखा किजो—पर मेश्वकी भगतीकरताहे उसको सेंस (१०००)बुधआतीहें ओर में भगतीकर ताहूं-सोजालही जालदेखताहूं-सोईसकी तलाश करनीचाहीये क्युंकियह जरुर कहीं;ना;कहींपर-राक्षसीपाप होरहाहे ओरःजबःराक्षसीपाप होताहे जबही;कबी उमरमे;लोगमरतेहें;वरना हरगीज नामरें ऐसा खयालकरके;सनीश्चने;भवीक्षणसे

रावणके राक्षसीपापका पतालगायाःओरःपतालगाकरके रावणके राक्षसीपापसे कुल,संसारको.वाकीफकीया जबकुल संसारने ऐक दीलहोकर-रावणके-राक्षसी पापको मीटाया ओर छोडाया!परंन्तु!जोकि रावणने राक्षसीपापका:स्वर्ग;ओर गुपतीपापका'स्वर्ग'बनायाथा ओर भवीक्षणने कुल संसारको,बतादीयाथा:ओर हाथजोडकर यह कहनेलगे किमेंतो;अपनेकुलमे;राक्षसवीद्याके पापको हरगीज-नहीचलनेदूंगा.सोमें.ईसबारेमे अपने धर्मकी कसमखाताहूं सोभवीक्षणने;अपने कुलमे राक्षसवीद्याका पाप,नहीचलनेदीया,ईससे भवीक्षणने मजे अपनी'ओला दके ईसजहांनमे-नांम-सलांमतरक्खा किईस जहांनमे?हरशखसकी,जवांनसे,भवी क्षणका नांम नेकीकेसाथ जाहीरहोताहे,क्युंकि.भवीक्षणने रावणका पाप संसा रके-बचनेकी-गर्जसे कुल-सनीश्वको बतादीया परंन्तु रावण दुनीयांके.नांमका पाप कराताथा सोवोह संसारको दीखाकर थोडाहीकराताथा परंन्तु जबकि, रावणने सनीश्वको राक्षसवीद्याके!पापसे!दुखीकीयाथा जीससे सनीश्वको राव णके,जालकी,खबरपडीथी परंन्तु रावण दुनीयांके नांमका-पाप-चोरासीलाख, कुंन्डीयोंके उपरकराताथा-सोजबतक रावणने सनीश्वको अपने राक्षसीपापसे-दुखी नहीकीयाथा!जबतक!सनीश्वकोभी खबरनहीथी किपापक्या.चीजहे.परंन्तु जबकि-रावणने-सनीश्वके नांमका पापकराया ओर;सनीश्वका:दीलदुखाया:ओर नारगीकी कुंन्डीयांबुझाई;जब;सनीश्वको रावणके जालकी?खबरपडी:ओर:अला बा-ईसके-रावणने राक्षसीवेदकी कीतावें,ओर,टीपनाबगेरा'दुनीयांमे चलादीयेथे उनकीतावोंके अंन्दर नारगीका-ओर-सजादेनेका ओर चोरासीलाख'कुंन्डीयों; का!लीखाहुवाहे!सोईस;जालको सनीश्वने अच्छीतरह'समझा'किजो रावण सनी श्वको राक्षसीपापसे सुपनाबगेरा?कराताथा?सोसनीश्व उसजालसेभी वाकीफहो गया.ओर.वाकीफहोकर;यह;कहनेलगा किअबतो मुझको:रावणके:राक्षसीपापकी अच्छीतरहसे खबरपडीहे किजीसकदर दुनीयांके नांमका पाप रावण:ओर;मेरे नांमका पापकराताहे तोयह;सबब;जादुकाहे क्युंकियह जीसजगहपर:पापकरातेहें उसजगहको-जादुकेजोरसे-मालुम नहीहोनेदेतेहें ओर,दुसरीजगह,सुझादेतेहें कि-फलांनी जगहपर राक्षसवीद्याका'पाप होरहाहे'ओर खासजगह पापकी:जाहीर नहीहोनेदेतेहें:सोयह:पाप करनेकीवजहहे किकुलका-कुल-सुझादेतेहें क्युंकिईस:रा क्षसवीद्याका हाल अगलेजमांनेके;सतीलोगभी;नहीजांनतेथे क्युंकिउनकी अकल

राक्षसीपापसे खराबकरदीथी जब संसारके लोगोंने ऐकाकरके रावणके;उपर;च
ढाईकी.ओर.चढाईकरके रावणको मारा तोरावणका भाई–भवीक्षण–संसारकी;
चढाईको देखकरके ओर रावणके मारेजानेका!हालसुनके ओर संसारका:डर
करके,रावणके,राक्षसीपापको छोडकर बाहरनीकला जब'सनीश्चर'रावणसे,दरी
याफतकीया किंतुम चोरासीलाख!जीवाजुन!दुनीयांके नांमसे कलपातेहो ओर
तकलीफदेतेहो-सो-रावण चलकरके मनेकरनेलगा तोसनीश्चर रावणसे!यहकहा
किमनेकरनेसे कुछभीनहीहोताहै तुमच२मुझको अपनेजालसे बाकीकरदे ओर
बतादे,नहीतो,मैं,तुझको ओर तेरी;ओलादको;संसारके हाथोंसे मरवादूंगा,तोभी
रावणने अपना राक्षसीपापका जाल नहीबताया.जब.सनीश्चरजी महाराजने-रां
मचंन्द्रजी:महाराजसेकहा किरावण दुनीयांकेनांमका ओर राजा!बादशाहोंके!नां
मका पाप चोरासीलाख-कुंन्डीयोंकेउपर-करताहै जीसकोतमांम दुनीयां स्वर्ग:
बोलतीहै:सोमहाराज:यह स्वर्गनहीहै ओर जोचोरासीलाख कुंन्डीयांहैं!वोह!रा;
वणके राक्षसीपाप करनेकीजगहहै;सोरावणसे;दरीयाफतकरोतो पाप छोडानेकी
तजवीज.कीजावे.क्युंकि अपनलोगोंकी बुधी रावणके राक्षसीपापमे!केदहोरहीहै
जीससे रावणकी चलाईहुई कीतावोंको ओर टीपनोंको सच्चासमझरहेहैं ओर;
जीनकीतावोंमे चोरासीलाख-कुंन्डीयां-राध लहुकी लीखीहुइहैं,वहांपर,चोरासी
लाख जीवाजुनको दुखदेतेहैं जब;वोह!पाप!दुनीयांको लगताहै सोयह कीतावें
रावणके.जालकी.चलाईहुइहैं ओर रावण जोकि गुप्तीपाप-कराताथा-उसका–
अबतक संसारकेलोग बीखांन!कररहेहैं!किजमदेवता सजादेतेहैं सोईन बातोंकी
कीतावें,तुम,राजा बादशाह ओर;रईयतवगेरा पढहीरहहो जीससे!रावणके!राक्ष
सीपापका हाल तुमलोगोंको मालुमहीहै.परंन्तु.सनीश्चरके कहनेसे सब संसारने
राक्षसीवेदकी,कीतावोंको,ओर टीपनोंको देखातो चोरासीलाख:कुंन्डीयां:राध–
लहुकी,सावीतहुई,जबयह कहनेलगे कियह राक्षसीवेदकी कीतावेंतो:हम:कभीसे
पढतेथे ओर रावणके;राक्षसीपापको;दरगाह;जांनतेथे;ओर मालीककी कुदरतको
ओर,उसकी.रचनाको भुलगयेथे परंन्तु रावणके जालकातो हाल.हमको.अब.
मालुमहुवाहै कियह मालीककी,कुदरतनहीहै,यहतो.रावणके घरका जालहै जब
रामचंन्द्रजीने-रावणके;जालका हालदेखकर अपनेदीलमे बहोत रंजकीया–ओर
फीकरसे यहकहनेलगे किहमतो!अबतक!रावणके भुमजालमे केदहोरहेथे,ईससे

रावणका:जाल:मालुम नहीहोताथा-सोवेदकी-कीतावोंमे लीखाहे:सोसब;संसारके लोगभी कहतेहें,किरावणने जालसे हमसब संसारके,लोगोंको मालीकही भुला दीयाथा-सोकीतावोंसे-सावीतहे जब रांमचंन्द्रजी महाराजने अपने,दीलमे.खया ल करकेदेखा किदुनीयांतो रावणके;जालसे;अंन्धीहोरहीहे किईसकदर पापहोर हाहे'तोभीनही'समझतेहें जब रांमचंन्द्रजी महाराजने सोचकर.तमांम.दुनीयांको; ओर राजा बादशाहोंको रावणके-राक्षसीपापसे-वाकीफकीया जब राजा बाद शाहोंने मअे रईयतके ऐकदीलहोकर बडीभारी फोजबनाई ओर रावणकेउपर चढाईकरके;रावणके;राक्षसबीद्याको छोडाया जब;दुनीयांकी;ओलाद;सलांमतरही क्युंकि राजा रावणके बुजर्ग-राक्षसीपापको-पीढी दरपीढी करतेथे ईसस राव णनेभी'राक्षसीपापको'अपने बुजर्गोंसेसीखा ओर.सीखकरके.राक्षसबीद्या अपने बुजर्गोसे जीयादा चलाई;ईसवजहसे;पकडेगये जब संसारके लोगोंने हेतकरके रावणके.राक्षसीपापको छोडाया सोसच्चजांनना ओर खीलाफ,नासमझना,ओर हरनाकुश राजाने ओर कंन्स-राजाने?ओर कारून बादशाहने जोराक्षसबीद्या रावण,कीतरहसे,चलाईथी तोउनहोंने ऐक मरतबाही चलाईथी;परंन्तु,जब,संसा रके लोगोंको खबरपडी जब उनहोंने ऐक दीलहोकर उनके राक्षसबीद्याको; छोडाई-परंन्तु-उनहोंके खांनदांनमे ऐक;दो;भगतथा सोउनहोंने बाद!होजानेदके राक्षसबीद्याके फीर नहीहोनेदी क्युंकि जोफीर राक्षसबीद्या?करेंगे-ओर संसा रको खबरपडेगी तोमअे ओलादके मेरीभी जांननीकालदेंगे ईसवजहसे-भगत लोगोंने:संसारके:लोगोंका डरकरके अपने खांनदांनमे राक्षसबीद्याका;पाप;नही होनेदीया ओर ऐसे२भगतलोग-रावण-बगेराके खांनदांनमे होगुजरेहें किजो;उ नहोंने'अपनी'भगतीका डरकरके ओर संसारके लोगोंका!डरकरके!अपने जमां नेमे पापको नहीहोनेदीया परंन्तु:बल;राजाके बादसे ईनबनीयोंने राक्षसबीद्या का!पाप!फेलाकरके सबकी अकलको फेरकरके खराबकरदीयाहे-जीससे-ईनके जालकी खबर कीसीके कांनमे,नहीपडीहे,ओर नामालुमहुइहे अलबत्ता ऐक-मरतबे:पहलेजमांनेके:बादशाहने अपनी अकलमंन्दीसे ईन'बनीयोंका'राक्षसीपाप पकडाथा जबउन बनीयोंसे दरीयाफत!कीयागया!तोउनहोंने बीलकुल:अपना पापकरना-नहीबताया-जब बादशाहने ईन बनीयोंको सजादी;ओर;ईनबनीयोंके मंन्दीरोंको गीरवाया ओर?पुतलीयोंकी?नाक ओर कांनकटवाया जबयह मइा

जब अपने दीलमे यह खयालकरकेआये किबादशाहको हमःअपनाःपापकरना नहीबतावेंगे.तोयह.हमको जरुर जीयादा सजादेंगे क्युंकि,अभीतो,ईनहोंने;हमारे धर्मके मन्दीरोंपर हमलाकीयाहे!ईससे!कीसीकदरःबतादेनाचाहीये ओर कसुरकी याफीःमांगलेनीचाहीयेःतोअपनी ओलादको कीसीतरहका दुखनहोवे-ओर-जबः यह बातदबजावेगी तोफीर चलादेंगे!ओर!अबके-बीलकुल खबर नहीपडनेदेंगे सोऐसा,खयालकरके,ईन बनीयोंने राजा बादशाहके आगेआकर'कसम-खाई-किहमको छोडदो अबहम दुनीयांके-नांमका-पाप नहीकरेंगे जब राजा-बादशा होनेःमअेःरईयतके ईनबनीयोंकी कसमका अेतबारकरके ईन-बनीयोंको-छोडदी योः परंन्तु ईन सोदागर!महाजनांनने,छुटतेही,कुच्छअरसा गुजरनेकेबाद फीरःरा क्षसबीद्याका.पाप.चलादीया सोईन बदकारोंका कभी भरोसा'नाकरना'चाहीये क्युंकियह ऐसे बेईमांनशखसहे किजब!ईनहोंको!सजामीलतीहे जबतो यहःकी सीकदर-पापको-छोडदेतेहें परंन्तु कुल नहीछोडतेहें ओर जब.पीढी.दो पीढी-गुजरजातीहें जबफीर दुनीयांके'नांमका'पापकरना-शरुकरदेतेहें सोईस राक्षसीः पापसेःजमीनमाताःदुखपातीहे सोवेद परांनोंमेभी लीखाहे ओर,सब,संसारकेलो गभी कहतेहें किजमीनमाताके नांमका राक्षसबीद्याका पापकरातेहें;जीससे;जमी नमाता-दुखपातीहे-ओर पापकीयजेसे रीजकवगेराभी पुरानहीहोताहे ओर.ना, पुरीरवनासपती होतीहेःईससे तमांम,दुनीयां,दुखपातीहे बलके जमीनमाताभी ईस,राक्षसबीद्याके,पापसे दुबलीहोगइहे ओर उसके,सरीरकी-चरबीभी-गलगइहे सोचरबी जमीनके सरीरसे;ईनचीजोंको;कहतेहेंःकिजीसको फीजमांना चांदी'सो नेकी,खांनबोलतेहें,वोह जमीनमाताके सरीरकी चरबीहे परंन्तु.राक्षसबीद्याका. पापचलायाहे उसपापसे जमीनमाताके-सरीरकी-चरबी गलगइहे ओर पहले;रा जा!रावणने!राक्षसबीद्याका;पाप चलायाथा तोकीसीने-ऐक.पीढीतक.चलायाथा ओर कीसीनेःदोःपीढीतक चलायाथा परंन्तु जबकि राक्षसबीद्याकी'खबर'दुनी यांकोपडी जब दुनीयांने-उनहोंको-सजादी-ओर सजादेकर उनकी;राक्षसबीद्या को!छोडादीया!अबसे जमीनमाता दुबली नहीहुई.ओर.रावणके जमांनेतक-चां दी सोनेकी खांनें मोजुदथीं सो?रावणनेतो?संसारके लोगोंकी अकल थोडी-भ्रष्टकीथी,सोजब.पापकरातोथा जब दुनीयांके लोग फोरन-समझजातेथे-ओर जबकि दुनीयांके नांमका पापःकरातोथाःओरःदुनीयांकी अकल थोडी खराब

होजातीथी तोदुनीयांके लोग!उसीवक्त?समझलेतेथे किकहीं राक्षसीपाप हमलो गोंके-नांमकाहोरहाहे-जीससे हमारी अकल फीरीहुइहे तोसंसारके-लोगोंने.अप नी;अकलको खराब देखकर ओरःऐकःदीलहोकर फोरन राक्षसीपापको'छोडा दीया,परन्तु,ईन सोदागरांननेभी बलराजाके बादसे राक्षसबीद्याका पाप-चला याहे सोयह महाजन लोगतो अपने-पापको-समझतेहें किराक्षसीपापसे बुध्धी-भ्रष्टहोजातीहे'सोऐसा'समझकरके ईन सोदागर महाजनोंनने रावग-हरनाकुश; वगेरासेभीःबढकरःराक्षसबीद्याका.पाप,चलायाहे;ओर;साफबुधी-भ्रष्टकरदीहे-ओर जमीनके,उपर,जोखांनेंथीं वोह जमीनके सरीरकी चरबीथी परंन्तु.अब.जमीन माता बीलकुल दुबलीहोगइहे ओर!बलराजाके?बादसे राक्षसबीद्या चलरहीहे-ओर-बलराजाको-मरेहुयेका हाल नामालुमकि कीसकदर अरसाहुवा?जबसेयह बनीये पाप करारहेहें ओर.रावण.हरनाकुश वगेरातो पापकरनेसे डरतेथे;कि-जोहम'जीयादा'पाप करावेंगेतो हमारी ओलादकोलगेगा ईससे;उनहोंने;थोडी२ बुधी भ्रष्टकरीथी ओर?ईनके,जमांनेमेतो,ऐसीबुधी भ्रष्टकरदीहे किजमीनमाताके सरीरकीभी पहचांन नहीरहीहे;ईससेःमेंःबार२लीखताहूं किईस;जमांनेकेलोगोंकी ऐसी बुधी भ्रष्टकरदीहे किजो आपलोग समझानेसेभी नहीसमझतेहो;सोईसका तका.खयाल.करनाचाहीये किजब राक्षसबीद्याका पाप छुटजावेगा-जब-जमीन माता फीर ताजाहोजावेगी ओर,जोकि,चांदी सोनेकीखांनें गलगइहें;वोह;पीछे प्रगटहोजावेंगीःओरःजीसतरहसेकि आदमी बीमारहोताहे ओर फीर.उसको,आ रांम होजाताहे जब वोह शखस!खाना!पीना अच्छीतरहसे खाता पीताहे:तो फीरःमोटाःताजा होजाताहे सोजबकि यह महाजनलोग जमीनमाताके?नांमका पाप नहीकरावेंगे तोजमीनमाताकी?बीमारी?हटजावेगी ओर होले२जमीनमाता ताजाःहोजावेगीःजब धांनवगेराभी वगेर बोयेहुयेके पेदाहोनेलगेगा.ओर.चांदी सोनेकी खांनेंभी संसारकेःलोगोंकोःदीखनेलगेंगी ओर जब दुनीयांके नांमका पापकरना,छोडदेंगे,जब राजा बादशाहको रईयतदेखकर खुशहोगी'ओर,रैयत. कोदेखके राजा बादशाह खुसहूंगे-ओर-सब संसारकेलोग महोबतसेरहेंगे?ओर कबी-उमरमे-नहीमरेंगे ओर पुरीउमर पाकेमरेंगे ओर जबतककि जींन्दारहेंगेः कीसी कीसमकी बीमारी नहीपावेंगेःसोसबःहिंन्दु मुसलमांन अंग्रेज;ओर;सातों आदों,वलायतोंके,बादशाहोंको ईसबातका खयाल करनाचाहीये-किईसतरहका

हाल दुनीयांमे बरतेगा जब यह जांननाचाहीये किमहाजनोंनने राक्षसबीद्या-छोडदीहे?ओर?पहलेके जमानेमे राक्षसबीद्या नहीथी जब दुनीयांमे-सतजगथा जब दुनीयांमे सिंघ-ओर-बकरी शांमीलबरतीथीं ऐसा.संम्पथा.सोजबक्या-मालीकःदुसराथाःओर अबक्या मालीक-ओरहीहे परंन्तु मालीकतो!बेाहका!वहीहे ओर मालीक ऐसानहीहे किजो,गरीबोंको,अकल खराबकरदेवे लेकीन मालीकतो?सबका?परवरश करनेवालाहे ओर कीसीकी बुधी भ्रष्टनहीकरताहे-ओर मालीकतो ऐकहीहे दो;याःतीननहीहें यहतो जालसेःबहकारक्खाहेःकिईसतरहसे हमजालकरेंगे तोकीसीको हमारा राक्षसीपाप मालुमनहीहोगा ईससे राक्षसबीद्याका पापचलायाहे ओर-जबकि-राक्षसबीद्याका-पापचलातेहें-जब!पहले?सबकी अकलोंको.पापसे.खराब करदेतेहें परंन्तु मालीकके घरमेतो शेरःओरःबकरीशांमीलचरती ऐसाहेत ईरादाहे परंन्तु!रावणने!दुनीयांके नांमका पाप चलायाथा उसकानांमःईन्द्रजालःरक्खाथा परंन्तु दीन२दुनीयांकी;अकल,उनके,राक्षसीपापसे भ्रष्टहोतीजातीथी जब दुनीयांके लोगःयहःकहतेथे किईन्द्रजालसे बुधी भ्रष्टहो जातीहे-ओर-जबकि सनीश्चरको कलपाया जब सनीश्चर अपने'दीलमे'समझा.कि चलायातो.पापहे.ओर नांम ईन्द्रजाल बोलतेहें परंन्तु ईसतरह.हरनाकुश.राजानेभी दुनीयांके नांमका पापकरायाथा,ओर,दुनीयां नासमझनेकी वजहसे उस;पापका.नांम.राक्षसबीद्या रक्खाथा किईस राक्षसबीद्याके नांमसेही-हमारा?पाप दुनीयांमे जाहीर नहीहोगा क्युंकि,जीसतरहसे,रावणने दुनीयांके नांमका.ओर जमीनमाताके नांमका पापचलायाथा ओर नांम ईन्द्रजाल रक्खाथा किकीसी पर,मेरे,राक्षसीपापका;नांम जाहीर नहीहोगा उसीतरह हरनाकुश-राजाने-ओर कंन्स राजाने ओर कारून!बादशाह?वगेरानेभी राक्षसबीद्याका पापचलायाथा ओर,नांम,बदलकरके रक्खाथा किजो में नांम बदलकर रखूंगातो;मेरानांम-कीसीपर जाहीर नहीहोगा ईससे उनलोगोंने राक्षसबीद्याका पाप चलायाथा ओर.दुनीयांके.नांमसेकारातेथे किजीसतरहसे रावण दुनीयांके-नांमका-ओर-जमीनमाताके नांमका पापकराताथा;ईसीतरहसे;हरनाकुशनेभी राक्षसबीद्याका पापचलायाथा,तोहरनाकुशने,ईन्द्राजालका नांम बदलकर-राक्षसबीद्याका-नांमरखा ओर दीलमे यह सोचा कि.मैं.ईन्द्रजालके!नांमसे दुनीयांके नांमका या;राजा बादशाहके,नांमका,पाप कराऊंगा तोदुनीयां फोरन समझजावेगी;ओर;ऐकदील

होकरःमुझको:ओर मेरी ओलादको तमांम दुनीयां जांनसे मारदेगी-ईससे-हर नाकुशने रावणके चलायेहुये ईन्द्रजालका;नांम:बदलकररक्खाथा परंन्तु पापतो वहीथा.किजो.रावण कराताथा मगर नांम ईसवजहसे बदलकर!रक्खाथा!किंई ससे दुनीयांकेलोग मेरेःराक्षसीपापकोःनहीसमझेंगे किराक्षसबीद्या क्याचीजहे-इ ससेःहरनाकुशनेभी;राक्षसबीद्याका पाप दुनीयांके नांमसे-करानाशरुकीया-परंन्तु पाप वोहका वहीरक्खा'ईसीतरहसे'कंसःराजानेःओर कारूंन बादशाहनेभी;नांम बदल२कर दुनीयांके नांमसे पापकराना,शरुकीयाथा,परंन्तु पाप वोहका वहीः रक्खा.ओर.उसीतरहसे कारून बादशाहनेभी दुनीयांके नांमका!पापकराना!श रुकीया ओर जोकि दुनीयांकेःनांमकाःपापःकराताथा उसकानांम काफीरबीद्या रक्खा-परंन्तु-नांम ईसवजहसे बदलकररखा किदुनीयां हमारे.पापको.नहीसम-झेगी ईससे नांमबदलकररखा!ओर!दुनीयांके!नांमका पापकराताथा सोउसवक्त दुनीयां,गुरुनांनकके,समझानेसे पापको समझगई ओरःदीन२वाकीफ;होतेगये;सो जीसकदरकि दुनीयां वाकीफहोतीगई,उसीतरह,पाप करनेवालोंको सजामीलती गईःईससेःपापको छोडतेगये ओर अब उसीतरहसे बलराजाके बादसे!ईन!सो दागर महाजनांननेभी दुनीयांके नांमसेःजीवजोंकोःमारना शरुकीयाहे ओर-ज हांपर'राक्षसबीद्याका'स्वर्गबनायाहे कितमांम जहांनकेलोग,चोरासीलाख.कुंन्डी-यांबोलतेहें वहांपर चोरासीलाख-जीवाजुनको-दुखदेके मारतेहें परंन्तुःपापतो वोहका'वहीहे'लेकीन ईनबनीयोंने पापका नांम कलुकाल रखदीयाहे-ओर-यह सोदागर दुनीयांके नांमका पाप,दीन२जीयादा,करातेजातेहें वेसेही दुनीयांकीः बुधी,खराब,होतीजातीहे जीसको दुनीयांकेलोग कलजगःकहतेहें;ओर;दीलमेयह खयाल नहीकरतेहें किकलजग कोई!चीजथोडाहीहे!किईन बनीयोंकीतरहसे;प हले,जमांनेमे,राक्षसबीद्याका पाप चलचुकाहे परंन्तु;जीन२शखसोंने;राक्षसबीद्या का पाप चलायाथा सोउनहोंने-संसारके-नासमझनेकी वजहसे नांम बदल२के रक्खाथा!किजोहम!कलजग नांमरखकर दुनीयांमे जाहीरकरेंगे.तोहमारे.पापको कोईभी नहीसमझेगा ईससेःदुनीयांःकलजग२बोलतीहे परंन्तु यह कोईभी नहीं कहताहे'कियह'रावणकी तरहसे ईनबनीयोंने पापका नांम,बदलकरके,चलायाहे सोनहीसमझते कियह कलुकाल-बनीयोंके-घरका-पापहे ओर ईसीपापसे;लोगों की;अकल;केदहोरहीहे किजो नानोपंन्डीत!ओर!नासाधु फकीर ओर नाराजाः

बादशाह ओर नारईयत ईस,पापहोनेकेउपर,गोरकरतेहें कियह कलुकाल-ऐक कीसमका:पापहे:किजीसको बनीयोंने सातों आठों वलायतोंका'धनलेनेकेवास्ते; चलायाहे ओर सबकी अकलोंको,अपने,राक्षसीपापसे भ्रष्टकरदीहे ईससे जरा भी.खयाल.नहीकरते हालांकि कची उमरमेंही लाखोंमरद ओरत:ओर;बाल-ब चसमेत साल बसाल मरतेजातेहें,तोसंसारकेलोग,यह खयालनहीकरते कियह: क्यासबबहे;क्युंकिपहले;जोकोई मरताथा तोपुरीउमरपाके मरताथा'ओर!अबतो; कमउमरमेंही मरजातेहें सोदुनीयांमे-कीसीने-राक्षसीपापतो नहीचलायाहे जीस; की-तलाशकरें-ओर तलाशकरके पापकोदेखें ओर पापको?छोडावें—सोतोकीसी को नहीसुझताहे कियह कलुकाल,बनीयोंके,घरकापापहे ओर यह मालीककी, कुदरतनहीहे-क्युंकि-मालीक कचीउमरमे कीसीको नहीमारताहे!जीसका!सबुत-वेदकी कीतावोंसेहे ओर दुनीयांमेभी;कहतेहें;किरावण हरनाकुश ओर,कंस;वगे राने.अपने.राक्षसीपापसे मेहको ओर मोतको अपनेवसमे-करलीयाथा—ईसीतर इसे ईनबनीयोंनेभी राक्षसबीद्याके पापसे?मेहको?ओर मोतको अपनेवसमे कर लीयाहे,परन्तु,मोतको वसमेकरलेना कीसकोबोलतेहें वोह यहहे;किजोकोई,कची उमरमेंमरे जबयह जांनना किमोतको वसमेकरलीयाहे सोईसबातको;अच्छीतर इसे-तुम-संसारकेलोगोंको समझनाचाहीये किकीसीने राक्षसबीद्याका.पाप,चला याहे क्युंकिआगे रावणने ओर,हरनाकुशने,राक्षसबीद्याका पाप चलायाथा तो अगले,जमांनेके,सतीलोगोंने राक्षसीपापसे दुखपाकरके राक्षसीपापको-छोडादी; याथा जब दुनीयांबचीथी—नहीतो,दुनीयां.कभीनहीबचती क्युंकि पापकेकरनेसे दुनीयांका'बुराहोजाताहे'ईसवजहसे संसारके लोगोंने तमांमजहांनमें'ऐकाकरके— राक्षसीपापके करनेवालोंको सजाऐंदेकर.उस.राक्षसीपापका करना छोडादीया परंन्तु,तुम,संसारकेलोग कलजग२करतेहो सोईन सोदागरांनके-घरका—राक्षसी; पापहे सोयह पापकरनेवाले बनीयेहीहें,सोअब,ईनकेघरकी तारीफसुनो किदुनी यांमे:ईनबनीयोंका:बीखांन सबकरतेहें सोसबतुम राजा बादशाह!ओर!पंन्डीत-फकीर ओर साधु संन्त:ओर:गरीब!सुरबा!ओर संसार ईनबनीयोंके जालको खयाल.करकेदेखो.किईन बनीयोंने झुठकाजाल कीसतरहसे चलायाहे;किजो-बयांन नहीकीयाजाता सोआप'सब'साहब महरबांनी फरमाकर.ओर.जराकांन लगाकरके:ईनबनीयोंके:जालका हालसुनो किजो दुनीयांमे भजन-गातेहें—उससे

कीसकदर झुठकाजाल चलायाहे?किपहले?जमानेमे जोसतीलोग हुयेहें उनहोंने मालीककी-भगतीकीहे-ईससेउनका नांम दुनीयांमे अमररहाहे क्युकि!मरेहुये!पी छेनहीआतेहें सोऐसी२बातेंकहतेहें यह,मीसालसुनो,किजोबनगया नाबावडे;ओर मरा;ना,जीवेकोये सोयहबात सबकोही सुझतीहे किमरेहुये!पीछेनहीआतेहें!ओर आगे राजा रावणने राक्षसबीद्या:चलाईथी:ओर जबकि भजनगातेहें?ओर?यह कहतेहें;कि-रावणके-वक्तका रोनारोतेहें ओर अबजो भजनगातेहें!सोअब!ईनबनी यें;का रोनारोतेहें किपांच [५००००००] कीरोडसे पहलाद जागेगा ओर सात [७००००००] कीरोडसे हरचंन्द्र ओर नो [९००००००] कीरो डसे-पांडो-राजा;जेठल;राजासमेत जागेगा सोयहबात दुनीयांमे!कहतेहें!ओर:अ लावा बाराह [१२००००००] कीरोडसे बलराजा जागेगा;सोभी:दुनीयांमे कहतेहें.ओर.जोकि राजपुतोंमे रांमदेवजी भगतहोगुजरेहें ओर-वोह-जातके:तुंव रथे उनके बारेमेभी तमांम?जहांनके?लोगकहतेहें किरांमापीर नकलंग जागेगा सब,मरेहुये,सुरदेभी जागेंगे किमसानोंमे गाडेहुयेहें सोऐसे२हालात-दुनीयांके-लोग भजनोंके अंन्दरगातेहें ओर:बांचतेहें:सोयहतो दुनीयांके भुलानेके:वास्ते ओर बहकानेको झुठका जाल.चलादीयाहे,ओर दुनीयांकी बुधी भ्रष्टकरदीहे-सोदुनीयां'झुठकोही'सच्चाजांनरहीहे ओर यहकहतेहें किकलजगके:दफेकरनेके;वा स्ते अगलेजमानेके सतीलोग किजो-मरगयेहें-वोह-पीछे जींन्दाहोकर कुलंकीसे लड्ाईकरेंगे!सोयह!बात दुनीयांमे कहतेहें परंन्तु जीसबक्त.लड्ाईकेवास्ते.चढाई करेंगे उसवक्त रांमापीर नकलंग;जागेगा.ओर नीलाघोडा उनकेसवारीमेहोगा ओर,सुरज,चंन्द्रमाउनके रकाबकोपकडेंगे सोयहभी दुनीयां-अपने-मुहसे;कहतीहे सोतुम सब संसारकेलोगो ओर-राजा-बादशाह कांनलगाके समझो,क्युंकियह बनीयोंका-जालहे-क्युंकि सुरज चंन्द्रमातो जमीनमाताके सरीरमे?जोतहे-किजी सदरहसे अपने सरीरये ताकतकी-वजहसे-रोशनीहे उसीतरहसे जमीनके;सरी रमे:चांद:ओर सुरज जोतेहें-ओर-तमांम जहांनकेवास्ते दीनदयालहें?ओर?बंन्दा तो!गंन्दाहे!क्युंकि बंन्दाजेसी भगतीकरताहे वेसाहीउसको फल:मीलताहे:किजो भलाईकरताहे उसको भलाईमीलतीहे;ओर,जोबुराईकरताहे उसको बुराईमीलती हे-ओर-बुरेकांम करनेवालोंकी उमरकमहे ओर भलेकांम:करनेवालोंकी:उमरजी यादाहे क्युंकिजो बदकांमकरताहे!उसकानांम!तमांमजहांनमे बदीकेसबबसे कोई;

नहीलेताहे ईससे बदकांमकी जड्नहीःओरःजोअच्छा कांयकरताहे ओर नेकीमे रहताहे'उसकानांम'नेकीकेसबबसे तमांमजहांनमे अमररहताहे ईसीतरहसे;जीन;श खसोंने भगतीकीहे उनकानांम-अबतक-दुनीयांमे मवजूद ईससेअमरहें,परन्तु-ईन बनीयोंने;झुठका;जाल केसाचलायाहे किजो यह कहतेहें?किमरेहुये'जींन्दाहोजा वेंगे सोयह सोदागर'बनीयोंके'घरका जालहे यराहुवा,झखस,जींन्दानहीहोसक हेःओरःसुरज चन्द्रमासी चीजको रकाब पकड्नेकेवास्ते-मुकरीरकीयाहे-सोयहः बातभी बड्अफसोसके लायकहे किसुरजःचन्द्रमासीःचीजको ईनबनीयोंने अप ने?जालसे?रांमापीरके घोड्की रकाब पकड्नेकेवास्ते साईस,मुकरीरकीयाहे,सो यहसब ईनबनीये बेईमांनोंके घरका-जालहे-यह मालीककी कुदरतनही सोअब तुम.सब.हिंन्दु मुसलमांन ओरःअंग्रेजःओर सब परमेश्वकी-रचना-खयालकरो-किईन बनीयोंने तमांमजहांनकेःलोगोंकीःअकलको खराबकरदीयाहे ओर यहः जाल;अकल;खराब करनहीकेलीये चलायाहे किझुठकी बातको-यकीनसे;सच्चा समझादीयाहे सोईसबातका झुठ?सच्च?देखनाचाहो तोदेखो किजो भजनगातेहें: उनहोंको:बुलाओ;ओर उनसे भजन गवा२केसुनो जीसके सुननेसे.तुमको.कुछ हाल;मालुमहोजावेगा;किजोअब ईन बनीयोंका जाल छारहाहेःसोयह-जाल-ईन बनीयोंकाहे ईससे गानेवालोंको.गानेकीवजहसे.कुछदोश कीसी कीसमकानहीहे क्युंकि,भजनवगेरा,बनायेतो सोदागर लोगोंकी ओलादकेहें ओर-उनपर-छाप-दुसरेलोगोंके नांमकी लगादेतेहें.किईसतरहसे.जोहम भजनोंको चलावेंगे तोह. यारा,नांम;नहीहोगा सोऐसे२कीस्से ओर भजन तरह२के,ईनबनीयोंने.चलायेहें किजीनका जीकर अबहोरहाहे-सोसब-संसारकेलोग ओर राजा?बादशाहवगेरा सातों,आठों,वलायतोंके लोग ईनके जालको;सुनतेहें;सोईस जालको छोडानेके वास्ते कुल जहांनकेलोग'कोशीसकरें'तोउम्मेदहे किईन बनीयोंका राक्षसीपाप. छुटजावे,ओर,तुम्हारे-बाल बच्चोंको ईनके जाल मीटनेसे;आरांममीले;तोवहतरहे ईससेयह बात खयालकरनेके कावीलहे,क्युंकियह,सोदागर ऐसे जालीम ओर बदकारहें.किजो.चांद ओर सुरजके नांमका पापकरें तोजादुके जोरसे,चांद,सु रजकोभी जमीनपर उतारलेवें परन्तु-चांद-ओर सुरजको ओर-कोई-नहीउतार सकताहे!हां!यह बात बेशकहोसकीहे किजो बनीये,जादुके,जोरसे,जमीनपरःउता रनाचाहें तोउतारलेवें क्युंकि यह!राक्षसीपाप!करतेहें ओर राक्षसी.पापको;बह

ताकतहे किजोचाहे वहीकरे चुनाचेःयहःबनीये ईसीतरहसे चांद ओरःसुरजको उतारसक्तेहें-सोअजबनही-किजबईनके दीलमे उतारनेकी आवेगी,तोउतारेंगे,ले कीन यह सुरज चंन्द्रमा जमीनमाताके-देहीमे-जोतहें किजीसतरहसे अपने-स रीरमे!जोतहे!परंन्तु ईससे पहले जोकीस्साका जीकर कीयागयाहे;वोह;कुल;जा लहे क्युंकि ईनहोंने कीसम२के-जाल-बेअंन्दाज चलादीयेहें किजीसका कुछभी शुमारनही:बलके,सेंकडों कीसमके कीस्से चलादीयेहें जीसके-पढनेसे-कुल?हाल ईनःबनीयोंकेःजालका मालुमहोताहे सोयह ऐसे२कीस्से ईन?बनीयोंने?ईसवास्ते चलादीयेहें किजो यह आयंन्दाको जाल-चलावेंगे तोसंसारकेलोग यह जानेंगे किअगले-लोग-करामाती कीतावोंमे लीखगयेहें ओर भजनोंवगेरामे!ओर!मुह-जवांनी कीस्सा कहगयेहें:तोजोकुछःजाल दुनीयांमे बुराहोनेकेवास्ते;चलावेंगे;तो दुनीयां.हमारे.जालको नहीसमझेगी ओर यह बनीये चांद,ओर,सुरजको,तारों समेत अपने जादुसे जमीनपर-उतारेंगे-सोजबकि सुरज चंन्द्रमाको उतारेंगे-ज ब-दुनीयांकेलोग-यह जानेंगे कियह करामातहे परंन्तु ईसबातकी-खबर-कीसी साधु फकीर या पंन्डीत-जोगीको!बीलकुलनहीहे!जीसकीवजह यहहे किईन-बनीयोंने अपने राक्षसीपापसे सबकी!अकलोंको!पहलेसे खराब करदीयाहेःजी ससे,कीसीको,कुछ खबर नहीपडतीहे बलके ऐसा सुझताहे.किहम.करामातीहो गयेहें ओर दुनीयांभी-जांनतीहे-किकरामातीहें-परंन्तु ईतना खयालनहीकरते-किसुरज;चंन्द्रमाको;तारोंसमेत जमीनपर उतारतेहें तोवोह जबःउतरतेहेंःकिजबः जमीनमाताके नांमका पाप.चोरासीलाख.कुंन्डीयोंके उपरकरातेहें जब जमीन-माताका,दमघुटताहे,जीसतरहसे आदमीका दम बीमारीके सबबसे-घबराताहे-व घुटताहे परंन्तु जमीनमाताकाःदमःचांदःसुरज उतरनेकेसबबसे घबराताहे;क्युंकि यहःबनीयेःजमीनमाताके नांमका पाप चोरासीलाख कुंन्डीयोंके,उपरकरावेंगे,ज बःसुरज चंन्द्रमाको जादुकेजोरसे,जमीनपर,उतारेंगे जीससे जमीनमाताका?दम घबरावेगा-सोईन-बनीयोंने अपने जालकी नीगाह नापडनेकी;गर्जसे;तरह२के-कीस्से ओर ऊनकीतावोंमेःयहःलीखदीयाहे;किहनुमांनजीने;अपने मुहके अंन्दर सुर्जको'लेलीयाथा'सोकीतावोंमे लीखाहे परंन्तु यहबात-खयालकरनेके-लायकहे किसुरजजेसी चीजको आदमीनेःकीसतरहसेःमुहमे लेलीयाहोगा क्युंकि?मुखके अंन्दर-सुरज-कीसतरहसे आयाहोगा मेरीदांनीस्तमे यहबातःबीलकुलःखीलाफहे

किजोबातें ईन बनीयोंने कीतावोंके:अंन्दर:लीखकर दुनीयांमे जाहीरकीहें-वोह ईन,सोदागरांनका,जालहे किजीनको तमांम जहांनकेलोग पढतेहें!ओर!उनहीं-कीतावोंमे ऐसा लीखाहुवाहे-किजोईन-कीतावोंको-नहीवांचोगे तोहिंन्दु धर्म्ममे; हिंन्दुओंको.गाये.मारनेकेबरावर पापहे सोऐसे२हालात कीतावोंमे-लीखतेहें-कि जोईन कीतावोंको नहीमांनोगेतो:तुम्हारेवास्ते:अच्छानहीहे ओर अलावा ईसके मुसलमांनोंके,नीसवत,ऐसालीखाहे किजोतुम ईन कीतावोंको-नहीमांनोगेतो-तुम काफरोंमे समझेजाओगे सोऐसी२जालकी:वातें;हजारों ईन सोदागरांनने:चला इहें.ओर.हजारों'कीतावें'चलाइहें सोदेखोभाई यह सोदागरतो'खुद'काफीर'ओर कुलंकीहें क्युंकि ईनहोंने!अपनी!कीतावोंमे!हिंन्दु!मुसलमांनोंके नांम लीखदीयेहें ओर.कहतेहें.कियह कीतावें तुम्हारे वुजरगोंकी वनाईहुइहें सोतुम-ईनके-मुवा-फीक पढ२कर कांमकरो;सोऐसे२जाल!ईन!सोदागरांनकेहें सोतुम संसारकेलोग ईनके.जालसे.परहेजकरके ईन सोदागर महाजनांनको;गीरफतारकरो;ओर;सजा अंदो ताकियह सोदागरलोग अपने-राक्षसीपाप-करनेकी जगहकोवतादेवें ओर पापको-छोडदेवें-क्युंकिईन सोदागरांनने अपनी अकलसे अपने?वच्चोंको?वचाने केवास्ते ओर हिंन्दु मुसलमांनके,ओर,अंग्रेजोंके वच्चोंको मरानेकेवास्ते-ऐसी२ कीतावें-चलाइहें-किजीसतरहसे रावणने काफीरवीद्याकी कीतावें!चलाईथीं!ईसी तरहसे ईन बनीयोंनेभी;हिंन्दु;मुसलमांनके;बच्चे मरानेकेवास्ते राक्षसवीद्याकी:की तावें-चलाइहें-क्युंकिईन वनीयोंने हिंन्दु मुसलमांन ओर अंग्रेजोंके'बच्चे'मरानेके वास्ते ईनके वुजर्गोंके नांम-लीखदीयेहें-सोईस-गर्जसे लीखदीयेहें किजव कोई राजा,वादशाह,ईन कीतावोंका हाल दरीयःफत करेगा कियह'कीतावें'कीसनेव नाइहें जव हिंन्दु;मुसलमांन;यह कहेंगे किहमारे'वुजर्गोंकी'वनाईहुइहें सो?राजा यादशाह-ईनकोही-तकलीफदेंगे ओर हमतो अलाहदाके;अलाहदाहीरहेंगे-ईससे यह अकलमंन्दीकीहे किजो ईनहोंकेघरमे.झुठी.ओर जालकी कीतावें:नीकलेंगी तोहिंन्दु:मुसलमांनोंके:वच्चे ओर अंग्रेजोंके वच्चे मारेजावेंगे जव.दुसरी,वादशाह तके लोग यह;जानेंगे;किकुलंकी यहहीहें ईससे'अंग्रेजवगेराके'घरमे ओर हिंन्दु मुसलमांनोंके घरमे झुठकी कीतावेंहें!ओर!ईनकीही चलाईहुइहें जीसमे सुरज-उतरनेके-अलावा-ओरभी सेंकडों कीसमकी वातें जालकी.लीखीहुइहें.परंन्तु. महतो वनीयोंने अकलमंन्दीकीहे!किहिंन्दु'मुसलमांनोंको जालकी कीतावें:पक

डादीहें ओर नांम उनके:बुजरगोंके:लीखदीयेहें ईससे अपनीजांनतेहें.परन्तु.अ सलमे!ईन!महाजन लोगोंकी बनाईहुइहें?ओर ईन बनीयोंकी'चलाईहुइहें'जीसमे बनीयोंने चालाकीकरके हिंन्दु-मुसलमांनोंके-बुजरगोंके नांम कीतावोंके अंन्दर लीखकरके:जाहीरकीयेहें;सोईसगर्जसे जाहीरकीयेहें किजब ऐसी?जालकी?कीता वें-देखेंगे तोयह जांनेंगे किदुनीयांके:नांमका:पाप हिंन्दु मुसलमांनही करातेहें-जीससे,ईनहोंकेघरमे,ऐसी२कीतावेहें किजीसमे यह हालात'लीखीहुइहें'किजमीन को'डाढकेअंन्दर'लेलीयाथा ओर सुरजको मुहमे लेलीयाथा;सोकीतावोंमे,लीखा हे:परंन्तु यह हाल उसीकीतावके-अंन्दर-लीखाहुवाहे किजीस कीतावमे चोरा सीलाख,कुंन्डीयोंका,हाल लीखाहुवाहे परंन्तु यह;कीतावें;राक्षसीवेदकीहें;जीनमे ईन बनीयोंने हिंन्दु मुसलमांनोंके,बुजरगोंका,नांम लीखदीयाहे किजो पहलेज मांनेमे;सती;होगुजरेहें अलावाईसके ईसीतरहसे अंग्रेजोंके घरमेभी'ईन'बनीयोंकी दीहुई ओर चलाईहुई कीतावेहें,जीसमे.ईसामसीहका हाल लीखाहुवाहे ओर. यह:कहतेहें:कियह:कीतावें आसमांनसे उतरीहें:जीसमे!यह-लीखाहे-किईसामसीह आसमांनसे,उतराहे,में.बडेअफसोसके:साथ:आपलोगोंकी-खीदमतमे-अरजकरताहूं किआपलोग ऐसे समझदारहें किजीसका.बयांन.नहीहोसक्ता ओर उडते जांन वरको:पहचांनजातेहो:परंन्तु ईन बनीयोंके जालकी पहचांन,तुमलोग,मेरे;बताने सेभी नहीकरतेहो सोयह-राक्षसीपापका-सबबहे क्युंकि तुम्हारे नासमझनेके'बा रेमें'पाप'करातेहें ईससे तुमलोग नहीसमझतेहो सोखयाल करनेकी.बातहे.किम रेहुये शखस पीछे कीसतरहसे-जींन्दाहोसक्तेहें-यहतो ईन बनीयोंका जालहे; ओर,मुरदे,जींन्दा नहीहोसक्तेहें यहतो सीर्फ संसारके लोगोंको?भुल?ईसगर्जसे बताइहे कियह ऐसे२खयालकरके:खुद:संसारकेलोग खांमोशहुये बेठेरहेंगे;क्युंकि कलजग-उस-हालीतमे दफेहोगा जब मरेहुये मुरदे जींन्दाहोंगे-ओर-नकलंग: ओतारहोगा जब सतजगहोगा-सोऐसे२हालाततो-जालके सीर्फ संसारके भुला नेकेवास्ते,चलादीयेहें,किजोहमारे जालके उपरचलेंगे तोफीर हमारा?जाल?मा-लुम:नहीहोगा चुनाचे सब संसारके.लोग.ईनबनीयोंके जालके उपरहीचलरहेहें सोसब,साहब.गोरफरमाकर ओर ईनबातोंको कांममेलाकर ईन-बनीयोंके-राक्ष सीपापको छोडाओ ओर;ईनबातोंको-दीलसे;भुलजाओ किओतारहोगा सोभाई मेरेहो,हमेशा,सतजगहीहे कलजगनहीहे यहतो ईन बनीयोंके पापका-नांमहे-कि

जीसतरहसे रावणके पापका—नांम!ईन्द्रजालथा!ईसीतरहसे बनीयोंके पापका; नांम-कलुकालहे-क्युंकि ना मुरदे आसमांनसे उतरतेहें ना?आसमांनपर?चढतेहें यहतो बनीयोंके राक्षसीपापका,फीतुरहे,किजो;फीजुलबातें तमांम जहांनकेलोग मांनतेहें.सोयह.बातें तुम सब-साहबोंको-पापकी वजहसे सच्ची!ओर!सही मालु महोतीहें,सोयह,झुठ सोदागर महाजनांनकाहे सोजबकि तुम.संसारकेलोग.ओर राजा बादशाह दीलसे ऐकाकरके-बनीयोंसे-दरीयाफतकरोगे ओर बनीयोंको-सजाअेंदोगे जब यह बनीये मारेःदहशतकेःआपसे आप पाप करनेकी-जगह को बताअेंगे अगरचे अब रासतीसे दरीयाफत कीया चाहतेहो तोकभी; हर गीज नहीबतावेंगे—क्युंकि-यह काफीर जातहे-क्युंकि बनीये लोगोंने?पहले भी काफरी जाल चलायाथा—जीसको बादशाहने ईन बनीथोंको सजा देः करके छोडायाथा-जीसका जीकर उपर—लीख चुकाहूं ओर कुलंकी यह-- बनीयेहीहें ओर बनीयोंहीने सबके उपर कुलंक-लगादीयाहे ओर जोकि स, भोंके घरमे--जालकी कीतावेंहें वोहभी बनीयोंहीके घरकीहें—क्युंकि; बनीये लोगोंहीने तमांम जहांनके बच्चे-मरानेकेलीये तमांम जहांनके उपर कुलंकः ध रदीयाहे क्युंकि पहले राजा रावणने राक्षसबीद्याका पाप चलायाथा; जबभी दुनीयांमे—बहोतसे राजा बादशाह भगत हुयेहें सोउनके-नांम कीतावोंमे— लीखदीयेथे किजो कोई कीतावोंको-देखेगा तोमेरी बदनांमी नहीहोगी.ओर दुनीयां यह—समझेगी कि यह कीतावें ऋषिश्वरोंने ओर राजा बादशाहोंने, चलाइहें सो ऐसी कपट करके रावणने—अपना राक्षसीपाप चलायाथा कि ईस चालसे मुझको ओर मेरी-ओलादको बीलकुल नुकसांन--नहीहे?उसीतर हसे—बनीयोंनेभी राक्षसबीद्याका जाल चलायाहे ओर तरह२के जाल करर हेंहें किजो दुसरोंके नांम कीतावोंमे—लीखदीयेहें सोसीर्फ दुसरोंके बच्चेःमरा नेकेवास्ते जालसे कीतावोंमे नांम रखदीयेहें:सोईस गर्जसे रखदीयेहें कि— हमारी ओलादको-कोईभी-नही मारेगा तोसातों आठों—बादशाहतोंके लोगों को ओर राजा बादशाहोंको ओर रैयतको गारत करदेंगे किजीसका कुछ-पता नहीलगेगा-क्युंकि आगे राजा रावणने राक्षसबीद्याका पाप;चलायाथा सोउसने तीन लोकमे दुनीयांके नांमका पाप-चलायाथा परंन्तु जब उसका-जाल पकडा तो;रावणको;सजाभीली;परंन्तु दुसरोंकोनही जीसकी वजह,यहे

किवोह:मुकेहुयेथे:परन्तु यह बनीये'बलराजाके बादसे राजा:बादशाहोंके;नांमसे ओर रैयतके नांमसे रात:दीन:गुपतीपाप:करातेहें किजीसतरहसे रावण गुपती पाप!दुनीयांके!नांमसे कराताथा उसीतरहसे यह बनीये करारहेहें?सोईनके?जा लको छोडानाचाहीये अगर-ईन-बनीयोंका-जाल-नहीछुटेगा तोयह बनीये सब संसारको.गारतकरदेंगे.ओर ईन बनीयोंने गुपतीपापका स्वर्ग?बनायाहे?सोउस को अपने कबजेमे रखतेहें-ओर?अपनी-न्यात बीरादरीके हाथसे पापकरातेहें-किजीसतरहसे-रावण-अपने कुळके हाथोंसे पापकराताथा उसीतरहसे:ईन;बनी, योंनेभी बलराजाके बादसे अपनी:न्यात:बीरादरीके हाथसे पापकराना-शरुकी याहे!ओर!बलराजाके बादसे ईन बनीयोंने पाप करानेकेलीये.अपने.कुळमेसे-छांट२कर भेजदीयेहें सोवोह:कीसीटापुके; उपररहतेहें:ओर उनके बाल बचेभी उसीजगहपर'पेदाहोतेहें'ओर जीसतरहसेकि अपने बाल बच्चे.खेती.वाडीकरतेहें ओर खेती वाडीका कांम-सीखतेहें-उसीतरहसे ईन पापकरनेवालोंके बच्चे:रा क्षसबीद्याका!पापकरना!सीखतेहें ओर पापकरतेहें सोईनकी,ओलादमे.पापकरने की बीद्या पीढी:दरपीढी-चलीआतीहे-सोयह-सोदागरलोग कबीलेसमेत दरीया बोंके,उपर,पापकरनेको चलेगयेहें किहमारे बाल बच्चे हमको-गुपतीपाप:करतेहु येःदेखेंगे तोयहभी गुपतीपाप करना!सीखलेवेंगे!तोहमारे कुळमे गुपतीपाप पी ढी.दरपीढी,होतारहेगा क्युंकि गुपतीपापका कांम ऐक दो'दीनमे,हासील-नही होताहे क्युंकिपाप सेंकडोंःकीसमकेहें:कुछःऐक कीसमकेनहीहें किजोऐक दीनमे पापके-सीखनेवाले-हासील करलेवें ईस?गर्जसे यह बनीयेलोग;मअे;कबीलेके;ग येहुयेहें किजीसतरहसे राजा रावणने!अपने!भाई बेटोंको पाप करनेकेलीये.भे जदीयाथा,उसीतरहसे,ईन बनीयोंनेभी अपने भाई बेटोंको-पापकरनेको-भेजदी याहे ओर राजा,रावणने,राक्षसबीद्याका पाप चलायाथा-जब-सनीश्चको राक्षः सबीद्याके पापसे कलपाया-ओर-दुखीकीया-जब सनीश्चको राक्षसीपापकी.मा-लुमहुई,जब,सनीश्चने राजा बादशाहोंको वाकीफकीया जबःराजाःबादशाहोंने-ओर कुल संसारने-रावणके-कुळको सजा देनीकी.जब.भवीक्षणने दीलमेसोचा किसबःसंसारकेलोगःऐकदील होकर मेरेकुळकोभी रावणके-हीमराह-मारदेंगे;ऐ-सा डरकरके भवीक्षण-रावणके-जालसे अलाहदाहुवा ओर;जोकि;रावणने-राज सीपापका;स्वर्ग;बनायाथा वोह भवीक्षणने,सारी,दुनीयांको बतादीया!ओर!हार

जोडके यह कहनेलगा:किमेरे:कुळमे राक्षसबीयाका पाप-अब-कभी नहीचलेगा जीसकी,मैं,कसम खाताहूं ईसीतरहसे!भवीक्षणने!अपने धर्म्म ईमांनकी;कसमखाई ईसवजहसे.भवीक्षण.अपनी ओलादसमेत तीरगया ओर जबकि–ईन–बनीयोंके राक्षसीपापका हाल दुनीयांमे जाहीरहुवा;जब;बादशाहने मअे दुनीयांके-ऐका करके.बनीयोंको.सजादी तोईन बनीयोंने राक्षसबीयाका-पाप–छोडदीया ओर यह कहनेलगे किअब हम अपने;कुळमे;राक्षसबीयाका पाप नहीचलनेदेंगे ईस बारेमे ईनबनीयोंने तरह२की,कसमेंखाई,जब;संसारने ईनके कसमोंका अेतबार करके-ईनको-छोडदीया हालांकि ऐक,दो,दफे सजाभीदी जीसका.सबुत:यहहे–. किबनीयोंके जीसकदर मंन्दीरथे-उनको-तोडदीया-ओर;जोकि मंन्दीरमे पुतली यांथीं,उनके,नाक व कांनकटवाये सोईस बातको बनीयेलोग-छुपातेहें;ओर;यह कहतेहें किबादशाह हमारेउपर,बहोत,नाराजहुवाथा ईससे हमारे मंन्दीरोंको,गी रवादीयेथे-ओर-पुतलीयोंके नाक व कांन कटवादीयेथे!सोऐसी२बातेंतो!दुनीयां के:लोगोंको जाहीर नहीहोनेदेतेहें-ओर-झुठकीबातें दुनीयांको कीसम२की सुझा देतेहें!सोदुनीयांकी!बुध्धी केदकरदीहे इससे दुनीयांको खबर-नहीहोतीहे-ओर. जोकोई:झुठी:बातकहताहे तोदुनीयां उसको सचजांनलेतीहे परंन्तु,बनीये,बडे,वे ईमांनहें कितरह२के छलकरके'दुनीयांको'भुलादेतेहें'हालांकि ईनबनीयोंने पहले केइ२कीसमकी-कसमेंखाईथीं-ओर बहोतसी लाचारीयां पहले;बादशाहोंके;सामने कीथीं जब बनीयोंको बादशाहने;छोडाथा;किअब यह बनीये अपनी:कसमके-उपररहेंगे!ओर!पाप नहीकरावेंगे अगरचे'यह'मालुमहोता कियह बनीये,दुनीयां के नांमका पाप-फीरकरना-शुरुकरदेंगे ओर हमारेबाल:बच्चोंको.अपने पापसे– गारतकरदेंगे,ओर,धनको अपने काबुमेकरलेंगे!ओर!हमारी अकलको मअे–ओ लादके!केदकरके फीरअपना:राक्षसीपाप:चलादेंगे ओर;दुसरे;बादशाहोंसे;मीलके हमारा,राजलेलेवेंगे,ओर हमारेबच्चोंको मरवादेंगे ओर अव्वलमे.यह.राक्षसीजा ल राजा रावणके,वक्तसेचलाहे,सोजबसे नो दसबार;यह;जाल पकडागयाहे;कि अव्वलतो-राजा-रावणके वक्तमे यह,जाल,मघटहुवा बादउसके,हरनाकुशके,वक्त मे?जाहीरहुवा बादउसके कंस-राजाकेवक्तमे-यह जाल पकडागया.फीर,कारून बादशाहके;जमानेमे;यह राक्षसीजाल चोडेहुवा!ओर!फीर हिन्दुस्तांनके बादशा हके वक्तमे ऐकबार-मालुमहुवाथा-ओर यह राक्षसीजाल;कदीमसे;ईन!बनीयोंके

घरानेमे चलाआताहे ओर राजाःरावणःहरनाकुश वगेराकोभी ईन बनीयोंहीने थोडासा-पाप-अपने पापमेसे सीखादीयाथा,ओर,कदीमी असली राक्षसीजालः यह बनीये अपने;काबुमेरखतेहें;ओर उनको पाप,सीखाकरके,यह,बहकादीयाथा कितुमःराक्षसीपापसेःचारकुंटमे राजकरोगे जब-रावण-हरनाकुसवगेराने बोह?पा पकरना शरुकीया ओरःसंसारको;उसपापकी खबर पडतीगई?तोसंसारके?लोग उसपापको-छोडातेगये-सोरावण हरनाकुश कंस,कारूनवगेरा,ओर केईराजा वा दशाह ईन बेईमांनों,बनीयोंके,राक्षसीपापके सबबसे मुलही-मुलमे-मअे ओलाद के-जांनसेमारेगये-जोयह महाजनलोग उनको;पापकाकरना;नहीसीखाते-तोबोह बेचारे संसारके हाथसे,क्युंमारेजाते,ओर ईन बेईमांनोंके'पापको'बंन्दकरानेका-आजतक,कीसीसे,पुरेतोरसे बंन्दोबस्त नहीहुवाहे;किजो;आयंन्दा फीर;कभीनही होता ओर यह,बात,संसारमेकहतेहें कियह बनीये-बेईमांन-लंकाके ढेडहें'क्युंकि यह.पाप.बनीयोंसेही नीकलाहे ओर,पहले,रावणके वक्तमे यह-पाप-लंकाहीमे-प्रघटहुवाथा ईसवास्ते लंकाकेढेड-ईनकोकहतेहें-ओर अगले जमांनेमे ईसपापको छोडानेका,बंन्दोबस्त,कीयागया ओर पाप-करनेवालोंको-पुरी२सजाअेंदी-किआ बंन्दाको डरकरके कोई.पापनहीकरें.परंन्तु यह पाप,बीलकुल,नहीमीटा,क्युंकि पुरा२यह-राक्षसीपापतो-कदीमसे ईन बनीयोंके?काबुमेहे?ओर ईनहोंनेजो राजा रावण ओर हरनाकुश,वगेराको.सीखाकरके उनकेहाथसे कराथाथा-बोह-थोडा सा.पाप.संसारने ऐकदीलहोकर छोडादीया-ओर-ईन महाजन,लोगोंका,हालतो उसवक्त संसारको थोडाही,मालुमथा,किईस राक्षसीपापके उसताद.यह,बनीये. बेईमांनहीहें:ओर:यह बनीयेही दुसरोंको;सीखा२कर;पाप;करातेहें सोसंसरकोतो उसवक्त ईनकी खबरपडजाती'तोसंसारकेलोग'ईनसेभी पापको छोडादेते-जेसे; रावण,वगेराका,छोडायाथा ओर पहले;जमांनेमेतो;ईन-पापकरनेवालोंको ऐसी२ बुरी सजाअेंदेकर संसारने:माराहे:परंन्तु संसारको आजतक'यहबात'मालुमनही हे-कियह-जाल कदीमी ईन;बनीये;महाजनांनकाहे ओर आजतक?ईस?हिंन्दुस्तां नमे जीसकदर राजा,बादशाहहुयेहें,सबका:पेसा:ओर धन ईन-बेईमांनोंने-पाप. करा२के:अपने:काबुमे करलीयाहे ओर-सबको-नीरधन ओर भुखा:करदीयाहे ओर जाल डाल२के-आपुसमे-लडा२कर सबको मरादीयेहें!ईसवास्ते!सातों आ ठों;बलायतोंके;लोगो ओर राजा,बादशाहोंसे,मुझ गरीब साधुकी:हाथःजोडकर

अर्जहे किजो हमने.ईन.बनीयोंके शामील हिंन्दुस्तांनमे?जनम?पायाहे जब हम कोही:ईनके:जालोंकी खबर नहीपडी:तोआपलोगोंको कीसतरहसे मालुम-हो-सक्ताहे ओर ईन,बेईमांनोंने,हिंन्दुस्तांनका लोभ दे२कर;दुसरी;वलायतवालोंको आपुसमे.लडा२कर.मरादेंगे जबभी ईनके-जालकी-खबर कीसीको नहीपडेगी; ओर यह बनीयेलोग-आपलोगोंको-नावाकीफ ओर भुलाहुवा'जांनकर?ओर-अपने,कुलमेसे,कीसीआदमीको फकीरी वगेराके;भेसमे,आपलोगोंके पास भेजके रावण वगेराकीतरहसे थोडासा'पाप'अपने पापमेसे सीखाकरके-आपलोगोंके. हाथसे-पापकरावेंगे-ओर आपलोगोंको ऐसा२लोभदेवेंगे:कि;राक्षसीपापकेसबबसे आप लोगोंकी बादशाहत-हिंन्दुस्तांन-ओर सातों आठों वलायतोंमे-होजावेगी जीसतरहसे.रावण.वगेराको सातों आठों:वलायतोंका:लोभदेकर उसके हाथसे-पाप कराथाथा ओर,फीर,ईन महाजनांनने आपही-दुसरी-वलायतोंमे यह बा तें,मशहुरकीथीं,कि रावण बडा-कुलंकीहे-आखीर रावण उस,पापकेकरनेके,सः बबसे संसारके हाथसे,मारागया.सोयह सोदागर महाजनांन-रावणकीतरहसे-आपलोगोंकोभी!सातों!आठों वलायतोंका लोभदेकर:ओर:आपलोगोंके हाथसे. पापकराके रावणकीतरहसे आपलोगोंके-बच्चोंको-मरादेंगे ओर जेसे-रावणको कुलंकी-मशहुरकीयाथा-उसीतरह आपलोगोंको दुसरी-वलायतोंमे-कुलंकीकहेंगे ओर दुसरी वलायतवालोंके;हाथसे;आपलोगोंके बच्चोंको मरवादेंगे?ओर?यहःम हाजन.आप.अलाहदाके अलाहदा रहजावेंगे!ओर!अपना नांम कभी-जाहीर-न हीहोनेदेंगे क्युंकिईन बेईमांनोंने!हिंन्दुस्तांनके!लोगोंकोभी-अपने जालकी खबर नहीपडनेदी,सोआपतो,परवलायतके ओर परमुलकके हो-सोआपलोगोंकोभी-बः नीये सीखावेंगे रावण!वगेराकीतरहसे!किआप चारकूंटमे राक्षसीपापके,सबबसे राजकरोगे-जब-आपलोग भुलजावोगे ओर.यह.बनीये दुसरीवलायतोंमे आप, लोगोंको प्रगटकरदेंगे किफलांना?बादशाह?कुलंकीहे ओर आपलोगोंको-नाभी सीखावेंगे?तोभी?कहनेकोलगजावेंहे ओर दुनीयांमे.बातें.चलादेतेहें किफलांना-बादशाह कुलंकीहे सोईनका;मतलब;यहहे किसब सातों-आठों-वलायतोंको रा क्षसीजालसे!आपुसमे!लडा२कर मरादेंगे ओर जब,संसार,थोडा रहजावेगा;तो फीर हम अपना,राज-चारकूंटमे करलेवेंगे ओर.फीर.हमसे कोई नहीजीतसके गा'ओर'हमारी'औलादका राज-नही-छीनसकेंगे ओर जहांतक,संसारमे,आदमी

जीयादाहे जहांतकतो यहःबनीयेःलोगादीखाउ ऐसेगरीब ओरःसतीःलोगहोकर रहतेहें किईन जेसा,गरीब,दुसरानहीहे सोसातों आठों!वलायतोंके!लोग ओर-राजा-बादशाह-आपुसमे मीलके ईसःपापकोःछोडाओ जोसब संसारका!भलाहो वे;ओर,सबकी ओलादउभरे नहीतो'लोभही'लोभमे कुछकीसीके हाथ?नहीआवेगा-ओर अपनी ओलादको मरवादोगेःओरःहिन्दुस्तांनकोतो ईन यहःजनांननेः आपुसमे-लडा२के-ओर बुधी भ्रष्टकरदीहे.सोगारतकरदेंगे.ओर कुछ रहीसहीहे उसको अब आपलोगोंको,हिन्दुस्तांनमे,लाकर हिन्दु मुसलमांनोंके?बचोंको?आप'लोगोंके'हाथासे गारतकरादेंगे ओर-जीसतरहसेकि-यह बनीये हमारेःसाथमः पेशआयेहें उसीतरहसे आपलोगोंके-साथ-पेशआवेंगे अगर ऐसाहाल,पेशतरसे-जाहीरहोता-तोईन-बनीयोंके ओलादतक बादशाह.बाकी.नहींरखता ओर हला ल-करडालता ओर ईसबातकीभी'बादशाहको'खबरहोती कियह बनीये दुसरे-बादशाहकोलाकरःहमारीःओलादसे,राज छुडवादेंगे!ओर!उनसेःराजकरावेंगेःओर हमको गारतकरादेंगे-ओर-सब धन हमारालेलेवेंगे.तोबादशाह.ईन बनीयोंकोज ड-ओर-ओलाद अपने राज.धांनीमे.नहींरहनेदेता ओर गारतकरादेताःपरंन्तु-क्याकीजीये किपहले ईनःबनीयोंकेःजालकी खबरनहींपडी ईससेयह-बनीये-सलांमतरहगये,ईसवजहसे,ईनबनीयोंने फीरअपना राक्षसीपाप!चलादीया!जोआज दुनीयामे चलरहाहे किजीसःपापसेःकीरोडोंःआदमीयोंको हेजावगेराकी बीमारी लगाकरके-मारदेतेहें-ओर साल बसाल!मारतेजातेहें?क्युंकिजीसकदर पहले आदमीये उसकदर अबकहांहें,बलके,दीन२ओर साल२कमहोतेजातेहें जीसकीवजह बहहे,किईस.जमांनेमेभी राक्षसीपापसे आदमीःकमःपेदाहोतेहें ओर उमरभी,कम पातेहें ओर पहले-अच्छीतरहसे-फलते फुलतेथे ओरःउमरभी.बहोतपातेथे ओर कोईओरतःबांझ नहींरहतीथी ईससेकोईभी!बेओलाद!नहींरहताथा ओर सबके-ओलादहोतीथी ईससे जीयादतीथीःओरःअबतो बेओलाद बहोतसेहें-किजो-ओलादकेवास्ते,तरसतेहें,जीसकीवजह यहहे किजोबनीये-ओलाद-नाहोनेकेवारेमे'फीकरातेहें जब ओरतके'ओलाद'नहीहोतीहे तोवोह ओरत!बांझ!रहजातीहे ओर जीसकेनांमका?पापछोडदेतेहें?तोउसके ओलादहोजातीहे तोफीरवोह-ओरत-बांझ नहींकहलातीहे सोऐसेजाल ओर,फरेब,सबईन बनीयोंकेही हाथमेहे!ईससेजोचाहें-वहीकरसक्तेहें-ईससेमें आपलोगोंको जलदी?बाकीफकरताहूं?किईनके पापकोः

छोडानेका बन्दोबस्त जलदकरो-ताकिफीर-सतजगहोजावे ओर फीरकोई?बेओ लादनहीरहवे.क्युंकिउस.परमेश्वनेतो सबको ओलाददीहे;ओर;सबको खानेकोदी याहे वोह कीसीको,कीसीकीसमकी,तकलीफ नहीदेताहे यहतो:सोदागरांनके:पा पसे:सब:संसारकेलोग तरह२की तकलीफें-उठारहेहें-ओर आज सबसाहब;हिन्दु मुसलमांन अंग्रेजवगेरा ऐकदीलहोकर-बनीयांके-राक्षसीपापको?छोडावें तोछुटस क्ताहे:ओर:पापकेछुटनेसे सबकाभलाहोसक्ताहे सोसबसाहब?ऐकाकरके?बनीयोंके जालको दफेकरो-ताकिफीर-अमन-अमांनहोजाये-ओर अपने:बच्चेसुखपावें;क्युंकि बनीयोंकी दीलीमनशाये यहहे,किजब,संसारकेलोग थोडेरहजावेंगे जब-अपना राजहोगा-ईसर्गजसे-बनीयोंने राक्षसीपापचलायाहे किचारकूंट.ओर चोदाभांनमे राजकरनेकेलीये:राक्षसबीद्याका पापचलायाहे किचारकूंट ओर चोदाभांनमे रा ज-अपनाकरेंगे किजीसतरहसे:रावणने चारकूंट:चोदाभांनमे राजकरनेकेलीये,रा क्षसबीद्याका.पापचलायाथा उसीतरहसे.बनीयोंने सलाहकरके:राक्षसबीद्याका:पा पचलायाहे ओर यह,बीचारकीयाहे,किईसपापसे सब राजा-बादशाह-गारतहो-जावेंगे:सोक्यातो:हिन्दुस्तांनके ओर क्यासातों-आठोंवलायतोंके-राजा बादशाह ओर क्याअंग्रेजवगेरा सबही.गारतहोजावेंगे.ओर गारतहोते२जबकि थोडेसेआ दमी-रहजावेंगे जबहम:बनीये अपना,राजकरेंगे ईससे'राक्षसबीद्याका?पापचला, याहे ओर:संसारका धनलेनेके,वास्ते ओर,राजकरनेकेवास्ते!चलायाहे किजीस तरहसे राजा रावणने,राक्षसबीद्याका.पापचलायाथा ओर हरनाकुश.राजाने.क कंस-राजाने-ओर कारूंन बादशाहने:राक्षसबीद्याका:पापचलायाथा ओर सनी: श्चैने उनकेपापको मयटकीयाथा;जब:संसारने;उनहोंकेपापको छोडादीया सोजब हि-उनकी-चालाकी मालुमहुई जब:तमांम:दुनीयाने उनहोंकानांमतकही-मीटादी या.क्युंकिवोह बेईमांन संसारके-बचे-गारतकरके राजकरना चाहतेथे;सोईस;लो भकीवजहसे उनहोंने अपनीओलादकोभी संसारकेहाथोंसे मरवादी सोराजका; करनातो'ऐकतरफकोगया'क्युंकि राज तेजतो,धर्म्म,पुन्य ओर नेकीकाहे;सोयह बात सबसंसारको झुठ-नहीसमझनाचाहीये-क्युंकिमेंतो तुम्हारे बाल,बच्चे,ओर-सबसंसारके आरांमकेवास्ते ईन,चारोंकी'चोरीको लीखकरके;जाहीरकरताहूं;कि ईन बनीयोंने-चारकूंट-ओर चोदाभांनमे राजकरनेकेवास्ते.राक्षसीपाप.चलायाहे पांन्तु मुझको राक्षसबीद्याके.पापसेदुखीकीयाहे.ओर रोज२राक्षसीपापसे दुखदे

तेहें सोभे अपनेउपर,बीतीहुई,ओर नजरोंसे देखीहुई:लीखताहूं:अगरतुम:संसार केलोगो-ओर-राजा बादशाह ऐकदीलहोकरके:नहीछोडाओगे:सोयह बनीये:कुल संसारको गारतकरदेंगे क्युंकिअगले,जमानेके.लोगोंने दुखपारकर पापकोछोडा था,गच,अरामभीछाहे ईसीतरहसे संसारकेलोगो!ईनकेजालोंको!छोडाओगे जब, तुम्हारे बाल बच्चेबचेंगे-ओर-आरामभीलेगा क्युंकि राज.ओर.तज धर्म्म ओर नेकीछाहे?परन्तु?ईन बनीयोंने राक्षसबीबाका!पाप:गारतकरनेकेवास्ते चलायाहे सोयह बात काबील:गोरकरनेकेहे:कियह सोदागरलोग ईसीतरहसे;जुलमकरेंगे: तोहम!तुमसब!संसारकेलोग हिन्दु मुसलमानके'बच्चे'ओर अंग्रेजोंकबच्चे मारेजावेंगे-बलके ईन बनीयोंने,तमाम,संसारका बचा गारत?करनेकेवास्ते?जालकी कीतावें:हमारे:तुम्हारे घरोंमे हमारे;तुम्हारे:बुजरगोंके नामसेलीखकरके धरदीहें'कि तीनलोकके बच्चे ईनकोपढेंगे:तोयहजानेंगे:कियह कीतावें हमारेबुजर्गोंकी-चलाई हुईहें,सोतुम,सब संसारकेलोगो ओर,राजा,बादशाह तीनलोकके किजो;कीतावें ईन बनीयोंकी तुम्हारे!घरोंमेधरीहुईहें!जीनकाबेदकी कीतावेंजांनतेहो सोयह.रा क्षसीबेदकी,कीतावें,ईन बनीयोंकी चलाईहुईहें?ओर?जोमें चार२ईनकेबेदकी की तावोंके बारेमेलीखताहूं सोयह,हाल.सीर्फ तुम्हारेबच्चे बचनेकेवास्तेही;लीखताहूं सोमेरे-लीखनेपर-गोरफरमाकर ईस राक्षसबीबाके,पापको,छोडाओ जब;तुम्हारे बाल बच्चेबचेंगे अलावाईसके-राक्षसीबेदकी-कीतावोंमेलीखाहे किसोकोसके उप र?ऐकगांवबसेगा?परन्तु ईसके दरमीयानमे.लोगांपहोंगे.बोह उजडेहुयेमीलेंगे;सो ईसीतरहसे सो२कोसकेउपर बसेहुये'गांवमीलेंगे'सोयहबात संसारमेकहतेहें ओर कीसी२कीतावमे ऐसे२हालातभी लीखेहुयेहें किजबकोई.राजा,बादशाह अपनी ओलाद रहनेकेवास्ते उनकीतावोंको-तलाशकरेंगे-तोमीलजावेंगी ओर जीनलो: गोंके!घरोंमेसे!यह कीतावेंनीकलेंगी बोह,सबमारेजावेंगे,ओर बनीये अलाहदाके अलाहदारहजावेंगे ईसीवास्ते यह:कीतावें;दुसरोंकेघरोंमे फेलाइहें ओर-दुनीयामे ऐसाभीकहतेहें,किकलजग.आवेगा ओर सो२कोसकेउपर?ऐकगांव!बसाहुवामीलेगा-सोईन-बनीयोंने ऐसाजुलमका जाल,पहलेसेचलादीयाहे,किजोजालही जाल, चलरहाहे परन्तु यह.बात.जरुरहे.किपहलेसेतो जालचलानेसे कुछनहीहोता ले; कीन-यह-पाप दुनीयांके नामकाकरतेहें!सोदुनीयां!यहजांनतीहे!किअगलेलोगोंने आगमभाकीहे?ओर?वेदकीकीतावोंमे आगमभाकीहुईका हाललीखाहे किकलजग

होगा ओर खराब-वक्तआवेगा-सोवोह बात सचहोजातीहे.सोसंसारको.दीखता हीहे,क्युंकि,यह बनीयेअपने राक्षसीपापसे!तमांम!जहांनको रावणकी;तरहसे गा रतकरातेजातेहें-सोसंसारको-अगर ईनकेपापकी खबरहोती:जबतो:संसार ईनके, ओलादको मरवादेता क्युंकि:मालीकनतो:संसारको अमररहनेकेवास्ते पेदाकीया हे-ओर-अमररहनेकेलीये मालीकने संसारको;ओलाददीहे;सोसबकोही दीखताहे ओर यहजो ईनहोंने-आगम-बातेंलीखदीहें किशहरसे आगेचलकर;सोकोसकउ' पर ऐकगांव बसाहुवामीलेगा-ईसीतरहसे-सो२कोसकेउपर गांवसे आगे.गांवमी लेगा.सोसचहे.परन्तु तुमको जतानेकेवास्ते:लीखताहूं:किजीससे तुम्हारीओलाद बचेगी क्युंकिईन बनीयोंने,ऐसा,राक्षसीपाप फेलारक्खाहे किजो;पापकीवजहसे तुमलोगोंको'यह!अपने राक्षसीपापकी खबर:नहीपडनेदेंगे;ओर ना पडनेदेतेहें- ओर ईसजमानेमेतो आध-कोस-पोंन-कोसकउपर वसेहुये गांवमीलतेहें?सोसंसा रके:लोग:अपनी२आंखसेही देखरहेहें किजोआवादहें,कुछमेरे,लीखनेकीभी जरुर त,नहीहे,सीवायेईसके बेदकी कीतावोंमेभी'लीखाहे?किअनाजके दांने गीनतीसे वीकेंगे सोयह बातें:भजनोंमेगातेहें:सोयह कीतावें ईन.सोदागरलोगोंकी.चलाई: हुइहें जीसमे:ऐसे२हालात:तरह२के:लीखेहुयेहें ओर यहभीलीखाहे:कि;टांके:नीर तुलेगा,ओर,तुलकर पांनी बीकेगा-जब-कलजगआवेगा ओर महापरलोभीहोगी सोईसतरहकी जोकीतावेंहें:वोह ईन?बनीयोंकी चलाईहुइहें,सोउन कीतावोंके?उ पर.नांम.ईन बनीयोंने हम;हिन्दु:मुसलमांनके बुजर्गोंके लीखदीयेहें,किजो,हिन्दु मुसलमांन-ओर-अंग्रेजोंमे बुजर्ग होगुजरेहें:सोयह.बनीयोंकी जालसाजी ओर- चालाकीहे सोईसको तुम,अपनेदीलमे,ओर मेरेलीखनेपर;गोर;फरमाकरदेखो'कि जेसाजाल!ईन!सोदागर महाजनांनका रावणके,तरीकेसे,चलरहाहे परन्तु ईन;सो दागर महाजनांनने तमांम.जहांनके.लोगोंकी अकल ऐसीखराब,करदीहे.किजो बीलकुल,नहींसमझतेहें सोयह,राक्षसीपापका,सबबहे सोयह बनीये;अकलको;ईस गर्जसे खराबकरदेतेहें किजोकोई!जालसे!बाकीफकरेगा तोकोई जालको'सच'न हीजानेगा ओर-खीलाफ जानेंगे,ईसवजहसे,समझनेवालेको अहमकजानेंगे तोह यारा.जाल.जोचलरहाहे वोह कीसीपर,जाहीर.नहीहोगा तोवदसतुर चलतारहे गा-किईससे-तमांम जहांनकेनांमका पापकरके;अकल;खराबकरदीहे ओर ईनबि नीयोंने पहलेसे,सब,लोगोंकी,अकल;खराबकरके पहलेभी'राक्षसीपाप'चलायाथा

परन्तु अगलबादशाहन ईनके राक्षसीपापको-पढचांनकरके ईनके राक्षसीवेदकी कीतावेंवगेराभी:मारतकरदीथी:परन्तु ईन बनीयोंने!पहलेभी-रावणकी तरहसे-ओर हरनाकुश आर'कस'ओर:कारूंनकीतरहसे राक्षसवी या:कीतावों;समेतचला ईथी-सोखबरपडतही-बादशाहने छोडादी ओर,रावण,वगेरानेतो थोडीसीही;मा लकी कीतावें:तयारकरके:बकाईथी:सोयह!बनीये राक्षसीपाप,करातेहें,सोइ.हिन्दु स्तांनसेही,पापकरारहेहें,सोईन बाताकी खबर'हिन्दुस्तांनके'बनीयोंकोहीहे,क्युंकि यह पापकरनेवालोंको जोपाप-बनीयेकरातेहें-उनको खरच मुकररावेनतेहें,ओर जोकिईन,बनीयोंने,आगम भाकीहे वोह:सचहे:क्युंकिअबलतो यह बातें;दीपनोंमे कीखकरके तमांमजहांनमे जाहीरकरतेहें-किफलांनीमीती-ओर फलांनेदीन ओर महीनेमे-यह-बातहोगी किकाल ओर,हेनावगेराआवेगा,सोपइलेतो संसारमे,ऐसे ऐसे हालात जाहीरकरदेतेहें,जब,वोह मीतीआतीहे जब-यह,बनीये चोरासीछा ख-कुंन्डीयांके-उपर पापकरातेहें जबवोह,बात,सचीहोजातीहें किमीसबातको-त मांमजहांनके लोग:अपनेमुहसे,बनीयोंके,पापकीतारीफ इर्पके नांमके:करतेहें;ओर कहतेहें-किमाळीककी-कुदरतहे ओर यह:नहीकहतेहें;कियह माळीककी कुदरत:न हीहे यहतो रावणकी,तरहसे,ईन बनीयोंका पापहे:सोयह:बुधीका प्रमांणहे कि. जोईनके,जाल,नहीसमझतेहें ओर:फीर:पी उलझेहें:ओर जबकि पापको!समझतेहें तोछोडातेहें क्युंकि 'रावणकेवक्तमेभी-पहलेलोग-रावणके पापको तनीश्चेके:कहने से-समझे-जब रावणके पापको छोडाया:ओर:फीर उसपापकेवारेमें'तमांमजहांनके लोगोंने,बहोत,फीकरकीया किजोहम पहलेसेसमझते.तोईसकदर.खराब नाहोते. ओर आरांमसुगतते क्युंकिमाळीकने-दुखकीसीको-नहीदीयाहे बलके!सुखदीयाहे ओर,यह,जोहमने दुखउठायाहे यह-रावणके-राक्षसीपापसे उठायाहे क्युंकि:राव णने अपने राक्षसीपापसे.तमांमजहांनकी.अकळ ऐसीफेरदीथी किजोकोई'रावण के-जालकी-बातकोकहताथा उसकोमाळीककी कुदरतजांनतेथे'ओर'यह:जालनही समझतेथे परन्तु तनीश्चेके:समझानेसे:तमांमजहांनने समझके रावणके!जालको-अमलमाया:तोबरोबर:रावणका जालनीकला ओर-परमेश्वकी-कुदरत नहीनीकली जब संसारने अपनेदीलथे,बडाअकलोसकीथा,किइस रावणका जाल:नहीजांनते थे-ओर-माळीककी कुदरतजांनतेथे खेर:ईसीतरहसे:हरनाकुश राजानेभी राक्षस वीद्याका!पापबलाथाथा;जबभी-तमांमजहांन--माळीककी!कुदरतजांनतेथे:ओर!जब

कि-ईनके-जालकी खबरपडी ओर:पापको छोडाया;जब तमांमजहांनने ? रावणके जालकीतरहसे:हरनाकुशवगेराके:जालका बडाअफसोसकीया ओर'कहनेलगे'कि हमतो मालीककी कुदरतजांनतेथे.ओर,ईनका जाल नहीजांनतेथे!परंन्तु!यहतो. रावणकीतरहसे:हरनाकुशवगेराका:जालनीकला खेर ईसीतरहसे?अब?ईन सोदा गर महाजनांनका पाप:बलराजाके;बादसेचलरहाहे ओर ईन,बनीयांनेभी,रावण कीतरहसे-तमांमजहांनकी-अकल फेरदीहे जीससे;मालीककी,कुदरतजांनतेहें ओर ईनके जालकी पहचांननहीकरतेहें-किईन-बनीयोंकेभी रावणकीतरहसे छलहें;ईस से,में,आपलोगोंको सनीश्चकीतरहसे वाकीफकरताहूं!किआपलोग!जलदीवाकीफ होकर ओर समझकर:ईनके:पापको छोडाओ ताकि तुमको;आरांममीलेगा;ओर;न वकि-यह-पापदफेहोगा जब संसारकेलोग:रावणके.जमांनेकीतरहसे ईन बनीयों के:जालका:अफसोसकरोगे ईससे में,आपलोगोंको,ईन बनीयोंकेजालसे वाकीफ करताहूं सोतुमलोग वाकीफहोकर-ईन-बनीयोंके जालको छोडाओ ताकि.तुमको आरांममीले:क्युंकिऐसे२जालहें ईससे राक्षसीपाप!कररहेहें!किजब तमांमजहांन-मारतहोजावेंग तोफीर हमअपना?राजकरेंगे?क्युंकिजब सो२कोसकेउपरजाके?ऐ क'गांवमीलेगा'सोजबकि ऐसाहोगा:जबतो;बनीयोंकी;ओलाद जीयादाहोगी.ओर छत्तीसों जातकी ओलादकमहोगी,सोक्याहिंन्दुस्तांनमे,ओर क्याअंग्रेजोंकी वला यतोंमे:क्यासातों:आठोंवलायतोंमे सो२कोसकेउपरजाके ऐकगांवमीलेगा?सोखया लकरनेकी बातहे किहिंन्दुस्तांनका-राज?बहोतबडा सेंकडोंकोसमेहे सोहिंन्दुस्तां नमे-ईस-हीसाबसे थोडेही गांवरहेंगे:ओर.जोईससेबडी वलायतेंहें उसमेभीथोडे गांवरहेंगे जब यह,बनीये,अपना राजकरेंगे क्युंकि:सातों;आठोंवलायतोंको;गा रतकरदेंगे!जबथोडेसे!गांवरहजावेंगे तोबनीयोंका जाल?कोनमीटावेगा!क्युंकियह बनीयेतो जीयादारहजावेंग ओर!राजा!बादशाह ओर रैयतवगेरा;कमरहजावेगी सबईन बनीयोंका जाल,कीसीसुरतसे,नहीमीटेगा परंन्तु ईसवक्तमे परमेश्वकी-र चना,जीयादाहे,सोईनके जालको सारीखलकत;ऐकदीलहोकर;मीटासक्तीहे,परंन्तु ईनके जालकोतो खबर.मुझकोपडीहे.जीससे!में!तमांमजहांनके-राजा-बादशाहको ओर,रैयतको,वाकीफकरताहूं,सोसब संसारकेलोगो'ईनके'जालको छोडाओ;क्युंकि जबतक संसारकलोग जीयादाहें-जबतक-यह बनीये गरीब!होकररहतेहें!परंन्तु, राजा.बादशाहको.अपने जालसे लडादेतेहें;जीससे;हजारोंआदमी लडकरमरजा.

तेहें-सोयह-राक्षसवीद्याके पापसे बुधीफेरके,कुत्ते,बील्लीका वीरगकराके ओर-वीरगे बेरका पापकराके;लडादेतेहें;ओर दीलमे ऐसासुझादेतेहें-किमें-राजासेलड कर-ईसकाराज-छीनलूं ओर दुसरेराजा.बादशाह,यहकहतेहें किमें ईससेलडकर ईसकाराजछीनलूं सोयह बनीये!कुछ!आपुसमे लडाकरके गारतकरादेतेहें-ओर कुछ कालवगेराडालके गारतकरदेतेहें,ओर,कुछ मरीडालके संसारको:गारतकर देतेहें-सोईसीतरहसे-यह बनीयेमहाजन साल:बसाल;संसारके नांमका पापकरा; तेहें-जीससेआदमी-संसारके साल बसाल;कमहातेजातेहें;क्युंकि कच्चीउमरमे मार देतेहें जीससेऐसी२आगमभाकीहे!किऐसा कलजगआवेगा-किसीकोसपर,ऐकगां व-बसाहुवामीलेगा सोईससुरतसे संसारकेआदमी!थोडेरहजावेंगे?ओर सोकोस. पर!गांववसेगा!जवईन बनीयोंकी जातजीयादा;रहजावेगी;तोकुल संसारमे'ईनका राजहोजावेगा सोईन,बनीयोंने,अपनेदीलमे ऐसासमझलीयाहे किपापकरा२के;सं सारके-आदमीयोंको,मारदेना जब मरते२संसारमे;आदमीथोडे;रहजावेंगे जब;आ पही हमारा राजहोजावेगा,नहीतो,बादशाहोंसे लडाईकरके राजलेनातो;ईनके;व सका-कांमनहीहे-ईसीतरहसे संसारमे हरऐकतरहका,वीगनकरके,संसारको कम. करतेजातेहें सोऐसे२जाल तरहे२के,चलाकरके,यह बनीये संसारको-गारतकरदे वेहें-ओर-ईसीतरहसे पहले रावण.हरनाकुशने.ओर कंस राजाने.ओर;कारूंन-बादशाहने चारोंकूंटमे राजकरनेकी;गर्जसे;राक्षसीपाप चलायाथा ओर-जबकि. ईनकी-चोरीपकडीगई-जब तमांमजहांनने ऐकदीलहोकर;ओर;रावणवगेराको?मा रके राक्षसवीद्याका पापछोडाया,जबसे,रावणवगेराका जाल बन्दहुवाहे.जब.सं सारकी,ओलादवचीहे.ओर जब हरनाकुशवगेराने-जालचलायाथा-जब उनहोंने भी'संसारकेलोगोंको गारतकरानेकेवास्ते राक्षसवीद्याका पापचलाया था.सोवहो तसे लोगोंकोतो वीरगेवेर,लडाकरके,मारदेताथा ओर बहोतसेलोगोंको?काल. दालके मारदेताथा परंन्तु;जबकि;ईनकेजालकी खबर संसारको हुइ:जब:तमामसं सारने,ऐकदीलहोकर.हरनाकुशके पापकोदफेकीया जबसंसारकी.ओलाद.सलांम तरही नहीतोउम्मेदनहीथी किजो;रावणके;पापसे,दुनीयांबचती क्युंकि रावणकी ओलाद-जीयादारहजाती-ओर संसारकीओलाद कमरहजाती-तोबेशक,संसारकी ओलाद कमहोनेकीवजहसे रावण:राजकरलेता:ओर जोदीलमेआता वोह,अपने राजमेंकरता.ओर.संसारकेलोगोंको दुखदेता तोफीर!संसार!कीसकेआगेजाके?दु

खरीता किहमको रावणवगेराःदुखदेताहेःसोइमको मददेके छोडाओ,क्युंकि,राव
णने-चारकुंट-ओर चोदाभानमे राजकरनेकेसबबसे'राक्षसबीयाका'पापचलायाहे
ओर सब राजा!बादशाहोंको!ओर रैयतको अपनेःराक्षसीपापसे;गारतकरदेता-
अब.तमांमजहांनकेलोग.कमरहजावेंगे ओर हमजीयादाहोंगे-जबहम-अपनेदीलमे.
आवीचारेंगे!वहीकरेंगे'सो,रावणवगेरा,ईसतरहका'खयालकरके:दीलमेकलतेथेःओर
दीलबेक्याचाहतेथे परंन्तु सनीश्चजीमहाराजने-सबसंसारको रावणके जालसे;वा
कीफकरदीया ईससेकुछ जहांनबचगया,ओर,बचनेकेसबबस तमांमजहांनने अप
नी-जबांनसे-यह शुकरीयाअदाकीया किसनीश्चजीःमहाराजका-जुग२ओर-भो२
भलाहुजीयो किहमको रावणके,जालसेबचाया,जीसकीवजह यहहे किसनीश्चने,
रावणके-जालसे-कुलजहांनको वाकीफकीयाथा जबःदुनीयांजीयादाथीःओर रा;
वणकी ओलादकमथी ईससे,संसारने,ऐकदीलहोकर रावणके राक्षसीपापको'जा
डाया.ओर.जोरावज संसारकेनांमका पापकराके-गारतकरदेता-जबतो संसारमे-
चोरीनबडनहीहोती तोरावज चारकुंटमे!अपना!राजकरता तोफीरसंसार.रावण.
के-नीचेसे-हरगीज२नहीनीकलता बलके डुबाडुबारहताःचाहेःफीर दोह अमल-
फांसी लाकरकेहीमरते तोभीनहीमरनेदेता'क्युंकि-रावणकी कुळतो जीवादारह
हाती'ओर'संसारकीकुळ कमरहजाती तोफीरसंसारको,बडाभारीदुख.हमेशाकेवा
स्तेरहजाता ओर संसारकाकुळ-कमरहजाता-जबऐसा रावणकरता सोयःतो-सं
सारके,बडेभाग,किजोरावणकी चोरीमालुमहोगई तोसातों;आठोंःबलायतोंकेलोग
ऐकदीलहोकरके ओर सबलके!रावणकी!ओधतककोमारदीया किजो रावणकेघ
रमे.चीरागकरनेवालाहीनही!ईससेफीर संसारकेनांमका पापकरनेवालाभीकोई,न
हीरहा क्युंकिसंसारको रचनाहे-ईससेजीन२ने-कि-राक्षसबीयाका पाप,संसारको
गारतकरनेके,वास्तेचलायाथा,सोउनहोंकी ओलादतककोही नहीरक्खाहे;ओरःरा
वणने जोराक्षसबीयाका पापचलायाथा;सोह;संसारको जाहीरकरके थोडाहीःच
लायाथा,क्युंकिजो-जाहीरकराता तोकरनेकोनदेता सोसचबातहे'किजांनके'अपने
बचोंको कोन मारतहोनेदेता.परंन्तु.खबरनहीथी ईससेजहांनको मारतकीया-व
रावणका'सनीश्चको'राक्षसीपापकरना थोडाहीमालुमथा बलके,सनीश्चको,खुदही:
अेहडाळेकेपापसे;बांधरक्खाथा;सोसनीश्चकेनांमका पाप,रावण,चोरासीळाखकुंडी
सांटे उपरकरायाथा ओर-सनीश्चको-ऐसामुखाथा-किजुशको मारगीशेडाहे;ओर

ग्रेहदेवता सजादेरहेहैं ओर,जोकि,अगलेजमानेके भगत लोगहोकर:मरगयेहैं:उन का!सुपना!सनीश्वकोकराके सुझादेताथा जब-सनीश्वने-दीलमेसोचा:किजीतादुदा शखस कोईहुइको मारनेकोआवे'तोमैंदेखूं'कियरहुयेके सुपने मुझको?कीसतरहसे आतेहैं-क्युंकिजो-मरगयेहैं उनकेतो नामअमररहेहैं,सोयह,खयालकरनेकी बातहै. किजो मरगयेहैं वोह;कीसतरहसे:चोरासीलाख कुन्डीयोंपर'जीवोंकोमारतेहैं'ओर कीसतरहसे:पापकरातेहैं:क्योंकि मरेहुयेसेतो कुछभी.नहीहोताहै.हां जीन्दातो,पा पसे-अलबत्ताकरसक्तेहैं-सोवोह पापकरेंतो उनकीचलजातीहै,परंन्तु,मरेहुये पाप: कीसतरहसे करासक्तेहैं जब,दीलमेंवीचारकीया,किजोमरेहुयेसुझातेहैं ओर-ग्रेहक रातेहैं,सोयहतो,अपनेको भुलवताइहे किईसतरहसे-हमाराजाल-चालुमनहीहोगा:प रंन्तु यह पाप:रावणकीतरहसे;चलायाहुवाहै जबसे दुनीयामे?टीपनावमेरा?ओर नाईसफाकी बगेराहोना शरुहुवाहै,ओर,रावणने राक्षसवीद्याके भेद-ओर-कीता बेंबनाकरके.चलाईथीं.उनकीपहचांन सनीश्वनेकी किभेद.असलीनहीहै.ओर जा लकीहैं क्योंकिउनको दुनीयांबांचतीथी.ओर.कांनोंसेसुनतीथी क्योंकि टीपनोंव गेराको,ऋषिश्वलोग,तमांमजहांनमे बांचतेकीरतेथे परंन्तु;जबतकाकि;सनीश्वको'रा क्षसीपापसे नहीकलपायाथा जबतक:यहजांनताथा:किअगलाभेदहै ओर जबकि सनीश्वको-कलपाया-ओर चोरासीलाख कुन्डीयोंकेउपर!बावतमरीपडनेके!ओर. ग्रेहचालाके ओर रोगचालाके,ओर.वीरगेभेरकरानेके पापकरा२के छुड़ाताथा'ज ब-सनीश्वने-दीलमेक्या खयालकीया किओकोई;परमेश्वकी;भगतीकरताहै उसको बत्तीस लक्षणआतेहैं ओर-में-भगतीकरताहूं सोरात दीनमे;जालही,जालमेगीरक लारहताहूं;सोयह;ऐककीसयका पापहै ओर-रावग-करारहाहै ओर जाहीरदारी मे-हयसेमीलाहुवाहै-किहयारा पापमालुमनहीहोवे परंन्तु,यह,पाप रावणका;चला याहुवाहै सोयह खयालकरके!रावणके?पापकोसमझके कुलसंसारको बाकीककी या-किहुन-तमांमजहांनकेलोग वेद बाल,बांचरहेहो,उनमे चोरासीलाख.कुन्डीयों लीखीहुइहैं सो रावण.कीसीजगह.दुनीयांके नामका पापकरारहाहै-जीसका,की स्तांन;मुम,तमांमजहांनकेलोग अपने गुहसेकररहेहो.ओर.जोकि ग्रेहचालाकेबारेमे ओर बीरगीहोनेकेबारेमे ओर-रोगचालेकेबारेमे-ओर छुटनपडनेकेबारेमे ओर;व लधार!चलनकेबारेमे!टीपनोंकेअन्दर लीखाहुवाहै सोवोह.दीपने,ऋषिश्वलोग--बां चतेकीरतेहैं सोवोह राक्षसीपाप!रावणके!घरकाहै क्युंकि मालीककेघरमेतो;सेर-

ओर बकरी शामीलचरतीहें-ऐसासंपहे-ओर यहतो रावण!कीसीजगहपर!गुप्तपी पापकराताहे,बलके.मेरेनांमसेभी जीवजोंको कलपारहेहें-ईससे-में भ्रमजालमेपड़ा हुवाहूं जब सनीश्चने?रांमचंन्द्रजीमहाराजको?ओर ऋषिश्वरोंको बाकीफकीया-ओर-रावणके-राक्षसीवेदकी कीतावें रांमचंद्रजीमहाराजने'ओर'राजा बादशाहने ऐक दीलहोकरदेखा ओर-रावणके-जालकीपहचांनकी ओर उनकेजालसे!बाकी फहुये,ओर,बाकीफहोकर यहकहनेलगे किआदमीयोंसेतो-धर्म-पुन्य ओर नेकी; बगेराहोसक्तीहे ओर जोपापकरे,ओर,जुलमकरे तोउसकी कुलहुवजावे;ओरःजो नेकीकरे,उसकीकुल.तीरजावे जब रावणके-राक्षसीपापकी-तलाश सब राजाःवा दशाहने ऐकदीलहोकरकीया-किजो-रावणने चलायाथा परंन्तु?उसनेतलाशःईस तरहसेकीःकिजोःरावणके वेदको तमांमजहांनकेलोग'ओर'राजा बादशाहपढतेथे; उसकेजालसे सनीश्चने सबहोंकोबाकीफकीया?जब?सच ओर झुठकीतलाशकरी ओर,पापकीतलाशकरके,अपनेदीलमे बडाभारी फीकरकीयाःओरःयह कहनेलगे किईन्द्रजालकेपापसे केसीबुधी भ्रष्टकरदीहेःक्युंकिःरावण राक्षसबीद्याका पापक राताथाःसोसंसारकेलोग उसकीहीसोभा-ओर-वीखांनकरतेथे सोरावणनेःदुनीयां के-नांमसे-वेदगेराकी!कीतावेंचलाईथी उनकीतलाशकीःओरःचोरासीलाखकुंन्डी यां!ओर,डाढमे जमीनरखनेका ओर,सुरज,चंन्द्रमाको मुहमेलेलेनेकी ओर'ऋषि श्वगेंके परचोंकीतलाशकी ओर,अलायाईसके,शराबकेदुधहोनेकी ओर;गोशतका गुडहोनेके!ओर!मरेहुयेके जींन्दाहोनेकी अनेकतरहकी-कीतावें-ओर परचाहोने. की-राजा बादशाहोंने-तलाशकी परंन्तु!यह सलाहःराजा बादशाहोंको,सनीश्चने बताईःकिजोःकचीउमरमे कीसीकोमारदेवें तोअतीत-फकीर-कीसी मरेहुयेकेउपर हाथफेरें ओर वोह;जींन्दाहोजावेःतोफीर?अतीत फकीरके!परचे२पुकारतेहें!ओर करामात-सोयहतो-आदमीयोंकीभुलहे नाकि यहतो-कुछभीनहीकरते ओर?करने वालेतो दुसरेहें क्युंकिजब,चोरासीलाख,कुंन्डीयोंकेउपर'पाप जीसकेनांमकाकरा तेहें-वोह-बीमारहोजाताहे ओर जीयादापापकरातेहें,तोकचीउमरमे,मरजातेहें'ओर जोपापको छोडादेतेहें तोफीरःजींन्दाहोजाताहेःओर जोउनकेनांमका!पापनहीछो ड्तेःतोफकीरचाहेःफीरलाखोंहीदफे उसबीमारकेउपर हाथफेरें!तोकभीःइरगीज-जींन्दानहीहोता जबआदमी पुरीउमरपाके,मरताहे,वोह परमेश्वकी कुदरतहेःओर जबकि-राक्षसीपापसे-बीमारहोताहे तोनहीअच्छाहोताहे चाहेफकीर-साधु-कीतना

हीहाथ उसकेउपर क्युंनाफेरें,सोयह,बात दुनीयांमेभीकहतेहें:किमराहुवा;कीसीसे भी-जींन्दा-नहीहोताहे सोयहतो जबसे!बेईमांनलोग!राक्षसबीद्याका पापचलातेहें जब कच्चीउमरमेमरतेहें.ओर.जोऐकदीनभी कमहोवे ओर-बुढाहोवे-तोउसको!दुनीयांभुलानेकेवास्ते उसकेनांमका पापछोड्देवें!जबयह-कहनेलगतेहें किऐकदीन मालीककेघरका कमतीहे ईससेनहीमरा-ओर-जोजवांनोंको याकच्चीउमरके लोग बच्चोंकोमारदेवें:ओर:फीरउनकेउपर कोईसाधु फकीरहाथफेरें?तोजीसके?नांमका, पापछोड्देवें तोवोह जींन्दाहोजावे,ओर,जीसकेनांमका पापनहीछोडें;वोह;जींन्दा नहीहोवे:तोसाधुको:करामातीजांनतेहें ओर फीर?उसकी?तारीफकरतेहें किफलां नासाधुके हाथफेरनेसे जींन्दाहोगया-ओर-यह खयालनहीकरतेहें कियहपापहे-क्युंकिजोपापको;छोड्देवेंहें:जबतो जींन्दाहोजातेहें ओर'पापकोनहीछोडें'तोजींन्दा नहीहोवे चाहेसाधु कीतनाही.हाथक्युंनाफेरें.हरगीज जींन्दानहीहोवे जब-साधु फकीर,यह,कहनेकोलगजातेहें किहमने भगती-अच्छीतरहसेनहीकी-ईससे;हमारेहा थके फेरनेसे यह'शखस'जींन्दानहीहुवाहे अगरचे अच्छीतरहसे:भगतीकीहोती-तोहमारेहाथफेरनेसे जरुरजींन्दाहोजाते क्युंकिजीसने भगतीकीथी उनकेहाथफेर नेसे'कैसाजींन्दाहोगया सोजीसके:हाथफेरनेसे:वोह बीमारअच्छाहोजाताहे'तोवोह हाथफेरनेवाले यहजांनतेहें किमेरेबराबर!कोईजोगीनही!क्युंकिमेरेकहनेसे मरेहुये जींन्दाहोजातेहें!ओर!यह खयालनहीकरतेहें कियहपापहे;किकच्चीउमरमे;मरजातेहें ओर जोकिपुरी उमरपाकेमरताहे,तोवोह,जींन्दानहीहोताहे ओर जोकच्चीउमरमे-मरताहे!वोह!जींन्दाहोजाताहे ओर जोकच्चीउमरमेमराहे-कीसीने-राक्षसबीद्याकेपा पसे मारके ओर,हमारी,सीधाईवढाके हमारेमरानेकेवास्ते तोकीसीने;राक्षसीपा; प-नहीचलायाहे-क्युंकि मालीकनेतो सबको:उमरपुरीदीहे:सोऐसा नहीसोचनेदे: तेहें क्युंकिजब दुनीयांकेनांमका!पापकरातेहें!तोदुनीयांकी नजरबंन्दहोजातीहे-व अकलभी खराबहोजातीहे;किजोशराबका:दुधसुझताहे:ओर गोशतका गुड्सुझता हे-ओर-पांनीका घीसुझताहे ओर?ऐसाभीकरके!दीखलादेतेहें किजोपांनीहोवे;तो उसको घीकरकेदीखलादेवें ओर!भीसरीका'नीमककरके दीखलादेतेहें ईसीतरहे से-अनेकपरचे-दुनीयांकोकरके दीखलादेतेहें ओर!उसीतरहे!साधुओंकोभी दीख लादेतेहें जीससे मालीककोही,भुलजातेहें,ओर सनीश्चने ऐसे२परचेवगेरासे:सब राजा,बादशाहोंको,बाकीफकीया किह;पिश्वरोंको ओर:साधु:फकीरोंकोतो कुछ-

दोशनही क्युंकिसब संसारकी-बुधी-केदकीहुइहे ईसीतरहसे ऋषिश्वरोंकी;बुधीके दकीहुइहे-सोऐसा-हालदेखकरके राजा बादशाह:ओर:साधु फकीरवगेरा अपने अपनेदीलमे बहोतघबराये ओर,दीलमडर,ओर जीसकेघरमे राक्षसबीद्याकी:की तावेंथी,वोहभी,बहोतडरे ओर कहनेलगे:किरावणने-बडाजुलमकीयाहे किसेर जुलमकी कीतावें हमारेबचे;मरानेकेवास्ते;हमारी बुधीफेरके,ओर,भ्रष्टकरकेदेदीहें सोईसबातकी'तलाश'अगर दुसरीवलायतके राजा,बादशाहकरते;ओर:हमारेघरमे ऐसी२कीतावेंदेखते तोयहकहते कियह,राक्षसबीद्याका,पाप हिंन्दुस्तानके राजा-बादशाह:ओर:रैयतवगेरा करातेहें जबईनके-घरमे?ऐसी२कीतावें राक्षसीवेदकीहें जब संसारने ओर,राजा,बादशाहोंने दुसरीवलायतके राजा:बादशाहोंको खबर दी-किरावणने-सब संसारके गारतकरनेकेलीये.यह.राक्षसीपापचलायाहे सोसब राजा बादशाहोंने,शामीलहोकर,रावणके राक्षसीपापको फोरनछोडाया———— जब-दुनीयांकी-ओलादबचीहे ओर ईसीडरकीवजहसे'राक्षसीवेदकी'कीतावेंवगेरा पांनीमेगलादीथी क्युंकियह राक्षसीजाल,चलायाहुवातो,रावण वगेराकाथा,ओर हमारेघरोंमे,यहकीतावें,हमारे बचेमरानेकेवास्तेदेदीहे ओर-आपअलाहदाके-अलाहदारहा ईसबबसे उनकीतावोंका,गलादेना,ओर पांनीमेडबोदेना दुनीयामेकहतेहें-किरांमचन्द्रजी-वगेरा ओर तमांमसंसारने.राक्षसबीद्याका.वेदडबोदीयाथा'उसीतरहसे ईनबनीयोंने,राक्षसबीद्याका पापचलायाहे सोमीटाओगे,जबदुनीयांकी ओलादबचेगी!क्युंकिईन'बनीयोंने रावणसे जीयादा-पापचलायाहे-जीससेससंसारकी:बुधी भ्रष्टकरदीहे ओर-रावणनेतो:थोडासाही राक्षसबीद्याका;पापचलायाथा जीससेससंसारकी;थोडीबुधी:भ्रष्टहुईथी परंन्तु ईसहालसे-सनीश्चने-सबकोवाकीफ, कीया जब सबलोग.फोरनसमझगये,परंन्तु,ईनमहाजन बेईमानोंने ऐसापापचलायाहे-किजेसेकोई?शख्स शराबकोपीकरके मस्तहोजाताहे?किअच्छी?बुरीबातको-बेहोशीसे नहीसमझताहे-ईसीतरहसे-संसारकेलोग-मेरेसमझानेसे नहीसमझतेहें;क्युंकिईन,बनीयोंने.सबकीअकलको अपने राक्षीपापसे-ऐसीखराबकरदीहे-किसमझानेसेथी नहीसमझतेहें परंन्तु;यहकाम;मेनेतोसब राजा बादशाह'ओर'साधु-फकीरके-बचेबचनेकेसबबसे-अपनेउपर तकलीफउठाके ईनकेपापोंको?जाहीरकरना.शकीयाहे ओर कीसीकी,बुरीतो,ऐसीकरदीहे ओर बोह-पहुचताहे,किइमतोजादुको-समझतेहीनहीहे-सोयह बात ईसवास्तेकहतेहें,किईन;बनीयोंने बुधीलोगोंकी

पापसे खराबकरदीहे;ओर,मैं,वहोतकुछ समझताहूं किराक्षसबीया-ओर-काफीर बीया:ओर:जादुचाला ओर कलुकाल.यहतो.ईनबनीयोंने नांमरखदीयेहें असल मेतो यहसंसारके नांमका!पापकरातेहें!जबपाप जमीनको ओर;सुरजको,ओर:चं न्द्रमाको.ओर.महको लगजाताहे तोआदमीकीतो-कोनचलाइहे-ओर मैं वहोतसय झाताहूं कियह पापकरातेहें!परंन्तु!फीरभी कोईनहीसमझताहे सोतो!आयेवरस-काल!ओर!ग्रहनपडनेका ओर रोगचाला:ओर:मरीपडनेका;टीपनोंमेंलुनातेहें;जब रावण हरनाकुशके'वक्तमेतो:संसारके:लोगकहतेहें;कियापलगजाताथा ओर;मेहको ओर-मोतको-सहारेकीथी तोउसीतरहपर खयालकरो,किअबभी,पापलगजाताहे-ओर रावणवगेराका पापतो,ईसकदरनहीथा,किजेसाईन बनीयोंका;पापहे;जब'रा वणवगेराका!पापकरायाहुवा!लगजाताथा तोईसीतरहपर ईन'बनीयोंका'पापक्युं, नहीलगेगा ओर,मैं,ईसजालमेकेदहूं-जीससेईस-जालकाहाल मेरीआंखोंसे मुझको सब,नजरआताहे,कियह बनीये जीसकेनांमका;पापकरातेहें;उसीकोलगजाताहे,सो मैं-अपनेवीतीहुई बात सारीईसकीतावमे'लीखताहूं'ओर मैं सबसंसारकी ओलाद उभरनेकेवास्ते,हजारों,रुपीया खरचकरताहूं ओर-दुखपाके-संसारको,वाकीफकर ताहूं,जबभी,संसार नहीसमझताहे किजोऐकदीलहोकर'ईनहोंके'पापको छोडावें तो सबकेबचोंको आरांममीले परंन्तु-ईन!बनीयोंनेतो सबकीअकल खरायकरदीहे-किजबकोई,शखस,हमारेजालको जहांनकेलोगोंको समझावेगा;तोसंसारकेलोग,न हीसमझेंगे तोहमाराजाल बदस्तुर?चलतारहेगा!किजेसाअब चलरहाहे ईसीतरह से-चलतारहेगा-क्युंकिपापको समझानेवाला समझातेरहीं;मरजावेगा;तोफीर'हमा रापाप अच्छीतरहसेचलेगा परंन्तु,मुझकोऐसी,चाहनालगीहुइहे किजीसतरहसे;मैं नेईन.बनीयोंके.राक्षसीपापको पकडाहे उसीतरहसे-ईनकापापछुटजावे!तोसब!सं सारकी ओलादबचजावे ओर;यह;राक्षसीपाप बनीयोंका चलायाहुवाहे-सोमेरे. जीतेजी छुटगया जबतोछुटजावेगा:क्युंकिईन:बनीयोंका गीरोह बहोतहे:ओर;दी नरजीयादा:होताजाताहे:तोफीरवोह कीसीसे पकडेनहीजावेंगे-ओर-नाफीर.तुम को'ईनकी खबरलगेगी तोफीर;कीसतरहसे;ईनके पापको छोडाओगे;ईससेमेरे;जी खनेपर.सब.संसारकेलोग:भरोसाकरके ओर:अेतबारकरके:ईनबनीयोंके जालको छोडाओ तोअच्छाहे ओर;जोकिईनका;जालचलरहाहे उसकोदुरस्त ओर;सबजां नना-ओर-ईसकेछोडानेमे कोशीस कीसीराजा,बादशाह;ओर संसारकेलोगोंनेना

की!ओर भुलरक्खी तोफीरईनका'जाल'छुटनामुशकीलहे क्युंकिफीर तुमजोजा, लको-छोडानाचाहोगे-तोफीरतुमसे हरगीजनहीछुटेगा ईससेतुम.सब.संसारके-लोग ऐकदीलहोकर ईनबनीयोंके-जालको-मेरीजींन्दुगीही जींन्दगीमेछोडाओगे जबईनका;जालछुटेगा;ओर मुझको ईनकेजालकी'ईसतरहसेखबरपडीहे'किईनबनीयोंने मुझकोअपने राक्षसीपापसे!तकलीफदीहे?किजोमुझको ईनकेजालसे जींन्दा रहनेकीभी-उम्मेदनहीथी-परंन्तु मैंनेअपने उपरगीरतेही:जालके:ईनबनीयोंका.जाल-संसारमे-जाहीरकरना शरुकीया ओर,यहकहा,किईनबनीयोंने मुझको अपने; राक्षसीपापसे कलपायाहे ओर'कलपातेहें'जीससे साबीतहोताहे;कियहबनीये;मुझको-अपने-राक्षसीपापसे मारदेंगे परंन्तु,ईनबनीयोंने;अपने राक्षसीपापसे मुझको मारातो ईससेनहीहे किहमने:राक्षसीपापसे:मारदीया तोसंसार'यहजांनेगा'कियहबनीये,जादुकेजोरसे;हमकोभीमारदेंगे तोहमाराजाल मालुमहोजावेगा;ईससेमुझको नहीमारा परंन्तु ईनबनीयोंका;पाप;संसारके गारतकरनेकेलीये हदसेजीयादा:चलरहाहे!ईससेमैंने!संसारको बनीयोंकेजालसे वाकीफकरना.वाजीवसमझा,किजबमैं:संसारको वाकीफकरूंगा तोसंसारकेलोग-ईनबनीयोंके-जालसे वाकीफहोकर, जरुर;ईन,बनीयोंकेपापको अपनी ओलाद,सलांमतरहनेकी,खातीरछोडावेंगे'चुनाचे,वाकीफकरनेके सबबसे:ईनबनीयोंने मुझको!अपनेपापसे दुखीकरकेछोड्दीया ओर मारानही परंन्तु:यहबनीये,संसारकेनांससे कीसीटापुकेउपर मुपतीपापकरा रहेहें!सोईनबनीयोंने!ईस राक्षसबीद्याके पापसे;ऐसादुखदेरक्खाहे;किजबांनसेभी. अदानहीकीयाजाता बोहबनीयोंके घरकाचलायाहुवाहे किजीसतरहसे रावणने, राक्षसबीद्याका पापचलायाथा उसीतरहसे-बनीयोंनेभी;राक्षसबीद्याका पापचलायाहे-जीससेसबकी:अकल भ्रष्टहोरहीहे किसमझानेसेभी;नहीसमझतेहें;क्युंकिमाली कनेतो सबकोउमर पुरीदीहे,परंन्तु,यहलोकची उमरमेमरतेहें सोयह;मुपतीपापसे मरजातेहें सोईसकबी उमरकेमोतका:खयालकरके.संसारकेलोगोंको बनीयोंकेजालसे!वाकीफकरना!जरुरबातसमझा किजोमेरेजीतेजी ईनसोदागरांनका;जालछुट; गया जबतोछुटजावेगा जबसंसारकेबचे,बचजावेंगे,नहीतो बनीयोंकीचोरी;कीसी पर;जाहीरनहीहोगी;क्युंकियह सोदागरलोग सबसेमीलजातेहें'ओर'मीलकेसबकी अकलको भ्रष्टकरदेतेहें जीससेफीर-संसारकेलोगोंको-ऐसामुझताहे किजोबनीये: कहतेहें!वाह!सचसमझतेहें अबमेराजीखताहे किजीसतरहसे:सनीश्चने:रावणके;जा

लसे संसारको ओर:राजा:बादशाहको बाकीफकीया जब,राजा;बादशाहने'ऐक दीलहोकर,रावणके,राक्षसीपापको छोडाया उसीतरहसेअब,में,संसारके राजा;बा दशाह ओर रैयतको-बनीयोंकेजालसे?बाकीफकरताहूं ओर ईनबनीयोंका?जाल पकड्कर;सलाहबताताहूं,सोसब संसारके लोगमीलके.ईन.सोदागरोंनके-जालको छोडाओ ताकितुम्हारेबच्चे ईनबनीयोंके-राक्षसीपापसे-बचजावें ओर संसारमे'पी छा-सतजगहोजावे-ओर कुलचीजें संसारमे,सतजगकीतरहसे,होनेलगें किजेसे;प हलेजमानेमेहोतीथी उसीतरहसे अबभीहोनेलगे.सोजबकि?सतजगहोगा तोचांदी सोनेकीखांनेभी.प्रघटहोजावेंगी,ओर जबकिआदमी बीमारहोताहे-ओर-दुबलाहो जाताहे तोउसकासरीर कमजोरीकेसबबसे दुबलाहोजाताहे ओर चरबीनहीरह; तीहे,क्युंकि.दुखकीवजहसे गलजातीहे परंन्तु-जबबोह-बीमारआदमी अच्छाहोजा ताहे तोफीरबोह अच्छाहोनेकीवजहसे:दीन२ताजा;होताजाताहे ओर जीसतरहसे कि-उसकेसरीरमे-ताकतआजातीहे उसीतरहसे चरबीभी.बढतीजातीहे.ईससे-यह बात समझनेकेलायकहे क्युंकि,जीसतरहसे,अपनेसरीरमे कुलचीजेंहें ओर;बोह;व ढतीजातीहें-उसीतरहसे-जमीनमाताके सरीरमेभी गोस्त.खुन.हड्डी.ओर चरबीव गेराहें जीसकीपहचांन ईसतरहसेहे:किजोपहाड्हें:बोह जमीनमाताके सरीरके'हा ड्हें!ओर!जोकि मीट्टीहे बोह,जमीनमाताके,सरीरकागोस्तहे ओर जोकि-चांदी. सोनेकीखांनेहें-बोह-जमीनमाताके सरीरकीचरबीहे ओर'जोकि'हरा पत्ताहे बोह पहाड्ोंकारुपहे परंन्तु यह;बनीये;राक्षसीपापसे कालपड्ारहेहें जबसे'जमीनमाता दुखपारहीहे:जीससे:जमीनमाताके सरीरकी चरबीगलगइहे?ओर?ईसकेसरीरकी, रोशनीभी जातीरहीहे सोदेखोभाई-किजीसतरहसे-आदमीकासरीर बीमारीकेसब बसे,कमजोरहोजाताहे,ओर बदसुरत लगनेलगताहे:ईसीतरहसे:जमीनमाताकाभी रंगबदलगयाहे किजोकोईभी नहीपहचांनसक्ताहे ओर जमीनमाताका सरीरतो, मालीकने अपनीकुदरतसे ओर.हीकीसमका.ओर आदमी ओर!जीवाजुनका!स रुप'ओर'तरहकाही बनायाहे ओर:अलावा:ईसके झाड बनासपतीका;सरुप,ओर हीतरहका बनायाहे सोभाइमेरेहो!परमेश्वने?अपनीकुदरतसे सबके सरुप?न्यारे२ बनायेहें,किजो,जमीनकेउपर मोजुदहें सोतुम;तमांम-जहांनकेलोग ईसबातका-ख याल दीलसेरखना किजीसदीन.तुम.तमांम जहांनकेलोग ऐकदीलहोकर;ईन-व नीयोंके-जालको'छोडाओगे जब जमीनमाताका:सरीर:तेयारहोजावेगा;ओर;पहा

ङ्का जोसरुपहे वोहभी-हीरा-पन्नाकीतरहसे चमकनेलगेगा ओरःहीराःपन्ना'यह पहाङ्हें;परंन्तुःजब जमीनमाताकी बीमारीजातीरहेगी,जब,कुलचीजें मेवा'मीष्टांन वगेरा ओर चरवीवगेरा-सतजगकीतरहसे-होनेलगेगी जबयह जांनना,किवनी. योंने!राक्षसीपापछोडाहे नहीतोयह बनीये!अपने!राक्षसीपापसे कुछका कुछसुझा के-भुलादेंगे क्युंकियह,बनीये.कुलपापको नहीछोडेंगे ओरःतुमकोथोडाःराक्षसी पापछोडके,यहसुझादेंगे-किहमने राक्षसीपाप छोड्दीयाहे!सोयहबात!तुम'अच्छीत रहसे खयालकरना किजबयह!बनीये!पापकोछोड्देवेंगे जबतोकोईभी कचीउमर मे-नहीमरेगा-ओर तुम तमांम'दुनीयांकेलोगोंकी'ऐसी बुधीहोजावेगी किऐक२-कोःचाहनेलगेगाःओर शेर बकरी,शांमीलचरेगी,अंनबोलोंमेभी ऐसा!संमपहोगा ओर कुलचीजें सतजगकीतरहसे!पेदाहोंगी!जब यहजांनना किईन!बनीयोंने-दु नीयांकेनांमका-पापछोडाहे-ओर जोकियह पापकरातेहें.वोह!अलोपकरातेहें अग रचे.जाहीरदारीमेकरें जबतो हरकोई,ईनके,पापकोछोडादेवें परंन्तु गुपतीपापकी वजहसे कीसीपर ईनकापापःसाफ२जाहीरःनहीहोताहे किकीसकदर पापकरातेहें ओर,कहांपरकरातेहें.ईससेकीसीसेभी ईनकापापकराना नहीछोडायाजाता-परंन्तु ईनबनीयोंनेतो मुझको अपने.राक्षसीपापसेःरुबरुकलपायाहे ईससेईनकी चोरीमा लुमहुई'ओर'जीसकदरपापसे झुकसांनहोरहाहे वोहःमेंःअपनी नजरोंसेदेखरहाहूं, ईससे आपलोगोंको ईसलीयेहुयेपर-गोरफरमाना,मुनासीवहे किमालीककेघरसे तोसबकी-उमर-पुरीदीहुइहे ओर ईसजमांनेमेतो!आदमीकीउमरः[१२५]ःबरस. कीहे सोऐकसो पचीसबरसकी,उमर,मेरीभीहे ओर मेराजनम-चेतःसुदी [१४] संमतः[१९०५];काहे सोईसमीती ओर,संमतसे,लगाकर संमत-[२०३०]-तक मेरी उमरहोनीचाहीये क्युंकियह,कुछ,आदमीकी दीहुईथोडीहीहे यहतो-परमेश्वर की-दीहुइहे-ओर ईसीतरहसे कुल,जहांनकेलोगोंकी,उमर [१२५] बरसकीहे— परंन्तु यहकीलीकोभी पुरीउमर-नहीपानेदेतेहें,ओर कची उमरमेमारदेतेहें,सोईस पापकीवजहसे.लाखोंमे.ऐक दोकीही पुरीउमरहोतीहे!सोमुझकोतो-ईसबातका-ग मनहीहे परंन्तु यहबनीये,मुझकोअपने,राक्षसीपापसे कचीउमरमे-मारदेंगे-ईसबात पर,अलबत्तागमहे,किजब मुझकोमारदेंगे तोफीर-बनीयोंकी-चोरीको कोन,जाही रकरेगा क्युंकि बनीयोंकेतो,दीलमेयहहे,किईसने हमारा जालपकडाहेःसोईसको मारदेवेंगे-तोहमारे-वास्तेअच्छाहे,क्युंकि हमाराजाल!फीरअछीतरह!चलनीकलेगा

ईससेयह बनीये मुझको'अपने'राक्षसीपापसे मारनाचाहतेहें किहम,बनीयोंका;जी सकदर-जालहे-वोहसब सनीश्वकीतरहसे ईसकोमालुमहे:अगरये;ईसकोनहीमारेंगे तोहसाराजाल कीसतरहसेचलेगा क्युंकि;सनीश्वकीतरहसे यह तमांमजहांनको;ह मारेजालसे,बाकीफकरदेगा,जब संसारकेलोग फोरन-हमारेजालको-छोडादेंगे,तो फीरहम दुनीयांको कीसतरहसे,गारतकरेंगे,ओर क्युंकर उनकाधन:अपनेकाबुमे आवेगा.सोईन,बनीयोंके दीलमेतो राक्षसीपाप-करानेकीरहतीहे-ईससेऐसाही:मुझ ताहे ओर रावणके'वक्तमेतो'रावणने सनीश्वको कलपायाथा;जब;सनीश्वने:भवी क्षणसेकहा-किजोतु-मेरेजीतेजी पापकोछोडादेगा जबतो;तुभी:सलांमतरहजावेगा; ओर मुझकोजादुसे तुमनेमारदीया-तोसंसार-तुम्हारीजांनभी नीकालदेगा तो.रा वणके,साथ,तुषभीमारेजावोगे क्युंकि रावणने!सनीश्वको!कलपायाथा जब सनी श्वने भवीक्षणसेकहा किजोमेरे-जीतेजी-तुम ओर तुम्हारा,भाईराबज,पापकोछो- ड्देगा-जबतो-तुभीबचजावेगा ओर जोकिमुझको:जादुसेमारदीया:तोसंसार तेरी भी!रावणकेसाथ जांननीकालदेगा'क्युंकिसंसारको तुम्हारे.राक्षसीपापकी-खबर नहीहे,परंन्तु,मेंने तुम्हाराजाल पहचांनलीयाहे;ओर-पहचांनकरके तुम्हारेजालसे बाकीफकीया सोतुम मेरेसांमने,अपना,राक्षसीपापछोडदो किजीसकदर तुमने,च लायाहे:क्युंकितुमको:तुम्हारा कुल जालमालुमहे-अगरये-तुष मेरेसांमने;अपने:पा पको नहीछोडोगे तोदुनीयांको:तुम:आधापापछोडके बतादोगे ओर.बगेरछोड- यहबात,नबटकरदोगे.किहमनेछोडदीया सोतुम्हारेजालको संसारकेलोग-कीसतर हसेजानेंगे किपापकोछोडाहे किनहींछोडाहे,क्युंकिवोह.तुम्हारे राक्षसीपापको-प हचांनतेनहीं;सोतुम,ईसजालको मेरेसांमनेछोडदो सोसनीश्वके'कहनेको'समझकरके भवीक्षणनेकहा कियें तुम्हारीजबांनसे,तीरनाचाहताहूं,सोमें अपनेकुळमे राक्षसी: पाप!नहीचलनेदुंना!क्युंकि भवीक्षणकोतो पापकाछोडनाही मनजुरथा!ईससे-स नीश्वकेकहनेको मनजुरकरलीया ओर,छोडनेको;तयारहोगया परंन्तु जबकि;ईस जालको,भवीक्षणने.रावणसेकहा तोरावणने सनीश्वकेसांमने-राक्षसीयाके-छोडने मे:ईनकारकीया जब सनीश्वने!तंगकीया!जब रावणने अपने;राक्षसीपापको:बता दीया परंन्तु कुछबताया,ओर,कुछ नहीबताया जब-सनीश्वने-यहदेखा कियह:पु रापाप,नहीबतातेहे.किजीसकदर ईसकापापहे हालांकि'मुझको'रावणका राक्षसी पाप कुलमालुमहे किजीसकदर!बहकरताहे!परंन्तु रावण अपनेपापको,मेरेसे;म-

लोप रखताहे जीसकीवजहयहहे;किजोकीसीकदर;मेरापाप छांनेरहजावेगा तोंमें पीढी,दोपीढीकेबाद;फीरअपना राक्षसीपापचलादुंगा परंन्तु-सनीश्चर-बड़ा अकलमंन्द-ओर समझदारथा किजो,रावणकी,चोरीकोपकड्लीयाथा लेकीन रावण'तर ह२के;जालकरके;अपनेपापको छुपाताथा मगर-सनीश्चर;रावणकी फरेबी,बातोंको बीलकुल नहीमांनताथा ओर'रावणको'तंगकरताथा चुनाचे रावणने?अपना?रा क्षसीपाप,कुलनहीबताया.जब सनीश्चरने भवीक्षणसे-रावणके-पापको दरीयाफत. कीया तोभवीक्षणने रावणका:राक्षसीपाप:कुलबतादीया किजीसकदर रावण?गु पतीपाप:कराताथा:ईससे सनीश्चरकेदीलमे रावणकीतरफसे:शक;पड्गया:ईसवजह से-सनीश्चरने रावणके राक्षसीपापसे!तमांमजहांनको!बाकीफकरदीया किरावणका मुझको,भरोसानहीहे,क्युंकिईसने राक्षसीपाप बीलकुल;नहीबतायाहे;सोअचरज,न ही-किऐक दोपीढीकेबाद फीरअपना:राक्षसीपाप:चलादेवे क्युंकियह मेरेसांमने, भी!झुठबोलताहे!तोतुमलोगोंके सांमनेतो कीसतरहसे-सचबोलेगा-ईससे में तमांम जहांनके राजा बादशाह,ओर,रैयतको ईस रावणके;राक्षसीपापसे;बाकीफकरताहूं किजोतुम्हारेःमरजीमेआवेःवोह रावणके जालका-बंन्दोबस्तकरना-ईसबातसे सब जहांनने यह बीचारकीया,किरावणका,राक्षसीपाप सनीश्चरको मालुमहे;सोरावण ने-अपना-राक्षसीपाप सनीश्चरकोही नहीबताया!तोहमकोतो?क्युंकर सच२अपना जालबतावेगा ऐसा खयालकरके:तमांमजहांनने:सनीश्चके कहनेपर यकीनलाकर दीलमेःखयालकीयाःकिजोअवहम रावणको मअे;ओलादके:नहीमारेंगे जबतक?इ सका राक्षसीपाप दफेनहीहोगा,बलके,रावण अपने राक्षसीपापसे'हमारीओलाद कोभी-गायबकरदेगा-ईसवजहसे तमांमजहांनने ऐकदीलहोकर!रावणको!मअे-ओ लादके जांनसे मारदीया,किरावणके,घरमे चीरागकरनेवालाभी;नहीरहा;यहबात दुनीयांमेःअच्छीतरहसेःमशहुरहे परंन्तु अब!सनीश्चरकीतरहसे!ईनबनीयोंने अपने; राक्षसीपापसे कलपायाहे परंन्तु,पापतो,वोहकायहीहे किजेसा रावणकराताथा;उ सीतरहसे-ईनबनीयोंकाभी-राक्षसीपाप चलरहाहे किजो:दुनीयांकेनांमसे.ओर?ज मीनमाताके नांमसेकरारहेहें सोयह;बनीयेअपने;राक्षसीपापसे मुझको ईसतरहसे; मुझातेहें,किहम,तुमको अपने राक्षसीपापसे'मारदेंगे'ईससे मेंभी सनीश्चरकीतरहसे बनीयोंको समझाताहूं किजहांपर-बनीयोंका-मेळाहाताहे ओर सब,पंच,सोदागर लोग:जमेहोतेहें:वहांपर-जा२के समझाताहूं कितुम अपने!राक्षसीपापको!छोडदो;

सोकोईतो सोदागर लोगोंमेसे!यहकहताहे!किजीसनेचलायाहे उसकोमारो ओर कोई.यहकहताहे.किहमकोखबरनही ओर कोई'यहकहताहे'किअभीतो हमारा!रा क्षसीपाप रावणकीतरहसे खुवचलेगा:ओर:बन्दनहीहोगा जीसपर मेंने:बनीयोंसे यहकहा,कितुमलोग:ऐकाकरके रावणकीतरह करतेहो-सो छोडदो-तोभवीक्षणकी-तरहसे तुम महाजनलोगभी:तीरजाओ:क्युंकिजाल तुम्हाराहे ऐकशखसे-नहीच लसक्ताहे!यहतो!सब मीलकरचलातेहें जबही.चलताहे.सोतुम छोडदो क्युंकिजी-सकदर तुम्हाराजाल चलरहाहे-वोह-मेंने पकडलीयाहे सोतुमहारे:छुपानेसे:नही छुपताहे:ओर:नोकिअब मेरेसांमनेही ईनकारकरतेहो!तोसंसारके!लोगोंको कीस, वास्ते,अपने पापकोबताओगे,क्युंकिजो,मेरेसांमनेही ईनकारकरतेहो किजोमुझको तुमहारा-राक्षसीपाप-कुलमालुमहे परंन्तु ईनहोंकोतो:मालुमनहीहे:सोफीर ईनहों-को?कीसवास्ते बताओगे ओर:तमांमजहांनको:गारतकरदोगे ओर सबसंसारका धनअपने:कबजेमेकरलोगे;जबमेंने ईनहोंसेकहा किरावणकीभी'नहीचलीथी'तोतुम सोदागरांनकी कबचलेगी ईसवास्ते-तुमअपनी-ओलाद बचनेकेवास्ते राक्षसकी; बाका.पापछोडदो-क्युंकिजीसतरहसे रावणका जाल!सनीस्वनेदेखाथा!ओर-रा वणस राक्षसीपाप सनीस्वने.अपनी.जीन्दगीमेही छोडायाथा उसीतरहसे;अबतु म-सोदागरलोग?मेरेजीतेजी छोडदो नहीतो रावणकीतरहसे?तुमहारीजांनभी?कुल नहांनकेलोग ऐकदीलहोकर नीकालदेंगे,किजोमेरे,सांमने नहीछोडोगे क्युंकि;रा वणने.सनीस्वसे.अपनेपापको छुपायाथा ओर:कुछबतायाथा:ओर कुछनहीबता: याथा ईससे सनीस्वने,रावणक,पापको,तमांमजहांनमे जाहीरकरदीया किरावण नेःकुलपाप!नहीबतायाहे सोजीसतरहसे तुम्हारे.दीलमेआवे.उसीतरहसे रावणके राक्षसीपापको छोडाना चुनाचे-तमांमजहांनने-सनीस्वके कहनेपर यकीनकरके, रावणकी!जांनहीनीकालदी!उसीतरहसे अब मेंभी तुम?सोदागरांनके?पापको छोडा ना,चाहताहूं क्युंकितुम सोदागरलोग-बडे-बेईमांनहो कितुम:राजा:बादशाहकेसां मने-कसमखा२के-बचजातेहो ओर उनसे,यहकहदेतेहो,किहमने पापकाकरना;छो डदीया ईससेकुछ सखत,सजावगेरा,नहीदेतेहें परंन्तु जहांपीढी;दोपीढीगुजरीं;ओर अपना!पापकरना!शुरुकरदीया गर्जकि ईसीतरहसे,चलातेरहतेहो,परंन्तु अब जब तककि कुलपापको नहीछोडोगे-हरगीज२जीता-नहीछोडनेदुंगा ओर संसारके-हाथोंसे,तुम,सोदागरांनको मरवादुंगा क्युंकितुम;ऐसेबदमाशहो;किअपने'पापसे'त

सांमजहांनको गारतकरदेतेहो,ओर,दयानहीकरतेहो,बलकि तुमनेअपने राक्षसीपा पसे.सबकी.बुधी भ्रष्टकरदीहे किजोमें-राजा-बादशाहोंकेपास मीलनेकोजाताहूं-ओर पापसे वाकीफकरताहूं:तोतुमःसोदागरलोग अपने राक्षसीपापसे.राजा.बा दशाहोंके,दीलपे,मुझगरीबको अहमक,सुझातेहो ओर!राजा!बादशाहोंको;समझाने नहीदेतेहो बलके तमांमजहांनकेलोगोंसे-मुझको-गालीयांदीलातेहो ओर रात,दी न-पाप-करातेरहतेहो ओर छोडना;नहीचाहतेहो;ओर जोमें उनसे'नसमझनेकेसब वसे'लडनेको'लगजाऊं ओर नाराजहोकर;समझाऊं;जबवोह समझनेवाले,मुझको मारनेलगजावें सोयह-फीतुर-तुम सोदागरांनके राक्षसीपापकाहीहे;क्युंकितुम-सं सारको,समझनेनहीदेतेहो,ओर सबकीअकल खराबकररहेहो-किजोतुम-सोदागर-लोग हमको अपनेपापसे.बुधीफेरके.लोगोंकेहाथोंसे धकेदीलवातेहो सोयह-तुम सोदागरांनकी,जालसाजीहे,किसभोंकी अकलको;अपने:राक्षसीपापसे;भ्रष्टकरदीहे ईससे संसारकेलोगोंको ऐसाहीसुझताहे?सोऐ!संसारकेलोगो तुमअपने दीलसेःइ नके-राक्षसीपापको-समझो किकीसकदर जाल,ईनःबनीयोंका चलरहाहे'किजोस जालसे तुमकोअच्छे बुरेहालकीःखबरनहीपडतीहेःकिजोबुरा कांमकरतेहो उसको ही-अच्छासमझतेहो-ओर अच्छेकांमको बुरासमझतेहो,सोयह,राक्षसीपाप बनीयों; का,चलाहुवाहे'सोजबतककि तुमःईनःबनीयोंके-जालको नहीसमझोगे;ओरःनही छोडाओगे-जबतक-यहबनीये ईसीतरहसे चलायेजावेंगे.किजीसजगह,मेंने लोगों को.समझाया तोवहींपर ईनबनीयोंने,उनकी,बुधीफेरके मेरेको धक्केलगवाये-ले कीन-जबतककि-वोहलोग पापकीवजहसे भुलेहुयेथे.ओर.समझतेनहीथे बलकेःउ नहोंको धक्केदेनेकाही सुझातेथे,ईससेमुझको,धकेदीये परंन्तु जबवोहलोग;ईनबनी योंके'पापकोसमझे'तोवोहलोगही मुझको अपनागरु-समझनेलगे-सोऐ संसारकेलो गो-मेंतो कीसीकागरुहूं नाचेलाहे,ओर.नाकीसीको अपना चेलाकरताहूं-किजो ईन-बनीयोंने-रावणकीतरहसे सबकीअकल खराबकरदीहे,किजोअपनी,चोरीको; संसारपर जाहीर नहीहोनेदेतेहैं?सोसंसारमे'ईनकीचोरी बगेरबतायेके कीसतरह मालुमहोसक्तीहे-क्युंकियह-बनीये गुप्तीपापकरारहेहैं कुछजाहीर,थोडाहीकरातेहैं किजोदुनीयांको मालुमहोजावेगा-क्युंकिजीसने-राक्षसनीयाकी चोरीपकडीहे?ओर संसारमे,जाहीरकीहे;वोह जीवदांन देनेवालेकेबराबरहे-सोईसबको-वेद शास्त्रभी करतेहैं ओर लीखतेभीहैं-परंन्तु-मेंतो दुनीयांकेसबे मरतेहुयेदेखताहूं-ईससेउनके

जींन्दारहनेकेवास्ते बनीयोंकेपापको?परमेश्वकेलेखे?जाहीरकरताहूं किदुनीयां-इस जालसे-बाकीफहोकर-ईनबनीयोंके पापको अपनेबचे:जींन्दा.रहनेकीगर्जसे ओर कमउमरमे नामरनेकीवजहसे तमांम,जहांनकेलोगोंको,वाकीफकरताहूं परंन्तु.नही समझतेहें'सोयहबात'खयालकरनेके कावीलहे कितमांमजहांनके.बचेबचनेकेसबबसे ईनबनीयोंके जालसे बाकीफकरताहूं;हालांकि;मेरेबदनमे ईसकदरताकतनहीहे;कि समझाऊं;ओर;धकेखाऊं'परंन्तु तमांमजहांनके बचेबचनेकेगर्जसे;धकेखाताहूं-ओर समझाताफीरताहूं मगर बाजेशखस,ऐसेमीलजातेहें,किधकेदेतेहें ओर,समझतेनही हें-सोयह-बुधीभ्रष्ट होनेकासबबहे लेकीन,जीसवक्तमेरेपर,ऐसानाजुक वक्त गुजर ताहे उसवक्त गमखाजाताहूं!हालांकि!बनीयोंकेजालको लीखानेमें बदनकेअंन्दर कांपनीछुटजातीहे-किजोमारे कमजोरीके बदनसे;पसीनानीकलताहे;परंन्तु संसार के.बचे;तीरनेकेवास्ते अपनेउपर ऐसीतकलीफ:बाजबीजांनकर:ईनबनीयोंके पाप को-तयांमखलकतमे-समझाताफीरताहूं किसव संसारमीलके!ओर!ऐकदीलहोकर: बनीयोंके जालकोछोडाओ जबईनका?जालदफेहोगा?ओर जीसकदर किईन-ब नीयोंने,मुझको,अपने राक्षसीपापसे दुखीकीयाहे:सोईतनाता:सनीश्वकोभी,रावग ने-दुखीनहीकीयाथा क्युंकि सनीश्वने,रावगके,राक्षसीपापको पकडाथा ओर.प कडकर;सनीश्वने;रावणके राक्षसीपापसे तमांमजहांनको:वाकीफकीया:ओर सनी श्वने रावणके भाई,भवीक्षणको,राक्षसीपापके बारेमेकहा कितेरेभाई!रावगने!दुनी यांकेनांमसे-ओर-जमीनकेनांमसे राक्षसीपापकरायाहे जीसकीमुझको:अच्छीतरहसे खबरहे ओर मेंने-रावणकी-चोरीपकडीहे सोसंसारकेबचे बचनेकेलीये?संसारके हाथोंसेही!रावगके!राक्षसीपापको छोडाऊंगा चुनाचे-ईसबातकेसुननेसे-भवीक्षण अपनेदीलमे नीहायत दरजेडरा:ओर;अपना:कुळ बचनेकेवास्ते अपनेभाई'रावग का.राक्षसीपापकोबताया.किरावणने जीसकदर पाप?दुनीयांकेनांमसे?चलायाथा क्युंकि सनीश्वको भगतीकेसबबसे-रावगका-कुल जालमालुमहोगया ईससे,सनी श्वने-ईसके-बचानेकेवारेमे नीहायतकोशीसकी ओर,कोशीसकरके,छोडादीया:भग र!ईनबनीयोंने अबफीर राक्षसीपाप,चलादीया,सोईनका पापचलरहाहे जीसकी खबरअबतक:संसारको:बीलकुलनहीहे परंन्तु बनीयोंने!अबमुझको!अपने राक्षसी पापसे दुखीकीयाहे किजीसतरहसे:रावणने:अपने राक्षसीपापसे सनीश्वको;कल पायाथा-उसीतरहसेईन,बनीयोंने मुझकोदुखीकीयाहे परंन्तु!जीसतरहसे!सनीश्वने

भवीक्षणसे रावणका राक्षसीपाप-दरीयाफतकीयाथा-ओर भवीक्षणसे;यहकहाथा किजो,रावणका.राक्षसीपाप तु मुझकोबतादेगा:तोतेरी:ओलादभी सलांमतरहजा वेगी चुनाचे भवीक्षणने!अपनीओलाद!सलांमतरहनेकेसवबसे रावणका राक्षसी पाप-बतादीया-गर्जकि ईसीतरहसे मेंभी,ईनबनीयोंसे दरीयाफतकरताहूं:ओर;यह कहरहाहूं किसनीश्वकीतरहसे मुझको-तुमबनीयोंका-राक्षसीपाप मालुमहे सोतुम, सोदागरलोग!मुझको!अपना राक्षसीपापबतादो तोतुमभी-भवीक्षणकीतरहसे!तीर जाओगे ओर अपनीओलादको:सलांमतरक्खोगे:परंन्तु यहबनीये बडेजालसाज ओर,बदमाशहें,ईससेअपनी चोरीको जाहीरनहीहोनेदेतेहें:ओर:रात दीन पापक रारहेहें जीसकाहाल चन्दजगह!कीतावोंमे!लीखाहुवाहे ओर मेंभी,ईनबनीयोंके, जालको-ईस-कीतावसे जगह२वास्ते वकफीयत!आंम!लोगोंकेलीखचुकाहूं किज: हांपर गुपतीपाप दुनीयांकेनांमका!फरारहेहें-ईससेअब मेरीअर्ज यहहे!कि अबतुम संसारकेलोग,ऐकदीलहोकर,ईनबनीयोंके राक्षसीपापको छोडाओ-जीससे-संसर की ओलादबचे सोईनकाजाल:मेरे:जीतेजीछोडाओगे जबतो छुटजावेगा-वरना फीर-नहीछुटेगा-क्युंकियह रावणकीतरहसे राक्षसीपाप,अलोपकरारहेहें,ओर:दरी याफतकरतेहें तोनहीवतातेहें परंन्तु,ईनबनीयोंकाजाल,जबहीदफेहोगा किजीसत; रहसे-तमांमजहांनने-ऐकदीलहोकर रावणका राक्षसीपाप!छोडायाथा!उसीतरहसे बनीयोंकापापभी सब जहांनकेलोग'ऐकदीलहोके'छोडावेंगे तोछुटजावेगा-क्युंकि ईनबनीयोंने:सबकीबुधी;ऐसीखराबकरदीहे किजोमें समझाताहूं'तोनहीसमझतेहें- ओर हंसनेलगतेहें सोयह-नासमझनेकासबबहे-ओर जबसमझेंगे फीरकभी;नहीहं सेंगे!ओर!नामेरी कहीहुईबातको मजखरी:मनाखसमझेंगे:सोयहबात काबील-ख याल करनेकेहे.किजोमें.समझाताहूं लेकीन तमांमजहांनकेलोग.अकल,फीरनेकेसब वसे ऐसाकहनेलगतेहें कि:बाबा:गेलाहोगयाहे ओर कोईयह;कहताहे;किवहम;हो गयाहे ईससेईधर उधर.बकताफीरताहे,ओर कोईयह कहताहे'किबाबाका'माल. असबाब:ओर.जयीन जायदादको कीसी-बनीयेनेलेलीहे,जीससेईनहोंको बदनाम करताहे सोभाईमेरे मेरातो:कीसीबनीयेने:माल असबाबवगेरा नहीलीयाहे;परंन्तु तुम्हारीअकल,ईनबनीयोंने,अपने राक्षसीपापसे नासमझनेकेलीये-फेरदीहे,जीससे तुमलोग अपनेमुहसे मुझगरीबको:ऐसी२सखत:बातेंकहतेहो लेकीन जोकि'राक्ष, सीपापको,जहांनमे,प्रगटकरताहे वोह अच्छासमझाजाताहे-ओर-पहले जीन सब

सोंने राक्षसीपापको संसारमे.जाहीरकीयाहे.ओर.दफेकरायाहे वोहभी अच्छेसम झेगयेहें,सोभाईमेरेहो;परमेश्वकी जोरचनाहे सोसब;संसारकेलोग;ओतारहीहें'मगर अपनी२भगतीकाफल अलाहदा२हे क्युंकिजो भगतीकरताहे उसकीभलाई दुनी यांमेरहतीहे'ओर'जोबुराईकरताहे उसकीबुराईरहतीहे सोमेंतो;संसारमे;कोईबुराकाम-नहीकरताहूं बलके तमांमजहांनके,बच्चेवचनेकेलीये.अपनेसरपे बोझउठाकर-भलाईकरताहूं-ताकेसब-संसारको सुखप्राप्तहोवे तोउसदाहे.ईससे.में बनीयोंकी चोरीको जोगुपतीपाप दुनीयांके.नांमकाकरारहेहें.उसको आपलोगोंकेदीलमे प्रगटकररहाहूं,किईन,बनीयोंकाजाल दफेहोजावे तोकेसीउमदावातहे;परंन्तु;जेसी२बात तमांमजहांनकेलोग मुझसेकहतेहें वोह,मेंहीजांनताहूं,बलके;ईसही वरककेउपर'लीख चुकाहूं'सोबनीये'राक्षसीपापसे ऐसी२बातें सख्तकहलातेहें;तोउसकेसुननेसे;मेरेदीलमे केसीबुरीआतीहे परंन्तु,कुछभीकीसीसे,नहीकहताहूं बलके खुशआंमदकरके; ओर-बनीयोंकेजालको-देख२के समझाताहूं तोभीतमांम'दुनीयां'खयालनहीकरती हे!सोऐभाईयो यह खयालकरनेकी-बातहे-ईससेतुमको बार२समझाके हीदायत. करताहूं,किमहरबांनीकरके,ओर मेरीआजजीपर खयालफरमाके'ईसकांमकोभीसमझो-ओर-खयालकरो क्युंकि में,सर्फ;तुम्हारेबच्चे बचनेकेवास्ते ईनबनीयोंके;जाल को;समझाताहूं ओर,तुमलोग,पागल ओर सीरडीकहतेहो!सोमेरेदीलमे!केसीबुरी आतीहे किसरफोड्के मरजाऊं,परंन्तु,ईसखयालसे ऐसानहीकीयाजाता किजो, मेंही-ईनबनीयोंके-जालसे वाकीफनहीकरूंगा तोफीर.कोनकरेगा.क्युंकिईन बनीयोंने मुझको अपनेजालसे;कलपायाहे;ईससे में बनीयोंकी चोरी जाहीरकरताहूं, ओर!ईसीवजहसे,में अपनेउपर यहकांमउठाके;ईनबनीयोंके;जालसे वाकीफकरताहूं'ओर कीसीकेबुरे भलेकहनेको!खयालमे!नहीलाताहुं ओर जगह२जाके;समझाता-फीरताहुं-सोसच२जांनना ओर सब.संसारकेलोग.ईनसोदागरांनके पाप्को. छोडानेकी कोशीसकरो क्युंकि;रावण,ओर हरनकुश ओर;कंस;कारूंनवगेरानेपहलेभी;राक्षसवीद्याका;पापचलायाथा ओर अपनेदीलमे!यहवीचारकीयाथा!कि चारोंकूंटमे अपना राजकरूं,जयभेरी,मरदांनगीहे परंन्तु उनके,राक्षसीपापकी;चोरी-सब;संसारमे-प्रगटहोगई ईससेकुल संसारने!उनकेपापका!बंन्दोबस्तकरके छोडादीयाथा परंन्तु रावणकीतरहसे-ईन-बनीयोंनेभी राक्षसवीद्याका पापचलायाहे सोचारकूंटमे;राजकरनेकेवास्ते;ओर दीलमे यहभी,वीचाराहे,किहमबनीये तमांम;

जहांनमेंःअपनाःराजकरें ईससे में आपकोबार२ईन बनीयोंकेजालसे वाकीफकर ताहुं कियहबनीये लोभही-लोभमे-तमांमजहांनको गारतकरदेंगे परन्तु,यह,महा, जनलोग.अलाहदाके.अलाहदा रहजावेंगे सोसबःसंसारकोःआपुसमेलडाके मार देवेंगे ईससेतमांम जहांनकेलोग!जलदी!ऐकदीलहोजाओ जीसमे तमांमजहांनके, लीये'बहतरहे'नहीतो तमांमजहांनकी ओलाद;रहनेकीनहीहेःओर अपने;हिंन्दुस्तां नमेतो सरपंच तुमअंग्रेजहीहो-ईससे-में साथ [अनोपदास] हाथजोडके-अर्जकर, ताहुंःकिईनःसोदागर महाजनांनकेजालकी पहचांनकरो;ओरःईनकेजालको छोडा नेका बंन्दोबस्त जलदकरो-ओर-यहभी समझनेकीबातहे किईनःबनीयोंकेजालकी कीसीजातमेःखबरनहीहे;कियह बनीये हमकोजालसे-मारतेहें-तोभीहिंन्दु मुसलमां नःईनबनीयोंका कीसकदर दीलरखतेहें:किजेसेबच्चेःअपने मा बापका;दीलरखतेहें ओर मा बाप,बच्चोंका,दीलरखतेहें उसीतरहसे हिंन्दु-मुसलमांन-ईनबनीयोंका.दी लरखतेहें सोदुनीयांमे सबहीजांनतेहें'ओर'कहतेहें'किबनीये माई बापहें-क्युंकि. बादशाहोंने-ईन-सोदागरांनको ऐसीपदवींदीहे किपहले?साह?ओर पीछेबादशाह सोयहबात काबील खयालकरनेकेहे,कियह;सोदागर महाजनांन कीरोज्हातरहके जाल जाहीरकरतेहें तोभीराजा,बादशाह,ओर रैयत ईन.सोदागरांनकोही.सच्चा जांनतेहें'किजीससे'साहकी पदवीं ईन-सोदागरांनको-बक्षरक्खीहे किजोआगे,बा पका नांमआताहे;ओर;बादमे;बेटेका परंन्तु ईसकी'असलीवजह'यहहे किबादशा-होंको-ईसबातकी-बीलकुल खबरनहीहे कियह,महाजनलोग,मीलकेदगाकरतेहें-ब लके वोहतो ऐसाजांनतेहें-कियह-बनीये-बडेसतीहें ओर नेकहें,जीससेईन,महाज नांनको;साहकी,पदवींदेरक्खीहे किजोपहलेईन सोदागरांनका-नांमआताहे-ओर-उसकेबाद बादशाहका नांमआताहे,सोयहबात.काबीलगोरकरनेकेहे किराजा?बा दशाह'ईन'सोदागरांनका ईसतरहसेतो लाडरखतेहें ओर कहतेहें;किजहां;सोदागर महाजनांननही वहांराजनही सोऐ,तमांमजहांनके;राजा बादशाह ओर;रैयत;अप नेर२दीलमे,साथगोरके,खयालकरकेदेखो किईन महाजनांनके,ऐसे२तोभरोसे,ओर ऐतबारकरतेहें तोभीसोदागर महाजनांन-अपनेफरेब?ओर बदमाशीसे बाजनही आतेहें.ओर,रावणकीतरहसे दरीयावोंकेपार कीसीटापुकेउपर,यह,सोदागरमहाज नांन गुप्तीपापकररहेहें जीससे-संसारमे,बीमारीयां;साल बसालहोनी,शरुहोजा तीहें.ओर ईन.नाकीस बीमारीयोंसे कीरोज्हा-आदमीयोंको-मारडेतेहें जीसही

तारीफ तमांमजहांनकेलोग अपनी२जबांनसे अदाकरतेहें कियह,परमेश्वकी,कुदर तहे-ओर-सीवायेपरमात्माके कोनऐसा करसक्ताहे.सोभाइमेरे.हिंन्दु मुसलमांन-अंग्रेजवगेरा यहबात कावीलसोचने.ओर.खयालकरनेकेहे किजीसतरहसे राजा रावणने,ओर,हरनाकुश राजाने ओर-कंस-राजावगेराने मेहको ओर;मोतको;अ पने बसमेकररक्खाथा उसीतरह,ईनसोदागर,महाजनांननेभी मेहको;ओर;मोतको अपने-बसमेकररक्खाहे-जीससेकाल वगेरापडजातेहें ओर,हजारोंतरहकी,बीमारी यांहोजातीहें यहसब सोदागरमहाजनांनके.घरका.राक्षसीपापहे क्युंकि परमेश्वने सबजीवाजुनको,तरह२के,आरांमदीयेहें ओर कोईबात-दुनीयांके?अरांमदेनेकेलीये बाकीनहीरक्खी सोभाइमेरेहो किजोशखसःजोचीजःअपनीकुदरतसे बनाताहे वोह हरगीज२अपनेहाथसे-नहीबीगाडताहे-ओर वोहचीज उसीहालतमेःखराब,होतीहे किजबउसकी उमर पुरीहोजातीहे,परंन्तु,अबकोई ईसबातको गोरकरो-किजबदी न-बहारकेआतेहें-तोझाड बनासपतीवगेरा उसजंगल'बयाबांनमे'जहांवनासपतीके सीवाये दुसरीचीजोंका नांमनहीहोता;तोवोहकेसे;सुहावने ओर अच्छेदीखलाईदे तेहें'ओर'जबदीन पतझडकेआतेहें तोदरखतवगेरा;उस;बयाबांनमे किजहांसीवाये दरखतोंके दुसरीचीजोंका नांमनहीहोता-केसेपुरे?मालुमहोतेहें ओर पतझडहोकर सुखेदरखतोंके;मांनींन्दहोजातेहें;परंन्तु पत्ते पीलेजरदहोकर'ओर'उमरपाकेगीरतेहें ओर वगेरउमर पुरीहोनेके-ऐकपत्ताभी?दरखतकीडालीयोंमेसे हरगीज२नहीगीर सक्ताहे;हांऐसा;अलबत्ताहोसक्ताहे किअगर कोईआदमी;हाथसेपत्तोंको;याडालीयों कोतोडे तोबेशक कच्चीउमरमे.तोडसक्ताहे.यारक्षसीपापसे तोडसक्ताहे किजब-दरखतोंवगेराके-नांमका-राक्षसीपापकरतेहें तोजीयादाहवा ओर;आंधीवगेराचल करके कीरोडहा दरखतजडसमेत:उखडकरके:गीरजातेहें तोपत्तोंकागीरना:क्याचु शकीलहे,परंन्तु,यह राक्षसीपापसे होसक्ताहे;ओर;राक्षसीपापके चलायेबगेर'ओर कोईभीऐसा नहीकरसक्ताहे फीर,आदमीकीभीउमर.ईसीतरहसेहे क्युंकिवगेरपुरी उमरके:हरगीज२नहीमरसक्ताहे:ओर नादरम्यांनमे वगेरपुरीउमरके;ईश्वमारताहे-ओर अबजोसाल बसाल,कीरोडोंआदमी,कच्चीउमरनेही मरजातेहें ओर:यहखया लकरनेकी-बातहे-किपहलेसतजगमे क्याकोई ओर!दुसरामालीकथा!किजोपुरीउ: मर पाकेमरतेथे ओर;ईसजमांनेमे;क्यामालीकदुसराहे जोपहलेकेसी उमरेंनहीहोतीं सोखुब,सोचलो,किईस बनीयोंका यहमतलबहे:किपापकरा२के-संसारकोभारदेवें:

ओर.जबसंसार.थोडारहजावे जब सब वलायतोंमे-हमअपना-राजकरलेवें?ईसवा तकीतलाश अंग्रेजवगेराभी नहीकरतेहें;लेकीन;उनकोभी असलीभेदनहीमीला—य गर;कचीउमरमेमरनेका:असलीभेदयहहे किआदमी वगेरजादुके:कचीउमरमे:नहीम रताहे ओर नायह,ईश्वकाहुकमहे,हांजादुकेजुलमसे कचीउमरमेमरसक्ताहे जीसकी खासवजह-यहहे-किजीसकेनांमकां जादु यहसोदागर'महाजनांनकरातेहें'तोवोही-मरजातेहें ओर जीसकेनांमसे!जादु-नहीकरातेहें!वोह नहीमरतेहें सोयह.जादुका कांम दरीयावोंके कीसीटापुके,उपरकरारहेहें,किजहांसीवाये सोदागरमहाजनांनके ओर-कोईनहीजासक्ताहे-परंन्तु यहसोदागरमहाजनांन ऐसेवदमाश,आर,वेईमांनहें किजाहीरदारीमेतो बहुतही गरीवहोकेरहतेहें;ओर;लोगोंको दीखानेकेलीये ईसक दर:भगतीमेचलतेहें:किवनीयोंके वरावर कोईभगतनहीहे,सोयह;वनीयेवेईमांन;लो गोंकोदीखानेकेवास्ते भगतीकरतेहे किहमाराजाल!कीसीपर!जाहीरनहीहोगा—अ; गर कीसीको मालुमभीहुवा:तोहमारे:पुन्यकोदेखके लोगहमारेजालपर यकीननही लावेंगे,ईससेतमांम,जहांनके वनीयोंकोदेखलो किवनीयेलोग!जाहीरदारीमे!कीस; कदर पुन्यवगेराकरतेहें ओर:छांनेमेकपटहीकपट:ओर दगाहीदगाकररहेहें किजेसे रावणकरताथा उसीतरहसेयह वनीयेभीकररहेहें,ओर,जीसतरहसे रावण संसार केहाथोंसे'देवतोंकेउपर'हाड मांसडलवाताथा उसीतरहयह?वनीयेभी!अवदेवतोंपर हाड मांसको संसारकेहाथोंसे:डलवारहेहें:सोसंसारकोतो कुछदोशनहीहे क्युंकिड लको-जादुसे-वीमारकरके देवतोंकासुझादेतेहें किदेवतोंने,वीमारडालाहे,जब?हाड. मांसवगेरा देवतोंकेउपरडालतेहें ओर!जादुसे!कालवगेराभी पडादेतेहें ओर;दुनी यांको,जादुसे-यहसुझातेहें किअवकेदेवतोंकी पुजानहीकी'जीससे'कालपडाहे;फीर दुनीयां देवतोंकेउपर जीवडोंको:मारनेलगतीहे.तोफीर सोदागरमहाजनांन पाप को-कमकरदेतेहें-तोकुछ मेहवरसजाताहे ओर!अगर'यहमहाजन जादुकापापनही छोडें:तोहरगीज:नहीवरसे चाहेसारी दुनीयांकेजीव.देवतोंकेउपरमारदेवें.तोफीर. दुनीयां यहकहतीहे किअवके?मालीककीहीमरजी?मेहवरसानेकीनहीहे सोयहबातें ऊन.मुलकोंमेहोतीहें.किजीव जीन२मुलकोंमे देवतोंके'उपरमारतेहें'सोतलाशकरके देखलो परंन्तु राजा;वादशाह,ईनमहाजनांनके;जाहीरकोदेखके भरोसाकरतेहें अग रचे-अंन्दरुनीहाल'मालुमहोवे तोहरगीज२ईन वनीयेवेईमांनोंका?भरोसानहीकरें— परंन्तु तमांमजहांनके लोगोंकीबुधी:अपने:राक्षसीपापसे ऐसीखराबकरदीहे किजो

समझतेहीनहींहें किजेसे तमांमजहांनके-राजा-बादशाहोंकी अकलको रावणने;ख राबकरदीथी,उसीतरहपर,ईन बनीयोंनेभीकीहे किजोसमझायेसेभी!नहीसमझतेहें. ओर यहबनीये राजा:बादशाहोंको:आपुसमे:लडाकेमारदेतेहें परंन्तु अपने'राक्ष; सीपापको;ऐसेकरतेहें;किबीलकुल जाहीरनहीहोनेदेतेहें ईससेराजा-बादशाह-हिंन्दु मुसलमांनवगेरा यह नहीजांनतेहें;किराक्षसवीद्याका;जाल ईनबनीयोंनेभी बल;रा जाकेबदसे'रावणके'मुवाफीकचलयाहे जीसकीखबर कीसीराजा:बादशाहको:अब तकनहीहें अगरचे खबरहोतीतो,जरुरईन,बनीयोंकाजाल दफेकरनेकेलीये बंन्दोब स्तकरते:ओर:ईनहोंफा अेतबारनहीकरते परंन्तु'बडीभारीअकल'ईनबनीयोंने,यह की:किपहले तमांमजहांनके राजा'बादशाहोंकी'अकल ओर रैयतकी;ऐसीफेरदीहे किजोजाल,ईनबनीयोंका,जाहीरदारीमे चलरहाहे बोह-मेरेनजदीक-बहुतहीबदहे-जीसको तमांमजहांनकेलोग खासजाल,खयालकरतेहें,बलके बनीयोंकी बडाईक रके:ओर:बनीयोंकाजाल खयालकरके अपनी२जबांनसे!यहकहतेहें!कियह'कोई-जाल बनीयोंकानहीहे यहतो,परमेश्वकी.कुदरतहे जीससेतमांमखलकत ईनबनीयों का!भरोसा!दीलसेकररहीहे ओर यकीनसे'ईन'बनीयोंकेजालको कुलसंसारकेलो ग!ईश्वकी कुदरतजानतेहें ओर,यहनहीसमझतेहें,कियह परमेश्वकी कुदरतनहीहे.ले कीन,जबकि,बुधीकेदहोजातीहे अलाबाईसके संसारकेलोग:यहभीकहतेहें:किहमस बलोग बनीयोंके सहारेसेहीपलतेहें-अबतुमलोग-अच्छीतरहसेसमझो ओर देखो-किजब-रावणने-राक्षसीपाप चलायाथा जब,तमांमखलकत,परमेश्वको-भुलगईथी ओर रावणके राक्षसीपापकी!मालाफेरतीथी!ओर बहकहतीथी किरावणके'सहा रेसेहीपलतेहें!ओर?रावण वगेराकीतरहसे किजबसेईन:बनीयोंने:राक्षसीपापचला याहे जबसेईनकी मालाफेरतेहें!ओर!कहतेहें:किहम:बनीयोंके सहारेसेहीपलतेहें!इ ससे-बनीयेमाई-बापहें सोदेखोभाईं जीसतरहसे रावणकेवक्तमे!ओर!हरनाकुशके. ओर कंस राजाकेवक्तमे,ओर;कारूंन बादशाहकेवक्तमे परमेश्वको;भुलगयेथे;ओर उनहोंकेजालकी मालाफेरतेथे उसीतरहसे-अबईन:बनीयोंकेजालकी मालाफेरतेहें ओर:ईश्वकोभुलगयेहें:ओर बनीयोंकेजालको ईश्वकी!कुदरतबोलतेहें;ओर;ईनकेजा लकेउपर जराभी खयालनहीकरतेहें:बलके;ईनहोंकेउपर ऐसे२लाडरखतेहें किजी सतरहसे-मा-ओर:बापकेहुकमको बेटा बेटीउठातेहें ओर'अपने'बुजगोंकेसांमने.स रकोहुकातेहें अगरचे उनबच्चोंको;कोईशखस;कोईबात भली,बुरीकहवे तोवोहबच्चा

अपने,मा,बापसेजाके उसबातको उसीवक्तकहदेतेहें ओर?कीसीतरहकाडर?अपने दीलमेनहीरखतेहें-सोईसतरहसे-हिंन्दु मुसलमांन बुरी.भलीबात,बनीयोंसे छुपाके नहीरखतेहें ओर बनीयोंकेउपरःलाडरखतेहें:सोसब जहांनकेलोगो तुमअपनी२; आंखोंसे-देखहीरहेहो?किजेसाहोरहाहे ओर मेंदेखरहाहूं.किजीसतरहसे.यहबनीये कहतेहें ओर सलाहकरतेहें;उसीतरहसेहोताहे;बलके हिंन्दुस्तांनमेतो बनीयोंकाही डाला,नीमकपडताहे,परंन्तु हिंन्दु मुसलमांन ईन:बनीयोंकालाडतो;हमेशासेहीरख तेहें-ओर-बनीयेबेईमांनोंका माजनादेखो किजबसेईनहोंने!राक्षसीपाप!चलायाहे-जबसेसंसारका बुराकररहेहें सोऐसे२तो.हिंन्दु.मुसलमांन ईनबनीयोंके लाडरख तेहें!परंन्तु!यहबनीये:ऐसेबदमाश ओर हरांमकारहें-कियहअपनी-हरकतसेबाज.न हीआतेहें सोईन बनीयोंकेजालोंको;ओर;बेईमांनीयोंको तमांमजहांनके राजा:बाद शाह-ओर-हिंन्दु-मुसलमांन ओर अंग्रेजवगेरा मुलाहजाकरो:ओर:सोचो.किईनब नीयोंने जादुकेजोरसे अव्वलही,अव्वलमेतो,राजा बादशाहोंके खजांनोंको;जमीन केरासतेसे,खेंचलीयाहे,ओर खेंचलेतेहें याने-जमीनकोफाड२के;ओर,जीनबादशा होंको किखराबकरदीयाहे सोउनबादशाहोंके;खजांनोंको जादुकेजोरसे पहलेही-खेंचलीयाथा:किजोखजांना;कदीमीथे परंन्तु जबकियह:बनीये;कीसीकेखजांनोंको खेंचनाचाहतेहें तोपहले जमीनकेफटनेके;नांमका;जादुकरातेहें जब जादुकेजुलमसे जमीनमाता-फटजातीहे-जब राजा बादशाहोंके खजांनोंको,खेंचलेतेहें,परंन्तु;जादु सोदागर महाजनांन समुंन्द्रकेउपर.कीसीटापुमेंकरातेहें,किजहां चोरासीलाख कुं न्डीयां;राध;लहुकीबनाइहें सोदुनीयामे उसपापकी सब,तारीफ,ओर;बीखांनकर, तेहें किमालीककेघरमे चोरासीलाख.कुंन्डीयां?राध,लहुकी नारगीपडनेकीहें-सो ईनबनीयेंने,उस,गुपतीपापका कीस्साचलादीयाहे सोमुन२केकहतेहें:ओर;ईनबनी ये-महाजनांनने स्वर्ग ओर,नर्कभी,रावणकीतरहसे,बनायाहे सोजबकि चोरासी लाख'जीवाजुनको'चोरासीलाख कुंन्डीयोंकेउपर दुखदेतेहें;जब;जादुचलताहे'ओर जीसतरहके जालकिं दुनीयांमे,तरह२केचलरहेहें,यहबनीयोंके घरका ईन्द्रजाली' पापहे-ओर-ईसीईंद्रजालीपापसे तमांम राजा बादशाहोंकीअकल'ओर'संसारकेलो गोंकी अकल फेररक्खीहे,जीससेयह,सोदागर अपनेजालको संसारकेलोगोंपर-जाहीर!नहीहोनेदेतेहें!ओर खजांनोंकोखेंचलेतेहें ओर,राजा.बादशाहोंको'ओर'सं सारकेलोगोंको'ऐसाहुशादेतेहें'किधन सरकगया'ओर,राजा बादशाह'ओर'संसारके

लोगही ऐसा कहनेकोलगजातेहैं:किलक्ष्मीःसरकगइहे ओर यहनहीकहतेहैं:कियह बनीयोंकेघरका;राक्षसीपापहे:परन्तु वोह कीसतरहसेकहें!क्युंकिउनकी!अकलतो-राक्षसीपापमे केदहोरहीहे ईससेवोह.जालको,नहीपहचांनतेहें ओर जीसतरहसेकि यहबनीये-जादुकेजोरसे-खजांनोंको खेंचलेतेहें उसीतरहसे!यहबनीये!मंन्दीरोंकी-पुतलीयोंकोभी संसारके भुलानेकेलीये;जमीनको;फाड़के उडादेतेहें ओर,मंन्दीरोंकोभी'उडादेतेहें'ओर,फकीरोंकेदीलमे ओर जतीयोंकेदीलमे,ओर;राजा;बादशाहोंकेदीलमे ऐसाडुझादेतेहें किजोगी,जती,बडेकरामातीहें सोजोगी जती;अपनेदीलमे.यहकहनेकोलगजातेहें.किहम बडेकरामातीहें ओर;सीधहोगयेहें:जीससे.संसारकेलोगभी यहजांनतेहें किजोगी,जती,बडेकरामातीहें परंन्तु जोगी'जती'जींन्दा समाजलेतेहें-जीसकी-वजहयहहे किसोदागरमहाजन जादुकेजोरसे!जमीनको-फाड्देतेहें सोजमीनको सो,कोसतकफाड्के,पोलीकरदेतेहें जबवोह जती.जोगी,सो कोसकेउपर!उसरासतेसेहोके बाहीरनीकलतहें:सोयहबात कावीलगोरकरनेकेहे:कि जहांतक ईनबनीयोंके दीलमेआताहे?ऊसीकदर?जमीनफाड्के जादुकेजुलमसे!पोलीकरदेतेहें:सोअगर-यहबनीये अपने राक्षसीपापसे:जमीनको:कोस:दोकोसमे;फाड्देवें जबतो जती,जोगी,कोस दो कोसकेउपरजाके-बाहीरनीकलतेहें-अगरचे-तीन.चारकोस.जमीनकोफाड्देवें तोतीन चारकोसके-ऊपरजाके-बाहीरनीकलतेहें-ओर जोजीयादा दुरतकफाडें:तोजीयादा.दुरपेजाकेनीकलतेहें ओर जोकमजमीनकोफाडें,तोकमदुरपेजाके.बाहीरनीकलतेहें ओर यहबनीये-ऐसाभीकरतेहें-किजोपहलेजमांनेमे भगतलोग महादेव,ओर:देवी,देवतावगेराहुयेहें ऊनकीसमाजीयोंकेऊपर-मंन्दीरवगेरा-बनादीयेहें ओर ऊनकी समाजीयोंकेऊपर.लोग.बकरावगेरा,चढातेहें किजीनकेगुन तमांमजहांनके;लोगगातेहें;ओर ऊनकीपुजाकरतेहें तोयहबनीयेलोग.जादुकेजोरसे.जमीनकोफाड्के ओर ऊनकेमंन्दीरोंकी:पुतलीयोंको-जीसकदर दुरपेबाहीर नीकालना:मनजुरहोवे;नीकालदेतेहें ओर दुनीयांको,अपनेजादुसे,ऐसाडुझादेतेहें.किदेवी देवतावगेरा फलांनीजगहपर-नीकलेहें-ओर.यह-रोग जमीनमाताको ईसलरहकाहे किजेसे'आदमीकेबदनमे'बादीकीसोजन ओर चीस, ओर-चमकहोजातीहे-ओर वोहसोजन ओर चमक.ओर.चीस'मीसलन'आदमीकेसरमेहोवे ओर वोहऐकसाथही;फोरन;पांवमेआजावे ओर पांवमेसे;कमरमेआजावे ऊससेआदमीको'बहुतसखत'तकलीफहोतीहे किमरनेलायक होजाताहे:ईसीतरहसे

यहमहाजनलोग बादीकारोग;जमीनमाताको:करदेतेहैं;जबउनको कीसीखजानेंको;या मंन्दीर-ओर-मन्दीरकी पुतलीयांवगेरा ओर फकीरवगेरोंको:जलदीखेंचना;मनजु रहोवे तोजमीनमाताको बादीकी;सीसका;रोगकरदेतेहैं कियोहचीस फोरनखींचके चलीजातीहे,जीसजगहपर,खेंचकेमंगाना ओर नीकालना!मंनजुरहोवे!फोरनजमी नफटके अंन्दरहीअंन्दरमे जमीनके;उसजगहपर,पहूंचकर बाहीरजमीनके नीकल जातेहैं:जेसेआदमीके:सरीरमेबादीसे चीसहोरहीहोवे ओर!होते२बहोतजलदी!कम रमे-यापांवमे-जाकेहोनेलगे तोआदमीउससे बहोततकलीफ.ओर.दुखपाताहे!ओर ईसीतरहसे जमीनमाताभी उसरोगसे-बहुतभारी-दुखपातीहे ओर जोकीसीचीज; को:होले२खेंचनाचाहैं:ओर नीकानाचाहैं तोजमीनमाताको;बादीकेसोजनका:रोग करादेतेहैं तोदोहचीज होले२सरकके!जीसजगह!खेंचनाचाहैं खेंचकेबाहीर नीका लदेतेहैं:जेसेआदमीके.बदनमेबादीकी सोजनसरकतीहे कभीहाथमे?कभीगरदनमे-ओर गरदनसेकमरसे ओर;कमरसेपांवमे;तोउसमेभीआदमीको दरदहोताहे ईसीत रहसे,जमीनमाताके,सरीरमेभी बादीकीसोजनसे दरदहोताहे!ओर!ऐसी२अनेकत, रहकी बीमारीयोंसे जमीनमाता:दुबलीहोगइहे:ईससे जमीनमाताकी चरबी,याने खानें'सोने'ओर चांदीकीगलगइहैं ओर-जबदेवी-देवताको जमीनफाड्के नीकाल देतेहैं जबउनके-देखनेकेवास्ते-झुलझलकतजातीहे ओर!बहुतखुशहोतेहैं!ओर हाथ जोड्तेहैं;ओर;तरह२की दुआयेंमांगतेहैं सोयहसबब'बनीयोंके'राक्षसीपापकाहे:कि जीसकानांम ईनहोंने कलुकालरक्खाहे:जीससेसब:संसारको ऐसाहीसुझताहे कि जोदुनीयां.मगोसाकरनेको.लगजातीहे ओर यहनहीसमझतीहे!कियहबनीयोंके-घ रकाजादुहे किजोदेवी देवता:ईसकदरदुरपे:आकेनीकलेहैं ओर नहीसमझते?किप त्थरकीपुतली,कीसतरहसे,चलसक्तीहे सोदुनीयांतो ईनकेजालमे-झुलीहुइहे-जीस: से-कुछपहचांन जादुवगेराकी नहीहोसक्तीहे;किईन;बनीयोंने जादुकेजोरसे तमांम जहांनकेलोगोंकी अकल केदकरदीहे;किजोसमझायेसे,नहीसमझतेहैं ओर जीसतर हसे-किजमीनको-फाड्के पोलीकरदेतेहैं ओर खजानोंको:खेंचलेतेहैं:जब?तमांमज हांनकेलोग यहमांनतेहैं?किधन सरकगयाहे;सोजीसतरहसे कियहबनीये-खजांना को.खेंचलेतेहैं.उसीतरहसे मंन्दीरोंकी पुतलीयांकोभी-जादुकेजोरसे!जीसकदरदुर ए?जमीनफाड्के नीकालना:मनजुरहोवे:उसीकदर जमीनफाड्के बाहीरनीकालदे तेहैं-अगरसे-ईनहोंकोयह बातमनजुरहोवे किफलांनेमंन्दीरकी;पुतलीको;फलांनीज

गहपर नीकालें तोवहींजाके;नीकाललेवेंगे;सोयहबात ईसतरहसेहे किजोयहबनीये जीसमंन्दीरकी,पुतलीके,नांमसे पापकरातेहें तोउसीमंन्दीरकी-पुतलीको'बाहीरनी काल्देतेहें ओर लोगोंके;समझानेकेलीये;पहलेऐसा सुझादेतेहें किदेवीके,मंन्दीरकी पुतली-हजारकोसपे-जाकेनीकलीहे ओर देवीबडी!परचेवालीहे!ओर यह परमेश्वर कीकुदरतहे जीसकोसब संसार,ओर'राजा,बादशाहवगेरा बडीखुशीकेसाथ देख नेकेवास्तेजातेहें:ओर:डंडोतकरतेहें सोयहपुतलीयोंका नीकालना!ओर!जमीनका; फटना ओर कालवगेराकापडना;ओर;बीमारीयोंका ओर खजानोंवगेराकाखेंचना ओर-अकलवगेराका-फीरना ओर बारीशकानाहोना!ओर!कमउमरमेमरना?जादु सेहोरहाहे ओर यहजादु,ईन्द्रजाली,रावणकीतरहसे ईनबनीयोंने बल-राजाकेवा दसे'चलारक्खाहे'जहांजमीनवगेरा फटजातीहे ओर;कहींकीपुतली;कहींपेजाके-वा हरनीकलतीहें सोयहबातें तमांमजहांनमे,मशहुरहें.परंन्तु अकल ऐसीखराबकरदीहे किईसबातको!पहचांनतेहीनहीहें!ओर परचोंकेभरोसे तमांमलोगभुलेहुये-ओर-बह केहुयेहोरहेहें सोभाइमेरेहो किजीसकदर?यहपरचेहोरहेहें:यहसब बनीयोंकेचलाये हुयेहें,ईसीतरहसेपहले,रावनेभी दुनीयांके भुलानेकेलीये-परचेचलायेथे-चुनाचे, वादशरने रावणवगेराके ईनबनीयोंनेभी,दुनीयांको,भुलानेके ओर बुधीकेदकरके तरह२के'परचेदीखलादीयेहें'देखोभाई जबकिअपने बदनमे,कीसीतरहकी;तकलीफ होजातीहे ओर हड्डीवगेरा;टुटजातीहे;तोफीरकीसतरहका दरदहोताहे किजोखाना पीनाभी,भुलजातेहें.ओर यहबनीये जादुकेजोरसे जमीनको'फाड्देतेहें'ओर?तरह तरहकेरोग जमीनकेनांमसे जमीनको,करारहेहें,ओर कीसीकोअपने राक्षसीपाप; करनेकी,मालुमनहीहोनेदेतेहें,ईससे में संसारकेलोगोंको-ईनबनीयोंके-जालसे,वाकी फकरताहूं किजीसतरहसे तुम्हारेबदनमे,दरदहोताहे,ईसीतरहसे जमीनमाताकेबद नमेभी-दरदहोताहे-जीसकेहालसे संसारकेलोग बीलकुल;बेखबरहें:कियहसोदागर महाजनांन जमीनमाताके नांमका,पापकरातेहें;ईससेजमीनको तकलीफदेरहेहें ओर सबसंसारकी,अकलको.अपने राक्षसीपापसे खराबकरके-ऐसे२परचेदीखलारहेहें: किजीससे दुनीयां यहनहीसमझतीहे;किरावणके;मुवाफीक ईनबनीयोंके घरका;रा क्षसीपाप,चलरहाहे,बल्के संसारकेलोगतो परचोंकेभरोसे-भुलेहुयेहें'ओर'ईधरःउ धर गोतेखातेफीरतेहें ओर,यहसमझतेहें,किपरचा कोईनीहायतही ऊमदाचीजहे. परंन्तु-भाइमेरेहो-जीसपरचोंको तुमअच्छासमझतेहो सोयह.अच्छानहीहे.यहतो?नी

हायतही खराबजादुहे क्युंकि:रावणकेमुवाफीक:ईनसोदागर महाजनांनने राक्षसी पाप-वलराजाके-वादसेचलायाहे ओर संसारको ओर!राजा!बादशाह;ओर;फकी र:फुकराको करामाती संसारमेसुझातेहें;जीससे;संसारकेलोग साधु फकीरोंकेपीछे दोड्तेफीरतेहें,ओर.हाथजोड्के उनफकीरोंकी खुशांमदकरतेहें;किजोफकीर;अपने मुहसे कीसीशखसको यहकहदे:किजावच्चा:तेरालड्का जोवीमारहे वोह;अच्छाहो जावेगा-कितुदेवीकेउपर-याफुलांने पीरकेउपर चार पांच!याकम?जीयादा-वकरा यापाडावगेरा हमारे कहनेमुवाफीक,अभीजाके,चढादेना चुनाचे उसने.फकीरके कहनेपर-यकीनलाके-ओर फकीरकेकहनेमोजीव उसीकदर!वकरेवगेरालाके?चढा दीये किजीसकदर फकीरनेवतायेथे;जोवीमार;अच्छाहोगया जवतोफकीरको करा मातो-ओर;सीध्ध-तमांमजहांनकेलोग जाहीर करनेकोलगजातेहें.ओर.कहनेकोल गजातेहें किफलांनाफकीर वडाकरामातीहे:ओर:जोअच्छानहीहुवा तोसंसारकेलो ग-यहकहनेकोलगजातेहें-किउसकी कजाआगईथी सोभाइमेरेहो'यहतुम्हारी'बुधी, काजोहरहे किजोतुमलोग क्रशमोंकेभरोसे;देवतोंकेउपर;जीवदेतेहो ओर हाडडालते हो.ओर.परचोंकेभरोसे-भुलेहुयेहो परंन्तु;यहपरचा कोईचीजनहीहे-ओर!नाफकी रों?अर्तातोंकेकहनेसे.कुछहोताहे हांऐसाअलवत्ताहे किजोफकीरहे-ओर-परमेश्वकी भगतीकरताहे तोउसके जीवकाभलाहोताहे;दुसरेकाभला;सीवाये परमेश्वके नहीक रसक्ताहे,सोईश्वतो,सवकाही भलाचाहताहे वोहतोकीसीकेवास्ते;वुरानहीचाहताहे; यहतो सोदागरांनने रावणकीतरहसे:राक्षसीपाप:चलायाहे ओर तमांमजहांनकी अकल-राक्षसीपापसे-खराबकरदीहे जीससे परमेश्वकोतो'कोईभीयाद!नहीकरताहे जीससे परमेश्वको सवभुलगयेहें:ओर:वनीयोंकेजालकी सब मालाफेररहेहें,किजेसे रावणकेवक्तमें'तमांम'जहांनकेलोग रावणके जालकी'मालाफेरतेथे'उसीतरहसेअव इनसोदागरांनके राक्षसीपापकी माला,फेररहेहें,ओर ईनवनीयोंने सेंकडोंकीसमके जालकेरोगतो.जाहीर.करदीयेहें जीससे जमीनमाता-दीन२दुवली-होतीजातीहे-क्युंकि फीजमांनेमे चांदी.सोनेकी-खांनेंवोलतेथे.वोहवीमारीके सववसे गलगईहें परंन्तु'यहचांदी'सोनेकीखांनेंहें जमीनमाताके सरीरकीचरवीहे'लेकीन'यहवात.का वील खयालकरनेकेहे किजव.सरीरमे.चरवीनहीहोगी तोसरीरकी ताकतकहांसेर हेगी,वलके,उनकीतोताकतके अलावा हड्डीभीगलजावेंगी:चुनाचे:अव:जमीनमा:- तामे ताकतनहीरहीहे क्युंकिईसके,सरीरकी,चरवीगलगईहे ईसीसे जमीनमाता-दु

बलीहोगईहे ओर दुबलीहोनेकेसबबसे-जमीनकेउपर-कोईचीज अच्छीतरहसे नही होतीहे,जीसकीखास,वजहयहहे किईन बनीयोंने:राक्षसीपाप:चलारक्खाहे;जीससे नातो मेहहोताहे ओर'नाजमीनमाता'सुखसे'सांसलेतीहे जीसकीखबर अबतकतुम संसारके-लोगोंको-बीलकुलनहीहे अगरचे खबरहोती!तोअपनी२ओलाद?बचनेके लीये.बंन्दोबस्तकरते क्युंकि'रावणवगेराकेवक्तमे'सनीश्चैकेकहनेसे बंन्दोबस्तकीया था;जबपाप:दफेहुवाथा:फीर;सनीश्चैकीतरहसे;अबमेंभी;बनीयोंके;राक्षसीपापसे,तुम सब संसारके बच्चेबचनेकेलीये-तुम-सबको-वाकीफकरताहूं जीसका बंन्दोबस्त;त मांमजहांनके!हिंन्दु!मुसलमांन ओर अंग्रेजवगेरा?अपनी२ओलाद?बचनेकेलीये-इ स-कीताब-[जगतहीतकारनीके]-मजमुनको पढकरके बंन्दोबस्तकरो,जब.तुमको आर तुम्हारी ओलादको,अच्छीतरहसे.आरांममीलेगा अगरचे बंन्दोबस्त-नहीक रोगे,तोयहबनीये.दुसरीबादशाहतको अब लाकर हिंन्दुस्तांनका:राजकराअेंगे:इ. ससे में सबकोपहलेसे वाकीफकरताहूं,किजो.पहलेसेही ईनबनीयोंका जालमोटा-दीयाजावे-तोफीर-दुसरीवलायतका बादशाह हिंन्दुस्तांनमे.राजकरनेको.इरगीज२ नहीआवे क्युंकिजब पाप-दफेहोजावेगा-तोसतजग होजावेगा ओर:सबकीबुधी. दुरस्तहोजावेगी!जबकोई!कीसीकी चीजकोलेना अच्छानहीजांनेगा-ओर,अबतो-ईसगर्जसे दुसरीवलायतके बादशाह,हिंन्दुस्तांनमेआतेहें,किहमारेपास धन जीयादा होजावे:परंन्तु:यहखबर कीसीकोभीनहीहे किहमारेमुलकमे,ईसकदरधनथा;वोह:क हांगया क्युंकिउस धनको:ईनबनीयोंने:अपने;राक्षसीपापसे पहलेहीखेंचलीया;ओर ओर-अकलको-खराबकरदीया जब भुखेमरतेआतेहें!किशेर!अघाया:ओर धापा-हुवाहोताहे तोकीसीपर हमला-नहीकरताहे-ओर जबकि भुखाहोताहे;जबउसके; सांमनेकोई?जांनवरआवे?फाडखाताहे ईसीतरहसे बादशाहोंका-हालहे-क्युंकिईन सोदागरांनका ईरादा चारकुंटमे,राजकरनेकाहे,ईससे संसारकेलोगोंकी अकल;फेर दीहे,किजोदुसरोंकाही,बुराकरना सुझताहे;ओर भलाकरनानही.'जीसकीवजह'यह हे.किऐक दुसरेका बुराचाहेगा:जरुर:तनाजाहोगा तोआपुसमे लडायां;ओर:दंगे होंगे!ओर!लोगआपुसमे लड२के मरेंगे ईसीतरहसे.राजा.बादशाहोंमेभी;आपुसमे बीगाड रंजहोगयेहें किजोऐक२को-देखके-राजीनहीहें ओर दीलमे.ऐसाईरादाहे किमें,ईसको,मारडालूं तोईसकाराज मेरे कबजेमेहोजावे.गर्जकि.दोनोंमेसे ऐककाः भी-यतलब ओर मुराद'हासीलनहीहोतीहे?ओर'आपुसमेलडकर मरजातेहें ओर

फीर उसचीजके मालीक;अेरी'गेरी;ओर ही याने यहवनीयेलोग वनबेठतेहें;ओर ईसीतरहसे,तमांमजहांन,ओर वलायतके राजा;वादशाह;गारतहोजावेंगे:ओर:वनी योंकी जातकेलोग जीयादारहजावेंगे;जवतमांम;वलायतोंके अंन्दरयह सोदागर:म हाजन,अपना,राजकरेंगे क्युंकिजो?राक्षसीपाप चलाताहे!वोहईसी!गर्जसेचलातेहें जीसकासवुत अव्वलही अव्वलसे:लीखदीयाहे:क्युंकिपहले रावणवगेराने चला. याथा-परंन्तु-संसारनेअपनी ओलादवचनेका खयालकरके!सनीर्श्वके!कहनेपर-य कीनलाकर रावणके राक्षसीपापको-छोडाया-ईसीतरहसेअव ईनवनीयोंका राक्षसी जाल!छोडानाचाहीये!परंन्तु यहजाल आसांनीकेसाथ'ईसतरहसेछुटेगा;किसव;रा जा-रैयतसमेत ऐकदीलहोकर शहर,दरशहर,ओर गांव दरगांवमे:ईनसोदागरांनके जालको,जाहीरकरो;ओर अंग्रेजोंको ओर दुसरी:वलायतकेलोगोंको:ईनवनीयोंके जालसे वाकीफकरो जवईन,वनीयोंका;जालछुटेगा किजोदरीयावोंके उपरअलोप पापकरारहेहें:सोऐभाईयो.हिंन्दु मुसलमांन ओर अंग्रेजवगेरा'ईसवातको'साथपुख तादीलके समझो ओर,ईसकाचरचा,शहर२ओर,गांव२ओर गली२मे अपनी२ज वांनसेकरतेरहो?ओर?जवकिवादशाह-[अेडवर्ड]-ईसमजमुन?याने?सोदागरांनके-राक्षसीपापको अच्छीतरहसे समझलेंगे,जवईन,वनीयोंका राक्षसीपाप किजोदरीया वोंके-टापुपर-अलोपकरारहेहें मीटादेंगे सोयहजादुके पापकाहाल:खीदमतमे.वंन्द सांनआली वादशाह अेडवर्डसाहव'वहादुर'दांमईकवालहुके अर्जकरके दफेकराया जावे!किजीसकी:तलाशमे वलायतके,कुलअंग्रेजहें किऐसी;कोनसीवात;साल:वसा लहोतीहे किकीरोड्हा आदमी,हेजा.ओर,पलेगवगेराकी वीमारीकेसववसे मरजा तेहें-ओर-कीरोड्हाकचीऊमरमे ओर ही वीमारीयोंकेसववसे.मरजातेहें.परंन्तु:सा फ२हाल अवतकजाहीर नहीहुवा,किकीसवजहसे,मरजातेहें ईसवातमे साथ:[अ नोपदास]:हकीमों:ओर,तवीवोंको ओर डाकटरोंको ओर;सवसंसारके;लोगोंको; ओर अंग्रेजोंको वाकीफकरताहुं;सोईसका,वंन्दोवस्तकरो तोकोईशखस कचीउमरमे नामरें-ओर-वोहयहहे किसोदागर,महाजनांन जमीनके:दुवलीहोजानेका:ओर'भर दः:ओरतको कचीउमरमे मरनेका-ओर-हवा जीयादाचलनेका ओर.दरखतोंको-जमीनसेउखाडने!ओर?वरसात जमीनपरनाहोनेका ओर-संसारकेलोगोंकी?वुधी भ्रष्टहोनेका ओर परअक्षीसे;भोगकरनेका;ओर;जांनवरोंसे वुराकांमकरनेका ओर ओरतोंको,वेओलादरखनेका,पाप चोरासीलाख वुंन्डीयोंपरकराके-चोरासीलाख

जीवाजुनका कलपातेहें ओर-यहसोदागरलोग-दुखदेतेहें जबवोह पाप,सबकोआके लगताहे!सोजीसतरहका!पापकरातेहें उसीतरहका बुराहोजाताहे,जीसकोपरचा,व परमेश्वरकीकुदरत खयालकरकेबेठेहें ओर;ईन;सोदागरांनने पहलेसेही ऐसी२बातें चलादीहें.ओर.कोई२पोथी टीपनोंमेभी लीखदीयाहे-किऐसा-कलजगआवेगा?कि लोग मा बहनसेभी हरांमकरेंगे'सोजेसेभुल'पडतीजावेगी ओर राक्षसीपापसे;बनी येलोग,बुधी,संसारकेलोगोंकी फेरतेजावेंगे:ओर अपनलोगोंको'कोनसी'खबरपड तीहे किहमारीबुधी बनीयोंने:पापसेफेरदीहे:तोफीर संसारकेलोग जांनवरोंकेमुवा फीक-मा-बहनसे!बुरेकर्मकरनेलगेंगे क्युंकिजांनवर कोनसासमझतेहें?किहम?मा-ब हनसे बुराकांमकरतेहें ईसीतरहसे;संसारकेलोगोंकी;बुधीभ्रष्टहोकर जांनवरोंके मुवा फीकहोजावेगी.जब.मा;बहनसे हरांमकरेंगे सोसब संसारकेलोग:ईसजालको:ऐक दीलहोकर बहुतजलदी छोडाओ;किजोऐसावक्त;नहीआवे किजोसंसारके लोग: मा-बहनसे-बदसहोबत्तकरें जीसपहले ईसजालको छोडानेका!बन्दोबस्तकरो!कि-जोतुम्हारे सबसंसारकी ओलाद,नहीबीगडे,सोभाइमेरेहो में अच्छीतरहसे तुमको समझाताहूं'कियह'परमेश्वकी कुदरतनहीहे;यहतो बनीयोंके;राक्षसीपापकी;कुदरतहे सोईसको हेतकरकेछोडाओ क्युंकिईन,सोदागरांनने,संसारकीअकल ऐसीखरावक रदीहे-जीससेतुमको-जमीनमाताके सरीरकी बीमारीकाहाल.मालुमनहीहोताहे:कि जमीनमाता जीवताजीवहे यामरीहुइहे;सोदेखोभाई;जमीनमाता तोजींन्दाजीवहे-ओर.अमरहे.मरीहुईनहीहे-अगरये मरीहुईहोती तोसुखकर-कबकी?गलजाती!तो संसार ईसजमीनमाताकेउपर कहांसेरहता?सोखयालकरनेकी बातहे क्युंकिजमीन माताती-जींन्दाजीवहे-जीससेकुलचीजें ईसकेउपर पेदाहोतीहें!ओर!संसारईसके,उ पररहताहे ओर यहतोतुम;सबसंसारको;बनीयोंने;अपने राक्षसीपापसे भुलारखाहे जीससेतुम;सबसंसारको;ऐसाहीसुझताहे क्युंकिजोबनीये जमीनमाताके'नांमका'पा पकरातेहें जीसकोसब संसार-परचा२कहतेहें-ओर खुशहोतेहें ओर,बनीयेभी;जा हीरदारीमे,सबहिन्दु.मुसलमांनके सांमने परचा२कहतेहें:परंन्तु:यहबनीये;अपनेदी लमे खुशहोतेहें किहमारा-राक्षसीपाप-चलरहाहे किजीसकोसब संसारके.राजा. बादशाह:ओर:रैयतवगेरा परचाजांनतेहें ओर!बनीयेतो!अपने राक्षसीपापको!खु बजांनतेहें परंन्तु यहबनीये;अपने;राक्षसीपापसे;अपने पापकीखबर तुम'राजा'बा दशाहोंको'नहीपडनेदेतेहें'ओर मुझगरीबसाधुको ईनबनीयोंने-अपने;राक्षसीपापसे

कलपायाहे जबमुझको ईनके,राक्षसीपापकी?खबरपडीहे.ओर जबतक किमुझको राक्षसीपापसे?नहीकलपायाथा!जबतक मेंभी अंन्धोंकीतरहसेथा-परंन्तु-जबकि-इ नहोंने मुझको अपने,राक्षसीपापसे,दुखीकीया,जबमुझको ईनकेजालोंकी खबरप डीहेःलेकीनःतुमसंसारकेलोगतो अबतक बेखबरहो जीसकी.खासवजह.यहहे-कि तुमलोगोंकी अकल ईनबनीयोंनेःअपनेःराक्षसीपापसे;खराबकररक्खीहे जीससे,ईन बनीयोंकी,खबरतुमको,नहीपडतीहे ईससेअब में सबसंसारके बच्चेबचनेकी?गर्जसे ईनसोदागरांनके राक्षसीजालसे,वाकीफकरताहूं,किजोकुछ जमीनको रोगहोरहाहे ओर,कचीउमरमे,मरतेहें ओर मंन्दीरोंकी पुतलीयोंको-जमीनफाडके-बाहरनीका; लदेतेहें सोयह सबफीतुरांन'सोदागरांनके'राक्षसीपापकाहे जीसकोतुम सबसंसार केलोगःओरःराजा-बादशाह ओर रैयतवगेरामीलके-ओर,ऐकदीलहोके,ईनहोंके-राक्षसीपापको छोडाओ तोसंसारकी;ओलादको;सुखप्राप्तहोवे ओर ईनसोदागरां ननें,अपने,राक्षसीपापसे तमांमजहांनके राजा बादशाहोंकी-अकल-ओर?रैयतवगे राकी अकल ऐसीखराबकरदीहेःकिजीसकाहालःमेंःकलमसे नहीलीखसक्ताहूं— क्युंकिराजा'बादशाह'ईनबनीयों नमकहरांमोंकोही सच्चाजांनतेहें;ओर;सभोंकोझुठा हालांकि तमांमहिंन्दु मुसलमांन,सच२बातकहतेहों,तोभीझुठासमझेंगे ओर सोदाग रमहाजन-चाहेझुठबोलतेहों-तोईनको सच्चासमझेंगे सोयहसारा!सबब!राक्षसीपाप; काहे परंन्तु;हिंन्दु मुसलमांन,ईनबनीयोंको मा'बापकेबराबर जांनतेहें-तोभीयहब नीये.झुठे.सच्चेकागज करजाके हिंन्दु मुसलमांनोंकेनांमसे-बनाकेरखछोडतेहें?ओर कुछदीन गुजरनेकेबाद उनहोंसेझगडा,करके,उसझुठे सचेकरजेमे उनगरीबोंकेघर का,माल,असबाब ओर'गाये बेल'ओर भेंसवगेरा,जीसकदर माल;उसकेघरमें'नी कलताहे करजेमे वसुलकरलेतेहें,ओर,ऐक,कागज जाली ओर,उसपरअपने—दस्त खत'ओर'अपनेकांमदारके ओर-दो चारगवाहोंके,दस्तखतकराके,रखछोडतेहें;ओर जबकि अदालतमे कीसीतोरसे?नालीशका!कांमपडताहे तोयहबनीये उसकागज जालीका'सबुत,पेशकरदेतेहें ओर'अदालतउस जालीकागजको'सचाजांनतीहे'ओर बनीया उसकागजको पेशकरके.सचाहोजाताहे.सोबनीयेके रुबरु गरीबआदमी-अदालतमे.झुठाहोजाताहे.यहअदालतका ईनसाफहोताहे क्युंकियहें-बनीये-गरीबों केःबुजर्गोंकेनांमसे झुठाजाली तमसुकवगेरा.लीखके.रखछोडतेहें ओर जबकिउन के,बुजर्गमरजातेहें,जबउनसे रुपीयावगेरा,मांगतेहें किजोतमसुकके,अंन्दर लीखेहों

ओर यह लीखतेहैं,कितुम्हारेदादानेःहमारेदादासे,रुपीयालीयेथे जीसका सबुत, तमसुकहे-ओर-तुम्हारेबाप दादाकेहाथके दस्तखतमोजुदहैं!जीसकारुपीया!तुमदेदो नहीतोहम राजमे नालीशकरके;लेलेवेंगे'अंगर;गरीबने डरके बनीयेहीकेकहनेसे, रुपीयादेदीयेःजबतोखेरःओर जोनहीदीये तोराजमे नालीशकरदी.ओर.वोह-तम सुक पेशकरके राजमेकहा,कियहईसके,बापके,हाथकालीखाहुवाहे फीरराजमे उस कागज'याबहीको'यातमसुककोदेखके बनीयेके डीगरीकरदी;ओर;गरीबआदमीको झुठाकरदीया उससेबनीयेको दीलादीया;गर्जकि;गरीब जोसचाथा वोहतो;झुठाकी यागयाःओर;बनीया जोबीलकुलझुठाथा'वोह सच्चाकरदीयागया'ईसतरहसे'राजमे फेसलाहोताहे सोऐसा फेसला,राजसे,ईनसोदागरांनके राक्षसीपापसे ईसीतरहसे होताहे-क्युंकिअकलःतोकुलसंसारकी ईनसोदागरांनके राक्षसीपापसे-फीरीहुइहे-तोईसीतरहसे अदालतके हाकमोंकीभी!बुधी?राक्षसीपापसे ईनबनीयोंने फेरदीहे ईसवास्ते,अदालतमे,जोबनीया झुठाहोताहे'वोहतो सच्चाहोजाताहे!ओर!गरीबःजो सच्चाहोताहे वोह झुठाहोजाताहे,ओर;गरीब,बेचारेकी बनीयेकेसांमने अदालतमेभी पुछनहीहोतीहे-ओर-गरीबकाभरोसा ओर अेतबार!नहीकरतेहें?चाहे?वोहकेसाही सच्चाक्युंनाहों तोभीउसको झुठासमझतेहें.ओर.बनीये चाहेकेसेही झुठेक्युंनाहूं;तो भीउनको-सचासमझतेहें-सोयहसबब ईनबनीयोंके राक्षसीपापकाहे'किईनहोंने'सब की अकलोंको अपने;राक्षसीपापसेःखराबकरदीहे;जीससेसब राजा बादशाहःओर गरीब,गुरबाकेसबुतको.झुठासमझतेहें ओर बनीयोंकेसबुतको-सचाजांनतेहें-किजो बीलकुलझुठा सबुतपेशकरतेहें किजोजाली;कागज;ओर बहीवगेरा पहले;जालकी बनाकरके,ओर,गवाही शाहदी लोगोंसेकराके ओर-अपने-दस्तखतःओरःअपने-कांमदारके दस्तखतकराके ओर;मोहरछापलगाके;जरुरतकेवक्त अदालतमे सबुत पेशकरतेहें-जबवोहकागज-अदालतमे सचासमझाजाताहे सोखयालकरनेकी;बातहे किसारीदुनीयां रात दीनकमातीहे;जबभीभुखेमरतीहे,ओर ऐककोडी पासनहीहे ओर-यहबनीये-दीनभर बेठेरहतेहें सोईनकेपास ऐसी२जालसाजी,ओर,बेईमांनी, योंसे बहुतकुछधनहेःजीसकीवजहयहहे;किजोबनीये;गरीबहें ओर थोडापेसारखतेहें वोहसंसारके'गरीब'लोगोंकापेसा अनेकतरहसे;छल ओर;बेईमांनीसे;काबुमेकरतेहें ओर जोबनीये जीयादाधनःदोलतरखतेहें:वोहःअमीरलोगोंकापेसा छल ओरःफ रेब,ओर,बेईमांनीसे काबुमेकरतेहें-सोयह सबसबब!बनीयोंके राक्षसीपापकाहेःकि

ईनबनीयोंने सबकी अकलोंको;अपने;राक्षसीपापसे खराबकरदीहे जीससे:राजा बादशाह,गरीब,गुरबाकेसबुतको झुठाजांनतेहें ओर अलावाईसके:गरीब:बनीयेतो गरीब लोगोंकेनांमका झुठाकागज'करजादेनेका'जालसाजीसे मअे गवाहीकेबना लेतेहें,ओर.उसकागजपर मोहरछापलगाके ओर पुखताकरके!रखछोडतेहें!ओर. ईसीतरहसे तालेवर बनीये:अमीर:लोगोंकेनांमका:कागज करजादेनेका झुठाबना लेतेहें-ओर-कहतेहें-किमुझसे फलांने अमीर सरदारने:ईसकदररुपीया:ऐकरुपीया; सैकडेके ब्याजपरलीयेहें ओर,ब्याजकेरुपीया,बनीयेको वसुलनहीहुयेहोवें तोक्या कांमकरतेहें,किब्याजके;रुपीयेजोडके;असल;रुपीयोंमेजोडदेवें;किजोब्याजके-रुपीयों काभी ब्याज शरुहोजावे;सोयहबनीये;बेईमांन;ऐसे२कागज झुठीगवाहीकराके-ओर मोहरछापलगवाके,ओर,सबुत पुखताकरके रखछोडतेहें.ओर.कुछदीन-याबरस-गुजरनेकेबाद यहबनीये रुपीयोंका:तकाजाकरतेहें:कितुम्हारे दादाने हमारेदादासे ईसकदररुपीया-करजलीयेथे-वोह हमकोदेदो क्युंकिरुपीयोंका!सबुत;हमारेपास:मो जुदहे ओर तुम्हारे,दादाकेहाथका,तमसुक,लीखाहुवाहे गवाहीवगेरासमेत हमारे पास,मोजुदहे,सोउसनेकहनेसे रुपीयादेदीये जबतोखेर!नहीतोवोहझुठा!जाली;तम सुक राजमेपेशकरके ओर,चोथाईदेके,नालीशकरदेतेहें ओर रुपीया-वसुलकरलेते हें-परंन्तु-वक्तकेहाकीम.ओर राजा बादशाह ईनसोदागरांनके!जालसाजीपर!गोर नहीकरतेहें क्युंकिजो गरीबने!बनीयेसे!करजलीयाहोवे तोगरीब यहकभीनहीकहे किमेंने.नहीलीया.क्युंकिजोरुपीया करजलेताहे वोहभी अपनेपास-लेन-देनका!स बुतरखताहे क्युंकिजब कोईशखस:कीसीकेपाससे:रुपीया करजलेताहे तोवोह'श खसभी'यादरखनेकेवास्ते'दीन मीतीलीखवालेताहे ओर;केईआदमीयोंको;वाकीफ करदेताहे किईसकदररुपीया मेंनेकरज.फलांनेसे.लीयाहे उसकीदीन मीतीमेंशु लापडे-परंन्तु-सोदागरमहाजनांन जालकेकागज पत्रबनाके!रुपीया!ऐकजबरदस्ती की-राहसेलेलेतेहें-ओर जबगरीबआदमी हाकीम अदालतसे!फरीयादकरके!ईन्सा फ:कराना चाहताहे ओर कहताहे.किजोरुपीया.यह सोदागरमहाजन हमसेमांगते हें-वोह:रुपीया-हमनेनहीलीये ओर यहकहतेहें तुम्हारेदादाने!हमारे!दादासेलीयेथे सोहमईमांन धर्म्मसेकहतेहें किहमारे;दादाने;ईनकेदादाको ब्याजसमेत रुपीया:पी छेदेदीये.जीसकासबुत.हमारीबहीमे मोजुदहे सोदेखलीयाजावे-बलके!जीसके!सां मनेदीयागयाहे वोह गवाहीमोजुदहें.उनसे.अदालत दरीयाफतकरलेवे तोअदालत

गरीबआदमीका सबुत पेशकीयाहुवा;देखतीहे;तोभीझुठाठेरातेहें ओर बनीयेके;स बुतको'सचाजांनतेहें-चाहेबनीया केसाहीझुठाक्युंनाहो परंन्तु.तोभीराजा.बादशाह बनीयोंकोहीसचा ओर ईमांनदारजांनके:गरीबसे:रुपीयादीलवादेतेहें ओर गरीब के-सबुतको-गोरनहीकरतेहें जीसकी खासवजहयहहे किईन.बनीयोंने.ईन्द्रजाली, जालसे तमांमजहांनकी अकल;ओर,राजा;बादशाहोंकी अकलको केदकरदीहे;जी ससे,बनीयोंकोही,सचाजांनतेहें चाहेबनीये साफझुठे क्योंनाहों-ओर;गरीब;गुरबा चाहेसचाहोवे परंन्तु राजा,बादशाह;ईनको,झुठाहीसमझतेहें ओर अलावा-ईसके सोदागरांनके:कांमदार:जातका खयालकरके अपने सेठोंकाहुकम!सर;माथेकेउपर उठाके हरकीसीकेनांमका जालीतमसुक.बनारखतेहें.ओर गवाहीवगेरा करारख तेहे!ओर!मजमुन?तमसुकवगेराका ईसतरहसेलीखतेहें किफलांने-शखसने-फलांने सेठसे ईसकदररुपीया ईतनेब्याजपर,बेल.गाये,ओर,मकांनवगेरा गीरवी रखके. लीयेथे-सोयहरुपीया-मेंनहीदूं तोयहकुलचीजें जोतमसुकमे:लीखदीहें:वोहईसकरजे वाबत करजादेनेवालेकेहें हमको;राज;दरबारमे;ईनचीजोंसे जोतमसुकमे लीखदीहें कुछवास्तानहीहे-अगरचे-मेरीतरफसे ईसकरजेके रुपीयाबाबत.राज.दरबारमे!की सीतरहका उजरकरूं तोमें,राजका,गुनहगारहूं.सोयहबनीये ऐसे२कागज झुठे;जा लसाजीके-बनालेतेहें-परंन्तु राजा बादशाह जबभीईन,सोदागरांनकोही,सचाजां. नतेहें ओर गोरनहीकरतेहें:सोयह:राक्षसीपापका सबबहे ओर-कोईबात-ऐसीनहीं किजीससे!तमांमजहांनकी!अकल फीरजावे सोयहसीर्फ-ईन्द्रजालकीही-मायाहे-ओर ईसजालसेही सबकाधन,काबुमेकरलीयाहे,ओर,दुसरीवलायतोंमे जोधनहे-उसकोभी,अपनी,हीकमतसे काबुमेकीयाचाहतेहें क्युंकिदुसरी;वलायतोंमेभी;ईनकी दुकानें पहूंचगईहें ओर,पहूंचतीजातीहे,सोईसीतरहसे वहांकाभीधन अपने,काबुमे करलेंगे:क्युंकिदुनीयांमे:चांदी सोनेकीखांने कदीमसेहीथीं-जीससेसोने-चांदीका-ठाट ओर पाटगीनाजाताथा,सोईनवनीयोंने,अपने,राक्षसीपापके जोरसे कुलधन जीसकाठाट,ओर,पाट संसारमे गीनाजाताथा सोईन!महाजनांनने-अपने-कबजेमे करलीयाहे ईससेतमांम दुनीयां;सोदागरबनीयोंके;पांवनीचेहे ईससेऐ सातों,आठों वलायतोंके:राजा:बादशाहो यहबात काबील गोरकरनेकेहे!कितमांमजहांन!खेती वाडीकरके राजा बादशाहोंकी,औलादको,खेतीकरनेवालेही पालतेहें ओर,जीस परभी'हजारोंतरहकी'बेठ बेगारको;हाजीररहतेहें ओर;करतेहें;सोईनलोगोंकी;ऐसी

ऐसीतो करनीहें ओर अलावा:ईसके:यह खेतीकरनेवाले रात दीन-जांनवरोंकी तरहसे.महनतकरके.कमातेहें ओर तमांम जहांनकोपालतेहें?सोईनलोगोंकी?महन तको देखकेतो ऐसा;खयालकरनाचाहीये;किखेतीकरनेवाले मा बापकेबराबरहें, किहमारी-ओलादको-ओर हमको यह खेतीकरनेवालेही.पालतेहें.परंन्तु?ईनसोदा गरांनने अपने राक्षसीपापसे'कुलजहांनकी,अकल'ऐसी खराबकरदीहे किजोसो दागरांनके.तावेदारहोरहेहें.ओर जोकि जमीनमाताकेउपर कमाकेदेतेहें!ओर!पाल तेहें ईनहोंका कुछगुन-ओर;अहसांनभी-नहीजांनतेहें सोयहवजह ईन्द्रजालकीहे-क्युंकिजालसे;लोगोंकीअकल,केदकरदीहे जीससे नेककांमवालोंकी'पहचांननहीहो तीहे बलके बुराहीबुरा?सुझताहे.किहरवक्त?गरीबोंकेगलेपर अकल फीरनेकेसब बसे'राजा'बादशाहोंने हाथोंसे छुरीरक्खीहुइहे क्युंकि,गरीबआदमीने,कीसीसोदा गर महाजनांनके पाससे-चाहेऐक-कोडीभीनहीलीहोवे-ओर गरीबआदमी ईमां, नसेकहे.किमेने.कोडीभीनहीलीहे परंन्तु राजसे कुछसुनवाईनहीहोतीहे!ओर!बनी ये महाजनलोग झुठाजालीकागजःओर.तमसुकःईसतरहसेबनातेहें किजोलोग म रेहुयेहें'उनकेनांमसे'झुठीबहीमे ओर जाली तमसुकवगेरा,लीखलेतेहें.ओर,उसतम सुकमे गवाहीयांन वगेराभी?झुठी?जालसाजीवगेराकी ऐसेलोगोंकी लीखलेतेहें-किजोलोगमरचुकेहें,याने,सात२पीढीका करजा उनकीओलादकेसाथ.जालसाजी ओर फरेब दगाबाजीकरलेतेहें-याने-परदादाकोदीये यानहीदीये झुठारुपीयाही, मांगताहे'तोपरपोतेसे'रुपीया वसुलकरलेतेहें सोऐ,तमांमजहांनकेलोगो,यहकोई-इ नसाफ नहीहुवा यहःसारासबब?राक्षसीपापकाहेःजीससेराजा बादशाहोंको यह खबरनहीहोतीहे.किगरीबने.कीसीसेरुपीया पेसा लीयाहे;यानहीलीयाहे,यायह-म हाजनलोग गरीबको झुठाही,ईलजांमदेताहे,ओर,अदालतोंके हाकीमोंको गरीब, लोगोंकेःसबुतपरःबीलकुल खयालनहीहोताहे अगर-बनीयेकेसांमने-कीसीगरीब-का सबुतझुठाभीहोवे तोऐक.आदमीझुठाहोवे.यादोझुठेहोवें यादसझुठेहोवें यह;नही होसक्ता!किकुल!बनीयेहीबनीये सच्चेहोवें ओर बाकीतमांम.संसारकेलोग.सब;झुठे होजावें यहतो राक्षसीपापसे,बनीयोंने,तमांम,संसारकेलोगोंको झुठेके मुवाफीक करदीयाहे,ओर,अदालत गरीबआदमीयोंसे यहनहीपुछतीहेःकितुम्हारासबुतःया, वही यारसीदवगेरा जोहोवे,तोअदालतमे,पेशकरो यहतोगरीबसे कोईनहीपुछता ओर-बनीया-चाहेझुठाहोवे ओर चाहेसचाहोवे उसकोही,हरमुरतसे.सबामममतेहें

परंन्तु यह साराहीसबब-राक्षसीपापकाहे-किअदालतके हाकीमोंकी अकल.ओर सब.संसारकी.अकल ईन बनीयेमहाजनांनने अपने:बसमे:कररक्खीहे-ईससे-हा-कीमलोगोंको सच झुठकी!नीगाहनहीपडतीहे!ओर;ईनतमांम बनीयोंने आपुसमे ऐकाकरके,सबसंसारका,पेसाखेंचकर सब दुनीयांको गारतकरके'ओर'दुनीयामे. अपना राजकरनेकेलीये ऐसा!जुलमचलायाहे?जीसकी खासबजहयहहे कियह-बनीयेलोग:कुल:ऐकदीलहोरहेहें ओर संसारकेनांमका-पापकरारहेहें;जीससे;हिंन्दु स्तांनकेलोगोंकी अकल ऐसी?खराबकरदीहे!जीससेईन सोदागरांनके पापकरने कीपहचांन?कीसीराजा.बादशाहोंको ओर रैयतवगेराको.नहीपडतीहे.क्युंकि-ईन सोदागरमहाजनांनने सबकी अकल-खराबकरदीहे-जीसकी वजहयहहे किहमारे राक्षसीपापकी,कीसीकोभी,खबर नहीपडी तोहमारा'राक्षसीपाप'खुबचलेगा;ओर जबकि हमारा राक्षसीपाप:खुबचलतारहेगा?तोहम:सातोंवलायतोंका धन अपने काबुमेकरलेंगे'किजीसतरहसे'हिंन्दुस्तांनका धन सबकी,अकल,फेरकेलेलीयाहे?उ सीतरहसे सातों आठोंवलायतोंका,धन,अपने कबजेमेकरलेंगे ईससबबसे:ईन:सो दागरमहाजनांनने-अपने-दीलमे सोचकर ईन्द्रजालका:पापचलायाहे:किजब,कुल; बादशाहोंका धन हमारेपासहोजावेगा,ओर.कीसीबादशाहकेपास ओर रैयतके. पास,धननहीहोगा,जब सब राजा बादशाह ओर रैयतवगेरा'हमारेहुकमकी'तांमी, लकरेंगे ओर जीसतरहसेकि:अब:राजा:बादशाह:राजकररहेहें उसीतरहसेहम अ पना-राजकरेंगे-ईसगर्जसे ईनबनीयोंने हिंन्दुस्तांनकेलोगोंकी.अकल.अपने!राक्ष-सीपापसे खराबकरके सातों'आठों'वलायतोंकामाल ओर धनको,अपने;कबजेमे कीयाचाहतेहें:किजीसतरहसे;हिंन्दुस्तांनका धन काबुमेकरलीयाहे-ईसीतरहसे-कु ल वलायतोंका धनभी-काबुमेकीयाचाहतेहें-ईससेमें तुमहिंन्दु मुसलमांन:ओर:अं ग्रेजवगेराको,ईन,सोदागरांनके राक्षसीपापसे बाकीफकरताहूं:सोआपलोगोंको:इ-न सोदागरांनका राक्षसीपाप-सबसंसार-हेतकरकेछोडाओ जबईन बनीयोंका,रा क्षसीपापदफेहोगा.परंन्तु.यहबातभी काबील खयालकरनेकेहे:किजोमेरे:जीतेजी-राजा बादशाहोंने ऐकदीलहोके'ईन'सोदागरांनके राक्षसीपापकोछोडाया जबतो मे-यकीनकरताहूं-किजरुर२छुटजावेगा नहीतोफीर तुमलोगोंसे.नहीछुटेगा?क्युंकि तुमकोईनके जालोंकी वकफीयतनहीहे,क्युंकिईन.सोदागरांनके जाल बेशुमारहें. ओर,मुझकोतो.ईनसोदागरांनके जालकी ईसवजहसे!खबरहे?किमुझकोईनहोंने?अ

पने राक्षसीपापसे दुखीकीयाहे;ईससेखबरहे;क्युंकिमुझको तमांमजहांनकी ओला
दोंको:अपनेहाथसे:ओर संसारकीमददसे ईनसोदागरांनके,राक्षसीपापसे,बचानाहे
ओर मुझको ईनसोदागरांनने!जादुकेजोरसे!बहुततकलीफदीहे जीससेकुल ईन्द्र,
जालीजाल'मालुमहुवाहे'किजीसकदर यहबनीये दरीयावोंके:टापुपर:अलोपपाप-
करारहेहें किजीससे दीन२दुनीयामे;बुराहोताजाताहे;परंन्तु तुमलोगोंको यहबनी
ये-अपने-राक्षसीपापसे दुखनहीदेतेहें याने नहीकलपातेहें,ईससेतुमको,ईनका,राक्ष
सीपाप मालुमनहीहोताहे सोजबकि!तुमलोगोंको?यह सोदागरमहाजनांन समा.
सुख-नहीकलपावेंगे-तोतुमको मालुमनहीहोसक्ता ओर:यह:सोदागरलोग?आपलो
गोंको समासुख नहीकलपातेहें.आपलोगोंके.नांमका होमकरा२के गलातेहें;अगर
समासुख:कलपावें,तोईनकेजालकी संसारमे खबरपडजावे'जबतोईनका'जालकोन
चलनेदेवें ओर मुझकोतो:ईनहोंने;समासुखकलपायाहे जीससेमुझको मालुमहुवाहे
ईससे:मैं:आपलोगोंको ईन सोदागरांनकी चोरीसे-वाकीफकरताहूं-कितुम्हारेबाल
बचे ईनहोंकेजालसेबचें,सोतुम,सबसाहब,हेतकरके,ओर ऐकदीलहोके ईनहोंकेजा
लको.मेरेजीतेजी.दफेकराओगे जबतो दफेहोजावेगा!नहीतोबाद?मेरेमरनेके?फीर
तुमसे ईनसोदागरानका राक्षसीपाप.दफेनहीहोगा:ओर जोआपलोगोंने ईनहोंके
जालोंको-सचजांनके-ओर यकीनलाके बन्दोबस्तकीया तोमैं!कुलजाल!ईनसोदा-
गरांनका अपनेसांमने तुमलोगोंके,हाथसे,दफेकरादूंगा किजीसकदर पापईनहोंका
अलोपहोरहाहे:ओर:बादमरनेमेरेके जोबन्दोबस्त ईनसोदागरांनके.जादुकाकीया,
तोदफेनहीहोगा किसोदागरलोग-कीसीकदर-पापछोडदेंगे ओर?यहकहदेंगे?कि,
हमनेसब राक्षसीपाप छोडदीयाहे;जीसपर;आपलोग सचजांनके ईनसोदागरांनसे
बीलकुलनहीकहोगे-ओर-यह अपना मोकापाके.फीर,पुरा पापकरना.शरुकरदेंगे
ओर अपनेजालकी खबरकीसीको,बीलकुल,नहीपडनेदेंगे किजेसेअबतक कीसी
कोअपने;राक्षसीपापकी;खबर नहीपडनेदीहे ईसीतरहसेफीर'नहीपडनेदेंगे'तोफीर
यह सोदागरमहाजनांन तमांम,जहांनकेलोगोंको.गारतकरके अपना राजकरेंगे-
ईससेईनहोंके,राक्षसीपापको,छोडानाचाहीये क्युंकि मुझको:ईनहोंकी:चोरीमालुम;
हुइहे जीसकीवजह यहहे;किमुझको;समासुखकलपाया ओर दुखीकीया ईससेमा
लुम-हुवाहे-सोयहबातभी सोदागरांनकेखुलकीहे क्युंकिजो!सोदागरमहाजनांन-मु
झको अपने राक्षसीपापसे'खुलके;नहीसताते'तोकभी ईनकाजाल संसारकेलोगोंपर

जाहीरनहीहोता हालांकि मैं-सबसंसारके-भलेकेवास्ते अपनेउपर ईसःफकीरीकी हालतमे,वोझउठाके,वाकीफकरताहूं किसंसारकेलोग जलदी.मेरेकहनेपर.यकीन-लाकरके समझजावें ओरःमददेवेंःतोसोदागरांनके राक्षसीपापको दफेकरादूं-तो संसारकेलोगोंको.कीसीतरहका दुखनहीहोवेःबलकेःसतजगकीतरहसे सुखपावें?व फीर सतजगहोजावे किजेसा!रावणकेवक्तसे!पहीलेथा सोऐ संसारकेराजा-बाद शाह-ओर-रैयत?मेरेलीखनेपर गोरफरमाकर जलदी?बंन्दोवस्तकरो-तोपीछेसत्य जगहोजावे ओर सबकीउमरभी.पुरीहोनेलगे.क्युंकि परमेश्वनेतो उमरपुरीदीहै-परंन्तु'राक्षसीपापसे'कच्चीउमरमे मरजातेहैं सोमें?सोदागरांनका;राक्षसीपाप;छोडा नेकेलीये वाकीफकरताहूं ईससेयहःसोदागरमहाजनःअपने राक्षसीपापसे तुम?सं सारकेलोगोंकी-अकलको-केई२तोरसेफेरेंगे ओर जाल!जाहीर?नहोनेकेलीये?कुल काकुल तुम लोगोंकोसुझादेंगे.क्युंकिबनीयोंकेदीलमे,राक्षसीपापछोडनेका वीचार नहीहै!बलके?ईन सोदागरांनका जालपहलेभी कीसीराजा-बादशाहने-पकडाथा ओर दफेकरानाचाहाथा बलके'सोदागरांनका'जाल मालुमहोनेपर मंन्दीरवगेरा गीरवादीयेथे-परंन्तु-ईनसोदागरांनने उनराजा बादशाहोंकी.बुधीभ्रष्टकरके.राक्ष.सीपापसे भुलायाथा ओर-कुल?राक्षसीपाप-नहीछोडायाथा ओर बादऐकःदोषी ढीगुजरनेके,फीर,राक्षसीपाप अपना चलादीयाथा सोयहबात.दुनीयांमे.मशहुरहे सोजीस शखसने किईनहोंका!राक्षसीपापपकडाथा?सोउसीवक्त ईनके राक्षसीपा पकोछोडाके-बनीयोंको-मारदीयाजाता तोफीर राक्षसीपाप.नहीचलता?परंन्तु?गु पतीपापके करनेवालोंको गारतनहीकीया;जीससे;गुपतीपाप चलतारहाहे सोईस बातकीखबर?कुल?हिंन्दुस्तांनके महाजनांनकोहीहे परंन्तु-गुपतीपापके-करनेवालों को गारतनहीकीया जीससे'गुपतीपापचलतारहाहे'परंन्तु अपनेघरका राक्षसीपाप जाहीर;नहोनेकेलीये,पापकरनेवालों बनीयोंको नहीबतातेहैं'ओर'रावणकेजालको तो रावणके भाईःभत्रीक्षणनेःबतादीयाथाःजीससेःसनीश्वने सबसंसारको वाकीफ कीया-ओर-रावणकेजालको संसारकैहाथोंसे दफेकराया!ओर!फीर-नहीचलनेदी या परंन्तु सोदागरमहाजनांनने;अपनेकुलमे,आपुसमे ऐका ऐसाकररक्खाहेःकिः सोदागरांनके,कुलमेसे,ईसबातको दरीयाफतकरो तोअपने.पापकरनेका.भेदकीसी कोभी नहीदेतेहैं चाहेकेसाही-लालचदो-परंन्तु असलीभेद कभीनहीदेंगे?क्युंकिप हीले-कीसीबादशाहने-राक्षसीपाप करनेकेसबबसे सोदागरांनकोःअच्छीतरहसेःत;

कलीफेंदीथीं बलके जादुकरनेकी:वजहसेही:ईनबनीयेलोगोंके मंन्दीरतक गीरवा दीयेथे,जबभीसच;नहीबोलेथे सोअबकीसतरहसे सचबोलेंगे-बलके-जीयादा.ओर हजारोंतरहकी कसमेंखावें क्युंकिजीस.सुरतसेहोगा,अपने जालकरनेको छुपावेंगे ओर,पापकरना,नहीबतावेंगे क्युंकिईनके कुलमे यह!सलाहकीहुइहे!किजोजाल;क जाकार कीसीकेकहनेसे जाहीरहोजावे,ओर,राजा,बादशाह सखतीकरें या-मार देवें-तोकुछपरवाहकी-बातनहीहे परंन्तु असलीजालको!नहीबताना!क्योंकिअपनी ओलाद सलांमतरहेगी ओर,पापकाकरना.नहीछुटेगा तोतुमलोगोंके जांनकाबद ला-राक्षसीपापके-जादुसे तीनगुणालेलेवेंगे ओर अपना!राजकरेंगे!परंन्तु-पापके, करनेको हरगीज२अपने,कुलकेआदमीयों मतबताना.सोयह नहीबतावेंगे!परंन्तु-तुम,राजा;बादशाहोंको यहबात गोरकरके!समझनाचाहीये!किजबतक यहपापको नहीछोडें तोईनकी ओलादतकको,जींन्दामतरहनेदेना;ओर रावणकीतरहसे मअे ओलादके'गारतकरदेना'जबअपना राजरहेगा अगर.ईसतरहसेनहीकीया.तोकुल; बलायतोंको यह सोदागरलोग,गारतकरके.अपना राजकरेंगे ईससेतमांमजहांनके राजा,बादशाह,ओर,रैयत ईनहोंके राक्षसीपापका-करनाछोडाओ'ओर'बंन्दोबस्त करो तोमेरेजीतेजी ईनहोंका,पापकरनाछुटजावे.नहींतोफीर नहीछुटेगा क्युंकियह बनीये;दुनीयांदीखाईकेलीये:कीसीकदर:पापछोडदेवेंगे;ओर-कीसीकदर;नहीछोडेंगे परंन्तु तुमराजा बादशाह,कीसीकदर-पापकेछोडनेसे,यहजांनोगे किईनहोंने बीस कुल-पापकाकरना-छोडदीयाहे परंन्तु यह पीढी!दोपीढीगुजरनेकेबाद!संसारको-भुलाके फीरअपना राक्षसीपाप!चलादेंगे!क्युंकिसंसारके दीखानेकेवास्ते केईबार पापकोछोडचुकेहें.ओर.फीरसंसार भुलमेपडजानेकेबाद-चलारहेहें-उसीतरहसेअ; बभी करनाचाहतेहें ईससे.में,कुलसंसारकेलोगो-ईनहोंकेपुरांने ओर नयेजालसे. वाकीफकरहीदेताहूं-किजीसतरहसे सनीश्चने रावणके.राक्षसीपापसे.संसारकोबा, कीफकीयाथा तोतमांम जहांनकेलोगोंने-सनीश्चके-वाकीफकरनेसेही जलदीबंन्दो बस्तकरके,रावणके,राक्षसीपापको मअे रावणके कुलके,गारतकरदीयाथा,किजब सेफीर रावणके गुजरनेकेबाद;कुछदीनोंतक;राक्षसीपाप नहीचलाथा हांहरनाकुश बगेराने-अलबत्ता-राक्षसीपाप चलायाथा किजीसतरहसे.रावणने.चलायाथा;ले-कीन जीसतरहसेकि रावणका:राक्षसीपाप:दफेकरायागयाथा उसीतरहसे हरना कुशकेलालको!नरसिंघजीने!दुनीयांमे मशहुरकरके राजा-बादशाहोंसे-बंन्दोबस्त

करादीया सोयहबातें दुनीयांमे.मशहुरहें:परंन्तु.रावणका राक्षसीपाप कुल-सनी श्वकी-मालुमथा-जीससे.रावण अपने राक्षसीपापको,छुपानहीसका!सोअब!ईनसो दागरांनका राक्षसीपाप सनीश्वकीतरहसे.मुझको-मालुमहे सोमें तमांमजहांनके-हिंन्दु.मुसलमांन.अंग्रेजवगेराको ईनसोदागरांनके जालसे-वाकीफकरताहूं-किजी. सतरहसे रावणके ईन्द्रजालीपापको.सनीश्वकेकहनेसे.तमांम जहांनने ऐकदीलहो के-छोडायाथा-उसीतरहसेअब ईनसोदागरांनके जालको!तुम!तमांमजहांनकेलोग: ऐकदीलहोके मेरेकहनेसे छोडाओ-जबछुटेगा-ओर फीरनहीचलेगा ओर:जबकि यह.जमीनकांपतीहे.जब;जमीन राक्षसीपापसे फटजातीहे!जब!संसारके:छांनेछांने अलोप धनखेंचलेतेहें ओर:जोकिकदीमीधनथा:वोह ईनबनीयोंने अपने?राक्षसी पापसे!खेंच२के!कीसीटापुकेउपर जयेकररक्खाहे सोवोह?धनतो?दुनीयांसे-छांने: खेंच२के जमेकीयाहे सोधनकोतो;यह:बनीयेजांनतेहें;ओर दुसरीवलायतोंमे जब जमीनमाता?कांपतीहे?जब बहुतसेमकांन गीरजातेहें ओर-बहुतसी?जांनोंका-नुक सांनहोताहे ओर जब,जमीनफटजातीहे,जबलोग,परमेश्वकी कुदरत जाहीरकरतेहें ओर.यह.नहीसमझतेहें किजमीन राक्षसीपापसे फटतीहे-सोकीसीनेधन-कदीमी-खेंचाहे यहनहीजांनतेहें सोदेखोभाई:किवलायतें:चाहे लाखोंकोसों ओर-कीरोडों कोसोंमेक्युंनहूं?परंन्तु!राक्षसीपापके जादुसे जमीनकोफाडके!कदीमीधन!लेलेतेहें, किजीसतरहसे मंन्दीरोंको जादुकेजोरसे'उडादेतेहें'ओर उनहोंकी पुतलीयोंको-कहींसेकहींपर-बाहर-नीकालदेतेहें ईसीतरह वलायतोंकाधनभी.खेंचलेतेहें.सोयह: बातें मंन्दीरवगेराके उडानेकी-ओर-कहींकेमंन्दीरकी पुतलीकहींपर नीकालनेकी बातेंदुनीयांमे.मशहुरहें.परंन्तु दुनीयांकेलोग ईनबातोंको!परचा२जांनतेहें!ओर,क हतेहें सोऐ हिंन्दु,मुसलमांन,अंग्रेज मेरी'यह'अर्जहे किजीनहोंको तुम-सब-लोग परचा२कहतेहो-यह-परचानहींहे क्युंकियहतो राक्षसीपापकी.मायाहे.परंन्तु:दुनी: यांकेलोगो तुमको ईसजालकी,खबरनहींहे;ईससेपरचा२कहतेहो जीसकी खासव जह.यहहे.किईनसोदागरांनने अपने राक्षसीपापसे कुलजहांनकी-अकलखराबकर दीहे जीससेजमीनके कांपनेका:हाल:नहीजांनसक्तेहो परंन्तु यहबातभी:काबील: खयालकरनेकेहे!किवगेर!तकलीफ जमीनमाता हरगीज२नहीकांपसकतीहे.यह.उ-सीहालतमे कांपतीहे किजब,जमीनकेनांधका,पापकरातेहें परंन्तु सोचनेकीबातहे किजीसतरहसे.आदमीका.सरीरहे ईसीतरहसे जमीनमाताकाभी-सरीरहे-परंन्तु;

[२४]घंन्टा दीन रातमेःकोईघङी-पल.आदमीकेवास्ते ऐसीआतीहे किजोमारे दरदके-बुखारवगेरा-आजाताहे ओर कुछ नहीसुहाताहे;बलकेऐसा;मालुमहोताहे-किदमःअभीनीकलजावे क्युंकिजब'दरदकी'सखतीहोतीहे तोउसवक्तमे;तमांमसरीर कमजोरीके-सबबसे-कांपनेको लगजाताहे सोभाइमेरेहो.जीसतरहसे,अपनेसरीरमे दरद वगेराहोताहे उसीतरहसेःजमीनमाताकेभीःसरीरमे दरदहोताहे परंन्तु?जमी नमाताके!सरीरमे!दरदहोनेकीवजहसे नीहायतही खराबीयांहें'ओर'जमीनकेकांप, नेकी वजहयहहे कियहसोदागर,महाजनांन,जमीनमाताको जमीनमाताके नांमका पापकराकेःओरःजमीनकोफाङके धनखेंचलेतेहें जब?जमीनमाताके!सरीरमे-दरद होताहे ओर दरदकेसबबसेही,कांपतीहे,सोयह,सबसबब राक्षसीपापकाहे वगेर;रा क्षसीपापके-नतो-आदमीयोंको कोईबीमारीहे ओर नजमीनमाताको.कोईबीमारी-कीसीकीसमकीहे परंन्तु यहजीसकदर;बीमारीयांःदुनीयांमेहोतीहें ओर जमीनमा ताकोहें!यहसब!ईन्द्रजालकेपापसेहें क्युंकिईन बनीयोंने दुनीयांकेःभुलानेकेवास्ते; पहलेसे तरह२कीबातें नईतरहकीःचलादीहेंःकिजीससेकोई शखस हमारेजालको नापहचांनसके.मीसलन.जमीनमाता कांपतीतोहे राक्षसीपापसे-ओर-दुनीयांके;भु लानेकेवास्ते यह जाहीरकरदेतेहें'किपरमेस्वकी'कुदरतहे उसकेघरकी कोनजांन-वाहे-क्युंकिसंसारके-लोगकहतेहें किजमीनमाताकेनीचे ऐकबेलहेःओरःउसबेलके. सिंगकेउपर यह जमीनमाताहे,क्युंकिजबबेल,सिंगकोबदलके दुसरे सिंगकेउपरले वाहे-जीससेजमीनमाता?कांपतीहे ओर अलावाईसके?बहुतसेलोगोंको?ऐसामुझा दीयाहे जीससेवोह ऐसाकहतेहेंःकिजमीनमाताःवासगनागके सरकेउपर बीराजी हुईहें.परंन्तु.जबकिसरप अपने सरकोहीलाताहे तोउसके!सरहीलानेसे!जमीनकां पजातीहे ओर कोईसबबनहीहे.सोऐसी२बातें.ईनसोदागरांनने दुनीयांके भुलाने केवास्ते!पहीलेसे!चलादीहें किजमीनमाता बेलके सिंगकेउपरहे-ओर-कोईयहकह ताहे किसरपके सरकेउपरहे-ओर;कोईकहताहे-किमहादेवके लंगकेउपर बीछीहुई हे-ओर-जेसादुनीयांकेलोग कहतेहें ऐसाहीकीतावोंमे ईन.महाजनांनने.पहीलेसेही यहबातेंलीखदीहें ओर नांम-उनकीतावोंकेउपर-हिंदु मुसलमांनोंके बुजगोंके-ली खदीयहें!किजीससेईन!महाजनांनकानांम संसारमे जाहीरनहोवेःसोदेखोयहःखया लकरनेकी बातहे किजमीनमाताःकोनसाफुलहेःकिजोबेलके सिंगकेउपर यासरप के;सरकेउपर;खडीरहसके यावेउसकेःयहतोईन सोदागरांनके'घरका'राक्षसीपापहे

किजीससे अकल खराबकरदीहे-जीससे-जमीनमाताके सरीरकीही पहचांननहीहे परंन्तु-सोदागरांनके,कुलको ईसजमीनमाताके सरीरकीपहचांन;अच्छीतरहसेहे;कि जेसे रावणकेवक्तमे रावणके,कुलके,जमीनमाताके सरीरकीपहचांन जांनतेथे;ईसी तरहसेअब!सोदागरांनकी!कुलतो जमीनके सरीरकी;पहचांनजांनतीहे'ओर'संसा: रकीओलाद नहीजांनतीहे;जीसका,सबुतयहहे,किजीसतरहसे रावणने कीतावेंवगेरा चलाकर?ओर?बुधीभ्रष्टकरके जमीनकेसरीरकी पहचांन-भुलादीथी-ओर:रावण, की कुळजांनतीथी उसीतरहसे'सोदागरांनने'अब राक्षसीपापकी कीतावेंचलाकर सभोंकी,अकलोंको,खराबकरदीयाहे जीससे जमीनकेसरीरकी-पहचांन-संसारके, लोगोंको बीलकुलनहीहे सोसब,सबब.ईन्द्रजालकाहे,ओर जबकि ईन्द्रजाल-चल ताहे-जबहीसंसारकी-अकल खराबहोजातीहे ओर जबही.संसारमेरोग?तरह२के-होजातेहें नहीतो हरगीज२रोग:नहीहोसक्ताहे:सोयह राक्षसीपाप सोदागरांनका चलायाहुवाहे!ईससे!दुनीयां भुलीहुइफीरतीहे दुसराकोई.सबबनहीहे-क्युंकिजमी नमाता कीसीके सिंगकेउपर-नहीखडीहे-यहतोसीरफ अपने दमसेखडीहे:ओर. यहनोकहतेहें?किजमीनमाता?कीसचीजपर ठेरीहुइहे सोभाईयो?यहबात-कीसको मालुमहे किकीस चीजपरठेरीहे,मालीकको,खबरहे किजलकेउपर ठेरीहे?यामाली ककी-कुदरतसेटेरीहे-कोई जमीनकेबाहरजाके ओर!देखकर!थोडाहीआयाहे?ओर जमीनकेनीचे क्याकोईखड्डाहे ओर,ईनमहाजनांनने,जमीनमाताको जादुसे पाप, कराके.दुबलीकरदीहे.ईसवास्ते आपलोगोंको वाकीफकरताहुं?कि?जमीनमातातो अपने दमसेखडीहे किजीसतरहसे-आदमी-अपने;दमके सबबसे जमीनपरखडा: यावेठारहताहे!ईसीतरहसे!जमीनमाता अपने दमकेवसीलेसे!खडीहुइहे?किजीसत रहसे आदमी दमकेसबबसे-जमीनपर-खडा-यावेठाहुवाहे ओर जमीनमाताको-बेलके:सिंगकेउपर;वतातेहें ओर;कहतेहें वोह'बनीयोंके'राक्षसीपापसे:भुलकेकहतेहें क्युंकिईन बनीयोंने सबकीअकल:राक्षसीपापसे:खराबकरदीहे जीससे उनहोंको दुरस्त-ओर-सही-नहीमालुमहोताहे ओर खीलाफबातें!सच्चीमालुमहोतीहें!फीर;ऐ सी२बातें जालकी ईनसोदागरांनकी,हजारों;बलके कीरोडोंहें किजीनकीकुछ'गी ननीनहीहे.बलके.हजारहाबातें ईनसोदागरांनकी चलाईहुइहें:सोहम-तुम:सबससे सा रकेलोग देखरहेहें ओर;अपने;हाथोंसेकररहेहें;ओर अलाबाईसके केईकीतावें-ऐ: सी२जालकी-चलादीहें ओर नांम उनकीतावोंकेअंन्दर हिन्दु.मुसलमांनके.बुजर

गोंका अपना बचावकरके-लीखदीयाहे,सोईसगर्जसे-लीखदीयाहे किजब कभीह मारे.जालकी.खबरपडेगी तोकीतावोंकेदेखनेसे हमलोगोंपर?जाल?सावीतनहीहो सकेगा क्युंकिकीतावें संसारकेलोगोंके,नांमसेहें,ईससेराजा वादशाह संसारकेलो गोंकोही.पकडेंगे.ओर.हमबनीयेतो अलेहदाके अलेहदारहजावेंगे.परन्तु.ईनसोदा गरांनने ऐसी२बातेंजाली अपने:भलेकेवास्ते:ओर तमांमसंसारको गारतकरनेके वास्ते-चलादीहें-किजीसकेउपर दुनीयां अपने आपहीचलरहीहे;ओर,ईनलोगोंकी कीतावोंको दुनीयां अपनी,कीतावेंकरकेवेठीहे,सोभाईअव्वलही वात काबील;ख यालकरनेकेहे,कितमांम.जहांनकेलोग कीतावोंको बांच२के-खुशीहोतेहें-ओर:यह. कहतेहें किश्रीकृष्ण महाराजने,समुंन्द्रकोमथा?ओर वीलोयाथा परंन्तु-जीसवक्त किमथाथा-उसवक्त-वासगनागकी रसीवनाके समुन्द्रको.बीलोयाथा.जीसको-ज वांन मारवाड्मे नेतराकहतेहें'जीससे'श्रीकृष्णजी'महाराजने समुंन्द्रकोमथाथा सो यहबात.तमांमदुनीयांमे.आंमलोगकहतेहें सोयह वातभी?वनीयोंकेघरकी?चलाईहु इहे क्युंकि समुंन्द्रकाजल,श्रीकृष्णजी-महाराजने.नहीमथाथा क्युंकि श्रीकृष्णजी. महाराजभी:ऐक:ओतारोंमेसेथे हांश्रीकृष्णजीने ईश्वरपरमातमाकी-भगतीकीहे,जीस सेउनका नांमअमररहाहे ओर,ईनहोंनेभी.सनीश्वकीतरहसे संसारकेसाथ नेककां मकीयाहे,जीससे.श्रीकृष्णजीकानांम अवतकअमरहे वाकीजाल-ईनसोदागरांनका हे सोयहजाल सीर्फसंसारके-भुलानेकेलीये-चलादीयेहें किजीनहोंको सवसंसार केलोग-वीलकुल-नहीसमझतेहें सोसंसारकेलोगोंकी अकल.फेरनेकेलीये?राक्षसी-पापचलायाहे जीससेअकल खरावहोगइहे,ईससे,मुझगरीवके कहनेपर यकीननही लातेहो,परंन्तु,देखोकि जीसतरहसे श्रीकृष्णजी महाराज-ओतारहुयेहें;सोदेखोभा इ श्रीकृष्णजी महाराजके;तोरपर:तुम;सवहिंन्दु:मुसलमांन अंग्रेजवगेरा मनसाओ तारहीलोगहो-सोतुम;श्रीकृष्णजीको यहकहतेहो किउनहोंने'समुंन्द्रका'जलमथाथा सोउसीतरहसे अव तुमलोगभी;समुन्द्रकेजलको;क्युंनहीमथलेतेहो अगर समुंन्द्रका जल;तुमलोगोंसे;नहीमथाजाताहे तोश्रीकृष्णजी महाराज,क्याजलमथसक्तेथे.कि-जोतुमलोग वयांनकरतेहो यह:तारीफतो:सोदागरांनके जालकीहे क्युंकिसमुंन्द्र-कुलदेहीका-मटकाथोडाहीथा-किजीसको श्रीकृष्णजी महाराजने,मथलीया.क्युंकि समुंन्द्रकापांनी हजारोंकोसोंमे पडाहुवाहे;यह;नहीहोसक्ता किश्रीकृष्णजी महारा जने-समुंन्द्रकाजल-बीलोयाहोवे फीरसाफ२तुमलोगोंको खयालकरना?ओर:सम

झनाचाहीये कियह सोदागरांनके-घरकाजादुहे-सोऐसे२जादुके अंन्दर तमांमजहां नके!लोगोंकी!अकलफीरीहुइहे जीससेतुम सबको ऐसाहीसुझताहेःपरंन्तुःयहतो-खयालकरो किहय तुमसे,ऐक.तलावकाही,जल नहीबीलोयाजाताहे तोश्रीकृष्ण महाराजने'समुंन्द्रकाजल'कीसतरहसे बीलोयाहोगा क्युंकि;श्रीकृष्णजी;महाराजतो खुदहीओतारथे किजीसतरहसे हम,ओर?तुमसब,संसारकेलोगहें उसीतरहसे श्री कृष्णजी-महाराजथे-परंन्तु ईनबनीयोंने दुनीयांके भुलानेकेवास्तेःतरह२कीःकीता बें राक्षसीबेदकी हिंन्दुओंकेघरमे-हिंन्दुओंके-बुजर्गोंकेनांम लीखकर धरदीहें-ओर उसीतरह.मुसलमांनोंके.बुजर्गोंकेनांम लीखकेधरदीहें ओर!राजा!बादशाहोंकेघरों मे राजा बादशाहोंकेबुजर्गोंकेःनांमलीखकेःधरदीहेंःपरंन्तु यह सबजाल;ईनसोदा गरांनके;घरकाचलायाहुवाहेःसोईनहोंने अपने बचावकेवास्ते;यहकेसी;अकलमंन्दी कीहे किजबकोई राजा'बादशाह'ईनसोदागरांनके जालको दरीयाफतकरेगा तो हिंन्दुओंकेघरोंमे?जाली?कीतावें नीकलनेके सबबसे?हमाराजाल?कीसीतोरसेकोई नहीसमझेगा बलके कीतावोंकेदेखनेसे-हिंन्दु-मुसलमांनकोही ईन्द्रजालीया सम. झकरके!तरह२की!तकलीफेंदेंगे उसहालतमे ईनहीलोगोंके?बच्चेमारेजावेंगे?ओर-ह मारेबच्चे बचजावेंगे ईसबजहसे?ईनसोदागरांनने.हिंन्दु मुसलमांनोंकेघरोंमे अपने राक्षसीपापसे.अकलफेरके.जालकी कीतावें पकडादीहें-जीससे-तमांमलोगःहिंन्दुः स्तांनके आपुसमे लडतेचलेजातेहेंःईसीतरहसेःसोदागर महाजनांन दुसरी;बाद-शाहतोंके!लोगोंकोलाके!अपने राक्षसीपापसे अकलकोफेरके-ओर-आपुसमेःनारा जगीकराके गारतकरदेंगे ओर,जीसतरहसे,किहिंन्दुस्तांनके राजा बादशाहोंको. गारतकरके,धन,अपने,काबुमेकरलेंगे सोदेखोभाई कियहबनीयेःसातोंःआठोंबला: यतकेःलोगोंको;गारतकरनेकेलीये'अपने'राक्षसीपापको;करतेजातेहेंःओर-हजारोंको राक्षसीपापसे!गारतकीयेहें?परंन्तु बादशाहलोग ओर?तमांमजहांनकेलोग?ईनसो-दागरांनकेसाथ तरह२के सल्लुककररहेहें;जीसपर,यहलोग अपनेजालसे बाजःन हीआतेहें-क्युंकि-सोदागरांनको बादशाहने;साहकी पदवीदीहे!ओर!दुसरेतरह२के लाडरखतेहें ओर ईनबेईमांनोंका;चाहेकीतनाही;लाडरखें परंन्तु ईनकोतोअपनाही मतलबसुझताहेःओरःयहचाहतेहें किसातों आठोंबलायतोंको,गारतकरकेःहमारेओ लादका राज सबबलायतोंमेंःहोजावेःईनकोतोःयह लोभलगाहुवाहे ईससेयहलोग अपनी!बदमाशीसे!बाजनहीआते ओर अपना राक्षसीपाप-तमांमजहांनके-गारत

करनेकेलीये रात दीनकररहेहें;किजीसकेसबबसे;राजा बादशाहकेलडके मअे;रै यतके-ऐसेतंग-हालहोरहेहें किजोउनहोंको रोटी कपडाभी?नसीबनहीहोताहे?बल के साग तरकारीवगेरासे'याकंगा?कंगीवगेरा'बेच२के दीन गुजरांनीकरतेहें-सो यहहाल-कुछछुपाहुवानहीहे?बलके सबसाहब अपनी२आंखोंसे!देखरहेहें!किजेसे. हिंन्दुस्तांनकेलोगोंकी ओर मक्कावालोंकी-केफीयतहे-परंन्तु ईनसोदागरांनने राजा बादशाहोंकेउपर'ओर;रैयतकेउपर जराभी;खयालनहीकीया;किईनराजा;बादशाहों ने हमारेसाथमे ऐसे२सल्लुककीयेहें,किजीसके,अहसांनसे कयांमततक नहीछुटस क्तेहें-ओर-नाअहसांनकोहम अपनेदीलसे भुलसक्तेहें परंन्तु;उनअहसांनोंको;सोदा गरांनने भुलकरके उनसल्लुकके'अेवजमे?यह'नतीजा सबसंसारके लोगोंकेलीये जाहीरकीयाहे.जीससे.साठबसाल जादुकेसबबसे ईंनसोदागरांनके?संसारकेलोग गारतहोते चलेजातेहें सोऐभाइमेरेहो;ईनसोदागरांनको;सीवाये संसारके गारत, करनेके-ओर-कोईकांमनहीहे सोयह नेकीकरनेका फलहे!किअपनेसाथमे'जाहरा-वदीकररहेहें जीसपरभी हम;तुमलोग;ईनसोदागरांनकी खातरदारी कररहेहें;ओर ईनजालमोंके!जुलमको!सेहरहेहें जीसपरभी कोई साहब.ईनहोंकाजाल.दफेकरने. केलीये मददगार नहीहोतेहें,ताकिईनहोंकाजाल,दफेकरायाजावे सोईसबातकोभी तोकोईसाहब-नहीसोचतेहें-ओर अकल फीरनेकेसबबसे अपने२मतलबमे.लगेहुये हें-ओर यहनहीसमझतेहें किमतलबही,मतलबमे,ओर लालचही लालचमे;हिंन्दु. स्तांनको!ओर!मक्कावालोंको गारतकरदीयाहे तोईसीतरहसे-दुसरी-वलायतोंको-गारतकरदेंगे सोईसबातका बंन्दोबस्त;तमांमजहांनके;हिंन्दु मुसलमांन ओर.अंग्रे जवगेरा-ऐकदीलहोकरकरो-सोयहबात आपलोगोंको सही;ओर;दुरस्तजांननाचा हीये ओर जलदीईसजालके,दफेकरनेकेलीये,दीलसेकोशीश करनीचाहीये ताकि संसारका.भलाहोवे.ओर यहबाततो तुमलोग अच्छीतरहसेजांनतेहो!किजोशखस कीसीकेसाथ नेकीकरताहे तोउसनेकीके,अेवजमे,वोहशखस अपनी जांनदेनेको, तयारहोजाताहे.क्युंकि.फलांनेने हमारेसाथ नेकीकीहे परंन्तु-यहबनीये-ऐसेबदमा शहें किचाहेईन बनीयोंकेसाथमे;नेकीकरतेरहेहें;तोभीयह बनीये कुछअहसांन;नही मांनतेहें-सोमें-ईनबनीयोंकेसाथ संसारकी नेकीकरनेका-केईजगह;लीखचुकाहूं;कि जेसेनेकी ईनबनीयोंके साथमे'कुलराजा'बादशाह'ओर रैयतवगेरानेकीहे परंन्तु. ईनसोदागरांनने!उसनेकी!करनेका खयाल जराभीनहीकीया.बलके.ओर-नेकीके

अेवजमे तमांमजहांनकी अकल,अपने,राक्षसीपापसे केदकरके खराबकरदीहे'कि जीसका'दुरस्तकरना'मुशकील होरहाहे ओर ईसी'राक्षसीपापके'जादुसःकुलमाल अपने काबुमेकरलीयाहे ओर,ईसीसबबसे,ईनसोदागरांनकी दुकानें दुसरीवला. यतोंमे;वास्तेधन;काबुमेकरनेके गईहुइहें'सोवहांपरभी यहसोदागर;महाजनांन;ईसी तरहसेकरेंगे किजीसतरहसे हिन्दुस्तांनमेकीयाहे ईसीतरहसे दुसरीवलायतोंमेभी करेंगे-ईससेमें;ईनसोदागरांनके जालसे वाकीफकरताहूं ओरःकररहाहूंःक्युंकिकुल बनीये अपनी२दुकानें लेजाकरके,पापको,पापकेकरनेवालोंके शामीलहोके जीया दापाप-करायाचाहतेहें-क्युंकियह बनीयेऐसेहें किमीलेकेतोःमीलेरहतेहेंःओर;राजा वादशाहोंको आपुसमे लडाकेमारदेतेहें'ओर'धन-अपने काबुमेकरलेतेहें क्युंकि, हिंन्दुस्तांनका?धन?ईनबनीयोंने लोगोंकी अकलफेरके अपने-कवजेमेकरलीयाहे ओर दुसरीवलायतोंमे पहूंचभीगयेहें,सोसंसारके,लोगकहतेहें किसोदागर बनीये दुसरीवलायतोंमे-जातेरहतेहें-ओर धनको काबुमेकरकेलातेहेंःपरंन्तुःईनहोंने-केसी अकलमंन्दीकीहे किगरीबों अमीरोंसे,मीलेकेतो,मीलेरहतेहें ओर गरीबों,अमीरों को'आपुसमेलडाकर'मारदेतेहें ओर आपअलाहदाके अलाहदा'रहजातेहें'सोदेखो भाई किजीसतरहसे हिंन्दुस्तांनकाःधन?अपनेःकाबुमेकरलीयाहे ईसीतरहसे दुस रीवलायतोंका-धन-अपने काबुमेकरलेंगे सोयह बनीये.अपनीअकलसे.धनकातो धन काबुमेकरलेतेहें ओर;सबसंसारके-दीलमे;ओर संसारकी ओलादके-दीलमे; यह-महाजनलोग-मीठे,ओर प्यारेसुझतेहें ओर तमांमजहांनके!लोगोंको!ओर!रैय तवगेराको ओर उनहोंकीओलादोंको,अपने,राक्षसीपापके जादुसे गारतकरदेतेहें ओर!जोकिगारतकरनेसे!वाकीरहेहें उनकोअब गारतकरदेंगे-क्युंकियह-बनीये?सं सारकेनांमसे ओर जमीनमाताके.नांमसे.अलोपपाप करारहेहें जीसकीखबरःकी सी-राजा-वादशाहःओर रैयतवगेराको नहीहे ओर!अलावा?सके!ईसजालकी-स्व वर अभीतक अंग्रेजोंको,ओर,दुसरीवलायतके,लोगोंको बीलकुलनहीहे अगरचे-स्ववरहोवे.कियहबनीये.राजा वादशाहोंके वचे गारतकरनेकेलीये-पाप-अलोप;क रारहेहें जवतो संसारकेलोग;ओर-राजा;वादशाह ऐकदीलहोकर ईनसोदागरांन की-ओलादकोभी-गारतकरदेवें ओर फीर-हरगीज२ईहोंकेपापको?नहीचलनेदेवें- परंन्तु ईनबनीयोंनेतो सवकी-अकलोंको-अपने राक्षसीपापसे भ्रष्टकरदीहेंःकिजी ससेईन.बनीयोंका?राक्षसीजाल कीसीराजा वादशाहको-ओर-संसारकेलोगोंको

मालुम नहीहोनेदेतेहैं ओरःजोमें-ईनसोदागरांनकेःजालसे राजा बादशाहोंको;वा कीफकरताहूं!तोयह?सोदागरबच्चे अपने राक्षसीपापसे.उनकी.अकलोंकोफेरकरके उनहोंकेमुहसे ऐसी२बातें बुरी.ओर.बेजाकहलादेतेहैं किसाध-[अनोपदासने]-जोसंसारमे-बनीयोंके-जालको प्रघटकीयाहे ओर जाल२पुकारता.फीरताहे.सो-साधुको वहमहोगयाहे परंन्तु,राजा,बादशाह,यहखयाल नहीकरतेहैं कियहःफकी रहे.ओर.ईसको-रोटी-कपडेकी कुछभीपरवाहनहीहे ओर!नकीसीतरहका!लालच हे,ओर नईसकेओरतहे ओर;नबाल;बच्चेहैं;जीसकीवजहसे कुछफेल अपने;मतलब केलीये-करताहोगा-सोईनबातोंमेसे ऐकभी मुझमेनहीहेःसोईसबातको;सबही-हिंन्दु मुसलमांन जांनतेहैं कुछमेरे,लीखनेकीभी-जरुरतनहीहे,हांमुझको यह कांमकरना जरुरीबातहे!किजीससुरतसे!कुल जहांनकी ओलादको सुखप्राप्तहोवे.ओर,कीसी, कीसमकी बीमारीनहीहोवे ओर-कोईकच्चीऊमरमे-नहीमरें ओर पुरीऊमरपाकर; मरेंःईसवजहसेःयहबोझ जहांनकीओलादको राक्षसीपापसे-सुखप्राप्तहोनेकेलीये;अ पनेउपर;उठायाहेःसोखासवजह ईसकीयहहेःकियह राक्षसीपाप;सोदागर;महाजनां नका,चलायाहुवाहे ओर कहींदरीयावोंके,टापुकेउपर,होरहाहे ओर मुझको-ईन, सोदागरांनने,अपने,राक्षसीपापसे दुखीकीयाहे ईससेयहःजालःमालुमहोगयाहे?लेकीन जोकिजालको चलातेहैं,ओर,करतेहैं,वोह,काफीरगीनेजातेहैं ओर जोजाल कोपकडन्ताहे.वोह.जीवदांनदेनेके मुवाफीकहोताहे ओर?समझाजाताहे-सोआप-संसारकेलोगो समझो कितुम्हारे,बडे,बुढे,उसशखसको जोराक्षसबीद्याके जालको प्रघटकरे,तोउसको;केसासमझतेथे ओर अगलेलोगतो;कुत्तेकाभी;गुनमांनतेथे,ओर मैं,जोईन महाजनांनका जाल,संसारकोसुझारहाहूं,तोमुझको लोग पागल-ओर-खबतीकहतेहैं-अगलेलोगतो-जाल प्रघटकरनेवालेको जीवदांन.देनेवालेके,मुवाफी कःसमझतेथे सोऐसीबाततो मैंःअपनेःनीसबतःनहीकहलाताहूं किसंसार मुझको. परउपकारीकहो'यासमझो'ओर नाअपने कलमसेलीखताहूं-ओर-नामें;अपनेको;की सीलायक समझताहूं परंन्तु,मेरेको,ऐसी२बातेंभीतो मतकहो किसीरडी;ओर-पा गल,ओर,ईसकोवहमहोगयाहे सोसंसारकोतो कुछदोशनही-उनकोतो-राक्षसीपाप से,ऐसाही यहमहाजन सुझातेहैं;जब;संसारतोकहताहे सोजीसकाहाल बेदशास्त्रसे तमांमजहांनके;लोगोंको,मालुमहोसक्ताहे किराक्षसोंकी चोरी.पकडनेवालोंका.की तनाकुरवहे मैं;अपनीजबांनसे ईस;नाचीजबातको;अपने हेडकलरकसे क्यालीखाऊं

क्युंकिजीन शखसोंने राक्षसीपापकी:चोरीको:पकडके जाहीरकीयाहे ओर;फोजें मरीहें,जीनहोंकाहाल,कीतावोंमे लीखाहुवाहे किलंकापर-अठारापदम-फोज:रांम: चंन्द्रजीके जमानेमे रावणका'जाल छोडानेकेवास्ते'चढीथी जब रावणका-जाल-छोडायाथा.उसीतरहसे.ईनबनीयोंके राक्षसीपापका बंन्दोबस्त:करायाजावे:ओर: बाद बंन्दोबस्तहोनेके ईनबनीयोंका,जाल,दफेकीयाजावेगा ओर में-ईसजालको दफेकरानेकेलीये-सन-[१८८१]-से कोशीस कररहाहूं;सोजबसे,कोशीसकरते२ चंन्द रयासतें।कोतो समझाकरके,अपनेकबजेमे.करलीयाहे ओर बाकीफकरदीया हे,ईसीतरहसे-कुल-रयासतोंके लोगोंको बाकीफकीयाजावे:जबयह:कांमपारजावे, गा क्योकिईन सोदागरांनने;ऐसीअकल;खराबकीहे किसमझायेसेभी नहीसमझ-तेहें!बलके!ईनसोदागरांनकीसीही कहनेकोलगजातेहें किसरासर.बनीयोंके.परचे: जालीचलरहेहें उनको सच्चाजांनतेहें,ओर,कुदरत२बयांनकरतेहें ईससें में;अकसे। सकेसाथ-आपलोगोंकी-कमअकलीको ओर बनीयोंके.राक्षसीपापको.पहलसे-ली। खके जाहीरकरताहूं ताकिलोगोंको:ईसअपनी:कमअकलीपर खयालहोवे बलके; अपनी.अकलोंको.असलीहालतपरलाके ओर ईनसोदागरांनके-जालोंको-मुझसे-ओर मेरे हेडकलरकसेसमझके,ओर,यकीनलाकर,सबसंसारके राजा बादशाह,व रैयत-दीलसे-अपनी२ओलादोंको प्यारासमझके ईनबनीयोंके.जालोंको,दफेकरने केलीये बंन्दोबस्तकरो क्योंकियह;तमांमसंसारके;लोगोंकी हीम्मतसे ईनजांमको: पहूंचेगा.किजीसतरहसे.रावणकेवक्तमे सनीश्चके कहनेसे-कुल-संसारकेलोगोंने!क मर हीम्मतकीबांधी ओर-फोजेंवगेरा:तयारकरके-अपनी२ओलाद बचनेकेवास्ते; रावणवगेराके!जालको!दफेकीया किजीसका जीकर.अबतक.होताचला आरहाहे: फीर ईसीतरहसे ईनसोदागरांनके'राक्षसीपापको'दफेकरो ओर यहकीताब?कोई मजहबकेबारेमे-याग्यांनके-बारेमेनहीहे यहसीर्फ जहांनकी:ओलादको:बुरेजालसे-सुरक्षीत होनेकेबारेमे आपलोगोंको;हीदायतहे;किसाथगोरके ईसकीतावके मजमु नको?समझके?ओर अपनाफरजजांनके बन्दोबस्तकरो तोईन,सोदागरांनका,राक्ष सीपाप दफेहोजावे तोवहतरहे:क्युंकिईन:सोदागरांनका ईसतरहपरदीलहे किजी सतरहसे-हमने-हिंन्दुस्तांनकाधन काबुमेकरलीयाहे उसीतरहसे सातों-आठोंबाद शाहतोंका धन हमारेकाबुमेहोजावे;तोजीसतरहसे;कितमांमजहांनके राजा बादशाह राजकररहेहें.ओर.उनकाहुकम चलरहाहे ईसीतोरसेहम-अपनाराजकरें-ओर?अप

ना-हुकमचलावें ओर जोकिहिंन्दुस्तांनमे?ओर?दुसरीवलायतोंमे कदीमी धनथा वोह'ईनवनीयोंने'जादुकेजोरसे जमीनकोफाड्के खेंचलीयाहेःकिजीसतरहसे;मंन्दी रोंको जमीनफाड२के उडायाथा;ओर;मंन्दीरोंकीपुतलीयोंको कहींसे कहींउडाके बाहीर,नीकालतेथे,जीसकोदुनीयां परचा२कहतीहे परंन्तु!जादुसे!बाहीरनीकाल-नेकी खबरतो कीसीराजा,बादशाहको,यागरीव,गुरबाकोभी नहीपडीहे ओर-जो किखांनें-चांदी-सोनेकीथीं जीसकाहाल राजा बादशाहवगेरा?सबजांनतेहें?परंन्तु ईनसोदागरांनने अपने राक्षसीपापके'जादुसे'जमीनमाताको तरह२के रोगलगा; दीयेहें!ओर!जोकिअसलीधनथा उसकोछांने राक्षसीपापसे-खेंचलीयाहे-सोईसबा तकी खबर कीसीकोभीनहीहे,जीसकी,वजहयहहे किईनवनीयोंने अपने?राक्षसी पापकेजोरसे-सबकी-अकलोंको खराबकरदीयाहे जीससेभुलेहुये.ओर.बहकेहुयेहें ओर खांनोंकी तलाशनहीकरतेहें:किजमीनपरतो:हमेशांसे किजबसे रचनारचीहे जबसेसोने!चांदीकी!खांनेंवगेराहें सोवोहखांनें अबकहांगई-सोभाइमेरेहो-ईनसोदा गरांनने अपने राक्षसीपापसे'तमांमजहांनकेलोगोंकी'अकल ओर राजा:बादशा; होंकी-अकल-ऐसीखराबकरदीहे किजीससे खांनोंकीही.तलाशनहीकरतेहें,बलके, ऐसेभुलगयेहें किजोयह जांनतेहें?किचांदी-सोनेकीखांनें मोजुदहीनहीथीं सोभाई मेरेहो-सोने-चांदीकीखांनें मुलक२मे कदीमसेथीं परंन्तु.बल.राजाकेबादसे-जोईन सोदागरांनने जमीनमाताके नांमका'राक्षसीपाप'करानाशरुकीयाहे ओर करातेहें जीससे-जमीनमाताको-तरह२की बीमारीयांहोगइहें ईससेसोने.चांदीकीखांने.गल गइहें क्युंकिचांदी सोनेकीखांने;जोदुनीयांमेकहतेहें;वोह जमीनमाताके सरीरकी; चरबीथी.परंन्तु.बल-राजाकेबादसे ईन सोदागरांनने-अपने!राक्षसीपापसे?काल-वगेराडालके ओर तरह२की'बीमारीयांकरके'जमीनको बहुत तकलीफेंदेरक्खीहे जीससे-जमीनमाताकी-चरबीगलगइहे सोखयाल करनेकीबातहे;किजब;दरखतही जातारहा तोफलकहांसेलगेगा क्युंकि.सोदागरांनके.राक्षसीपापसे ओर ईनहोंके जादुकीवजहसे'जमीनमाताके'सरीरकी चरबी गलगइहे;किजीसको;फीजमांना;चां दी,सोनेकी खांनेबोलताहे फीर,गलजानेकी,वजहसे मालुमनहीहोताहे ओर:टुटा हुनाधनथा!उसको!कालवगेरा पडके काबुमेकरलीयाहे:सोखयालकरनेकी:बा तहे:किजब खांनेंही मोजुदनहींहें:तोराजा:बादशाहकेपास ओर रैयतकेपास–धन कहांसेआवे,अगर,यहसोदागरबचे जमीनकेनांमका राक्षसीपाप-करनाछोड्देवें-तो

फीर बदस्तुरखांनें चांदी,सोनेकी;मुलको२मे;होजावें क्योंकिजब आदमीबीमारहो वे-ओर,तरह२की,तकलीफें सहतारहाहोवे ओर खानावगेरा-हजमनहीहोताहे-ब-शीकलसे बदशीकल होजाताहे,परंन्तु,जबकि,उनको आरांमहोजाताहे ओर;कोई तकलीफ'कीसीकीसमकी'उसको नहीरहतीहे जबखाना;अच्छीतरहसेखाताहे,ओर ईश्वकीकृपासे उसकाखाना अच्छीतरहसे.हजम:होजाताहे ओर खानाहजमहोनेके सबबसे;उसकेसरीरमे;ताकतआतीजातीहे वेसाहीभला चंगाहोताजाताहे,उसीतरह पर उसकेसरीरमे गोस्त,ओर.चरबीवगेरा,बढतीजातीहे उसीतरहसे उसमेताकत आतीजातीहे:परंन्तु:सरीरमे जबकि अच्छीतरहसे. ताकतआजातीहे-तोमोटा-ताजा होजाताहे तोफीर वहीशखस'अपनेकांमको'बदस्तुरकरताहे चुंकि जमीनमातामी सोदागरांनके,राक्षसीपापकी,वजहसे बीमारीयां पारहीहे!ईससेउसके!सरीरकी-च रबीगलगइहे जीससेअब कोईचीज,जमीनपरनहीहोतीहे,अगरचे जमीनके नांमका पापकरना-छोडदेवें-तोजमीनमाता असली हालतपरआजावे.ओर.कुलचीजें;जमी नपर बहुतअच्छीतरह पेदाहोनेलगें:परंन्तु:राक्षसीपापका दफेहोना तमांमजहांनके हिंन्दु!मुसलमांन!ओर:अंग्रेजवगेराके ऐकदीलहोनेसे होसक्ताहे.ईससेसब.साहवों, को ईनसोदागरांनके जालोंसे,वाकीफकीयाजाताहे,किजलद वाकीफहोकर ईनहों के;पापोंकोछोडावें-जबछुटेगा-क्योंकि ईन सोदागरांनने.पहीलेभी.राक्षसीपाप-च लाकरके तमांमजहांनके लोगोंकी-अकल-खराबकरदीथी परंन्तु जबकि:बादशाह को.ईनकेजालोंकी.खबरपडी तोउनहोंने ईनसोदागरांनसे-राक्षसीपाप-छोडानेकी कोशीशकरके'छोडाया परंन्तु;ईनसोदागरांनने;कीसीकदरतो पापकोछोडदीया;ओर कीसीकदर नहीछोडा परंन्तु;राजा;बादशाहके;सांमनेजाके ओर कसमें'गाये'ओर मुवरकी,खाकरकहा,किहमने कुलपापका करनाछोडदीया ईससेउन;राजा;बादशा हों ने अपनेदीलमे यहजांना:किसोदागरांन?ऐसीबुरी:कसमखातेहें सोवाकेई कुल पापको-छोडदीया-ईसवजहसे सोदागरांनको फीर:तकलीफनहीदी:अगरचे-उन; हों कोयह मालुमहोजाता कियह,सोदागरबचे.झुठीकसमखातेहें ओर कुलपापनही छोडाहे!तोउसीवक्त!ईनसोदागर बचोंके कुलकोही गारतकरदेते,किजीसतरहसे-रावणके कुलको गारतकरदीयाथा'परंन्तु'सोदागरांनके आधापाप नहीछोडनेकी खबर.राजा.बादशाहको ईससेनहीपडीथी किईन सोदागरांनने-अपने-राक्षसीपा पके;जादुसे अकलको केदकरदीयाथा,ईससेवोह,राजा बादशाह ऐसेहीजांनतेथे:

किकुलपापका-करना-छोडदीयाहे क्युंकिधर्मकी कसमेंखाईथीं:परंन्तु!ईनसोदागरां ननें'पीढी दोपीढीतकतो पापनहीकराया,ओर,बाद-दो तीनपीढीगुजरनेके फीर वही.राक्षसीपाप,जमीनकेनांमसे ओर आदमीयोंकेनांमसे-कराना-शरुकरदीयाहे-जबसे अबतककरारहेहें अगरचे,राजा,बादशाहको यहखबरहोती कियह;राक्षसी पाप!शरुकरदेंगे!ओर'हमारेबाल बच्चोंको बादहमारेमरनेके'फीरयह.बनीये.अपने; राक्षसीपापको चलाके संसारको:गारतकरदेंगे.ओर हमारीबादशाहीको डबोदेंगे जबतोईन;सोदागरांनको.ईनकी ओलादसमेत जबहीगारतकरदेते-किजोईन-सोदा गरांनके कुळमेपांनीदेवा ओर,नांमलेवातक,नहीरहता परंन्तु ईनसोदागरबच्चोंको ऐसानहीजांनतेथे,परंन्तु.ईनकेजालोंसे आपलोगोंको वाकीफकरताहूं:सोआपलो-गोंको वाकीफकरताहूं सोआपलोगोंको;ईनकी,कसमोंका ऐतबार बीलकुलनहीक रनाचाहीये,क्युंकियह,झुठीकसमेंखाके बचजातेहें ओर-फीरअपना-पापचलाके;सं सारको गारतकरतेहें ईससेईनहोंकी:कसमकाभरोसा:नहीकरनाचाहीये ओर मेरे सांमनेईनहोंका-राक्षसीपाप:छोडानाचाहीये क्युंकि ईनहोंके;राक्षसीपापकी,मुझको खबरहे अगरचे तुम्हारेसांमनेझुठबोलेंगे,तोभें,ईनकाझुठ नहीचलनेदूंगा जबतोयह राक्षसीपाप छुटजावेगा ओर;फीरनहीचलेगा;ओर;मेरेमरनेकेबाद छुडानेका बंन्दो बस्तकरोगे,तोफीरतुमसे,नहीछुटेगा क्युंकियह अपनेधर्मकी;कसमेंखाके;बचजावेंगे किजेसे पहीलेबचगयेथे उसीतरहसे,फीरकरेंगे;क्योंकिईनहोंने अपने राक्षसीपाप से'सबकीअकलोंको'खराबकरदीयाहे जीससेकुछ मालुमनहीहोताहे:परंन्तु:खयाल नहीकरते किजमीनतो वोहकीवहीहे,ओर'खानें'चांदी सोनेकी ईसजमीनपरनहीहें वोहकहांगई,सोयहबात,ईससेईनहोंको नहीसुझतीहे किईन,सोदागरबच्चोंने.अपने-राक्षसीपापसे ऐसीअकल फेरदीहे,जीससेबनीयोंके,जालकीतरफ खयालही नही होताहे?क्योंकिईन?सोदागरांनकादील ईसतरहपरहे किकुलबलायतें-गारतहोजावें ओर थोडेरहजावें तोहमकुल,बलायतोंये,अपनाराजकरें ईससेयह अपना!राजक रनेकेलीये!राक्षसीपाप!चलायाहे ओर ईसीसेसबकी'अकलोंको'केदकीयाहे-सोजा हीरहोरहाहे परंन्तु बनीयोंके,जादुकीवजहसे,अकलोंपर पडदापडाहुवाहे जीससे ईनबातोंकीतरफ'कोईसाहब?खयाल नहीकरतेहें सोयहपरताप-जादुकाहे-क्योंकि; सोदागरांनने जादुकेजोरसे हिंन्दुस्तांनका?धनतो?अपने काबुमेकरलीयाहे ओर कीसीकदर-टुटाहुवाधन-वाकीरहाहे उसकोअब काबुमेकरलेंगे?सीवायेईसके?ओर

वलायतोंको अब गारतकीयाचाहतेहैं:जीससे:दुसरी वलायतकेलोगोंको हिंन्दुस्तां नके,धनकालोभ,देकेलातेहैं ओर यह सोदागरबच्चे-अपने-पापसे;उनहोंको:हरतर-हकी मददेतेहैं परंन्तु;दुसरीवलायतके;राजा;बादशाह यह खयालनहीकरतेहैं'कि जीसतरहसे,ईन,सोदागरांनने हिंन्दुस्तांनको नीरधनकरदीयाहे;उसीतरहसे;हमको नीरधन कीयाचाहतेहैं सोईन!बनीयोंका:मतलबयहहे किजीसतरहसे हिंन्दुस्तांनमे कीसीकेदरधन-रहगयाहे-उसीतरहसे दुसरी वलायतोंमेरक्खेंगे'ओर'जीसतरहसे-कियहबनीये अंग्रेजोंको रहेसहेधनका!लालचदेकेलायेहैं?ईसीतरहसे ओर वलाय तोंकोबावेंगे-ओर-जीसहीकमतकेसाथ हिंन्दुस्तांनके रहेसहेधनको;यह;बनीयेलोग रेलोंमे लाद२केले यह ओर'लीयेजातेहैं'ईसीतरहसे सबवलायतोंका धनकाबुमे, करलेंगे,ओर.जोटुटाहुवाधन बाकीरहेगा उसको सोदागरीसे:रेलोंमे:लाद२कर-लीयेजातेहैं क्योंकियह बनीये.ऐसेबेईमांनहैं:किजाहीरदारीमेतो अंग्रेजोंसेभी मीले हुयेहैं!ओर!दीलमे;कपटसेपेशआरहेहैं किजीसतरहसे अगले?जमांनेके?बादशाहोंसे मीलेकेतोमीलेथे ओर दीलमेकपटरखतेथे.उसीतरहसे.यहबनीये अबभी कररहेहैं किजोअग्रंजोसे!मीलेकेतो!मीलेहैं ओर दीलमेकपटरखतेहैं-जीसकीअंग्रेजोंकोभी;ख बरनहीहे सोदेखोभाई जबकि,सोदागरबच्चे,अंग्रेजोंकाधन अपने कबजेमेकरलेंगे, जबईसीतरहसे.तुमसातों.आठोंवलायतोंके राजा बादशाहोंको-धनकालोभ,ओर-मददेके अंग्रेजोंकी ओलादको;गारत;करनेकेलीयेलावेंगे परंन्तु जाहीरदारीमे;तु मसेभीमीलेरहेंगे!ओर!दीलमेकपटरक्खेंगे ओर अंग्रेजोंकीतरहसे:ओर:हिंन्दुस्तांन: कीतरहसे तुमकोभी नीरधनकरदेंगे,ईसीतरहसे;जबतुम्हाराभी धन काबुमेकरलेंगे ओर.नीरधनकरदेंगे.जब'ओर वलायतोंके राजा बादशाहसे-जामीलेंगे?ओर?उन कोभी नीरधनकरदेंगे क्युंकिउनकोभी'आपुसमें'लडाकेमारदेंगे जब ओर;वलायत वालोंको-हिंन्दुस्तांनके?धनका लोभदेकेलावेंगे ओर.उनकोभी.नीरधनकरदेंगे-ग र्जकि ईसीतरहसेसातों आठोंवलायतोंके,राजा,बादशाहोंको बनीये हिंन्दुस्तांनके, राजकरनेका,लोभदेके,ओर अपनेपाससे हरतरहकी मददेकेलावेंगे:ओर:सीवाये बनीयोंके ओर कीसीवलायतके:राजा:बादशाहकेपास धननहीरहेगा जबकियह: बनीये;अपना,राजकरेंगे-किजीसतरहसे अबतुम कुल वलायतोंके-राजा-बादशाह राजकररहेहो ईसीतरहसे यहसोदागर-बच्चेभी-राज-कुलवलायतोंमे कीयाचाहतेहैं क्युंकिइनहोंने'ईसीसबबसे'राक्षसीपाप चलायाहे ओर;ईसीपापसे;सबकीअकलोंको

केदकरके धनको अपनेकबजमे;करलीयाहे:ओर:जोबाकीहे उसकोअब काबुमेकर लेवेंगे-जीसकीखबर-कीसीकोभीनही ओर राजा.बादशाहोंकोभीनहीहे.किजीसके जालसे में बाकीफकरताहूं किजोतुम,सबलोग.ऐकदीलहोके ईनहोंके राक्षसीपाप को.छुडानेका.बन्दोबस्तकरोगे तोदफेहोजावेगा क्युंकियह,बनीये-ऐसेबदजातहें-किजीसतरहसे हिन्दुस्तांनको-आपुसमे-लडाकरके गारतकरदीयाहे.ईसीतरहसे,इ लबलायतोंको-आपुसमे-लडाकर गारतकरदेंगे ओर!यहबनीये!फरेबकरतेहें:किज बकीसी राजा बादशाहको-हिन्दुस्तांनमेलातेहें-तोपहीले उनकेबलायतोंका धन-काबुमेकरलेतेहें,ओर.ऐक दोपीढीके बाद उनकोभुकेःमरनेकेकाबीलकरदेतेहें:फीर उनसे यहबनीये फकीरीकेभेसमे;ओर;साहुकारीकेभेसमे मीलतेहें ओर:फीर:उन को!हिन्दुस्तांनकेधनका!लालचबताके ओर मददेकेलातेहें.क्युंकि.हिन्दुस्तांनका; धन ईनबनीयोंने अपने,राक्षसीपापसे:अपने.काबुमेकरलीयाहे ईससे ईनकेपास. धनबहुतहे-सोअपनेपाससे-मददेके लातेहें सोईनकी!गर्जयहहे!किजबहम-ईनको: अपनेपाससे मददेके लेचलेंगे?तोहमारेबच्चोंको-यहराजा बादशाह आरांमदेवेंगे ओर:हमारेकहनमेरहेंगे:सोबोहतो हकीकतमे ऐसाहीकरेंगे;क्युंकिबोहतो;मुकेमरतेहें ईससे राजकरेंगे ओर;ईनबनीयोंके:हुकमकी;तामीलकरेंगे क्युंकिउनकोतो ईनबनी योंने'राजकरायाहे'भलाबोह क्युंनहीबनीयोंका अहसांनमांनेंगे,बोहतो,जरुरमांनेंगे परंन्तु उनराजा बादशाहोंकी?अकल?ईनकेराक्षसीपापसे ऐसीखराबहोरहीहे कि जोअच्छे-बुरेकांमकीभी-तमीजनहीरहीहे सोयह सबब!राक्षसीपापकाहे:क्युंकिजो-हिन्दुस्तांनमेआतेहें बोह यहतो'खयालनहीकरते'किधनतो सबही बलायतोंमेथा, परंन्तु'हमारीबलायतका'धनकहांगया जोअबहम दुसरीबलायतमे:धनके,लालचसे जातेहें क्युंकिसनजगये सब;बलायतोंमे;सोने;चांदीकाठाट ओर:पाटथा ईससेगरीब गुरबा-जगकरलेतेथे-परंन्तु अबतोभले अमीर कबीरसेभी,जगनहीहोताहे:जीसकी बजहयहहे किईनबनीयोंने अपने,राक्षसीपापसे,सब बलायतोंके लोगोंकीअकल, खराबकरदीहे-जीससे-हिन्दुस्तांनमे आनेवाले यह.स्वयालनहीकरतेहें.किजब-सब बलायतोंमेधनथा तोहमारी बलायतका,धनकहांगया,ओर ऐसाराक्षसीपाप हमारे धनपर.कीसनेकीयाहे.जीसकीतो खबरनहीहे किहमाराधन?कीधरकोगयाहे!ओर कीसनेलेलीयाहे परंन्तु बनीयोंने'सबकीअकलोंको'ऐसीकेदकीहे किजो हिन्दुस्तां नमे-आनेवालोंको-ओर'उनकी रैयतबगेराको खबरतक?नहीपडनेदेतेहे.ओर.ना

फकीरोंवगेराको खबरपडनेदेतेहें ओर नयादरहनेदेतेहें सोहिंन्दुस्तांनमे आनेवा लोंकी बुधी ऐसीकेदकरदेतेहें,फीरअकल,खराबकीयेहुओंको देखतेहें किअब-ईन होंकी.अकल.नीहायतखराबहोगइहे जब हिंन्दुस्तांनमे लातेहें-ओर-हिंन्दुस्तांनका कुछधनबतादेतेहें ओर सबअपने:काबुमेरखतेहें:परंन्तु:उस बाकीधनको अपने;रा क्षसीपापसे?कीसीटापुपर!खेंचके जमेकरलेतेहें किजहांरात.दीन.राक्षसीपापकरा-तेहें;परंन्तु यह सोदागरमहाजनांन.अपनी२जबांनसे.संसारके लोगोंपर ऐसाजा हीर;कीयाकरतेहें किजबतक अंग्रेज,हिंन्दुस्तांनमे,नहीआयेथे जबतक यह-अंग्रेज अपनी;बलायतमे;बहुततंगहालसेथे ओर भुखेमरतेथे-ओर'यहबनीयेलोग'पहीलेसे संसारमे ऐसी२बात चलादेतेहें'जीससे'संसारमे'सुन२के बातकरतेहें किअंग्रेजवगेरा पहीले.अपनीबलायतमे.भुखेमरतेथे जीसकीवजह यहहे!किअंगेजोंकेपास?पैसा?न हीथा ईससेदुखीथे सोईसबातको:बनीयोंने:अपनीजबांनसे तमांमदुनीयांमे जाहीर कररक्खाहे-किजीससे-तमांमजहांनके लोगभी ऐसाही.जीकरकरतेहें.किअंग्रेजोंके पासधननहीथा ईससेयह अंग्रेज,अपनीबलायतमे,भुखेमरतेथे परंन्तु जबसे;हिंन्दु स्तांनमेआयेहें?जबसे!भुखेनहीमरतेहें क्युंकिजबसेही ईनकेपास-धनहुवाहे-सोयह: बात सोदागरांनके राक्षसीपापकीहे'किजीस'बलायतकेलोगोंको भुखेमरते करना मनजुरहोवे!तोयहबनीये!अपने राक्षसीपापसे करकेदीखादेतेहें-बलके-परमेश्वनेतो कीसीको दुखनहीदीयाहे बलके.इरतरहका.सुखदीयाहे परंन्तु यहबनीये.अपने. राक्षसीपापसे-धनकोखेंचलेतेहें-जबवोह बगेरधनके भुखेमरनेलगतेहें!ईससे!में-आ पलोगोंको ईन सोदागरांनके,राक्षसीपापसे.बाकीफकरताहूं किजोमुझको मालुम हुवाहे?वोहयहहे?किसतजगमे बीमारीकाहाल सुननेमे-नहीआताथा?क्युंकिकाल-वगेरा ओर डाइचालावगेरा'नहीहोतेथे'ओर'नजमीनको दुखथा परंन्तु?बल?रा जाकेवादसे.ईनसोदागरांनने.तरह२की बीमारीयां जमीनमाताको;ओर;आदमीयों वगेराकोकरदीहें ईससेदुनीयांमे बुरा.होरहाहे,परंन्तु,परमेश्वर कीसीकाबुरा नहीकर ताहे-सोयहबुराहोना-ओर कालवगेरापडना और चांदी;सोनेकीखांनोंका:गलजा ना सोदागरांनके राक्षसीपापसेहे,सोईनके,राक्षसीपापको छोडानाचाहीये ओर, ईनबनीयोंसे'यहभी'दरीयाफत करनाचाहीये किजोबनीये;यहकहतेहें;किअंग्रेजोंकी बलायतमे धननहीथा परंन्तु,जबसेकि,हिंन्दुस्तांनमेआयेहें जबसे ईनकेपास धन हुवाहे:वरना:ईनकेपास-धननहीथा सोखयाल करनेकीबातहे-किधनतो!सबही!ध

लायतोंमेया फीरयह बनीये,तुमअंग्रेजोंको,कीसतरहसे मुखेमरतेहुये बयांनकरतेहें ईससेमुझ;गरीबसाध-[अनोपदासकी] हाथजोड्के अर्जहे!किजबकुल!वलायतोंमे धनथा तोतुम्हारी वलायतकाधन;कहांगया;जीसकीतलाशकरो सोजीसके हालसे में-आपलोगोंको-वाकीफकरताहूं किकीसने तुम्हारीवलायतके.धनकेउपर,जादुकी याहे जीससेतुम्हारी वलायतमे,तुम्हाराकदीमी,धननहीरहा जीसकीतलाश तुम-अंग्रेजलोगो!मेरेकहनेसेकरो!क्युंकिपहीले जमांनेमेतो सब-वलायतोंकेअन्दर;चांदी सोनेकीखांनेंथीं जीससेधनका टोटानहीथा'क्युंकिचांदी'सोना खांनोंमेसे खोद२के नीकलवालेतेथे-ओर-उनकेबरतनवगेरा बनवालेतेथे ओर.जो२काम,जरुरतकेहोते तोउससोने चांदीकारुपीया ओर,मोहरें,तयारकरा२के खरचमेंलातेथे परंन्तु,जबसे कियहबनीये!जमीनमाताके!नांमका पापकरातेहें जबसेसाल-बसाल-कालबगेराडा लतेहें सोयहबनीये कालडाल२के:दुटाहुवाधन:दुनीयांका अपनेकाबुमे करतेजा: तेहें-जीससे-जमीनमाताके सरीरमे जोचांदी सोनेकीखांनेंथीं;वोह;जादुसेगलादीहें ओर गारतकरदीहें क्युंकि;सोदागरबच्चे:जमीनकोतरह२की बीमारीयांकरतेहें जी ससे?जमीनकेसरीरकी!चरबीगलगइहे परंन्तु दुटाहुवाधनतो:सबही:वलायतोंमेथा सोतुम्हारी बलायतकेधनपर क्याजादुहुवा;जोतुम्हारी;वलायतोंके घरोंमे कीसीके पासधननहीरहाहे-सोउसकी-तलाशकरो क्युंकिबगेर कीसीके.लेजायेहुयेतो?धन-नहीजासक्ता फीरकहांगया धन:कोईआदमी:थोडाहीहे किजोउठकर चलागया: वोहतोमीसाल.पत्थरकेहे.बगेरलेजानेके जानहीसक्ता जीसकी?तलाशकरो?क्युंकि बनीयोंने राक्षसीपापके जादुसे;सभोंकेधनको;काबुमेकरलीयाहे जीसकी तलाश. करो-तोतुमको-चोरीकरनेवालोंकी चोरीकाहाल आपसेआप.मालुमहोजावे,परंन्तु में ईनसोदागरांनके चोरीकाहाल;आपलोगोंको;जाहीरकरताहूं सोसीर्फ ईसगर्जसे करताहूं,किजोआपलोग,बंन्दोबस्तकरोगे तोआपके बाल:बच्चोंको:ईन?सोदागरांन के राक्षसीपापसे आरांममीले,क्युंकिईन,बनीयोंने,ऐसी अकलमंन्दीकीहे किजीस काहाल-में;केईजगह;आपलोगोंके समझनेकेलीये उपरलीखचुकाहूं,उससे,कुलहाल सोदागरांनका साफ२ जाहीरहोताहे,परंन्तु,अबईनहोंका ईरादाऐसाहे किजेसामेंने लीखाहे,किजब;अंग्रेजोंकेबच्चे होशीयारहूंगे;ओर समझेंगे;तोयहजांनेंगे;किईनसोदा गरांननेही हमारेबुजर्गोंको धनदीयाहे,ऐसाखयालकरके,वोह हमारे हुकममेरहेंगे ओर?हमारेकहनेकोमांनेंगे?ईससे ईनसोदागरांनने अपनी.अकलमंन्दीसे.तरह२की

बातें पहलेसेचलादीहैं चाहेधनदेवें-चाहेधननहीदेवें-परंन्तु अपनी ओलादकेभलेके वास्ते-ऐसी२बातें-पहलेसेचलादीहैं किजब अंग्रेजोंकेबच्चे.समझेंगे.ओर:उनकोमालु महोगा तोअंग्रेजोंकेबच्चे यहजानेंगे:किहमारे:बुजर्गोंको ईनहोंनेही धनदीयाहे,जब हमारेपासहुवाहे.जीससेहमारे.बुजर्ग ईनबनीयोंका हुकमउठातेहैं?तोअब?हमकोभी ईनकाहुकम उठानावाजीबहे ईससे,ईनहोंनेपहलेसे,मतलबकी बातेंचलादीहैं किजो हमारी!बातोंकोसुनेंगे?ओर उनकेउपरचलेंगे तोहमारेउपर-कीसीतरहका-नुकसांन नहीआवेगा परंन्तु ईनबनीयोंकी,अकलमंन्दीकेउपर,अंग्रेजोंके बच्चेभी गोरनहीक रते;ओर:अपने;मुलककी तलाशनहीकरते किहमारीवलायतमे:टुटाहुधाधनथा;वोह कहांगया किजीसकीहम तलाशभी;नहीकरतेहैं:परंन्तु ईनबनीयोंने अपने,राक्षसी पापसे-तमांमजहांनके-लोगोंकी अकलको ऐसीखराबकरदीहे.किजीससे.तमांम,ज हांनकेलोगोंको ऐसाही सुझताहे:किजीससे:अपनी वलायतके टुटेहुयेधनकीतलाश नहीकरतेहैं!ओर!ईनहोंकेहुकमको मांनतेहैं ओर यहबनीये-अपने-राक्षसीपापसे?ह मारेमुलकके धनको अपने'कबजेमेकरलेंगे,जीसकीतो खबरही नहीपडनेदेतेहैं;ओर जोकिचांदी,सोनेकीखांनेंथीं,उनकोतो ईनबनीयोंने पहीलेसेही:अपने;राक्षसीपापके जादुसे कुलराजा बादशाहोंको,भुलादीहैं.किजोयह,जांनतेहैं किखांनें जमीनपर-मोजुदहीनहीथीं-सोऐभाईयो-तुमको ईनसोदागरांनने अपने?राक्षसीपापके?जादुसे भुलारक्खाहे क्युंकि जमीनमाताको,ईनबनीयोंने,अपने राक्षसीपापसे बीमारकर दीयाहे,जीससेखांनें,चांदी;सोनेकी गलगइहें अलावाईसके:ईसीतरहसे;ईनबनीयोंने संसारके आदमीयोंको ओर:चोपायांन-ओर:पंकेरुआंनको अपने राक्षसीपापसे, बीमारडालके,कमउमरमे,मारदेतेहैं ओर कमउमरमेमारनेसे-ईनकायह,मतलबहे;कि संसार जलदथोडारहजावे ओर'हमारीओलाद'जीयादारहजावे तोहम अपना,रा जकरें-ईससे-में:तुमअंग्रेजों:ओर तमांमजहांनके रजवाडोंको,ईनसोदागरांनके,राक्ष सीपापसे वाकीफकरता फीरताहूं;परंन्तु;सोदागरबच्चे अपने राक्षसीपापसे,उन,रा जा!वादशाहोंकी!अकलको फेरकरके ऐसासुझातेहैं किवावाको-वहमहोगयाहे-खेर उसवहमकेकहनेका अपनेदीलमे कुछखयाल,नाकरके,ओर रंजनहीलाके दुनीयां का,भलाहोनेकेलीये,हाथाजोडीकरके समझाता फीरताहूं'तोवोह'समझनेवालेलोग मुझकोधकेदेतेहैं ओर कहींबुरा,भलाकहतेहैं,फीर में उनसखतीयोंको सहकरके;पी छली-हालातोंको-किजो;रावण ओर हरनाकुशने;ओर!कंसने!ओर'कारूंनबादशा

हने ईन सोदागरांनकीतरहसे:काफरीपाप:चलायाथा:किसनीश्वजीने ओर नरसिं घजीने-ओर-श्रीकृष्णजीने ओर गुरुनांनकने तमांमजहांनके.वचनेकेलीये?ईन?चा रों शखसोंकीचोरीको जाहीरकरके,दफेकरायाहे,यानहीकरायाहे जोनहीकरायाहे तोबोहकहो!जबतो!ईनबातोंकोसुनके सब अपनी२जबांनसे;यहकहनेको;लगजातेहें किहां ईनशखसोंनेतो चलायाथा?सोयहबात-सचहे?तोअब ईसीतरहसे यहसोदा गरानभी-करतेहोंगे-जीससे हमलोगोंकी अकल ऐसीखराब!होरहीहे!किजो,परमा तमाकी भगतीकरतेहें तोऐकाऐक,तबीयत,भगतीकरनेसे डांवाडोलहोजातीहे सो यहसबब-बेशक-सोदागरांनके राक्षसीपापकाहे किजोहमलोग.ईनकेपापोंको.परमे श्वकी कुदरतजांनतेथे परंन्तु;आपकेसमझानेसे;ओर आपकेचोडेकरनेसे मालुमहुवा कियह.परमेश्वकी.कुदरतनहीहे बलके सोदागरांनके-राक्षसीपापकी-कुदरतहे;कि-जीससे कमउमरमे संसारकेलोग,मरजातेहें,फीरईसका बंन्दोबस्तकरना ओर.हो नावाजीवहे.सोअेभाईयो,में,ईसीगर्जसे आपलोगोंको मुलको२मे'जा२के'सोदागरां नके पापसे वाकीफकरताहूं:कियहपाप;सबसंसारकी;मददसे दफेहोजावे तोसबको आरांममीले-ओर-कीतावकेसुनानेका ओर मेरेसमझानेका!ओर'हजारोंरुपीया-ख रचकरनेका यहीसबबहे वरना-मुझकोईसकदर-तकलीफउठानेसे क्याकांम परंन्तु संसारको.राक्षसीपापसे.गारतहोतेदेखा फीर पहाडोंकारहना?ओर?जंगलकीबुटी यों:ओर फल फुलकाखानाछोडके.ओर.आपलोगोंको वाकीफकरके ईनसोदाग रांनके!जालोंको!दफेकराना दीलसे वाजीवसमझा ओर-अपनेउपर-संसारकी;ओ लादको आरांमहासील होनेकेसबबसे'तकलीफउठाना'वहतरसमझा ओर खयाल कीया,किपहीलेथी,जीसशखसको काफीरीजालकी खबरपडीथी:उसने:अपना;फ रजजांनके ओर रोटीखाना,हरांमजांनके,छोडानेकी कोशीसकी जीनहोंकीबातें. दुनीयांमे-अबतकवदहें-ओर मेंभी चंन्दजगह किजहां२उन,लोगोंकेनांम.दरसाने सुनासीब समझेहें कीतावमेलीखदीयेहें,ओर,अबफीरभी आपलोगोंके समझनेके, लीये:उनकाहाल;लीखताहूं किजीनहोंने राक्षसीपाप-चलायाथा-ओर:छोडायाथा सोभाइमेरेहो किजीसतरहसे अबईन!सोदागरांनका!राक्षसीपाप चलरहाहे सोई; सीतरहसे.पहीले.रावणने-राक्षसीपाप चलायाथा ओर:संसारकेलोगोंकी:अकल-फेरदीथी परंन्तु रावणने;सनीश्वको;अपने;राक्षसीपापसे दुखीकीया जबसनीश्वको मालुमहुवा-कियहतो-राक्षसीपापहे ओर तमांमदुनीयां.ईसीराक्षसीपापमे.केदहोर-

हीहे फीर पापका!जाहीरकरना-ओर:संसारके-हाथोंसे उनकेपापको छोडानावा जीवहे,ईससे,सनीश्चजीने रावणके राक्षसीपापसे तमांमजहांनको;वाकीफकीया.ज व रावणके छोटेभाई भवीक्षणने,अपने;वडेभाई,रावणसे राक्षसीपाप बंन्दकरनेको कहा-किअव-सनीश्चको:तुम्हारा राक्षसीपाप मालुमहोगयाहे!ईसवजहसे!तुम्हारी. कीतावें संसारकेलोगोंको नहीपढनेदेताहे-ईससेअव संसारकेलोगोंकी अकलको जीयादा,खरावमतकरो,अगर सनीश्चकी अकलको:जीयादा:खराबकरोगे;तोसनी श्चः अपनी ओलादको मरवादेगा,क्युंकि,जमीनमाताकेउपर राजा वादशाह,रैयत समेतवहुतहें-ओर-अपनीओलाद वगेराकमहे सोजवकि?सनीश्च?जीयादातकलीफ पावेगा तोतकलीफ पानेकेसववसे:तुम्हारे:राक्षसीपापसे तमांमजहांनको वाकीफ करके.उनकेहाथोंसे.अपनीओलादको मरवादेगा क्युंकिसनीश्चको-तुम्हारे-राक्षसी पापकी कुलखवरहे ईससेईनहोंकी'जीयादाअकल'मतफेरो ईससे रावणने;अपने-भाई!भवीक्षणकेकहनेको!कवुलकरके सनीश्चकीडरसे लोगोंकी.अकलको.फेरना-छोडदीया ईससे रावणके-राक्षसीपापको:संसार-फोरनसमझनया जीससे सनीश्च ने'वहुतदुखनहीपाया'ओर अलावा भवीक्षणभी जीयादा;अकलखराव;नकरनेदेने कीवजहसे अपनानांम दुनीयांमे,सलांमतरखगया,परंन्तु यहवनीये ऐसेवेईमांनहें-किजो:मेंःगरीवों-अमीरोंको समझानेके वास्तेजाताहूं तोयह!राक्षसवीग्राके!पापसे ऐसामुझतेहें किवावाको सनीपातहोगयाहे;परंन्तु:मेंःईनवातोंपर खयाल नकरके फीर.उनहींलोगोंको.जीयादासमझाताहूं ओर उनहींसेवातें-करनेलगताहूं-तोयह-वनीयेलोग अपने राक्षसीपापसे,उनकीअकलको,फेरकरके ऐसी२वेजावातें उनसे मुझकोकहलातेहें-वलके-वोहलोग मुझकोधकेदेतेहें चुनाचे,मैं,लाचार-पीछे?वापीस चलाआताहूं तोमेरे वापीसआनेकेवाद,वोह,सभाकेलोग यहकहनेको लगजातेहें किवावाजीवडेहें'जोकहतेहें'सचकहतेहें परंन्तु कोईवातें;काविल;समझनेकेनहीहें— यहतोवेसेही वनीयोंके पीछेपडेहुयेहें?सोसभावाले?ओर मुलकोंकेराजा वादशाह ओर.रैयतवगेरा.नहीसमझतेहें किवावा हजारोंरुपीया!खरचकरके!ओर.राजाओं ओर;गरीवोंसे ओर अमीरोंसे,मददलेके,हमलोगोंको समझाताफीरताहे सोजरुर कोईनाकोई.वातऐसीहे.नहीतोयह शखस क्युंरुपीया-खरचकरे-ओर?अपनेउपर-तकलीफउठावे सोनहीसमझतेहें सोउनलोगोंके नासमझनेका यहीहे किउनहोंकी अकल-ईनसोदागरोंनेः अपने राक्षसीपापसे ऐसीफेरहीहे-जीससे-नहीसमझतेहें;

ओर ऐसाकहनेको लगजातेहैं,कियहबातःबाबा,बनीयोंके वास्तेनहीकहताहे ओर बनीयोंकानांमतो-बाबा-भुलानेकेवास्ते बताताहे परंन्तु.अंग्रेजोंके.नीसबतकहताहे क्युंकिअंग्रेजोंने हिंन्दुस्तांनको लेलीयाहेःओरःईनहोंनेही कुलधन हिंन्दुस्तांनका-अपने!कबजेमेकरलीयाहे!सोयहसबब संसारके लोगोंकीअकलकाहे-किजो-अंग्रेजों केउपर ईनबनीयोंके राक्षसीपापको.टालतेहैं.यहपाप करनेवाले सोदागरबच्चेहीहैं ओरःईनसोदागर.बच्चोंहीने हिंन्दुस्तांनकाधन अपने?राक्षसीपापसे?कबजेमेकरली याहे परंन्तु यहबनीये,अपनेपापको;जाहीर,नहीहोनेकेलीये लोगोंकेदीलमे कुछका कुछसुझातेहैं-जीससेवोह-लोगभी कुछका कुछकहनेको.लगजातेहैं.अगरचे;सभामे, बनीयेलोगभी बेठेहोवें तोबनीयेःसभावालोंकीःरायेसे कहनेकोलगजातेहैं किबरा, बर,यहजाल'अंग्रेजोंकेउपर'लीखाहे सोयहबात सचहे;ओर,हंमबनीयोंकी,बातनही क्युंकि अंग्रेजोंकेयहां राक्षसीपापहोताहे;सोऐभाइमेरे,यह राक्षसीपाप ईनसोदागरों नकेहोताहे!ओर!भुलानेकेवास्ते अंग्रेजोंकानांम लगातेहे-ओरःअपना-राक्षसीपाप; करके ओर अकलकोखराबकरके-खुशहोतेहैं?ओर?अपनेकुळमे जीकरकरतेहैं कि हमाराःराक्षसीपाप.जाहीरनहीहुवाहे क्युंकितमांम जहांनकेलोग'ईनकेबतानेसे'यह जांनतेहैं कियह राक्षसीपापनही,ओर;अंग्रेजोंका,राक्षसीपाप चलरहाहे सोऐभाई बनीयोतुम'संसारके'नांमसे राक्षसीपापःबाबत अकलफीरी;हुईरहनेके;ओर;अपना पापकीसीको नासमझनेदेनेके बलके,अंग्रेजोंका,पापसुझानेके करातेहो सोयह,हिं न्दुस्तांनके!बनीये!उनपापकरनेवालों बनीयोंकेपास खरच.वगेराभेजतेहैं.किजहांः पर चोरासीलाख कुंन्डीयां,राध-लहुकीबनाइहैं,वहांपर पापकरातेहैं सोदेखोभाई करातेतो;पापकोबनीये;ओर लोगोंकेदीलमे अंग्रेजोंकासुझावें'जीससे'संसारकेलोग अंग्रेजोंकेउपर मेरीकही बातकोःसमझतेहैं-परंन्तुःयहबनीये दुसरोंकेनांम सुझाके. आपभलेके!भलेरहजातेहैं!ओर जबकि बनीये मेरेदरशन-करनेको-मेरेपासआतेहैं तोमैं;उनसे दरीयाफत करताहूं,कितुम,सच२बोलो ओर भवीक्षणकीतरहसे सलां मतरहनाचाहो-तोराक्षसीपापके करनेको अपनेकुळमेसे.छोडाओ!परंन्तुःयहबनीये मेरेकहनेको कबमांनतेहैं बलकेःराक्षसीपाप,रातःदीनकराके लोगोंकी अकलको. खराबकररहेहैं!जीससे!संसारकेलोगोंको नहीसमझनेदेतेहैं-जीससेवोह!लोगयहकह तेहैं,किहमतो अंग्रेजोंकाही राक्षसीपापःजांनतेहैंःजबकि वोहयह कहचुकतेहैं,जबः फीर मैं उनहोंको ईनसोदागरांनके राक्षसीपापसे तमांमजहांनके लोगोंकोसमझा

ताहूं ओर-कहताहूं किजोतुम:अंग्रेजोंके:नीसबतकहतेहो सोखीलाफ बातहै'ओर जाल.बनीयोंका.चलायाहुवाहे क्युंकि अंग्रेजतो अबआयेहैं!ओर!ईनहोंको?थोडा ही;अरसाहुवाहे परंन्तु ईनबनीयोंका,पापतो,बलराजाके बादसेहुवाहे सोहोरहाहै परंन्तु;जबकि;अगलेजमांनेके राजा बादशाहने ईनसोदागरांनके:उपर:राक्षसीपाप दफेकरानेके सबबसे हमलाकीयाथा:ओर:कुल:राक्षसीपाप दफेकरानेकेलीये सौदागरांनसे!दरीयाफतकीयाथा?सोईनहोंने अपने राक्षसीपापको-नहीबतायाथा-जब:बादशाहने ईनलोगोंके मंन्दीरोंको,गीरवा२के,मंन्दीरोंकी पुतलीयोंको खंन्डन कीयाथा:जीसकासबुत:अबतकमोजुदहे सोऐहिंन्दु मुसलमांन?उसजमांनेमें'अंग्रेज. कहांआयेथे जोतुम अंग्रेजोंका,जालजांनतेहो-सोयहतो,अंग्रेजोंका जालनहीहे यह तो:ईनसोदागरांनका,जालहे,परंन्तु यह सोदागरमहाजनांन-तुमको-अपने;राक्षसी पापसे अंग्रेजोंकाजाल सुझातेहैं:सोअंग्रेजोंका:जालनहीहे क्युंकिवोह हिंन्दुस्तानका राजकररहेहैं.ओर;शेर.बकरीको ऐकघाठपांनी पीलारहेहैं?ईसीतरहसे?ईसकाभी-बंन्दोबस्तकरेंगे परंन्तु अभीईनहोंको;ईन,सोदागरांनके राक्षसीपापकी खबरनहीहे जीसवक्त-खबरपडी-फोरन मेरेकहनेपर यकीनलाके ईनसोदागरांनके,राक्षसीपा, पको दफेकराऐंगे फीरयह,बातभी,काबील,खयालकरनेकेहे किजोतुमलोग यह: कहतेहो.किअंग्रेज,धनको खेंचकेलेगयेहैं सोभाइमेरेहो'किअंग्रेजतो'रुपीयामेंसे;छेअ नीलेतेहैं सोछेअनीतो कदीमसेदेतेहैं:ओर;लेतेहैं:किजेसेपहीले ओर बादशाहलेतेथे उसीतरहसे-यह-अंग्रेजभीलेतेहैं परंन्तु यहबात काबील'खयालकरनेकेहैं'किअगले बादशाह छेअनीलेतेथे जबतोधनका'टोटानहीपडा'ओर अबकीसतरहसे पडागयाहे सोअंग्रेजलोग!छेअनीजोलेतेहैं!तोवोह छेअनी पीछे.हिंन्दुस्तांनी.अमीरसेलेकरके; ओर गरीबतक जोअंग्रेजीनोकरहैं,वोहलेलेतेहैं;तोवोहहीसाब पुरेकापुराहे ओर-धनतो,बहुतथा,कुछ:छेअनीवगेराके देनेसे धन थोडाहीटुटताहे:सोईसका:सबब. यहहे किअंग्रेजतो वहीछेअनीलेतेहैं,किजेसेपहीले,जमांनेके राजा बादशाहलेतेथे; परंन्तु,मैं,आपसाहबोंसे.दरीयाफतकरताहूं किपहीले हिंन्दुस्तांनके-गरीब-अमीरों केघरमे ईसकदरधनथा किजीसका,कुछ,शुमारनहीहोसक्ता सोवोहधन कहांगया सोवोहधन;अंग्रेजोंने;थोडाहीलेलीयाहे सोभाइमेरेहो ईनहोंनेतो'नहीलीयाहे'क्युंकि वोहतोसीर्फ छेअनीलेतेहैं किजोअगले:जमांनेके:राजा:बादशाहलेतेथे सोउस छे; अनीकेलेनेसे,धनकाटोटा,कीसीहालतमे नहीपडसक्ता वोहतो:सोदागरमहाजनोंने

अपने जादुकेजुलमसे खेंचलीयाहे?क्युंकिचांदी?सोनेकाठाट पाट कुलवलायतोंमेथा परंन्तु.वलराजाकेवादसे.सोने चांदीकाठाट ओर पाटनहीरहाहे-सोईन-वनीयोंने. अपने जादुकेजोरसे कालवगेराःडाल२के:दुटाहुवाधन जमीनकोफाड२के खेंच, लीयाहे-ओर-अलावाईसके जोलोगादीखाउ धनथा;उसकोईनहोंने;झुठाजालचला ओर लगाके संसारकेलोगोंके,पाससेलेलीयाहे,ओर बहुतसा कालडला२के;धन लेलीयाहे:सोयहवनीये:वलराजाके वादसे अपनाकरज!सात२पीढीयोंका!नीकाल नीकालके लेतेजातेहें ओर,जेसाकिपहीले,सोने,चांदीकाठाट ओर पाट,कुलवला यतोंमेथा'वेसाअवनहीहे'क्युंकिवलायतोंका धनभी ईनःवनीयोंने:जादुकेजोरसे-खें चलीयाहे जीसका सवुतयहहे;किजव;जमीनकांपतीहे;जव यहवनीये धनको;अपने राक्षसीपापके'जादुसे,खेंचलेतेहें ओर'लोगोंको कुछकाकुछ;सुझादेतेहें;परंन्तु,मुझको ईनवनीयोंने अपने राक्षसीपापसे,दुखीकीयाहे.जीससे ईनवनीयोंकी चोरीमालुम पडीहे;जीसकेहालसे-में-आपलोगोंको वाकीफकरताहूं किजीसतरहसे:पहीले:जमां नमे;लोगोंने पहाडसे पहाड,जादुकेजोरसे,लडादीयाथा ओर जमीनमाताको;फा डके'कहींके.मंन्दीरोंकी.पुतलीयोंको कहींपर नीकालाथा.सोईनबातोंको;सचमांन तेहें:परंन्तु अवजो में अपनेउपर,वीतीहुई,ओर,आंखोंसे देखीहुईबातको संसारमे जाहीरकरताहूं-तोलोगोंको-अच्छीतरहपर यकीन नहीहोताहे!किअवयह;वनीये-जादुकेजोरसे मंन्दीरोंको जमीनफाड२के:उडादेतेहें:ओर धनकोउडादेतेहें ओर; खेंचलेतेहें?परंन्तु?दुनीयांकेभुलानेके वास्ते यहकेसी-जालकीवात-चलादीहे-किज मीनमाता सिंग वदलनेकेसववसे-कांपतीहे-ओर जोकिधनको खेंचलेतेहें,उसके. दारेमे-यह-जाल-जाहीरकररहेहें किलक्षमीमे जांनपडजातीहे.किजवउसके-कुळमे कोईनहीरहताहे किजीसने मालजमेकरके:जमीनमे:दफनकीयाहे फीर लावारीस होनेकीवजहसे'उस'गडेहुयेधनमे जांनपडजातीहे सोधनके;सांप;वीछुवनजातेहें;सो ईसवातको तमांमदुनीयांमे जांनतेहें:किवाकेमे:ऐसाहीहोताहे परंन्तु यहसयालही नहीकरतेहें!किहमलोगोंको!ईनवनीयोंने अपने जादुकेजोरसे;ऐसाही;सुझारक्खाहे परंन्तु धनमे जांननहीपडसक्तीहे;सोखयाल;नहीकरते जीसकी वजहयहहे,किईन होंने,अपने-राक्षसीपापसे-सवकी अकलोंको फेरदीयाहे.जीससेसवको,ऐसाहीसुझ ताहे:परंन्तु यहजीवनीवातें दुनीयांमे,चलरहीहें-सोयहसव राक्षसीपापकी चलर हीहें,ओर;जवकियह वनीये!जमीनमाताको फाडतेहें-तोजमीनको दुखहोताहे.कि

जीसतरहसे अपने सरीरमे,चोटलगजातीहे,ओर,कहींकीहड्डी टुटजातीहे तोकीस कदरभारी.दरदहोताहे.किहरऐक कांमकरनेसे लाचारहोजाताहे?सोभाइमेरेहो?कि जीसतरहसे अपने सरीरकीहड्डी:टुटजातीहे:ओर:दरदहोजाताहे उसीतरहसे जमी नकेसरीरमे!दरदहोताहे!किजबयह बनीयेलोग जादुकेजोरसे'फाडतेहें'ओर:कीसी का जमेकीयाहुवाधन खेंचके,अपने,कबजेमेकरतेहें,जीसकेहालसे में आपलोगोंको बाकीफकरताहूं:सोआपलोग;बाकीफहोके ओर दीलीईरादा-तमांमलोगोंसेकरके?इ न;बनीयोंके राक्षसीपापको दफेकराओ:तोतमांम:जहांनको ईनबनीयोंके जादुसे, सुखमाप्तहोवे!क्युंकियह;बनीये;ऐसे बदजातहें किजीनशखसोंने-याउनके-बुजर्गोंने खेती बाडीकरके यानोकरी,चाकरीकरके,सेर,दोसेरधन यामण दोमणधन,यादस पंन्द्रासेर-जमेकरलेतेहें-जबवोह फीराकमेरहतेहें किईसधनको-जमीनमेगाडदूं.की सीवक्तमे बच्चोंके कांमआवेगा'परंन्तु'जमीनकेअंन्दर जीसवक्त उसधनकोगाडतेहें तोउनहोंका-दील!जादुसे कीसतरहका डांवाडोलकरातेहें किजोबयांन,नहीकीया जाता वोहयहहे किजोमें,ईसजगहपर,गाडूंगा,जबतोकोई शखस नीकाललेवेगा-ईससे'फलांनीजगह'गाडनादुरस्तहे ईसीतरहसे थोडेदीन;सोचा;वीचारीमे'लगजा तेहें:ओर बादसोचा वीचारीके,उसधनको,सुनासीव जगहजांनके ओर'बुधीफेरके गडवादेतेहें-जीससेयह-बेईमांन उसको कच्चीउमरमे!जादुसेमारदेतेहें!ओर;ऐसा-स म्मत बीमारकरतेहें किजबांन:जादुसे:बंन्दकरदेतेहें:किवोह शखस अपनेबालबच्चों को:धन-नहीवतासक्ताहे-ईससेउसकी नीती डांवाडोलरहतीहें.कियहबनीये.महाज न-उसको जादुसे यहसुझातेहें,कियहांगाडूं,याबहांगाडूं तोजीसजगह यहबनीये-चाहतेहें!उसजगह!जमीनमे गडवादेतेहें तोउन लोगोंकादील-मरते२दमतक-उस; गडेहुये मालमेहीरहताहे ओर;यहकहताहे;किजोमेरी जबांनखुलजावे तोअपने:बा ल'बच्चोंको:गडाहुवाधन:बतादूं परंन्तु उसकीजबांन!ऐसीसख्त;बंन्दहोजातीहे;कि जबांनसे कुछकहभी नहीसक्ता,फीरवोहधन,वहींपडा रहजाताहे किजहांगाडाथा क्युंकिउसकी.औलादकोतो.उसधनकी खबरनहीं किहमारे-बुजर्गोंकेपास-धनथा-किनहीथा ओर उसकीजबांन,बंन्दकरदी,फीरकीसतरहसे उसके घरवालोंको.मा लूमहोता;किधनथा;किनहीथा ओर'बनीयेलोगोंको खबररहतीहे,क्युंकि,जीसवक्त आदमीमरताहे जबयह बनीये-अपने:राक्षसीपापसे-उसकी जबांनको बंन्दकरदेतेहें ओर!कच्चीउमरमे!जादुसेमारदेतेहें ईसवजहसे बनीयोंको-मालुमहोताहे-सोजबकि

मरजाताहे ओर कीसीकोखबर,नहीरहतीहे,जबयह बनीये जादुकेजोरसे,कुलका कुछसुझाके-खेंचलेतेहें-सोऐसे२जाल हजारों कीरोडों.किजीसकाकुछ.में.अंन्दाज, नहीकरसक्ताहूं परंन्तु ईनबनीयोंका!असली!राक्षसीजादु यहीहे किजीसको'हिंन्दु स्तांनके!हिंन्दु!मुसलमांन-स्वर्ग नर्ककहतेहें ओर चोरासीलाख;कुंन्डीयां;राध;लहु की;बतातेहें सोयहबनीये जीसकदर,उनहोंकेनांमका,पापकरातेहें उसीकदर दुनी यांये-बुराहोजाताहे!सोबात दुनीयांमे नारगीबगेरा डालनेकीकहतेहें-ओर-कीता बोंमेभीलीखाहे सोयह बनीयोंकेघरका,राक्षसीजालहे,अलावे ईसके दुनीयांकेलोग ऐसाभीकहतेहें'किजींन्दातो'स्वर्गमे कोईनहीजाता सोभाइमेरेहो;जींन्दा;स्वर्गमेजावे जबतोईन बनीयोंकाजादु फोरन'जाहीरहोजावे'किदुनीयांके नांमकापाप आदमी करातेहें!ओर!जोकितमांमलोग स्वर्ग२कहतेहें सोयह स्वर्ग-जमीनमाताहीहे-किजो अंग्रेजोंकीवलायत ओर दुसरीवलायत;ईसजमीनके;उपरहें फीरयह जमीनहीस्वर्गहे ओर'कहींकुछनहीहे'ओर जोकिकीतावोंमेलीखाहे ओर!उनकीतावोंके,देखने,ओर सुननेवाले जोकहींका;कहींपर स्वर्गबतातेहें ओर-यकीनकरतेहें सोवोह,रावणकी तरहसे-ईनबनीयोंने जादुका!स्वर्गबनायाहे!सोउसकेउपर रात.दीन.दुनीयांकेनांम का,ओर जमीनमाताके नांमका,पापकरातेरहतेहें,जीसकी तारीफ तमांमजहांनके लोग,अपनी२जबांनसे-कररहेहें ओर यह नहीजांनतेहें,कियह;स्वर्गनहीहे;किजीस कोहम तमांमजहांनके लोग,बोलतेहें,क्युंकियह,रावणकी तरहसे बनीयोंका-राक्षसी पापहे-जीससेतमांम-जहांनकेलोगोंकी अकल फीरीहुइहे!ओर!स्वर्गतो;यह?जमीन माताहीहे क्युंकि रावणने,जोराक्षसीपाप,चलायाथा तोउसनेभी तमांमजहांनके?लो गोंकी.अकलफेरदीथी.किजोदुनीयां स्वर्गकोभुलगईथी ओर-रावणके-राक्षसीपाप कोही स्वर्ग जांनतीथी किजो;रावणकी-जींन्दगीमे;संसारका बुराहोताजाताथा ओर कीसीको-खबरनहीपडतीथी-परंन्तु सनीश्चने अपनेउपर.दुखपडतेही'रावणके?रा क्षसीपापको तमांमजहांनमे प्रघटकरदीया,जब,कुलसंसार सलांमतरहाहे ओर-उसी तरहसे!अबयह!बनीयेभी-राक्षसीपाप कररहेहें ओर-स्वर्गका.राजलेलीयाहे'ओर, लोगोंको स्वर्गभुलारक्खाहे सोयह,रावणकीतरहसे.बनीयोंके घरका राक्षसीपाप बलराजाके-बादसेचलरहाहे-जीसको मैं [-अनोपदास-] सनीश्चकीतरहसे.संसारको वाकीफकरताहूं ताकिसब लोगहेत-ईरादाकरके-ओर-ऐकदीलहोके ईन बनीयोंके राक्षसीपापको?दूरकरो!तोसंसारका भलाहोवे ओर-जीनलोगोंने-किरावंगके

राक्षसीपापको और हरनाकुशके-पापको:और-कंस राजाकेपापको और.कारूंन बादशाहके.पापको,अपनी हीकमतअमलीसे फोजेंतयारकरके:और:लडायांकरके-छोडायाथा और पापछोडानेके,सबबसे,ऊनकानांम इसदुनीयांमें अबतक'मशहुरहै फीरइन,बनीयोंके,राक्षसीपापसे तमांमजहांनकी ओलादको'आरांम'हासीलहोनेके सबबसे बाकीफकरताहूं कितुमको:राक्षसीपापके:जादुसे भुलारक्खाहै जबतुम,इन के'जालोंको-खीलाफजांनतेहो-परंन्तु यह खयालनहीकरते:किजीन२शखसोंने:रा क्षसबीग्राको पकडके और:तमांमदुनीयांको,उसकाफीरीजालसे बाकीफकरके छो डायाहै!और!पापकेकरनेवालोंको संसारकेहाथोंसे गारतकरायाहै-सोऊनका-गुन, और अहसांन तमांमजहांनके:राजा-बादशाह:और रैयतवगेरानेमांनाहे और'सुख प्राप्तहोनेके;सबबसे.संसारकेलोग अबतक ऊनभगतलोगोंके'शुकरगुजारहैं'किजी-नहोंने जमीनपररहकर काफीरोंके.जालोंसे.संसारकोबचायाहे अगर भगतलोगोंने संसारको!पहीले!नहीउभाराहोता तोसंसार जबहीगारतहोजाता-परंन्तु-इश्वरमा त्माने ऊनभगतोंको संसारके'उभारनेकेलीयेही'पेदाकीयाथा किजीसका जीकर-तमांमजहांनकेलोग;अपनी;जबांनसे करतेहैं किजोसनीश्वजी'और'नरसिंघजी'और श्रीकृष्णजी और गरुनांनकजीको:उसकरतारकरंन्ताने:पेदा नहीकीयाहोता तो. बेशक,रावण,और'हरनाकुशवगेरा अपने राक्षसीपापसे;गारतकरदेते;और-कुल-व लायतोंमें अपना राजकरते,परंन्तु,परमात्माजीने हम'तुमलोगोंके रहनेकेलीये,खुब पेदाकीया'किजोऊन'भगतलोगोंके तुफेलसे सलांमतरहे;जीससेअबतक;ऊनकेपुजा गुनको मांनरहेहैं सोमेरेभाइयो'जबकोईदुशमन'कीसीमुलककेउपर फोजलेके चढआ ताहै-जब-मुलककेमालीक और ऊनकीरैयतको दुशमनके.चढआनेकी!खबरनही. पडतीहै किजोबेखबर पडेहुयेहोतेहैं,जबदुशमनको-मुलक फतहकरना क्यमुशकी लहै;बलके-साथआसांनीके-फतह करसक्ताहै परंन्तु:उसवक्त:मुलकके.मालीकका-कुत्ता दुसरेमुलकके लोगोंकोदेखके,और,अपने,मुलकके मालीककोदेखके और:मा लीकके;नमकखायेहुयेका,हकजांनके इसकदर शोर व गुलमचाताहै-किजोसोतेहुये शखस फोरनजागजातेहैं तोवोह'कुत्ते'फोरन'अपनेमुलकका ईन्तजांमकराके दुशम नको;जेरकरालेतेहैं;और:उसकुत्तेके सबबसे अपनेमुलकको;बचालेतेहैं;तोबादफतह होजानेमुलकके मालीक उसमुलकका,उसकुत्तेका,कीतना गुनमांनतेहैं और:कहतेहैं किअगर,कुत्तोंने रातको,शोर व गुलनहीकीयाहोता-तोमुलकको हम:अपनेहाथोंसे

खोबैठते परंन्तु मुलककारहना-अपनेपास;कुत्तोंके-तुफेलसेहे किजोहमको सोतेसे जगाया?किजोहमने?अपनेमुलकको दुशमनके हाथोंसेबचालीया-इससेकुत्तेका-गुन मांनतेहें सोकुत्तेकागुन सीर्फ:मुलकरहजानेसे:मांनतेहें किजोलोग तमांमजहांनके; लोगोंको.राक्षसीपापसे-बचातेहें तोऊनहोंका गुनमानें?तोअचरजहीक्याहै!क्युंकि ऊनहोंनेतो संसारकी ओलादको;बचायाथा,जीसकाहाल दुनीयांमे मशहुरहै'परंन्तु यह.नहीमालुम.किइन,बनीयोंके राक्षसीपापसे तमांमजहांनके-लोगोंको-वाकीफक रताहूं तोभीनहीसुनतेहें और,नासमझतेहें,बलके,अकल फीरजानेकेसबबसे यह,सं सारके,राजा,बादशाह,और साध संत पागलकहतेहें-और-समझतेनहीहें-सोऐसी-अकल खराबकरदीहै सोमेरे;भाइयो;मुझको;तुमसेक्यालेनाहै सोतुम नहीसमझतेहो अगरचे,तुमनहीसमझोगे,और मुझको पागलजांनके;भरोसेमेरहोगे;जबतो'तुमलोग अपनी ओलादसमेत इनबनीयोंके.राक्षसीपापसे?गारतहोजाओगे और जोमेरेकह नेपर-यकीनलाके-समझोगे:तोतुम अपनी ओलादसमेत.सलांमतरहजाओगे.और, बाददफेहोने राक्षसीपापके कमउमरमें;नहीमरोगे,और;ऐश आरांमकरोगे और-जो कमउमरमें!मरजातेहें!और-पुरीउमर [१२५] बरसकी-नहीपातेहें?सोबनीयोंके?रा क्षसीपापसे मरजातेहें और,अगलेजमांनेमेंतो,उमरें,आदमीयोंकी और अनबोलोंकी और-झाड-बनासपतीकी बहुतकुछहोतीथी और दस२ [१००००] हजार!बरस की;उमरहोतीथी;परंन्तु,अब,इसजमांनेमेंतो,[१२५],बरसकी;पापसेकररक्खीहे:सो अबपुरी-[१२५]-बरसकीभी नहीहोनेदेतेहें और!कच्चीउमरमें!मारदेतेहें?सोयह-बेइमांन,अपनेकोल ईकरारसे,फीरगयेहें,क्युंकिपरमेश्वर कीसीको कच्चीउमरमें-नही मारताहे.यहबनीयोंके.राक्षसीपापका सबबहे जीससे-कमउमरमें-लोग-मरजातेहें, क्युंकिइश्वर कीसीको कच्चीउमरमें,नहीमारताहै;यहतो बनीयोंका राक्षसीपाप;चल रहाहै,जीससेकमउमरमें,लोग मरजातेहें और जोकिदुसरी;वलायतकेआतेहें;ऊनको यहबनीये अपने राक्षसीपापसे,अकल,फेरकेलातेहें जीसकी वजहयहहे?किजोदुदा हुवाधन-ऊनकी-वलायतोंमेहे उसको अपने राक्षसीपापसे.लीयाचाहतेहें.इससे'दु सरीवलायत वालोंको हिन्दुस्तांनके:राजका:लालचदेकेलातेहें और हिन्दु-मुसल मांनको.आपुसमें.लडाकेमारतेहें जीसकी खासवजह-इनबनीयोंने?यहसोचीहै?कि जब;सबलोग मुलक२के गारतहोजावेंगे,और-हम,सभोंसे जीयादारहजावेंगे जब हमअपना-राज-सबमुलकमें और सबवलायतोंमें अच्छीतरहसेकरेंगे.इससे.मै-तुम

लोगोंको इनबनीयोंके राक्षसीपापसे-बाकीफकरताहुंःसोतुमलोग बाकीफहोके इन बनीयोंके.राक्षसीपापको.छोडाओ क्युंकिअब तुमलोगोंने-नहीछोडाया-तोफीर.इ नकाजाल दफेहोनामुशकीलहे और,फीर,नहीछुटेगा क्युंकिबनीयेलोग अभीतो-थोडेहें-और-सातों-आठोंवलायतके लोग इनबनीयोंसे?जीयादाहें?सोअभीतो?छुट सक्ताहे और बनीयेलोग,जबके,जीयादारहजावेंगे,और सातों आठोंवलायतोंके; लोग.थोडेरहजावेंगे.तोइनका राक्षसीपाप कीसीसेभी-नहीछुटेगा-क्युंकियह'बनी ये,अपने राक्षसीपापसे सभोंकी,अकलोंको,खराबकरदेंगे और अपना,राजकरके सभोंको-यहबनीयेलोग-अपना नोकर और चाकर करकेरक्खेंगे.और.जबकि?इ नके राक्षसीपापसे लोगोंकीबुधी;खुब;भ्रष्टहोजावेगी;जब आपुसमें लडकरही'मर जावेंगे.तोऐक.गांवसेजाके दुसरागांव सो कोसकेउपरमीलेगा?शहरोंकेतो!बहुतही. छोटेगांव होजावेंगे और'गांव,बीलकुल'बरबादहोजावेंगे सोयहबात पहीलेसेःदुनी यांमें!मशहुरकरदीहें!पसदुनीयांमें कहतेहें सोमालुमनहीःकिकेसाफीसादःकरवाके-याकालपडाके मारदेंगे यामरी,हेजा,यालडाइसे बुधीभ्रष्टकरके गारतकरेंगे,सोतो इनकीयहीजानें'उसवक्तमें'यहबनीये अपना राजकरेंगे;सोयहबात,बाबतराजकरनेके और दीन२कलजगहोनेके बारेमे,हिन्दु,मुसलमांनोंकी कीतावोंमें लीखाहुवाहै,कि ऐसाजमांना-तंगआवेगा-किघासवगेरा तुलकरबीकेगा;और-धांनकेदांनेभी-गीनती से'बीकेंगे सोऐसी२बातें पहीलेसेही,इनबनीयोंने,चलादीहें किजोदुनीयां ऊनसे; सुन२के.कहतीहेःऔर.जोआगे अच्छेफकीरहुयेहें नांमऊनका!लगादीयाहै?किवोह लोग पहीलेसेकहगयेहें और:कीतावोंमें:लीखगयेहें सोउसजमांनेको हिन्दुओंमें?क लजग-और-मुसलमांनोंमें तेरहवीं चोदहवीं सदी-कीतावोंमें-कीसीःना कीसीने-प हीहोगी सोअगर लोगऐसे,नाजुक,जमांनेपरभी दीलसे;कोशीश और;खयाल;न हीकरोगे.ताअबभी.दीन२इससभी खराववक्त जादुसेःकरतेजावेंगे;क्युंकिजेसाःकि कीतावोंमें लीखाहै और,जोइनहोंकी,कीतावेंचलाइहुइहें,और ऊनमें जोलीखाहै; वेसाही;यहपापकराके;करतेजातेहें तोवेसाही होताजाताहै-और:वेसाही.होकेरहेगा और अलावाइसके बरसातःइसतरहसेहोगाःकिजेसे ओसपडताहै उसजमांनेमें-गी नवा-दांना!नाजकेबीकेंगे सोभाइमेरेहो यहजीतनीबातें.कलुकालमें.होनेकेनीसबत कीतावोंमें लीखीहुइहें वोहउसहालतमे,सचीहोंगी,किजीसहालतमें इनका;राक्षसी-पाप-दुकेनहीहोगा-अगरचे आज राक्षसीपापकाकरना सब.संसारकेलोग.ऐकदील

होके,छोडादेवें तोकलजगका नांमही,नहीहोवे,अगर दफेनहीहुवा तोयहबनीये;राक्ष सीपापसे;लीखीहुइबातोंको;दीखलादेंगे किजो हिंन्दु-मुसलमांनोंकी-कीतावोंके,अं न्दर लीखाहुवाहै इससे मै कहताहूं:कितुमलोग:ऐकदीलहोके इस राक्षसीपापको मेरेशांमीलहोके'और'मददेकेछोडाओ ताकिदुख नहीउठानापडेः वरनाःयहबनीये अपने राक्षसीपापसे केसे२दुखदेवेंगे,और,ऊनदुखोंकेमारे गारतहोजाओगे सोइन बनीयोंने-अपने-राक्षसीपापसे ऐसीअकल खराबकरीहे किजो.हिंन्दु.मुसलमांनके दीलमें ऐसाहीसुझताहै और,कीतावोंको?मांनतेहें,और कहनेको नहीमांनतेहें;सोइन बनीयोंने.यहकेसी.अकलमंन्दीकीहे किजीसकीतावमें तेरहवीं-चोदहवीं-सदीकाहा ल'लीखाहुवाहै और कलजगहोनेका;हाल;लीखाहुवाहै वोहकीतावें बनीयोंकेघर की-चलाइहुइहें:और-नांम ऊनकीतावोंकेअंन्दर हिंन्दु.मुसलमांनोंके.बुजर्गोंका-प हीलेसे छलकरके लीखदीयेहें,जीससेहिंन्दु,मुसलमांन दोनों ऊनकीतावोंपर'चल रहेहें,सोयह,अकलकासबबहै अगर ऊन कीतावोंपरःअमलनहीकरें;किजो;राक्षसी बेदकी कीतावेंहें और.ऊनकेअंन्दर.हिन्दु.मुसलमांनोंके नांमलीखेहुयेहें सोमेरेकह नेके-मोजीब-कुलसंसारकेलोग ऊनकीतावोंकोछोडके इनबनीयोंके.पापके.दफेकर नेकी कोशीशकरें तो मै उम्मेद,करताहूं,किजलद,लोगोंको इनबनीयोंके राक्षसी-पापसे-आरांम-हासीलहोवे और जीनकीतावोंको किहिंन्दु,मुसलमांन,अपनीजांन तेहें;और कहतेहें किपहीले'जोबात'कीतावोंकेअंन्दर'हमारे बुजर्गोंनेलीखदी वोह सबदुरस्तहै;सोयह;हिंन्दु मुसलमांनोंका खयालझुठाहै और!कुछबातनहीहै!अगरचे हिंन्दु मुसलमांनोंके बुजर्गोंको:ऐसाहीसुझताथाःतोऊनहोंने यहक्युं नहीलीखदीया कियह!तेरहवींसदीका!जमांना और कलुकालका जमांनाहोगा-वोह-बनीयोंके.रा क्षसीपापसेहोगा फीर आपलोगोंको'खयाल'करनाचाहीये कियह कुलजाल?बनी योंका?चलायाहुवाहै?अगरचे तुम हिंन्दु मुसलमांनके?बुजर्गोंने-पहीलेसे-कीतावें चलाइहोती तोतुम्हारेबुजर्ग जरुर,इनबनीयोंके,राक्षसीपापको कीतावोंके अंन्दर लीखदेते;किबनीये;राक्षसीपाप अपना चलावेंगे और;धनकोखेंचके;अपने;कबजेमें धरलेंगे और कालबगेराःडालकेःसंसारकेलोगोंकोःगारतकरदेंगे और इसतरहसे बारीशहोगी-किगीनतीसे-नाजकेदांने बीकेंगे सोऊनहोंने!कुछनहीलीखाहे!अगर-ऊनहोंकी बनाइहुइहोतीं तोवोह,अपनी,ओलादोंका खयालकरके जरुर२इन;बनी योंकेजालको!लीखदेते!इससे मै अर्जकरताहूं किआपलोगोंको?खुब?खयालकरना

चाहीये और अपनी-कीतावें-नाजांनकेःऔर सोदागरबच्चोंकी कीतावेंजांनकेःऔर मेरेलीखनेपर.गोरकरके.और अपनी२ओलादकीतरफ देखके!जलदीइसकांयकेःट फेहोनेकेलीये अमीर गरीबःऔर;अतीत-फकीर;और;राजा बादशाह सबेःरैयतके जगह२और,मुलको२में,इनसोदागरांनके राक्षसीपापका,दीलसे,जीकरकरो'और;अं ग्रेजोंको इनहोंकेजालोंसे वाकीफकरोःक्युंकिवोह.आज हिंन्दुस्तांनके मालीकहें-क्युंकिइनहोंके;समझनेसे;और मेरेकहनेसेःऔर अंग्रेजोंकी,और,राजा'वादशाहोंकी मददसे कुलजहांनकी ओलादको,आरांम-हासील,होसक्ताहै क्युंकि राक्षसीपाप. वहीचलातेहें-किजीसकेपास-कुल संसारका धनहोताहै!क्युंकिइसकांममें!खरच;जी यादाहोताहै अगरचे हिंन्दु,मुसलमांनकेःबुजर्गोंने,पहीलेसेबुरा जमांनाहोनेकी की तावें.चलाईहोती.तोवोहइनके राक्षसीपापकाकरना और-वनीयोंकी-चलाइहुइःकी तावें [ओतारचरीत्र] वगेराका.नांमलीखकर.जाहीरकरदेतेहें और जीनकीतावोंमें नांम-लीखेहुयेहें-वोहकीतावभी इनवनीयोंकी चलाइहुइहें!परंन्तु!वनीयोंने!अपने-अकलमंन्दीसे तुमहिंन्दु मुसलमांनकेःनांमःकीतावोंमें लीखदीयेहें सोवोह?नांम-इ सवजहसे;लीखदीयेहें;किजवकोइ राजा बादशाह कीतावोंकाहाल;दरीयाफतकरेंगे तोहमवनीयोंसे नहीकरेंगे तोहमारा,जाल,वदसतुर चलतारहैगा क्युंकिकीतावेंःहिंन्दु मुसलमांनके-बुजरगोंके-नांमकीहें इससे राजा बादशाह.हिंन्दु.मुसलमांनकोही?त गकरेंगे और'कीतावोंमें नांम,नीकलनेकेसबबसे,इन,हिंन्दु मुसलमांनकोही गारत करेंगे!इससेऐसे२जालकी?कीतावें बनीयोंनेबनाके हिंन्दु?मुसलमांनोंके?बुजरगोंके नांमसेचलादीहें और हिंन्दुःमुसलमांनकेःघरोंमेंदेदीहें जीससेहिंन्दु मुसलमांन;ऊन कीतावोंको.अपनीजांनतेहें.और जालकी पहचांन?नहीकरतेहें-सोयहसबब.अकल फीरनेकाहे किजो समझानेसेभी,नहीसमझतेहें,ओंर कीतावोंकेउपर चलतेहेंःसोयह वनीये,अपने,राक्षसीपापसे ऐसाहीसुझातेहें कियहकीतावें;हमारीहें,और,हमारेधर्म्म का;हाललीखाहुवाहै जीससेवोह कीतावोंके,लीखेहोनेके,मोजीब चलरहेहें और;इन वनीयोंने.पहीलेसे.हजारहावरसका हाललीखदीयाहै और-कीतावेंभी-तरह२के-जादुकी चलाके तुम्हारेबुजरगोंकाःनांमलीखदीयाहै;सोवोह कीतावें तुमहिंन्दुःमुस लमांनके,बुजरगोंकीनहींहें,यह रावणकीतरहसे इनवनीयोंने;राक्षसीपाप;चलानेकी गर्जसे बनाकेचलाइहें और,जीसतरहसे,कि,रावणने ऋषिश्वरोंको और,राजा,वा दशाहोंको-गारतकरनेकेलीये पकड़ादीथीं इसीतरहसे-इनवनीयोंनेभी;अपने!राक्ष

सीपापसे अकलफेरके राजा,बादशाहोंको,और,संसारको पकडादीहें किजबकोइ राजा,बादशाह.इनलागोंकेपास जालकी कीतावेंदेखेगा-तोयहजानेगा-किहिन्दु?मुसलमांन कीसीजगहपर जादुकररहेहें,जीससे,दीन२बुरावक्त आताजाताहै क्युंकि हिन्दु-मुसलमांन-अरससे काफरी;पापकरातेहें जीससे.इनहोंकेघरमें.राक्षसीवेदकी कीतावेंहें सोमेरेभाइयो किजोअगली,कीतावेंवेद,और,परांनकी और धर्म्म?पुन्य कीर्थी,और!हिन्दु,मुसलमांनके बुजरगोंकीर्थी;और नेकीमें-चलनेकीर्थी-सोमीसल रावणके गारतकरदीहें और,अपनेजालकी?कीतावें,रावणके मुवाफीक चलादीहें सोइसजालसे-हिन्दु-मुसलमांनके बच्चेमारेजावेंगे और;जोकिसोदागरबच्चे;पापकरा रहेहें वोहअलाहदाके अलाहदारहजावेंगे,और,अपनेपापसे तमांमजहांनके लोगोंको गारतकरदेंगे-और-अपना राजकरेंगे सोतुम वलायतकै,राजा,बादशाह;रैयतसमेत ऐकदीलहोके छोडाओ नहीतो,यहबनीये,अपने,राक्षसीपापसे सातों आठोंवलायतोंके.राजा,बादशाह,और रैयतवगेराके बाल बच्चोंको-इसजमीनकेउपर-जींन्दा, नहीरहनेदेंगे क्युंकिइनहोंको राजकरनेकी,हवीसहै,सोऐ सातों-आठों बादशाहतोंके राजा'बादशाह'अगर;टुटेहुयेधनका लालचदें तोतुम;उसटुटेहुये!धनलेनेके!त्रालचमें;मतआओ और वनीयोंकेपेसेको,हरांमजांनना,और जोकीतावें किवनीयोंकी-चलाइहुइहें-वोहकीतावें-इनबनीयोंके घरमेंभीहें सोऊनकीतावोंमेंभी?हिन्दु?मुसल.मांनकेनांम लीखेहुयेहें सोइनबनीयोंने,अपनेघरोंमें,हिन्दु मुसलमांनोंके नांमोंकी; कीतावें;इसगर्जसे;रखछोडाहै किजबकोइ दुसरीवलायतका-बादशाह-हिन्दुस्तांनमें आवेगा और कीतावोंकाहाल.दरीयाफतकरेगा,तोयहकीतावें जोहम बनीयोंके-घरोंमें-हिन्दु-मुसलमांनोंके बुजर्गोंकेनांमकीहें वोहबादशाहोंको:दीखलावेंगे-और-कहेंगे कियहकीतावें हमारेबुजर्गोंको:हिन्दु:मुसलमांनोंने पकडादीथीं इससेहमारे घरोंमेंथोजुदहें!परंन्तु!काफरीवीद्याका हालतो हमको:मालुमनहीहोताहै;सोयहबनीये'इसवजहसे इसकदर झुठबोलेंगे,किहमारा;राक्षसीपाप जाहीरनहीहोवे और'हिन्दु मुसलमांनके-नांम-मालुमहोवे और हमसचेके सचेबनेरहवें.इससेयह,बनीये;तरह२के-छल वरवक्त दरीयाफतकरने:दुसरीवलायतके.बादशाहके सांमनेकरेंगे और. अपनाजाल!सावीत!नहीहोनेदेंगे और'अपना राक्षसीपाप.करतेरहेंगे.और.हिन्दु-मुसलमांन आपुसमें गारतहोजावेंगे,क्युंकिबनीयोंके,राक्षसीपापसे सबकी बुधी. खराबहोरहीहै-इससेबनीयोंका-छल जाहीर नहीहोसक्ताहै.इससे-में-आपलोगोंके

बंधेबचनेके सबबसे तमांमजहांनकोःइसःराक्षसीपापके छोडानेकीगर्जसे वाकीफ करताहूं-सोसब-संसारकेलोग ऐकदीलहोके इनबनीयोंके-राक्षसीपापको.छोडाओ जबतुमको आरांममीलेगा और'जोकिचांदी'सोनेकीखांनेंथीं बोहगलगईहें सोजब कि.राक्षसीपाप.दफेहोजावेगा जबकुल वलायतोंमें चांदी!सोनेकीखांनें!बोलतेहोः बोह जमीनकेसरीरकी चरबीहै,जीसकी,तारीफयहहै,किजो जमीनके सरीरमें;कं चनहै'बोहतोसोनाहै-और-कंचनसे उतराहुवा बोहचांदीहै.और.जोकिचांदीसे'उत राहुवाहै बोह;तांवा;पीतल लोहाःजस्त?रांगवगैराहैःऔर जीसकोकि तुम'रसको पका;कहतेहो'बोह'जमीनमाताके सरीरकी,मनी और;मदहै'किजीसतरहसे;आदमी केसरीरमें राजावगेराहोताहै;उसीतरहसे;जमीनमाताका राजावगेराहै-परन्तु--राक्ष सीपापके-सबबसे-दुखपारहीहै इससेजमीनमाताके सरीरमेंःताकत;नहीरहीहै;सोज वकि जमीनमाताके सरीरकीःबीमारीजातीरहेगी;जबःजमीनमाता ताजा और--त यारहोजावगी!जबकुल!वलायतोंमें पीछाधन प्रगटहोजावेगा;किजेसा;सतजगमेंथा सोतुम संसारकेलोगो और,राजा-बादशाह,ऐकदीलहोके इनबनीयोंके राक्षसीपा पको-छोडाओ-ताकिफीर चांदी;सोनेकीखांनें और:टुटाहुवाधनःहोजावे;और'की सीवलायतमें धनकीसुख नहीरहवे,क्युंकिजब,इनसोदागर बच्चोंका राक्षसीपाप-द फेहोजावे-जबकीसी-वलायतमें धनका टोटानहीरहेगा और?वेसाहीहोजावेगा!कि जेसाठाट और पाट,सोने.चांदीका सतजगमेंथा'अगरचे'यहबनीये टुटेहुयेधनका लोभदेवेःतोइनहोंकेलोभमेंःमतआना क्युंकियह बनीये तुमको.टुटाहुवा,धनदेके;भु लादेंगे और जोकिकदीमी,धनथा,उसकोअपने,पासरक्खेंगे और जोकितुमको-टु टाहुयधनदेके-भुलादेंगे-और जोकिकदीमी धनथा उसकोअपने.पासरक्खेंगे.और जोकितुमको टुटाहुवाधनदेंगे-वोहभी;पीढी-दोपीढीकेबाद भुलाके और,अकलको फेरके!लेलेवेंगे!परन्तु?तुम संसारकेलोगोंकोतो नीरधनका-नीरधनरक्खेंगे-इससे. कुलपाप जमीनमाताके नांमकाछोडाओःताकिधनःपीछा प्रगटहोजावे और'जीन शखसोंने.राक्षसीपाप.चला२के धन जमैकीयाथा ऊनशखसोंका;धन,राक्षसीपाप छोडानेवालोंने नहींलीया और,वहांका,वहींपडारहनेदीया क्युंकिपाप तजजानेकी वजहसे-कुलवलायतोंमें-पीछाधन सतजगके जमानेकासा,होगयाथा,ईससे;राक्षसी पापके धनको,कीसीने नहीलीया?सोभाइयो?जबकितुम राक्षसीपापको संसारके लोग.ऐकदीलहोके.इनबनीयोंके राक्षसीपापको छोडाओ?तोपीछाधन?कुलवलाय

तोंमें होजावेगा किजेसा:सतजगमेंथा-और:जोधनकि रावणने संसारका'राक्षसी पापसे-लीयाथा-उसधनको संसारने नहीलीया और!हरांमजांना!और;जबकि:का रूंन बादशाहने राक्षसबीद्याका;पापचलायाथा;जबकारूंन बादशाहनेभी कुल?सं सारकाधन!अपने!काबुमें करलीयाथा जीसकाहाल तमांमदुनीयांमे.लोग.अपनी, जबांनसे बयांनकरतेहें किकारूंन:बादशाहने:राक्षसबीद्याके पापसे कुलसंसारका धनखेंच२के:चालीस-[४०]-गंज याने चालीस-[४०]-डूंगरीधन;जमैकीयाथा इससे उसधनको दुनीयांने-नहीलीया:और;हरांम:बराबरजांना हालांकि कारूंन बादशाहने;उसधनको;देनाचाहा और'ब्राहमनोंसे और'साधु'फकीरोंसेकहा'कितुम इसधनकोलेलो हमपुन्य दांनकरतेहें,परंन्तु;कीसीने,नहीलीया और यहजवाबदीया किहमलोग!धनकोक्याकरेंगे!क्युंकिजोधन तुम हमको-पुन्य.दांनकरतेहो-वोहधन, तुम्हारे राक्षसीपापका जमैकीयाहुवाहै,इससे,इसदांनको नहीलेसक्ते क्युंकिजोहम इसदांनकोलेलेवें-तोहमारी-ओलादभी डुबजावेगी इसवजहसे.नहीलेते.सोमेरेभाइ यो'रावणवगेराके दांनको और'कारूंनवगेराके'दांनकोतो कीसीब्राहमनोंने और; साधु-फकीरोंनेभी-नहीलीया और हरांमके बराबरजांना.और,अलावाइसके,बाद शाहने चमडेका रुपीयाचलाया:जीसकीयह,तारीफ:तमांम जहांनकेलोग बयांन; करतेहें-किसवारुपीयाकी-मेख सोनेकी चमडेके अंन्दरलगाके'ब्राहमनोंको'देनेलगे और कहनेलगे किइनरुपीयोंको,तुमलो;किजोहम,तुमको दांनमेंदेतेहें परंन्तु:तुम;इन रुपीयोंको!चमडेके!बराबरजांनना और चांदी सोनेकादांन-मतजांनना-ऐसे२फरे वकरके देनाचाहा तोभीऊन'रुपीयोंको'कीसीनेभी-नहीलीया और दांनकालेना हरांमहीजांना;परंन्तु:वोहधनभी जमीनकेउपरही पडारहा'और'कीसीने'उसधनको नहीलीया सोउस धनकोभी-ईनवनीयोंने.अपने-कबजेमेंकरके लेलीयाहै ईससेवोह धनभी!दीखनेमेंनहीआताहै!और दुनीयांने उसधनको-इसवजहसे-हरांमजांनाथा, किजोजमीनपर चांदीकी और'सोनेकीखांनेहें'सोउसमेंसे ला२कर बरतनवगेरा, बनवाअेंगे.और.मोहरेंवगेरावनवाके खरचकरेंगे और इस-राक्षसीपापके-जमैकीये हुयेधनको हमक्याकरेंगे इसवजहसे,उसपडेहुये,धनमेंसे ऐकपेसाभी नहीलीया-और-हरांमके-बराबरजांना जीसकी वजहयहहै किखांनोंको!लोग?भुलेनहीथे?सो जबकिधनकी जरुरत संसारमें,कीसीकोभीहोतीथी,तोसंसारकेलोग खांनोंमेंसे खो द२कर!लेआतेथे!इससेइस जमैकीयेहुये धनकीपरवाह कीसीकोभी-नहीथी-और

जोकिधन जमैकीयाहुवाथा वोहभीःमालीककाहीथाःसोधनतो हरांमनहीथा परंन्तु जमैकरनेवाला-हरांमीथा-किजो संसारकेलोगोंको दुखदेके?राक्षसीपापसे?खेंचली याथा और,खेंच२के जमैकीयाथा;सोउसधनको;अगर कोइभी शखसलेता'तोकुछ हरजनहीथा!क्युंकिचोर!कीसीके मकांनसे धनखेंचके-और;चोरकेलेजाताहै-और; धनका पतालगाकर चोरको'गीरफतारकरादेतेहें;जब'राजा बादशाह उसधनको चोरसे.पीछा.मालीकको;दीलवादेतेहें तोमालीक उसधनका?उसधनकोःलेलेताहै. किमेरीकमाइका धनथा क्युंकिचोर'चोराके'लेगयाथा सोपीछा मुझकोमीलाहैःकुछ मेने-कीसीकाछीनके-थोडाहीजमैकीयाहै उसकातो लेनाहीवाजीवहै.जीससे.लेली याहैःसोदुरस्त बातहै फीरइसीतरहसे,अगर,संसारकेलोग इस राक्षसीपापके,जमै कीयेहुये.धनकोलेलेते.तोकोइबुराईकी बातनहीथी क्युंकिवोह?धनभी-रावण-बगे राने'और कारूंनबादशाहने बतोर,चोरीकेही,खेंच२करकेलीयाथा इससे उसधनके लेलेनेमें-संसारकेलोगोंको-कोइ बुराइनहीथी खेरयहभी बहतरहीहैःकिजोकीसीने; उसधनको नहीलीया तोईश्वरपरमात्माने;उसनेक;नईयतीकेसववसे संसारकेलोगोंको वहुतसा'धनबक्षा!और!वक्षेगा किजीनलोगोंने राक्षसीपापके-जमेकीयेहुये-धनको हरांमजांना क्युंकि ऊनलोगोंनेःउसजमैकीयेहुयेःमालको हरांमसमझके और,राक्ष सीपापकी-पहचांन-सनीश्वकेकहनेसे करके राक्षसीपापके.करनेवालोंको.तमांम?ज हांनने ऐकदीलहोके गारतकरदीया,और.पापकाकरना छोडादीया किजीसवजहसे चांदी!सोनेकीखांनें!फीर प्रगटहोगई इससे संसारकेलोगोंकोःधनकीतरफसे-तक लीफ उठानी नहीपडीथी'सोपहीले?जमांनेकी'तरहसे यहसोदागर हमाजनांन.रा क्षसीपापःकरारहेहेंःऔर धनको,अपनेकाबुमें कररहेहें'सोअगर'संसारकेलोग-ऐक दीलहोके इनबनीयोंके राक्षसीपापको,छोडाओगे,तोधनका टोटानहीरहेगा और वेसाहीहोजावेगा,किजेसे,सतजगमेंथा क्युंकि जमीनमाताकी;बीमारीहटजावेगी;तो जमीनमाता पीछे तंन्दुरस्तःऔरःताजाहोजावेगी और;खांनें फीरप्रगटहोजावेंगी सोऊनखांनोंमेंसे-कुल-संसारकेलोग फीर बरतनवगेरा.बनवालेना.और?मोहरें-रु पीयाबनवाके खरचकरना और,राक्षसीपापके,जमैकीयेहुये मालको हरांमजांनना और,बनीयेदेवेंतोभी,मतलेना क्युंकिजब राक्षसीपापको;छोडादोगे;तोफीर,धनका टोटानहीहै अगर वोहभीसभी'लीयाजावे'तोकुछदोशनहीहै क्युंकियहधन अपनेही चोरीका!वापीसहोताहै!इससे मै बार२आपलोगोंको बनीयेलोगोंके?जालसे?लीख

करके वाकीफकरताहूं सोजलदी;इसकेवारेमें;सबःहिन्दु मुसलमान और'अंग्रेजवगै रा,मअे-अपनी२रैयतके-अपनी२ओलाद सलांमत रखनेकी.गर्जसे.पापछोडानेकी दीलसे कोशीशकरके छोडाओगे'और'मददकरके'छोडाओगे और इसकांममें;देर नहीकरोगे.क्योंकिजो.असलीबातथी वोह मै लीखचुकाहूं!सोलीखेहुयेपर!चलके, बंन्दोबस्तकरो और इनसोदागरांनका.राक्षसीपाप.रावण कीतरहसे छोडाओ:तो संसारकेलोगोंको!आरांममीले!और जोकिइन बनीयोंने:तमांम?संसारकेलोगोंका-धनचोराके अपनेकबजेमें करलीयाहै,सोसब,संसारकेलोग इनबनीयोंके जमैकीये हुयेधनको;जोबांटकेलेलो;तोकोइ मुजायकानही और'जीसतरहसे:कि:रावणवगेरा के;वक्तमें कोइशखस खांनोंवगेराको,नहीभुलाथा,उसीतरहसे इनबनीयोंके राक्षसी पापके-चलानेसे-मतभुलो;और खांनोंकी;पहचांनरक्खो किजेसे;पहलेजमांनेके;लो गोंने पहचांनरक्खीथी सोअगर:तुमलोगभी:उसीतरहसे पहचांनरक्खोगे और?भु लोगेनही.और.पापकेछोडानेकी कोशीशकरके पापको!छोडाओगे!तोखांनें'मघट-होजावेंगी और जीसतरहसे,किखांनें,आज,कल,अलोपहोगइहें इसतरहसे नहीर हेंगी-परंन्तु?यहबात-काबील खयालकरनेकेहै किजेसेआज:कल-पत्थर:मीट्टीकी-खांनें जमीनपर मोजुदहें,इसीतरहसे:चांदी,सोनेकीखांनें बल राजाकेजमांनेतक. मोजुदथीं-परंन्तु-जबसेकि इनबनीयोंने राक्षसीपाप चलायाहै:जबसेहीखांनें:अलो पहोगइहें और बीमारीकेसबबसे,गलगइहें.जीसकी,वजहयहहे किइन बनीयोंने-ज मीनकेनांमका.पापकराना.शरुकीयाहै जीससे जमीनकेसरीरकी-चरबी-गलगइहै-और खांनोंके अलोपहोनेका,यहीसबबहै,अगर,आज पापकाकरना सोदागरबचे छोड्देवें-तो.रफते२बदसतुर-खांनेंचांदी सोनेकी पत्थरवगेराकी-खांनोंकी:तरहसे मोजुदहोजावें और जोकिमीट्टी:पत्थरकीखांनें:तुमलोगोंको दीखतीहें सोइससे;दी खतीहें.किइन.खांनोंकेनांमसे पापनहीकरातेहें अगरचे इन:खांनोंकेनांमसेभी:पाप कराते तोपहाड्वगेराकी खांनेंभी,गायबहोजाती,परंन्तु इनखांनोंके नांमसे,पाप; नहीकरातेहें.नहीतोयहभी?जादुसे खाकहोजातीं परंन्तु?इनबनीयोंने-ऐसी-अकल खराबकरदीहै किखांनोंकोभी भुलेहुयेहें'जीससे'यहबनीये तुमकोभुलाके और;ध नकोखेंच२के;अपनेकबजेमें;कीयाचाहतेहें तोपहीले राक्षसीपापके;जोरसे:जमीनको फाड्तेहें और,जबकि जमीनफटजातीहै,जबधनको,खेंचलेतेहें जब जमीनकांपतीहै सोयह-बनीये-कुल?बलायतोंका धन;अपने राक्षसीपापसे;खेंचरहेहें?और?जीनका

किखेंचलीयाहै उस वलायतमें:संसारके:देखनेकेलीये:थोडासाधन रहनेदीयाहै इ सीतरहसे,कुलवलायतोंमें.थोडासाधन रहनेदेंगे सोउस'थोडेसेधनको'सोदागरीके जरीयेसे खेंचलेंगे गर्जाकि,जबकुल,वलायतोंका,धन,अपनेकबजेमें करलेंगे जब-अपना-राजकरेंगे-और;अलावाइसके यहबातभी खयालकरनेके!लायकहै!किकुल: जहांनमें यहबात मशहुरहै'कियहबनीये;अपने'राक्षसीपापसे कुलवलायतोंका माल व-मता!किजोअसलीहै!उसको खेंचलेतेहें और हरऐक-वलायतमें-थोडा२रहनेदेते हें:सोयहबातभी दुनीयांमें मशहुरहै,किजीसकदर,धन,हिन्दुस्तांनमें और दुसरी, वलायतोंमें!असलीहै!वोह'सबलोगोंके खरचकेवास्तेहै परंन्तु!इनसोदागरोंनने!अ पनी अकलमंन्दीसे संसारमें;यह'जाहीरकररक्खाहै'किऐक;हीस्सेका धनतो कुल'स सारके-लोगोंकेवास्तेहै-और [१२] हीस्साकाधन जमीनके-अंन्दरगडाहै-परंन्तु'कु ल:धन मीलके [१३] हीस्साथा:परंन्तु:यह [१३] हीस्साधनको [१३] तुंबामी कहतेहें!सोयह-[१३]-तुंबाधन टुटाहुवाहै सोयह:टुटाहुवाधनभी:कदीमसेहै!परंन्तु इनबनीयोंने अपने राक्षसीपापसे,भुलाकरके,अपने,कबजेमें करलीयाहै और,जो कुछकिधन-उसखरचके-हीस्सेमेंसे बाकीरहाहै उसकोअपने.राक्षसीपापके.जादुसे: खेंचकर अपनेकबजेमें करलेंगे'परंन्तु'इनबनीयोंने'अपनी अकलमंन्दीसे राक्षसी: पापसे!सबकी!अकलोंको;फेरकरके यहकेसा जाहीरकीयाहै,किकुल-तेराह-हीस्सा धनथा जीसमेंसे ऐकहीस्सा,धनतो-तमांम.प्रथवीकेलोगोंके खरचकेलीयेहै और जोकि;बारह;हीस्साधनहै वोहजमीनमें'गडाहुवाहै सोमेरेभाइयो,इनबनीयोंने,अपने राक्षसीपापसे अकल फेरके,भुलारक्खाहै,किकुल,तेराह हीस्साधनहै जीसमें,यही ऐकहीस्साधन;जाहीरकीयाहै;और बारह;हीस्साधन अलोप'जमीनके'अंन्दररक्खा है-सोभाइमेरेहो धनतो ईसजमीनके;उपरबहुतथा;किजीसकी कुछ हदभीनहीथी. परंन्तु-तेरह.हीस्साधन.दुनीयांके भुलानेकेवास्ते कीतावोंमें!लीखकरके!जाहीरकी याहै,किकुल तेरहतुंबाधनथा और,तेरहतुंबातो!इनहोंने,संसारमें बहकानेकेवास्ते. बातेंचलादीहें.असलमें.तेरहहीस्साधनहै सो [१२] हीस्सातो!इनबनीयोंके!पासही अलोपहें और;ऐकहीस्सा जोदुनीयांमेंहे,वोहऐक,नांमकेवास्तेहै नहीतोवोह तेरहवां हीस्साभी-इनकेपासहै-दुसरेराजा बादशाहके पासतो ऐकथोडासाहै!तोवोह!ऐक-हीस्साकाधन कुलवलायतोंके खरचके,वास्ते,जाहरातमेंहे किउसधनको तमांम-ज हांनकेलोग.खरचकरके.परवर्शपातेहें सोइन सोदागरोंनने-उसखरचके!तुंबाकोभी

अपनेकबजेमें कररक्खाहै और:यह,सोचनेकीबातहै:किबारह हीस्साधन जोजमी नकेअंन्दर'अलोपबतातेहें'सोवोह जमीनमें कीसनेगाडाहै अगर;अपन,हिंन्दु;मुसल मांनके बुजरगोंने;वोह बारह,हीस्साधन-जमीनमें,गाडाहोता तोअपन हिंन्दु;मुस लमांनोंको!उसकापता!मालुमहोता और हिंन्दु मुसलमांनके-बुजर्ग-अपनी२ओला दोंको जरुर,पताबतादेते किफलांनी:जगह:जमीनकेअंन्दर धन हमनेगाडाहै,सो. यहतो,सबचालें-इन-बनीयोंकीहें किवोह बारह हीस्साधन.जमीनमें.अलोप,करर क्खाहै तोइनकोही उसकापतामालुमहे,जोहिंन्दु,मुसलमांनके बुजरगोंने गाडाहोता तोवोह.मरतेवक्त.अपनीओलादोंको उसधनका पता बतादेते-तोइसवास्ते-इनबनी योंके बुजरगोंमें इसबातकाभेदहै,सोजेसेवोह,मरतेजातेहें तोअपनी ओलादोंकोभेद और-पताधनका-बतातेजातेहें परंन्तु:अपना राक्षसीपाप!जाहीर!नहोनेदेनेकी;वज हसे,इनबनीयोंने खरचके हीस्सेके;अंन्दरसे;कीसीकदरधन हरऐक वलायतकेअंन्दर खरचकेवास्ते!छोडदीयाहै!बाकी बारह हीस्साधनको अपने-कबजेमें-करलीयाहे-इससेमेरा लीखनायहहै कियह,जीतनीबातें?दुनीयांमें,जालकी होरहीहें यहसबब बनीयोंके,राक्षसीपापकाहै:क्युंकि संसारकेलोगोंकी अकल:इनसोदागरांनने:अपने राक्षसीपापसे खराबकरदीहै किजीससे,बनीयोंके,जालकी पहचांन नहीकरसक्तेहें बलके-भुलेहुये-और,बहकेहुयेहें और-खयालमें नहीलातेहें'किइसजमीनके'उपरतो इसकदरधनथा किजीसका कुछ:अंन्दाजभी-नहीहोसक्ताथा और.सोने चांदीका. ठाट;और?पाटथा-सोवोहधन कहांगया सोइतनातो कोइभीसाहब-खयालनहीकर तेहें;सोयहभी कीतावोंसे साफ२साबीत,होताहे,किसोनेका ठाट,और पाटथा,ओर अबनहीहे;जीसकी;वजहयहहे किइनबनीयोंने;अपने राक्षसीपापसे;लोगोंकी;अकल खराबकरके कुलमाल ओर,मता,संसारका,अपनेकबजेमें करलीयाहे ओर:जोकि धनथोडासा-टुटाहुवा-संसारके खरचकेलीये राक्षसीपाप.जाहीर.नहोनेकेसबबसे छोडरक्खाहै उसको होले२आपुसमें:संसारकेलोगोंको:लडाके लेलेवेंगे और;सबको लीरधनकरदेंगे-और-दुसरी वलायतके:लोगोंको यहबनीये.बल;राजाकेबादसे;ला नेलगेहें अव्वलतो मक्कावालोंकोलाये,ओर;मक्कावालोंके हाथोंसे इनबनीयोंने?खुद अलाहदा,रहकर,हिंन्दुस्तांनके आदमीयोंको;मरवाया परंन्तु;यहखयाल;मक्कावालों नेथी नहीकीया किहिंन्दुस्तांनके,हिंन्दु,मुसलमांन इनबनीयोंका इसकदर,लाड,र खतेहें;और;इनलोगोंको हमारेहाथोंसे,क्युंमरवातेहें सोइसकी;वजहतो,इनबनीयोंसे

दर्याफ्तकरें किकहीं बनीयोंके:घरमें:जादुतोनहीहै:परंन्तु इनबातोंका खयालतो बीलकुल-नहीकीया-जीसकी वजहयहहै'किजीस वलायतके.राजा.बादशाहको;हिं न्दुस्तांनमेंलातेहैं तोपहीले ऊनकी'अकल?अपने'जादुकेजुलमसे भ्रष्टकरदेतेहैं जी ससेवोह.आनेवाले.वलायतकेलोग कुछनही सोचसक्तेहैं और-नोसोचेभीतो-राक्ष सीपापके सबबसे ऊनहोंकोफीर,उलटाहीसुझताहै,परंन्तु यहबनीये वलायतके'आ नेवाले;शखसोंकी:बुधी-इसगर्जसे खराबकरदेतेहैं किजबऊनकी;अकल;खराबहोगी तोहिंन्दु मुसलमांनोंके लोगोंको,आपुसमें,लडाकरके,मारदेंगे और बोहत्युदही:बुधी भ्रष्टहोनेके-सबबसे-मरजावेंगे सोऐसी२अकलमंन्दी इनबनीयोंने.इसबनहसे.चला रक्खीहै किजब यहदुसरी,वलायतके;शखस,हमारेमुलकमें राजकरनेके वास्ते;इसा रेकहनेसे;आवेंगे;तोअव्वलतो हमारे,कहनेकोमांनेंगे दुसरा,हमअपने,राक्षसीपापसे ऊनकी वलायतकाधन अपने,कबजेमेंकरलेंगे,चुनाचे मक्कावालोंकाधन राक्षसीपा पके;जादुसे!इनबनीयोंने!हिंन्दुस्तांनका राज थोडेसे-बरसकराके-अपनेकबजेमें.क रलीयाहै और मक्कावालोंकेमुलककी,गली,कूंचोंसे अच्छीतरहसे वाकीफहुये-कि अब;नहीभुलेंगे-और-जोकिमक्कावालोंने हमारी वलायत:हिंन्दुस्तांनमें:राजकरके-किजोडुटाहुवा धन जमैकीयाहुवाथा,लेगयेथे;सोउसबारेमें इनबनीयोंने बुधीखरा बकरके-यह-अकलमंन्दीकीहै किअबबुधीतो,इनहोंकी खराब.होगईहै.सोअबइस धनको जलदी हमअपने,कबजेमेंकरलेंगे;क्युंकिहमने,इनहोंके मुलककी गलीयां;च गैरादेखलीहैं.सोहमअपनी.दुकानेंलाके और;ऊनके मुलकमेंरहके-अपने-मुलकका, धन वापीसलेलेवेंगे सोयनबनीये;जीसमुलकमें,जातेहैं उसमुलकके लोगोंकी;अकल खराबकरके!और!धनको अपनेकाबुमेंकरके:और ऊनलोगोंको:भुखामरनेके:लाय ककरके दुसरे,वलायतके राजा:बादशाहको:हिंन्दुस्तांनमें राजकरनेकेवास्ते लातेहैं जबवोहभी-राजकरनेके-लालचसे इनबनीयोंके फंन्देमेंआजातेहैं.परंन्तु.यहबनीये, अपने राक्षसीपापसे राजकरनेवालोंकी:अकलको:खराबकरके ऊनके मुलककाधन अपनेकाबुमें;करलेतेहैं;और वलायतवालोंको'और हिंन्दुस्तांनके'लोगोंको'आपुसमें यहबनीये लडादेतेहैं सोइन,बनीयोंका?लडनेसे,यहमतलबहै किसब वलायतोंका धन;अपने-कबजेमेंहोजावे-क्युंकिजब कुलवलायतोंके लोग!कमतीरहजावेंगे!और, सबकाधन हमारे कबजेमेंहोगा,तोहमअपना-राज,कुलवलायतोंमें अच्छीतरहसेकरेंगे इसबजहसे;बनीयोंने;ईन्द्रजालका पापचलायाहै'और इसजालकी:वजहसेही;मुलक

मुलकमें लड्याइहोतीहें नहीतोक्युंलडें?परंन्तुःयहबनीये?अपने राक्षसीपापसे लोगों कीबुधी.खराबकरके.और आपुसमें तनाजाकराके आप-अलाहदाके?अलाहदारह जातेहें और?आपुसमें हिन्दुःमुसलमांनको-लडाकेःमरादेतेहें सोयहसबब बनीयोंके ईन्द्रजालकाहै-और-ईसीईद्रजालके सबबसे सोने चांदीकाठाट!और!पाटनहीरहाहै नहीतोपहीले सोने चांदीकाठाट,और-पाट,सबजगहथा और जोकि;मक्कावाले;हिं न्दुस्तांनमें!राजकरके!टुटाहुधाधन लेगयेहोंगे वोहभी-इनबनीयोंने-राक्षसवीद्याके; पापसे पीढी;दोपीढी या,दसपीढी,गुजरनेकेबादसे,लेलीयाहोगा परंन्तु जगह'अफ सोसकीहै;किइसकदर-खयाल मक्कावालोंनेभी?नहीकीया कियह!बनीये!लालचदेके हमको लीयेजातेहें सोशायद,यहबनीये,हमारे,मुलककाधनभी राजकरनेका लाल चदेके,नहीखेंचलेवें,सोनहीसोचा फीरयहःमक्कावालोंकी नईयतकाही,फलहै,किजो दुसरे?मुलककेउपर चढआनेका और-राजकरनेका-डरनहीकीया और बनीयोंके कहनेसे-और-राजकरनेके लालचसे मक्कावालेआये और:राजकीया—परंन्तुःहिंन्दु स्तांनमें राज मक्कावालोंने,करीब?दस२पीढीके,कीयाहोगा याकम जीयादा,परंन्तु राजकेलालचसे!अपने!मुलककाभी धन और राजकाकरना-गुमादीया-और,जो-मक्कावाले हिंन्दुस्तांनसे राजकरके;धनकोलेगयेथे;उससे जीयादाधन अपनेमुलक का'मक्कावालोंने;गुमादीया;सोयह वजह लालचकीहै,अगर-लालच'नहीकीयाहोता तोकुछ नुकसांननहीहोता परंन्तुःयहसबबःलालचकाहै किजोबनीयोंने अपने;राक्ष सीपापसे,मक्कावालोंकाधन-अपने कबजेमेंकरलीयाहै किजो,मक्कावालेभी,हिंन्दुस्तां नकी,तरहसे मुखेमरतेहें और,मक्कावालोंने-हिंन्दुस्तांनमेंसे छेअन्नीकाधन राजक रके,लेगयेहोंगे-उसधनकोभी-इन बनीयोंने लेलीयाहोगा'और:अलावा,इनबनीयों ने,कालबगैरा डालके ऊनलोगोंको-गारतकरके-लेलीयाहोगा और लोगयहभीकह तेहें,कि,हिंगलाजकीतरफ,और सातादीपकीतरफ किजोमुलक-वीरांनपडेहुयेहें,ऊ नमुलकोंके आस?पासमें करीब बीस २० या २५ या ३० या ४० कोसके उपरजा करके-दो-चार झुंपडे वसेहुयेमीलतेहें,और,जोकिजल प्रथवीकेउपरहे उसकोभी. इनबनीयोंने?अपने?राक्षसीपापसे ऐसा खराबकरदीयाहै.किजो.नमकजेसापांनीहै किजीसकेपीनेसे मुह खराबहोजाताहै?और.जीसखेतमें जोवोहपांनी कीसांनलोग पीलातेहें.तोखेतीवगैराभी.बरबाद होजातीहें सोइनबनीयोंने?अपने?राक्षसे.पापसे जमीनमाताको रोगकरके केईमुलकोंका;पांनी,खराबकरदीयाहै जीसकी पहचांन

Scanned with OKEN Scanner

इसतरहसे करनाचाहीये किजीसतरहसेःआदमीकाःखुन वीपारीकेसववसे वीगड़ जाताहै-इसीतरहसेःजमीनमाताके सरीरकाखुन वीगड़गयाहै!जीससे!कुओंऔरवैरामें पांनीनहीरहाहै और ननीकलताहै'और'बहुतसे'मुलकोंमें पांनीःकरीव १२ कोस केउपर या ३० या ४० कोसकेउपर मीठा पांनीमीलताहै-सोवोह पांनी वेरोंमें; ७०-या-८०-पुरसकी गहराइपेजाकेःनीकलताहैःपरंन्तु वहुतसे-मुलकोंमें-वारा२ कोसके वीचमें खाराजहरपांनी,नीकलताहै-जीससे,जमीनकेउपर कोइचीज और घासवगैरा नहीउगताहै जीसकीःवजहयहहै;किइनःवनीयोंने अपने राक्षसीपापसे जमीनको!दुखदेकरके!पांनीखारा करदीयाहै,इससे घासवगेरा;नहीहोतीहै;सोनहीं मालुम किलोगोंने कीसकदर,दुखपायेहोंगे?और.जोसातादीप कीतरफ वहुतमुलक वीरांनपडेहैं;सोयहवात,खयालकरनेके लायकहै किऊन-मुलकोंकोतो-इनवनीयोंने अपने राक्षसीपापसे वीरांनकरदीयेहैंःऔरःलोगोंकेदीलोंमें इनवनीयोंने अपने,रा क्षसीपापसे!ऐसामुझारक्खाहै!किईश्वकी कुदरतसे सातादीपकीतरफ'मुलक'वीरान होगयेहैं किजोऊनमुलकोंमें वहुत?आदमीनहीहोंगे?परंन्तु सोचनेकीवातहै किएस मेश्ववहीहै-जीसने-तमांमजहांनको अपनी कुदरतसे पेदाकीयाहै.और'जमीन.आस मांनवनायाहै सोपरमेश्वं कीसतरहसे?अपने.हाथकीवनाइहुइ चीजोंको वीगाड़स क्ताहैं;क्युंकियहवात;गोरकरनेकीहै-किजव तुमलोग अपनेहाथसे;कोइ;दरख्तलगा तेहो'उसलगायेहुये दरखतको अपने,हाथसे,नहीउखाड़तेहो और नवीगाड़तेहोः तोपरमेश्वं'अपनीकुदरतकी'चीजोंको कीसतरहसे वीगाड़सक्ताहै,तोवोह?नहीवीगा ड़सक्ताहै जवतकउसकी उमरःपुरीनहीहोगीःक्युंकिजव मोसम पतझड़कीआतीहै तोदरख्तोंके-पत्ते-आपसेआप जरदहोके जमीनपर गीरजातेहैंःफीरःखयालकरना चाहीये किऊनपत्तोंने पतझड़काःवक्तआनेतकःपुरीउमरपाइ तोआपसेआप पकके गीरगये;तोऊन,जरदपत्तोंके गीरजानेसे;कीसीकोभी कीसीतरहका'रंज'नहीहोताहै क्युंकिपतझड़के दीनथे सोगुजरगयेःऔर?वहारकेःदीनआये परंन्तु कीसीसाहवके मकांनपर-कीसीचीजका-दरखतहोवे और वहारकेसववसे.उसदरखतकेउपर.पत्ते; लहलहारहेहूं और कोइऊन,सवज,पत्तोंकोतोड़े,किजोमोसम वहारमें लहलहातेहूं तोमालीक!दरख्तका!उसशखससे पत्ते'तोड़नेकेसववसे लड़नेको-लगजातेहैंःऔर गाली गलोजदेतेहैं;और दरखतोंकेपत्ते,और,डालीको,नहीतोड़नेदेतेहैं सोदरखतके पत्ते,नतोड़नेदेनेका.यहीसववहै किदरखतको उसशखसने?वास्तेसायाके?और-म

कांनकी रवनककेलीये लगायाहे.सोभाइमेंरेहो.जीसतरहसे तुमको अपनेहाथकी'व नाइहुइचीज-प्यारी-मालुमहोतीहै और'उसको नहीबीगाडसक्तेहो.उसीतरहसे.पर मेश्वकोभी अपनेहाथकी बनाइहुइचीजें;प्यारी;और अच्छीमालुमहोतीहें सोपरमेश्वभी नहीबीगाडताहै,क्युंकिउसकी;कुदरततो;ऐसीपाकहै;किजोबात'कायमकरदेवे'तोफीर उसको बगैरउमर पुरीहुयेके,हरगीज२नहीबीगाडताहै,परन्तु यहबनीयेलोग अपने राक्षसीपापसे;पुरीउमर,नहीपानेदेतेहें और जालकरके!संसारकेलोगोंको!गारततो अपने राक्षसीपापसे करदेतेहें,और:लोगोंकेदीलमें,ऐसे२हालात सुझादेतेहें किदेव तोने'दोशकीयाहै-इससेलोग-मरतेहें याकिईश्वकी कुदरतहै और?जोकिहैजाकी!बी मारीसेमरतेहें और पलेगसेमरतेहें,परन्तु?बगैरहुकम,ईश्वके पत्ताभी नहीहीलताहै परन्तु!ईश्वपरमात्मा:ऐसा!रहमवालाहै तोवोह अपनीजातसे-कीसीको'कुछदुख'की सीकीसमका नहीदेताहै और,नपुरी;उमरहोनेके,कीसीकोमारताहै यहतो बनीये, बेईमांन.अपने.राक्षसीपापसे तमांमजहांनको ईश्वकी कुदरतकासुझाके-और-देवतों फा;दोशवगेरा सुझाके मारतेहें,क्युंकिइन,बनीयोंकेदीलमें इसतरहसेहे कितमांम-मथवीकेउपर-रावणकी-तरहसे हमबनीये अपना राजकरें!इससे!देवतोंवगेराका;सु झादेतेहें किजो सेंकडोंमुलक,बीमारीवगेराके-सबबसे,वीरांनहोगयेहें सोयह सबब बनीयोंकी-कुदरतकाहे-देवतों और इश्वकी कुदरतनहीहै!क्युंकिजोशखस!मरगया. सोह,वादमरनेके कुछ नहीकरसक्ताहे:फीरयह:बनीयोंकी जालसाजीहे क्युंकिजो देवतामरगयेहें!ऊनकानांम!भगतीकरनेके सबबसे अमररहाहै-परन्तु-इनबनीयोंने. बल;राजाकेबादसे कीरोडहा तरहका:जालकरके:हिंन्दुस्तांनको और मक्कावालों को-बीलकुल:नीरधनकरदीयाहै:और उसीकेमुवाफीक तुम?अंग्रेजोंकी!बलायतको नीरधन कीयाचाहतेहें क्युंकिनीरधन.करनेकेसबबसे.अंग्रेजोंसे यहबनीये मीलेहें और!अंग्रेजोंको!हिंन्दुस्तांनमेंलाके हिंन्दुस्तांनका राजकरादीयाहै-किजो-अबतक-करतेहें परन्तु;यहबनीये जबकि'अंग्रेजोंको'हिंन्दुस्तांनमेंलाये तोपहीले इनकेमुल कका;धनभी;जादुकेजोरसे;खेंचके लेलीयाहोगा किजोअसलीथा!और'बाकीरहाहे उसकोअब राक्षसीपापके जोरसे,खेंच२के,लेलेवेंगे,क्युंकिजादुको वोहताकतहे कि जोचाहे.वहीकरसक्ताहे.अगर यहबनीये;जादुकेजोरसे जीस-मुलककाधन-खेंचना चाहतेहें तोखेंचलेतेहें सोइस,जादुकेजालको,तोअगले,जमांनेके राजा बादशाहभी बुराकहतेथे;किजादु;बहुतहीबुराहै परन्तु,जबकि अंग्रेजोंको'यहबनीये'हिंन्दुस्तांनमें

लायेहोंगे तोइनबनीयोंने अंग्रेजोंकेःमुलककाःअसलीधन राक्षसीपापके जोरसे;अं ग्रेजोंकोभुलाके-दो-तीनपीढीपेशतर लेलीयाहोगा क्युंकियह.बनीये'जब'दुसरेमुल; ककेराजा बादशाहवगेराको हिंन्दुस्तांनके-राज-करानेकोलातेहें तोऊनको पही लेसे!नीरधनकरदेतेहें!जीससेवोह गरीबहोजातेहें और;भुखेमरनेलगतेहें;सोमक्कावा ले'और ईगलीस्तांनवाले किजोःहिंन्दुस्तांनमेंःबास्तेराजकरनेके आयहें सोऊनहों ने;राजकीयाहै,और,अभीतककररहेहें और करेंगे परंन्तु'यहबात'वोहखुद;अपनेदी लसेजांनतेहोंगे किबेशक हम,दो,तीनपीढीतक'दुखीरहै परंन्तु यहबनीये;अपने;रा क्षसीपापसे'ऊन'राजकरनेवालोंको पहीलेसे,ऐसा सुझातेहोंगे;किकदीमसे;दुखीहींह सोमेरेभाइयो धन सबबलायतोंमें,बहुतथाःऔर,कीसीबलायतमें धनका टोटानही था'और!नाधन!बगैरउठायेके कहींजासक्ताहै परंन्तु ईन-सोदागरांनने:तीनबलाय तोंका असलीधन अपनेकबजेमें,करलीयाहै,और,जोकिटुटाहुवा धनहै उसको'क बजेमें;कीयाचाहतेहें-और-उसीतरहसे दुसरीबलायतके राजा;बादशाहको:नीरधन करके यहबनीये हिंन्दुस्तानमेंलावेंगेःऔरःऊनकाधन राक्षसीपापके जोरसे;कुछका कुछसुझाके-खेंचलेवेंगे-और नीरधनकरदेवेंगे जबवोह!भुखेमरनेलगेंगे?जब!बनीये ऊनकोभी हिंन्दुस्तांनमें लावेंगे,और,हिंन्दुस्तांनका राजकराअेंगे और-अंग्रेजोंके बच्चोंको-मरवादेंगे-सोतुमसब संसारकेलोगो और तमांम!अंग्रेजो!सुनहीरहेहो'कि. अब'रुसवाले हिंन्दुस्तांनमें आनाचाहतेहें;सोखयालकरो;किऊन रुसवालोंको हमा रे:मुलककाहाल'क्यामालुमहै'और बगैरलायेके दुसरेमुलकका,शखस;हिंन्दुस्तांनमें कीसतरहसे आसक्ताहै सोखयालकरोःकिवोहखुदःनहीआताहै और वोहभी!इस तरहसेआताहै-किजीसतरहसे-तुम अंग्रेज और मक्कावालोंको!हिंन्दुस्तांनमें!लायेथे उसीतरहसे रुसवालेभी हिंन्दुस्तांनमें-बनीयोंकी-रायेसेआतेहें सोवोहभी ऐकदफे जरुरआवेंगे!क्युंकिइन!बनीयोंने ऊनके;मुलककाधन दो'तीनपीढी'गुजरनेसेपहीले खेंचलीयाहोगा और जोकिटुटाहुवा,धनबाकीहै,उसकोअब सोदागरीके बसीलेसे खेंचलेंगे'किजीसतरहसे'तुमलोगोंका खेंचाथा गर्जकि;तुम्हारीतरह;नीरधनकरदेंगे और;ऊनको बनीयोंने अपनेजादुसेःऐसाःसुझायाहोगा किजैसेतुमको और;मक्का वालोंको-धनखेंच२के-सुझायाथा किहम कदीमसे गरीबहीथे!फीरयह!बनीये!वहां परभी;मीलेहुयेहें और रुसवालोंको?यह-सोदागरलोग हिंन्दुस्तांनमें राजकरनेके लीये!लानाचाहतेहें!सोतुमःहिंन्दु मुसलमांन और अंग्रेजवगैरा-मै-तुमको;बनीयोंके

जालसे पहीले वाकीफकरताहूं:कितुम,बनीयोंके:राक्षसीपाप छोडानेका बंन्दोवस्त करो!ताकिसबको:सुखप्राप्तहोवे और सब वलायतेंबनीरहें-क्युंकिइस-जमांनेमें?इन बनीयोंने ऐसा;राक्षसीपाप चलारक्खाहै.किजीससे.तमांम जहांनकेलोग दुखीहें और:जबकिआवेंगे-तोइस-जमांनेसेभी जीयादा यहबनीये!दुखदीलावेंगे!क्युंकि?रु सवाले बनीयोंकेकहनेसे और,बहकानेसे'कुछ,सुनवाई हिंन्दु:मुसलमांनकी और: हिंन्दुस्तांनके!लोगोंकी!नहीकरेंगे और;रुसवालोंको और;सब-वलायतोंको;समझा ओ'किवोह इनबनीयोंके लोभमें,नआवें,हिंन्दु,मुसलमांनोंमेंसे कोनराजा बादशाह उस-रुसवालोंको-बुलानेगयेहें फीर यहबनीये सलाहकरकेजातेहें.और.दुसरी-व लायतके बादशाहोंकोलाके हिंन्दु:मुसलमांनको:मरवातेहें क्युंकिइनको रावण-हर नाकुश.वगैराकीतरहसे'सब'वलायतोंको लोभही लोभमें;गारतकरके;चारकूंटमें?अ पना:राजकरनेका इरादाहै इसीवास्ते,हिंन्दुस्तांनका,लोभ दुसरी वलायतवालोंको बतातेहें;और'अपने;राक्षसीपापसे सबको गारतकरदेंगे.इससेसब;हिंन्दु.मुसलमांन और अंग्रजवगेरा अपना२फंरज,जांनके,और,रुसवालोंको नआनेदेनेका सबब-समझके'इनबनीयोंके-राक्षसीपापको छोडाओ;और बनीयोंके;जालकी;कीतावोंको और पापकरनेकी जगहको,मेरेकहनेपर?यकीन,लाकेदेखो और पापकोछोडाओ जब;सबको-आरांममीलेगा-अगरचे बंन्दोवस्त बनीयोंके.पापछोडानेका,नकरोगे, तोयहबनीये राक्षसीपापके जादुसे,अकलको,फेरकरके आपुसमें हिंन्दुस्तांन;और मक्कावालोंके.और.अंग्रेजोंकेलोगोंको इसजालही जालमें-कुल,सातों-आठों.वलाय तोंको लडाके,मरवादेंगे ओर,परदेसवालोंको,यहबनीयेलाके हिंन्दुस्तांनका राज कराअेंगे-सोइसका-बहुतजलदी बंन्दोवस्तहो क्युंकियह बनीये.रात,दीन.राक्षसी पापकररहेहें और अलावाइसके,जोअगले?राजा,बादशाहोंने टुटेहुयेधनके खजांने जमैकीयेथे-सोखजांनोंकोभी-यह बनीये अपने राक्षसीपापसे.खेंचलेतेहें.परंन्तु-प हीलेजमीन राक्षसीपापसे फाडतेहें,और,बादमें,टुटेहुयेधनके खजांनोंको खेंचलेतेहें किजहांपर-यह;सोदागरबचे-रात दीन,राक्षसीपाप कहींकरातेरहतेहें,परंन्तु,यह;रा क्षसीपाप दरीयाओंके कीनारेपर,कहींकररहेहें?और,वहांपर सीर्फ बनीयोंकेकुळके आदमी.बहुतकुळ?रहतेहें.और चोरासीलाख कुंन्डीयांबनाइहें-और-चोरासीलाख कुळोंको दुखदेतेहें,जब राक्षसीपाप,होताहे,सोइस,राक्षसीपापके करानेमें कीरोडहा रुपीया-खरचहोताहे-सोवोह रुपीया,तमांम बनीयोंकाही,खरचहोताहे,ओर.वहांपे

सीवाये बनीयोंके और,कोइनहीःजासक्ताहैःकिजहां,चोरासीलाख कुंन्डीयोंहें क्युं किसमुंन्द्रोंमें-हजारोंकोसोंमें-पांनी पडाहुवाहै किजीस टापुकेउपर.यहबनीये.पाप करातेहें इससें'बनीयोंके पासःजीयादाधनहै-औरःकुलवलायतोंके राजा बादशा होंकेपास!थोडाधनहै!जबयह बनीये'राक्षसीपापसे आपुसमें,लडाकेमारदेतेहें,और अकलोंको फेरदेतेहें और,ऊनहोंको?खजांनेवगैरा,याद नहीरहनेदेतेहें और?टुटा हुवाधनभी'याद'नहीरहनेदेतेहें सोदेखोभाई;पहीलेतोधन बहुतथा!और!अबथोडा कीसतरहसे रहगयाहै सोऐसीबाततो.बनीये.सोचनेनहीदेतेहें और उलटासुझादेतेहें जीससे-समझनेलगतेहें-किअबधन हमारेपास हमारेबुजर्गोंसे;जीयादाहै;औरःजीस केपासथोडाहै वोहभी ऐसाहीसमझतेहें-किहमारेपास-थोडाक्युंहे किहमारे बुजर्गोंके पासतोबहुतथा.परंन्तु.यहबनीये अपनेःराक्षसीपापसे कुछकाकुछ.सुझादेतेहें.इससे लोग'वेसाही समझनेलगतेहें परंन्तु,यहखयाल,करनेकीबातहै कियहसब बनीयोंकी जालसाजीहै-क्युंकिधनतो-सब वलायतोंमें बहुतथा किसोनेकाठाटःऔर-पाटःगी नाजाताथा सोमेरेभाइयो तुम्हारेपास,धन,इसकदरथा किजीसकाकुछ अंन्दाजनही होसक्ताथा.लेकीन.इनबनीयोंने अपने राक्षसीपापसे कुलवलायतोंके-धनको-गार तकरके अपनेकबजेमें करलीयाहे,सोतुम,सब,वलायतोंके लोगोंकोतो अबभी;खबर नहीहे'परंन्तु-मुझकोतो-इन सोदागरबच्चोंका राक्षसीपाप.इसवजहसे.मालुमहुवाहे-किइनबनीयोंने मुझको अपने,राक्षसीपापसे;दुखीकीयाहे किजीसतरहसे रावणने सनीश्वको;दुखीकीयाथा;उसीतरहसे इनबनीयोंने अपने-राक्षसीपापसे-दुखीकीया है:जबइन बनीयोंका राक्षसीपाप'मालुमहुवाहे'चुनाचे संसारकेलोगोंको गारतहोते देखके:गारतःनहोनेदेनेकेसबबसे संसारको इनबनीयोंके?राक्षसीपापसे;तुम?तमाम जहांनके लोगोंको वाकीफकरताहूं,क्युंकियह,कदीमीजाल इनबनीयोंकाहीहे इससे यह.खयालहोताहै.किरावण वगेराकोभी इनबनीयोंहीने-अपने-राक्षसीपापसे.मर वायाहोगा यहबातभी इनकेजालकीही,मालुमहोतीहै,क्युंकि मै इसभेदसे बेखबर: नहीहूं-परंन्तु:मुझको-इनसोदागर बच्चोंने अपने राक्षसीपापसे.दुखीकीयाहै.इससे. इनका राक्षसीपाप जाहीरहोताहैःकिखासःइनकेहीघरकाहै बलके मै सबुत;इसतरह सेदेताहूं!किजीसतरहसे!यहबनीये राजा'बादशाहके हाथोंसे-अपने;जालको-जाही र;नहोनेकेलीये करावेंगे याकरातेहोंगे,परंन्तु:असलीपापको अपने कबजेमेंरक्खेंगे और-भुलानेकेलीये-थोडाबहुत पाप'दुसरोंकेहाथोंसे करावेंगे!फीरइसीतरहसेःइन

सोदागरबच्चोंने राजा रावण,और'हरनाकुश'और,कंस कारूंनवगैराको थोडाबहुत राक्षसीपापका-करना-सीखायाहोगा परंन्तु असली!पापकाकरना!अपने;कबजेमें; रखतेहें फीरयहबात काबील,खयालकरनेकेहै,किजीनलोगोंने पहीलेजमानेमें राक्ष सीपापःचलायाथाःऔर ऊनपाप करनेवालोंका पापकरना-जाहीरहुवा-तोतभांम; जहांनकेलोगोंने उसपापका जुलम,करनेवालोंको,गारतकरके छोडाया किजो-जु लम;करनेवालोंकी;ओलादकोभी जींन्दा'नहीछोडा औरःयहसमझाःकिजबहम;ऐसे बुरेकांम करनेवालोंको मअे,ओलादके,गारतकरदेंगे,तोजहांनमें फीरकोइ पापका करनेवाला;नहीहोगा;तोतमांमजहांनको हरतरहसे आरांममीलेगा;परंन्तु,रावणवगै रा'कीतरहसे अबभी राक्षसीपाप!होरहाहै?किजीसका बंन्दोबस्त नहोनेकेबारेमें. मैःपहीले!कुलजहांनमें!जीकरकरचुकाहूं और उसकामुझको-यह?यकीनथा?किअब कभीनहीहोगा क्युंकि पापकरनेवालोंकोःमअेःओलादके गारतकरदीयाहै अगर, यहपाप;ऊनहोंका;नहीहोता तोयहकभी'ऐसाबुरा कांमनकरते;और;रावणवगैराकी तरहसे गारतहोनेका अपनेदीलमें,डररखते,किपहीले पापकरनेवालोंको गारतकी याहै'अगरःहमलोगोंकीभीःसंसारके लोगोंको खबरपडगइःतोहमारीभीःहालत,पा पकरनेकेसबबसे बुरीकरेंगे सोभाइमेरे,अगर,राक्षसीपाप खास इनसोदागरांनका नहीहोता,तोयहशखस,मारेदहशतके कभीइसकांमको नहीकरते;परंन्तु;असलमेंपाप इनहोंकाहीहै और चोडेनहीआनेके,वास्ते,दुसरोंको,सीखातेहें और दुसरोंकी'ओ लाद,मारीजातीहै,और,आप बचेकेबचेरहतेहें इससेयह-बनीये?बराबरपापको?कर बारहैहें क्युंकिइनहोंने अपने,राक्षसीपापके-जादुसे,तमांम हिंन्दुस्तांनको गारतक रदीयाहै-औरःदुसरी-बादशाहतोंकोभी गारत कीयाचाहतेहें.जीसकाहाल.मुझको; इसबजहसे मालुमहुवाहै किमुझको,इन,सोदागरबच्चोंने अपने?राक्षसीपापसे तरह२ की,तकलीफेंदीहें,जीससे,इनहोंका कुलजाल जाहीरहोगया,जीसको,मै,साफतोरसे लीखचुकाहूं परंन्तु हिंन्दुस्तांनके,हिंन्दु,मुसलमांनतो,अबतक इसहालसे नावाकी फहें.और-नाअबतक-ऊनको कीसीकदरभी खयालहोताहै और.नकहनेसे.यकीन होताहै औरऐसी-अकल खराबहोगइहै,किजेसे,शराबी आदमीकी अकल-खराब होजातीहै.और.उसको अपनेसरीरकी,खबर नहीरहतीहै-और-नकुछबरका,कारो बार करसक्तहै सोयह-राक्षसीपापके,सबबसे-अकल खराबहोगइहै किजीससे,बनी योंकेजालकी!पहचांन?अबकहनेसेभी कोइसाहब नहीकरसक्तेहें!और!नखयालकर

तेहैं-हालांकि सोदागरांनके जालसे!दीन२गारत-होतेजातेहैं और सोदागरांनके शांमीलही-सबलोगोंने-जनमपायाहै परंन्तु सोदागरांनके.जालका.कीसीकोभीभेद नहीहै,और सोदागरांन हीले,मीलेरहतेहैं,परंन्तु,जालकी पहचांन तोभीनहीकरते, जीसकी!खासवजहयहहै!किइन बनीयोंनेःअपने राक्षसीपापसेःतमांमःजहांनके;लो गोंकी'अकल खराब करदीहै,इससे,संसारके,लोगोंकोभी कुछखबर नहीपडतीहै और'नकीसी'कीसमका-शुभाहोताहै हालांकि इनबनीयोंकी!दुकांनें'दुसरी!बादशा हतोंमें पहूंचगइहैं,और पहूंचतीजातीहैं,किजीसतरहसे,हिंन्दुस्तांनके लोगोंकी अक ल!खराबकरदीहै!इसीतरहसे दुसरी वलायतके लोगोंकी-अकलभी-अपने.राक्षसी जादुसे खराबकरदेंगे किजोतुमःलोगभीःइनकेःजालोंको नहीपहचांनोगे और?न कुछ-शुभाकरोगे-इसीसबबसे मै तुमको पहीलेसे वाकीफकरताहूं!किइन!सोदागरः बच्चोंके ऐसे२वडे जादुहैं,किजीसके,जरीयेसे,जीसमुलकका धन खेंचनाचाहतेहैं, तोउसको;अपने;राक्षसीपापके जादुसे;खेंचके अपने-कबजेमेंकरलेतेहैं-परंन्तु'पहीले ऊनकी अकलफेरलेतेहैं जीससेवोह'अपने'मुलककेधनको भुलजातेहैं परंन्तु;जीस तरहसे'किहिंन्दुस्तांनके'लोगोंकी अकल;खराबकरके गारतकीयेहैं;इसीतरहसे;कुल वलायतोंके लोगोंकी अकल,खराबकरदेंगे,और,मुलकोंके लोगोंको गारतकरके; अपना-राजकरेंगे-क्युंकिजीन लोगोंने इनसोदागर बच्चोंके!शांमील!जनमपायाहै- तोइनहोंके साथमेंही कुछ,अशराफतःनहीकी,तोतुमलोगोंके साथमेंतो क्या;अशरा फतकरेंगे!बलके!तुमलोगोंकोभी गारतकरेंगे और अपने-राक्षसीपापका-करना-न हीछोडेंगे और नवतावेंगेःक्युंकिइन.बनीयोंकादीलःइसतरहपरहै किचारकूंट और चोदाभांनमें,हमअपना,राजकरेंगे किजेसा'रावणका दीलथाःफीरःइसीसबबसेःयह सोदागरबच्चे दरीयाओंके उपर,अपना,राक्षसीपाप,रावणकीतरहसे करारहेहैं और तुम!सातों-आठोंवलायतोंके-राजा बादशाहोंको और अंग्रेजोंको?यह!सोदागरबच्चे अपने राक्षसीपापसे बरबादकरदेंगे,और-अपना,जाल जाहीर नहोनेकेलीये?यह बनीये;कुलवलायतोंके;लोगोंसे राक्षसीपाप करावेंगेःपरंन्तुःतुमको-रसता'और'का यदा इसकाबतावेंगे किजीससेतुम'वेसाही'करनेलगोगे सोइसबातकामुद्दआ इनहोंने यहसोचाहै-किजब-राक्षसीपापकी खबरहोगी और दुसरी!बादशाहतके-लोग!कर तेहोंगे तोहमाराजाल प्रगट,और,मालुमनहीहोगा,और अपना जालसमझके;कुछ बंन्दोवस्त!नहीकरेंगे!तोहमारा राक्षसीपाप अच्छीतरहसे-चलतारहेगा-और.जोख

बरभीहोगी तोऊनलोगोंकाहीःनांमहोगा-और:ऊनकेहीबच्चे रावण हरनाकुशवगैरा कीतरहसे'मारेजावेंगे'इसवजहसे पापकाकरना थोडासा;दुसरेमुलकके;लोगोंकोभी सीखादेतेहें और कुछकाकुछ,सुझादेतेहें,परंन्तु,यहसोदागरबच्चे आप अलाहदाके; अलाहदा-रहजावेंगे-और अपने'राक्षसीपापकी खबर;नहीपडनेदेंगे.क्युंकिअसली पापको अपने कबजेमेंरखतेहें:सोवोह,कीसीको:नहीबतातेहें और नसीखातेहें?ले कीन!सोदागरबच्चोंके!जालकी खबर मुझकोतो इसतरहसेपडीहै-किइन-सोदागर-बच्चोंने मुझको;अपने राक्षसीपापसे,दुखीकीयाहै.इससेमेरी तमांमजहांनके बच्चोंको आरांम-हासीलहोनेकेलीये-सातों आठों वलायतोंके!लोगोंसे?हाथजोडके?अरजहै किजोकीतावें हिंन्दु मुसलमांनोंके,घरोंमेंहें.और,ऊनमेंयह हालातलीखीहुइहे कि आदमीको.मारके.आदमीखावेगा वोहकीतावें इनवनीयोंके-घरकीहें-परंन्तु'इन'व, नीयोंने अपनी अकलमंन्दीसे-हिंन्दु:मुसलमांनके-बुजरगोंके नांम और;अतीत;फ कीरोंकेनांम-ऊनकीतावोंमें-लीखदीयेहें जीससेमांनतेहें और!यहनहीसमझतेहें!कि, यहवनीये महाजनांनके घरका,जालहै,और,हिंन्दुस्तांन इनकेजालोंसे गारतहोग इहे,इसीतरहसे:सातों.आठों वलायतोंको गारतकरेंगे इससेमुझको-वडासोचहै-कि अभीआप सातों;आठोंवलायतोंके लोगोंको,इनवनीयोंके,जालकी वीलकुल खव रनहीहै;सोभैं,तुमसातों;आठोंवलायतोंके लोगोंको वाकीफकरताहूं'किदुनीयांमें'यह जीतनी खरावीयां और,कमउमरमें:जोमोतहोजातीहें,यहसव वनीयोंके राक्षसी-पापसेहोतीहें-क्युंकि-हिंन्दुस्तांनतो इसीसववसे खरावहोचुकीहै!और.रही?सहीहे. उसको अव गारतकरदेंगे,इससेमैं,तुमलोगोंको,वाकीफकरताहूं और कहताहूं:कि समझो'और.इनके.लालचदेनेमें मतआओ वलके इनहोंकेजाल-दफेकरनेका-वंन्दो वस्त दीलसेकरो ताकिइन,सोदागरबच्चोंके,जालसे,हमको और तुमसातों;आठों, वलायतोंके,लोगोंको,सुखप्राप्त हासीलहोवे'अगरचे जालके:दफेकरनेका:वंन्दावस्त नहीहुवा तोयह सोदागरबच्चे,सातों,आठोंवलायतोंके,लोगोंको अपने राक्षसीपापसे गारतकरेंगे,किजेसा,कीतावोंमें लीखाहै'और वादगारतहोने,सातों,आठोंवलायतों के:यह सोदागरबच्चे अपना,राजकरेंगे,इसवजहसे,इनहोंने यहराक्षसीपाप चलायाहै सोसातों.आठों.वलयतोंकेलोग और अंग्रेजवगेरा अपनी२ओलाद'बचनेकेलीये-इनसोदागर बच्चोंसे राक्षसीपापका:करनाछोडाओ:जवतुम्हारी ओलाद वचेगी, क्युंकियह?जाल-तुम्हारीही ओलादसेछुटेगा और इसका?वंन्दोवस्तहोगा?जवही

हिन्दुस्तांनके लोगभी इनबनीयोंके:जालोंसे:छुटकारापावेंगे वरना कोइ;ऊम्मेद:न हीहै-जोबचें!क्युंकिइनहोंने?तमांम राजा बादशाहोंकी अकल.केदकरदीहै.किजोस मझानेसेभी नहीसमझतेहें और,जोकि,सातों,आठोंवलायतोंके लोगोंकी अकल,ख राबकरदीहै-जीसकी-वजहयहहै कियह सोदागरबचे चारकूंटमें!और!चोदाभांनमें; अपना राज कीयाचाहतेहें,इससेतुम,सातों,आठोंवलायतोंके लोगोंकी अकलभी, केदकरदीहै!किजोचांदी!सोनेकी खांनोंकी तलाशनहीकरते'किपहीले'जमांनेमें-चां दी,सोनेकी खांनेंजोथीं वोह,कहांगइ,क्युंकिजमीनतो,वोहकी वहीहै परंन्तु!खांनें कहां-गायबहोगइ-किजोअबनहीहें परंन्तु'तलाशतोकरें सोतलाशतो;कोइभी;साहब कीसीमुलकके नहीकरते और,ना,यहखयालकरतेहें-किवोहखांनें क्युं और.कीस वजहसे!अलोपहोगइहें!सोयह वडीभारी गफलत तुम;सातों-आठोंवलायतोंके-लो गोंकीहै किजोतुम तलाशनहीकरतेहो:सोतुमलोगभी.खांनोंकी तलाश इसवजहसे नहीकरतेहो-कितुम-लोगोंकी अकल'इनबनीयोंने अपने;राक्षसीपापसे;फेरदीहै'कि जोखांनोंकी तलाश करनेकीतरफ;तुमलोगोंका;दीलनहीहोताहै बलके ऐसाखयाल करतेहो.किखांनें.कदीमसे मोजुदनहींथीं सोभाइमेरे यहखांनें-चांदी-सोनेकी.कदी मसे:हरऐक मुलकमें और,वलायतमें-मोजुदथीं,किजीसको जमीनके सरीरकी!च रवी'कहनाचाहीये'परंन्तु जेसेकि!यहबनीये जमीनमाताके-नांमका-पापकरातेहें;ज वसे;जमीनके सरीरकी चरवीगलगइहै:इससे:जमीनमाता नीहायत दरजेका'दुख पारहीहै'किजमीनपर'अच्छीतरहसे नाजवगैरा नहीहोताहै;और;कालवगैरापडताहै सोयह;सब जादुकाखेलहै और,जोवरसात,अच्छीतरहसेहोवे तोजमीनको सरद,ग रमकी-वीमारीकरदेतेहें-किजीसकी वजहसे जमीनको बदहजमीका!रोगहोकर!दी न२जमीनमाता नाताकत होतीजातीहै-फीर-इसीसबबसे जमीनपर कोइसीचीज खानेकी.नहीहोतीहै.मीसाल इसतरहपरहै किजब कोइआदमीको-बीमारी-कीसी-कीसमकी होजातीहै तोवोह,शखस,कुछ,खानावगैरा नहीखासक्ताहै और;न;कांम करसक्ताहै-अगरचे-उसनेखाना खायाभीहोवे तोवोह.बदहजमीकेसबबसे.वोह-बी मारआदमी केसी खुसीवतउठाताहै,और,सबकांमोंसे नीकम्माहोजाताहै फीर;इसी तरहसे:यह:जमीनमाताभी तरह२की बीमारीयां पारहीहै?जीससे-कोइचीज-जमी नपर पेदानहीहोतीहै और,जबकि,यह,सोदागरबचे जमीनकेनांमका पाप;जीयादा करावेंगे-जब-जमीनकेउपर कुछभी पेदानहीहोगा तोफीर!कहांसे:कुल-वलायतोंके

लोग,खाने पीनेका गुजरकरेंगे:फीर-नमोजुदहोने:नाजवगैराके सववसे आदमीको मारके-आदमीखावेगा-और जोकिकीतावें बनीयोंकी बनाइहुइहें.और.ऊनमें-यह बातें लीखीहुइहें किजीनकानांम [ओतारचरीत्र] वगेराहै परंन्तु इनकीतावोंमें;इन सोदागर:लोगोंने:अपनी अकलमंन्दीसे'राक्षसीपाप जाहीर;नहोनेकेसववसे;अगले सतीलोगोंका नांम रावण,वगैराकीतरहसे?लीखदीयेहें,और रावण वगैराहीकी. तरहसे'यहवर्नाये'छलकररहेहें किजेसे,रावणने राक्षसीवेदकी.कीतावें.अपनाजाल फेलानेकीगर्जसे ऋषिश्वरोंको पकडादीथीं:और:नांमभी कीतावोंमें ऋषिश्वरोंके, बुजरगोंके-लीखदीयेथे-फीर उसीतरहसे;इनसोदागर वचोंनेभी:अपना:जालफेला नेके;गर्जसे और आपतरकीपाके'राजकरनेकेलीये'राक्षसीवेदकी कीतावें और,टी पनावगैरा.ब्राहमनोंको.और राजा बाहशाहोंको और-तमांमजहांनके;लोगोंको;वा दमरने राजावलके कीतावोंमें:बुजर्गोंके:नांमलीखकर रावणकीतरहसे ददीहें-जी ससे-तमांम-जहांनकेलोग-ऊन कीतावोंको अपनीजांनके:अपनेकांममें:लारहेहें-ले कीन यह,नहीसमझतेहें कियह,कीतावें,सोदागरांनकीहें और,नांम जोकीतावोंमें, हमारे:बुजरगोंका:लीखाहै,सो रावणकीतरहसे छलकरके;लीखदीयाहे?परंन्तु?यह कीतावें इसगर्जसे पकडादीहें,किहमाराजाल,प्रघटनहीहोगा क्युंकियह सोदागर; लोग-संसारके?गारतकरनेके सववसे राक्षसीपाप करारहेहें.और.जोकि-कीताव-ओतारचरीत्र वगेराकीहें उसमें'लीखाहुवाहे,किअव'ऐसाजमांना तंग दीन२आवे गा,किजोमैं,वार२नहीलीखसक्ताहूं क्युंकिऊन कीतावोंकेदेखनेसे?और?पढनेसे-ऐ सारंजहोताहै किउस जमांनेको,नदेखनेकेलीये-जहरखालूं क्युंकिसंसार समझाने सेभी'नहीसमझताहै'हालांकि संसार इसबातको अच्छीतरहसे,जांनताहै,किअव?ज मांना खराबहै,और खराबही-आताजाताहै:और-वदकारीका हालभी आपुसमें, वहन-भाइके-सुनाजाताहै परंन्तु,अवतक खयालनहीहोता,हालांकि,मैंचाहताहूं'कि सव,राजा बादशाह और,संसारकेलोग,ऐकदीलहोके,मेरा कहनामांनें और,हरत रहकी-मददसे-इसवारेमें कोशीशकरें तोफोरन यह;राक्षसीपाप.इन.सोदागरांनका छुटजावे तोफीरकोइ कमउमरमें?नमरनेपावे.किजेसा सोदागरलोगोंके जादुसेहो रहाहै-किजीसको-संसारकेलोग अच्छीतरहसे,जांनतेहें और,फीरभी.तकलीफउठा तेहें-और फीर इनकीतावोंकी-लीखीहुइबातोंको-परमेश्वकी कुदरत बयांनकरतेहें और;उसको;दुरस्तजांनतेहें किजोकीतावोंमें;बुराहोनेकी आगमें;लीखीहुइहें;वेसाही

पापकरा२के बुरा करातेजातेहें-जीससेयह'कीतावें-सबीहोजातीहें वेसाही बुरा होताजाताहै.सोभाइमेरेहो.यह तुम्हारे समझकीबातहै किजीन.कीतावोंमें.बुराहोने काहाल लीखाहुवाहै ऊन,कीतावोंकोही,तुममांनतेहो,परन्तु वोह कीतावें,परमेश्वर की,बनाइहुइनहीहें,वोहतो सोदागरबच्चोंकी,बनाइहुइहें और,चलाइहुइहें,परन्तु;तुम हिन्दु मुसलमांनके नांमसे!और तुम्हारे!बुजरगोंके नांमसे लीखकरके-पकडादीहें जीसकीवजह.यहहै.किजोकोइ इनकीतावोंका हाल दरीयाफ़तकरेगा-तोइस-हीक मतसे हम सोदागरबच्चोंका,नांम,नहीलगेगा,और तमांमजहांनके लोगोंका.नांम: होगा,सोदेखोभाइ,जोकीतावोंमें आगम लीखीहुइहें.सोऊन.लीखीहुइआगमोंसेतो कुछनहीहोता परन्तु यहबनीये.दरीयावोंपार,किजहां चोरासीलाख कुन्डीयां;राच लहुकीबनाइहें-और-तमांमजहांनके लोग उसको स्वर्ग.नर्ककहतेहें,किवहांपे;स्वर्गहै सोवहांपर स्वर्गहै न नर्कहै,और,जोहेतो,जमीनमाताहीहै जीसको कितुमलोग,जां नतेहो.वोह.बनीयोंके घरका राक्षसीपापहै इससे संसारमें,बुराहोताहै-और,वोह-आगमकी बात कीतावोंकी-सच्चीहोजातीहै-और-जेसाकि कीताव ओतारचरीत्रमें लीखाहै-किवहुतही-बुरावक्त आवेगा सोजब यहबनीये,बहुत,बुराहोनेका-और, बहुतबुरा वक्तआनेका पापकरावेंगे,तोवेसाहीहोजावेगा,किजेसा कीताव ओतार चरीत्रवगरामें?लीखाहै?और अबजोमैं तमांमजहांनके लोगोंको,इनके;जालोंसे,सा फतोरसे वाकीफकरताहूं तोकुछ,खयालमें,नहीलातेहें,और बनीयोंके जालको,झु ठाजांनतेहें.और.आगमोंको सच्चाजांनतेहें और कहतेहें कियह,आगमें,हमारे'बुज रगोंकी भाखीहुइहें सोयह.अकलका,सबबहै.क्युंकिइन,बनीयोंने अपने राक्षसी: पापसे-तमांमजहांनके-लोगोंकी अकल ऐसी केदकरदीहै.किजीससेवोह.जालकी-कीतावोंको अपनीजांनतेहें सो-मेरेभाइयो-तुम्हारीनहीहें यहतो बनीयोंकेघरकीहें और.अपना-नांम.जाहीरनहोनेकेलीये तुम्हारे बुजरगोंकानांम-रावण-कीतरहसे-छलकरके कीतावोंमें लीखदीयेहें-किजीसतरहसे-रावणने ऋषिश्वरोंके नांम,लीख दीयेथे-जीससे-ऋषिश्वलोग ऊनकीतावोंको अपनीजांनतेथे,फीर.उसीतरहसे-इन सोदागर बच्चोंनेभी हिन्दु,मुसलमांनोंके,बुजरगोंके,नांम कीतावोंमें लीखके,पकडा दीहें.सोयह?कीतावें.जाली इनसोदागरांनकीहें सोऊन-कीतावोंको?अपनी-मतजां नो,और न इनहोंकोपढो बलके-इनकीतावोंसे-परहेजकरके अलाहदारहो और,जी सकेपासदेखो-उसको-समझाओ वोइन सोदागरांनका राक्षसीपाप.जलद.दफेहोवे

तोसंसारके लोगोंको आरांममीले-अब-ऐ-अंग्रेजलोगो मैंतुमको हाथजोड्के,अर्ज करताहूं-सोसच२मांनो-क्युंकिमेरे नजदीकतो तुमसातों.आठोंवलायतोंके;राजा;बा दशाह ऐकहो और,मा.बापके-मुवाफीकहो-इसीतरहसे हिन्दुस्तांनके राजा-बाद शाहवगैराभी.मा.बापके मुवाफीकहो परंन्तु जोकि,मै,आपलोगोंकी?खीदमतमें-अ र्जकरताहूं किकदीमी जाल,हिन्दुस्तांनके?महाजनांनकाहै,परंन्तु यह सोदागरलोग जाहरातमें,नहीआतेहें,और राक्षसीपाप;करतेरहतेहें क्युंकिपहीले,इन,सोदागरबच्चों ने-रावण हरनाकुश कंस,कारूंनवगैरा-व,मथीराज चोहांनवगैराको थोड़ासापाप सीखाकरके-यह-कहदीयाथा कितुम;राक्षसीपाप करतेरहना,जबतुम,चारकूंट,और चोदाभांनमें राजकरोगे सोयह-बनीये-थोड़ासा-राक्षसीपापका करना सीखादेतेहें परंन्तु.असलीपापको.अपनेकबजेमें रखतेहें तोवोह यहजांनतेहें-कि-राक्षसीपाप-ह मारेघरकाहै और बनीयोंकानहीहै-ऐसा खयाल-करनेलगतेहें और जालही जा लमें-रावण-हरनाकुश कंस कारूंन और-मथीराज चोहांनवगैरा,मारेगये,और,सो दागरबच्चे अलाहदाके अलाहदारहे-परंन्तु अब-इसबातको सोचनाचाहीये और समझना-चाहीये-किजीन लोगोंने,इन,सोदागर महाजनांनके.शांमीलही,जनम,पा याहै तोऊनलोगोंको बीलकुल इनके राक्षसीपापकी खबरनहीपड़ी बलके जांनसे वोहलोग मारेगये और जीनलोगोंको सोदागरांनने थोड़ासा राक्षसीपापका कर ना सीखायाथा जीनकानांम अबतक-दुनीयांमें बुराइकेसाथ मशहुरहै परंन्तु-यह सोदागरलोग चींगारी छोड़के आप अलाहदाहोजातेहें और-दुसरे आपुसमें!लड़ करके गारतहोतेजातेहें परंन्तु कदीमी पापकेकरनेवाले अबतक सतीलोग और; धरमातमा लोगकहलारहेहें परंन्तु इनकेजालोंकी खबर अबतक-कीसीको नहीहै- और नपड़ेगी इसीतरह सेंकड़ोंआदमी इनबनीयोंके जालोंसे भुलही भुलमें मारे गये और इसीतरीके और तदबीरसे यह सोदागरलोग असलीपापकररहेहें और बराबर चलारहेहें किजीसकी खबर कीसीकोभीनहीहै और न-कीसीको राक्षसी पापकीतरफसे शुमाहोताहै अबकि यहसोदागरांन रावण वगैराकीतरहसे सातों. आठों वलायतोंके लोगोंकी बुधी-भ्रष्टकरके भुलावेंगे किजो;भुलकीवजहसे कुछ खयाल नहीकरेंगे फीर वै सातों आठों वलायतोंको और हिन्दु मुसलमांनोंके-लो गोंको मजे-तुमअंग्रेजोंके पहीलेसे बाकीफकरताहूं किइन बनीयोंका बड़ीजालहै- किजीसजालसे इनहोंने सेंकड़ोंलोग हिन्दुस्तांनमें गारतकीयेहें फीर उसीतरहसे

अब सातों आठोंवलायतोंको भजे तुम अंग्रेजोंके गारतकरेंगे और तुमकोभी-रा षण,हरनाकुश वगैराकीतरहसे थोड़ा बहुत राक्षसीपापका करनासीखावेंगे लेकी न-असली पापकाकरना तुमकोभी नहीवतावेंगे और यहभी अजबनहीहै कितुम अंग्रेजोंको-राक्षसीपापका-करना रावणकी तरहसे सीखादीयाहो-यानसीखायाहो क्युंकि .बनीयेलोग यहकहतेहें किअंग्रेजलोग राक्षसहें और यही राक्षसीपाप,क रातेहें-जीससे बारीशवगैरा कमहोतीहै और-इसीसे अकलवगैरा-केदहोरहीहै और इसी पापकीवजहसे रोगचाले फेलेहुयेहें क्युंकिबनीये असलीपापतो आपकरतेहें और-भुलानेकेलीये और राजकरनेका लालचवताके दुसरोंसे राक्षसीपाप करादे तेहें जीससेवोह रावणकीतरहसे राक्षसीपापको करनेलगतेहें और कररहेहें-परंन्तु यह मालुमनही कि कीसतरहका सीखातेहें किजीसकाहाल मैंअपनी जवांनसे-कु छ-नहीलीखासक्ता क्युंकिइन सोदागर बच्चोंकी करतुतोंका कुछ अंन्दाजनहीहै-क्युंकि तरह२केहें-और जबकि जालकाकरना सीखातेहें कितुमभी राक्षसीपापका करनासीखो और स्वर्गबनाओ जब लालचमेंआके वोहभी भुलजातेहें और-रा क्षसीपापका स्वर्गबनातेहें और कहतेहें कि राक्षसीपापका स्वर्ग हमाराहै सो,पाप काकरना थोड़ा-बहुत लालचमेंआके सीखलेतेहें और यहजांनतेहें किहमारा-रा क्षसीपापहै परंन्तु यहनहीसोचते किहमको भुलाशहै क्युंकियह बनीये असलीपा पको अपनेकबजेमें रखतेहें किजीसकी खबर अगले सतीलोगोंकोभी नहीपड़ी-बलके जालमेंमारेगये किजेसे रावण-हरनाकुश वगैरा भुलहीभुलमेंआके यहजांन तेथे-किहमारा राक्षसीपापहै और इसीवजहसे मारेगये-किजो राक्षसीपाप चार-कुंट और चोदाभांनमें मशहुरहै किजोदेवता सरुपीलोगोंकी बुधी खराबकरदीथी किजोऊन भक्तलोगोंको कुछभी नहीसुझताथा किजो गारतहोनेके वक्तक राव ण,हरनाकुश वगैरा यहजांनतेथे किहमने राक्षसीपापका स्वर्ग बनायाहै सो-वोह लालचमेंआके भुलहीभुलमें मारेगये और बनीये अलाहदाके अलाहदारहै कि, जीनका कदीमीपापहै सोदेखोभाइ किजीनको पापकाकरना सीखायाथा ऊनको अपने हाथोंसेमरवाया किजीनकानांम दुनीयांमें अबतक साथवदीके मशहुरहै-किजोइन बनीयोंके कहनेमेंआके अपनी-औलादको अपने शांमीलही गारतकराया बलके इन-कदीमीपाप करनेवालोंके शांमीलही जनमपायाथा परंन्तु इनबनीयोंके जालोंका भेदनो ऊनकोभी नहीमीला-तोतुमको इनकेजालोंकी क्याखबर क्युंकि

तुमकोभी और भुलावेंगे-जबतक तुम अंग्रेजभी यहजांनोगे-किहम चारकूंट और चोदाभांनमें राजकरेंगे और तुमसेभी-रावण हरनाकुश वगैराकीतरहसे राक्षसीपा पका स्वर्ग-नर्क भुलाकेबनवादेंगे और तुमसे बनवायाभीहोगा अगरचे नहीबन वायाहोगा तोअब बनवादेंगे जबतुमभी.भुलजाओगे परंन्तु ऐसीबाततो तुमलोग भी!नहीसोचतेहो कि राक्षसीपापसे बुधी तीनलोककी खराबहोजातीहै परंन्तु-तीनलोक संसारमें आदमीयांको बोलतेहें-और कहतेहें परंन्तु इतनीबाततो-तुमलो गभी नहीसोचतेहो किहमारी अकलतो राक्षसीपापसे खराबकरदीहै क्युंकिपहीले बहुतसे राजा बादशाह इसीजालसे-मारेगये-परंन्तु जाल नहीछुटा लेकीन यह-बात-सोचनाचाहीये-किजालतो सोदागर महाजनांनकाहै-किइनहोंने-अगले-सती लोगोंको मरवाया और तुम अंग्रेजोंकोभी मरवादेंगे परंन्तु इसबातको तुम-अंग्रेज भी-बुधी केदहोनेकेसबबसे नहीसोचतहो किहमकोभी मरवादेंगे क्युंकि आपलोग तो!परदेसीहो इससे आपलोगोंको इनबनीयोंके गली कूंचोंका रास्ता,मालुमनही सोजबकि इनबनीयोंने देसीलोगोंकोही अपने राक्षसीपापसे मरवादीया और-ऊ नको पतानहीलगा तोतुमको इनके-जालोंकापता कीसतरहसेलगेगा बलके तुमको भी-अपने राक्षसीपापसे भुलही भुलमें रावण हरनाकुशकी तरहसे मरवादेंगे-और जबके हिंन्दुस्तांनमें और सब-वलायतोंमें-थोडेसे आदमीरहेंगे जब यहसोदागर बचे-अपना राजकरेंगे इससेमेरी अर्ज-यहहै किअब-सातों आठों वलायतोंकेलोग और अंग्रेजवगैरा इनबनीयोंके-जालोंको दुरकराओगे-और तुम्हारे बंन्दोबस्तसे और ईकबालसे हिंन्दुस्तांनके बाल बचेबचेंगे वरना उम्मेद-बचनेकीनहीहै क्युंकि अपने हाथोंसेतो नहीमारते-परंन्तु दुसरेलोगोंको सीखाके ऊनकेहाथोंसे-मरवा-देतेहें-तोपहीले ऊनको राजकरनेका-लोभवतातेहें-जब वोहभी भुलजातेहें और-ऊनको पीढी.दोपीढी या.दसपीढी राजकराना मनजुरहोताहै!तोऊनको राज—करादेतेहें इससेवोह भुलजातेहें और लालचमें आजातेहें तोऊनको दगाकरके-दु सरीवलायतोंके लोगोंसे मरवादेतेहें और दुसरोंको राजकरादेतेहें परंन्तु जीनको कि-राज करादेतेहें वोह बहुतखुशहोतेहें और जीनको कि-गारतकरादेतेहें तोफीर ऊनको-और ऊनकीओलादको ऐसा खराबकरदेतेहें-किजो रोटी कपडाभी नही मीलताहै परंन्तु-अब जोमेंने-सोदागरलोगोंकी-बातमगटकीहै तोअब यह-बनीये तुमको-भुलाके-राक्षसीपाप तुम्हारे हाथोंसेकरावेंगे और जबके-सातों-आठोंवला

यतोंको इसीतरहसे खराबकरदेंगे-जब-अपना-राजकरेंगे इससे तुमलोगोंको अपने बच्चोंकीतरफ खयालकरके इनबनीयों बेइमानोंके कहनेसे इस राक्षसीपापको नहीं करनाचाहीये और इनहोंका राक्षसीपाप दफेकराओ क्युंकिजब सब वलायतोंमें कम आदमीरहेंगे तोफीर तुम्हारेबच्चोंको-इनके राक्षसीपापसे कोनछोडावेगा इस वजहसे इनहोंकाजाल अभी दफेकराओ क्युंकिजो लाख पीढीतक ओलाद-अप नीही राक्षसीपापसे गारतहोतीहै और-जबतक ओलाद सलांमतहै-जबतक तुम-लोगोंका नांमभी अमरहै-और अमरहीहो और जोकि-ओलादहै वोह अमर,वी जहै-और जबतक-कि जमीन आसमांनहै-जबतक तो आदमी वंन्दाकी-ओलाद-अमरहै परंन्तु जबसे-कि-काफीरवीयाका जाल चलाहै जबसे बेओलादरहजातेहैं और-कची उमरमें मरजातेहैं सोयह जादुकासबबहै और-अब-जो जमीनकेपेटमें: सांप बीछु-टीडवगैरा पेदाहोजातेहैं-सोयह रोग-चालेसेहोतेहैं किजमीनको फाड़के पोलीकरदेतेहैं सोयह बात इसतरहसेहै किजेसे आदमीकेपेटमें रोगचालेकी वजह से-हजारोंतरहके कीडे पड़जातेहैं और दुखदेतेहैं सोइसतरहके जोजीवहैं यहसब रोगचालेकेहैं और अलावेइसके दरख्तोंमें-जोकीडे लगजातेहैं-और अनाजमें सी डीयां पड़जातीहैं यहसब राक्षसीपापकी वजहसेहैं और इसीसेहोतेहैं और-जोकि टीपनोंमें इनहोंकाहाल लीखाहुवाहोताहै सो हाहमनलोग वांच२के सुनातेफीरतेहैं और जोकि-ऊंट घोडा गाये बेल और कुल चोपाया और-पंखेरुवगैराहैं या-आ दमीहैं यहसब परमेश्वरके-बनायेहुयेहैं सोयह कीसीको-कीसीतरहकी तकलीफ नहीं देसक्तेहैं क्युंकिपहीले शेर और बकरी शांमीलचरतीथी और रहतीथी और;अब जोकीसीमें हेत-इरादानहीहै जीसकी वजहयहहै किइन-सोदागर बचोंने कुलसंसा रकी और-चोपायों और-पंखेरु वगैराकी अकल अपने राक्षसीपापसे ऐसी-फेर दीहै-किजो कीसीको कीसीकीदया और भावनहीहै और न-हेत महोबतवगैराहै इससेमैं आपलोगोंको आपकी ओलादको आरांम प्राप्तहोनेकेलीये इन सोदागर महाजनोंके जादुसे वाकीफकरताहूं और-कहताहूं किमेरे इसकहनेपर यकीनला के-और सचजांनकर इनहोंका राक्षसीपाप छोडाओ तोतुम्हारी ओलादसुखपावे और तुम्हारेछोडानेसे दुसरी वलायतकेलोगभी बचजावेंगे क्युंकिइनका-बंन्दोबस्त आपलोगोंकी कोशीशसेही होसक्ताहै वलके?यह बनीयेलोग-तो सातों आठों-व लायतोंके लोगोंके-और तुम अंग्रेजोंके-चोरहैं क्युंकिजीस राजा-बादशाहने कीसी

शखसको राजकरायाहोवे तोवोह राज-तो?अमरहे और वोहभी राजकेकरानेवा ले-पंचहें सोभाइमेरेहो पंच-और परमेश्वतो ऐकहै-परंन्तु जीसको किराजदीयाजा ताहै.तोउसको सीर्फ नेकीकी वजहसेदेतेहै-और पंच और परमेश्वं अपनेनजदीक और गरीब गुरबाके-नजदीक ऐकहें क्युंकिवोह सबको ऐकहीजांनतेहें और!हक; बहक ईन्साफकरतेहें इससेपंच और-परमेश्वं-बराबरहें इससे पंचोंकादीयाहुवा रा ज!कीसतरहसे नहीजाताहै और अमररहताहै परंन्तु!इन बनीयों बेईमांनोंने-ऐसा जालचलायाहै किदुसरे लोगोंको बदनांमी देनेकेलीये और ऊनकेबचोंको बदनां मी-देनेकेलीये दुसरोंकेहाथोंसे मरवातेहें और सोदागरबचे खुद अलेहदाके-अले हदा!रहजातेहें परंन्तु जीसतरहसे कि रावण हरनाकुशवगैराने राक्षसीपापसे संसा रकेलोगोंकी अकल केदकरदीथी जीसपर रावण हरनाकुशवगैरा संसारकेनजदी कीनेकीवाले और धर्मात्मा मालुमहोतेथे फीर उसीतरहसे इन सोदागरबचोंनेभी जादुकेजुलमसे तमांम जहांनके लोगोंकी-अकल ऐसीफेरदीहे किजीससे अबभी. तमांम जहांनकेलोगोंको यह सोदागरलागभी बीसाल रावणवगैराके धरमातमा मालुमहोतेहें क्युंकियह सोदागरबचे तमांमजहांनको दीखानेकेलीये और राक्षसी पाप मगटनहोनेकेलीये जांनवरोंपरभी रक्षाकरतेहें और धर्म-पुन्यकरतेहें परंन्तु जोकियह सोदागरलोग दरीयावोंके उपर गुपतीपापकरारहेहें किजीसको दुनीयां अपनेमुहसे स्वर्ग नर्कबोलतीहे किजहां चोरासीलाख कुंन्डीयांबनाइहें और-संसार मेंभी यहबातकहतेहें किवहांपर राध-लहुकी कुंन्डीयांहें सोभाइमेरे बहांपरतो!कोइ स्वर्महे न नर्कहे परंन्तु इन सोदागर महाजनांनने किजो चोरासीलाख कूंन्डीयां रावण-हरनाकुशके-मुवाफीक बनाइहें सोऊन कूंन्डीयोंकेउपर-तमांम-दुनीयांकेनां पका पापकरातेहें जीससे दुनीयांमें-बुराहोताहै सोयह सोदागरमहाजन अपने-क दीमीपापको अपने कबजेमेंरखतेहें और दुसरीजातके राजा बादशाहोंको थोडासा पापकाकरना सीखादेतेहें जीससेवोह भुलकर-यह जांननेलगतेहें किहमने राक्षसी पापका स्वर्गबनायाहै परंन्तु यह-खयाल-नहीकरतेहें किहमारा राक्षसीपाप नहींहे क्युंकियहतो कीसीने हमकोकरके सीखादीयाहे-और खास महाजनांनका मतल ब-यहहे किहम जाहीरनहोंव;और-हमारेबचे;नमारेजावें और-दुसरोंकेबचे मारेजावें यहीमतलब दुसरोंके सीखानेकाहे सोइसबातकातो खयाल बीलकुल नहीकरतेहें हालांकि इस-जालही जालमें आठ!तो!राजा बादशाह हिंन्दु-मुसलमांनोंके कोष

के-मारेगये किजीनहोंको इन;सोदागरमहाजनोंनेने;थोडासा राक्षसीपापका करना सीखादीयाथा परंन्तु यह-खबरनहीथी कियह सोदागरलोग बुधीफेरके सीखादे, तेहें!या कीसीतरहसे किजीसका पतातक नहीलाता क्युकिआठ नो राजा हिंन्दु मुसलमांनके कोमके मारेगये परंन्तु जालकाकरना बंन्दनहीहुवा किजीसकी बद नांमीभी ऊनहीं बादशाहोंके सरपरही किजो जालकरनेके सबबसे रावणवगैरा, मारेगये तोभी जालकाचलना बंन्दनहीहुवा!सायदबात काबील खयाल करनेकेहै किजब जालके करनेवालोंको गारतकरदीया तोफीर जालकाचलना क्युंकररहा जीसकी बजहयहहे किकदीमी जालकेकरनेवाले नहीमारेगय और जीनकोकिइन सोदागरांनने थोडासा राक्षसीपाप सीखायाथा वोह जालकेसबबसे गारतहोगये सोखासबजह इसजालकी यहहै किकदीमी जाल इन बनीयोंकाहीहै इससे,जाल काकरना बंन्दनहीहुवा और-पीढी!दो-पीढीकेबाद चलादीया फीर-उसीतरहसे अबतक-चलाजाताहे-परंन्तु कदीमी;जालकरनेवालोंका अबतक;कीसीने;नहीजांना परंन्तु अबमुझको,इन सोदागरांनने अपने राक्षसीपापसे दुखीकीयाहै जीससे,सा फ२जाहीरहोताहे कि राक्षसीपाप रावणकानहीथा क्युंकियह कदीमीजाल इन-ब नीयोंकाहे और-इन सोदागरबच्चोंनेही रावण वगैराको छलकरके थोडासा,रा क्षसीपापका करना सीखादीयाथा इससे रावणवगेरा इन सोदागरबच्चोंके जाल मेंआके राक्षसीपापका करनेलगे इससे-रावणवगैरा मारेगये क्युंकि रावणवगेरा को-थोडासा पापकाकरना बुधीफेरके सीखा ीयाथा जीससे रावणवगेरा भुलके राक्षसीपापको करतेरहै इससे रावणवगेरा थोडासा-पापकाकरना सीखके और अपने-सर संसारकेलोगोंकी बुराइलेके राक्षसीपाप करनेसे मारेगये सोअब-तुम; सब!बलायतोंके राजा बादशाहोंको इन-सौदागर बच्चोंके कदीमीपापसे बाकीफ करताहूं कियह सोदागरबच्चे अपने-कदीमीजालसे रावणवगैरा कीतरहसे सातों आठोंबलायतोंके लोगोंको और तुम-अंग्रेजोंको थोडासा पापकाकरना सीखावेंगे और-बाद गारतहोनेके अपना राजकरेंगे और रावणवगैरा कीतरहसे सातों!आ ठोंबलायतोंके लोगोंको बदनांमीदेंगे-इससेतुम-संसारकेलोगो इन सोदागरबच्चों का!कदीमीजाल-जांनके-छोडाओ ताकि संसारमें भलाहोवे-क्युंकि-कदीमीजाल-इन सोदागरांनकाहीहै क्युंकि इनहोंने!कदीमीजालको छोडानही और सच्च२-दुनीयांको बतातेनही क्योंकि गुपतीपापकरतेहें जीसको अपनी-जातके आदमी

थोंके हाथसेकरातेहैं सोइनके-वोह-नोकरहैं-क्युंकिसमुंन्द्र हजारों कोसोंमेंपडाहै,न हीमालुम किकोनसे टापुपेकरातेहैं क्युंकि धरतीकापेट चोडाहै और इनबनीयोंका गुपतीपाप यहहै किजीसकोतुम हिंन्दु मुसलमांन स्वर्ग नर्क-कहतेहो और-राध-लहुकी कुंन्डीयांबोलतेहो वोह सोदागरबच्चोंके घरका राक्षसीपापहै और-इसीपा पसे बुधीफेरदेतेहैं इससेकुछ पतानहीलगताहै क्युंकिबुधी राक्षसीपापके जोरसे-इन-सोदागर बच्चोंके बसमें करीहुइहै और जोकि कीसीका जहाज वगैराजावे, तोऊसको अपने राक्षसीपापसे जानेभीनहीदेतेहैं क्युंकिजमीनके पेटमें बाअेगोले का-दरदकरदेवें तोजहाज उसचक्करमें आके डुबजावे तोफीर ऊनकापता कीसतर हसेलगे और जोकिसमुंन्द्रमें भुंवरपडताहे-और चढाइकरताहे तोउसकी मीसाल ऐसीहै-किजेसे आदमीकी ओझडीमें रोगकीवजहसे गरवडाहट होताहे फीर,उसी तरहसे समुंन्द्रको राक्षसीपापका रोग-नहीकीयाहोवे तोवोहभी सीधाही पडारहे और-भुंवरवगैरा-नहीपडे और ना चढाइवगेराकरे परंन्तु-यहबनीये-रात-दीन-ज सीनमाताके नांमका पापकरातेरहतेहैं इससेभुंवर और अहारवगैरा हीलतारहताहे और संसारकेलोगोंकी और राजा!बादशाहोंकी ऐसीबुधी केदकरदीहे और-पही लेजयानेमें हमेशां सुरज चंन्द्रमा अपने२कायदेमोजीब उगतेथे किजब दीन;नीक लताथा जबतो सुरजउगताथा और जब दीनछुपताथा तोचंन्द्रमा उगताथा-जेसा कि?पुनभका उगताहे उसीतरहसे सदाउगताथा सोसंसारमें कहतेहैं किसतजगमें चंन्द्रमा सदा पुराउगताथा सोजबसे-चंन्द्रमाकेनांमका पापकराना शरुकीयाहे तो ब्दी-ऐकमसे चंन्द्रमाके नांमका पापकरना शरुकरतेहैं-तो मावसतक पंन्दरहदीन पाप इसतरहसेकरातेहैं किब्दी ऐकमकोतो थोडापापकरके चंन्द्रमाको थोडासा;घ टातेहैं-फीर दुजको ऐकमसे जीयादापापकराके कुछ जीयादा घटातेहैं-फीर दुज से.जीयादा तीजको पापकरातेहैं जब चंन्द्रमा और जीयादाघटताहे फीर तीजसे जीयादा चोथको पापकरातेहैं जब चंद्रमा और जीयादा घटताहै और-चोथसे, पांचमको जीयादा पापकरातेहैं तो-और-जीयादा घटताहे इसीतरहसे ब्दी-पुखमें पंन्दरह दीनतक-याने मावसतक दीन२जीयादा चंन्द्रमाकेनांमका पापकरातेहैं तो मावसको इसकदरपाप चंन्द्रमाकेनांमका करातेहैं कि-बीलकुल नहींउगताहे और; चंन्द्रमा घटते२मावसतक अंधेरी रात साफहोजातीहे ओर-फीर ऐकमसे-पापक रना थोडा२छोडतेजातेहैं तोफीर चंन्द्रमा बढताजाताहे तोसुदीऐकमको थोडा

पापछोडतेहैं तोचंन्द्रमा थोडासा बढताहै और दुजसे पाप-जीयादा छोडतेहैं तो दीखनेलगताहै और इसीतरहसे दीन२पाप कमकरतेजातेहैं तोदीन२चन्द्रमा बढ ताजाताहै तो-पुनमतक चंन्द्रमा-पुराहोताहै?तो-पुनमको चंन्द्रमाकेनांमका पाप-बीलकुल-छोडदेतेहैं-जबपुरी जोत चंन्द्रमाकीहोतीहै और-जोउसमेंभी-ग्रहनवगैरा डालदेवें तोआधा पापकरावें तोआधा चंन्द्रमाघटताहै और जोजीदा पापकरावें तोजीयादा कमदीखताहै सोयह रोग?ऐसाहे किजेसेआदमीको आधासीसीका रो गहोताहे और-सर दुखताहै इसीतरहसे जमीनमाताको यह-आधासीसीका रोग-जादुसेकीयाहै किचंन्द्रमाको घटातेहैं सोयह रोग आधासीसीका बारह महीना,र खतेहैं-ऐक फकत पुनमकेदीन नहीकरातेहैं-सोपुरा उगताहै और,दुनीयांमें कीस्सा पहीलेसे इसतरहसे संसारमें-चलादीयेहैं?किअंधेरी-रात चोरोंनेमांगीहे और?सा सुकी-बहुनेमांगीहे-सोअनेक कीस्सा इसतरहके चलादीयेहैं-सोयह-बनीये-सुरज-चंन्द्रमाको ऐसे ग्रहकरातेहैं-जेसे-रावण-सुरज-चंन्द्रमाको ग्रहकराताथा उसीतरह अबभी-ग्रहनवगैरा-पडताहै और चंन्द्रमावगैरा घटताहै-सोटीपनोंमें-सब-लीखाहु वाहे-किइसकदर कला चंन्द्रमाकी घटी बढीहै-और बारह-महीना पेशतरसेही-सु रज-चंन्द्रमाका ग्रहन बतलादेतेहैं-और-इसीतरहसे-रावणनेभी ग्रहवगैराके टीपने चलायेथे किजेसेअब महाजनांनके टीपने चलायेहुये रावणके-मुवाफीक मोजुदहैं सोजब-यह काफरीपाप दफेहोगा-जब-सतजगकीतरह सदा-पुरा चंन्द्रमाउगेगा-और,यह,खालीबादल-जोहोतेहैं और,दस२और पंन्दरह२दीन-रहतेहैं!और!मेह;न हीबरसताहै और.उससे आदमीयोंको,बीमारीहोतीहे,और खेतोंको नुकसांन.हो ताहै!सोयह!अकसर जमीनको रोगहे किजेसे आदमीको गुजरातीका?रोगहोताहै और वादीसे सब.बदन.अकड्जाताहै और पसलीमें!दरदहोताहै!इसीतरहसे-ज मीनको,खाली,बादलोंका रोगहोताहै-इसीवजहसे नाजवगैराको,रोली,गेरुहोजाता है?और नुकसांनहोताहै सोटीपनोंमें पहीलेसे सुनादेतेहैं कि-गेरु और-दायवगैरा पडेगा-जीससेधांन और-झाड बनासपती-वगेरा जलजावेगी सोजब पाप-जमी नकेनांमका करातेहैं तोजलजातेहैं सोऐसे२अनेकतरहके रोग जमीनको करादीयेहैं जबसे दुबलीहोगइहे इससेखांनें-चांदी-सोनेकी-गलगइहें जीससे दीखतीनहीहैं-किजो-जमीनमाताको-लाखतरहका रोगकरादेवें तोकोइयह-नहीसमझें-किजमीनको रोगकीयाहै बलके यहजांननेलगतेहैं किपरमेश्वकी कुदरतहै और जोकिआदमीको

सरद गरमकारोग होजावे-तोउसकासरीर-और-जीव बहुतदुखपाताहै और-जब कि.जमीतमाताको.दुख और रोगकरतेहें तोजमीनमाताका.जीव.और-सरीरदुख पाताहे परंन्तु संसारकेलोगोंकी बुधी ऐसीकेदकरदीहे किजो-राक्षसीपापसे जमी नको फाड्भीदेवें और?दरखतोंको हवाकेजोरसे गीराभीदेवें या समुन्द्रकेपांनीको रोगकरके आफरा.और बदहजमीकरदेतेहें तोउसको सब संसारकेलोग ईश्वकी. कुदरतकहतेहें परंन्तु-यह कोइनहीजांनता किजमीनतो जींन्दा जीवहै-परंन्तु इन-बनीयोंने अपने राक्षसीपापसे संसारकेलोगोंको जमीनमाताके सरीरकी पहचांन भुलादीहै-किजो-जमीनमाताका सरीर और जीव नीहायतदरजेका-दुखपाताहै?प रंन्तु,इसकदर कोइभी पहचांननहीकरता कि राक्षसीपापसे जमीनको दुखदेरक्खा है-क्युंकि जमीनमातातो जींन्दा जीवहे-सोसंसारके लोगोंको यहबनीये अपने-रा क्षसीपापसे कुछ नहीसोचनेदेतेहें-किइस जमीनकेउपर-चांदी सोनेकी खांनेंनहीं; वोह.कहांगइ क्युंकि जमीनतो वोहकी?वहीहै सोयह बुधीकासबबहै किजोनहीसो चनेदेतेहें क्युंकिचांदी सोनेकीखांनेंथीं वोह-जमीनके सरीरकी चरबीथी वोह-बी मारीकेसबबसे गलगइहें किअबजो चांदी सोनेकीखांनें कहींपर दीखनेकोभीनही रहीहें-और हिंन्दुस्तांनके लोगोंकोतो राक्षसीपापके सबबसे पागलोंकीतरह कर दीयेहें.परंन्तु दुसरी वलायतोंकेलोग और राजा बादशाहभी नहीसोचतेहें कि;ज मीनतो-वोहकी वहीहे और चांदी?सोनेकीखांनें कहांगइ इसका खयालनहीकरते जीसकासबब यहहै किरावणने तीनलोककी बुधी केदकरदीथी और जमीनके,स रीरकी पहचांन भुलादीथी उसीतरहसे?इन सोदागरांननेभी सातों आठोंवलाय तोंके?लोगोंकीबुधी?खराबकरदीहे इससे जमीनकेसरीरकी-पहचांन-कीसीकोभी-नहीरहीहै और?अबकि खांनेंथीं.अब-कीसीकोभी.धनकी परवाहनहीथी क्युंकि जब कीसीकोधनकी जरुरतहोतीथी तोवोह मीट्टी पत्थरकीतरहसे खोद२के लेआ तेथे-सोअब इसकदरधन जमीनकेउपर नहीरहा किजो खोद२केलावें परंन्तु कहीं पर.मीसाल जलफुके रुपीया खरचकरके नीकलवातेहें किजीसकदर बाबत धन, नीकलवानेके रुपीया खरचकरतेहें तोरुपीयाका सवारुपीया होताहै-इससे-जीया दानही और कीसी२जगहपर रुपीया,खरचकरनेसे बारहआंनेका धन नीकलताहै फीर-रुपीयाका बारहआंना होनेकीवजहसे धन नीकलवानाही बंन्द करदीयाहे; और जोकि टुटाहुवाधनथा उसको बनीयोंने अपने काबुमेंकरलीयाहै और जोकि

थोडा वहुतवाकीहै उसकोअव काबुमेंकरलेंगे-जव सव वलायतोंमें सेर,कांसीरहे गी-जवऊन राजा वादशाहोंको दोलतमंन्दकहेंगे सोदेखोभाइ दोलतमंन्द उस;सेर कांसीमेंसे क्यातोधर्म्म पुन्यकरेंगे और क्याकारज वगैराकरेंगे और?क्याफोज. वगैरारक्खेंगे सोयहवात दुनीयोंमेंकहतेहें किकलजग इसतरहका वुराआवेगा कि जीसकेघरमें.सेरकांसीरहेगी.वोह दोलतमंन्द कहलावेगा.यहवातेंतो.पहीलेसे,वनी योंकी चलाइहुइहें और नांम-अगले-सतीलोगोंका किहिंन्दु मुसलमांनके वुजरग होगुजरेहें ऊनहोंकानांम लगादीयाहै और आप न्यारेकेन्यारेरहेहें क्युंकि पहीले चांदी सोनेकीखानेंथीं जव मीट्टी.पत्थरकीतरहसे खोद२के लेआतेथे क्युंकिजमी नका-सरीर ताजाथा इसवजहसे जमीनके सरीरकी चरवीवगैरा नहीगलीथी;और जवसेकि यह-सोदागरवच्चे कालवगैरा दुनीयोंमेंडालतेहें जवसे-जमीनमाता तरह तरहकी,वीमारीयां,पारहीहै इससे.जमीनकेसरीरकी चरवीगलगइहै,इससे,अववोह चरवी कि-जीसको फी जमांना चांदी सोनेकी खानेंवोलतेहें वोह नहीरहीहैं और जोकि-टुटाहुवाधन-वलायतोंमेंथा और होगा तोउस!टुटेहुयेधनको!कीसीवलायत मेंभी नहीरहनेदेंगे जीसकासवव.यहहै.किजीसतरहसे आदमीकेसरीरमें वीमारीके सववसे सरकाखुन पेरोंमें सोजन और वरमकेसववसे आजाताहै और पेरोंकाखुन वरमकेसववसे सरमें आजाताहै-फीर-इसीतरहसे-यह सोदागरवच्चे अपने.राक्षसी पापसे जमीनको वीमारकरदेतेहें किजीससे जमीनको,तरह२के रोगहोतेहें किजी, सकी-पहचांनतक तुम संसारके.लोगोंकोनहीहै.कियह सोदागरवच्चे अपने?जादुके जोरसे जमीनकोफाड्के टुटेहुयेमालको खेंचलेंगे किजीसतरहसे कीसीमुलकके-मं न्दीर कीसीमुलकमें नीकालदेतेहें-फीर-उसीतरहसे-यह सोदागरवच्चेभी जमीनमा ताको.तरह२के.दुखदेके टुटाहुवामाल खेंचलेतेहें सोजमीनमाताको!यह!ऐककीस मकी?वीमारीहै किजेसे-आदमीकेसरीरमें वीमारीके-फीसादकेसववसे वादीवगैरा फीरतीहै फीर-जवकि यहसोदागर जमीनकेनांमका राक्षसीपाप करातेहें जव,ज मीनमाता-दुखपातीहै-क्युंकि जमीनमाताकाभी सरीर.मीसाल?आदमीकेहे?सोइस जमीनमाताकोभी वादीका रोगकरदेतेहें किजेसे आदमीकेसरीरमें वादीफीरतीहे;इ सीतरहसे-जमीनमाताके-सरीरमेंभी राक्षसीपापके सववसे-वादीफीरतीहे-सोऐसे२ जमीनमाताको कीरोड्हा रोगहें.सोयह.वनीयोंने.जादुकेजोरसे कीयेहें इससे!ज मीनमाता दुवलीहोगईहै जीसकी खासवजह,यहहे किजमीनमाताके सरीरकी चर

बी:गलगइहै किजोचांदी सोनेकी खांनेंदीखतीनही सोअब तुम संसारकेलोग;और सातों आठों बलायतोंकेलोग दुटाहुवाधन कहांसेलाओगे क्युंकिजब जमीनपर-खांनेंही नहीरहेंगी तोफीर दुटाहुवाधन कहांसेलाओगे क्युंकि खांनेंवगैराहोवे?जबतो.मीट्टी पत्थरकीतरहसे खोद२के-लेआवो-और-जबकि खांनेंगलगइहें तोकहां से-लाओगे-और जोकिदुटाहुवाधनहै उसकोतो यह सोदागरबच्चे.कीसीकेपास.अपने राक्षसीपापसे नहीरहनेदेंगे जबतुम्हारी ओलादकाकांप कीसतरहसे चलेगा क्युंकिजब कीसीकेपास दोलत नहीहोगी तोकुल बलायतोंकी ओलाद इन-सोदागरबच्चोंके-कबजेमें-होजावेगी जबइन.सोदागरबच्चोंके दीलमें,जीसतरहसे.आवेगा उसीतरहसेकरेंगे सोऐभाइ उसवक्तमें जींन्दा रहनेकाभी धर्म्मनहीहे अलवेइसके जबतक सातों आठोंबलायतें गारतनहोंगी जबतक,यह सोदागरबच्चे-गरीब और भक्तहोकेरहेंगे जबतक इन-सोदागरबच्चोंका-जाल जाहरातमें नहीआवेगा,क्युंकि जाहरातमें आजावें जबतोइनके जालोंको सखतीयांदेके दफेभीकरादेवें परन्तु-इन होंकेतो तरह२केजादुहें किजीनहोंको चोड़ नहीआनेदेतेहें जीसकासबब यहहै;कि पहीलेइनहोंने थोड़ासा राक्षसीपापका करना रावणवगैराको सीखायाथा किजो रावणवगैरा सीखलेनेके सबबसे और करनेकीवजहसे तमांमजहांनके लोगोंने?अपनीओलाद-सलांमत-रहनेकीगर्जसे सखत सजादेके.गारतकीया.फीर-रावणवगेराके मारेजानेका डरकरके यह?सोदागरबच्चे जाहरातमेंनहीआतेहें बलके दुसरी कोमके-राजा बादशाहको थोड़ासा पापकाकरना सीखादेतेहें किजोपापकी खबर कीसीवजहसे संसारमें पड़ेगी.तोसीखनेवालोंकी.ओलाद मअे सीखनेवालोंके-रावणवगैरा!कीतरहसे!मारेजावेंगे इसवजहसे यह सोदागरबच्चे.अपने?कदीमीपाप मेंसे-थोड़ासा पापकाकरना दुसरोंको सीखादेतेहें परन्तु असलीपापको आपकर तेरहतेहें-जीससे-संसारमें बुराहोताहै अगर ओरोंको नहीसीखावें,जबतो-इन.सोदागरांनकोही पकड़ें-और इनकाही पापकरना साबीतहोजावे इसवजहसे यह-सोदागरबच्चे पहीलेसे दुसरोंको सीखादेतेहें और-यह समझतेहें कि जबतक?दुसरी कोमके राजा-बादशाहहैं जबतक-ऊनहोंकोसीखावेंगे-क्युंकि देखनेवाले यह.जांन लेलगतेहें कि!राक्षसीपाप इनहोंनेही चलायाहै परन्तु सोदागरबच्चोंका कोइशुभानहीकरताहै और करनेवाले कुछ-शुभाभी नहीकरतेहें किहमको इन,सोदागर,बच्चोंने सीखायाहै सोअपने पापके करनेमेंसेतो नहीसीखायाहै किजो कदीमीपाप

इन सोदागरवच्चोंकाहै किजीसको यह सोदागरवच्चे आपकरतेहोंगे सोयह-दुनी यांकेलोग वीलकुल खयालनहीकरते किहमारी बुधी;पहीलेसे इन सोदागरवच्चोंने केदकरदीहै इससेथोडासा पापकरना रावण कीतरहसे हमकोभी गारतकरनेके-लीये सीखादीयाहै सोयहकुछभी नहीसोचते सोयहसवव बुधीकेदहोनेकाहे क्युंकि जवबुधी केदहोजातीहै जव ऐसाहीसुझताहै सोऐभाइयो-इन सोदागरवच्चोंका दी ल-इसतरहपरहै कि संसारकीओलाद गारतहोनेकेलीये अपना राक्षसीपाप सीख लादेतेहें और-आप अलेहदाके अलेहदा रहजातेहें परंन्तु यह-जाल सोदागरवच्चे अपनी ओलादवचनेको दुसरोंको सीखादेतेहें जीसकीवजह यहहै,किजव राक्षसी पापको गरीवआदमीभी सीखलेवेंगे तोवहुत अच्छीवातहै इससे सोदागरवच्चे-रा जीहोतेहें सीवायेइसके जो-राजा वादशाह इनहोंकेकहनेसे-राक्षसीपापका करना सीखलेवें-तोसवसे-जीयादा राजीहोवें और यहभीकहतेहें.किहम-कभी.चोडेनही, आवेंगे तोहमारी कोमकेआदमी?सलांमतरहेंगे?और दुसरीकोमकेआदमी मारेजा वेंगे-परंन्तु जवकि पापकाकरना सीखातेहें और जोकि कीतावोंमेंदेखके करनेको लगजातेहें नहीमालुम कि साधु-फकीरका-रुपधरके सीखादेतेहें सोकीतावोंको दे खकर राक्षसीपाप चलादेतेहें परंन्तु कीतावोंमेंतो थोडासा राक्षसीपापकाकरना लीखाहै परंन्तु दुसरीकोमकेलोग यह?नहीसमझतेहें किजोकीतावोंमें थोडासा रा क्षसीपापका करनालीखाहै सोहमको कहीं मरवानेकेलीये छलकी कीतावें-नही चलादीहें किजीसका वीलकुल खयालनहीकरते जीसकासवव यहहे किवनीयोंने वेइमांनीकरके ऐसी अकलमंन्दीकीहै किचलातेतो आपहें परंन्तु-कीतावोंमें दुसरी कोमके राजा?वादशाहकेनांम और साधु-फकीरकेनांम लीखदीयेहें किजीसको स व-मांनतेहें चलानेवाले ऊनकीतावोंके अंन्दर अपनानांम नहीलीखतेहें वलके-जा लसाजीकरके दुसरी कोमोंकेनांम लीखदीयेहें क्युंकि चोरीकरनेवाले अपनानांम कवव्रतातेहें वलकि दुसरोंकानांम लेलेतेहें फीर उसीतरहसे यहवनीयेभी अपने-कदीमीपापके जाहीर नहोनेकेलीये कीतावोंमें दुसरीकोमके नांम;लीखदेतेहें और अपनानांम नहीलीखतेहें जीसकीवजह-यहहै-किचोर अपनानांम वतादेवे-जवतो चोर,खुदमारेजावें फीर इसीतरहसे यहवनीयेभी राक्षसीपापकी कीतावोंमें अपना नांम नहीलीखतेहें किजव-हमारानांम-कीतावोंमें-लीखाहोवेगा जवतोहम कुल;व नीये किजो राक्षसीपाप करातेहें मारेजावेंगे इससववसे अपना नांम कीतावोंमें

नहीलीखाहै बलकि अपनीकोमके बचनेकेलीये दुसरीकोमके राजा-बादशाह और गरीब-गुरबोंकानांम-लीखदेतेहें सोजबकि बनीयेलोग अपने-राक्षसीपापसे-बुधी-खराब.करदेतेहें जब कीतावोंको-देखकरके-थोडा-बहुत पापकरनेको लगजातेहें इससेभुलही भुलमें अपनीओलादको पीढी दो पीढीकेबाद मरवादेतेहें परंन्तु-जा लकेकरनेवाले और सीखनेवाले यह?नहीसोचतेहें किकदीमी जालतो कीतावोंके चलानेवालोंकाहै.सोपुरा.पतातो ऊनहींकेपासहोगा किजीनहोंने.कीतावें.चलाइहें परंन्तु दुसरेलोगोंकी ऐसीबुधी केदकरदीहै किजेसे कीतावोंमेंलीखाहै उसीतरहसे राक्षसीपापकी कीतावोंमेंसे देख२के करनेको लगजातेहें और-यह नहीसोचतेहें-किकीतावेंतो कभीकी चलाइहुइहै-और अपनी-चलाइहुइनहींहें और जीनकी?च लाइहुइहें-सोवोह-न्यारेके न्यारेहें सोपापकाकरनातो ऊनका.ऊनकोही.यादहोगा क्युंकिकीतावें कुछ आसमांनसे नहीउतरीहें यहतो कीसी आदमीयोंकी बनाइहु इहें-इसबातका-खयालतो-कोइभी नहीकरते हालांकि.इसवदनांमीमें.आठ.नो,राजा बादशाह हिंन्दु मुसलमांनकी-कोमके रावण-हरनाकुश कंस-कारूंन वगैराकीतर हसे-मारेगये परंन्तु जालतोभी नहीमीटा किजोअबतक चलरहाहै और जीनको. कियह-जालकी कीतावें मीलजातीहें तोऊनको देख२के ऐसे-राजीहोतेहें किहम को,माल मीलगयाहै किकुल प्रथवींका-राजमाप्तहुवाहै परंन्तु यह खयालनहीकरते किजीन लोगोंने-यह जालकेजादु चलायेथे-तोवोह उसीहालतमें पकड्के मारेगये फीर-उसीतरहसेहम-जादुके करनेवालोंकी-ओलाद मारीजावेगी.सो.राक्षसीपाप, सीखनेवाले यह नहीसोचतेहें किजब रावणवगैराने राक्षसीपापको सीखकेकीया तो-राक्षसीपापकी-वजहसे संसारकेहाथोंसे मारेगये फीर.इसीतरहसे.हमभी,सीख के.करतेहें और कीतावोंकोदेखके करतेहें-तोहमारीभी ओलाद मारीजावेगी क्युं कियह.हमाराजाल.कदीमीनहींहै क्युंकि-कदीमी जालतो-रावणकाभी,नहीथा-क्युं कि-जालतो दुसरोंकाहीहै रावण-वगैरानेभी-सीखकेकीयाथा इससेवोह मारेगये, किजीनका पतातकभी नहीमीला परंन्तु कदीमी पापकेकरनेवाले नहीमारेगये ब लकि कदीमी पापकेकरनेवाले अबतक-कदीमीपापको बराबर करारहेहें किजीन का-कीसीकोभी पतानही किजो दुसरेलोग भुलही भुलमें थाडो बहुत-पापसीख नेको लगजातेहें.और फीर सीखकरके करनेको लगजातेहें सोयह बुधीकासबबहै क्युंकिबुधी कदीमीपापके करनेवालोंने केदकरदीहै जीससेकुछ खबर नहीपडतीहै

बलकि दगाही-दगामें लोगमारेगये और-अबभी दगाकरके मरादेंगे जीसकाकुछ पतानहीलगेगा क्युंकियह बनीये बेइमांन दुनीयांमें पहीलेसे ऐसीबात चलादेतेहें किहम राजाओंकी कोममेंसे-नीकलेहें-और-मुसलमांनोंसे इसतरहकहतेहें किआगे साह-और-पीछेबादशाह सोदेखोभाइ यहबनीये अपने.मतलबसे.खालीनही;क्युंकि ऊनसेभी मीलेरहतेहें अलावाइसके-किजोअब-अंग्रेजवगैरा राजकरतेहें तोइनसेभी मीलगयेहें परंन्तु संसारमें बनीये यहकहतेहें किहम और-अंग्रेज ऐकहें किजीसतर हसे-हमबीयेहें उसीतरहसे अंग्रेजभी बनीयेकहलातेहें परंन्तु बनीयोंने संसारमें यहबातें पहीलेसेचलादीहें किजीससे-संसारकेलोग-यहकहतेहें किअंग्रेजभी बनीयेहें सोदेखोभाइ किबनीये सबसेमीलेहुयेहें और गरीब होकररहतेहें और दुसरोंको, अपनाभाइ-बापबनालेतेहें-और फीर राक्षसीपापसे ऊनको-गारतकरदेतेहें?सोइन होंके-ऐसे२जाल सेंकडोंहें क्युंकि-यह-भाइ-बीराबनाके जालही जालसेमरवादेतेहें और-जोकि संसारमें यहबातें पहीलेसे चलादीहें किअंग्रेज चारकूंटमें राजकरेंगे-सोयहबातें इनबनीयोंने कीतावोंमेंभी-लीखीहोंगी-सोयहबात संसारमेंभी कहतेहें किअंग्रेज-चारकूंटमें-राजकरेंगे तोऐसी२बातें पहीलेसे चलादेतेहें-कि,रावण-हरना कुश-कंस कारूंनवगैरा चारकूंटमें और चोदाभांणमें राजकरेंगे बलकि राजकाक रनातो दरशुजरा-वलकि वोह जालही-जालमें मारेगये किजीनका?अबतक नांम बाबत.जुलमकरनेके.संसारमें प्रघटहै सोदेखोभाइ कि,असलीपाप,कीसीकोभीनही मालुमहुवा क्युंकिइन सोदागरांनका,दीलतो,इसतरहपरहै किचोदाकूंट.और चोदा भांनमें-हम-राजकरेंगे-जीससे राक्षसीपाप चलायाहै.इसवजहसे.यहबनीये.मुदतों, से!थोडासाजाल सीखा२के दुसरोंको गारतकरादेतेहें और जोकि रावणने!और हरनाकुशने और-कंसने और कारुंनबादशाहने राक्षसीपापके जोरसे-धन जमैकर लीयाथा!सोराजकरके!जमैकीयाथा किजोअबतक दुनीयांमें!कहतेहें!कि-रावणने. लंका सोनेकीबनाइथी और कारुंन बादशाहनें चालीस डूंगरी-धन जमैकीयाथा सोवोह?धनभी कीसीने नहीलीयाथा और इन बनीयोंकेपासहै परंन्तु वोहपापके सीखनेवाले मुलही मुलमेंमारेगये-किजोऊनकी-ओलादनेभी सुखनहीपाया और न-धनको!भोगसके!सोदेखोभाइ दुनीयांमें बहुतधनथा.सोइन.बनीयोंके-कबजेमें; हीरहा परंन्तु जो-रावणने!राजकरके?छे!अबीकाधन जमैकीयाथा और-रैयतके पाससे-जुलमकरके जमैकीयाथा सोभी रावणके पास-नहीरहा और-ना-ऊनकी

ओलादके पासरहा बलकि रावणवगैरा-अपनी मअे ओलादके गारतहोगये-और सबसे-जीयादाधन-इन कदीमी पापकरनेवालोंके पासरहा,किजीनकाअब,राक्षसी पापचलरहाहै सोइसीतरहसे अब राक्षसीपाप करारहैहें और-जीनको किअब-रा वण-वगैराकीतरहसे-थोडा बहुत!राक्षसीपापका करना-सीखादीयहै-और वोह-सीखके करनेको लगगयेहें या;अब करनेको लगजावेंगे तोऊन सीखनेवालोंकीभी वेसीही.गतहोगी.किजेसे रावणवगैराकीहुइ सोदेखोभाइ!अगर-तुम?मेरेकहनेको-सच२नहीमांनोगे और बनीयोंके राक्षसीपापका खयालनकरोगे तोबनीये अपना राजकरेंगे और;सब वलायतोंके;लोगोंको;रावणकीतरहसे होले२गारतकरदेंगे;और हिंन्दुस्तांनतो गारतहोगइहै और जोकि बाकीरहीहै उसकोअब तुम-सातों आठों वलायतोंके लोगोंकोलाके गारतकरादेंगे-परंन्तु-लालचमेंआके भुलही भुलमें?हिंन्दु स्तांन गारतकरोगे तोतुमकोभी तुम्हारी,मअे ओलादके यहबनीये हिंन्दुस्तांनका लोभकरनेसे गारतकरदेंगे हां अलबत्ता तुमको बनीयोंके-पापकी कीसीकोभी ख बरनहीहै इससे संसारकेलोग-बनीयोंके.पापकीवजहसे-आपुसमें लडके मरजावेंगे और!जोकितुम!हिंन्दुस्तांनके राजका लालचकरतेहो सोयह?लालचकाकरना-तु म्हारेवास्ते रावणकीतरहसे बहुत खराबकरेगा क्युंकियह बनीये रावणकीतरहसे लालचदेके.गारतकरदेंगे.फीर इसतरहसे जवकुल वलायतोंमें!इनका!अमलहोगा-तोवलायतें गारतहोजावेंगी जब यहबनीये-अपना राजकरेंगे इससेमेरी अरज-य हहै-किइन बनीयोंके राक्षसीपापको छोडाओ तोकुल वलायतोंकी ओलादसुखपा वे!अगर!इस;राक्षसीपापको नहीछोडाओगे-तोयहबनीये हिंन्दुस्तांनकी;तरहसे;सब वलायतोंको.गारतकरके.धन अपने काबुमेंकरलेंगे और पापकीखबर कीसीकोभी नहीपडनेदेंगे और सतजगमें!जोदेवतासरुपी!आदमीथे ऊनकीबुधी राक्षसीपापसे केदकरदीथी-किजोऊनकोभी-खबर नहीपडतीथी परंन्तु!उसवक्तमेंभी?रावणवगै राने.अपने राक्षसीपापसे सनीश्वरको!नीहायत!दुखीकीया जब.राक्षसीपापकी ख बर?ऊनकोपडी जब सनीश्वरगैराने तमांमजहांनके लोगोंको राक्षसीपापकी खब रकरदी-जब संसारने ऐकाकरके-इस-राक्षसीपापके दफेकरनेकेलीये कोशीशकी; जब-राक्षसीपाप थोडा बहुतदफेहुवा परंन्तु वही राक्षसीपाप अबहोरहाहै और. मै-इसी राक्षसीपापमें केदहोरहहूं-परंन्तु?जबतक-किमुझको राक्षसीपापसे दुखी,न हीकीयाथा जबतक मुझको राक्षसीपापकी खबरनहीथी परंन्तु जबसे किमुझको

सोदागरबच्चोंने अपने राक्षसीपापसे सनीश्वके तोरपर दुखीकीयाहै जीससे-इन बनीयोंका राक्षसीपाप मुझकोभी मालुमहोगयाहै इससेमैं तुम्हारीओलाद बचनेके लीये-अपनेउपर दुखपड्तेही इन बनीयोंके राक्षसीपापसे वाकीफकरताहूं कितुम सब संसारकेलोगो परमेश्वकी-रचनाहो और-मुझको इनबनीयोंने अपने.राक्षसी-पापसे समामुख दुखीकीयाहे और जोकि संसारकेलोगोंकी बुधी राक्षसीपापके जादुसे.केदकरदीहै.जीसकाहाल में केइजगह उपरलीखचुकाहूं.किबनीये.संसारको गारतकरेंगे सोदेखोभाइ किकुल संसार गारतहोजावेगा जबतोयह काफीरही!र हजावेंगे-सोतुम सब संसारकेलोगो इसबातको-सोचो और खयालकरो किजब. मालीककी रचनाही गारतहोगइ-तोफीर.क्यारहा-क्युंकि अगर-तुम संसारकेलोग और,राजा,बादशाह,रांमचन्द्रंजीकी तरहसे इनबनीयोंके-राक्षसीपापको-ऐकाकरके छोडाओ ताकिसब वलायतोंकी.ओलादबचे.क्यंकियह बनीये!अपने राक्षसीपाप से!कुल वलायतोंको गारतकरेंगे क्युंकिइन,बनीयोंने मुझको अपने राक्षसीपापसे; समामुख दुखीकीयाहै और!मैंइसी!राक्षसीपापमें!केदहोरहाहूं सोमुझसे यह-दुख नहीसहाजाता इससेमैं नीहायत दुखपाके लीखताहूं कियह बनीये,अपने राक्षसी पापसे नातो रीजकहोनेदेंगे-और ना-कीसीकेपास पेसारहनेदेंगे और.ना.बुधी. दुरस्तरहनेदेंगे-सोदेखलो किभाइ२आपुसमें लडकेमरतेहें-परंन्तु-आगेकी!खबरनही किकेसीबुधी रहनेदेंगे इससेमैं परमेश्वकेवास्ते लीखताहूं कियहबनीये अपने-राक्ष सीपापसे परमेश्वकी रचनाको दुखीकरेंगे इससेमैं गरीब बार२लीखताहूं और-अ र्जकरताहूं-किपहीले-दील्ली मंन्डलमें-राजा बादशाहबनेहुयेथे,और.नेकीमेंचलतेथे परंन्तु जबइन बेइमांनोंने.अपनेदीलमें.केसाजाल.और कपटबीचारा किजोइन-ब नीयोंने अपने राक्षसीपापसे ऊन राजा बादशहोंकी अकल खराबकरदीथी जबसे राजा!बादशाह!आपुसमें गुस्साखातेहें और झगडाकरनेलगतेहें.और.रैयतकोदुख देनेलगतेहें इससे आपसेआप तनाजाकेसबबसे मरनेलगतेहें किजोर्दान२मुरत बी गडनेकी-होतीजातीहै-परंन्तु असलीभेद कीसीपर नहीखुला.कियहक्या.करतबहो रहाहै क्युंकिइन सोदागरबच्चोंने-अपने-राक्षसीपापकी कीतावें इसकीसमकी-चला दीहें.किजेसे हिंन्दु मुसलमांनके जातमें इष्टहें वेसाही हिंन्दु मुसलमांनोंके पीरों-मु रीदोंकेनांम कीतावोंमें लीख२के.जाहीरकीयेहें.जीससे हिंन्दु-मुसलमांन अपनी, जांनतेहें-सोयह-हिंन्दु मुसलमांनोंकी बडीभारी भुलहै क्युंकिगोह.कीतावें.हिंन्दु,मु

सलमांनोंकीनहींहें यहतो इन सोदागरबच्चोंकी बनाइहुइहें और नांम कीतावोंमें हिंन्दु;मुसलमांनके;बुजरगोंके-किजो नेकहोगुजरेहें इसगर्जसे-लगादीयेहें-किहमारा राक्षसीपाप कीसीपर जाहीरनहो-इसवजहसे-मुसलमांनोंकी कीतावोंमें तो!मुसल मांनोंके बुजरगोंकेनांम किजो पहीलेजमांनेमें पीरहोगुजरेहें और ऊनहोंको साथ दीलके-संसारकेलोग-अबतक अपनी२जातमें मांनतेहें.किजीनहोंकानांम.इन-सोदा गरबच्चोंने लगादीयाहै जीससे.मुसलमांन.यहकहतेहें कि?पीरोंने पहीलेजमांनेमें. यह-वददुआदीहै जीससे बादशाहतें डुबगईहैं और हिंन्दु यहकहतेहें कि-शीवजी महाराजने यह.वददुआदीहै जीससे राजडुबाहै फीर इसवजहसे राज?हिंन्दु मुस लमांनोंके-राजडुबेहें-परंन्तु हिंन्दुस्तांनमें जीसकदर कि.राजा.बादशाहहें.सबको-अपने२इष्टका अेब लगादीयाहै-परंन्तु-मारवाड्में-चांवंन्डा देवीका लगादीयाहै-जीससे.मारवाड्के.तमांमलोग पहीलेसे यहकहतेहें कि!चांवंन्डादेवीका?यह!सराप है-कि जोधपुरका राज [५००] वरस राठोडोंके कबजेमेंरहेगा परंन्तु फीर-नहीं रहेगा.सीवायेइसके.जोआज कल इस हिंन्दमें बादशाह अेडवर्डसाहब.राजकररहेंहें और जेर-हकुमत बड्े२आलादरजा-ओर-ओहदेके-अंग्रेज याने-नवाब गोरनर-जनरलसे राजकरतेहें इनहोंकेवास्ते आंमलोग संसारके यहकहतेहें किअंग्रेजवगैरा आयेतो-नेकीसे और-जाअेंगे वदीसे सोयहबातें कीतावोंमें लीखीहोंगी परंन्तु-बु दी खराबहोनेका सबबयहहै.किजब.यहबनीये.अपने राक्षसीपापसे तुम-अंग्रेजोंकी बुधी खराबकरदेंगे जबतुमभी राजा बादशाह और गरीब गुरबाको दुखदेनेलगो गे-जब यहबनीये और कीसी-वलायतवालेको-लाके खडाकरदेंगे जबतुम गारतहो जाओगे इसवजहसे-मै बार२लीखताहूं कियह बनीये अपने?राक्षसीपापके जादुसे हिंन्दुस्तांनमें.सब.वलायतोंकोलावेंगे और,पहीलेसे इनबनीयोंने-हिंन्दु-मुसलमांनों और अंग्रेजवगैरा केवास्ते-ऐसी२बातें-चलादीहें-और अंग्रेजोंकेबाद जब.और;कोइ वलायतकेलावेंगे जब ऊनका बुराहोनेकेपहीले संसारमें बातेंचलादेंगे डुबनेकेवा स्ते.और.फीर.ऊनहींकेनांमका होमकरातेहें तोऊनहींका-बुराहोजाताहै-और-जो; आगम भाखतेहें-वोह सचीहोजातीहें-और-कोइभीसाहब इसबातको नहीसोचतेहें कियह-क्याबातहै-किजोकुछबात पहीलेसे;चलादेतेहें वोह.सचीहोजातीहें.और,जो कि.हिंन्दुस्तांनमें आवेंगे और.राजकरेंगे.वही.राजकेकरनेवाले हिंन्दुस्तांनको अ पनेहाथसे गारतकरेंगे गर्जकि सातों आठोंवलायतें हिंन्दुस्तांनमें आगे-पीछे इन-

बनीयोंके राक्षसीपापसे आवेंगे-और-हिन्दुस्तांनके लोगोंको गारतकरके-अपना राजकरेंगे-सोजीसतरहसे-कि हिन्दुस्तांनको गारतकरेंगे.सोयहपहीलेसे,सातों.आठों वलायतोंके आनेवालोंको.थोड़ासा?राक्षसीपाप.सीखावेंगे और असलीपापको अपने कबजेमेंरक्खेंगे और उसमेंसे थोड़ासा सीखावेंगे किजेसा-रावणको सीखायाथा.जब.तुम.भुलजाओगे और-जांनोगे-किहमही कुलंकीहें.सोतुम.सातों.आठों वलायतोंमें आपुसमेंही ऐक२को गारत करतेजाओगे और जबकि सातों-आठों वलायतें आपुसमेंलड़कर कमतीहोजावेंगी और सोदागरबच्चे यहजांनेंगे किअब, हम-जीयादाहें और हमको-कोइ गारत नहीकरसकेगा उसवक्त बनीये कुलंकी-राजकरेंगे और.जबतक कितुम.सातों.आठों.वलायतोंकेलोग जीयादाहो जबतक. कितुमकोभी थोड़ा.बहुत राक्षसीपाप सीखाके तुमकोभी पापकाकरनेवाला बतावेंगे!अगरचे नहीबतावें जबतो,खुदमारेजावें,इससे,ऐसे२करतुत करतेहें किजो-बनीयोंके जादुकाहाल कीसीको मालुमनहीहोगा और यहबनीये-अपने राक्षसीपापके-जादुसे-आपुसमें-बुधीफेरके गारतकरदेंगे और जब.थोड़ेसे.आदमीरहजावेंगे जब यहबनीये कुलंकी अपना.राजकरेंगे और.जबतक किसंसारके लोग जीयादाहें-जबतक दुसरोंकोही राजकरावेंगे और ऊनको कुलंकीबतावेंगे और आपचोड़े नहीआवेंगे.और.मीलेके.मीलेरहेंगे और-जबकि यहजांनेंगे-किअब-संसारथोड़ा;रहाहै-और हम सोदागरबच्चे,जीयादाहें,जब.अपना,राजकरेंगे सोदेखोभाइ किजेसे अब,साधु,फकीरहें इसीतरहसे पहीलेजमांनेमें साधु फकीरथे?परंन्तु?इनसोदागरोंनने राक्षसीपापके जादुसे-ऐसीअकल-फेरदीहै-किजोभुलेहुये और बहकेहुयेहें,सो संसारकेलोग.अगले?फकीरोंको ऐसाहीजांनतेहें किधरती-आसमांनको-ऊनहोंनेही बनायाहै और वहीउलट,पलटदेंगे,परंन्तु,यहबात,सोचनीचाहीये कियह रचना. जोहें.सोकुदीमसेहै.सोइश्वंकी कुदरतहै और अगले सतीलोगोंके.करनेसे.कोइजमीन.आसमांन नहीबनाहै यहतो जालहै किजेसेहम तुम सब-भुलेहुयेहें क्युंकितुम लोगथी,ऊनहींकी,ओलादहो और जोकितुम्हारे बुजरग,सतीहोगुजरेहें.किजीनका नांम कीतावेंमें लीखाहै!किजीसकोतुम?सब?मांनतेहो इससेमेरी यहअरजहै-कि जबतुम्हारे!बुजरगोंने!धरती आसमांन;बनायाहै तोअब!तुमभीधरती!आसमांन;बनाओ अगर-तुमसे नहीबनताहै.तोऊनसेभी-नहीबनताथा क्युंकियहतो मालीककी-रचनाहै और-बनाइहुइहै किजेसे!आदमीकेपेटमें मेल.खानेवाले जीवहोजातेहें

Scanned with OKEN Scanner

इसीतरहसे जमीनमाताके पेटमेंभी हम.तुम.सब संसारकेलोग पेदाहुयेहें परंन्तु मे इसवास्ते.लीखताहूं.कितुमलोगोंकी बुदी इनबनीयोंने.राक्षसीपापसे,भ्रष्टकरदीहै-जीससे तुमलोग इसीतरहपर,होगयेहो,किजेसे,भंगेडी आदमीहोताहै उसीतरहपर तुमकोभी-करदेतेहें-और इनहोंने कीतावोंमें लीखदीयाहै-किजमीन-आसमांनकी-रचना शीवजीने और!देवीनेबनाइहै?और?ब्रहमाने रचनारचीहै सोब्रहमा-और शीवजी.और.देवीवगैरा आदमीथे किजेसेहम और!तुम!जमीनकेपेटमें!पेदाहुयेहें-इसीतरहसे शीवजीवगैरा हजारोभगत-होगुजरेहें-सोशीवजीका नांम शीवनाथजी था;और-ब्रहमाजी-ब्रहमनथे और देवीकानांम देवलीथा!किजेसेअब!ब्रहमनवगैराहें और?नांम शीवनाथावगैराहें-सोऊनहोंने भक्तीकीहै-इससेवोह भक्तलोग अबतक नेकीकेसबबसे;संसारमें.मानेजातेहें और-भक्त गीनेजातेहें.किजीनकानांम;संसारमें अमरहै सोजबतक,कितुम संसारकी!ओलाद!जींन्दाहै इससेऊन भक्तोंकानांम,ले तेहो-अगर-तुम-संसारकेलोग नहीहो तोऊनकानांम कोनलेवे!सोतुम!संसारके-आ दमी,सलांमतहो तोऊनका नांमभी-सलांमतहै?अगर-ऊन भक्तोंकीतरहसे तुमभी नेकीमेंचल्रो तोसंसारमें ऊनके मुवाफीक तुम्हाराभी नांम सलांमतरहै परंन्तु-इन बनीयोंने राक्षसीपापसे ऐसीबुधी भ्रष्टकरदीहै किजोकीसी जीवकीदया कीसी. जीवकेउपर नहीरहती और अगले-भक्तलोगोंकेवक्तमें राक्षसबीद्याका पाप जीया दानहीथा.इससे.लोगोंकादील दयामें और नेकीमें बहुतथा-और-राजा,बलके;वा दसे,बनीयोंने राक्षसीपाप चलायाहै!इससेअब,जीव!नेकीपे नहीरहताहै और?यह कीतावोंमें,ऐसालीखदीयाहै किब्रहमाने और देवीने और शीवजीने और,कृष्णजी वगैराने जमीन आसमांन-और-रचना-रचीहे-परंन्तु मेरेनजदीक आदमीकेहाथमें रचना-रचनीनहीहे-क्युंकिमालीकने आदमीके हाथमें!रचना!रचनी-नहीरक्खीहे. और नहोसक्ताहे ओर उसकीकुदरत उसीकेहाथहे ओर इनहोंने केइ कीतावोंमें; ऐसा लीखदीयाहे किहनुमांनजीने-परवतको-उठालीयाथा सोदेखोभाइ अपन-आ दमी-क्याचीजेहें-कुछनहींहें और परवत कीतना बडाहे;सोपरबततो,जमीनकेहाडहें किजेसे आदमीकेहाडहें उसीतरह,जमीनकेभी.हाडहें,ओर यहभीकहतेहें किसुरज को-मुखमें लेलीयाथा सोकीतावोंमें लीखाहे किऊनहोंमें इतनीशक्तीथी तोखयाल करो किपरवतभी जादुकेजोरसे!उडताहे!ओर!सुरजभी जादुकेजोरसे नीचेउतर ताहे,सोजबकि जमीनके नांमका पापकरातेहें जब जमीनकाजीव दुखपाताहे,ओर

जमीनके हाड्वगैराफाड्तेहैं जब जमीनको इतनादुखहोताहै और मुसलमांनोंकी कीतावोंमें-ऐसाही-लीखाहुवाहै और मुसलमांनकहतेहैं कि-आंनासागर-जोअजमेरमेंहे.उसको फकीरसाहवने तुंवीमें-लेलीयाथा-और यहभीकहतेहैं किजब.फकीर साहव अजमेरमेंआये जब!घोड्ने अपनेपांवकी टापमारी!तोजमीनके सातों पड्दे फुटगये परंन्तु-हिंन्दु मुसलमांन.ऐसे,मसतहोरहेहैं.किहमारे बुजरग ऐसेहोगयेहैं. किजीनहोंने ऐसी२करामातें दीखाइ इससे फुले२फीरतेहैं और-वातको नहीसोच तेहैं-क्युंकिजलभी जादुकेजोरसे उड्ताहै-और-जमीनभी जादुकेजोरसे फटतीहै-और,जब जमीन जादुकेजोरसे फटतीहै तोउसको कीसकदर तकलीफ,और दरद होताहै तोऐसे२इन बेइमांनोंने-केइतरहकेरोग-जमीनको-करदीयेहैं और फीर-उस जादुको.दुनीयांकेलोगोंको.और फकीरोंको करामातेंसुझादेतेहैं,और,दुनीयांकी,बुध्दीफेरके जमीनकेसरीरकी भुल.दुनीयांकोपड्वादीहै.सोयेह दरदवगैरा कोइभी; नहीसमझताहे और-वनीये खुव कोशीशकरतेहैं किहमाराजाल खुवचलरहाहे और दुनीयां करामातोंमें भुलीहुइहै-सोऐसी२वातें-तरह२की चलादीहैं किजीसकाकुछ हीसावनही-परंन्तु-मुझको-इन हिंन्दु मुसलमांनोंकी दो-चारवातें-यादआतीहैं-वोह लीखताहुं अगर मैंपढाहुवाहोता.तोजीयादावातें.यादहोती अवतुम सव-हिंन्दु-मुसलमांन-पढेहुयेहो-सोखयालकरके इसवातकोसमझो किजोमैंने.अपने?अहलकारसे वोल२के लीखवायाहै उसको-जरुरपढना-और-जवतक-किमुझको वनीयोंने नही दुखीकीयाथा जवतक तोमैंभी संसारकीतरहसे अंन्धाथा और यहजांनताथा कि अगलेलोग करामातीहैं और,जवसेमुझे;वनीयोंने,जादुसे दुखीकीयाहै जवइनहोंका जाल.मुझकोभी.मालुमपड्ाहै क्युंकिजोकीतावें हिंन्दु.मुसलमांनके.जातकीहैं-और उनमें हिंन्दु-मुसलमांनके नांम-लीखेहुयेहैं-सोवनीयोंने अपनी अकलमंन्दीसे-लीखदीयेहैं-किजव-राजा-वादशाह दुसरीवलायतके इन-सोदागरांनके,फरेवमेंआकर हिंन्दुस्तांनके वशोंको गारतकरने.केलीयेआवेंगे.और.जव हिंन्दु मुसलमांनोंकी, कीतावोंकोदेखेंगे!जव!यहजांनेंगे कि राक्षसीपाप हिंन्दुस्तांनके-राजा-वादशाहों-और-साधु फकीरोंकाहै क्युंकिहिंन्दु;मुसलमांन.कीतावोंकोपढतेहैं और यहसमझतेहैं किहम!करामातीहैं!और जोकिभुलही भुलकेअंन्दर दुसरी.वलायतकेलोग.इन,सोदागरांनके जालमेंआकर हिंन्दुस्तांनमें-आवेंगे-और कीतावोंकोदेखेंगे और?यह. मालुमकरेंगे-किजाल-हिंन्दु मुसलमांनोंकाहै;जव हिंन्दु-मुसलमांनवगैरा-मारेजावेंगे

और?बनीये अलाहदाके अलाहदा-रहजावेंगे?परंन्तु-इन सोदागरबच्चोंने राक्षसी पापकेजादुसे.ऐसी.अअलफेरदेतेहें जीससे हिंदुस्तांनके.लोगोंको.करामातही-नज रआतीहै परंन्तु यहबनीये.अपने.राक्षसीपापके.जुलमसे तरह२की चीजेंबतातेहें; और-दीखातेहें-किजोहम और तुम अच्छीतरहसे जांनतेहें-किमरेहुये-फीरनहींआ; तेहें.परंन्तु यहबनीये अपने!जादुकेजुलमसे?मुरदोंको!दीखादेतेहें सोमुरदेतो नही आतेहें!परंन्तु?जोलोग!किभक्त होगुजरेहें ऊनकेनांमका राक्षसीपाप.करातेहें.जब वोहपापसे ऊनभक्तलोगोंकी शीकलें,दीखतीहें,परंन्तु,जब हिंन्दुलोग हिंगलाजमें जातेहें,और,आतेहें,तोऊनहोंमेंसे किजो भक्तहोताहै उसको,हिंगलाजजीकी,सुरत अपने जादुकेजोरसे यहबनीये;दीखादेतेहें,परंन्तु;वोह दरशनकरनेवाले अपनेदेसमें वापीसआतेहें.तोसंसारके.लोगोंसे कहतेहें किहिंगलाज?देवीका?बडाभारीपरचाहै और;मेंने आंखोंसेदेखाहै जब.संसारकेलोग.अपनीजबांनसे यहकहतेहें किजोबडा भक्तहोताहे-उसको.हिंगलाजजीके दरशनहोतेहें और सीवायेइसके,हिंगलाजजीमें कालकादेवीकी पुजाहै सोवहांभीलोग,दरशनकोजातेहें.और कालकादेवीपर बक रेका,खुनडालतेहें,सोजबकि खुन जमीनकेउपर गीरजाताहै,जबतो?यहकहतेहें?कि देवी-राजीनहीहुइहै अगरचे खुनको.देवीके.उपरडाला और वोह-खुनउडगया-तोउसको.परचाकहतेहें.किदेवी खुब राजीहोगइहै क्युंकिदेवीने?मांनलीयाहै.और देवी सचीहै सोदेखोभाइ-संसार-परचोंकेभरोसे-भुलाहुवाहै कि-नतो देवीनेखुन उडाया-और-नापीया वोहतो सोदागरबच्चोंके राक्षसीपापका!जादुहै!किजो!खुन-वगैरा दरशन करनेवालोंको?उडाहुवा?मालुमहोताहै उसीतरहसे मक्का?मदीनाके मुसलमांनोंमेंभी.बडाभारी.पीर और दरशनकीजगह गीनीजातीहै,सो.मुसलमांन उसके दरशनकरनेको जातेहें?सोमुसलमांनोंकीतो?बादशाही जातहै सोदेखोभाइ इनकोभी.भुलादीयाहै.क्युंकिजब जातेहें;तोउसवक्त दरशनकरनेवालोंको-ऊटनीके दरशन जादुकेजोरसे सुझादेतेहें जब वोह यहजांनतेहें किहमारेउपर पीर-फकीर बहुतराजीहै इससेहमको दरशनहोगयेहें और हिंगलाजके रस्तेपर चंन्द्रकुपस्वांमी है?सोवहांपर जमीनमाताको जादुके-जोरसे-रोगकीयाहै किजेसे आदमीकेसरीरमें रोगकीवजहसे-नासुरहोजाताहै-और राधपडके गोस्तगलजाताहे.और.राध.वाही रक्तोआताहे उसीतरहसे इनबनीयेंने.जमीनमाताको.रोगकीयाहे सोजबकि सब; लोगजातेहें जबयहकहतेहें कि चंन्द्रकुपस्वांमीजी दरशनदे और,बोल सो जीसवक्त

किआदमी अर्जकरतेहें तोसुराखमेंसे राध बाहीरको बवकताहै जब यहजांनतेहें किचंन्द्रकुपस्वांमीने-दरशन-हमकोदीये सोयह;हमको खबरनही-किवोह-नामुर,वेरे जीतनाहै याबावडी जीतनाहे.याकम-जीयादाहै.सोऐसे२रोग सेंकडों करदीयेहें इससे-जमीनमाता-दुबलीहोगइहै और;चरबीतक नहीरही.सोइसबातकी;तलाश;क रोगे!जब खबरपडेगी क्युंकि-जमीनमाताको-जादुकेजोरसे तरह२के रोगकरदी येहें.किजोतुमको.जमीनके सरीरकी भुलडालदीहै इससेतुमको!खबर!नहीपडतीहे चाहे-जमीनको कीतनेही रोगकरदीयेहूं परंन्तु तुमतो परचा२करतेहो और परचों के.भरोसेभुलेहो और हिंन्दुस्तांनके जोतुम हिंन्दु मुसलमांनहो सोतुम सातों;आठों वलायतोंके लोगोंको और.अंग्रेजोंको.इन.सोदागरांनके जालकीखबरदो और-जोकिमैंने-बनीयोंके-जालकी कीतावलीखवाइ उसकोदेख२के.अर्जकरो.कि?हिंन्दु स्तांनऐकहे और दुसरीवलायतें-सात-आठहें-सोयह जो.यादाहें और?तुम्हारीऐक बलायतहै!और!यहबनीयेतो धनीमार;जातहे सोइनहोंकेछलोंको!मैंने!अच्छीतरहसे पहीचांनलीयेहें इससे थोडा.बहुतलीखताहूं,कियह.बनीयेतो सातों आठोंवलाय तोंको-हिंन्दुस्तांनमें-लावेंगे और तुमकोमरवादेंगे सोदुसरी.वलायतके,आनेवाले-ऐसानहीजांनेंगे किबनीये राजकरनेवालेहें-और-यहीकुलंकीहें और यहीसबको-गारतकरेंगे-ऐसा-बीलकुल नहीसमझेंगे और बनीयेजादुसे-नहीसमझनेदेंगे-सोयह बुध्दीकोफेरदेंगे सोऊनकोभी दगाकी.खबरनहीपडेगी.क्युंकिबनीयोंका दगा और फरेब!बडाभारीहे!और इनहोंने इसीतरहपर सोचाहै किजीसतरहसे!हमने!हिंन्दु स्तांनकाधन अपने कबजेमेंकरलीयाहै-उसीतरहपर-सातों आठोंवलायतोंका धन काबुमेंकरलेंगे-किजेसे-रावणवगैराने राक्षसीपाप करके.बीचारलीयाथा.इसतरहसे इनबनीयोंनेभी अपनेदीलमें बीचाराहे?सोदुसरी?वलायतके लोगोंको यह?खबर नहीहे!किहमाराभीधन!कबजेमेंकरके और हमारी औलादको!गारतकरके!कुल-व लायतोंमें थोडेसे आदमीरहजावेंगे जब यह बेइमांन हमारीऔलादकेउपर रावण वगैराकीतरहसे छलकरके राजकरनेको करेंगे सोयह मालुमहोवे जबतो दील्लीमं न्डलका लोभतकनहीकरें और-दील्लीमंन्डलका-राजकरनेपर खाकडालें और-सो दागरबचोंके-जाततकको-नहीरक्खें बलके घांनीमें पीलवादेवें-परंन्तु-बनीयोंके?क पटका भेदनही ऐसेभुलहीभुलमें.सातों.आठों.वलायतोंकेलोग और हिंन्दुस्तांनके हिंन्दु!मुसलमांनके!बच्चेमारेजावेंगे इससेमैं हिंन्दु मुसलमांनके!बचोंको!इन!सोदाग

रांनके जालसे वाकीफकरताहूं क्युंकियह बनीये सबको गारतकरेंगे सोतुम-हिंन्दु स्तांनके.लोगोंकी.ओलादमेंसे अगर कोइभी जबतक जींन्दारहै—ओर.कीसीतर हकी तकलीफ नहीपहूंचे,तोइनके,जालकी,खबर,दुसरी वलायतोंके लोगोंकोदेना किबनीयोंका-जाल-संसारकी कोशीशसेमीटे अगर दुसरीवलायतोंके-लोगोंको-वा कीफ नहीकरोगे तोजाल?कभीनहीमीटेगा-और?भुलहीभुलमें सब संसारकेलोग मारेजावेंगे और-तुम हिंन्दुस्तांनके हिंन्दु मुसलमांनकी सातों-आठों वलायतोंके-लोगोंकेआगे और?राजा बादशाहोंकेआगे हाथजोड़के यहकहो किइन बनीयों-बेइमांनोंके-जालतो-रावण हरनाकुशके मुवाफीकहें और?हमलोग-इनके-जालकी वजहसे आपुसमें लड़२के-मरतेजातेहें-और-फीर-यह-बेइमांन हमको दुसरीवला यतोंके!हाथोंसे!मरवादेतेहें और अखीरमेंतो भुलहीभुलमें यह!सोदागरबचे?सातों आठों वलायतोंको अपने.राक्षसीपापसे.मारतकरदेंगे.और हमलोगतो इनके-जा लोंसे-पागलके-मुवाफीकहोगयेहें सोइसमें तुम ऐकरतीकी-भुलमतसमझो-और-इन बनीयोंने हमलोगोंकी बुध्दी-ऐसी-खराबकरदीहै-किजोइनका राक्षसीजालहै उस को.हमलोग करामात समझतेहैं और करामातके भरोसे भुलेहुयेहैं और जोआप, लोगोंको जबयह हिंन्दुस्तांनमें,लातेहें—तोहमको;आपलोगोंकी नजरोंमें कुलंकीसु झातेहें;और हमकोहमारी बुध्दीफेरके हमारीनजरोंमें आपलोगोंको कुलंकीसुझातेहें और-यह बेइमांन ऐसी२बातें-पहीलेसे-चलादेतेहें-किहिंन्दुस्तांनकी बाततो दुसरी वलायतोंके-आनेवालोंके-सांमने यहचलातेहें किहिंन्दुस्तांनमें-हिंन्दु-मुसलमांन-कु लंकीहें और हिंन्दुस्तांनके-लोगोंकेसांमने-यहबात चलादेतेहें किहिन्दुस्तांनमें?दुस री-वलायतोंके आनेवाले कुलंकीहें और आपचोर अलाहदाके अलाहदा रहतेहें. और हिन्दुस्तांनमेंतो करामातोंके.वहांनेसे.राक्षसीजालकी कीतावें और—पुस्तकें चलादीहें ओर पुस्तकोंमें हिन्दु मुसलमांनके बुजर्गोंके नांमलीखदीयेहें किजब हि न्दुस्तांनमें दुसरी वलायतकेआवेंगे ओर ऊन कीतावोंमें ओर-पोथीयोंमेंनांम हि न्दु:मुसलमांनोंके;बुजर्गोंकादेखेंगे तोजाल-हिन्दु मुसलमांनोंकाही;साबीतहोगा,सो यहबात आपलोगोंके समझने.ओर.सोचने.ओर.खयालकरनेके लायकहे किजो चोर,चोरीकरेगा,तोवोह अपना नांम कब प्रगटहोनेदेगा ओर;नांम;चोड़ेआनेदेगा तोऐसी बातपर खयालकरो,किजो,जाल,हिन्दु,मुसलमांनकाहोवे तोवोह जालकी कीतावों ओर पुस्तकोंकेउपर ओर अंन्दर नांम अपने बुजरगोंका क्युंलीखें ओर

अपना नांम क्युंचोडेआनेदेवें-यहतो सोदागर-महाजनांनके जालकी कीतावेंहें सोइनहोंने-अपना-नांम चोडे नाआनेकेवास्ते अपने नांम-कीतावोंमें?नहीलीखेहें और हिंन्दु मुसलमांनके.बुजर्गोंके.नांमलीखदीयेहें.और जोकीतावें जालकी-इन सोदागर.महाजनांनके.घरोंमेंहें ऊनमेंभी नांम हिंन्दु मुसलमांनोंके.बुजरगोंकाही. लीखाहुवाहै बनीयोंके बुजरगोंका-कीतावोंमें-नांमभीनही और यह,वेइमांन,सब संसारके-बच्चोंको-गारतकरके अपने बच्चोंका राजकरावेंगे-और-जोकिइन-बनीयों का;जाल मगटहुवाहै सोसबको-भुलादेंगे-और-कहेंगे किहमारा जालमगटमतकरो और,आगे,बादशाहोंकोभी भुलादीयाथा क्युंकियह बनीये,बडेकाफीरहें,कि-लोभ देके-भुलावेंगे सोतुम लोग.इनबनीयोंके.लालचमें.मतआना अगर लालचमेंभुलोगे तोतुम-अपनेबच्चोंको-मरवाओगे और मै तुम्हारे बच्चे-बचनेकेलीये-अर्जकरताहूं क्युंकिमुझको सभोंकी दयाआतीहै-इससे-बनीयोंके-राक्षसीपापसे वाकीफकरताहूं किसबके.बच्चेबचें.क्युंकिइन बनीयोंकी दुकानें दुसरी.वलायतोंमें.पहूंचगइहें-कि जोदरीयावोंके पार वलायतेंहें.और.वहींपर.धनकोलेगयेहें किजेसे रावण,धनको लंकामें-लेगयाथा-उसीतरहसे यहबनीयेभी लेगयेहें सोअब-बनीये-हिंन्दुस्तांनमेंसे हजारोंतरहके फरेबकरके नीकलजावेंगे?क्युंकिधनको?इनबनीयोंने पहीलेसे दरी यावोंकेपार-पहूंचादीयाहै-इससे चलेजावेंगे और जबतक-कि-पेसा-थोडा?बहुत-लोगोंके पासदेखेंगे जबतक-हिंन्दुस्तांनमेंरहेंगे-परंन्तु तुम-लोगोंको भुलादेंगे?कि पेसा.हमारेपास.नहीरहा सोयहबात;अभीसे कहतेहें.कि.बनीयोंकेपास.पेसानही;र हैगा-सोयह बनीये संसारके.लोगोंको.दीखानेकेलीये देवालेभी नीकालनेलगेहें, सोयह-खयाल-करनेकीबातहै किकीसने इनकेपाससे पेसा,छीनलीयाहै,किजोइनके पासपेसा नहीरहाहै या नहीरहैगा-और-यह-वेइमांन पेसातो रावणके मुवाफीक दरीयावोंकेपार.खेंचके.लेकरतो आपगयेहें और फीर-अपनेपास-पेसानहीबतातेहें और-जीस टापुपर यह,चलेजावेंगे,फीरतो,गुपतीपाप करानेवालोंको कह२करके खुब.पापकरावेंगे.और सातों आठों वलायतोंमें जादुसे.बीमारी.वगैराकराके.या; बुधीफेरके आपुसमें लडा२के-या-कालवगैरा-पडा२के गारतकरदेंगे और-जब-सब-वलायतोंमें-थोडेसेआदमी रहजावेंगे जबयह जांनजावेंगे-किअब-कुल-वलाय तोंमें,हमारेसे कोइ लडनेके,लायकनहीहें,जब,कुल,वलायतोंमें अपना राजकरेंगे; सोइसीवास्ते.यहजाल.इनबनीयोंने चलायाहै किजो धन.दुनीयांका,बनीयोंने,का

बुमें-करलीयाथा वोह बनीयोंके-पासथा-परंन्तु-बनीयेकहतेहें किहमारे पासनहीहे सोइन.बनीयोंके.फरेबोंको खयालकरो और पुछो किधन,कोइआदमी,थोडाहीथा जोउठके चलागया सोयहतो,इन,बनीयोंका.जालहै,क्युंकि बनीयोंने संसारकेलो गोंकी,अकल-अपने-राक्षसीपापसे खराबकरदीहे किजीससे-संसारकेलोग-बनीयों कीसी कहनेकोलगतेहें और-तुम-हिंन्दु-मुसलमांन-ऐकहीटापुमें पेदाहुयेहो और. भाइके-मुवाफीक-भाइहो परंन्तु राज तुम्हारा जातारहा और.नोकरी.और?मजदु रीकरके खातेहो तोभी,संप,नही सो,राक्षसीपापसे,ऐसी बुद्धी भ्रष्टकरदीहै-कि-राज;तक-तुमलोगोंका-लेलीयाहे तोभीखबरनही सोदेखोभाइ-हिंन्दुओंनेतो-मुसल मांनोंका क्यालीयाहै और-मुसलमांनोंने-हिंन्दुओंका क्यालीयाहै किजोआपुसमें गुस्साखातेहें.और.संपनहीरखतेहें सोयह सब सबब राक्षसीपापकाहै.क्युंकि,राक्ष सीपाप ऐसा जुलमीहोताहे,किबुद्धी-खराबकरदेताहै.क्युंकिपहीले ऐसे२भक्तलोग थे,किजो-देवतासरुपी-समझेगयेहें वोहभी इसजालसे कायल-होगयेथे-फीर,ऊनहों ने-काफरोंका जुलमदेखके ऊन.काफरोंकोमारके.बीलकुल राक्षसीपापको मीटा; दीया.किजोफीर.सतजगहोनेलगा और आपुसमें संसारके.संपहोगया.किजोऐक को-ऐकदेखके जीतेथे और,हरऐकके,दीलमें,दया,और नेकी उत्पन्नहोतीथी-फीर अच्छे.कर्म्म.करनेकीवजहसे सबही संसारकेलोग नेकीमें.चलनेलगे.और!कीसी२ अखबारोंमें पहीलेसे ऐसी२बातें-लीखदीहें-कि-फलांने बरसमें लडायांहोंगी,और बडे२ओफीसर!और!राजा महाराजा मारेजावेंगे जब?हिंन्दु!और'मुसलमांनोंमेंसे ऐक-शखस ओतारी पेदाहोगा!और!यहदेखेगा!किअब संसारकेलोग आपुसमें. कटकर.मरजातेहें.जब.संसारके शांमीलहोके वोह ओतारी.शखस.अपना?परचा दीखावेगा और अपना,अमलकरेगा.जब.संसारमें,अच्छीतरहसे अमन चेनहोगा सोदेखोभाइ,यहबातें,सबलीखीहें सो खीलाफहें परंन्तु यह.सोदागरबच्चे.अपने. राक्षसीपापके जादुसे ऐसाकरेंगे और लोगोंको सुझावेंगे किजेसालोग अपने,दी लमें ओतारहोनेका खयालकरतेहें परंन्तु वोह शखस बनीयोंके कुळकाहोगा सो; अपने कुळकेलोगोंको तो,कुछ?नुकसांन;नहीपहूंचावेगा?और,तुम हिंन्दु मुसलमां नोंको,मारेगा,और,जोकिउसके हुकमको मांनेगा और,उसके,हुकमके,मुवाफीक. चलेगा ऊनको नहीमारेगा,और,जोकिउसकी,हुकम अदुलीकरेगा ऊनकोमारेगा और.जोकितुम.ओतार२कहतेहो सोयह राक्षसीपापका.जादुहै.क्युंकिजैसे;हम;तुम

सबही बलायतें!मनुष्य ओतारहें.उसीतरहसे.तुम्हारी.ओलादभी मनुष्य ओतार है,सोयहबात?हमेशांसेहै?किजबसे रचना इश्वकी कायमहुइहे?जबसे?मनुष्य!ओता रहीहें और-जोकि अखबारोंमें-मनुष्य-ओतारोंकेहोनेका लीखतेहें-वोह क्याओता रहै;किजो-पहीलेतो-आपुसमें लडकर कटमरेंगे जबवोह.ओतारीआवेगा,जब,संसा रमें सुखप्राप्तहोगा सोयहतो,नांमरक्खाहुवाहै,कियह,मनुष्य ओतारहें और,यह-चारपाये,और.पंखेरु,ओतारहें इससे मेराकहना यहहै कितुम,सातों.आठों.बलाय तोंकेलोग आपुसमें हेत-इरादारक्खो-कितुम्हारी-और-सबकी ओलादें सलांमतरहें और-जोकि-लोगोंकेनांमका राक्षसीपाप पहीलेसे चलादीयाहै.सोयह.राक्षसीपाप इनबनीयोंने दुसरोंके नांमसे इसगर्जसे चलादीयाहै किहम बनीये अपने-जालसे कीसीपर-जाहीर-नहीहोंगे और अलाहदाके अलाहदा रहजावेंगे-क्युंकिजब-हम-अपने कुळमें,हिंन्दु मुसलमांनका!बेटा!बनाके!रखदेंगे!किजब हिंन्दु मुसलमांनके;कोममें.कीसी.राजा.बादशाहके लडका पेदाहोगा तोउसको.यहबनीये.अपने-राक्षसीपापसे छांने मारदेवेंगे-और-उसकी-शीकलका-लडका यहबनीये अपनी,जातके!लडकोंमेंसे!बेठादेवेंगे किजीसको तुम ओतारकहतेहो!उस;रोज!यह-बनीये;ऐसी,कलाकरेंगे और तुमको,जादुसे,याने,तुम,राजा,बादशाहोंका बेटा किजेसा,तुम्हारे-बेटाथा-वेसाही,सुझादेंगे जीसकी खबर तुमको बीलकुल-नहीपडेगी-बलके,तुम;यहजांनोगे किहमारा बेटाहै,क्युंकितुम्हारी,नजरको राक्षसीपापसे बंन्दकरदेंगे जब!हिंन्दुओंकी!जातकेतो!यह जांनेंगे किहमारी जातका!बेटाहै!और!जब-मुसलमांनोंकी जातका बेटाबनाके,रखदेंगे,जब,मुसलमांनकी जातके-यहजांनेंगे कि.हमारी.जातका;बेटाहै;परंन्तु बनीयेलोग ऐसाजांनतेहें किजीसकदर.जलदी.कट२के मरें;और थोडेरहजावें तोहम!अपना-राजकरें!क्युंकि अखबारके लीखनेवाले;और टीपनोंके,बनानेवाले,हिंन्दु मुसलमांनकी जातकेहें सोऊनकोतो,लीखनेको;वजहसे कुछ-दोश कीसी तरहकानहीं,क्युंकि,नमालुम,कि,सोदागर बच्चोंकी कीतावोंमेंसे देख२के!लीखतेहें!या-फकीरोंके मुहसे सुनके लीखतेहें-या.ऊनकेघटमें.राक्षसीपापसे,सुझादेतेहें जीससे लीखतेहें,जीसकी;खबरनही,इसकीतो वही अखबार;लीखनेवाले-और,टीपनोंके-बनानेवालेजांनें परंन्तु अखबारके!लीखनेवाले.और!ठीपनोंके,बनानेवाले तो,इन बनीयोंके.जालकी.कीतावोंको.इससे मांनतेहें किबनीयोंने अपनी;अकलमंन्दीसे;हिंन्दु मुसलमांनके बुजरगोंका नांम.ऊन;जालकी;कीतावोंमें

लीखदीयाहै इससेऊन कीतावोंको,हिंन्दु,मुसलमांन,अपनी जांनतेहैं देखोइसकदर जाल होताजाताहै तोभी नहीसोचतेहैं सो खयालकरना चाहीये किजब हम.कट कटके,मरजावेंगे,जबतो,नीहायतही बुरीबातहै परंन्तु,इनबनीयोंने,यहकेसी,अकल बंन्दीकीहै किहमारी जातका,शखस.हिंन्दु,मुसलमांनके जातमें.बेटा होकररहैगा जब,हिंन्दु,मुसलमांन,उसको अपनाजांनेंगे किहमारी जातमें,पेदाहुवाहै,इससे,भुल ही,भुलमें रहजावेंगे और,उसको,परमेश्वरके,मुवाफीक,जांनेंगे सो,आदमीतो बंन्दा गंन्दाहै परमेश्वर कीसतरहसे होसक्ताहै क्युंकि परमेश्वरकीतो जोत;सब जीवा;जुनमें घटहै.सोवोह.क्यापरमेश्वहे और वोह कब परमेश्वर होसक्ताहै.परंन्तु.बनीयोंने;रा क्षसीपापके जादुसे अकल,ऐसी,खराबकरदीहै,कि.जीससे ऐसाहीसुझताहै क्युंकि जादुकेजुलमसे?आदमीको?परमेश्वर सुझादेतेहैं सोयह अकलमंन्दी;इन;बनीयोंने;इस गर्जसेकीहै किजब हमारीजातका,शखस,इन,हिंन्दुओंके,जातमें बेटाहोकरहैगा;और जबके,लडाइ,और,दंगावगैराहोगा जबइन हिंन्दु मुसलमांनका,बेटा.ओतारी,हमा रीतरफको देखेगा तो हिंन्दु-मुगलमांन-हमारी-जातका नांम बीलकुल नहीलेंगे, ऐसे-ओतार-होनेकीबातें पहीलेसे जालकरके संसारके-लोगोंको-राक्षसीपापसे-सु झादीहैं परंन्तु अखबारवालों!और!टीपनोंवालों!और बनानेवालोंको इन,सोदाग रांनके-जालोंकी-बीलकुल खबरनहीहै वोहतो जालकी.कीतावोंको.देख२के.और लोगोंकी जबांनी सुन२के,लीखदेतेहैं,वेसाही,होजाताहै,परंन्तु होतातो उसीहाल तेंहै,किजब!चोरासीलाख!कूंन्डीयोंके उपर यहबनीये पापकरातेहैं-जब-वोह;टीप नों-और अखबारकीबातें सच्चीहोजातीहैं-और;जो-पापनहीकरावें तो कीसीकाभी बुरानहीहोताहै.परंन्तु.यह.अकलमंन्दी बनीयोंने अखबारवालोंके.मरानेकेवास्ते-कीहै!किजब कोइशखस समझेगा,तोयहजांनेगा,किजीनहोंने अखबार और,टीपने बनायेहैं,और,चलायेहै,वही राक्षसीपाप करनेवालेहैं क्युंकिइनको,पहीलेसे,खबर, पडीहै,इससे इनहोंने अखबारको,और,टीपनोंको,बनायाहै परंन्तु अखबारके,बना नेवालोंका-राक्षसीपापनहीहै-यहतो बनीयोंका राक्षसीपापहै-परंन्तु-बनीयेबेइमांन; ऐसेहैं,किजो संसारकेनांमका पाप;आपुसमें,लडाइकरानेके करादेवें तोभाइ२आपु समेंलडकर,मरजावें,अगरचे राक्षसीपापका कराना संसारके,नांमसे,थोडा,बहुत छोडदेवें तोसंसारके लोगोंकी-अकल-दुरस्तहोजातीहै-जब संसारकेलोग यहकह नेको.लगजातेहैं.किक्युंलडें हरगीज२नहीलडना चाहीये.फीर.इसीतरहकाखयाल

करके नहीलडतेहैं बलके लडना छोडदेतेहैं सोदेखोभाइ किजब यहबनीये-संसा
रकेनांमका-राक्षसीपापका-करना छोडदेतेहैं,जब कीसीकाभी;बुरानहीहोताहै;और
ना संसारकेलोग आपुसमें.कीसीके.नांमका.बुराचाहतेहैं और ना,करतेहैं-परंन्तु
यहबनीये.कुलपापको.नहीछोडतेहैं और जबके थोडा बहुत-छोडदेतेहैं?जब?लडा
यांभी बंन्दहोजातीहैं जबही!संसारकेलोगोंको!जादुकेजोरसे ऐसा सुझादेतेहैं-कि
कोइओतार!पैदाहुवाहै!परंन्तु संसारकेलोगोंकी;अकल खराबकरदीहै.किकुछ.नही
सोचते हालांकि इश्वकेघरमें,सिंघ,और,बकरी,शांमीलचरती ऐसा संपथा-परंन्तु;
लोगोंकी.अकल;ऐसी.खराबहोरहीहैं किजो ऐककेलीये.ऐकखानेको;दोडताहै.सो
यह राक्षसीपापका सबबहै-क्युंकियह-सोदागरबचे-आदमीकोभी संसारमें परमेश्वर
सुझादेतेहैं-और-परमेश्वरको संसारकेलोगोंसे;भुलादेतेहैं किजीसने-जमीन-आसमांन
बनायाहै और रचनारचीहै,परंन्तु.इसबातको.कोइभी.नहीसोचताहे सोयह राक्ष
सीपापका.सबबहै.क्युंकि राक्षसीपाप ऐसाबुराहै किकुछका.कुछ,सुझादेताहे.और
भुल,डालदेतेहैं सोइसबातको-तुमलोग!अच्छीतरहसे-समझो और राक्षसीपापको-
मीडाओ-तोसभांकी-ओलादबचे क्युंकियह राक्षसीपाप-बनीयोंकाहै,और-यही!अ
पने-राक्षसीपापसे संसारको कुछका,कुछ,सुझादेतेहैं,और,कुछका कुछ करदेतेहैं-
जीससे-संसारकेलोग-यहकहनेको लगजातेहैं और इश्वको.भुलजातेहैं.सोसंसारके
लोगोंकोतो कुछदोश कीसीतरहकानही-क्युंकिबुद्धी-राक्षसीपापके जुलमसे केदक
रदीहै,क्युंकियह,बनीये,बेइमांन ऐसाकरतेहैं किजीसका राज,डबोनाहोताहै,तो,प
हीले-अपने राक्षसीपापके जुलमसे!उस!राजा!बादशाह किजो राजगादीपर,बेठा
होवे-उसकीबुद्धी-भ्रष्टकरदेतेहैं जबवोह;राजा बादशाह-दुनीयांमें-इन्साफ-नहीकरते
है.बलके जुलमकरनेको लगजातेहैं-और-जीसकीबुद्धी भ्रष्टनहीकरें और;राज,खो
नाहोवे,तोउसको,मारदेतेहैं जबयह बनीये अपने कुलमेंसे,सलाहकरके.अपने.कुल
का-आदमी उस?राज गादीपर.बेठादेतेहैं.किजीसको मारदेतेहैं अगरचे?वोहभी-
जुलमकरनेको.लगजावे.किजो बनीयोंने अपने कुलका.बेठायाहोवे.तो-बदनांमी.
राजा बादशाहोंके कुलकोहीदेतेहैं-तोबदनांमीभी-ऊनकोही-लगतीहै और जबकि
राजदुवा-तोकुळ-और-ओलादहुवी जीनका कि राजहोवे-अगर-यहबनीये?अपने
राक्षसीपापसे नजर बंन्दकरदेतेहैं,किजबतक,वोह,राजका करनेवाला बनीया,जीं
न्दारहवे.और.जोकि.राजा बादशाह मरजातेहैं जब यहबनीये.अपने.कुळ.ओला

दके-आदमी उस,राजा बादशाहकी,जगहपर,किजो,राजा बादशाह मरगया,राज करनेको.बेठादेतेहें.और.वोह राजकरताहै तोवोह राजका.करनेवाला.बनीया.कि जो.राजगदीपर राज करनेकेवास्ते,बेठा,वोह,राजा,बादशाहकी ओरतोंको और ऊनकी-ओलादवगैराको-उसकी सुरत जादुके जोरसे-राक्षसीपापके-करनेवाले-ब नीये,हुबहु वेसीही दीखादेतेहें;किजीस;शीकलका;राजा बादशाह मारदेतेहें;और वेसीही,शीकल,और,सुरत मअे कांन और नाक वगैराके,अपने,जादुकेजोरसे,दी खादेतेहें चाहेउसकी रानीहो,या,माहो,परंन्तु,पहीले,ऊनकी नजरोंको राक्षसीपाप के-जुलमसे.बंन्दकरदेतेहें.किजोउस राजाकी रैयत और;कुळके;आदमीवगैरा;और अहलकार वगेराहोतेहें ऊनकीनजर-बंन्दकरदेतेहें-जबऊनको ऐसाही सुझताहै-कि राजका-धनी,यहहै-परंन्तु ऊनको यहबात मालुम नहीहोतीहै-किहमारा-धनी-मा रागया और,यह दुसरा,छलकरके.और.ही,धनीआयाहै सो,मालुम नहीहोताहै. क्युंकिजब.नजर.बंन्दहोजातीहै जबकुछ मालुम नहीहोताहै.और.अलावाइसके.ऐ साभी,करदेतेहें किजो राजा;बादशाहको;नहीमारें;तोउसकी राक्षसीपापसे बुद्धी-भ्रष्टकरदेतेहें-इससे,वोह-जुलमकरनेको लगजातेहें और राजको-डबोदेतेहें,और,ज बके-जुलम करतेहुये देखतेहें,तोदुसरे,राजकोलेलेतेहें,जबवोह आपहीआप डुबग या-सोइन;बनीयोंके;ऐसे२जालहें क्युंकिजब बाजीगर तमाशाकरतेहें;तो,तमाशगीर जमेहोतेजातेहें तोउसवक्त सबकी-नजर-बंन्दहोजातीहै तोऊनको बाजीगर;अपने तमाशोंसे-तरह२के-दरखत-फलदार और रुपीया पेसावगैरा?दीखादेतेहें-सो-सब लोगदेखतेहें और सबकहतेहें,कि,बाजीगरोंका,जादुहै,सोइस बातकी खबरतो,दु नीयांको,अच्छीतरहसे,मालुमहै परंन्तु यह जादुभी बनीयोंके;राक्षसीपापसे;होताहै क्युंकिजब बनीये राक्षसीपापको!करतेहें!जब!बाजीगरोंका जादुचलताहै परंन्तु, बाजीगरोंको.मालुमभीनहीहै.वोह तो यहजांनतेहें कि हमने.कीसीदेवताको.बसमें कीयाहै,जीससे हमारा जादुचलताहै,परंन्तु,सब,कांमकाहोना बनीयोंके राक्षसी-पापसेहै-परंन्तु-बाजीगर-ऐसे भुलगयेहें किजो भुत पलीत-और-देवतोंके-नीसबत कहतेहें किहमने,बसमें करलीयाहै-जीससे-जादुचलताहै सो,सब गलतबातहै;क्युं कि.जीसतरहसे.रावणने.तीन लोककी बुद्धी बसमें करलीथी.उसीतरहसे-इन-ब नीयोंनेभी तीन,लोककी बुद्धी,बसमेंकरलीहै,परंन्तु,बुद्धी राक्षसीपापकी वजहसे; बसमेंकीहे-किजीसकोतुम-स्वर्ग और नर्क कहतेहो वोह?बनीयोंके-घरका-राक्षसीपा

पहै-परंन्तु उसी राक्षसीपापसे,बसमें.करलीहै.किजो,बाजीगर और कारबेलीया किजोकोइ,संसारमें,जादुको सीखके सीखाताहै और ऐक२के,पाससे,सीखतेहें;सो यह,रस्ता बनीयोंने पहीलेसे-चलादीयाहै-सो-सुन२के-और देख२के करनेकोलग जातेहें.और.फीर.ऊनके घटमें देवतों और भुतोंका सुझादेतेहें.जीससे.वोह,बाजी गरवगैरा यहजांनतेहें किहमने,देवताको,और,भुत,पलीतको बसमेंकीयाहै जीससे हमारी!करामातचलतीहै!और जोकि भुत पलीत सुझातेहें वोह?बनीयोंका?गुपती पापहै,कि,जीसको दुनीयां स्वर्ग!नर्क,कहतीहै,और!चोरासीलाख कूंन्डीयां राच लहुकी:बतातेहें-वोह-बनीयोंके घरका अलोप पापहे सोयह-बनीये-इस;गरजसे;लो गोंकेदीलमें सुझातेहें किजो;बाजीगर;और;कारबेलीया;और संसारकेलोग सीखते हें,सोयह-बनीयोंने-सभोंको मरानेकेवास्ते अकलकीहै किजब.कोइ.करेगा.तोयह, जानेंगे कि,जादुतो यहकरतेहें-जीससे-जादुचलताहै-क्युंकिवोह संसारको दीखाके करतेहें!जीससे!वहीपकडेजावेंगे सोयह संसारकोतो खबरनहीहै!किहमारे!मुवाफी क,यहभी जादुमें,केदहें सोयहतो,बीलकुल,खयाल,नहीकरते कि.बीचारे भुलमें-मारेजावेंगे-क्युंकिइनहोंसे-जादु नहीचलता वोहतो बनीयोंका-अलोप-पापहोरहाहै क्युंकिगुपती पापके करानेमें,हजारों,रुपीया,खरचहोताहै जब,राक्षसीपाप चलताहै और.जोकि.दुनीयांमें.तमाशा दीखातेहें ऊनको बनीयोंके.भेदकी.खबरनहीहै.अ गरचे खबरहोवे किबनीयोंने!हमारेबचे!मरानेको!यह राक्षसीपाप चलायाहै,कि, जीसको-हमने-खेलसमझके सीखाहै अगर यह मालुमहोवे-कियह;बनीयोंका-जादुहै तोकभी तमाशावगैरा नहीकरें;और;ना;करनासीखें;और;ना कीसीकोदीखावें क्युं कि,वोहतो,बेचारे-भुत-पलीत और देवताओंके बहानेसे भुलेहुयेहें,क्युंकि,राक्षसी पापके करनेवाले बनीये-चोडे-नहीआतेहें-इससे-संसारकेउपर और सभोंकेउपर इनबनीयोंके.राक्षसीपापका.साया पडाहै इससे सभोंकी अकल.फीरीहुइहै.जीससे यहबनीये अपने,जादुसे लोगोंकी;बुद्धीफेरके;और;ऊन बाजीगरोंको मरानेकेवास्ते ऐसाजादु-करवातेहें-और-जब इनबनीयोंको अपने-कुळके-आदमीयोंको?राजकरा नाहोवे तो,राजा बादशाहको!मारदेतेहें!और!जीस घोडेकेउपर या-जीस,सवारी केउपर;राजा;बादशाह सेरकरनेको;या;शीकार खेलनेको!गयाहोवे;तोउसको;वहांपे मारदेतेहें और,उसी अपने,कुळके?आदमीको,उसकी सवारीपर,बनीये राजा.बा दशाहकी-शीकल-बनकर वापीस;घरआताहै;और राजा-बादशाहकीतरहसेही-सब

कामकरताहे जीससेकुछ मालुम-नहीहोताहे-और-वोह-राज करतारहताहे इसबात को,तुम!संसारकेलोग!सच२जांनना और इसतरहसे खयाल!नकरना!किइस-की तावमें,ऐसी बेहुदाबातें क्युंलीखवाइहैं!किजेसे!कोइलडका नादांन बावला?और बेवकुफ-बातेंकरताहे-इसतरहसे यहबातें लीखवाइहें परंन्तु-गरीबकी-हाथजोडकर अरजहे किजोमैंने इनबनीयोंके-जालकी,बातें,अपनी-जबांनसे कीतावमें बोल२के लीखवाइहें-वोह-दुरस्त और सहीजांनताहूं ओर तुमभी दुरस्त-ओर-सहीजांनो-ओर,बावला ओर,अहमक ओर-नादांन-ओर-बेवकुफ ओर,गेले बच्चोंकीसी?बा तोंपर.खयाल.मतलाओ.क्युंकिमैं बनीयोंके राक्षसीपापमें.केदहोरहाहूं.ओर.तुमको इनबनीयोंका राक्षसीपाप मालुमनहीहे,जीसवक्तमें,रावणने जाल चलायाथा,तब सीता,व,रांमचंन्द्रजीको,धोकादीया याने जादुसे भेस बदलके,हीरनहुवा,ओर,रां मचंन्द्रजी ऐसा नहीजांनतेथे!कि,रावणहीथा,असलमें?रावणहीथा परंन्तु जादुके जोरसे-हीरन-मालुमहुवा यहतो सनीश्वरजी महाराजने-वाकीफकीया-अगर.वोह बात.दुरस्तहे तोयहभी सही;समझना.तुमलोग;मुझको बावला व गेलावगेरा जां नोंगे,क्युंकिइन,बनीयोंने,मुझको अपने राक्षसीपापसे अगले,देवतोंके.चहरे,किजो भक्तहो२के मरगयेहें ऊनके,चहरे,दीखायेहें,क्युंकिजब,कहींका राजा बादशाह;की सी,मुलकमेंआताहे,तो,गरीवका चहरा सुझादेतेहें किकोइ,गरीव,कीसी,मुलकका. आया हे ओर जब कोइ गरीव कीसी मुलकका आता हे तो जादुके जोरसे, राजा बादशाहका चहरा सुझादेतेहें कि—राजा बादशाह कीसी मुलकका— आयाहे.सोइन.बनीयोंके करतुतोंको मैंने अच्छीतरहसे देखलीयाहे.ओर.देखताहूं, कियह बनीये,बेइमांन अपने,राक्षसीपापकी,वजहसे,हरऐकका चहरा सुझादेतेहें, परंन्तु,मैंऐसा,गेलानहीहूं,यहतो बनीयोंका जादुहे सोकुछका,कुछ,सुझादेतेहें,क्युंकि मैंअपने उपर,बीतीहुइ लीखताहूं!सोइसमें!बीलकुल!झूठनही इसमें झूठहोवेतो;तुम संसारके.लोग.मुझसेकहो.कि जीसको तुम चोदहवीं या.सोलहवीं.बीद्याकहतेहो, वोह.क्याचीजहे सोवोह कहींपर,सुनीहोगी.और,कीसी२कीतावोंमें ओर पुस्तकोंमें लीखीहोंगी सोतुम कहतेहो कि राजा भोज चोदहवीं ओर पंन्दरहवीं ओर सोल हवीं,वीद्या सीखनेको गुरु,गोरखनाथके,पासगयाथा,ओर साथमें बोलीया,धोवी गयाथा.परंन्तु.जबके.गोरखनाथजीने राजा भोजको.पंन्दरहवीं.सोलहवीं.वीद्या, सुनाइ!जब बोलीया धोवी बाहीर खडाथा सो बोलीया धोवीनेभी सुन!लीया

सो-राजा भोजनेभी सीखली-और.बोलीया-धोबीनेभी सीखली सोदुनीयांमें-इन का,कीस्साभी,कहतेहें,सोकीसी२कीतावमेंभी कीस्साका,हाल,लीखाहीहोगा;सो;ज बकि-इन दोनोंने,चोदहवीं और,पंन्दरहवीं?बीद्या,सीखली सोजबकि राजाभोज घोडेकेपास,स्वारहोनेको,आया तोबोलीया,धोबीने राजा,भोजसेकहा,कि,अंन्दाता गोरखनाथ महाराजने क्यासीखायाहे-सो-मुझकोभी बताओ,जब राजाभोजनेकहा किमुझकोतो-कुछभी-नहीसीखाया हमतो युंहीं सत संगतकरतेथे-जब-बोलीया,धो बीनेकहा किजोबात आपने!गोरखनाथजीसे,सीखीहै!वोह मैंनेभी सीखलीहे,क्युं कि.जब.गोरखनाथजी.महाराज आपको सुनातेथे उसवक्त.मैंवाहीर.खडाथा.सो मैंनेभी बाहीरसे सुनके,सीखलीया,जब,राजाभोजने बोलीयासेकहा किजो'तुमने सीखाहै-वोह-हमकोभी दीखाओ सो नहीमालुम बोलीया-धोबीने?राजासाहबको कीस रुपसे दीखाया,सोयहतो,मालुमनही-क्युंकिमैं,पढाहुवानही अगर मैंपढाहुवा होता.तोउसके.कीस्सोंको किजीस कीतावमें लीखाहुवाहै पढकर,जेसा,हालहोता वेसाही लीखदेता खेर-बोलीया-धोबीने-सीखाहुवा-हाल राजासाहबको बताया जब-राजासाहबने-बोलीयासेकहा कितुमनेभी यह सीखलीया-और,मैंनेभी,सीखा है;सोहम और-तुम ऐकहीगुरुके,चेलाहें,सोहम,और,तुम गुरुभाइके मुवाफीकहें;जब तो,राजासाहबबोले,कितुमने सीखके मेरेकोदीखाया सो,मैंभी,तुझेदीखाताहूं,सो-राजासाहब तोतेके खोलीमेंगये-उसवक्त?बोलीया-धोबी राजासाहबकी खोलीमें चलागया!सो!राजासाहब बनगया और महलोंमें आने!जानेलगा,और!राज,पाट करनेलगा और मुलकोंके,तोतोंको,पकडवाके,मरवानेलगा जीसकीवजह यहथी: किजीस,तोतेकेसरीरमें,राजा अपने;जीवको;लेगयेहें सोजबके,कुलतोते,मारेजावेंगे और-कोइ तोतानहीहोगा जब-राजाभोजभी-मारेजावेंगे इसगर्जसे तोतोंको-मर वानेलगा.और.दुनीयांमें.यहभी कहतेहें कि राजाभोजकी.पाटरानी.राजाभोजको बोलीया धोबीजानके अपने,पास,नहीआने-दीयाकरतीथी तो,रानीको कहगयेथे क्युंकि-जीसवक्तमें-राजाभोज चोदहवीं पंन्दरहवीं बीद्या-सीखनेगयेथे;बाकी-और सब रांनीयोंकेपास बोलीया!धोबीआता,जाताथा!सोऊन रांनीयोंको इस,छलका कुछ.भेदनहीथा.जीससेआता जाताथा परंन्तु बोलीया धोबीके.छलका.भेद.पाट रांनीको मालुमहोगयाथा किअपना-राजानहीहै-किजो-और सब,रांनीयोंके पास आता-जाताहै क्युंकिभोज-राजाको तो कीसीने छल लीयाहै-परंन्तु जीस-तोतेके

अंन्दर राजाभोज अपने,जीवको लेगयेथे उस,तोतेको,कीसी पातरने या कीसी और-जातने-पकडलीयाथा सोजीस!जातकेघरमें तोताथा-उससे-तोतेनेकहा?किमैं राजाभोजहूं और मैंअपनी,खोलीकोछोडके-तोतेकी,खोलीमें आगयाहूं और.मेरी खोलीमें'बोलीया!धोबी घुसगयाहै;सोवोह;राजा बनबेठाहै!परंन्तु,राजामैंहूं!क्युंकि मै.और धोबी बोलीया;चोदहवीं;और;पंन्दरहवीं;बीद्या और?सोलहवीं कला,सीख नेको-गोरखनाथजीके-पासगयेथे सोउसनेभी सुनके-सीखलीया;इससे,बोलीयाधो बी-मेरेसे दगाकरके मेरीखोलीमें;घुसगया,सोइसकी;खबर तुम,मेरी पाटरांनीकोदो किजो,बोलीया,धोबीको,अपने पास नहीआनेदेतीहै उससेकहो,कितुम्हारा,राजा तोतेकी खोलीमेंहे सोवोह,मेरेमकांनपरहै,सोउसने,पाटरांनीको खबरदी जब-पाट रांनीने-तोतेको-मंगवाया जब तोतेने पाटरांनीसे यहकहा कि-रांनीसाहब,तुम;बो लीया धोबीसे यहकहना-कि-राजाभोजसाहब-जोतुमने-चोदहवीं और सोलहवीं बीद्यासीखीहै!वोह!हमको बताओ तोहमभी सीखें जब तुमको!हमभी!सब-रांनीयों कीतरहसे अपनेपास आनेदेंगे,सो-पाटरांनीने,यहबातेंकहीं सो,बोलीया धोबीने सुनी.और.सुनकर.अपनी सीखीहुइ बीद्या पाटरांनीको बताइ.सो.जीसवक्त.कि बोलीया धोबीने राजाभोजकी;पाटरांनीको,अपनी;सीखीहुइ बीद्यावताइ उसवक्त भोजसाहब.तोतेकी.खोलीमेंसे नीकलकर अपनी असली.खोलीमेंआगये.क्युंकि-बोलीया धोबी,बकरेकी खोलीमें-चलागयाथा-सोजबके राजाभोज अपनी;खोली में.आगये.और.बोलीया धोबीको बकरेकी खोलीमेंदेखा.जब.भोज.राजासाहब. उस-बकरेकेपीछे कि जीसमें,बोलीया,धोबी,जीवको लेगयाथा उसकेपीछे-वास्ते मारनेकेभागे-क्युंकि-बोलीया धोबी बकराहोके बाजारमें-चलागयाथा-जब,इन;ब नीयोंने छोडवादीया और-कहनेलगे,कि,अंन्दाता-इसको अमरकरकेछोडदो और इसको,मतमारो,सोइस,बातका चरचा,संसारमेंभी करतेहैं,सोवोह,बाततो,तुम;सब मांनतेहो सोदेखोभाइ किजीसको,तुम,चोदहवीं,और,पंन्दरहवीं बीद्या जोकहतेहो वोह.करामातनहीहै.वोहतो बनीयोंकेघरका जादुहै परंन्तु.इनबनीयोंने.अपने?गुप तीपापको प्रगट नहोनेकेलीये-तरह२के-कीस्सा-चलादीयेहैं किजीससे राजा.बाद शाह-और-साधु-फकीर और रैयत भुलीहुइहै अगर कोइ-समझेगा-तोभी;हम-बनी येतो अलाहदाके अलाहदा,रहजावेंगे,और,राजा,बादशाह साधु,फकीर और;रैयत बगैरा;मारीजावेगी;क्युंकि समझनेवाले राजा बादशाह;यहजांनेंगे-कि;राक्षसीपाप

इनकाहीहै जीससेयह दुनीयांको-बहकाते-फीरतेहें-सोयह अकलमंन्दी इनबनीयों ने-ऊनहोंके-मरानेकेवास्तेकीहै अलावा इसके यहबनीये अपने-जादुसे-नजर,बंन्द करदेतेहें और,जीसको कि,मारनाहोताहै,उसको,मारदेतेहें जब,उसके शीकलका दुसरा.शखस;अपने;कुलमेंसेकरके सुझादेतेहें सो राजा भोजकोभी.इन.बनीयोंहीने माराहोगा क्युंकि गोरखनाथजीसे;और;बोलीया;धोबीसेतो कुछभी नहीहोसक्ताथा होतातो.बनीयोंके.राक्षसीपापसे क्युंकि राक्षसीपापके करानेमें.कीरोडों?रुपीया-खरचहाताहै जब जुलमहोताहै,सो,गुरु?गोरखनाथजी,ऐसे,पापी और दुष्टथोडा हीथे.जो.राक्षसीपापका?जुलम चलाते यहतो बनीयोंने चलायाहै.और.नांम-लो गोंके-और राजा बादशाहोंके-और-साधु-फकीरोंके वास्तेमरानेके छलकरके,ल गादीयेहें?क्युंकि,खोलीमेंसे नीकलकर दुसरी खोलीमें,नहीजासक्ताहै?और;तमांम बातें झुठीहैं ना राजाभोज,तोतेकीखोलीमें,और,ना,बोलीया धोबी राजासाहबकी खोलीमें;ना.बकरेकी.खोलीमेंगया यह तमांम झुठी२बातें.जालकीहें.परंन्तु,जादुसे ऐसातो जरुरकरदेतेहें कि,कंगालको,राजा,और,राजाको कंगाल जादुसे,सुझादेतेहें जेसेकि-मीट्टीका-जादुसे-रुपीया सुझातेहें क्युंकि जीव कला-तो-इसतरहपरहै,कि. जीसको,हम और,तुम,और सब,संसारकेलोग,देखरहेहें क्युंकिजब आदमी,और चारपाया-पंखेरुवगैरा-भोग-वीलास करतेहें जब ऊनकी-बींन्दसे-बेटा-बेटी.पेदा. होजातेहें सोदेखोभाइ जीव!कलातो,इसतरहपरहै!और अलावाइसके जो,झाड,व नासपतीवगैरा.और.रीजक वगैराहै वोहभी अपने२बीजसे;पेदाहोतेहें.सो;इसबात कोभी-हम और तुम,और,सब,संसारकेलोग,देखरहेहें,परंन्तु बुद्धी राक्षसीपापसे, ऐसी;भ्रष्टकरदीहै;किजीससे परमेश्वरकी कलाको भुलेहुयेहें;सो-मालीककी;रचना जोहै उसकोतो बीलकुल!इनबनीयोंने!अपने!राक्षसीपापसे बुद्धी भ्रष्टकरके;भुला दीहै-और-जोकि-राक्षसीपापसे संसारकी बुद्धीफेरके दीखलातेहें-उसको-मालीक की-कुदरत-और रचना समझतेहें,सोयह,राक्षसीपापसे होताहै किजीसतरहसे-जीव कला,रावणने,भुलादीथी-किजो रावणके राक्षसीपापका बरतमांन,सुझताथा,सो-तमांम दुनीयां भुलगइथी;किजो-रावणके;बरतमांनकोभी परमेश्वरकी कलाजांनतेथे उसीतरहसे!इन!बनीयोनेभी रावणसे केइगुणा जीयादा!राक्षसीपापके!जुलमकरके संसारके लोगोंको सुझातेहें-सोअब,रावणकीतरहसे-बनीयोंकी कलाको परमेश्वकी कुदरत.जांनतेहें.सोभाइयो यह;परमेश्वकी;कुदरतनहीहै यह.बनीयोंका.राक्षसीपाप

है-क्युंकिजो परमेश्वरकी रचनाहै-वोहतो?हम-और-तुम सबही अपनी२आंखोंसे देखरहेहैं;परंन्तु;यहबनीये.अपने जादुसे देवतोंका और.भुतोंका;सुझातेहैं;सोयहतो कुल राक्षसीपापहै क्युंकिउसकी?कुदरततो!ऐसीहै?किजोउसकी कुदरतसे हरऐक चीज-पेदाहोतीहै-किजीसको हम और तुम सब संसारकेलोग?अपनी२आंखोंसे-देखतेहैं क्युंकि परमेश्वरकी-कला-छांनीनहीहैं-क्युंकिसब जीवाजुनकी और;आद मी,वगैराकी,ओलादहोतीहै जीनको सबही अपनी२आंखोंसे,देखतेहैं,सोयह,आवा गवन.यहीहै किजीस२की ओलादहै.और?जोकि.बीजहै वोह जीवकलाहै.और. जोकि;गुप्तीपाप-दुनीयांके-नांमका चोरासीलाख कूंन्डीयोंके-उपरकरातेहैं-जब;सं सारको सुपनावगैरा होतेहैं,किजो,संसारके,आदमी,मरगयेहैं ऊनको यहबनीये-जादुसे!सुपनेमें!सुझादेतेहैं और दीखातेहैं सोदेखोभाइ मरेहुये!कहांसे,दीखतेहैं!ले कीन इनबनीयोंके राक्षसीपापसे-मरेहुओंके-चहरेहोके-सुझतेहैं और दीखजातेहैं, सो,चहरेतो,नहीसुझतेहैं,परंन्तु इनबनीयोंका राक्षसीपाप,जोहै,वोह,मरेहुओंका-च हराहोके सुझताहै,और कीसी२को!जागतेहुयेभी!सुपनेकरतेहैं सोऊनको जागते, हुये.सुपनोंमें.ऊनका.चहरा सुझातेहैं किजोऊनके सांमने?मरेहैं.किजीनको.जींन्दा देखाथा ऊनकाचहरा सुझादेतेहैं-सोजीसवक्त,कि-राक्षसीपापको करतेहैं और;जी स,कीसीको,कि,चहरा,सुझानाहोवे तो हु बहु वेसाही,चहरा,सुझादेतेहैं,कि,जीस; शखसको जेसा जींन्दादेखाथा!वेसाही!बादमरनेके!उस शखसको यहबनीये,रा, क्षसीपापसे-जागतेसुपने-दीखादेतेहैं जब सुपनोंके देखनेवाले-संसारमें-सुपनोंकी-बातेंकहनेको लगजातेहैं किमैंने,फलांने,शखसको,देखाहै किजो,मरगयाहे सोइन बनीयोंने.अपने.राक्षसीपापसे हजारोंको भुत पलीत वगेरा.बनादीयाहे.सोयह;जा गतासुपनाहै किनींदमें और,जागतेमें,सुझातेहैं,और,यह सोदागरबच्चे अपने;जादुके जोरसे.भुत.पलीतकानांम लगाकर हजारों आदमीयोंको मारदेतेहैं,सोयह,संसारके भुलानेकेलीये तरह२के बहांना-और,छल,लगादेतेहैं-और संसारमें यह,जोकहतेहैं किभुत,पलीत,जन,परीवगैरा अमरहैं और जोकि आदमीका,जीव,नीकलताहे-जब वोह-जीव हरऐकके जुनमें;चलाजाताहे;सोजीव;कीसीका कीसीमें नहीजाताहे;यह तो.बनीयोंका.जादुहै.क्युंकिजीस बीजका दरखतहोगा उसीका.फल.पेदाहोगा,या ने!जोबीज जीसचीजका बोयाजाताहे.वेसाही.उगताहे.और दीखाइदेताहे बस-यही.आवा.गवनहै.क्युंकिआदमीके बीजसे आदमीहोताहे.और.जांनवरके,बीजसे

जांनवरहोताहै फीर इसीतरहसे-हरऐकचीज-अपने२बीजसे पैदाहोतीहै और.जो कला.परमेश्वरकी.बनाइहुइहें वोहकुछ छांनीनहीहें और.जोकि.संसारमेंकहतेहें,कि ऐक२का जीवनीकलके दुसरेकी,खोलीमें,चलाजाताहै,सो जीव;कीसीका कीसीके खोलीमें;नहीजाताहै;क्युंकि गुपतीपापसे सुपना वगैराहोताहै;और,भुत;पलीतवगैरा सुझातेहें सोयह,बनीये राक्षसीपापको-करातेहें.सो-संसारको गारतकरतेहें जीससे वोह-सुपनावगैरा?होताहै-सो गुपतीपापके भुलानेकेलीये लाखोंतरहके-कीस्सा-च लादीयेहें परंन्तु,यह बनीये,राक्षसीपाप;करातेहें,और ऐसाभीकरतेहें किजीसको: मारदेतेहें.उसीकी.शीकलका दुसरा आदमी लोगोंको.जादुसेसुझादेतेहें.और-दीखा देतेहें मीसाल-इसकी यहहै.किजब.बाजीगर.तमाशाकरतेहें तोकैसे२खेल ऊमदा दीखातेहें.किजोमीट्टीका.रुपीयाकरके और सबचीजें तरह२की.दीखलादेतेहें.जबः तुमको मालुमहोताहै कियह-रुपीयानहीहे?और-दुसरी चीजेंनहीहें बलके,तुम?तो ऊनकोही,रुपीया.और.ऊमदा चीजेंजांनतेहो और देखतेहो.सोजबके.राजा.बाद शाहको-और साधु फकीरोंको.और,गरीब.गुरबाको.और अमीर ऊमरावको;सुप नाहोताहै-जब-तुम-सुपनोंमें ऊनको देखतेहो किजोतुम अपने-बाप-दादे-और-बहु तसे,आदमीयोंको जीता देखतेहो,सोऊनको-तुम,सुपनोंमें वैसाहीदेखतेहो जैसा. तुमने.अपनेबाप.दादेको.जीतादेखाथा वैसाही सुपनोंमें.मरेहुओंको?देखतेहो.सो-जबके,तुम सुपनादेखतेहो और,चहरे,सुपनोंमें,देखतेहो तोकुछ फरक,सुझताहै;तो हुऊभी-फर्क-नहीसुझताहै-हु बहु वैसाही चहरा सुपनोंमें-सुझताहे-किजैसा,ऊनको जींन्दगीमें देखाथा वैसाही?बादमरनेके!सुपनोंमें?दीखताहै और दुनीयांमेंभीकहतेहें किजादुसे,मुरदोंके,चहरेसुझादेतेहें और,बाजीगर वगैराभीकहतेहें,सो,परमेश्वरकी, कलाकोतो भुलगयेहें-और जादुकी-कलाकोही-परमेश्वरकी कलासमझतेहें ऐसी-बुद्धी;बसमेंकरलीहे.सो.बादमरनेके सुपनोंमें जोचहरे दीखतेहें.सोबनीयोंके.राक्षसी पापसेही दीखतेहें,वोह पीछेनहीआतेहें,यहतो,बनीयोंका गुपतीपापहै,सोयह सुप तीपाप-तुम-संसारको-मरेहुओंका चहराहोके सुझताहे-सोयह;सुपनेतो-तुमसंसारको राक्षसीपापसे करतेहें सोसुपनोंकीतो,तुम-संसारको,खबरहीहै किजैसे२सुपने करा तेहें.किरातमें.सोतेहुओंको सुपनाकरें तोदीन दीखादें;और;जोदीनमें.सोतेहुयेहोवें तोऊनको सुपनाकरें तोदीनकी,रात,सुपनेमें,सुझादेवें इसीतरहसे मरेहुओंकाभी-सुपनाकरके-सुझादेतेहें-सोतुमको मालुमहीहे क्युंकि चोरासीलाख-कुंन्डीयोंकेउपर

चौरासीलाख जीवाजुनको ऐसे-दुखदेतेहैं-जीससे-वोह वेहोशहोकर अपनेजीवको भुलजातेहैं,सोयह,वनीये,ऐसे२जुल्म करके जीवा जुनको,सतादेतेहैं,जीससे,ऐसे२ सुपनेहोतेहैं सोजवकि बनीयोंके!राक्षसीपापकी?साया संसारके लोगोंपरपड्ताहै जब.संसारको.ऐसे.जुल्मके सुपनेहोतेहैं किजो दीनकी.रादसुझतीहै.और.रातका, दीनसुझताहै सो इसीतरहसे,कीरोड़ें,तरहके,सुपनेहोतेहैं जीसकाकुछ अंन्दाजनही अगर-ऐक-बातहोवेतो-मैंलीखूं और आगेकीसी राजा बादशाहको-या-गरीव-गुर वाको सुपनाहोताथा तोवोह,उसीवक्त,जांनजातेथे,किहमको और,संसारको कोइ राक्षसीपापसे!गारत!कीयाचाहताहै जीससेसुपना वगैराहोतेहैं,सोइसबातको;सोच कर राक्षसीपापकी तलाशकरतेथे,परन्तु,इन-बनीयोंने,अपने राक्षसीपापसे ऐसी बुद्धी.केदकरदीहै.किजो?राजा बादशाह गरीव गुरबातक.नहीसमझतेहैं.चाहेलाखों तरहके सुपने;और वीगनकरें;तोभी.नहीसमझें;क्युंकिइन बनीयोंने;अपने राक्षसी पापसे.संसारके.लोगोंकी ऐसीबुद्धी केदकरदीहै किजो.समझायेसेभी.नहीसमझतेहैं जीसतरहसे कि;राजाभोज और;बोलीया.धोवीकी;बीयाकहतेहैं सोतो;सब दुनी यांने.सुनाहीहै.सोदेखोभाइ.खोलीयामें कीसीकाभी जीव.नहीजाता.हां.जीसको. मारदेतेहैं उसका,सरीरतो जादुसे,सुझादेतेहैं,सोजीसकी शीकलका सुझानाहोवे-उसीकी,शीकलका,जादुसे,सुझादेतेहैं सोयहतो सुपनेहोतेहैं,सो,मरेहुओंके,चहरे-सुप नोंमें,सुझादेतेहैं सोयहतो तुम-संसारकेलोगोंको-मालुमहीहै सोइसीतरहसे जागनेमें नजर;बंन्दकरदेवें.तोवोह.जागता सुपनाहै परंन्तु जीवतो;कीसीके;खोलीयामें;नही जाताहै,परंन्तु सरीर उसका,जरुर,जादुसे,सुझादेतेहैं सोजीसतरहसे कि,बोलीया धोवीको-और-राजाभोजको?मारोहोगा उसीतरहसे इन सोदागरबचोंने-दील्लीके बादशाहको मारदीयाहोगा और,दील्लीके-बादशाहकी,जगह सोदागर बचोंने?अ पनी,जातका,बेठादीयाहोगा,और अलावाइसके यह जो,हिंन्दुस्तांनमें,कहतेहैं,कि; जीसवक्त दील्लीका बादशाह,तखतपर;बेठाथा,और,राजकरताथा उसवक्तमें बाद शाहने-राजाओंसे-नो-रोजालीयाथा और राजाओंकी बेटीयोंको-मांगताथा-सो-बादशाहने राजाओंको इसतरहसे;दुःख;दीयेथे,सोखबरनही किइन सोदागरबचोंने अपने?जादुके.जुल्मसे.बादशाहकी बुद्धी भ्रष्टकरदीहोगी इससे.बादशाह.जुल्मकर नेको लगगयेहोंगे;परंन्तु इसबातका-असली-हाल-मुझको मालुमनही किःबनीयोंने दील्लीके-बादशाहको-मारके अपनी जातका तख्तपर-बेठादीयाहोगा-सोइस,बात

कोतो बनीयोंहीकी जातकेजानें-सोइसकाभेद-संसारकेलोगोंको और राजा-बाद शाहको,बीलकुल,मालुमनहीहै परन्तु दील्लीके बादशाहने,इसकदर,खयालनहीकी या,किमैं राजाओंपर इतना,जुल्मकरताहूं,सोमेरे,जुल्मकरनेकी खबर दुसरे,बादशा हकोहोगी?जब?दुसरी?बादशाहतके लोग मेरीबादशाहतको-जुल्म-करनेकीवजहसे लेलेवेंगे जबतोहम;कुल मुसलमानोंकी-ओलाद-डुबजावेगी सोइसबातका खयाल बीलकुल.नहीकीया:और,ना पहीले बादशाहनेकीया सो:बनीयोंने.जादुकेजुल्मसे बुद्धी.भ्रष्टकरदीहोगी इसवजहसे कुछभी,खयाल.नहीकीयाहोगा और जोबुद्धीको भ्रष्ट,नहीकीयाहोगा,तोबनीयोंने,दील्लीके बादशाहको मारकरके,अपनी,जातका; शखस तख्तपर बेठादीयाहोगा-जीससे-राजोंकेउपर जुल्मकरनेको लगगयाहोगा क्युंकिजब;बनीयोंके;कुलका तख्तपर बादशाह बनके;बेठगया;जबतो,राजोंको;और संसारके लोगोंको डबोनाहीचाहतेहें,इसवजहसे,ऐसा,फरेब कीयाहोगा सोजबके इसबातको-कीयाहोगा-जब संसारके लोगोंकी और बादशाहके-भाइयोंकी-और-अहलकारोंकी और बादशाहके;बेगमोंकी,नजरोंको;जादुके जुल्मसे बंन्दकरदीहोगी जीससेसब,अहलकारोंको,और भाइ बेटोंको और बादशाहकी,बेगमोंको,बनीयोंके कुलका बादशाहही सुझाहोगा,और,जो,राजा,बादशाह जुल्मकरनेलगें तोऊनके, भाइ,बेटे,ऊनराजा,बादशाहोंको तख्तसे उतारदेतेहें और,राजा,बादशाहके,बेटोंको तख्तपर संसारकेलोग बेठादेतेहें-और,जो,राजा-बादशाहके ओलाद नहीहोवे,तो संसारकेलोग,ऊनके,भाइ,बेटोंमेंसे बेठादेतेहें;परंन्तु नेकीके,करनेवालोंको,बेठातेहें, और जोकीसीकोभी नहीबेठावें!जब,राजा,बादशाह?खुद जुल्मकरके अपनेहाथसे अपने-राजको-डबोदेतेहें-और जोकि बादशाहकेपास हजारों-आदमी-काम-करने; वालेहोतेहें तोऊनकी बुद्धी,जादुकेजुल्मसे-भ्रष्टकरदेतेहें,जीससे वोहभी जुल्मकरने को,लगजातेहें,और,दुसरोंको यहबनीये जादुसे ऐसा सुझातेहें,किजो,जुल्मकरताहै उसको ऐसाजानतेहें कि,राजकाधनीहै,सो,जुलमकरेतो करनेदो सो-धनीकाजुलम करना,और,धनीका,मारग सरकेउपरहै और यह कहतेजातेहें,किअब-इनका,राज जानेवालाहै सोराजको जुलमकरके-डबोदेवेगा-तोऐसा जुलम क्युंकरनेदेवें;परंन्तु कहनेसे!जुलमकरनेवाले!मानें कब क्युंकिजब बुद्धी भ्रष्टकरदेतेहें;जब!वैसाहीसुझता ह,और जोभलाइके वास्तेकहें!उसको,जहरके!बराबर सुझताहै सोइसमेंझूठनहीहै, क्युंकि-बनीये-राक्षसीपापसे बुद्धी भ्रष्टकरदेतेहें जीससे-ऐसाहीसुझताहै-और-दुनी

यांमें?कहतेहें कि कलुका,सायाहै,सो,भलाकहते,बुरामांनतेहें सोकलजग क्याचीज है,खयालकरो,परंन्तु,तुमको मालुमनही इससे कलजग२कहतेहो,परंन्तु,कलजग;व नीयोंके पापकानांमहै क्युंकियह-बनीये;दुनीयांके-नांमका पापकरातेहें जीससे;दुनी यांकी.बुद्धी.भ्रष्टहुइहै.क्युंकिपहीले कलजगके तोरपर रावण.हरनाकुश.कंन्स.का रूंनवगैराने राक्षसीपाप चलायाथा!उसीतरहसे,इन!बनीयोंनेभी राजा बलके,बा दसे,राक्षसीपाप,चलायाहै,जीसको सब संसारकेलोग और,राजा,बादशाह.कलु. कालकहतेहें वोह सोदागरबच्चोंके,घरका?अलोपपाप,जादु रावणकीतरहसे होरहाहै इसवजहसे;सभोंकीबुद्धी;बनीयोंने राक्षसीपापके सववसे;भ्रष्टहोरहीहै;सो;सोदागर बच्चे;दुसरी वलायतके राजा-बादशाहको;बुलाके-और ऊनकेहाथोंसे जुलमकरवाके बादशाहको-मरवादेतेहें-कि जुलमकरताहै परंन्तु दुसरी-वलायतोंके-लोगोंको;और राजा बादशाहोंकोभी यहबनीयेही–बुलाकेलातेहें-जीसकीवजह यहहै किइनबनीयों को,कुल,वलायतोंमें,अपना राजकरनाहै और यहीदीलहै,किजीस,मुरतसेहोसके– हम-अपना रानकरें इससे,राक्षसीपाप?चलायाहै?और,दुसरी बादशाहतके लोगों को!और!बादशाहोंको!इसवास्ते लातेहें सोदुसरे बादशाहोंको!इनहोंके!फरेबोंका. भेदनहीहै क्युंकियह बनीये,ऊनकोभी,गारत,करनेकेलीये और,धन लेलेनेकेलीये बुला२के-लातेहें;जब-ऊनहोंसे कहतेहें किहमारेउपर जुलमकरतेहें-सोजबकि-दुसरी वलायतके राजा बादशाह,जुलम,करतेहुयेदेखतेहें,जब,ऊनको और ऊनकी;ओला दको.मारकर.राजलेलेतेहें परंन्तु दुसरी वलायतके आनेवालोंको,यह,खबरनहीहै किबनीयोंने जादुसे बुद्धी-भ्रष्टकरदीहै-जीससे-ऐसा जुलमकरतेहें सोइसबातकोतो दुसरी.वलायतवालेभी,नहीसोचतेहें सोजबकि ऊनको,ऐसे,अंन्दरकेभेदकी.मालुम नहीहे तोक्यासोचें अगर,मालुमहोवे.तो.सोचेंभी,किजीसतरहसे दील्लीके बादशा हकी-बुद्धी-भ्रष्टकरके-गारतकीयाहै उसीतरहसे हमकोभी-हमारी-बुधी-भ्रष्टकरके; गारतकरेंगे सोयह,हाल मालुमहोवे,जबतो,इनकेजालका बंन्दोबस्तहोजावे परंन्तु —मालुमनही,इससेकुछ--नहीकरते परंन्तु मुझको इनबनीयोंके,जालका,भेद,मालु महोगयाहै सोमैं,सब संसारके-और;सब;वलायतोंके-बचे बचनेकेलीये यह,कीताब लीखताहूं!किसब!संसार और राजा बादशाह हेतकरके-इनबनीयों–कलंकीयोंका जादु-छोडाओ जब सबकी-ओलादबचेंगी-और-जोनहीछोडाया सोयह बनीये– कलंकी-चारकूंटमें-और-चोदा भांणमें अपना राजकरेंगे क्युंकियह-बनीये-बेइमांन

ऐसे-करतुतोंके खोटेहें किजीस-राजा,बादशाहोंने-या संसारमेंसे कीसी-अमीर;ग
रीबने,बहुतसा,रुपीया,पेसा कमाके जमेकीयाहोवे तोऊनहोंको,कचीउमरमें,जादुसे
मारदेतेहें और जोऊनकेबबे,छोटेहोवें.और.ऊनको,रुपीया पेसाकी मालुमनहीहोवे
और.जीनके.रुपीया.पेसा जीयादाहोवे तोयह बनीये?जादुके?जुल्मसे.ऊनके.ओ
लादवगैराभी नहीहोनेदेतेहें-परंन्तु-इश्वरनेतो-सबकोही ओलाददीहै कीसीको-बेओ
लाद,नहीरक्खाहे,परंन्तु यहबनीये जादुके जुल्मसे माइ,बाइकेपेटमें,रोगकरदेतेहें-
जीससे बेओलाद रहजातेहें,परंन्तु,बेओलाद,जबसे रहनेलगेहें किजबसे-राक्षसी
पाप-चलायाहे-इससे-ओलाद नहीहोतीहै जीससे बोह-भाइ,बीरादरोंमेंसे-खोले;ब
गोदलेतेहें परंन्तु;उसको गली;कूंचेकी;मालुमनही;परंन्तु पेसेके;लालचसे क्यातो-
राजा;बादशाह.और.गरीब व अमीर और क्यादुसरेलोग.सबको.कचीउमरमें;मा
रदेतेहें और;रजवाडोंमें देखोतो-कामेती-यहीहें-और गरीब-अमीरमें देखोतो-काम
तीयहीहें.और.जबऊन.छोटेबच्चोंका बाप मरजावे तोयह.बनीये.ऊनका.रुपीया
पेसा अपनेकाबुमें करलेतेहें;तो;राजा.बादशाहहोवे;तोबोहभी टुटजाताहै और.ग
रीब-अमीरहोवे-तोबोहभी टुटजाताहे सोजबके रुपीया पेसा-नहीहोवे-तोउसका-
घर-आपही टुटगया फीर दुनीयांमे इसतरहसेबात चलादेतेहें किनहीमालुम यह
पेसा;कहांगया.सोपेसा.कोइ आदमीनहीहै सोघरसे उठके.चलाजावे.बोहतो,बनीये
जादुके जुल्मसे खेंचलेतेहें-और,ऐसी,बेसीबातें-लोगादीखाउ दुनीयांमें चलादेतेहें
और!जीसकेओलाद!जादुसे नहीहोनेदेतेहें तोऊनको देवतोंका!सुझादेतेहें!किदेवतों
ने-दोशकीयाहे और देवता-नाराज,होगयाहै,या-मालीककी सुझादेतेहें कि,माली
कने,ओलाद,नहीलीखी,ऐसा घटमें सुझादेतेहें और मालीकने,जीसदीन रचाना
रचीहै जबसे कीसीको.बेओलाद.नहीरक्खाह,परंन्तु यहबनीय जादुकेजुल्मसे,नही
होनेदेतेहें-और-देवतावगैराका सुझादेतेहें सोदेवताओंका-सुझाना-यह-बनीयोंके;ध
रका राक्षसीपापहै क्युंकिजब?राक्षसीपापका?साथापडताहे जब,संसारको दुःख
होताहै,सोजबके,बहुतसे जीवडोंको;मारतेहें;जब पापलगताहै,सोयह,बनीये,अलोप
पापकरातेहें किजीसको तुम,संसारकेलोग,नर्क,कहतेहो बोह बनीयोंकेघरका;अलो
प,पापहै,सोबहांपर,संसारके नांमका अलोप पापकरातेहें,जब,देवताओं,और,भुतों
पलीतों और,तरह२के जाल-सुझतेहें,सोयह-बनीये गुपतीपाप करातेहें,सोजबकि
कीरोडों-जीवमारतेहें-जब एक बाल खंन्डत होताहै;और-जोकितुम-संसारकेलोग

सुनतेहो और-कहतेहो कि-स्वर्ग,नर्कमें,चोरासीलाख-कूंन्डीयां राष लहुकीहें,सो वहांपर.चोरासीलाख.जीवाजुन संसारको भुगतनी पडतीहें.यहबात.संसारमें-प्र मटहै-सो-जुन तो,यहहै किजो,अपने२कुळसे,पेदाहोतेहें सोमालीकनेतो इसतरहसे रचना,बनाइहै,सोहम,और,तुम सबहीदेखतेहें और जोकितुम,सब,संसारके,लोग; भुलसे चोरासीलाख कूंन्डीयां-बतातेहो,सोवोह-बनीयोंके घरका राक्षसीपाप,रा वण.हरनाकुश.कंन्स.कारूंन बादशाह वगैराकी तरहसेहै.सोजीसतरहसे.कि,रावण वगैराने राक्षसीपाप चलायाथा!और,स्वर्ग;नर्क!बनायाथा उसीतरहसे इनबनीयों नेभी,राक्षसीपापका,स्वर्ग नर्क बनायाहे सोजबके जीवा,जुन,संसारकेनांमसे,दुखी करतेहें जबजाके संसारमें-बुराहोताहै,सो,सुननेमें-आताहे परंन्तु खेती,पातीवाळे और-राजा?बादशाह-और रेवारी गुजर और कुम्हारवगैरा-गधोंकेउपर?और-अंन बोलोंकेउपर कमाके पेटभरतेहें!सोभी,सुनलो;किजो!अंनबोलोंके वसीलेसे कमाके खातेहें.इन.कुळोंको.हम और तुम सभीदेखतेहें सोराजा.बादशाहके.घरमें.हाथी-घोडा,ऊंट बैलवगैरा और,गाये,भेंसवगैरा,कांमआतेहें और,खेती पातीवालोंके; बेल-भेंसा-कांमआतेहें-और गाये भेंस खेती पाती वालोंको-दुध?पीलातीहें-और रेवारीयोंके घरमें बकरी,भेड,और,ऊंटनीयोंके,टोले,और कुम्हार बेलदारोंकेघरमें गधा.गधी.कांमदेतेहें.सो सातों आठों अनबोलोंकी कुळों.और.ओलादोंके.उपर-किजो संसारको कमाकेदेतेहें-सोहम!और!तुम-सभीसंसारके लोगदेखतेहें सोसब संसारको,सात,आठ,कुळोंके कमाकेदेतेहें सो माइ बापके,बराबरहें,सोइनका,गुण; नहीभुलना चाहीये क्युंकिजीसके!घरमें-हाथी-घोडा!ऊंट बेलवगैराहै और;पीठके उपर.उठाकरफीरतेहें.इससे.इनकी करनी जीयादाहै इससे.माइ.बापके.बराबरहैं-और जीनकेघरमें बकरी-और-भेड-ऊंटवगैराहें-और कमाकेदेतेहें तोऊनकेघरमें, गद्द-बकरीवगैरा-माइ बापके बराबरहें और जीनकेघरमें गधा-गधी-कमाकेदेतेहें ऊनकेघरमें गधा,गधी माइ,बापके,बराबरहैं,और,जीनकेघरमें बेलवगैरा खेती;पा तीकरके-कमाकेदेतेहें-ऊनकेघरमें बेलवगैरा माइ बापके बराबरहैं?क्युंकिबोहतो-बे चारे अंनबोलेहें सोवोह,कब,बोलतेहें;और;कब,कहतेहें,किहम दुःखीहें किसुखीहें परंन्तु.आदमी.बंन्दाको समझनाचाहीये किजो कुळ कमाकेदेतीहें,बोह;सदा;अपने बच्चोंसे जीयादाहैं क्युंकिबच्ची-बच्चोंको,यह;पालतेहें-सोसातों आठोंबलाथतोंमें इन सातों-आठों-कुळोंके-वसीलेसे कमाकेखातेहें सो तमांम जहांनमें?सातों-आठों-कुळें

दुःखीहोतीहें सोयह दुःख-अनबोलोंपर-जबसेपडाहे किजबसे यहबनीये-काल;प डानेलगेहें-और-जबसेही खेती पातीका पापचलाहै और-सतजगमें-कालवगैरा;न हीपडताथा तोभेवा मीसटांन.रीजक.बनासपती.वगेरा अच्छीतरहसे बगेर.बोयेहु येकेही.पेदाहोताथा.क्युंकि राक्षसीपाप नहीचले तोसदा.सतजगहीहे.और;जलकी हीःमायाहे क्युंकिजीससे आपही,तरह२के,मेवा,मीसटांन रीजक बनासपतीवगेरा होजातीथी-और,जबसे;बनीयोंने राक्षसीपाप चलायाहै;जबसेमेवा,मीसटांन;रीजक बनासपती वगेराको गालदेतेहें और गालदीयाहे जीससे अनबोलोंके,उपर यह; खेती पातीका पापचलायाहे सो-बीज-लेलेके बोतेहें और जोनहीबोवें तो खावें, क्या-इससे बोतेहें और आगे बगैर बायहुयेके कुलचीजें पेदाहोतीथी जीससे-अ नबोलोंको कोइ दुःखीनहीकरताथा फकत गाये भेंस बकरीका दुध कांमेंआता था,और अनबोलोंको बीलकुल,दुःख,नहीथा,और,अबतो संसारके देखनेमें,आठ सातकुलें.पेटभरनेके.खातीरसे दुःखीहोतीहें और तमांम जहांनके,कांमें,सात,आ ठकुलें सब-बलायतोंमें कांमआतीहें,और,इन,बनीयोंके राक्षसीपापमें चोरासीलाख कुलें,कांमेंआतीहें,सो,संसारमेंतो सात आठकुलें और,जुन,दुखीहोतीहें,और,बनी योंके राक्षसीपापमें चोरासीलाख,जुन-दुःखीहोतीहें,और जोकितुम संसारकेलोग कहतेहो,कियहांपर,स्वर्गहे और स्वर्ग नर्कमें चोरासीलाख!जुन?भुगतनीपडतीहें-और जुनभुगतके दुःख-पानापडताहै-सोइन-बनीयोंके पापमें चोरासीलाख?जुन फलपतीहें.सोयेह.पाप जीयादाहे किसंसारमें सात आठजुन.दुःखीहोतीहें.सोयेह जीयादाहे सोयहबात सोचनी,चाहीयें.कियह,बनीयेबेइमान दरीयावोंकेउपर पाप करतेहें!किजीसतरहसे!रावणने लंका दरीयावोंके बीचमें!अलोपबनाथी!उसीत रहसे इनबनीयोंनेभी दरीयावोंके-उपर-पापकरनेकीजगह अलोपबनाइहे किजहां सीवाये-बनीयोंके-और कीसीकी जातका आदमी नहीजासक्ताहै-और-दुनीयांमें, यहबात चलादीहे कियहांपर,नारगी,स्वर्ग,नर्कहे,सोयहांतो बनीयोंकेघरका पापहे जीसकी-रावणके-मुवाफीक सोभाचलाइहे और स्वर्ग-नर्कतो-यह-जमीनमाताहीहे और रावणके बक्तमेंतो!सनीश्चरको.रावणने!दुःखीकीयाथा जीससे सनीश्चरने. रावणके.राक्षसीपापकी.तलाशकी और रावणसेकहा कितुम्हारे.कुलमें,अलोप,जा दुहोरहाहे सोमेरेनांमका जादुकराया-सोमेराभी-हुम-तुम्हारे राक्षसीपापमें केदहे सब-सनीश्चरकी-बातको-भवीक्षणने अपने दीलमेंसोचा-किजो-रावणके-राक्षसीपा

पंको हम सच२नहीबतावेंगे जबतो-मभे-मेरी-औलादके मुझकोभी गारतकरादेगा और-जो.रावण-छलकरेगा.तो रावण भुगतेगा इससे रावणके.जालको.बतानेसे उभरेंगे और-रावणने काइ,राक्षसीवेद्य,और,टीपनावगैरा और-स्वर्ग नर्कबनाके; चलायेथे,सोसनीश्वरको,राक्षसीपापसे दुःखीकीया जीससे,सनीश्वर,रावणके,पाप को;अच्छीतरहसे समझगया और,रावणकी,चोरीको,संसारमें प्रगटकीया सो;संसा रभी.समझगया.और.रावणने लंका अलोप बनाइथी और,वहींपर.स्वर्ग-नर्क.रा क्षसीपापका बनायाथा सोपाप,करातायाा,सोसनीश्वरको भवीक्षणने लंका.जोअ लोपथी,बतादी,परंन्तु,रावण करातातो पापथा और सोभा,चलादी,स्वर्गकी,और रावणके पापको रावण,और,भवीक्षणका,कुळही,जांनताथा और संसारकेलोगोंको बीलकुल.भेद.मालुमनहीथा सोजबके सनीश्वरको राक्षसीपापसे.कलपायाथा.जब रावणकी चोरी सनीश्वरको!मालुमहुइ,जब,सनीश्वरने!रावणकी चोरीको प्रगट. करके,संसारके,हाथोंसे जालको छोडवाया जब संसार उभराहे,और,अब,मुझ,सा धःअनोपदासको सनीश्वरकी तरहसे!बनीयोंने.अपने!राक्षसीपापसे केदकीयाहे- और.मेरेनांमका.पापकराया जीससे मेराभी बृम केदकीयाहे जबमैंभी.इन.बनीयों की,चोरीको लीखगया ओर,समझगया,सोयहबात मैंबनीयोंसे कहताहूं:किजेसे; सनीश्वरने.रावणके.कुळकोकहाथा उसीतरहसे मैंभी.बनीयोंके.कुळसेकहताहूं.कि; जहांपर इनबनीयोंका मेळाभरताहे,ओर,बहुतसे,बनीये जमेहोतेहें वहां.मैंजाताहूं ओर;कहताहूं:कितुमने;रावणकी तरहसे ओर हरनाकुश;वगेराकी;तरहसे;राक्षसी- पाप-चलायाहे सो जबसेके,तुमने;राक्षसीपाप,चलायाहे जबसे कालवगेराभी;डा लना.तुमनेही.शरुकीयाहे और इसीपापमें तुमने मुझे.दुःखीकीयाहे.जीससेमैं.मुम्हा री,चोरीको पहीचांनगया और,संसारको-ओर,गरीब अमीरको और;राजा;बाद शाहको-और-साधु-फकीरोंको तुम्हारे;जालकी मालुमनहीहे-क्युंकिउनके-देखतेतो तुम,लेकीमें चलतेहो ओर,गुपतीपाप,अपने,आदमीयोंके हाथोंसे करातेहो,सो,स च२बताओ;किजीसतरहसे.भवीक्षणने लंकाबताइथी उसीतरहसे.तुम्हारी;जातमेंभी पापहोरहाहे सोबताओ सो-तुमभी-भवीक्षणकी-तरहसे उभरो!और जोकि-तुमःब नीयोंने-रावण-हरनाकुश-वगैराकी तरहसे राक्षसीपापका-स्वर्ग-नर्कबनायाहे-कि- जीसकी सोभा दुनीयांमेंहोरहीहे!किजोतुमने केइतरहके राक्षसीवेद्य और ग्रहचा लके!टीपनावगैरा!चलायेहें सोभी सोभा दुनीयांमें तुम्हारे!पापकीहोरहीहै!सो;दु

नीयां-स्वर्गके और वेदोंके भरोसे भुलीहुईहै क्युंकि संसारकेलोगोंको तुम बनीये अपने राक्षसीपापसे दुःखीमतकरो और मुझको गरीबदेखके तुमने दुःखीकीयाहै: सोमैंने तुम्हारी चोरीको,पहीचांनलीयाहै.सोमैं,लीखगया सोयहपाप तुम संसारके सांमने.और.मेरे जीतेजी छोड्दो तोउभरजाओ और.संसारकोतो.मालुमनहींहै-यहतो मेरेको दुःखीकीयाहे-सोमेरे,जीतेजी,नहीछोडोगे-जबतोतुम संसारको और साधु-फकीरोंको-और-गरीब अमीरोंको,भुलादोगे और-पाप-साफनहीछोडोगे-सो मेरे,जीतेजी नहीछोडोगे तोसंसार,तुम्हारी,ओलादतक गारतकरदेगा और-जोमेरे जीतेजी.छोडदोगे.तोतुमभी उभरजाओगे और मेरेमरनेके.बादतो.तुमक्याछोडोगे क्युंकि संसारके लोगोंकोतो-तुम्हारे,पापकी-खबरनही सोकोइतो यहकहनेलगतेहैं किजो,बेइमांनहोंगे,जीनहोंने चलायाहोगा और कोइयह,कहताहै,किहमको,खबर नही;जब मैंकहताहूं:कि राक्षसीबेद्य,और,ग्रहचालाके,टीपना कीसने चलायेहैं-और राध,लहुकी,कूंन्डीयांबनाइहैं जीसकीसोभा संसारमें;कीसनेचलाइहे,और;मरी;और काल.और जांनवरों और मनुष,देहको.रोग कीसनेचलायेहैं और सभोंकोबीमार तो;करतेहो.जादुसे.और मुझादेतेहो,देवतोंका सोदेवतोंके.उपरभी,रावणकीतरहसे पापकरना शरुकरदीयाहै और,कच्चीउमरमें,आदमी,और अंनबोले मरतेहैं,और;टी पनोंमें.छे.महीने.पहीलेसुनातेहैं सोयह कीसने चलायेहैं;और;मैंतो;तुम्हारे.राक्षसी पापमें अच्छीतरहसे केदहूं-सोमैं-वाकीफहूं-क्युंकिजाल तुम्हारेकुळने चलायाहे,यह जाल-तुम-राजा-बादशाह और सब संसारकेआगे मेरेजीतेजी-छोडादो-सोतुमभी उभरो और जोकितुमने,पाप,अपनेकुळमें,संसारके,गारतकरानेको चलायाहे सो-तुम्हारीतुम-भुगतोगे-मैंतो तुम्हारेजालको संसारमें प्रगटकरताहूं-सोसंसारकोभी-अपने बच्चे प्यारेलगतेहैं-और-संसारभी-अपने-बच्चोंको गारतकराना अच्छानही-समझतेहैं-परंन्तु-तुमबनीयेतो यहसमझतेहो किचोदाकूंटमें-और-चोदाभांनमें-संसार को,गारतकरके अपना राजकरेंगे,किजब,संसारके,आदमी थोडेरहजावेंगे और: हम.बनीयोंके.कुळके.आदमी जीयादारहजावेंगे जब.रावणकी.तरहसे.चारकूंटमें-राजकरेंगे सो रावणभी चारकूंटमें राजकरने नहीपाया और बीचमेंहीमारागया सोमैंतो-सनीश्वरकीतरह-परमेश्वरके वास्ते और संसारकेबच्चे-उभरनेकेवास्ते-तुमको राक्षसीपाप करनेसे मनाकरताहूं-कि,पापकाकरना-छोडदो सोतुम मेरे;जीतेजी छो डदो-तोतुमभीउभरो-तोबनीये बेइमांन मुझपर गुस्साहोकर-गालीयां,देनेलगजातेहैं

और,कहतेहैं कि;राजा बादशाहसे;कह-और,पुकार-सोइनकी यहबातें तोमैं;इनहोंके मेळोंमेंजा२के.और.समझा२के सोदागर महाजनांनको कहताहूं.कितुम.यहपापछो डदो तोतुमभीउभरो और,पुस्तकभी,सोदागर,महाजनांनको बताताहूं और,पढवा ताहूं;तोमेरीबातको!सुनकर और कीतावको पढकर और!मतलबसमझके;दुनीयांको यहकहने लगजातेहैं किबावा-गैलाहोगयाहै,यहबात-यह बनीये संसारकोकहतेहैं; कि,यूंहीं.कीतावें,बनाताहे और पोथीयोंमें क्यारक्खाहे,सोतुम.संसारकेलोग,इस-बातको अच्छीतरहसे गोरकरो.किजहां२इन,सोदागर महाजनांनके मेळेभरतेहैं;तो यहबेइमांन;अपने.मेळोंमें;इसवास्ते जमैहोतेहैं किदुनीयांके;नांमका.पापकरानेकी;स लाह आपुसमें सबमीलकेकरतेहैं,किअबके.सालमें,पापकराके कालपडावें या?संसा रमेंरोग.बीमारीकरके.मरीडालें याकीसीका राजगुमावें;या;और-कीसीतरहका;पा पकरावें किजीससे अनेकतरहके-बीगन,संसारमें-फेलजावें और,यह ऐसी२सलाहें करके-करनेकेवास्ते-मेळोंमें जमैहोतेहैं फीर इस बातको-संसारमें-छे२महीनेपहीले; बलकि बारह महीनापहीले,टीपनोंमें,सुनादेतेहैं,किअबके बरसमें ऐसाहोगा?फीर गुपतीपाप.करनेवालोंको.लीखभेजतेहैं जब वोह इसतरह.गुपतीपाप.बनीयेकरातेहैं तोवेसाही होजाताहे और,यहबातभी,खयालकरनेके,लायकहे बलके तुम;संसारके लोग;हमेशांदेखतेहो!किइन बनीयोंके मेळे जहां२भरतेहैं!तोइनके!कीसी;मेळोंमें;तुम संसारकेलोगोंने कभी कीसीतरहकी-बीमारी-नहीदेखीहोगी ना सुनीहोगी,यहां, तकके,बनीयोंकी.जातके.हजारों आदमी जमैहोतेहैं परंन्तु.कीसीतरहका.रोग.बी मारी वबाका वास्तानहीहोता!और,बाकी,हिंन्दु!मुसलमांनोंके जीसकदर मेळा-और,तीरथहोतेहैं,याने,हरदुवार और काशी व पराग और,पुश्कर.और,दुवारका वगैरा-और अक्सर मेळा.घोडा.ऊंट.बैलवगैराके.बहुत जगहहोतेहैं और;मुसल मांनोंके,मेळा,और,तीरथ अजमेर ओर मक्कावगेरामें बलके,बहुतसीजगह,होतेहैं-और मुसलमांनोंके जोतीरथहैं,सोदेखलो,कि,सब,मेळोंमें यहबनीये महाजन,बेइमां न.पापकरा२के.रोग.बीमारी करादेतेहैं किजीससे हजारों.आदमी?कच्चीउमरमें.मे ळोंमें मरजातेहैं,और यहबनीयेही-जादुसे-मरीडालके-मारदेतेहैं और जादुसे;संसा रको;यहसुझातेहैं;कि;मुसलमांनोंमेंतो यहकहतेहैं कि अजमेर;या;मक्कावगैरामें,मरजा वें,तोयह,कहतेहैं किउसके बहुतअच्छे!भागहैं,और!हिंन्दु यहकहतेहैं कि.हरदुवार और.पुश्करवगेरामें?मरजावें तोइससे बहतर कोइबातनहीहे?सोतीरथोंकी.जगह

मरजानेको अच्छाजानतेहैं सो-संसारकी,बुद्धीफेरके-यहवनीये जादुसे ऐसामुझातेहैं सोसंसार-यह-नहीसोचता-कि तीरथोंकी जगहजावें तोवहां-मालीकको-यादकरने जातेहैं वहांपर,बीमारी और,रोग,क्युंहोनाचाहीये,वहांतो सवतरहका चैंन,आरांम होनाचाहीये!बीमारी!होवेतोभी दफेहोजानीचाहीये क्युंकि!मालीकके!यादकरनेको जातेहैं सोमालीकतो कृपा,और,महरबांनी,रखताहै,परंन्तु यह;महाजनलोग संसारको?कम-करनेकेवास्ते-जादुसे रोग बीमारीकरके मारदेतेहैं-अपना-राजकरनेके-वास्ते संसारको कमकरतेहैं,और,संसारमें,जो,रोग बीमारीकरतेहैं तो;बेचारे;हकीम व.डाकटर.व.वैदवगैरा इलाजकरतेहैं सो पहीलेतो.संसारमें.पैसा.बहुतथा-जवतो पुन्यलेखे अपने पाससे;दवा;वगेरादेकर;इलाजकरतेथे उपकारकेवास्ते किसंसारको फायदापहूंचे;अवइन-महाजनांनने जवसे पापकराना-शरुकीयाहे-याने,पापकरा२के और कालपडा२के;पैसा संसारमेंसे,खेंचलीया,इससे,संसारमें पैसानहीहे तो;हकीम डाकटर,वैदवगेरा,इलाजकरतेहैं तोजीसको,इलाजसे आरांमहोजाताहे,तोउसे-राजी करके अपना इलाजकरनेका,हकलेतेहैं,सोउसमेंतो,कुछ बुराइनहीहे परंन्तु,यह,बे इमांन-ऐसासमझतेहैं-कि हकीम वैद डाकटर दवाकरके-कीसीकोभी-कच्चीउमरमें नहीमरनेदेवेंगे तोफीर पापकराके,ऐसेकरतेहैं,किऊनकी,दवासे और इलाजसे,की सीको.आरांम.नहीहोनेदेतेहैं और जव यहवेइमांन सव देसोंमें.मरी.बीमारीवगेरा डालतेहैं तोफीरतो कीसी२कोही-इलाजसे-आरांमहोनेदेतेहैं किजीसके नांमका;पा प,नहीकरातेहैं,वरना,बहुतसे लोगोंको जादुसे मारदेतेहैं और,फीर.संसारमें,यह-कहनेको लगजातेहैं कि,हकीमों,व,वैदों,व,डाकटरोंकी,दवाइयोंसे और इलाजवगे रासे.कुछ.नहीहोताहे.सोइस वातकी हकीमों और डाकटरोंको.बीलकुल.खवर.न हीहे,कि जीन२दवाओंसे पहीले,आरांमहोतेथे,अव,क्युंनहीहोतेहैं सोऐसी वातोंको सोचनी-चाहीये,कि-दवातो वोहकी,वहीहैं फीर,अव आरांम,क्युं,नहीहोताहे,परंन्तु महाजनलोग रावणके मुवाफीक,अपने,राक्षसीपापसे,दवा और इलाज,नहीचलने देतेहैं-सोऐसे-पापकी-हकीम और डाकटरोंको बीलकुल-खवरनही-कि-रावणके,मु वाफीक पापसे,दवा नहीचलनेदेतेहैं-तोयह-वेइमांन हकीमों?और डाकटरोंकी-रोटी भी-खोदेंगे,क्युंकियह,वेइमांन जादुसे दवा चलनेभी नहीदेतेहैं,क्युंकियह,समझतेहैं किजो हकीमों-और डाकटरोंके!इलाजोंसे?लोगोंको!आरांम होतारहेगा तोसंसार कीसतरहसे-ओछाहोगा-और वहुत कम घटेगा क्युंकिजव,संसार-कमहोगा-जवही

हमारा कुलबलायतोंमें राजहोगा-इससे-दवावगैरा नहीचलनेदेतेहें सोभाइमेरे,अम रतो,कोइनहीहे,बुड्ढेहोकरतो सबहीमरतेहें परंन्तु यहवेइमांन,संसारकी,कुळ,कमहोने केवास्ते जादुसे कच्चीउमरमें,मारतेहे,इससेमैं,लीखकर तुम,संसारके लोगोंको.वा कीफकरताहूं.किजीनके.नांमका जहां गुपतीपाप करातेहें.तो,मरनेके.जीतना;पाप करावें जबउसको;वोह दवाइयां-देनेसेभी-आरांम-नहीहोताहै चाहेकुछ दवाअेदो; क्युंकि-डाकटर-हकीमतो-ऐक दवादें और;यह केइरोग शरीरमें-करदेतेहें;और-जी नका,जीतना मरनेका पापनहोकरें,याने,पाप,उसकेनांमका छोडदेवें तोवोह?वच जातेहें.सोयहभी.दुनीयांके डरतेहुये कि संसारको मालुम.हमारेजालकी?नहीहोवे जीससेथोडे बहुतोंको आरांम!दवासे,होनेदेतेहें!वरना यहतो मारतकरनाही.चाह तेहें,याने,संसार,कमहोजावे और जब इनकेजालकी संसारमें,भुलपड्जावेगी,तो. यह,संसारको बहुत कमकरदेंगे-और,बुद्धीभी-भ्रष्टकरदेवेंगे जबतो कीसीको;वी, लकुल.समझने.नहीदेवेंगे इसवास्ते अबमैं समझाताहूं.तोकोइ.मुझको.पागलकहतेहें और,कोइ कहतेहें,कि सीरड्गीहोगयाहै!जीससे!बनीयेही बनीये पुकारताहे,सो,सं सारको;कुछ-दोशनहीहे-यहतो संसारको;जादुके जुल्मसे-मुझको-पागलही;मुझातेहें सोइनकी गरज,यहहे किजहां,गुपती,पापकरातेहें-वहांपर,कागज भेजकर यह.स मीचार.लीख.भेजतेहें.कि राजा बादशाहके नांमका पाप.या.गरीव.गुरवोंके-नां मका पापकराओ सोसबकी-बुद्धी,भ्रष्टहोजावे,सो-साध अनोपदासकी बातको-कोइ-नहीसमझे;और;यहकहतेहें कि आपही कुकते२ओर;बकते२मरजावेगा-सोफीर अपने जालको,कोइ नहीछोडावेगा-क्युंकि,दुसरोंको-भेदनही और मेरेकोतो-इन होंने!दुःखीकीयाहै!जब इनहोंके जालका भेद मुझको मीलाहै;परंन्तु!रावणनेतो,थो डी-बुद्धी भ्रष्टकीथी सो,सनीश्चके,समझानेसे,संसारकेलोग फोरन समझगये-परंन्तु इनबनीयोंने-संसारके-नांमका पापकराके सबकी बुद्धी-भ्रष्टकरदीहै,सो-समझानेसे भी-नहीसमझतेहें और जीस,कीसीके,नांमका,थोडा पापकीयाहै सोवोह?थोडा. समझतेहें.और.कहतेहें.किजो बात साध अनोपदास.कहतेहें.वोह.दुरस्तहै;क्युंकि, पहीलेभी इसीतरहसे रावण-वगैराने-राक्षसीपाप-चलायाथा और बुद्धी-भ्रष्टकर दीथी!उसीतरहसे!अबभी होरहाहै क्युंकिजो साध अनोपदास!कहतेहें!वोह-सचहै क्युंकिआगे रावणभी कच्ची!उमरमें!मारताथा!और!धनको और मैहको,और;मो तको-कबजेमें-करलीयाथा सोमैं जीन लोगोंको बनीयोंके-जालकी-वाकीफकरताहूं

और-समझताहूं तोथोडा बहुत-समझतेहें-परंन्तु-कुलको नहीसमझतेहें और;ना;ऊ नको.कुल.जालकी.खबरपडतीहै क्युंकिऊनको समासुख-दुःखीनहीकरतेहें-इससे इनको इनहोंकेजालकी खबरपडे.सो.जालकीतो.ऊनहोंको कीसतरह खबरपडे-परंन्तु-जीसकदरमैं-मुहजबांनीकहूं वोह यादरक्खें और-संसारमें-चरचाकरतेरहें:कि जो,बाबाकहताहै उसका बंन्दोबस्तकरो,तोठीकहै,और सब,उभरजावें और,जोमेरे: मुवाफीक;दुःखीकीयाहोवे.जबतो ऊनकोभी भेदमीलजावे.परंन्तु.समासुखतो;कल पातेनही और,सुपना और,वहमकरें.तोहोवेकुछ,और सुझादेवेंकुछ सोइनहोंकी.गर्ज यहहे.सो.समासुखतो.कलपातेनही अगर समासुख.कलपावें.जबतो?इनकी-चोरी मालुमहोजावे सोअपनी चोरीको-कोन,मालुमहोनेदेवें-और चोरीभी बहुत.खराब कीहै-जोसब-संसारको-गारतकरना सोमेरेकोतो अनासुरती-कलपायाहे-जीससे?इ नहोंकी चोरी मालुमहुइहे,सोभीयह,बनीये,ऐसाजांनतेहें किजो बाबाकी,कहीहुइ बातको.नहीसमझें.और कीतावभी गायब होजावे तोठीकहै,क्युंकिहमारा.जाल;सं सारमें प्रगट नाहोजावे!और-जोयह-बनीये!कीतावको गायबकरदेवेंगे तोयहबनीये होले२संसारको.गारतकरदेंगे.सोयह बनीये कलंकी.अपना.राजकरेंगे.किजब-सं सारके-आदमी थोडेसेरहें जब,अपना.राजकरेंगे,सोक्यातो हिंन्दु-और क्यामुसल मांन.और.क्याअंग्रेज.और.क्या सातों आठों वलायतोंके.लोग.इस,कीतावको;अ पने,जीवके मुवाफीक रखना!और.कीतावको!पढकर वाकीफहोना ओर,पुरांनी होनेपर-नइ,कीताव-छपवाकर इसका नमुना पास रखना-और,कीतावें-छपवाके बहुतसी जारीकरादेना ताकि,संसार,भुलेनही,ताकि,सब संसारकेलोग हेतकरके इनबनीयोंके.जालको.रावण वगैराकी तरहसे छोडावें सोमेरे.जीतेजी.सब-संसार केलोग ऐक-दीलहोकर इन-बनीयों,बेइमांनोंके-राक्षसीपापको रावणकी तरहसे: छोडाओगे-तो-छुटजावेगा नहीतो फीर तुमसे नहीछुटेगा-क्युंकितुम-लोगोंनेदेखा नहीहै.इससेतुमको इनके जालकी,मालुमनहीहै.और,यह बेइमांन ऐसेहें.किअपने पापके,प्रगट.नहोनेकेलीये,सब संसारके लोगोंको भुलावेंगे,क्युंकिपहीले.इन,बनी यों,बेइमांनोंने झुठी,सची कसमें,खा२के-राजा,बादशाहोंको भुलादीयेथे जीसका सबुत-और,हालयहहे-किजीसवक्तमें बादशाहने मंन्दीर-गीरवायेथे,और-पुतलीयों के,नाक व कांनकटवायेथे और!बनीयोंकी!औलादकोभी गारतकरादेतेथे जब,इन बनीयोंने-गाये-सुरकी-कसमें खाइथी सो तवारीखोंसे साबीत-होताहै;फीर-बनीये

जुलमी झूठीकसमें धर्म्म-इमांनकी.खा२के.और-झूठबोल२के उभरजातेहैं सोअब पापको,मेरे,जीतेजी,छोडादीया जबतो छुटजावेगा और,बनीयेभी,उभरजावेंगे,न हीतो-फीर नहीछुटेगा क्युंकिआप-लोगोंको-इनके-जालोंकी मालुमनहीहे और-मेरेकोतो!इनबनीयोंने!समामुख दुःखीकीयाहै इससेमैं समझगया!सो?आपलोगोंको तो,इनहोंके जालका भेदनहीहे,क्युंकि,सबकी,बुद्धी,केदकरदीहै सोहोगातो कुछ-और-सुझादेवेंगे-कुछ-और जबतकके पाप नहीछुदेगा और-ना-बनीयेछोडेंगे-और तुमको,थोडा बहुत बतावेंगे,कियह,चोरासीलाख,कूंन्डीयांहैं और यह,चोरासी, लाख.जुनहें.सोऐसे.फरेबको औरोंके उपरभीलगाके बतावेंगे.और,अपने.उपरभी इसीतरहसे कीरोडों तरहके-फरेबकरके,बतावेंगे-परंन्तु मेरेआगे इनका.झुठ,नही चलनेपावेगा!क्युंकि!मुझकोतो समामुख,कलपायाहै सोइनहोंका!जाल!देखाहुवाहे सोमेरे जीतेजी छुटजावे,जबतोमैं,सबको,वाकीफ,करदूं सोखुदही छुडवादोगे;और बंन्दोबस्त,करलोगे,परंन्तु यह बनीये जांनकेतो कभी,कीसीको;समामुख,नहीकल पातेहैं अगर जांनकेकलपावें-जबतो,मारेजावें,और-मुझको भुलसे कलपायाहै,जी ससे.मुझको.चोरीकी.खबरपडीहे सोमैं लीखगया और.जोकितुम?संसारके.लोग स्वर्ग,नर्क कहतेहो और,राध,लहुकी,कूंन्डीयां,बतातेहो सोवोह पापतो,दरीयावोंके ऊपर-अपनी-जातके-आदमीयोंसे कहीं अलोप करातेहैं-सोइनहोंके-पापका-भेद-सीवाये बनीयोंकी जातके;और:कीसी;जातको;मालुमनहीहे इसी,पापसे संसारके लोगोंकी.अकल.भ्रष्ट.होगइहे जीससे पाप और पुन्यमें.नहीसमझतेहैं;परंन्तु.जोकि इन सोदागरांनका पापहे-वोह,बहुतहीहै,और-संसारसे बुद्धीफेरके करातेहैं?सोवोह प्रगट,पापहे,किजोमैं,आपलोगोंको वाकीफ होनेकेलीये,लीखताहूं,जीसकी,तारीफ सुनो-परंन्तु संसारके लोगोंकी-एसी,बुद्धी,भ्रष्टकरदीहे-किजो संसारकेलोग पाप करतेहैं.उसकोही.धर्म्म.समझतेहैं और वेसेही इनको.सुझादेतेहैं.किकोइ.एसाभी;ध र्म्महोगा सोऊनकोभी नहीसमझनेदेतेहैं-कियह-जुलमका पापहे कि,पुन्यहै-सोऊन की,बुद्धी,भ्रष्टकरदेतेहैं,किजो पापको और पुन्यकोभी,नहीसमझतेहैं,कियह;जुल्मका पापहे किपुन्य सोसबकी!बुद्धी,भ्रष्टकरदेतेहैं,इससे?नहीसमझतेहैं क्युंकिपापहे वोह तो-पापहीहै-और-जोपुन्यहै वोह पुन्यहीहे और इन्द्रजाल-एक-जनाकरे-तो;नही-चलताहे परंन्तु इनबनीयोंने-बुद्धी.भ्रष्टकरके-थोडा२पाप भुतोंके मुवाफीक,संसा रको.सीखादीयाहै.जीससे पाप दुनीयांमें फैलगयाहै सोइस.बातका.इन्साफकीया

चाहीये क्युंकि इन्साफके-करनेसे,खुद,मालुम,होजावेगा-कि जीसकदर पाप.इन सोदागरांनने-चलायाहे-किजो रीजक तक नहीरहनेदीयाहै-काल-वगैरा,डाल२के सोतो सभीजांनतेहें किजो!आदमी-और-जीव!जन्तु दुःखपातेहें सोभी,सब,जांन तेहें.सोइसके.सीवाये.और क्यापापहोगा सोदुनीयांको.पापसे.भुलाके.जादुखोरा बनादीयाहे और जादुखोरा!देव;बनगयेहें,और!दुनीयांको भुत?पलीत बनादीयाहे और,जमीनदेव,और,रीजकदेव और जलदेव कीसीकी,अकलको,भ्रष्ट,नहीकरतेहें यहतो दुनीयांमें भुलडालीहे,किजो,दुनीयांको,भुलाके देवतोंकेउपर दुनीयांके,हा थोंसे.जीव.मरवातेहें.सोयह सब सबब बनीयोंके जादुकाहे.क्युंकि.रीजक.खानेसे तो-अकल ठीकानेआवे सो-अकलकोतो,यह,बनीये-जादुसे फेरदेतेहें और-इश्वर, कीसीकी,अकलको,नहीफेरताहे क्युंकिउसके घरमेंतो सिंघ,और-बकरी,शांमील-चरीहें,एसा संम्प और;इरादाहै;सोजबकि;राक्षसबीद्याका;पाप चलताहै जब,दुनी यांकी!बुद्धी!भ्रष्टहोजातीहै जबही दुनीयांमें खार अेंखार अनेक!प्रकारका!बढजा ताहे सोजब जुल्मकरनेको-लगजातेहें,और;कइदफे-बेइमांनोंने पापचलायाहे और बुद्धी.भ्रष्टकीहे.जबके बेइमांन पापकरनेवाले पकडेगये वैसेही.पापको.छुडवातेगये सो जीसतरहसेकि पापको,छुडवातेगये,उसीतरहसे,बुद्धी दुरस्तहोतीगइ क्युंकि-मालीकके-घरमेंतो-सबकी बुद्धी दुरस्तहीहे परंन्तु जाल-बनीयोंकाहे-सोयह?बनीये अपने राक्षसीपापसे अकल-फेरदेतेहें,और-जांनवरोंको झूठ,बोल२के मरवादेतेहें, सो.सबकी.इनबनीयोंने.ऐसी अकलको फेरदीहे किजो.लाखों.साधुओंको.और, फकीरोंको और संसारके!आदमीयोंको,जादुके!जुल्मसे पागल करदीयेहें;और;जी स,साधु,फकीरको,कि पागलकीयाहे सोऊनको क्यासुझताहे,किजो,बोह-भीष्टा-व पेशाबको खाते पीतेहें,और,फीर;बोह;अपने,आप,यहकहतेहें किहम सीद्ध.होनेके. वास्ते;एसा;कांम;करतेहें और कोइ मरेहुये जांनवरोंके हाड;और;आदमीयोंकी;खो पडीयां वगैरा जमैकरतेहें,और,ऊन?हाडों,वगैराके अंन्दर पडेरहतेहें,और,ऊनके दीलमें.जादुसे.एसा.सुझातेहें किहम औलीया होगयेहें.सोऊनको,जादुसे.एसा;सु झातेहें सो,दुनीयां देखतीहे-कि,साधु,पागल-होगयाहे या;कीसी साधुने;फीटकार दीहे या कीसी देवताकी साधना करताथा सोउसमें चुक पडगइहे इससे पागल-होगयाहे तोसंसारको एसा सुझातेहें जब दुनीयां यह;कहतीहे कि पागलहोगयाहे और;जबके संसारमें बहुतदीन गुजरजातेहें और शराब पीतेहुये देखतेहें-सो;संसा

रको-जादुसे ऐसासुझातेहें कि,शरावका,दुध,बनादीया,और गोस्तहोवे तोउसका गुङ.सुझादेवें.और.गोस्तको और शरावको और कीसम२की.चीजें.जादुसे.सुझा देतेहें,सो साधु फकीरोंको-खबरनही-किजो;ऐकचीजका रुपथा उसने;दुसरे;रंगका सरुप!कीसतरहसे!करलीयाहोगा याने कीसतरहसे रंग!बदललेतेहें!और,वोह,यह जांनतेहें किहमारा परमेश्वर,बेली,आयाहे,इससेऐसा,हुवाहे कि,गोस्तका गुङ,हो जाताहे-परंन्तु-काफीर-बीद्यासे एसा होजाताहे तो समझेंनही-सो?नजर-बंन्दहोजा तीहे-जब शराबका दुध-सुझताहे-सोयह-काफीरी-पापहे जीससे गोस्तका-गुङ-सु झताहे.वरना.गोस्तका.गोस्तही रहताहे और शराबका.शरावही.रहताहे.सोइसत रहसे.और सब.चीजेंहें और-बेइमांन-बनीयोंके-जादुसे जीस!रंगकी चीजेंहोतीहें वेसेही सवाद लगनेलगतीहें सोबुद्धी भ्रष्टकरदेतेहें सोजबके बुद्धी भ्रष्टकरदेतेहें जब फीर-वेसेही-सवाद-लगने लगजातीहें किजीस रंगकी चीजेंहोवें-सोनजर-बंन्द'हो जातीहें जीससे कुछकाकुछ.सुझनेको?लगजातेहें.सो.साधुओंको कुछ दोशनहीहें और-संसारके-लोगोंको जादुके जुल्मसे बीमार करदेतेहें-और?जीसको-किपागल कीयाहोवे उससे उस-बीमारकेउपर-हाथ-फीरवादेवें किजीसको पागल-कीयाहो वे,उससे उस बीमारकेउपर,हाथफीरवादें,किजीसको पागल कीयाहोवे,और,जी सको.कि.बीमारकीयाहै उसके नांमका पाप चोरासीलाख.कूंन्डीयोंके.उपर,छोड देवें!तोवोह बीमार आदमी!उस,पागल,फकीर!वगैराके हाथ,फेरनेसे अच्छाहोजावे और,संसारमें,कीसीको,कची उमरमें मारदेवें और साधु,जादुसे,पागल,हुवाहोवे; ऊनको रोतेहुयेदेखके यहकहदेवे,कि,जा,तेरा,बेटा,जींन्दा होजावेगा तोवोह;गुपती पापको.छोडदेवें.किजहां.ऊनके नांमका गुपती पापकरातेहें.तोवोह.जींन्दाहोजावे क्युंकि मालीकनेतो सबको!पुरी,उमरदीहै,और!जोकि कचीउमरमें मरतेहें.वोह. राक्षसीपापसे!मरतेहें!सो कीरोडोंको पापसे मारदेतेहें!और?संसारको?भुलानाहोवे तोकीसी२को पागलके हाथफेरनेसे,एक,दोको,जींन्दा होजानेदेतेहें और;जींन्दा, होजावे सोयहभी मालीकको जीयादा भुलानेकेवास्ते इनके जालके,परचा दुनीयां में-चलादीयेहें जीससे कचीउमरमें-मारतेहें-किजो-गुपतीपापका करना ऊनके:नां मका.छोडदेवें.किजीसको जादुसे माराहोवे सोजबके वोह.पीछा.जीताहोजावे,तो संसारकेलोग यह कहनेको-लगजातेहें,कियहतो,बङा-औलीयाहै जब उस,पागल को.संसारमें.कीसीको जींन्दा करतेदेखके कोइ२सत संगतकरनेको!लगतेहें-और

जांनतेहें किहमभी ऊनके मुवाफीक सीद्धहोजावें सो सत संगतकरतेहें और उसी तरहसे हाड्वगैरा और भीष्टावगैरा देखा देखी करनेको लगजातेहें और जांनतेहें किहमभी उसके मुवाफीक सीद्धहोजावें सोभीष्टा व मेला और हाड व पेशाबतो कदीमसेही मेला-व खराब कांमहै सोसबको दीखताहे सो दुरस्तकहतेहें सो;सहीहे और.यह.बेइमांन.जादुसे परचा सुझातेहें जब दुनीयां.भुलजातीहे.किजो.मेली,ची जको अच्छी जांननेलगतेहें,और,संसारमें;यहभी,कहतेहें कि-बृहमणोंको बीकानेर राजासाहबने बृम भोजदीयाथा सो खबरनही कि बृमभोजमें शीरा बनायाथा, या मीठाइ बनाइथी सो बीकानेरमें कोइ साधु फकीरथा सोउसने ऊंटका हाड, अपने कांधेपरउठाया और उठाके-आया और उस बृमभोजवाली कड़ाइमें,उस ऊंटके,हाड्को,घुसेड्दीया,जब सब बृहमण कहनेलगे,किइस,पागल;फकीर;साधुने हमारा धर्म्म भ्रष्टकरदीया;जब.बृहमण;कुकते२राजमेंगये और उस.फकीरकोभी पकड्कर लेगये जब उस फकीरसे राजने दरीयाफतकीया कितुमने बृहमणोंके बृमभोजमें ऊंटकाहाड क्युंघुसेड्दीया जब साधु फकीरनेकहा कि;आपने जीमन दीयाहै और हमने दीक्षणादीहे सोवोह हाड्नहींहे वोहतो सोनाहे सो जादुके जु ल्मसे-उसीहाड्को सोना सुझादीया-और,वोह,था-ऊंटका हाड सो,जबतकके,रा क्षसीपापका साया,उस हाड्पर रक्खाहोगा जबतक वोह.हाड्का सोनाही दीखा होगा सोजीसतरहसे संसारको.हाड्का.सोनादीखाहोगा उसीतरहसे साधु,फकी रको.हाड्का.सोनादीखाहोगा जब साधु फकीरने उस.बृमभोजके,अंन्दर,उसको घुसेड दीयाहोगा,सो साधु,फकीरको,और,अतीतको,कुछ दोशनही और,जोकि इश्वरने-सोना-चांदीबनायाहै वोह कदीमसेही सोना चांदीहे-सोतो-सोना-चांदीही रहेगा,और जादुसेकहोतो चांदी-सोनेके-कंकर-पत्थर और,कोयला वगेरासुझादें सोजीसतरहसे-रावणने-और कंस वगेराने ऋषिश्वरोंको;और;संसारको;भुलायाथा और दीसामुल करदीयाथा किजो कुछका कुछ जादुसे सुझातेथे इससे जीयादा; अब,बनीये अपने राक्षसीपापसे तरह२के परचा सुझातेहें सोदुनीयां मुहसे.परच२ कहरहीहे और बनीयेबेइमांन बृहमणोंके-उत्तम-कुळको भ्रष्ट करनेकेलीये साधु,फ कीरोंकी.बुद्धी.भ्रष्टकरके ऊनके हाथोंसे ऊंटका हाड.बृमभोजकी.कड़ाइमें.घुसड वा.दीया और लोगोंको,जादुसे,सोना,दीखादीया,सोऐसे२परचे चालाकीकरके, लाखों चलादीयेहें सो दुनीयां मुहसे परचा२करतीहै परंन्तु बनीयेंने जादुसे भु

लाके-ऊनका धर्म्म भ्रष्टकराया-सोजबके-ऊनहोंने-हाडका सोनादेखा जब,ऊन होंने,बृमभोज,करलीया,और जीमलीये सोवोहतो परमेश्वरकी,कळासेभुले,जब;वे चारे जीमणको जीमलीये;सोऊनहोंको;जादुकी;खबरनही और;ना संसारको;ख बर!कि!राक्षसीजालहे और मेरेकोतो ऐक दो बात यादआतीहे!सो!लीखताहूं-और परचे अनेकतरहके-चलायेहें-कि-जीसकाकुछ-पारहीनहीहे सोऐसे परचोंके भरोससे.धर्म्म.भ्रष्टहुवाहे सोयह समझेंनही सो राक्षसीपापसे.ऐसी.बुद्धी.भ्रष्टकर दीहै.किजो समझायेसेभी नहीसमझतेहें,और,जीस,मुलकमें ऐसे परचा:चलायेहें: और-जादुसे-कुछकाकुछ-सुझादेतेहें सोजीस मुलकमें-ऐसे२परचा-हिंन्दुस्तांनके,हिं न्दु,मुसलमांनको और दुसरे-राजा-बादशाहोंको-दीखाके भुलादेतेहें और,यह,हिं न्दु!मुसलमांनके!धर्म्म!इमांनको भ्रष्टकरदेतेहें और करामातोंके!भरोसे!भुलेहुयेहें-सोजबही तो हिंन्दुस्तांनकी,बादशाहतको,और,रीजकको करामातके सबबसे,डबो दीयाहै-और-दुसरी-वलायतोंमें इनकी दुकानें जावेंगी-तोऊनकाभी,वही-हालहोगा कि:जेसा हिंन्दुस्तांनका हुवाहे!और;ऊनकोभी!करामातोंके जुल्मसे भुलावेंगे;सो यह.राक्षसीपाप.मीटाना;चाहीये क्युंकि बीमारीतो राक्षसीपापके.जुल्मसे.करातेहें और सुझादेतेहें देवतोंका सो कोइ साधु फकीर उस बीमारकेउपर हाथ फेरदेवें तोवोह.अच्छाहोजावे.या.और कोइ साधु फकीर पागल.नहीहोवे.और,वोह,हाथ फेरदेवे और कहदेवे,कि,जा,तेराबेटा,अच्छाहोजावेगा,सो जबके वोह;अच्छाहोजावे तो-परचा२करतेहें-सो-और भी कइ परचा चलादीयेहें किजो-धूंनीमें-आगहोवे-और,उसको कोइ झोलीमें!डालके-चलाजावे!तोसंसारको ऐसा सुझादेतेहें,कि:पुरा औलीयाहै!सोजबके!आगकेउपर पापका सायापड्ताहे जब!उस!आगका.तेज.च लाजाताहे इससे झोलीका,कपडा,आगसे;नहीजलताहे,सोऊन फकीर साधुओंको भी,खबरनही,और,कोइ२यहभी बद दुआदेतेहें कि जा तेरा.घर,जलजावेगा-सो जलजाताहे परंन्तु जलता,तो,है,राक्षसीपापके,जादुसे,और सुझादेतेहें परचा-सो साधु फकीरोंको राक्षसीपापकी खबरनही और वोहतो यहजांनतेहें कि हमको;प रमेश्वरने वचन सीद्धकीयाहे-और-संसारकोभी-राक्षसीपापसे ऐसाही सुझादेतेहें; कि.इस.साधु.फकीरका.वचन सीद्धहे सो बनीयोंने राक्षसीपापसे.भुला.रक्खाहे; कि-रावणने ऋषिश्वरोंको जादुके,जुल्मसे,परचोंके,भरोसे भुलारक्खाथा उसीतर हसे इन बनीयोंनेभी राक्षसीपापके जुल्मसे साधु फकीरोंको और संसारको भुला

याहै-और जादुसे कीसी२साधुवगैराके-दीलमें-ऐसा-सुझातेहें किहम सीद्धहोगयेहें और.शेर.बनजातेहें,और संसारकोभी ऐसाही सुझादेतेहें.किजीससे.संसारकेलोग यहजांनतेहें कि कोइ२साधुःशेर;बनजातेहें;सोयहःकरामाती होगयाहे और,माली कके!घरमें!पहूंचगयाहे!सोदेखो यह सरीर कीसीकाभी!नहीपलटताहे!जबतक!जीं न्दारहताहे क्युंकि मालीकने-जीसतरहका,बनायाहे-वेसाही रहताहे सो;संसारकी और;साधुओंकी;बुद्धीको.ऐसी भ्रष्टकरदीहे-जीससे वैसाही.सुझताहे;और;सुझादेते हें,और,कइ आगमें परचोंकी!चलादीहें-कि!नांमदेवजी महाराज दुवारका.गयेथे सो-दुवारका-नाथजीने-अपना मंन्दीर फेरके दरशनदीये-और-सवाइगीर-बावाने घोडा.छोड मसजीद दोडाइ,और,बादशाहसे,मुलाकातकी और यहकहतेहें.कि-रांमापीर.रणुंजामेंथे.और चोसर खेलतेथे उसवक्त बनीयोंका.जहाज.समुंन्द्रमें.डु बताथा.सो रांमापीरने गांव;रणुंजासे!बांऐं,लंम्बीकरके डुबतेहुये जहाजको.पक डलीया,सो,जहाजके,पकतेवक्त रांमापीरके अंगरखेकी,बांऐंसे,समुंन्द्रके,झागलगे. सो-रांमापीरके साथ ऊनका,भाइ,वीरमदेवजी,चोसर,खेलतेथे सो वीरमदेवजीने रांमापीरके,अंगरखेकी,बांऐंसे समुंन्द्रके झाग लगेहुयेदेखे,जब.वीरमदेवजीने,कहा कि;तुमने समुंन्द्रतक बांऐं!पहूंचादी,सोऐसे,सीद्धहो!सो खयालकरनेकी बातहे;कि रणुंजासे,सेंकडों,कोसोंपेजाके समुंन्द्रहै सो वहांपर रांमापीरकी,बांऐं,कीसतरहसे: गइहोगी क्युंकि रांमापीर,तो,इसतरहसे.हुयेहें.किजेसे,हम और तुम,और,संसारके आदमी.उसीतरहसे.रांमापीरभी आदमीथे परंन्तु ऊनहोंने.भक्तीकीहे.जीससे!ऊ नका-नांमरहाहे और यहकहतेहें,कि,बल.राजाके,घर,कृष्ण महाराज बावन.रूप धरके और.बृहमणकी.शीकलबनके आये और झूंपडी.करनेकेवास्ते,बल.राजासे जमीनमांगी और कहा,कि,मुझको,ढाइ,कदम,जमीनदो,तोमैं अपनेलीये झूंपडी,ब नालूं-जब,बल,राजानेकहा कि जमीनलो और झूपडीबनाओ,जब,कृष्णमहाराजने बल,राजासेकहा कि बचनदो,जब,हम,ढाइ,कदम,जमीन अपने वास्तेलेके.झुपडी बनावें.जब.बल.राजाने बचनदीया और बचनदेके और.जलकी.झारीलेके.ढाइ. कदम जमीनका संकलप-कृष्णमहाराजको-देनेलगे-उसवक्त शंक्राचारजजी बल; राजाके-गुरु-भोंराहोकर झारीकी टूंटीमें घुसगये सो पांनी-टूंटीके-रास्तेसे-बाहीर नहीआताथा जब कृष्णमहाराजने-झारीकी-टूंटीकेअंन्दर सलाइडाली सोवोह!स लाइ-शंक्राचारजजीके-आंखमें लगी इससे शंक्राचारजजी-कांणेहोगये-और,घबरा

के-झारीकी टूटीमेंसे बाहीरकोनीकले-जब?झारीमेंसे पांनी--बाहीर नीकलनेलगा जब.बल;राजाने.कृष्णमहाराजको ढाइ कदम जमीनका.शंकलपदीया,और.वचन दीया,और कहा कि,कृष्णमहाराज,ढाइ,कदम,जमीन,नापो जब कृष्णमहाराजने अपना-सरीर-बढाया-सो आकाशमें सर गया और पातालमें-पांवगये,और-जमी नको नापनेलगे जब!कुल!जमीनको!दो!कदमकी!इसकदर देहको बढाइ,जब,कृष्ण महाराजने.बल.राजासेकहा कि हमको आधा कदम जमीन.और;दो.क्युंकियहतो दोहीकदम जमीनहुइ नहीतो वचनहारो जब बल राजानेदेखा कि,इतना सरीर कीसतरहसे-बढायाहै,किजो-दो;कदम जमीनकीहै और-कहतेहैं;कि-आधा;कदम;ज मीन,और,दो सोइस बातकोदेखके-बल,राजा-बहुतघबराये कि अब,जमीन,तो; और.कहीं.दीखतीहीनहीहै अब आधा कदम जमीन कहांसेदूं.जब?बल.राजापर कृष्णजीने कोपकीया और-कहा,कि,आधाकदम-जमीन और दो,नहीतो,वचन-हारदो-जब-बल-राजाकी माने बल राजासेकहा कि-कृष्णमहाराजके-आधे,कदम जमीनमें अपनी,देह देदो जो पुरी ढाइ कदम जमीन कृष्णजीके होजावे,जब-बल राजाने-अपनी-माके-बचनको सुनकरके कृष्णजी महाराजके-पांवकेनीचे-गीरगये जब कृष्णमहाराजने बल,राजाके,शरीरमें--लातमारी,तो,लातके लगनेसे जमीन फटगइ-सो-बल,राजा,पातालमें चलेगये जब बल राजा,कृष्णजीके-पांवको-चाटने लगे!जब कृष्णजीमहाराजने बल-राजासेकहा?कि-बोल क्यामांगताहै जो;तु;मांगे वहीदूं-जब,बल.राजाने,कृष्णजीसे कहा कि मुझको बचनदो,जब,मैंमांगूं-जब,कृष्ण जीने;बचनदीया जब बल,राजाने,कृष्णजीसेकहा,कितुम हमारेघर बारह;मासरहो जब.कृष्णजीनेकहा.किजोहम तुम्हारे घर पडेरहेंगे जबतो?सब.दुनीयां.मरजावेगी जब;बल राजानेकहा कितुम बचनहारो जब कृष्णजीनेकहा कि बचनतो;नहीहारूं थे-तुम्हारेघर-पडारहूंगा-जब कृष्णमहाराज बल राजाके-घरपडेरहै-सो-संसारमें; बरसातहोना बंन्दहोगया जब,दुनीयां,दुःख,पानेलगी,जब राधकाजीने कुल,संसा रमें-कृष्णजीकी-तलाशकी-तो ढूंढते२बल राजाके द्वारेमीले-जब?बल-राजाकेहाथमें राधकाजीने डोरा राखीबांधी.और.धर्म,भाइबनाया.और बल राजासे;कहनेलगे कि.बल.राजाजी.हमको बचनदो जब बल राजाने राधकाजीसे.कहा.बचन.हीहै और बचनदीया बोलो?तुम!क्यामांगतेहो!जब!राधकाजीने बल राजासेकहा,कि कृष्ण-महाराजको-हमारे घरभेजो जब,बल राजाने राधकाजीसेकहा-कि-कृष्णजी

महाराजको,तो हम नहीभेजते-क्युंकि,कृष्ण-महाराजने हमको हमारे.घररहनेका वचनदीयाहै.इससे.नहीभेजते जब राधकाजीनेकहा कि.तुम.नहीभेजो.वोहठीकहै परंन्तु कृष्णमहाराज तो,परमेश्वरहैं,सोजबसे,कि,तुम्हारेद्वारेआये जबसे कृष्णजी महाराजने-संसारमें-बरसात नहीहोनेदीयाहै सो सारी दुनीयां-दुःखीहे-सो?सारी दुनीयां बरसातबगैर मरजावेगी.सोतुम;नहीभेजोतो.बचनहारो जब बल;राजाने कहा.कि.तुम्हारेघरमें.चार महीना कृष्णजीको भेजूंगा और.आठ.महीना.मेरेघर रहैंगे,जब राधकाजी चार-महीनेका-हुकमलेके-और-बल राजासे रुखसतहोकर: कृष्णजीकोलेके.घरआये.जब चार महीना संसारमें बरसातहोताहै.परंन्तु.पहीले बारहमास बरसातहोताथा सो,कहतेहैं,कि,कृष्णमहाराज बचनोंमेंआयेहैं जीससे. आठमहीनातो-कृष्णजी-बलराजाके घररहतेहैं और चार-महीना-राधकाजीकेघर आतेहैं.जब संसारमें चारमहीना'मेहहोताहै'और'पहीले सतजगमें बारहमास.याने एक?महीनेमें?एकदफे?अच्छीतरहसे बरसातहोताथा और?दुसरे?महीनेमें?फीर-अ च्छीतरहसे किजीससे जमीन'खुश्क.नहीहोनेपातीथी'याने महीनेकी महीने'बरसात होतीथी:और-जमीन.तररहतीथी जीसको लोग बारह.मेघ.मालाकहतेहैं;और;इस जमानेमेंतो मुशकीलसे चारमहीना-मेह?बरसताहै-वोहभी जादुसे थोडाबरसनेदेतेहैं और,पुरा,नहीबरसनेदेतेहैं और ऐसी बातोंका कीस्सा चलादीयेहैं,कि,कृष्ण,महा राज राजाबलके बचनोंमेंआयेहैं,इसवास्ते,और,महीना,याने आठमहीना नहीबर सता!कीस्सेसेतो!कुछ नहीहोता यहतो संसारकी बुद्धी!जादुसे!भ्रष्टकरदीहे:इससे ऊनको ऐसाहीसुझताहै और,यहबनीयेभी,ऐसाही,खयालकरतेहैं किइनको इतनी ही;समझहे-इसवजहसे-यह जादुकेजोरसे थोडा महीना-बरसनेदेतेहैं,सोइस;बातका बीस्वांन बडे२पंन्डीत लोगहीकरतेहैं,और,संसारकेलोगभी करतेहैं और,इसबातको जीयादातो-मैंक्याकहूं-कि पहेहुये राजालोगभी कहतेहोंगे-और-जबतक-मुझको;इन बनीयोंने अपने,जादुसे दुःखी-नहीकीयाथा-जबतक-मैंभी यहीजांनताथा कि,कृ ष्णमहाराजही!संसारमें!मेह बरसातेहैं और आठ महीना!कृष्णजी!बल-राजाकेघर रहतेहैं,इससे चारमहीने मेह,होताहै,ऐसा,मैंभीजांताथा इसमें ऐक.रती?झूठनहीहै मेरा.जीवभी.यही.गवाहीदेताथा कि कृष्णमहाराजही मेह.बरसातेहैं?और.कृष्ण-महाराजही परमेश्वरहैं और.घडन,भंजनहैं-और.जमीन आसमांनके घडनेवालेहैं और;रचनाको-रचनेवालेहैं ऐसा-मैंभीजांनताथा और;मेरे-जीवमें;ऐसाहीसुझताथा

किजबतक मुझको राक्षसीपापमें-दुःखीनहीकीयाथा-जबतकमैं कृष्णजीकोही परमेश्वर-जांनताथा:कि;कृष्णमहाराजही पेदाकरंन्ताहै जबकोइ-हिंन्दु;मुसलमांन-बुद्धीमांन,शखस मुझसेकहता किवहतो,अपने;मुवाफीक,आदमीथा तोमैं;ऊनसे;लडनेको लगजाताथा.और.मैंकहताथा कि कृष्णमहाराजतो घडन.भंजनहें,जबकोइ.बेचारा बुद्धीमांनकहता किवोह बेचारा;राजाथा-और;उसने भक्तीकीथी इससे;उसका;नांम संसारमें!अमररहाहै!तोउससे मैंगुस्साहोकर लडपडता!और,कहता,कि!कृष्णजीतो घडन,भंजनहें सोवोहतो बेचारे,सच२कहतेथे.और,मैंऊसको ऐसाजांनताथा कि वेवकुफहें;और:मुरखहैं;और संसारमें इसकदर कृष्णमहाराजकी;सोभाकरतेहें;और कृष्णजीतो घडन भंजनहें-सो-संसारमें-कृष्णमहाराजकी झुठीबात थोडीहीकरतेहें परंन्तु,वोहथी.सचीबात.सो सचीबातके कहनेवालोंको.मै.मुरखजांनताथा.क्युंकि मै-राक्षसीपापमें केदथा और,अंन्धे,आदमीकी,तरहसेथा जीससेमैं ऊनसचे;आदमीयोंको-मुरखकहताथा-सोमैं यह कीस्सोंके सुननेकी वजहसे-कहताथा-किजो;शख्स कृष्णजीको संसारके मुवाफीक,आदमीकहै.वोह,मुरखहीहै सोमैंमुरख ऊनसेऐसा कहताथा.क्युंकिइन.बनीयोंने रावणके मुवाफीक राक्षसीजालके.कीस्सा.चलायेहें जीसका;कुछ पारहीनहीहै परंन्तु,संसारमें;यहकहतेहें,किजो भक्तीकरताहे उसको कृष्णमहाराज.मीलतेहें.क्युंकिजीसको मीलतेहें उसके जीवका,सब.नीसतारा,करतेहें-किजो भक्तीकरताहे उसको-कृष्णमहाराज-मीलतेहें ऐसे२कीस्सा सुन२कर, मैंभी अंन्धाथा और भजनोंको सुनताथा तो वहीबात और बृहमणोंकेपास कृष्ण महाराकी बातेंसुनताथा तोवोहभी यही,बातेंकहतेथे जब जांनता.कि कृष्णजीही घडन भंजनहें सोमैं साधुतोहुवा परमेश्वरकेवास्ते और परमेश्वर मुझते कृष्ण.महाराज-सोमैं जंगलमें कृष्णकेवास्ते रोताफीरता किजो आंखोंका पांनीतक नहीदुःताथा और जंगलहीमें रहताथा और जंगलमेंही सोताथा और बनासपतीके फुल और,फल वगैरा खाताथा और कृष्णको ढुंडता फीरताथा जीसमें पंन्दरह,दीन और-बीस२दीन खानाभी नहीखाता भुखा पडारहता और कहता कि मरजाऊं तो!बलासे परंन्तु कृष्णमहाराजके दरशनहों क्युंकिआगे बहुतसे साधुहुयेहें?ऊनको.दरशनदीयेहें और ऊनकी मुरादें पुरीकीहें इससेमेरीभी अबलखा कृष्णजीसे मीलनेकीहै कुछ मायाकेवास्ते-साधु,नहीहुवा-फकत आपके दरशनके,वास्तेहुवाहूं सोऐसी;चाहना.रहतीथी कि कृष्णजी महाराज मुझकोमीलें;जब;बचूं-नहीतो;यह

शरीर कृष्णाअर्पणहै——और?संसारके-आदमीयोंकोभी अपनेपास नहीआनेदेता और.पहाड्मेंरहता.याने पहाड आबु आडाबळा और.मालवेके,भाकरोंमें-और, सीवांणाके और जालोरीके,भाकरोंमें,भागता,फीरता,और आदमीयोंको नहीमी लताथा-और,ना-ऊनको अपने पास आनेदेता अगर मेरेपास-आदमीआता-तोमैं भागके चलाजाता और'दबकजाता'सो'संसारके'लोगोंसे दरीयाफतकरो तोवोही लोगकहदेंगे.कि.जीनकोदेखके मैंभागताथा कियह साधु.वहां२भागता.फीरताथा और आदमीयोंसेबात नहीकरताथा और जंगलमेंही हरताथा जब मुझको,पंन्दरह या-बीसदीन भुखेमरते और.प्यासेमरते.होजाते.और यहजांनता.कि अब.मेरी: जांन.नीकलजावेगी.जबयह बेईमांन जादुसे क्रषणमहाराजका.चहरासुझाते.जब. मुझको ऐसा मालुमहोता,कि;क्रष्णमहाराज;मेरेपास,खड्हें सो क्रष्णजीका;चहरा मुझका,तरह२का,सुझातेथे सो कभीतो बीकराल रुप और,कभी,और,तरहका,सो जबके बीकराल रुपसुझातेथे-सो,कीसतरहका,सुझातेथे-कि क्रष्णमहाराज गायेका गोश्त-अपने-कांधेकेउपर उठायेखड्हें और मेरेसे यह-दरीयाफतकरतेहें-कितु,इस जगहपर क्युंपड्है सोजबके.मै.क्रष्णजीका.सरुप.ऐसादेखता तोकहता किऐसा अपराधी आदमी कोनखड्है गायेका गोश्तलीये और मै हिंन्दुहूं जबमैं,उससे;गु स्साहोकरकहता.कितुम.चलेजाओ जब वोहकहता कि.तेरीजांनतो?नीकलनेकोहु इहे,और,तु भुखा प्यासा,यहां,क्युंपड्हे,जबमैं,जीयादा गुस्साहोकर यहकहता;कि तुमचलेजाओ तुम हमारेपास क्यापुछतेहो जब फीर वोह मुझेपुछता कितु,क्युंपड्ा हे;जब.फीर.मैंगुस्साहोकर कहता कि तुअपराधी क्यामुझको.गायेका.गोश्तदेवेगा. सोयह चीजतो मुझ हिंन्दुके नजदीक भीष्टाके बराबरहै और मैंतो यूहींपड्हूं;तुम चलेजाओ.तुमको.क्याकांमहे.जब नमालुम कि गायेका गोश्त.तो.कहां.अलोपहो गया,सोइन बनीयों वेइमांनोंने?राक्षसीपाप?क्रष्णजीके नांमकाकराके क्रष्णजीका चहरा सुझादीया और,इसीतरहसे,चारभुजा,और मोरमुकट और,गोपीयांवगैरा भी-जादुसे-उसीवक्त-सुझादीं सो जेसे नींदमें सुपनाहोताहे-उसीतरहसे-वोह-जाग ता,सुपनाथा और बहुत आदमीयोंको दुनीयांमें जागता सुपना कीसीको,भुतका और कीसीको देवतोंका करातेहोंगे सोवोह कुलतमांम जागता सुपनाहे-क्युंकि;ऐ साबुरा-पापहे-कि-मरेहुओंका पापसे चहरा सुझादेतेहें सो-खेर?क्रष्णमहाराज-तो मुझको क्यासुझते परंन्तु बनीये जो राक्षसीपाप करातेहें जीससे बनीयोंका;राक्ष

सीपाप क्रष्णका चहराहोके-सुझताथा-उसीतरहसे-और भक्तोंके नांमका.पापकरा तेहें.तोऊनका.चहराहोके सुझताहै किजीस२के नांमका.पापकरावें.उसीका.चहरा दीखे-जब क्रष्णमहाराज कहनेलगे,कि,मांग,क्यामांगताहे जबमैंने क्रष्णजीसे-सीधे भावकहा!किदुनीयांमें!कालपडताहै इससे सारी सृष्टी दुःखीहे!सोऐकतो?काल!दु नीयांमें नहीपडे और-दुसरा-कची,ऊमरमें-कोइ-नहीमरें और,तीसरा रोगचाला वगैरा?सृष्टीमें?नहीहोवें और चोथा सतजगकीतरहसे सब?गरीबों?अमीरोंकेपास, दरब,और मायाहोवे और कोइ भुखेनहीमरे और सतजगकीतरहसे अमन-अमांन रहे-और-सतजगकीतरहसे सबकी बुद्धी दुरस्तरहे और-कीसीमें?खार-ऐंखारनही रहै,सोमैंतो संसारके वास्तेकहताहूं-और,सब-सुखीहोवेंतो उपकारहोवे वोह,उपका रहे;जबइतनी.बातसुनकरकहा कि तुमको क्याकांमहे संसार.मरजावेतो,तुझकोक्या और रहजावेतो तुझकोक्या-जबमैंनेकहा;कि,संसारमरजावेगा जब आपकाभी;नांम कोनलेवेगा;जब;क्रष्णमहाराजनेकहा किसंसारतो महा दुष्टहै;तुःमांमःजोतुझको:मांग नाहो जबमैंनेकहा किमैंने,संसारमेंसे.नीकलके.अपना,घरही छोडदीया सोअबमैं क्यामांगूं!मेरेतो!जीवका भलाहोना चाहीये मुझकोकुछ धन!नहीचाहीये!और:तुम परमेश्वर कहलातेहो ओर-संसार,कहताहे;कि,हमारी-बुद्धी परमेश्वरने भ्रष्टकरदीहे सोसंसारकोतो-कुछ-दोशनही वोहतो कहतेहें कि हमारी-परमेश्वरने-बुद्धीभ्रष्टकीहे सोआप परमेश्वहो सतजगमेंतो,संसारकी?बुद्धी.तुमने अच्छीतरहसे रहनेदीथी;और अबतुमने.भ्रष्टकीहे.सोअब तुम्हारे हाथ क्याआताहे सोबुद्धी.भ्रष्टहोनेसेतो.गरीब गुरबा दुःखीहोतेहें और,गरीबोंकातो,तारनेवाला,परमेश्वरहोताहै सोअब गरीबोंको ऐसा-दुःख-नहीदेनाचाहीये इतनी मेरेउपर क्रपाकरो क्युंकि-आगे२भी?तुमहारी. सोभा संसारमेंहोरहीहै कि-भक्तोंकेकहनेसे-संसारमें-बहुत२सुखदीयेहें तो अबभी मेरी.यहीअरजहै.किजेसे सतजगमें सुखथे वेसेही अब.होनाचाहीये.और.जबचाहूं जब-मुझको आपके दरशणहुवाकरें-जब-मुझसेकहा-कितुम ऐसाकरो कितुम,सर, भंगीके.मुवाफीक.होजाओ और कुत्तोंके साथ खाना खायाकरो.जब;संसारके;लो ग,तुमको बुराकहाकरेंगे जब,हम,तुमको.मीलाकरेंगे,और तुमहारे जीवका-भला होगा.सोतुम.हिंन्दुहोतो.गाये और सुअरकाभी गोश्त खाजाओ.तोतुमहारी.आवा गवन मीटजावे जब,मैंनेकहा,कि,गाऐतो,हम,हिंन्दुओंकी माताहै क्युंकि,हिंन्दु,मु सलमांनको-दुध-पीलानेवालीहै इससे सब संसारके नजदीक-माताके-बरावरहै-सो

इसबातमेंतो मेराधर्म्म भ्रष्टहोताहै-तो-कहनेलगे-कि-तेरा स्वर्गमें भलाकरेंगे,कि,जहांपर.राध,लहुकी.कूंन्डीयांहें वहांपर तुझको राध लहुकी.कूंन्डीयोंमें.नहीडालेंगेः जबमैं ऐसी बातसुनके,कुत्तोंकेसाथ.और.भंगीयोंके,घरका टुकडा खानेलगगया और,अपना,धर्म्म,भ्रष्टकीया और जोकि ऊनहोंने कहाथा,वोह,सब,चीजेंखालीं, और,खाने पीनेलगा सो!गायेके;गोश्तकी;परशादली!जीयादातो नहीखाया परंन्तु मेरा-धर्म्मजातारहा-सोमैंने जांना कि कृष्णमहराज परमेश्वरहें-सोयह-कहतेहें-सो करलो,सो मुझकोतो इसबातकी,बीलकुल,खबरनही,कि बनीयोंका जालहे,कि,जो सतरहसे-रावणने-ऋषिश्वरोंकी बुद्धी भ्रष्टकरदीथी क्युंकि?रावण-ईन्द्रजालकेपापसे लोगोंका धर्म्म भ्रष्टकरताथा.सोमेरेको;यह.मालुमनहीथा कि,रावणके मुवाफीक धर्म्म भ्रष्ट करतेजातेहें और रावण और उसके कुळके लोग साधुवगैराका रुप,धर२के,संसारको,वहकातेफीरतेथे और रावण वगैराने साधुओंकाही,रुपधर२के,सीताजीको बहकालीयाथा उसीतरहसे-यह-बनीयेभी-डूंडीये पंन्डीतों और.साधु,फकीरोंका-रुपधर२के-और भाकरों वगैरामें मील२के बहकातेहें-कभी-शीवजीकारुप कभी गोपीचंन्दका कभी,भरतरी,और,गोरखनाथका,रुपधर२के जोहिंन्दु मुसल मानोंमें,आगे अनेक साधु,फकीरहुयेहें,ऊन,मरेहुये,साधु फकीरोंका रुपधर२के, बहकातेफीरतेहें-और-इन डूंडीयों वगैरानेही तरह२के रुपधरके-संसारमें-राक्षसी, पापचलाया और राक्षसीवेदके-टीपने.और-पोथीयोंवगैरा चलाइहें और,इनहोंनेही पहीलेसे,ऐसे२कीस्से,भरतरी और गोपीचंन्द और गोरखनाथ.वगैराके.चलायेहें कियह साधु;अमरहें और,जीतेहें;सोऊनका,भक्तीकेसबबसे नांम अमररहाहे;सोइन बनीयोंने.ऐसी२बातें.संसारमें चलाकरके संसारकी बुद्धी.भ्रष्टकरदीहे.और.संसारको भुलादीयाहे;और कारवेलीया,और,सांप,पकडनेवालोंकी तरहसे मरेहुये;साधु!फकीरोंका,रुपधर२के!पहाडों वगेरामें बहकाते फीरतेहें!इसीतरहसे,मुझको!यह डूंडीयावगैरा मील२के बहकातेरहे,और,कइतरहकी,आगम मुझको बताई,कोइ,का लपडनेकी-और-कोइ-रोगचालेकी और कोइ मरीपडनेकी-आगम-मरेहुये-साधु-फकीरोंकी सुरतमें और रुपमेंहोकर,मुझकोबताइ;जबमैंने इन बनीयोंका जाल;पकडाहै;और.मरेहुओंका.जागता सुपना जोकरातेहें वोहतो.और;बातहे.परंन्तु;बातेंतो मुझको खुद,रुबरु रुप तरह२के धर२के बताइथीं मरेहुओंके सुपनेकरानेका तोमैं कीतावमें!कइजगह!लीखचुकाहूं सोवोहतो यहहे कि पाप!मरेहुओंकेनांमका!करावें

तो,सुपना सुझजाताहे और,जोपाप,छोडदीया,तो,सुपना नहीसुझताहे सोइसकी, सुझको,बीलकुल,खबरनहीथी मैंतो यह जांनताथा कि कृष्णमहाराजहैं,सो,मुझको यह,खबरनही कि कृष्णमहाराजके-नांमका-जागता सुपनाकीयाहे किजेसे;नींदमें सुपनाकरतेहें-जेसायह-जागता सुपनाकीयाहे जबमैं कृष्णजीके-कहनेसे-सब-चीजें खानेलगा तोमुझको जादुसे;बावलाकरदीया,सो;कृष्णजीतो नहीथा थातो;जादुका फेल;सो.जादुसे.कृष्णजीका सरुप सुझादीया क्युंकि कृष्णजी.तो.मरगये;और;जो ऊनहोंने भक्तीकीहे तोऊनहोंका,नांम,अमररहाहे,क्युंकिवोहभी अपने सुवाफीक, और;संसारके;सुवाफीक आदमीथे सोजब मुझको जादुके जुल्मसे;बावलाकीया,तो ऐसाकीया किकुछ कहीनहीजावे-और,माइ,बाइ,और-आदमी आपुसमें सुख,दुख कीबातें.या.कमाने.खानेकी बातेंकरते और जोमैं गांवमेंजाता.और.ऊनकी.बातें; सुनता तोऊनकीबातें मुझको,उलटी,मालुमहोतीं,और-कांनोंसे उलटी सुनाइदेतीथीं कियह;मुझको;गालीयांदेतेहें किजो आपुसमें बातेंकरतेथे वोह;मुझको.जादुकेजुल्मसे ऐसी,सुझादेतेथे कियह मुझको-डाकी,और,भुतकहतेहें-जब ऐसे,जागते सुपनेकीये जबमैं.सोचा;कि.कृष्णमहाराज और कोइभी अमरतोनहीहें.फीर.यह.जंजालक्या और,मैंपागल केसाहोगयाहूं मालीकके,नांमसेतो,और,बत्तीस लछनआतेहें और बुद्धी.ठीकांनेरहतीहे.फीर.मैंपागलके मुवाफीक केसेहोगया.ऐसे२जालतो.जागते; सुपने,मेरेको जादुसे इनबनीयोंने-दीखाये-जब-मैंवाकीफहुवा और डूंडीयेलोग-बहरुपके-मुवाफीक-साधु फकीरका रुप तरह२का धर२के-मेरेकोबहकाते-कि.अबके कालपडेगा या मरीपडेगी,और;हजारोंतरहके;बीगन,बतलाते जबमैंने मालुमकीया कियहतो.रावणकी.तरहसे जालहे जबमैं इनबनीयोंके जालसे.वाकीफहुवा,कि;रा वणकी ओलादमेंसेभी ऐसे२साधु,फकीरोंका,रुपधर२के,ऋषिश्वरोंको और संसा रको,बहकातेथे,बलके,यह डूंडीये जीते जागते मीलतेथे यहकोइ,सुपनानहीहे,यहां तकतो,यहबातें मुझको जादुसे,सुझादीं,क्युंकिजादुसे,मुझको बावला करदीयाथा; जीससेऐसा,सुझनेलगाथा,सो जोकोइ गरीब बातेंभी करेंतो,ऐसाही,मालुमहोताथा किजेसे गालीदेतेहें सोवोहतो-बेचारे,सीधी-बातेंकरतेथे और-मुझको जादुसे?जो बावला.करदीयाथा.इससे.मुझको उलटा सुझताथा जबमैं.ऊनको,गालीयांदेता,कि बेइमानों,तुम हमको गालीयांदेतेहो,और,भुत,डाकीकहतेहो और मैंतो-परमेश्वरका भक्तहूं-और-तुम-हमेशां तुमहारी मोजआवे उसीतरहसे मुझको-कहतेहो-जबमैं?की

सी२को पत्थरोंसे मारनेलगता!और-बुरी२गालीयां!देनेलगता सोमैंतो अकेला और.संसार.बहुत.और मैंसरीरमें बहुतकमजोर और आंखोंमें.दमआरहा.सोमैं-जादुके जुल्मसे दुःखीहुवाथा,सोजब;मुझको,गालीयांदेतेहुये लोगदेखें जब;मुझको मारें,और,कहें,कि यहतो बावला;होगयाहे सोजीस गांवमेंजाऊं,वहांयही,हालतकरें और वहींमारें और'कहें'किआगे'बहुत'समझदारथा'और अबकीसीने फीटकारदीहे सोबावला.होगयाहे.सोजीस गांवमेंजाऊं वहांपर वहीहाल.मेराकरें.याने.गुजरात और,मालवामें और मारवाड्वगैरा-याने-जीस-मुलकमेंजाऊं तोउसी मुलकमें;बावला२कहें.और.मारें.किजोमेरा बुराहाल होगया सोमैं.यह.वीचारकरूं.किकूंवेमें गीरजाऊं या फांसी या,अमल,खाकेमरजाऊं,ताकि,मेरा दम नीकलजावे तोठीक बातहे,ऐसा,दुःखीहुवाथा सोइसतरहके दुःख सहते२दस,बारहबरस,गुजरगये,तो यह,वीचारकरूं कि अबमैं;कहांजाऊं;ऐसा;दुःखीहुवाथा जबइन बनीयोंने,ऐक,गा येको-कचीउमरमें-जादुसे गांव बालोतरामें मारदी सोबोह-रातभर-मरीहुइ,पडीर ही!सोमैं जहांरहताथा वहांपर,भंगीकीतरहसे,रहताथा,और मजदुरीकरके और-झाडु!बुहारुदेके!रोटीखाताथा और जबमैं मरीहुइ गाऐके!पासगया!तोलोग;कहने लगे;कि ऐवावले गाऐकेपास मतजा यहतो मरीहुइहे जबमेरेको जादुसे ऐसा;मुझा या.किकांन.हीलातीहे जबमैंनेकहा-किबेइमांनो गायेतो.जीतीहे और,तुम,मरीहुइ कहतेहो कुछमैं बावलाथोडाहीहूं-यहतो.कांन-हीलातीहे सोमैंने-कांन हीलातेदेखा जब-मैंनजांना-किजीतीहे और थी मरीहुइ और मैंजादुके-जुल्मसे-गैलाथा;सोमेरे को,ऐसामुझा किकांन हीलातीहे,सोजीतीहे,जबमैंने,गायेके पीठपर हाथमारा,जब गाये.बैठीहोगइ.जब.वहीलोग कहनेलगे किइस बावलेको.मतमारना.यहतो,सीद्ध होगयाहै और मालीकके घरमें'पहूंचगयाहे!सोइसको'मारना अच्छानहीहे यहतो. मक्कहे-इससे-लोगादीखाओ बकताहे और मैंजादुमें दुःखीथा-और-लोगोंको;जादु से,ऐसामुझावें कियह मक्कहे-सोअपनेको-भुलानेकेवास्ते और संसारकेभुलानको-बकताहे.और.संसारको दीखानेकेवास्ते सीरडी बनगयाहे.सो.संसारके.आदमी, अपने,आप यहकहें कियह,बावलातोनहीहे,यहतो,मक्कहे परंन्तु इसवास्ते,बावला बनगयाहे-किकोइ-मुझको भक्तनहीकहें और मेरेपीछे-संसारकेलोग-नहीलगें-इस. सबबसे सीरडीकी तरहसे.बकताहे,सो,संसारको.जादुके जुल्मसे ऐसामुझावें,और मैंतो-दुःखीथा-और-संसारने आपसे आप बातें चलादीथीं-जब-ऐसे२परचे!मेरे

हाथसे चलाने शरुकीये-सो-वालोतरामें-बनीयोंका-सेवकथा और बनीयोंके;मंन्दी रोंकी.पुजाकरताथा.सोउसकोभी जादुसे अन्धाकीयाथा सो.गायेका.परचादेखके सेवक मेरेपांवमें पडगया,और,पांवकोःछोडेनही,और,मैंजादुके जुल्मसे महादुःखी किजो;आदमीका;कपडा लगजावे तोवोहभी सुहावेनही,ऐसादुःखीथा;और,सेवक मेरेपांवको छोडेनही जबमैंने-गुस्साहोकेकहा-कि-बेइमांन तुझको नहीसुझे;तोमैंक्या करूं;मेरे-नजदीक-अपनी आंखोंमें धुलडाल सोउसने सुनतेही-इसबातके-आंखोंमें धुल,डालली सोउसकीआंख खुलगइ-सोमैं-कोनसा-जांनताथा किधुल डालनेसे आंख.खुलजावेंगी.मैंनेतो.गुस्साहोके कहाथा जब सेवकने.मांना.किइनका.वचन धुलडालनेका होगयाहे जबउसने'धुल'आंखोंमेंडाली'तोउसकी आंख खुलगइ,और सुझनेलगा और कहनेलगा किजीसको तुम मारतेथे और वावलाकहतेथे उसनेतो हमरी,आंख,खोलदी,सोवोहतो हमारा गुरुहे इसीतरहपर ऐक;गांव;खेडा;परगने; मालांनीमेंहे सोवहांपर चमारों-याने-भांवीयोंका-गुरुरहताथा सोउसकी ओरतका दुध;जादुके.जुल्मसे.मुखादीयाथा सोउसके चार पांचबच्चे.वगैरदुधके.भुखेरह२के मरगये सोमैं अपने फकीरीके-हालतमें-वहांपर-चलागया तोवोह ओरत परचोंका हालसुनके मेरेपांवको पकडके,माइ,बैठगइ,और,कहनेलगी कि:बाबाजी मेरे;चार पांचबच्चे-वगैरदुधके-मरगयेहें सो हाल इसतरहसेहै किजो-ऊंगलीयोंमें-दुधहोवे;तो मेरे,थनोंमें दुधहोवे सो-बचनकहो,सोमेरे,दुधआवे-जबमैंनेकहा किमैंतो संसारका वाल.बच्चाहूं.और.संसार माता पीताहै सोमैं क्याजांनूं कि.दुधआवे-या.नहीआवे सोमैंने उसकेथन बच्चोंके-मुवाफीक;चूंसे;सोदुध-आगया किजीसतरहसे माइ;बाइके दुधहोताहै;उसीतरहसे-उसकेभी;दुधआगया;तोउसनेभी-जांना-कियहतो;बडा;बचन सीद्धहै और चलेपरचे और मुझको खबरनही और फीर गांव पादरु इलाके;सी वांनामें-जोहै-उसजगह-जोमैंगया तोक्यादेखताहूं किमरद-और-बाल-बच्चे-कूंवेके-होजमें अशनांनकररहेहें और,तेल,मेट,और,साबून,देरहेहें और गाये,भैंस,खेलीमें पांनीपीतीहें.सोमैंने?यह.कांमदेखके बाल बच्चोंको और.मरदोंको.अशनांनकरनेसे मनेकरदीया सोमेरेकहनेसे बाल!बच्चे?और!दुसरेआदमीतो हटगये और;ठाकुरका आदमी!नहीहटा!जब!दुसरेलोग और बाल बच्चे कहनेलगे!कियह!बाबा?तो!बडा सीद्धहै और बावलासा-दीखताहै-सोयह-मनेकरताहै-सोहमतो नहीनहाते जबउस ठाकुरके-आदमीनेकहा-किऐसे साधु बावले तो बहुत फीरतेहें-हमतो-नहावेंगे-इस

पागलकेकहनेसे हम क्युंरुकजावें-जब.मैंनेकहा-कितुम मत नहाओ,और,मैंलड्ने लगा.तो.ठाकुरका.आदमी मुझपर गुस्साहोकर कहनेलगा.जब.मैंडरा.कि?मुझको मारेगा जबमैंने खेलीके,सरमारा!और!खेलीसे,सरफोड्के दुसरे गांव.चलागया और,ठाकुरका,आदमी,अशनांन करतारहा जब वोह बाहीर,नीकला,तो,कोढी;हो गया-और उसको,बड्ा रोगहोगया,जबमैंने,ठाकुरके,आदमीको होजमें नहानेसे; मनेकीया,किइसमें;मत;नहायाकरो क्युंकि इसमें गायेवगैरा;पांनी;पीतीहें,इसवजहसे मनेकीयाथा सोठाकुरतक और-रैयततक,कोइ-उसरोजसे होजकेअंन्दर नहीनहाते सोउसकी.बुद्धी.भ्रष्टकरके.जादुसे बनीयोंने नहलाया.और.जादुसे.बड्ा?रोगकर दीया,जब उसने साध,अनोपदासके?नांमकी,परशादबोली और कहा,किअबमैं. कभीभुलकेभी-इस-होजमें अशनांन नहीकरूंगा मेरायह-गुनाह!माफकरो!तोउसके नांमका पाप चोरासीलाख,कूंन्डीयोंकेउपर,करना,छोड्दीया तोवोह अच्छाहोगया और.मेरेको.खबरहीनही और मेरेनांमका दुनीयांमें परचासुझावें.और.मेरेनांमका पाप दीन२जीयादाकरके,बावला,करदीया?किजोमें,दीन२बावला होताजाऊं कि जो;दीन२लकड्ीके.मुवाफीक सुखगया किजो मेराजीव.अंन्दरसे.बहुतदुःखी;और फीर वहांसे भागा२सीवांणाके,इलाकेमें,गांव,बीजलीयाके भाकरमेंगया और;वहां जाकरबेठा-और-महादुःखी और यूंकहूं किमेरा दमनीकलजावे?तोबहुत?अच्छीदा तहै इसदुःखमें बेठा२सोच.बीचारकरताथा.किवहीं.भाकरमें जहांबेठाथा वोह;जा दुसे,बनीयोंने.फाड्ा.सोमैं डाकोरजीके रास्तेमें लालगुवाड्ीके.हदमें.पहूंचकर-कि जहांपर नो दस,कोसके-उजाड्में-झाड्ीपड्तीहै,वहांपर जमीनही जमीनमेंजाकर बाहीर,नीकाला,सो,जीसतरहसे कि जादुसे देवतोंकी,पुतलीयोंको,जमीन:फाड्के नीकालतेहें उसीतरहसे इन,बनीयोंने?जमीनमाताको,रोगकरके और जमीनको. फाड्के!मुझ;गरीब;साधुको नीकाला तोमैं हवा और गरदके जोरसे;बेहोश!होगया सोखबरनही दस या बारह,रोज,पड्ारहा-या,कम,जीयादा उसकी मुझको खबर नहीहे.और.जबकिमैं;होशमेंआया तोमैंने बहुत सोचकीया.किमैं.कीस.मुलकमेंआ गया;यहक्या जुल्महुवा किजो;आवाज;आदमीयोंकी:सुनं तोदुसरे मुलककी,और मुलकदेखूं-तोदुसरा;जबमैंने दीलमें सोचा किमैं आदमीयोंसे;यहकहूं,किमैं;जमीनके अंन्दरसे नीकलाहूं तो-मानेंगेनही;इससेमैंने;ऊन-आदमीयोंसे यहकहा कि;मारवाड् यहांसे?कीतनीदुरहै-और कीधरहै जब ऊनहोंने मुझको बड्े२शहर-बताये?किजो

जोधपुरके राजके रास्तेमेंआतेथे-जबमैं-दरीयाफ्त करते२मारवाडमें वापीसआया सोमुझको-जादुके-जुल्मसे दुसरे मुलकमें नीकाला और-लोगोंको-जादुके-जुल्मसे; क्यासुझावें कि बाबाने,समाजीलीथी,सोकहांजाके,नीकला सोतो बाबाकी:बाबा जांने.और.मैंतो.जादुके जुल्मसे महादुःखी और ऐसाचाहूं.कि.जीव-नीकलजावे तोअच्छाहो और दुनीयांको!जादुके!जुल्मसे!ऐसासुझावें!कि सीद्धहोगयाहै परंन्तु मै-लालगुवाडीकी-तरफसे वापीस आतेवक्त गांव चोटीला-इलाके-पालीमेंआया, और वहांपरबैठा और,मेरेनांमके,परचे२तो,पहीलेसे,पुकारतेथे कि ठाकुरका;आ दमी-अपनी-ओरतसमेत मेरे पासआया;और उसने और-उसकी-ओरतने;मेरेपांव पकडलीये और उसआदमीके,और,उसओरतके,कोइ,बाल बच्चा जादुके,जुल्मसे नहीहुवाथा.और.शादी कीयेकोभी बीस या तीस बरसहोगयेथे.सो?माइ.बाइके-पेटमें रोगकरदेतेहें जीससे,बेओलाद,रहजातेहें,सोजब.उस आदमीको ओर;उसकी ओरतको,मेरेआनेकी,खबर चोटीलामेंहुइ तोठाकुरका आदमी,अपनी,ओरतसमेत मेरेपासआया और मेरे,पांवपकडे,और,छोडेनही,जबमैंने गुस्साहोके ऊन,दोनोंसे कहा-किहम-तुमकोक्यादें हमारेपास बेटा कहांसेआया जोदेवें-तुम-चलेजाओ-सो वोह,नहीगये और पांवपकडेहुये-बेठेरहे-जब-मुझको-बहुत गुस्साआया और;कहा कि.क्यातुमको?गु.याने चरकीनदेवें सोमेंने गुस्साहोकर ऊनको.गुका?कहा.और मुझको यह खबरनहीथी,किइसके,बच्चाहोगा;सो,गुही,गुहोजावेगा सोउसके नोवें महीने,बच्चा,पेदाहुवा,क्युंकि मैंने जब,गुकाकहा तोदोनों ओरत,मरद,यहसोचे,कि महाराजका वचनहोगया सो-घरमें,बेटा?बेटीहोंगे,सो-गुही गुहोजावेगा महाराजके पांवछोडदो-सोयह-खयालकरके पांवछोडदीये सो फीरतो-उसके;दीलमें-सीधाइ; जमगइ सोवोहभी यहकहनेलगा-कि,बाबा,वचन-सीद्धहै क्युंकिहमारेको गुकानांम लीयाथा,सोहमारे;बेटाहोगया सोइन बनीयोंने माइ बाइके;नांमका,पापछोडदीया सोउसके पेटमें जोरोगथे,वोह;मीटगये;सोउसके,बेटाहोगया और फीर,बच्चेहोनेलगे सोआप.लोगोंको.और.सब लोगोंको इसबातकी खबरदेताहूं.कि,इश्वरने.कीसीको भी,सतजगमें बेऔलाद नहीरक्खाहै-क्युंकि-सतजगमें सबकेही औलादहोतीथी, क्युंकि-परमेश्वरने-आदमीकेहाथ यह बातें नहीरक्खीहें;बेटा-बेटीवगैरादेनेकी;यहतो जीसदीनसे राक्षसीपाप चलाहै!उसदीनसे!बेऔलाद कीसी२को रखदेतेहें,और, जीस.कीसीको.कि.बेऔलाद रक्खाहो और उसकेनांमका.पापछोडदेवें.तोउसके

औलादहोजावे तोफीर संसार-यहकहनेलगे,कि-देवतोंनेदीयाहै या फकीरोंनेदीया है-सोदुनीयांको-भुलानेकेलीये राक्षसीपापकी सीढाइ चलाइहै-सोयह;सीढाइ-पर मेश्वरके भुलानेकेवास्ते संसारमें!बनीयोंने!जादुके!जुल्म चलायेहें सो,संसारकेलोग सीढाइके;भरोसेसे,परमेश्वरको भुलेहुयेहें और बनीयोंके,राक्षसीपापको,परमेश्वकी कुदरत जांनतेहें यह,परचा,बनीयोंने,इसवास्ते,चलायेहें,कि दुनीयां परचोंके,पर तापसे-भुलीहुइरहेगी-तोहमारे राक्षसीपापकी पहीचांन-कीसीकोभी-नहीहोगी-तो हमारे राक्षसीपापकी सोभा-संसारमें,बनीरहैगी,सो-दुनीयांको;तो खबरनही कि राक्षसीपापमें.बाबाका.भ्रम केदहै इससे बाबा दुःखीहे सो-दुनीयांकी.बुद्धी.जादुसे भ्रष्टकरदीहे जीससे दुनीयांको;ऐसाहीसुझादें;कि;बाबा जांनके गैलाबनगयाहै,और जबतक,मैने,बनीयोंके,जालका हाल कीतावमें नहीलीखायाथा,जबतक,तो,मेरे-ऐसे२परचे लोगोंको भुलानेकेवास्ते,सुझायेथे,और,जबसे;मैने इनकेजालको संसारमें.जाहीरकरना.शरुकीयाहे और कीतावमें लीखवायाहै जबसे.मेरेकहनेसे.कीसीकाभी,भला बुरा नहीहोताहै;सोमैंतो,पहीलेभी,कीसीकेभलाइके और बुराइकेवास्ते नहीकहताथा-और-अबभी कीसीको कुछ नहीकहताहूं परंन्तु-यह-महाजन-खुदही अपने राक्षसीपापसे जो,चाहतेथे,वोह,करतेथे,और,जो,चाहतेहें वोह अब-करतेहें परंन्तु,पेशतर,लोगोंकी,नजरोंमें मुझको बचन सीद्ध सुझादेतेथे,और,संसारकेलोग मुझको कहतेथे,कि बाबा-गैला,बावला,बनाफीरताहै-और बचन'सीद्धहे सोमैंतो भ्रम,जालमें-दुखी.सोमैं दुनीयांसेकहूं किजेसे रावणके पापमें.सनीचर,केदथा,उसी तरहसे बनीयोंनेभी भ्रम'जालमें;मुझको;केदकीयाहे-जीससे'मैंदुःखीहूं सो;संसारकी बुद्धी.जादुके;जुल्मसे.केद कीहुइहे सोऊनको क्यासुझावें कि.सीद्धःहोगयाहे.इससे गैलाहोके बहकाताहे और,मैंसमझाऊं,किजेसा,रावणका,जालथा उसीतरहसे इन बनीयोंका-जाल-फैलरहाहे सोइस जालकोभी रावणकी तरहसे-छोडाओ-तो;सब उभरो क्युंकितुम सीढाइके,भरोसेभुलेहो,सोमैंने,ईन्द्रजालकी सीढाइ बहुतदेखीहै और.उसीजालमें.केदहूं और दुःखीहूं और जोकिमैंने नांम.देवजी.छीपाका.हाल उपरलीखाहै कि नांम-देवजीको-द्वारकानाथजीने-मन्दारको फेरके दरशनदीयेथे सो;मंन्दीरतो-जादुके-जुल्मसे फीरताहे और;यह कहतेहें कि-सवाइगीर-बाबाने;घो ङाछोङ मसजीद दोङाइ!सोऊनहोंने!नहीभी!दोङाइहोगी तोभीयह पहीलेसेही, संसारमें.कीस्सा.चलादीयेहें सोयह अकलकीहे किजब हमकभी!जादुसे-मसजीद

और मंन्दीरवगैरा फेरेंगे;किअगले-करामातीथे-वैसेही;अबभीहें सोइसतरहसे हमा रे;राक्षसीपापकी;खबर कीसीकोभी नहीपडेगी सोयहबातें;जोलीखीगईहें-जादुकीहें क्युंकि संसारमें कहतेहें,कि,कृष्णमहाराजने,अपना,शरीरबढाके कुल मथवीके;दो कदम;जमीनकी-सो-कृष्णजीभी अपने,मुवाफीक आदमीथे-सोइतना-लंम्बा;शरीर कीससे होसक्ताहै किजो'आसमांनसे'सरलगे'क्युंकि'नारांयणने जीसकदर आदमी की.देहबनाइहै.उतनीहीरहतीहे और आसमांनसे सरलगे इतनी.लंम्बी;देह.कीसी सेभी नहीहोताहे होतातो,जादुसेहे,सोयहभी,राक्षसबीग्राकी सोभाहे और,कृष्णजी कोइ;जल.थोडाहीथे;सो चारमहीना संसारमें बरसते सो.दुनीयां.कृष्णमहाराजका और बलराजाका कीस्साकहतेहें-कि,कृष्णजी,आठ-महीनातो बलराजाके घरपर रहतेहें-और-चारमहीना राधकाजीके घररहतेहें सोजबके-राधकाजीके-घररहतेहें, जब,चार महीना मेहबरसताहे!सो;कृष्णजी;थोडाही!बरसतेहें यहतो सब,राक्षस बीग्राकी.सोभाहे.क्युंकिजब जल बरसताहे जब जमीनमाता.पांनी;पीतीहे.क्युंकि पहीले बारहमास पांनीबरसताथा-जब-जमीनमाता महीनेकी महीने-पांनीपीतीथी जीससे-जमीनमाताका-शरीर महीनेतक तररहताथा और-जबके-जमीनमाताका. अहार गलजाताहे और,पेशाबके,रस्ते-और,पायेखांनाके रस्तेहोके नीकलजाताथा तो.जमीनमाताको.फीर भुखलगती तो महीनाकेबाद फीर.जमीनमाता.पांनीपीती सोजीसतरहसे कि आदमी,वगैराको,प्यास,लगतीहे,और बोह खाना;दांनाखाताहे और-पांनीवगैरा-पीताहे और खानावगैरा हजमहोके पायेखांनाके?और-पेशाबके रस्तेसे नीकलजाताहे और-फीर,भुखलगतीहे,जब-फीर खानावगेरा खाताहे,जी ससे.शरीरको.दुःखवगेरा नहीपहूंचताहे तोउसीतरहसे जमीनमाताभी.पांनीपीके अहारकरतीहे क्युंकि अपने!मुवाफीक,जमीन;माताकाभी!शरीरहे सोजब इसका अहार-गलताहे?जब-पेशाब और पाऐखानेकेही रस्ते नीकलताहे-जब-रत्नागरसा गर नीचेको उतरजाताहे-सो,रत्नागरसागर,जमीनमाताकी ओझडीहे और;जोकि सात.सायरकहतेहें.वोह जमीनमाताके शरीरमें ओझडीके.मीसाल.सतपुडाहै.सो यह सातपुडा ओझडीके-मुवाफीकहे-और-जमीनमाता-तो सदा जलकाही,अहार करतीहे'और'जीसतरहसे कि आदमीयों और चोपायों'पंखेरुओंके-पेटमें'ओझडीके पास सतपुडाकी ओझडीहोतीहे!उसीतरहसे!जमीनमाताकी ओझडीकेपास सत-पुडा-ओझडीहोतीहै-और यह तीसरे बेइमांन जादुके जुरमसे-जमीनमाताको-भाउ

महीना रोगरखतेहैं सो,गरमीके-महीनोंमें-तो,चारमहीना गरमीका रोगरखतेहैं किजो-लुऐंवगैरा-जीयादा चलतीहैं यह जमीनको गरम-ताओका-रोगहै?जब?आ दमीयोंको और चोपायांन,पंखेरुओंको,गरम,ताओकी वजहसे बीमारीयांहोतीहैं: और,सरदीके,महीनोंमें चार महीना सरदीका रोगरखतेहैं,किजो,सरदीकीवजहसे जांनवरों वगैराको और;आदमीयों,वगेराको,ठंडा;ताओवगैरा चढताहे सोजबकि जमीनमाताको.ठंडा.ताओ चढताहे और जादुसे ठंडे ताओका.रोगकरतेहैं.जब,अ नाज,और बनासपतीवगेरा सरदीके,रोगकीवजहसे,जलजातीहै जेसाकि आदमी योंको.ठंडा.ताओचढताहे और कलेजेमेंसेभी और पेटमेंसेभी.ठंढउठतीहे.उसीतरह से जमीनकोभी सरदीकी-मोसममें;ठंडे;ताओका-रोग जादुसेकीयाहे और!जोगर मीके-दीनआतेहैं-और लुऐंवगैरा जीयादा चलतीहैं तोजादुसे-जमीनमाताको?गरम ताओका रोगकीयाहे और,जोआदमीको,यह,सरदी,और गरमीके रोगनहीहूं,तो हमेशां.तंन्दुरस्तीसे.सरीररहताहे और तबीयत खुशरहतीहे.तो;सतजगमें.जमीन-माताको कोइतरहका रोगनहीथा-जब;सबको:हवा-सुहातीथी और जमीनमाताका जीव-खुशरहताथा-और आदमीयोंको और अनबोलोंको और-चोपायों;व-पंखेरु: वगैराकोभी जब सरदीका,रोगहोजाताहै और,फैलजाताहे सो राक्षसीपापके.जु ल्मसे-सरद-गरमके-रोगकरके जमीनमाताको दुबलीकरदीहे-इससे-जमीनमाताकी चरबी गलगइहे किजीसको!संसारमें!सोने!रुपेकी खांनेकहतेहैं वोह;बीमारीके;स बबसे.गलगइहैं.और बनीयोंने संसारमें कीस्सा चलाकर.यह,मगड.कररक्खाहे-किसरदी गरमीकी रुतहैं,और,बनीये,बेइमांन,अपने,कुळमें सबजांनतेहैं किसरद: गरमका,रोगहे,और,हमने जादुसे रोग जमीनको कीयाहे,और,संसारके,लोगोंकी बुद्धी राक्षसीपापसे ऐसी-भ्रष्टकरदीहे,किजो-जमीनके सरीरकी पहीचांन;भुलादीहे किजो-बेगीनती-जमीनको सरद गरमके रोगकरें तोउसको-पहीचांनेभीनही-और सरद गरमके रोगकोभी,रुत२कहतेहैं,सोजीसतरहसे,किअपना सरीरहे और,वोह बारह,मास,अच्छारहताहे और कोइ रोग नहीहोताहै,तोकेसी,अच्छी,तबीयतरहती हे,और जोसरद गरमका-बुखार,आदमीको-चढजावे तोकेसी तबीयत,बीगडकर खराबहोजातीहे.और.सरीरभी दुबलाहोजाताहे फीर;इसीतरहसे.जमीनमाताभी-जीवता जीवहे सोजमीनमाताकोभी,सरद.गरमके,रोग जादुसेकीयेहैं इससे;जमी नमाताभी-रोगके-सबबसे दुबलीहोगइहै परंन्तु इन बनीयोंने-संसारके?भुलानेके

लीये लाखोंतरहके कीस्से-चलादीयेहें-किजोमें-उपर अनेकतरहके भक्तोंका;हाल लीखचुकाहूं-किजीनहोंके-नांमके कीस्से चलादीयेहें-उससेकुलहाल-वनीयोंके,राक्ष सीजालका मालुमहोताहे किजो,संसारमें,राक्षसीपापके कीस्सा वनीयोंने-चलादी येहें.किजीससे.संसारकेलोग करामातको समझकरभुलेहें,और.है.वनीयोंकाजाल; सो राक्षसीपापके जुल्मसे!काल!वगैराडालतेहें!और जालसेही कच्चीउमरमें;मार तेहें,सो-जालतो,सांमनेहीदीखताहे सोयह शंकाचारजजीतो,आदमीथे,सोऊनहोंने तो,भक्तीकीथी इससे ऊनहोंके,नांम,अमररहेहें,किफलांनेने भक्तीकी और,यह,वे इमांन.जागते.सुपनेकरके जादुके जुल्मसे देवतोंवगैराको.सुझादेतेहें.किजीससे.सुप नेकीभी बातेंकरतेहें उसीतरहसे?जागता-सुपनाकरें?जब वोह बातेंकरनेकोलगजावें सोजब-जीस-देवताका सुपनाकरें तोकहतेहें किअबके-बरसमें-कालपडेगा!या!दुनी यांमें रोगहोनेका सुपनाकरें,और?जहां,मरीपडनेका सुझावें,और जहां,यहसुझावें किअबके.बरसमें.तलवारचलेगी या कीसीका राजडुबेगा.सोजीसका.वनीयोंको-राज डबोनाहोवे याकीसीका,बुराकरनाहोवे;सोयह,वनीये मरेहुओंके जंजालकरके कइ-राज;डबोदेतेहें-और तमांम जहांनको भुलही भुलपडाके-डबोवेंगे;और-जोकि संसारमें यहकहतेहें कि;शंकाचारजजी,भोंराबनाथा;सोआदमीसे कीसतरहसे भोंरा वनागयाहोगा.और.कीसतरहसे भोंरावनके वल राजाके.झारीकी.टूंटीमें;घुसकर; वैठगयाहोगा परंन्तु संसारकी-बुद्धी,जादुसे-भ्रष्टकरदीहै इससे?जांननेहें कि.सच भोंराहीं,हुवाहोगा,और यह कहतेहें कि अजेपाल जोगी,अवतक.जींन्दाहै,और-कीसी२को दरशन देताहे,सोजब,कीसी२को,अजेपाल जोगीके नांमका,पापकरा तेहें.जब.वनीयोंके.घरका राक्षसीपाप किसीसको सुपना.कीयाहोवे.उसको.अजे पालका चहराहोकर सूझताहै!सोवोह,जागता!सुपनाहे सोजब कीसीको!जागता सुपनाकरके!सुझादेवें!जब वोह दुनीयांमें बातेंकरताहै किसको?अजेपाल?जोगी. मीला,सो,न तो,ऊनको खबर,किजीसने,अजेपाल,जोगीको जागते सुपनेमेंदेखा सोऊनको.यहभी.खबरनही कियह जागता सुपनाहै और न.दुनीयांमें.बातके.सु ननेवालोंको यह खबर,कियह,जागता,सुपनाहै,वलके,वोह जागते सुपनेको,करा मात२करतेहें,और,अनेक भक्तहुयेहें जीनकाभी चहरा राक्षसीपापके,जुल्मसे,मुआ देवें-जब दुनीयां कहतीहै-कि,देवी,देवता,चेतनहै-और परचावालेहें जब,दुनीयांको दरशनदेतेहें-और-दुनीयांमें यह नहींसमझतेहें किजेसे-नींदमें-सुपना-राक्षसीपाप है

जुल्मसेकरातेहें वेसेही यह-जागता,सुपनाहै,सोयह-सब ईन्द्रजालहै और;यह;जाल बनीयोंने,चलायाहे.और ईन्द्रजालका जोगुणहैं वोह सब.बुराहीहें,सोगुपतीपापसे तो,हमेशांही बुराहोताहे और,राजा,बादशाह,और,चोर चंडाल और,साध,संत; पंडीत,फकीर,और,गरीब.गुरवाहोवे तो वोहभी यह.कांमकरना,नहीचाहतेहें,क्यु कि,पापोंसेतो बुराहोताहे ओर-खेती,बाडीका,पाप-और राजा बादशाहके,पापसे और.चोर.चंडालके.पापसे ईन्द्रजालका पाप जीयादाहे.और.ईन्द्रजालमेंतो,लाखों आदमी गुपतीपापकरतेहें सो,वोह,तो,संसारमें,अलोपहें और जोकि!चोरासीला ख'कूंन्डीयांहैं'और'संसारमें स्वर्ग नर्क,कहतेहें वोह रावणकी'तरहसे'बनीयोंने'गुप तीपापका स्वर्ग नर्ककीयाहे!वोह;प्रगटनहीहे;सो!खेती पातीके कांमकाभी-पाप;ज बसेचलाहै!जबसे!बनीये काल पडानेलगेहें और चोर?चंडालभी?जबसेहुयेहें-कि जबसे इनबनीयोंने ईन्द्रजालका!पापचलायाहे;और!जबसेही बनीयोंने धनको;का घुमें-करलीयाहे-जबसे भुखेमरतेहें इससे-चोर चंडाल चोरीकरतेहें-और-आगे;का ल वगैरा नहीपडताथा,जब,धानवगैरा,वगैर,बोयेहुयेकेभी बहुतहोताथा और-ब नभी.हरऐकके.घरमें बहुतथा किजब चोर चंडालपना बीलकुल.नहीकरतेथे.और परमेश्वरके ध्यांनमेंरहतेथे परंन्तु-दुनीयां-देवकलाके भरोसेभुलीहुइहे किजेसे,राव णने.भुलायेथे.परंन्तु.इनबनीयोंने तो जीयादा भुलायाहै.सोयह,सब.जादुखोरोंका परतापहे और गुपतीपापसे,सुपनेहोतेहें,और,मरीपडतीहे और दुःखभीकरतेहें;ले कीन!यह!खबरनहीहे किऐक२के नांमसे बुरीतरहसे जीवडे!मरातेहें!जीसका,कुछ अंन्दाजानही और दुनीयांमें-यह,जोकहतेहें,कि-मालीक नारकीमें डालताहे.सो; जीसको-कि-चोरासीलाख कूंन्डीयां कहतेहें और यहकहतेहें-कि-कीलोंकी-मारदे तेहें,और बहुतसे यहकहतेहें-कि,सुरजोंकी,मारदेतेहें-और बहुतसे यहकहतेहें!कि चमडोंकी.मारदेतेहें.और चमडोंको उतारतेहें और यहकहतेहें.कि;गरम.थंम्भोंसे, बांधकर मारतेहें और,बहुतसे,यहकहतेहें,कि,स्वर्ग,नर्कमें-अर्क नीकालतेहें और. खुन.उतारदेतेहें;और.बहुतसे यहकहतेहें कि कूंन्डीयोंके नीचे.जातेहें;जबतो.कीडे खातेहें और-जबके बाहीरआवें-जब,कागले,और,चीलें-चोंचें मारतीहें-और बहु तसे-यहकहतेहें,कि,वहांपर बहुती कूंन्डीयांहैं और राधकी,कूंन्डीयांहैं,सोउन-के न्डीयोंपर ऐसा पापहोताहे,कि,पहीलेतो,जीवडोंके,सस्तरोंसे चोटदेतेहें जब;उन सस्तरोंकी.जरवसे.खुन.नीकलताहै और जख्महोतेहें और.फीर.उन.जख्मोंमें,की

डे-पड़जातेहें जब वोह-कीडे,ऊन,जीवडोंको,खातेहें,तो-फीर ऊनको दर्द-बहुत होताहे.जब.वोह.जीवडे उस तकलीफसे कूंन्डीयोंमें ऊंचे नीचे.तड़पतेहें.सोयह-बेइमांन ऐसातो रावणके-मुवाफीक-संसारके-नांमका-पापकरातेहें और सोभा;च लादीहे!कि-स्वर्ग!नर्कमें कूंन्डीयां नारकी डालनेकीहें सोतो सारी!दुनीयांभी?सो भा,कररहीहे सोइन सजाओंका!कुछ,पारनहीहे,और,जीसको!कि तुम हिंन्दु:मुसल मांन.स्वर्ग?नर्क.कहतेहो वोह बनीयोंके घरका रावणके मुवाफीक.अलोप.पापहे. और,स्वर्ग नर्क तो,यह,जमीनमाताहीहे,और,गुपतीपापसे अनबोले जांनवरोंको; मारतेहें-सोतुम-हिंन्दु मुसलमांन खुले दीलसे बीखांनही-कररहेहो;और-गुपतीपाप सेतो अनबोले जांनवर-कांमआतेहें,और?चोपाये,और-पंखेरु और जलकेरहनेवाले जांनवरोंके.कुळोंको.दु:खकरके और कलपाके संसारके नांमसे.मारतेहें.सोउस-स्वर्गकोतो तुम सारे,संसारकेलोग,बीखांनतेहो,और,सुनतेहो सोवोहतो बात;ऊं नीनहीं-सोतुम-सभीलोग कहतेहो कि वहां मालीककी दरगाहहे-सोजहां;कि-माली ककी दरगाहमें स्वर्ग,नर्ककी,कूंन्डीयांहें?सो,मालीक,नारकी डालके सजादेताहे. सो?मालीकनेतो तुम.हम और जीवाजुन और जमीन.आसमांनकी.इसतरहसे-र चना-बनाइहे कि मालीक!कहीं.ऐक.जगह!थोड़ाहीबेठाहे वोहतो सबमें;व्यापकहे और.मालीककी.रचना.तो यूंहे सोतुम हम सभी देखतेहें.सोअब.तुमलोगो.इस-बातको गोरकरकेदेखो और,सोचना,चाहीये,कि,जहां,राध लहुकी कूंन्डीयांहें;सो वहींतो-जीवडोंको-मारतेहें जब राध खुनहोताहे सो इतनी-बाततो-आप-सब;संसा रके लोगोंको सोचनाचाहीये-क्युंकि?रावणने-राक्षसीपापका स्वर्गबनाके मालीक की'दरगाह'सुझायाथा'और सब संसारमें राक्षसीपापके स्वर्गका'बीखांन'चलाया था-सो रावण दुनीयांसे!ऐसा;थोड़ाहीकहताथा;कि!मैंने राक्षसीपापका स्वर्गबना याहे.वोहतो.जादुभे.बुद्धी फेरकर ऐसा सुझाताथा कि.मालीककी.दरगाहहे.और मालीककी दरगाहके कीस्सा'गुपतीपापके-चलादीयेथे!सोयह बात सारे;संसारमें प्रगटहे.सो.संसारके;लोगोंने राक्षसीपापका स्वर्ग तुड़वाया,सो.रावणको.रावणकी सब ओलादके दु:खदेकर-तुड़वाया-तब-संसार-बचाहे और जैसा;कि;रावणके-पापका-बीखांन-संसारके लोग पहीलेही कररहेथे उसीतरहसे?अब-इन?बनीयोंके राक्षसीपापका बीखांन और.सोभा,संसारके,लोग,कररहेहें.सो बनीये कबकहेंगे कि.हमने.रावणके;मुवाफीक राक्षसीपापका स्वर्ग बनायाहै,सो.बनीयोंने.रावणकी

तरहसे बुद्धीफेरके ऐसा-सुझायाहै,और,सुझातेहैं,कि-राक्षसीपापका जोस्वर्गहै वोह मालीककी-दरगाहहै-ऐसा सुझातेहैं और,रावणकी तरहसे लाखों-कीस्सा-गुप्ती. पापके बनीयोंने चलादीयेहैं'सो,दुनीयांमें,सोभा,होरहीहै'सो इन बनीयोंकाभी-रावणकी.तरहसे.राक्षसीपापका स्वर्ग तुड्वाओ जब सब.संसारकी.ओलादबचेगी और जोकि दुनीयांमें;राक्षसीपाप;फेलरहाहै:वोह;सबको मालुमहै परंन्तु,भुलायेहैं बुद्धीफेरके-सीर्फ-मालीकके भरोसे और?संसारको यह भेदनही-कि-बनीयोंनेयी. रावणके मुवाफीक राक्षसीपापसे,भुलायेहैं,सोयह,भेद संसारको बनीयोंके-कपटका नहीहै.और.चोरासीलाख जुंनको जो कलपातेहैं तोसंसारके.नांमका.अलाहदा२ पापकरातेहैं और संसारभी-कहताहै:कि:चोरासीलाख-जुन भुगतनीपडतीहै यहतो संसारके,नांमका,पापकरातेहैं और संसारमें इनके नांमके,कीस्से,चलादीयेहैं,कि-चोरासीलाख जुन भुगतनी,पडतीहैं,सो,जुनतो,मालीकनेबनाइहैं सोतुम हम:सब कोही.दीखताहै.सोइस बातका कीस्सा पुछनेकाभी कांमनही.क्युंकिजो-मालीकने रचना बनाइहै वोह,छांनीनहीहै,सोयहतो,सबकी,कुलें,और ओलादें न्यारी२दीख तीहैं-सो-जीसदीनसे कि रचना इस जमीनमाताके पेटमें रचीहै-जीसदीनसे-आदमीकी ओलादसेतो आदमी,याने,आदमीके,बीजसेतो आदमीहोताहै और.गाये. बेलकी.ओलादसे.गाये बेल होताहै और भेंस पाडेकी.ओलादसे?भेंस.पाडाहोताहै और-घोडा घोडीकी ओलादसे-घोडी-घोडाहोताहै-और गेहूंकी ओलादसे-गेहूं होताहै!और!आंबकी-ओलादसे आंमहोताहै इसीतरहसे-लगाये!झाड्यबनासपती-और लगाये आदमीयों,और,अनबोला,सब,अपनी२ओदसे पेदाहोतेहैं सोतुम,हम सबकोही.दीखताहै.सोसबकी कुलें और जात न्यारी२हैं सो.बनीये.चोरासीलाख कूंन्डीयोंके उपर चोरासीलाख-जीवा.जुनको.संसारके-नांमसे कलपातेहैं उसका लेखा,बनीयोंकोहीहै,याने गुपतीपापका किजो गुपतीपापमें जीतनी,कुलें-कांपआतीहैं,जीसकी सोभा दुनीयांमें,चलाइहै,कि,मालीक,चोरासीलाख जुन भुगतातांहै सो;संसारभी-सुननेसे-ऐसा जांनने लगताहै कि इतनी जुनहूंगी-और-इतनीही:भुगतनीपडतीहैं सो भुगतनीतो,क्यापडतीहूंगी,यह,बनीयोंने राक्षसीपाप चलायाहै और,इनहोंने,भुलडालनेकेवास्ते ऐसे कीस्से चलादीयेहैं और,पैदातो,सब.अपनी२ ओदसेहोतेहैं सोसबको दीखताहै-परंन्तु,यह-चोरासीलाख कूंन्डीयोंकेउपर चोरासीलाख-जीवाजुनको-कलपातेहैं और उनका दुनीयांमें लेखा-चलायाहै-सो-सब

की-कुलके पीछे कूंन्डीयां,न्यारीरहें,और,चोरासीलाख जीवाजुनसे कुछे-बहुतेंहे सो;सब-संसार-इसका शुमारकरें तो शुमारतक नहीहोवे-क्युंकि-जीवाजुनका;कुछ अन्दाजनही क्युंकि आदमी-और,अनबोला,और-चोपाया और पंखेरुवगैरा;और रीजक.घास.वनासपतीभी जुनमें गीनीजातीहे इसीवजहसे.जुनोंका.हीसाब?नही होसक्ताहे जो चोरासीलाख-कूंन्डीयोंकेउपर-चोरासीलाख जीवाजुनको कलपा तेहें-सोइसका-हीसाब कीताब बनीयोंके घरमेंहे सो चोरासीलाख-जीवाजुनके-कु लोंको कलपातेहें और मारतेहें सो वोह पापतो बनीयोंके कबजेमेंहे सोकीसीको नहीदीखातेहें-परंन्तु-इन बनीयोंके,पापकीतो मुझको-इसतरहसे-खबरपडीहै;किजेसे सनीचरको रावणके जालकी,खबरपडीथी,क्युंकि,रावणने सनीचरको अपने;रा क्षसीपापसे.समा.सुख.कलपायाथा जब खबरपडीथी.सोअब.इनबनीयेंने.मुझको भी,अपने राक्षसीपापसे सनीचरकी,तरहसे,समा,सुख,कलपायाहै और कलपातेहें जीससे-बनीयोंके-जालकी मुझको खबरपडी सोतुम हिन्दु-मुसलमांन;अंग्रेज;सबही सुनतेहो और कहतेहो-कि;वहांपर;नारगीकी;कूंन्डीयांहें-सो गुप्तीपापहै सोइन?ब नीयोंनेभी!रावणकी!तरहसे राक्षसीपापका स्वर्ग बनायाहै!सोमुझको!राक्षसीपापसे दुःखीकीयाहः और;जहांकि-गुप्तीपापकरतेहें,वहांपर-मेरेनांमकी;जीवाजुनको;दुःखी करतेहें जीससे मेराभी!भ्रम,दुःखीहुवाहै,सोमैं,बनीयोंके!पापको प्रगटकरताहूं कि रावणने-देवता-सरुपीयोंकी बुद्धी राक्षसीपापसे भ्रष्टकीथी-सोउसका,सबुत;वैद्यक शास्त्रमें और कीतावों,और,परांनोमें?लीखाहुवाहै,इससे जाहीरहोताहै सोजबकि सनीचरको.दुःखीकीया.जब सनीचरने सती लोगोंको और.राजा.बादशाहोंको, बाकीफकीया जब उनहोंकी-आंखेंखुली-करना-दुनीयांकोतो ऐसाही सुझताथा-कि;रावण-बलभक्तहै सो रावणने दुनीयांकी ऐसी बुद्धी भ्रष्टकीथी-सोइन;बनीयों ने.रावणसेभी जीयादा लोगोंकी!बुद्धी-ऐसी!भ्रष्टकरदीहे जीससे ऐसाही,समझतेहें कि,जहां बनीयेनही वहां,राजनही,और,बनीयेतो,माइ,बापहें और जोखेती;बाडी करके.और.कमाके.राजा बादशाहोंकोदेतेहें सो जीनकीतो.बेचारोंकी.कुछ.गीनती हीनहीहे और जोकि-दुसरी!बलायतोंके!लोगोंसे-मीलके मरवातेहें जीसका-कुछ पताभी-नहीलगनेदेतेहें-और प्यारहो?के सबसे हीले मीलेरहतेहें-सो-दुसरी.बला यतोंकाभी धन लेलेनेकी.गर्जसे,हिन्दुस्तांनके,हिंन्दु.मुसलमांनको मरातेहें सोजब उनकाभी!धन!काबुमेंकरलेंगे जब उनकोभी आपुसमें लडाके!मरादेगें!और;जब

थोडेसे आदमीरहेंगे और-बनीयोंकी,जात,जीयादा-रहजावेगी जब बनीये;अपना राजकरेंगे.सोजब.सातों आठों बलायतें;गारत होजावेंगी और.सबकाधन.काबुंमें करलेंगे जब इनबनीयोंकाही-राजहोजावेगा.जीससे.यह-पाप हिंन्दुस्तांनमें बनीयोंने,बल,राजाके,बादसे चलायाहै किजो दील्ली मंन्डलसे,याने,हिंन्दुस्तांनसे-उठकर दरीयावोंके पार-चलेगयेहैं,और,हिंन्दु.मुसलमांनके-बचे किजो हिंन्दुस्तांमेंहैं.ऊनको.यह.बनीये अपने राक्षसीपापसे मरातेहैं और.आप.गरीबहोके.और-दुसरी बादशाहतोंसे मीलकर,मरातेहैं.सो.दुसरी,बादशाहतोंके लोगोंको खबरनही किइन.बनीयोंने.रावणके मुवाफीक चार कूंटमें राज करनेकेवास्ते.जाल.चलायाहै इसवास्ते हम दुसरीबलायतोंके-लोगोंको-हिंन्दुस्तांनका लोभबताके हिंन्दुस्तांनके लोगोंको-मरवातेहैं-और हमको हिंन्दुस्तांनके लोभमें डालके-हमारी-बलायतोंके-गली कूंचोंको देखतेहैं,और,बाकीफहोतेहैं,सो,सातों,आठों बलायतोंको इन-बनीयोंके.दगाकी.बीलकुल खबरनहीहै किइन बनीयोंके जालसे.कुल.राजा,बादशाह आपुसमें लडकर मरजावेंगे-क्युंकि,जीनके,नांमका-पापकरायें ऊनकी बुद्धी-भ्रष्ट होजातीहै-सोजबकि-बुद्धी भ्रष्टहोजातीहै जब आपसेही दीलमें-लोभ-उठताहै!सो जबके जहांतक सातों,आठों,बलायतोंके,लोग,सलांमतहैं जबतकतो आपुसमें'लडकर.मारेंगे.क्युंकि.बनीये गरीबहोके रहतेहैं और सबसे.हीले.मीलेरहतेहैं.और लोगा,दीखाओ धर्म्म पुन्यकरतेहैं,सोयह,बनीये,राजकरना चाहतेहैं इसबातकी; खबर,अगर,राजा,बादशाहोंकोहोवे तो राजा बादशाह,इन,बनीयोंके.ओलादतक रावणकी तरहसे गारतकरदेवें!और;पापको;छोडादेवें!परंन्तु ऊनको यह;खबरनही कि.बनीये.अपने.राक्षसीपापसे सभोंकी अकलको फेरके.हिंन्दुस्तांनका.लोभ,बताते हैं!जीससे दुसरी बलायतोंके'लोगभी'भुलजातेहैं'और'चलेआतेहैं जब हिंन्दुस्तांनके.हिंन्दु.मुसलमांनोंके बचोंको दुःखीकरतेहैं और बनीयोंसे.मीलेरहतेहैं!और-बनीये ऊनसे मीलेरहतेहैं,और,दुसरी,बलायेतोंवाले,यह नहीसोचतेहैं कि;रावण हिरनाकश-वगैराकी-तरहसे हमारी सब बलायतों और-हिंन्दु-मुसलमांनके-बचों का,यह बनीये कालहैं-यह,बात.कहांसेजांनें,क्युंकि-ऊनहोंकोतो मालुमनही और जबके.रावणने.जाल चलायाथा जब दुसरी बादशाहतोंमें.रावण!मीलारहताथा. और मीलतहीं मीलतेंथे!हिंन्दुस्तांनके-लोगोंको!दुसरी बलायतोंसे दुःखीकरा ताथा-और-महरावणसेभी मीलारहताथा इससे रावणको-संसारकेलोग-सतीकहते

थे-क्युंकि रावण लोगादीखाओ-धर्म्म-पुन्यकरताथा उसीतरहसे अब-बनीयेभी; लोगादीखाओ-धर्म्म-पुन्यकरतेहें और दुसरी बलायतोंके-बादशाहोंसे-मीलेरहतेहें और दुसरी बलायतोंके,हाथोंसे,हिन्दुस्तांनके,लोगोंको,मील्लतही मील्लतमें मरा तेजातेहें.परंन्तु.रावणने सनीचरको दुःखीकीया जब सनीचरने.रावणके.राक्षसी पापको दुनीयांमें प्रगटकीया-जब,महरावणने,और-सब बलायतोंने समझा;कि;रा वण-सब-बलायतोंको राक्षसीपापसे बुद्धी भ्रष्टकरके गारतकरेगा-सो-इसबातको; सब बलायतोंने और,संसारने,और,राजा,बादशाहोंने,समझके और ऐकदीलहोके रावणकोमारा-और;रावणके राक्षसीपापको छोडाया जब-संसारकी-ओलादरहीहे और उसीतरहसे अब-संसारकेलोग-इन-बनीयोंके-जालकोमीटाओ तोसब संसा रकी.ओलादबचे.और?यह जो दुनीयांकहतीहै कि चोरासीलाख.कुंन्डीयां.राध लहुकीहें और-स्वर्ग नर्ककीहें,सोबोह,रावणके,मुवाफीक,इन बनीयोंके घरका-गु पतीपापहै-सोबोह-गुपतीपाप बनीये अपनी जातके आदमीयोंके-हाथोंसे-करातेहें सोबोह पाप सीवाये.बनीयोंकी,जातके.और,कीसीके.जातमें मालुमनहीहे सोबोह पाप.नहीछोडाओगे.जबतक संसार;नहीउभरेगा सोबोह.इसतरहसे,छुटेगा;किजेसे रावण हिरनाकश वगैराकी,संसारके,लोगोंने,ओथही नीकाल:दीथी और,जो,ऊ नहोंने-राक्षसीपापका-स्वर्ग बनायाथा सो वहांपर चोरासीलाख-जुनको-कलपाते थे,सोबोह सब संसारने-दुःखदेके,हीसाब,पुछा-कितुम चोरासीलाख जुन,कलपा तेहो.सोसब.पाप.हमको दीखाके छोडोगे जबतो तुमभी.बचजाओगे,परंन्तु.बताके नहीछोडा जब संसारने.रावण.वगैराकोमारके.पापछोडाया सोअब उसीतरहसे; इन,बनीयोंका.राक्षसीपापहे और चोरासीलाख जुन संसारके,नांमसे.कलपातेहें-सोउसीतरहसे इन बनीयोंकोभी-सजादेके-चोरासीलाख जुन?पुछो किजहां?यह बनीये,पापकरातेहें,सोमेरे जीते जी इन बनीयोंकी चतुराइ,नहीचलेगी,अगर,मेरे जीते,जी,यह बनीये सब,संसारको;दीखाके,गुपतीपापको छोडदेवें तोयहभी,उभर जावेंगे!अगर!मेरे!जीते जी नहीछोडा तोयह फीर संसारकी!बुद्धीफेरदेंगे!और!मु झको,रात दीन समामुख.कलपातेहें,जीससेमैं,इनके.जालसे वाकीफहूं और,दुसरे राजा.बादशाह.और दुनीयांको इनके जालोंकी खबरनही.इसवास्ते.भुलादेवेंगे-क्युंकिमैं संसारको बनीयोंके!जालसे!वाकीफ!कररहाहूं!किजो संसारको चोरासी लाख,जुन,दीखाके,नहीछोडेंगे जबतो नहीछुटेगा और,जोमेरे,जीते,जीछोडदीया

जबतो छुटजावेगा नहीतो-तुम,संसारके,लोगो-बनीयोंको सखतीदेके दरीयाफ्त करना.कितुम.बनीये.चोरासीलाख जुन हम संसारके.नांमसे.कलपातेहो.किजहां राध लहुकी कूंन्डीयांहैं,और,हमको,भुलायेहैं,सो,बुद्धीफेरके भुलायेहैं सो,स्वर्गके भरोससे-भुलातेहैं-सोयह बात तुमने आंखोंसेतो नहीदेखी परन्तु-कांनोंसे-स्वर्ग-नर्ककी सोभा सुनतेहो.कि,जेसे,जीवडोंको,सजादेतेहैं.सोउसके दुःखकी सोभा;सभी,हिन्दु,मुसलमांनके,लोगो तुम सुनतेहो सो इस कीतावके,देखनेसे;तुम,सब-बा कीफहोकर जालको छोडाओ,और,यह,बनीये,थोडा,बहुत राक्षसीपाप तुमको-छोडके.भुलादेवेंगे.सो.आगेभी राजा बादशाहोंको इन.काफीरोंने.भुलाये.कहतेहैं और-अब मेरे जीतेजी-नहीछोडाओगे-जबतो-संसारको भुलावेंगे क्युंकिइन-बनीयों,वेइमांनोंका,दील,मेरे जीतेजी पाप छोडनेकानहीहै क्युंकि,यह,संसारको,गारत करके अपना राज,कीयाचाहतेहैं,इससे,दुनीयांमें,बुद्धी,भ्रष्टकरके मुझ साधुको?संसारके.नजदीक.पागल सुझातेहैं सोइन बनीयोंकी गर्ज यहहै.किजो.साधुके;जीतेजी राक्षसीपापको संसारके-लोगोंने,हैतकरके-छोडादीया जबतो छुटजावेगा,क्युंकि.यह.साधु.हम.बनीयोंसे पापको छुडवादेगा क्युंकि.साधुको.समा;सुख.दुःखी कीयाहै इससे मालुमपडताहै-इससे,संसारके;लोगोंकी-बुद्धी भ्रष्टकरतेहैं और;समझने नहीदेतेहैं.फीर.मै.अकेला क्याकरूं क्या अपना सर फोडूं.मैंतो.दुनीयांके.वास्ते.दुःखपाके सरीरसेभी नाताकत,होगयाहूं,और,बनीये,वेइमांन दुनीयांको सुझातेहैं बावला-सोदुनीयांको-क्यादोश वोहतो काफीरी पापसे संसारको-बावला?सुझातेहैं सोदुनीयांको क्यादोश सो-मेरी,जांनमेंतो,दुनीयां-बावली और दुनीयांके,जांननेमें मैंबावला.सोमेरेकोतो.ऐसा दुःखहोरहाहै सो दुनीयां नहीसमझतीहै.इससेमैं.नीहा यतही हैरांनहूं किजो,दुनीयां,नहीसमझेंगी,तोयह,जाल कीसतरहसे छुटेगा;इससे दुःखपारहाहूं-और-संसारके नजदीक मुझ गरीब साधुको-बावला-सुझातेहैं,और.जीन२गरीबोंने आगे राक्षसीपापको,दुःखपा२के,संसारके उभरनेकेवास्ते पकडाहै और.संसारने.बाकीफहो२के राक्षसीपापको छोडायाहै.जीसका?गुन.संसारकेलोग अबतक जांनतेहैं किजीनहोंने-राक्षसीपापको.प्रगटकीया-और फीर संसारनेछोडा या,और,रावण,हिरनाकश और कंस;कारूंन बादशाहने राक्षसीपापसे,थोडी.बुद्धी भ्रष्टकीथी जीससे संसारकेलोग,जलदी,समझगयेथे,परन्तु इनबनीयोंने अपने;रा क्षसीपापसे?संसारके-लोगोंकी और राजा बादशाहोंकी ऐसी-बुद्धी?भ्रष्टकरदीहै-

किजो समझानेसेभी नहीसमझतेहें-कि,राक्षसीपापसे-हमारी ओलादको गारत,क रदेंगे.जोपापको.नहीछोडावेंगे तो वगैर छोडायेके केसेउभरेंगे.क्युंकि,जीसको;तुम स्वर्ग नर्क,कहतेहो वोह,बनीयोंके,घरका,अलोप,पापहै,और स्वर्ग,नर्कतो यह,ज मीनमाताहीहे,सो,सारी सृष्टी स्वर्गमेंही बसतीहे और खेती,बाडीका,पापभी,जबसे चलाह जबसे बनीये.राक्षसीपापसे.कालपडतेहें.जब रीजकवगैरा थोडारहाहै-और.थोडाहोताहै.जबसे खेती बाडीका पापचलायाहै और.जबतक.कि.राक्षसी पाप नहीचलाथा तोकालभी-नहीपडताथा,क्युंकि-बरसातहोनेसे आपही तरह२के मेवा.मीष्टांन.रीजक.बनासपती वगैरा होजातीथी क्युंकि.सब.जलहीकी.मायाहै, और जलही सबका,बीजहै,और,जब,बनीये,कालपडतेहें जब जमीन-बीमारहो तीहे:और.कालनहीपडावें तो जमीनमाताको सरद गरमका.रोगकरके,बीमारकर देतेहें तोमेवा मीष्टांन,बनासपती,वगैरा?गलजातीहे,और.जब मेह बरसताहै-जब जमीनमाता-पांनीपीतीहे-जेसेकि आदमी खाना पीना खाता-पीताहे-जब;सारे;स रीरमें;और;अंग२में;असर,पहूंचताहै;जब;देही:हरीरहतीहै;इसीतरहसे;जमीनमाताका भी आदमीके मुवाफीक सरीरहे जब साओदेसमें मेह होताहे जब जमीनकाभी-सरीर हरा,और ताजारहताहै-सोऐसी:बीरखा-जबहोतीथी किजब,यह बनीये;महा जन.काल.नहीपडतेथे और अबतो बीरखाका ऐसा हालहै कि.दस.गांवमेंहोवे-और बीस गांवमें,नहीहोवे,याने?ऐक?परगनेमें,बारीशहोवे,और दुसरेमेंनही सोयह जादुसे,ऐसी,बीरखा,होनेदेतेहें सोयह जमीनके नांमका,पापकरातेहें,जीससे,जमी नकी नाडें-जादुसे बंधहोजातीहें-सो,जीधर-बंधहोजावें उधर-बरसेनही और:जी धर.रोगनहीहोवे.उधर मेह बरसताहे और पहीलेसे इनहोंने.ऐसी२बातें.चलादीहें कि-कलजग ऐसा आवगा,कि,गायेका,ऐक,सिंग,भीजेगा और ऐक-सिंग-नहीभी जेगा,सोदेखलो,किअब ऐसा वक्तहै;किऐक खेतमें मेहहो,और,उसके,बराबरके;खे तमें,होवेहीनही सोजीस वक्तमें?यह,जमांनाअ.वेगा?किमेहसे ऐक सिंगभीजेगा-और.ऐक.नहीभीजेगा.तोउस वक्तमें क्या हालतहोगी सोजमीनका.कलेजा.और फिपडा और दीलकेउपर:रोगकरातेहें,जब,जमीनकी:नाडें बंधहोजातीहें जब,ऐसा मेह,बरसताहे,किऐक खेतमें बरसे और ऐकमें नहीबरसे,और,ऊन,चोरासीलाख धून्डीयोंपे जो सर.दुखनेका;पापकरावें;तोसर.दुखनेकोलगे और कलेजा,फिपडा और-दील;और-पेट दुखनेका पापकरावें तोयह चीजें दुखनेलगें-जेसेकि-आदमीके

पीडाहोतीहे उसीतरहसे जमीनके-नांमका-पापकरावें-जब उसकेभी पीडाहोतीहे इससेही.जमीन.दुबलीहोगइहै जीससे सोने रुपेकीखांनें गलगइहें.और.साओदेस मेहहोवे तोबोह वरस,अच्छाहोताहे,जबयह,जांनना,कि,जमीनमाताने पांनी अच्छी तरहसेपीया;अगर;साओवदेसभी मेहहोजावे और आफरा;वदहजमीका;रोग;जादु से,करदेवें तोअनाज वगैरा!गलजाताहे!जब!संसारके!लोगकहतेहें कि खारे-समुं न्द्रका-मेहबरसाहे-इसतरहके कीस्सा पहीलेसे बनीयोंने चलादीयेहें-सो-संसारको खबरनही कि राक्षसीपापसे,जमीनमाताको,रोगकीयेहें,और जबके आफरा?वद हजमीकी.बीमारीहोतीहे.तो जमीनका अहार खारा पडजाताहे.किजेसे.आदमी. बीमारहोताहै और वदहजमीसे-अहार?खारा!पडजाताहे-और बोह आफरा;वद हजमीकी,वजहसे,थोडाखाताहे उसीतरहसे जब जमीनमाताको,वदहजमीका,रोग करातेहें किजीससे अनाजवगैरा,गलजाताहे,और,फीर जमीनपर रोगकीवजहसे अनाज-मवा-मीसटांनवगैरा थोडाहोताहे क्युंकि जमीनमाताभी-जीवता-जीवहे;सो जबके जमीनमाताके नांमका-पापकरातेहें-जब-जमीनमाता बीमारहोजातीहे यांने पापके,सबबसे,और.जो आदमीयोंके नांमका पापकरातेहें.तो,आदमीयोंको,बीमा रीहोजातीहे और इसीतरहसे,सबको,और,जोकि,चांदी,सोनेकी खांनें संसारके, लोगकहतेहें-बोह-जमीनमातके सरीरकी चरबीहे सो जीसतरहसे-कि-आदमीका-सरीरहे उसीतरहसे जमीनमाताकाभी-सरीरहे-सोमैं-क्यालीखूं और क्यामेरी,च तुराइ.सोतुम,हम.सभीदेखतेहें किजोहम तुम सभी जीवाजुन.इस.जमीनमाताके-पेटमेंहें सोसबहीदेखतेहें सोजबके,जमीनका,पेटहै,तो,सरीरभीहे परंन्तु इनबनीयों बेइमांनोंने-राक्षसीपापसे-सातों आठों बलायतोंके लोगोंकी-बुद्धी-केदकरदीहे-कि जेसे रावणने तीनलोककी;बुद्धी,भ्रष्टकरके,जमीनमाताके;सरीरकी पहीचांन भुला दीथी.उसीतरहसे;इन.बनीयोंनेभी तीनलोककी;बुद्धी भ्रष्टकरके.जमीनके.सरीरकी पहीचांन भुलादीहे जीससे,संसारकेलोग,सोने,चांदीकी खांनोंको भुलगयेहें;सो जबतकके.मुझ.गरीब.साधुको इन बनीयोंने अपने राक्षसीपापसे.समा.सुख-नही दुःखीकीयाथा जबतकतो मैंभी-संसारके,लोगोंकीतरहसे-अंधा बनाथा परंन्तु,जब कि-इन-सोदागरांनने-अपने राक्षसीपापसे समासुख कलपाया-कि-जहांपर-यह,व नीये अलोप पापकरातेहें!सो;वहांपर-जमीनके;नांमका!पापकरातेहें और जीवाजु नके,नांमका.करातेहें.सो जबसेकि मुझको कलपायाहै जब,मैंसमझा.कि-जमीन

माताकाभी सरीरहे और-जमीन!जीवता!जीवहै-सो जमीनमाताके सरीरमें,पहाड़ जोहैं,वोहतो,हाड्हें,और मीट्टी जोहे वोह गोस्तहे और,चांदी,सोनेकी,खानें-जोहैं वोह;चरबीहे और जोकि,बड्ड२दरीयावहैं,वोह,जमीनके सरीरकी अतड्डीयांहें;और जोछोटे२नदी.नालेहें.वोह जमीनमाताके सरीरकी नाड्डेहें.और,जो.रत्नागरसागर और सात,सायरहें वोह-जमीनमाताके;सरीरकी-ओझड्डीहे सोजबके मेह,बरसताहे जब,जमीनमाता,जलका अहार करतीहे-तो जल अतड्डीयोंके,रास्तेहोके,ओझड्डीमें जाताहे जब जमीनमाता,जलका,अहारकरतीहे,और,जबसेके यह बनीयेलोग,का ल.पड्डनेलगेहें.जबसे जमीनमाता बीमारीके सबबसे दुबलीहोगईहै.इससे.जमीन माताके उपर धननहीरहाहै-और,ना-कीसीको,दीखताहै-कीसवास्ते कि टुटाहुवा धन,बनीयोंने-पहीलेसे-काबुमें करलीयाहै जीससे राजा बादशाहभी-दुनीयांके-उ पर लोभकरनेको लगगयेहें!और,सब,संसार!भुखाहोनेकी वजहसे चोर,चन्डाल होगयेहें;और;संसारके लोगभी चोरीकरनेको लगगयेहें परन्तु.इसबातका,कोइभी खयाल नहीकरते कि-संसारमें!इसकदर;धनथा!वोह-कहांगया सो टुटेहुयेधनको रावणके!मुवाफीक!इन बनीयोंने बुद्धी भ्रष्टकरके लेलीयाहै!सोइस!बातकी?खबर कीसी बलायतके राजा,बादशाह,और,रैयतवगैरा,तककोनहीहे कि खानेंकहांगइ परन्तु;इतना;कोइभी.साहब खयाल नहीकरते किइन बनीयोंने.जादुके;जुल्मसे;ज मीनमाताको नाताकत करदीयाहै;जीससे;जमीनके;सरीरकी चरबीगलगइहै इससे धननहीरहा-सोअब-हम दुनीयांका कारो बार कहांसेकरेंगे-क्युंकि-जमीनके,सरी रकी पहीचांन संसारके,लोगोंको,इन,बनीयोंने,भुलादीहै सो जमीनमाताको-जा दुके;जोरसे.नीहायत.दरजेका दुःखदेतेहें सो दुनीयांमेंभी.कहतेहें.कि;राक्षसीपापसे जमीन दुःखपातीहै और-रावण;हिरनाकुशके;वक्तमें-और कीसी२ वैद्यकशास्त्रमेंभी लीखाहुवाहै-कि;राक्षसीपापसे जमीन दुःखपातीथी सोयह;बनीयेभी-रावण;हिरना कुशके मुवाफीक जमीनके,नांमका,पापकराके,जमीनको बीमारकरके दुःखदेतेहें-जीससे.खानेंतक.नहीरहीहें और जबसेकि काल पड्डनेलगेहें.जबसे.जमीनमाता, दुःखपारहीहै और जोकि-ग्रहन-पड्डताहै-और-जमीन-कांपतीहे और जमीन;फट जाताहे!सोयह!बनीयोंके जादुसे फटजातीहे सोयह तरह२के!रोग!जमीनमाताको बल राजाके बादसे.करनेलगेहें.इससे,जमीनमाता.दुबली होगईहै इससे;चांदी;सो नेकी-खानें-अब नहीरहीहें सो जीसतरहसे कि आदमीके सरीरमें-चरबी-बीमारी

के'सबबसे गलजातीहै उसीतरहसे-जमीनमाताके-सरीरकीभी चरबी जादुके'जु ल्मसे.गलगइहै.और.जबसेकि इन बनीयोंने जादुका करना.शरुकीयाहै.जबसेही, कालपडतेहैं जबसेही जमीनमाता!थोडा;पांनी;पीतीहै!और बीमारीसे सुखगइहै और-इन;बनीयोंने-रावणकी तरहसे;मुझकोभी दुःखीकीयाहै-जीससे;इनके-जालकी खबरपडीहै जीससेमैं आप,लोगोंको,सनीचरकी,तरहसे वाकीफकरताहूं क्युंकि-संसारके!लोगोंको!और राजा बादशाहोंको जादुके जुल्मसे!सुपनेके!मुवाफीक-कर दीयेहैं,और बुद्धी भ्रष्टकरदीहै,जीससे,तुम;नहीसमझतेहो,कि बनीये रात;दीन;पाप करातेहैं.और.संसारके लोगोंको इस पापसे खराबकरदेतेहैं सो.दुनीयांकेलोग.ये रीकहीहुइ बातको दुरस्त-नहीमांनतेहैं,सोयह-बुद्धी,फेरनेका-सबबहै और जोकि यह!लोगकहतेहैं!कि!रांमचंन्द्रजी और बल राजाषगैरा अमरहैं!और!जींन्दाहैं!सो अमरतो कोइनही अमरतो.ऊनका;नांमहे.परंन्तु;कोइ.लोग मेरीकहीहुइ बातको; मांनके,कहतेहैं,किहां,बल राजावगैरा;अमरनहींहैं तोयह,बनीये,जादुके,जुल्मसे,सो ते-जागते सुपनेकरके उसको-दीखादेतेहैं?सोयह-बनीयोंका पाप मरेहुयेका-चहरा होके.दीखजाताहै.सोजीन२के नांमका पापकरादें उसीकाचहरा.सुझजाताहै.याने भरतरी और गोरखनाथ-और.झीवजी.महाराजवगैराके-नांमका पापकरादें और चहरा.सुझानाहोवे.तोबनीयोंका पाप ऊनहीं भक्तलोगोंको,चहराहोके.सुझजावे;कि जो,मरगयेहैं ऊनकातो नांम-अमरहै;और,जो;देवी-देवताओंके नांमका चहराहोके सुझजावे-और-जोभुत-पछीत और डाकन डाकी चुडेल सवीस-और-देव-परी;व जनवगैराके नांमका पापकरावें,तोबनीयोंका,पाप,इनहीं,भुत बलावगैराका चहरा सुझजावे!जीससे!दुनीयां यहकहतीहै किजो औरत मरीहै वोह!चुडेलहुइहै!और-जोकि आदमीमराहै वोह-भुतहुवाहै;इसीतरहसे;कीसीको-कुछ और कीसीको;कुछ सुझादेतेहैं-सो-संसारके लोगोंकी बुद्धी कैसी केदकीहुइहै किजो-झुठीबातको-सची खयालकरके बैठहुयेहैं और,मैं,सची,और,सही,बातकहताहूं उसको खीलाफ;सम झतेहैं,और,यह,जोकि,बनीयोंने पापचलायाहै सो संसारके,गारत,करनेके,वास्ते-चलायाहै और जोकितुम-बुद्धी;भ्रष्टहोनेके;सबबसे-स्वर्ग नर्कबतातेहो और-चोरा सीलाख!झुंन्डीयां!कहतेहो वोह बनीयोंके घरका पापहै!और!यहपापहै-किसव!व लायतोंके मरेहुये लोगोंका.चहराहोके.सुझजाताहै.क्युंकिजब रावणने राक्षसवीद्या चढाइयी-जब-रावणकी कुछका कुछ सुझाताथा सोतो संसार-कुछ!खयाल-नहीं

करतेथे और जीसतरहसे-कि,सनीचरको;रावणने-दुःखीकीयाथा उसीतरहसे इन बनीयोंने.राक्षसीपापसे.मुझको दुःखीकीयाहै इससेमैं आप.लोगोंको.सनीचरकी, तरहसे बाकीफकरताहूं और!लीखताहूं-कियह-बनीये!जादुके जोरसे मुरदोंको-सुझातेहैं-इसवास्ते-लीखनेमेंआताहै कि कीरोडों आदमीयोंको-भुतोंके;और-चुडेलों के,बहांनेसे मारतेह और,कीसीको;देवताओंके,बहांनेसे,और कीसी२को कीसीके बहांनेसे.सो;नतो.जनहैं और न भुतहैं और न पलीत वगैराहैं;परन्तु;जादुचालेसे-मारदेतेहैं आर जोथोडापाप,जीस,कीसीके;नांमका,करावें वोहतो बीमारीपाताहै कि.जीसके;नांमका.पापकरातेहैं और जबकि पापको छोडदेवें.तोफीर-वोह.बीमार किजो जादुसे बीमारकीयाथा-अच्छाहोजाताहै'किहमको-फकीरने साधु या;फकीरने बीमारीसे-बचालीया-क्युंकि फकीरने हाथफेरके आरांम-करदीया-सो-अच्छातो-इससे होगया किबनीयोंने,उस,बीमारके,नांमका,पापकरना छोडदीया और;फकी रको,यह.सुझादीया.कि तु इस बीमारकेउपर हाथफेर जो.आरांमहोगा,फीर,फकी रने हाथफेरदीया और-बनीये,जो,बीमारके,नांमका-पापछोडदें तोवोह बीमार-बचजावे.सो.हाथके.फेरतेही आरांमहोगया जबतो फकीरके.परचे२दुनीयांमें.फर नेलगें,और है बनीयोंका.जाल,सोयह;जबके,देवतोंके.नांमसे बीमारीकरावें तोजब उनकेनांम-बकरा-और-पांडा वगैरामारें और बहांपर फीर-बीमारके-नांमका,पाप छोडदेवें तोबीमार अच्छाहोजावे-तोफीर-देवतोंका परचा२करनेको लगजावें;और चोरासीलाख.कुंन्डीयां.राथ लहुकी बनाइहें सो बहांपर.जीयादा पापकरें,जबतो मरहीजावे और पाडा,बकरा,मारनेसेभी,नहीबचे,सोऐसे कांमपर नतो-कीसीका झाडाचले-और-न-परचा और अमरतो कोइभीनहींहें यहतो-बनीये-बल-राजाके बादसे कच्ची उमरमें!मारनेलगेहें,क्युंकिपहीले,कोइ!कच्ची उमरमें नहींमरताथा सो;कच्चीउमरमें.इसवास्ते मारतेहैं कि सब दुनीयांमें थोडे.आदमीरहजावें;तोहम बनीयोंकी जातके जीयादारहजावें,जब;तमांम,दुनीयांमें हमारा राजहोजावे;जबके राक्षसवीद्या,चलातेहैं,जबही कच्ची उमरमें मरतेहैं नहीतो,परमेश्वरके,धरमेंतो;सब बकी उमरपुरीहै और,पुरीउमर,पाकरही?मरतेथे,और,जो बनीयोंके जालसे,क च्ची.उमरमें,मरनेलगेहैं सोसब संसारके लोगोंको दीखताहै.और,लगायेआदमीसे और-जीव जन्तुसे कोइभी-पुरीउमर-नहीपातेहैं-और-कच्ची उमरमें मरजातेहैं-यह?सब?बनीयोंके?जादुसे मरतेहैं कि रावण हिरनाकश?वगैराने?राक्षसवीद्याके

पापसे आदमीयोंको और-जीवा;जुनको,कच्ची,ऊमरमें-मारना शरुकीयाथा और मारताथा.सो.रावणने.और हिरनाकश वगैरानेभी भुत.पलीतके.सर.और.जन-और,देवी देवता वगैराके,सर.बदनांमी.लगादीथी,और रावणवगैराने लोगोंकी बुद्धी-भ्रष्टकरदीथी-जीससे संसारकेलोग देवतोंके उपर-बकरा-पाडावगैरा?मारने लगेथ और उसकाहाल,दुनीयांको,मालुमनहीथा,इससे रावणके वक्तमेंभी-रावणके पापकी,वजहसे,कच्ची,ऊमरमें लोग और जीव जन्तुवगैरा,मरतेथे?और,इश्वरनेतो सबकोही पुरीऊमरदीहे परंन्तु,कमऊमरमें,जोमरें,वोह,कच्ची ऊमरमेंमरतेहें सो; जादुसे,मरतेहें,सोजबके,कच्ची ऊमरमें कोइ कीसमका जीवमरे,तोजांनना,कि,की सीने राक्षसीपापचलायाहे और-इसवक्ततो;राक्षसबीद्याका-पाप प्रगटहै किदेवतोंके उपर.जांनवर. ारतेहें.रावणकी तरहसे सो जो कीसीको यकीन.नहीहो.सो,देख ल्लो:कि:जीस मुलकमें जांनवरोंको,देवतोंकेउपर,मारतेहें,सो मरातेतो जादुसे;बनीये और-सुझातेहें-देवतोंका सोयह बनीयेभी जादुसे बीमार-वगैराकरतेहें-और-बदनां मी,देवतोंके सरपे लगादेतेहें,और,संसारके,लोगोंके,घटमें देवतोंहीका सुझादेतेहें; जीससे,संसारके,लोग बुद्धी भ्रष्टहोनेके सबबसे देवतोंकेउपर,जांनवरोंको,मारतेहें और,यह कांम जांनवरोंके,मरानेको,देवतोंके,उपर,बुद्धी भ्रष्टकरनेके वास्ते,चला याहे.किजीससे.तमांम संसारकी बुद्धी जादुसे भ्रष्टहोजावेगी.इस.सबबसे.यह-ब नीये जादुसे सुझाके-बकरे,भेंसे,देवतोंकेउपर,मरातेहें-और बनीयोंके जादुसे,कच्ची ऊमरमें-हरकीसमके-जीव मरनेका पाप सब वलायतोंमें फेलावेंगे-किजेसा-आज; कल हिंन्दुस्तांनमें बल,राजाके.बादसे.फेलाहुवाहे,इसीतरहसे दुसरी वलायतोंमें फेलादेंगे.सोजबके;कोइ राजा बादशाह दयावंन्त जागेगा;किजो.देवतोंकेउपर,जी व,चढातेहें वही राक्षसबीद्या,करनेवाले.और,ऊनकी राक्षसबीद्याहे और,यह,खया ल,नहीकरेंगे,कियहतो भुलसे देवतोंकेउपर जीव चढातेहें क्युंकि,बनीयोंने,राक्षस बीद्याके पापसे बुद्धी,भ्रष्टकरदीहे;और;राक्षसबीद्याहै,बनीयोंके घरकी सो:खयाल नहीकरेंगे;यह;बनीयोंने अकलमंन्दीकीहे कि हमारा जाल;कीसीपर.प्रगटनहो:और हमको कोइभी ईन्द्रजालीया,नहीजांनें.इसवजहसे,डाकनों वगैराके सर,और,देवी देवतोंके,सर,बदनांमी लगादीहे और मुलकोंमें मरी और,कालवगैरा?जो,पड्जा तेहें,वोह सब बनीयोंके,जादुसे,होजातेहें.और,संसारको,सुझातेहें कि मंगल,भारी द्या.और,सनीचरके ग्रह बहुत तेजथे और सुकर नीहायत खराबहै,सो.मंगल?व

सनीचर व सुक्रवगैराभी;आदमीथे सोवोहतो अपनी;ऊमरपाके मरग्ये सोवोहतो इस.जमीनपर.अब.कहांसेआवें और इसीतरहसे कभी२देवी.देवतोंकाभी.मुझातेहें कि-देवी स्वर्गसे उतरेंगी;वोह,खप्परःभरेंगी;सोजब,बनीये;तमांम मुलकोंके नांमका पापकरातेहें-तो-तमांम मुलकोंमें मरी पड्जातीहे और जो-थोडेसे-गांवोंके-नांमका पापकरावें तोथोडेसे गांवोंमें-मरीपड्जावे-सोइसका-हाल तुम संसारकेलोग-हर बरस.टीपनोंमें.सुनतेहो.परंन्तु मैंतो ऐक;दो बात लीखताहूं.और.जोकि.टीपनोंमें जीसकदर हाल राक्षसवीद्याका-लीखाआताहे-वोह-सब होजाताहे सो-सुनतेहीहो किजो-अनेकतरहके-ग्रह गोता दुनीयांमें लगादीयेहें सोतुम-हिंन्दु-मुसलमांन;और अंग्रेजवगैरा टीपनों वगैरामें,सुनतेहीहो,सोयह,टीपने,बनीयोंने पहीलेसे चलादी येहें.और.बृहमणोंको.पकडादीयेहें जीसतरहसे कि रावणने.राक्षसवीद्या.चलाइथी और रावणने ऋषिश्वरोंकी-बुद्धी-भ्रष्टकरके-राक्षसवीद्याके टीपने पकडादीयेथे-सोअब-इसीतरहसे-इन बनीयोंनेभी राक्षसवीद्याके टीपने-बृहमणोंकी-बुद्धी-भ्रष्ट,क रके बृहमणोंको मरानेकेलीये!पकडादीयेहें!परंन्तु!इन!बनीयोंने ऐसी अकलमंन्दी कीहे.किइनहोंने.राक्षसीपापकी खबर कीसीकोभी नहीपडनेदीहै,और.जो;संसार के,लोग,और राजा बादशाह-समझभीगये-तोयही-जांनेंगे-कि राक्षसवीद्या बृहम णोंके.घरकीहे.और.टीपनेभी इनहोंनेही चलायेहें इससे.बृहमणोंके.बचे.मारेजावेंगे सो-जीसतरहसे कि सब,संसारकेलोग,भुलेहुयेहें,उसीतरहसे यह बृहमणभी;भुले हुयेहें,सोयह,बात,काबील खयाल करनेकेहे कि बगैर,छलतो-बृहमण,कीसतरहसे भुलें जीससे बनीयोंने!राक्षसीपापसे!बुद्धी!भ्रष्टकरके!भुलायेहें किजेसे रावणने-तमांम.जहांनके.राजा बादशाह और रैयत वगैराकी बुद्धी.खराबकरके.भुलायाथा उसीतरहसे इन बनीयोंनेभी-बुद्धी;खराबकरके;आर!जीयादा पापकरके भुलायाहे क्युंकिइन,बनीयांन,तरह२के जालकरके;भुलायाहे और,अनेकतरहका,जाल;चला दीयाहे;और केइ कीतावोंमें,ऐसी२बातें-पहीलेसे,लीखदीहें,कि देवता जींन्दाःस्वर्ग में-बैठेहें-और-यह कीतावें बनीयोंकी बनाइहें ओर नांम ऊन-कीतावोंमें-इन-बनी योंने अपने बचावकेवास्ते,ओर,जाल,अपना,जाहीर,नहोनेके लीये अगले,भक्तः लोगोंके.लीखदीयेहें.सोयह बात खयालकरनेके काबीलहे कि.देवतोंने.अच्छेकांम कीयेहें जीससे ऊनहोंके!नांम-अमरहे,ओर,यह-बनीये!जादुसे लोगोंको बीमार; करदेतेहें,ओर,ऊनके दीलमें देवतोंका मुझातेहें जब ऊनहोंके,हाथसे,ऊन,देवतोंकी

समाजीयोंके उपर जीव-मरवातेहैं,सो,वोह,समाजीयोंके-उपर जीवडोंको इस;वज
हसे,मारनेलगेहैं;और;बनीये जादुसे ऊनहोंके दीलमें देवतोंका;सुझातेहैं;कि;देवतोंने
बीमारकीयाहे और राजा!रावणनेभी-देवता-सरुपी!लोगोंकी बुद्धी भ्रष्टकरदीथी
परन्तु,रावणने,पाप,थोडा चलायाथा जीससे बुद्धी थोडी,भ्रष्टहुइथी,और,इन-ब
नीयोंनेतो साफ़ बुद्धी,भ्रष्टकरदीहे,किजो,बीमारतो,जादुसेकरतेहैं आर ऊनहोंके
घटमें-ऐसा-सुझातेहैं कि देवाता जीव मांगताहे सो जब देवतोंके-नामका-जीवमारें
जबतो बीमारीसे अच्छाहोजाताहे,सो,जादुखोरा,जब,उसके नामका पापछोडदेवें
तोवोह-बीमारीसे-अच्छाहोजावे और संसारके लोगोंको-ऐसी२कस्तुतोसे-भुला-
येहैं,कि,भक्त लोगोंकोभी अपने!जालकी!खबर!नहीपडनेदेते और लोग,यह,ख
याल.कहनेसेभी.नहीकरते.कि पाप बुराहे या भलाहे और.जोकीसी.साधु.फकी
रको,कीसी देवतापर कीसी-जान्वरको,मारतेहुये-देखकर दयाआवे और,गुस्सा
होकर,यह,कहनेलगे,कितुमतो अंधे होगयेहो किजो देवतोंकेउपर,जीवको,मारतेहो
सोतुम जीवको मतमाराकरो.सो;उस;साधुकोभी.जादुसे बीमारकरदेतेहैं और;फीर
साधु.फकीरोंके.दीलमेंभी इसीतरहसे सुझातेहैं कि तुमने.हमारे.भोगको.बन्दकरा
दीया,और तुम साधुहोके,हम,देवतोंकी,नंन्दा,करतेहो,जीससे हमने तुमको,बीमा
रकीयाहे-सोइन-बनीयोंने साधु फकीरोंकी,बुद्धी ऐसी फेदकरदीहे-किजोवह-नहीं
समझतेहैं किजो देवतोंका.सुझादें.तो-साधुभी.देवतोंकेउपर जीव मारना;अच्छीबात
जानतेहैं;और;यह;खयालमें नहीआताहे कि रावणके मुवाफीक;यहतो;जादुका;कु छ
और,ही छलहे सोयहतो-कुछ,और;ही,छलहे-सोपेसातो वहबनीये अपने-राक्षसी
पापसे-नहीसमझनेदेतेहैं-और जादुस बीमार करदेतेहैं जीससे-साधुभी-यह-जानने
लगतेहैं.कि देवता सच्चाहे-और-मैंझुठाहूं-जीससे-देवतोंने बीमारकीयाहे जीससे-
साधुभी.देवतोंके.भरोससे भुलेहुयेहैं सो भुलेतो बनीयोंके.पापसेहैं.क्युंकिबनीयोंने
बुद्धी,भ्रष्टकरदीहे सो देवतोंका,सुझादेतेहैं,तोउसीको,सच मांननेलगतेहैं और,जो
और.कीसीको.सुझादेवें-तो वोहभी मांननेलगें फीर इसीतरहसे.साधुभी.भुलकर
सच मांनेको लगजातेहैं-कि,भुत,पलीत;देवी,देवता-बकाहे सच्च जीवमांगताहे
क्युंकि,साधु,फकीरोंकोभी जादु चालाससे बीमार करदेतेहैं जब,वोह,जीवमराना-
सच्च समझतेहैं और!कहतेहैं!कि!देवताकेउपर!जानवरोंकादेना दुरस्तहे और मै
झुठाहूं-सो-ऊनहोंको यहबात मालुमनहीहे;कि रावणकी तरहसे-इनबनीयोंने-जादु

चलायाहे सो हकीकतमें-असल-पाप:इन-बनीयोंकाहे-अगर बनीयोंके जादुकी:ख बर-संसारके-लोगोंको पड्जाये तो संसारकेलोग बनीयोंके-घरमेंही-जीवडोंको;मा रकेडालदेवें परंन्तु संसारके,लोगोंको,इनके,जालकी,मालुमनहीहे बोहतो देवकला के;भरोसे.भुलेहुयेहें.क्युंकि रावणवगैरा देवतोंकेउपर जीवडोंको;मरवाताथा;परंन्तु जवके रावणके पापकी-खबरपडी-जब-संसारके-लोगोंने रावण हिरनाकश;वगैरा की.ओदही.नीकालदीथी फीर रावणकी;तरहसे इन बनीयोंकाभी.जाल.चलरहाहे सोअब रावणकीतरहसे इन,बनीयोंके.जालकी,मुझको खबरपडीहे जीसतरहसे;कि पहीले.पापके.चलानेवालोंको सजादीगइहे उसीतरहसे इन.बनीयोंकाभी.पाप;छो डाओ,तो संसारका भलाहोवे-और-रावण-हिरनाकश-वगैरानेतो थोडा पाप?च लायाथा-जीसपरही-ऊनकीतो ओध नीकालदीथी और इन-बनीयोंनेतो-इतना-पापचलायाहे कि जीसका,कुछ,अंन्दाज,नहीहे,क्युंकि,कीरोडों आदमीयोंको यह बनीये.जादुके.जुल्मसे.मारदेतेहें और नांम देवतोंका लगादेतेहें.कि.देवतोंने.दोश कीयाहे जीससे मरेहें,इसीतरहसे;कीरोडों;जांनवरोंको,अपने जादुसे देवतोंका;नांम लगाके-मरादेतेहें;सोतुम संसारके लोगोंकी बुद्धी राक्षसीपापने;भ्रष्टकरदीहे-जीससे तुम,देवतोंके उपर अपने,हाथसे,जांनवरोंको,मारतेहो,सोयह राक्षसबीद्याका पाप मगटहे;सोतो;जीस;मुलकमें देवतोंके उपर जीव मरातेहें सो;तलाशकरकेदेखो;क्युंकि यह,बात मगटहे सो-संसारको-कुछ-दोशनहीहे-क्युंकि संसारके लोगोंको?राक्षसी पापसे-अंधेंकी-तरहपर करदीयेहें सोबोह देव कलाकेही भरोसे-भुलेहुयेहें-सो?ब नीयोने राक्षसीपापसे ऐसी,बुद्धी,खराबकरदीहै,किजो;ऊनको मने कीयाहोवे-तो लडनेको!लगजावें!सोयह जाल मीटेगा जब बुद्धी दुरस्तहोगी!और!अबतकतो-ब नीये-लोगोंने बुद्धी खराबकरके-और-इनके-हाथोंसे-जीवडोंको मरवाके और-ऊ नके?खालकी.चीरें बारीक२नरम२दरखतोंके डालीयोंमें लपेटतेहें.सो?जीसकदर कि.खाल सुखतीहै उसीकदर-दरखतोंको-दुःखहोताहे-सो दरखतोंमेंभी हम.तुम आदमीयोंकी-तरहसे-जीव होताहै जीससे बोह दरखत हरेरहतेहें!और!यह.दरखत. ऐसे-सतीहें कि अपन,सबको,फल,फुलदेतेहें,और.इन,दरखतोंकी लकडी कांममें, आतीहें;परंन्तु.इन.बनीयोंने अपने राक्षसीपापसे ऐसी अकल.खराब.करदीहे;कि जीससे ऐसाही सुझताहे-कि;जेसा;यह;बनीये;अपने-राक्षसीपापसे सुझातेहें सोयह राक्षसबीद्याका!मगट!पापहै सोतुम हिंन्दु मुसलमांन अंगरेज!वगैराको!और;तमांम

जहांनकी खलकतको दीखताहे-और-यह-बनीयेलोग-तो पापमें समझतेहें?जीससे ऐसा;पापचलायाहै.क्युंकि.झाड बनासपती;अपनेको फल.फुलदेतेहें.सोबोह;बेचारे बडे-करनीवाले और सतीहें,जीससे,इन,बनीयोंने,राक्षसबीद्याका पाप चलायाहै किजो,अगले,सतीलोग,हुयेथे तो देवता सरुपी कहलातेथे परंन्तु,इन,बनीयोंने;ऐसी अकलमं-दीकीहै कि-तमांम-संसारके-लोगोंकी-अकल राक्षसीपापसे भ्रष्टकर दीहै-जीससे-संसारके-लोगोंको दया धर्मनहीहै क्युंकि देवतोंके-नांमका-धर्म-पुन्य करें,तो,ठीकहै क्युंकि तुम्हारे,बाल,बच्चोंके,आडेआवेगा,और साधु संन्त,और,फकीर-फुकरा-और-ब्रहमणों वगैराको देवतोंके नांमका जीमण-जीमाओ-तो-बोह-धर्म्मका कांमहै और,पुन्यह,और,देवतोंकी,समाजीयोंके,उपर जीवमारना पुन्य;नहीहै,क्युंकि,देवतोंकी समाजीयोंके उपर जीवजंतुको मराना,बहुत,बुरापापहै?बोह तो,जीतेथे जब कीडीकेउपरभी-दयापालतेथे-परंन्तु-यह बेइमान ऐसेहें,कि;जादुका पाप संसारके नांमकाकराके संसारको बीमारकरतेहें और.फीर.देवतोंवगैराका-सुझादेतेहें जब संसारकेलोग,बेचारे.लाचारहोके,देवतोंकेउपर जीव मारनेलगतेहें और;जब,बनीये,बेइमांन संसारक नांमका पापछोडदेतेहें,तोबोह,अच्छेहोजातेहें;जब संसारको जादुसे ऐसाही,सुझादेतेहें,कि,देवता,ऐसाही,भोगमांगतेहें जीससे हमको बीमारकीयाथा-और-कभी जीव मारनेसेभी अज्ञानहीहोवे तो-संसारको-यहःसुझा देवें,कि देवतोंने पाडा-और-बकरा-मांनाभही-और-बेइमांन जीस२मुलकमें जीव मरवातेहें,तो,मेह,बंन्धकरके देवतोंके उपर जीव मरवादेतेहें,और,लोगोंके,दीलमें-ऐसा सुझादेतेहें किअबके,देवतोंकेउपर,पाडा,बकरा,चढायानही जीससे मेह.नही बरसाहै;जब.लोग.गांव२में जीव मारने'लगजावें जब यह.बनीये,जमीनके;नांमका पापकरना छोडदेवें तोफीर-ऊन,गांवोंमें,मेह,बरसजाताहै-और जो पापकरना-जमीनके.नांमका.नहीछोडें तो जीव मारनेसेभी नहीबरसता सो.बोह.जीवमरानेको कब,राजीहें सोबोहतो मरगये,सो,बोह,कहनेकेवास्ते,कहांसेआवें और दुनीयांको यह.खबरनही.कि.राक्षसबीद्याके पापसे हमारी बुद्धीको केदकरदीहे.जो.हम.नही समझतेहें किजो हमारे,बुजर्ग,पहीले,भक्त,होगुजरेहै,और,ऊनको हम सब.लोग;मांनतेहें,जीनकी,समाजीयोंके उपर हमारी बुद्धीको राक्षसीपापसे,फेरकर,और?ह मारे.हाथोंसे जीवजंतुको मरातेहें,सोयहतो?बडा,जुल्महै सोयह खबरनही.क्युंकि बोहतो?देव.कलाके.भरोसे भुलेहुयेहें सो संसारको और.राजा.बादशाहको-कुछ

दोशनही किइनहोंकी राक्षसबीद्याके,पापमें,बुद्धी,केदहै जीससे बुरेकांमोंकोही;अ च्छा?समझतेहें.और.आगे राजा रावणने राक्षसबीद्याका पाप?चलाके.सब-ऋषि श्वरोंकी और संसारकी,बुद्धी,भ्रष्टकरदीथी,सो,उसकी,सजा रावणको और.राव णकी.ओलादकोभीथी,सो रावणकी तरहसे इन बनीयोंके,राक्षसीपापको.अपनी२ ओलाद बचनेकेलीये छोडाओ.किजेसे,रावण.वगैराके पापको छोडायाथा;उसी तरहसे.छोडाओ.और.जोमैं बार२रावण वगैराका हाल.लीखताहूं.सो!तो.राजा बादशाहोंने लडायांकरके पापको-छोडायाथा-सोयह-बातें दुनीयांमें प्रगटहै;सो. जब,मै,रावणवगैराका,नांमलेताहूं जब दुनीयां यह कहतीहे,किहां.ऊन,वेइमांनोंने तो-पापचलायाथा सो जब.दुनीयां.मांनतीहै.और.कहतीहै कि बाततो;सच्चीहै;प रंन्तु.कदीभी.पापतो.बनीयोंके घरकाहै और रावणका नांमतो.मैने.इसवास्ते-ली खाहे-और मै संसारके लोगोंसे,बनीयोंके.जादुका,कहताहूं तो संसारकहताहे कि जादु,क्याचीजहोतीहे,हमतो जादुको मांनतेहीनहीहें सो भाइयो,तुमतो;मांनतेभी-नहीहो-और न पापको समझते-परंन्तु-चांद-सुरजको-पाप लगजाताहे याने;ग्रहन करदेतेहें,सोतुम;सब,संसारके लोग देखतेहो सोतुमको बृहमण,लोग;टीपनोंमें,आये बरस,छेरमहीने पहीलेसे सुनातेहें,और,पापतो,चांद,और सुरजको और,जमीन माता.व.मेहको.व.मोतको व पवन पांनीको लगजाताहे तो.तुम्हारी.हमारी.कोन; चलाइ क्युंकितुम कहतेहो.कि,जादु;हम,समझतेहीनही.परंन्तु आगे बडे२सती;लो गोंको'पाप'लगगयाथा तो हमारी तुम्हारी कोन चलाइ और'तुमकहतेहो'किजादु हम समझतेहीनही और;मै'कुल'बलायतोंकी'ओलाद'बचनेकेलीये लीखताहूं क्युंकि मेरेउपर-बीतीहुइ-बातहै सोइस पापको छोडाओगे तो संसार-उभरेगा-सो;तुमतो पापको मांनतेही नहीहो,परंन्तु,तुम्हारे,नांमका,होम,और पापकरातेहें सो,वोह,पाप लगजाताहै-और-रावण वगैराके जमांनेमेंभी रावण वगैराका-पाप-संसारको;लग गयाथा उसीतरहसे अब,इन,बनीयोंके,जमांनेमेंभी,बनीयोंका पाप सबको;लगर हाहै.परंन्तु.संसारके.लोग समझतेनही,क्युंकि पापको.आंखोंसे.देखलेवें.जबतो;स मझजावें परंन्तु यह.बनीये,दीखाके-नहीकरतेहें,वोहतो.रावणके मुवाफीक अलोप करातेहें,सो,संसारकोतो भुलातेहें क्युंकि स्वर्ग और देव कलाके,भरोसे,भुलेहुयेहें और जीस२ने दुःख-पा२के,संसारके,लोगोंको-राक्षसीपापसे उभाराहै ऊनका-गुन.दुनीयां.अबतक मांनतीहै और मुझ गरीब साधुको संसारके.लोग.उलटा,पा

गलही,कहतेहें सो दुनीयांको-कुछ,दोशनही,कि-ऊनको यह बनीये,जादुसे,ऐसाही सुझातेहें.जीससे.संसारकेलोग मुझे पागल कहतेहें क्युंकिबनीये.अपने.कदीमीपाप को,अपने पासरखतेहें उसको!चोडे.नहीआनदेतेहें!और मुझकोतो इन-बनीयोंने भुलसे-दुःखीकीयाहै-जीससे मैंलीखताहूं और यह बनीये-संसारमें?गरीबहोकेरहतेहें सोयह बनीये पापमेंसे,थोडा२सबको,सीखातेजावेंगे,और गारत करतेजावेंगे,और आप.चोडेनहीआवेंगे.और जब कुल बलायतोंमें थोडेसे.आदमी.रहजावेंगे,जब-यह,बनीये कलंकी अपना-राजकरेंगे-जबतो-यहबनीये-ऐसा जुल्मकरेंगे कि;जीस तरहसे.इन.बनीयोंकेदीलमें आवेगी उसीतरहसे संसारके.बचोंपर.जुल्मकरेंगे-सो ऐसी२आगमें इन बनीयोंने.पहीलेसे;संसारमें;चलादीहें.कि सो कोसकेउपरजाके ऐक'गांव'बसाहुवा'मीलेगा जब ऐसा कलजग आवेगा कि'हाथको'हाथ'खानेलगे गा!जबतो आपही कट२के.मरजाना.अच्छाहै.क्युंकिजब संसार थोडारहेगा?जब यह'बनीये!कुल!बलायतोंमें अपना राजकरलेंगे और जोइनका!पाप!नहीमीटाओगे सो,सबको गारतकरदेंगे क्युंकिजब-बुद्धी-केदहोजातीहै जब भाइ२आपुसमें-लडकर मरजातेहें-क्योंकिइन-बनीयोंने देवतोंपर ऐसा जुल्म चलायाहै-किजो-अरज.नहीं कीयाजाताहे बलके तुम,सबही,देखतेहो?और,जांनतेहो,किजो बनीयोंने अनबोलो पर.और.झाड.बनासपतीपर पाप चलायाहै सोतो प्रगट.पापहे.सो.संसारकेलोग तुम-देखतेहो और सुनतेहो-क्युंकि,जीन२मुलकोंमें,इन-बनीयोंने जुल्मका पाप?च लायाहै,सो,आप,लोगोंमेंसे जीस२ने नहीदेखाहो तोतुम हिन्दु,मुसलमांन,और,अं गरेज मेरीबातको गोरकरके,और,इन,बनीयोंके,जालको तलाशकरके देखो-तो-तुमकोभी-काफरी-जालकी खबर होजावेगी क्युंकि इनहोंने-इतने२देवतोंके-उपर: अनबोला जीव मरायेहें-और,मरातेहें,और,दरखतोंमें-कीलें गडवातेहें सो;चुडेल और.खबीस.और भुत पलीत और जन वगैराके नांमसे करवातेहें.और.संसारके लोगोंको जादुसे बीमारकरतेहें,और,लोगोंके,घटमें,सुझातेहें भुत पलीतवगैराका और.कहतेहें.किइस.झाडमें भुत पलीत वगैरा रहताहै वोह.लगगयाहे.सो,झाडमें कीलें;वगैरा गडवाओ सो-भुत-कीलदीयाजावे-इसीतरहसे अनेक दरखतोंमें.कीलें साधु-फकीरोंकेहायसे-और संसारकेहायसे गडवातेहें और-कीलें-गाडनेवालोंको जादुसे ऐसाही सुझादेतेहें!कि;हम;बडे;करामातीहें;और!समझदारहें जीससे भुत:प लीतको,वसमें,करलीयाहै-और आदमीको अच्छा करलीयाहै और,जब,वोह-भुत

पलीतके नीकालनेवाले झाड-बगैरामें,कीलेगाडदेवें-और जब उसके;नांमका;पाप छोडदेवें.जब;वोह.अच्छाहोजावे सो कीलें गडवाके पापको.छोडदेतेहैं:जब,ऊनको आरांमहोजाताहै जब लोग,जांनतेहैं,कि,भुत,पलीत,और जीसर मुलकमें डाकनीयां बनाइहैं-और;जोबडा-गांवहै ऊनमें डाकनें बनाइहैं जीसका-डाउनुनो:किजो-छोटा गांवहै उसमेभी दस'बाराह,डाकनीयां,और,जोबडा'गांवहे उसमें पचास,या,सो, और.जोबडे.शहरहें.वहां और जीयादा बनाइहें परन्तु बुढा.बुढीहोवें.वोहतो.ती रथ-सरुपीहें सो बधक-शख्सें!कहतेहें!सुनो!इन-बेचारोंको डाकन डाकीयोंकी-बद नांमीदीहे,और,तीरथ सरुपीयाको संसारके हाथोंसे मरवातेहें,कि,जीन,मुलकोंमें-डाकनें बनाइहें,ऊनहीं मुलकोंके,आदमीयोंके,हाथोंसे,मरवातेहें और डाकनीयोंके दीलमें.जादुसे:ऐसा.सुझातेहें किहम डाकी डाकनेंहीहें सो.बीमारतो:करतेहें.जादुसे और सुझातेहें डाकनीयोंका,कि,जीनहोंको,डाकनीयोंकी बदनांमीदीहे सो;डाकनी योंकाभी,हम,बुढीफेरके राक्षसीपापसे केदकरदीयाहै सोऊनको,यही,सुझादेतेहें:कि हम-डाकनेंहें क्युंकि जेसा,संसारमें,नींदमें,खाने,पीनेका सुपना करतेहे,या,और. अनेकतरहकी.लडाइ.भीडाइ वगैराका होताहै सो डाकनीयोंकोभी.सुपना.उसीत रहसेहोताहे सो?सबके डाकनीयां!बनाइहें!ऊनकोभी!जागता सुपना?या नींदका सुपनाकरके,सुझातेहें,किहम डाकनेंहें और आदमीको खारहीहें?इससे,वोहभी?यह जांननेलगतेहें किहम डाकी,डाकनीयां,और,डायनहें,और संसारको जोसब.मुठ कोंमें.सुपने.दुषाकरतेहें.और आगे राक्षसीपाप नहीथा तो.सुपनाभी.नहीहोताथा और,जीस मुलकमें कि-बहुतसी-डाकनीयां-बनाइहें-और संसारके लोगोंको,जा दुसे.बीमारीकर,तो.संसारकेलोग यह कहनेलगें कि आज.कल.डाकनीयोंने.बडा मारी फेलबचायाहै सो,डाकनीयोंको.और.संसारके,लोगोंको बनीये जादुसे.ऐसा ही-सुझावे-किहमका-डाकनने मारीहै और डाकनभी यह-समझे-किहमनेही-मारीहै और,सब संसारके कि,अबतो,अच्छेर आदमीयांका.सानेलगीहें याने जीसर मुलक कमें.डाकनें.बनाइहें.उसी मुलकके आदमीयाको जादुस सुझादें.कि.अबतो.अच्छेर आदमीयांका डाकनें खानेलगीहें-अब,उसी,मुलकके-आदमी किजीस मुलकमें.डा कनीयां-बनाइहें;ऊन-डाकनीयोंको संसारकेलोग हेसकरके-और;पकडकरके-नीछे कांटियें जलवादेतेहें और!बहुतसीयोंको!पीटवाके!मरवादेतेहें सो?जबके डाकनोंको अनेकतरहकी.तकलीफें.करके संसारके हाथोंसे मरवादेतेहें.तो-फीर.यह.देखांन

जांनतेहें कि,तीरथ सरुपीयोंको-संसारके-हाथोंसेही-मरवायेहें और गरीबोंको,व हुत-दुःख-दीलादीयाहे-तो फीर संसारके नांमका पाप छोड्देतेहें-अब-वोह-अच्छे होजातेहें तोउस मुलककेआदमी,कि,जीन,मुलकोंमें-डाकनोंकी बदनांमीदी वोह-यह;कहनेको.लगजावें.कि डाकनीयोंको मारा जीससे अब.दुसरी.डाकनें.डरने-लगीहें सोअब दुसरी,डाकनें,अपनेको,नहीखावेंगी,और,जबसेकि अंग्रेज आयेहें जबसे-डाकनीयोंका-फेल थोडाहै और,जबतक कि अंग्रेज-नहीआयेथे-जबतक;इन हुंका,फेल बहुतथा किजीस,मुलकमें;डाकनीयोंकी,बदनांमी चलाइहे उस,मुलकके आदमीयोंको-यह-बनीये जादुसे कीरोडों फेलकरके मारदेतेहें-और,मुझादेतेहें,डा कनीयोंका सो डाकनीयांभी,कीसको,बनाहें,किजो,बनीयोंकी जातके सीवाये;दुस री!जातकेहें!और!ऐसी२बुडी डाकनें बनाहें किजीनके मुहमें!दांत!तकनहीहें!और बनाइभी ऊनहींके मा'और'दादी'और.नांनी'बुवा'और'बांधी काकीवगैराको डा कनीयोंकी!बदनांमीदीहें!सोयह खयाल करनेकी बातहे कियह!तीरथ!सरुपीहें!कि नही और.बेटोंके हाथोंसे!डाकनीयोंकी!बदनांमी!लगाके मरवादेतेहें सोयह.बहुत बुरी!बातहै;परन्तु!डाकनीयोंके बेटतो भुलेहुयेहें वोह यह;जांनतेहें;कियह!बीजनस डाकनेंहीहें परन्तु डाकनें-और,मुतवगैरातो.कुछभी,नहीहें-और झुठी बदनांमीदेके मरवादेतेहें,और;वैद्य.परानेमें लीखादुवाहै;कि रावज.गरीबोंको;मरवाताथा.परन्तु बनीयेतो अपने पापको,खुद,समझतेहें,क्युंकि,गरीबोंको दुःखीकरेंगे तोआपसेही संसारमें-बुराहोजावेगा-इसवास्ते ऐसा पाप चलायाहे सो-बुढे-डोकरोंको-डाकनें: बनाके मरवातेहें तोक्याहे,गरीबोंका,मरवाना-पापहे,या,नही तोइसीतरहसे बनी बेभी.रावणके.मुताफीक गरीबोंको डाकनीयोंके बहानेसे मरवातेहें.और.कांमरुदेस काभी दुनीयांके लोगकहतेहें-कि,वहां,जादु,बहुतहे,सो-कांमरुदेस मैने अबतक,दे खानही,अगर,देखाहोवे जबतो सब हाल वहांका लीखदूं परन्तु,सुनताहूं.कि:वहां परभी,इन बनीयोंने बुढीफेरके-ऊनको-कुछका-कुछ-सुझादीयाहै और सुझातेहोंवें सो-कांमरुदेसके-आदमीभी इनहीं जालमें भुलेहुयेहोंगे सोऊनकोभी-ऊनकी-बुढो फेरके.भेरु.या पीरका या,वीरका,या;देवी,वगैराका,सुझातेहोंगे जीससे वोहभी; भुलेहुयेहोंगे.क्युंकिवोह.जांनतेहोंगे कि हमारे बसमें देवी देवताहें.सो.हमारी.करा मात-चलतीहे सो बनीयोंने.यह.केसी!अकलमंन्दीकीहे.कि-जब राजा बादशाह जालको-समझेंगे-और दरीयाफ्त करेंगे तो कांमरुदेसकेभी मारेजावेंगे-और-दश

याफ्तके करनेवाले यह.जानेंगे.कि.जादु.कांमरुदेस.वालोंकाहे और डाकनीयोंके उपर.और.देवतोंकेउपर.और भुत पलीतकेउपर जीव मरानेकेलीये.बदनांमी.लगा दीहे-परंन्तु अकलमंन्दी बनीयोंकीहे;और;जालतो;बनीयोंकाहे और बदनांमी-और जातकेउपर-लगादीहे-भुलाकर सो इसवास्ते यह अकलमंन्दीकीहे-किहमारा-जाल पगटनहीहो इस सबबसे,मुलकों२में,इन,बनीयोंने,चोरोंकी तरहसे खोज,मालुम; नहोनेकेलीये.मुलकों२में.डालदीयेहें और संसारकेलोग भुलेहुयेहें.देवतोंके.भरोसे और डाकनीयोंके और,देवी,देवतोंके,भरोसे,भुलेहुयेहें,और,है राक्षसीपाप और मुझकोतो-इन-बनीयोंने राक्षसीपापसे दुःखीकीयाहे जीससे इनहोंकी-चोरी-मुझको मालुमहुइहे जीससेमैं आप,लोगोंको.वाकीफ.करताहूं,और मेरेको नहीकलपायाहो ता,तोइस,बातका,क्याभेदमीलता क्युंकि इनहोंनेतो जालके,पड्दे,डालदीयेहें,कि, जो?संसारको पताही नहीलगे,तो,पाप;कीसतरहसेमीटे,परंन्तु यह बनीये?तमांम संसारको.गारतकरेंगे.और सब बलायतोंमें थोडेसे आदमीरहेंगे.जब;यह.बनीये; अपना राज जालही-जालमेंकरलेंगे?जबतो?कुल-आदमीयोंकी ओलादको बहुत दुःखहोगा-जोइनहोंका?राक्षसीपाप नहीछोडाओगे और?बाजीगरोंकोभी?भुलायेहें संसारके मुवाफीकही और,बाजीगर,यह,जांनतेहें,किहमने कीसी देवताकी-साजना कीथी.सो?देवता.बसमेंहोगयाहे जीससे हमारा जादु चलताहे.सो.बाजीगरोंकोभी कुछका कुछ-सुझादेतेहें सो-जादुसे-कांमरुदेसमेंभी-जागते सुपने-और नींदमेंसुपने करके,तरह२के,खेल,जादुके दीखातेहें और;डाकनें और चुडेलें,सुझातेहें,फीर,इसी तरहसे नजरका फेल,संसारमें,जादुसे,चलायाहे,किजो,अच्छा मकांनहोवे तोःभी रजावे;यां.अच्छा.घोडाहोवे या अच्छा ऊंटहोवे वोह मरजावे.इसीतरहसे.गाये;भैंस वगैरा अच्छाहोवे तोमरजावे-नजरके-फेलसे-और-अच्छा नर?नारीहोवेतो वोहभी मरजावें,सो,मारतेतो,कची ऊमरमें जादुसेहें और बदनांमी,देतेहें,नजरकी,और:भी सतरहसे,कि आदमी तमांम,संसारमें,जादुसे,भुलेहें,उसीतरहसे किजीसको नजरकी बदनांमीदीहे.वोहभी.यह जांनतेहें कि मेरी नजर बहुत करडीहे.और.आंखेंतो:ना रांयणने देखनेके वास्तेदीहें-सो-मालीकने-आंखेंतो-सब सरीरमें अनमोल;हीरा-बनाइहें-सो-नजर-कीसीको कीसीकी नहीलगतीहे नजर-कोनसीबरछी-भाला-वा गोली तीरहे;जो लगजावे,यहतो?नारांयणने,देखनेकेवास्ते बनाइहें;क्युंकि आंखें नहीहोवें-तो.सरीर.कीसी कांमकानहीहै इसीतरहसे जिकके.उपर.बदनांमी-दीहै

क्युंकि बुराती करतेहैं जादुसे-इसीतरहसे-कीसीको-यह बातलगादीहे कि आज,तु
वहको.फलांने.आदमीका.मुह देखाथा सो सारा दीन-दुःखपायाहे.सो.उस?दीन
उस-शख्सके नांमके ग्रह,जादुसे,करडे,करदेतेहैं,किजीस शख्सने उस-फलांने:श
ख्सका,मुहदेखाथा,जीससे,वोह देखनेवाला आदमी सारेदीन,जादुके,ग्रहसे,दुःख
पातारहे सोतो उसको:मालुमनही,किमुझको,जादुका:ग्रहहे जीससे दुःखपायाहे-
क्युंकिमुहके-देखनेसेतो-कुछभी नहीहोताहे क्युंकि आत्मा सो,परमात्मा:और-सबमें
परमेश्वरका रुपहे,सो संसारमेंभी-कहतेहैं,कि,सबमें,पुरन-भूमहैं और सबके अन्दर
मालीककी-रोशनीहे-और कुःरतहे सो सतजगमें क्यामालीक-दुसराथा-और,अब
क्या दुसराहोगया मालीकतो,वोहका,वहीहे,सो,सतजगमेंतो ऐक२को देखके:जी
तेथे,और,ऐक२पर,बहुत हेतरखतेथे सो:लगाये झाड बनासपतीसे,और,अनवोदी
से,और लगाये आदमीयोंसे:ऐसा:संम्प:और;हेतया:किसबमें परमेश्वरहीथा परन्तु
जबसे-इन-बनीयों-बेइमानोंने ऐसा राक्षसीपाप चलायाहे किजो-सबकी-बुद्धी-भ्र
ष्टकरके कुछका:कुछ संसारमें-वहम,चलादीयाहे-किजीसकी कुछ गीनतीभीनहीहे
अगर कुछ.गीनतीमेंआवे.तो लीखूं सो वहमोंका तो.संसारमें.पारहीनहीहै.और-
और,संसारके नांमका पापकराके,कुछका,कुछ,बुराकरदेतेहैं और संसारमें.नुकसान
पापसे.करादेतेहैं.जीससे वहमोंको सच्चा जाननेलगतेहैं सो.जीसदीनसे.राक्षसीपाप
चलायाहे उसदीनसे वहमकरके.और:कुछका:कुछ.सुझाके और संसारके:नांमका
पापकराके,बुराकरदेतेहैं,इससे संसारमें वहम चलाहे सो,सब,संसार,गुपतीपापको
छोडाओगे जब सबको,आरांम,मीलेगा-किजेसा,सतजगमेंथा वेसाहीहोजावे जब
कि:पापको.छोडादोगे;जब पीछे सतजगहोजावेगा और:सदा.सतजगहीरहेगा:और
तुम जोयह कलजग२कहतेहो-सो,कलुकाल,कोइ-चीजनहीहे यहतो बनीयोंने:रा
क्षसीपाप!चलायाहे!सो रावण हिरनाकशके मुवाफीक पाप!चलायाहे!सोइसका-
नांम,बनीयोंने कलुकाल रखदीयाहे,सो,जीसतरहसे,कि,रावणने संसारके नांमका
पापकराके:सबकी.बुद्धी.भ्रष्टकरदीथी उसीतरहसे इन.बनीयोंनेभी.चकवे:राजकर
नेकी-वजहसे सबकी बुद्धी!भ्रष्टकरदीहे!सो!इस!कलुकालके पापको सद-मीलके
छोडाओगे:तो-सदा-सतजगहीहे अगर पापको फीर कभी-नहीचलनेदोगे-और:पु
रा२बन्दोबस्त सब बलायतोंमें-रक्खोगे-तोसब-संसारमें-सुखरहेगा सोयह जाल
कदीमसे;बनीयोंकाहीहे.और हिन्दुस्तांनमेंसेही चलाहे सो.हिन्दु.मुसलमानोंने;इन

बनीयोंके शांमीलही जनम-पायाहे,और,ऐकही,टापुके-रहनेवालेहें सो सब;संसार के,लोगभी,कहतेहें,कि,ऐक मुल्कवाले शख्सोंके हेत इरादा,बहुतहोताहे,किजो,आ पुसमें-लाज शरम रखतेहें,और-गैरकेपास-अपनी,लाज शरमको नहीजानेदेतेहें-सो.ऐक.मुल्कके.रहनेवाले ऐक२की शरम संसारमें सदा.रखतेआयेहें.परंन्तु.इन; बनीये बेइमांनोंने अपने!मतलबकेवास्ते?क्या!जालकीयाहे किजो कदीमीपापहे.उ सको-अपने-पासरखतेहें और उस कदीमी पापमेंसे थोडासा-हिंन्दु-मुसलमांनोंको छलकरके और सीखाके,रावण,हिरनाकश.कंन्स,कारूंन वगैराको छलकेअंन्दर डालके-गारतकराया-और भुलाया कितुम चारकूंटमें राजकरना-सो-राजकाकरना तो कीधरहीकोगया बलके!अपनी२ओलादोंको!जालही जालमें मरवादीये,परंन्तु यह.बनीये.शांमीलहीके शांमीलरहै और ऊनहोंको अपने.जालकी.इन-बनीयोंने जराभी खबर नहीपडनेदी-हांलांकि-ऊनहोंने-इन-बनीयोंके शांमीलही जनम;पा याथा?परंन्तु-जालही जालमें हिंन्दुस्तांनके लोगोंको गारत-करदीया?उसीतरहसे अब यह बनीये दुसरी,वलायतोंसे,मीलनेलगेहें,सो,आप,लोगोंको और अंग्रेजोंको और,स्म,सुमको,और दुसरी वलायतोंको रावण हिरनाकश,वगैराकी,तरहसे-छल करके,चकवे राजकरनेकेलीये यह-बनीये-आपलोगोंको छलके अंन्दरडालेंगे;कि जीसतरहसे,हिंन्दुस्तांनके,लोगोंको जालमें डालके गारत,करदीयाहे,उसीतरहसे-आपलोगोंको बहका२के और.कदीमी,पापमेंसे.थोडा२सीखाके और कुल;वलाय तोंमें.राज.करनेकेवास्ते.तुमकोभी बहकाके थोडा बहुत पाप.सीखादेंगे.सो?चार कूंटमें-राज करनेकेवास्ते तुमकोभी-बहकादेंगे?सो-आपलोगभी भुलजाओगे क्युंकि रावण,हिरनाकश्यने,शांमीलही जनम पायाथा सो ऊनकोभी,बनीयोंने,जालही,जा लमें,मरवादीये परंन्तु हिंन्दुस्तांनके,लोगोंको,अबतक,इनहोंके जालकी खबरनही कि?बनीयोंका.जालहे.और हिन्दुस्तांनको तो परचोंके भरोसे.भुलाइहे.और!जा लकोही परचाजांनतेहें और,कहतेहें,कि,यालीकके,घरकी कुदरतहे और,देवतोंके परचा.वगैरोंह.इस२तरहके.जाल बनीयोंने चलारक्खेहें.किजीसका.कुछ.अंन्दाज नहीहै?सो आपलोगोंको खयाल-करना,चाहीये,कि-जीसतरहसे हिंन्दुस्तांन तबाह होगयहे-और-जो-कीसीकदर बाकीरहीहे उसको आपलोगोंको-लालचैदेके-तबाह करादेंगे इसीतरहसे कुल.वलायतें;तबाह;होजावेंगी.जब सब वलायतोंमें?थोडेसे आदमी.रहजावेंगे.तोयह बनीये सब वलायतोंमें राजकरेंगे,इसवास्ते.यह,जादुका

पाप-चलायाहे जब यह.बनीये.राजकरेंगे.किजब.ऐक आध बलायत-बाकीरहेगी जब.यह.बनीये.राक्षसीपापसे ऊनकीभी बुद्धी भ्रष्टकरदेंगे.जब.आपुसमें.लड्कर भाइ२मरजावेंगे सो इसमें-झूंठहोवेतो-हिंन्दुस्तांनमें-देखलो किनो हिंन्दु?मुसलमांन के.तोहार.बनायहें.कि ताजीया और रेवाडी कृष्ण महाराजकी.नीकला.करतीहें सो-तोहार तो अगले,लोगोंने,धर्म्मकेवास्ते,बनायहें,सो फकीरोंको और-साधु-सन्तको!खाना!खीलावें तोयह धर्म्मकी बातेंहें और जो!आपुसमें!खाना:खीलाया पीलायाकरें?तो वोह हेत इरादाहै सो तोहार तो हेत इरादेकेवास्ते अपनी२जातमें न्यारे२बनायेहें?सो-हिंन्दु मुसलमांनकी बुद्धी राक्षसीजालसे ऐसी-भ्रष्टकरदीहे?कि जो तोहारमेंभी आपुसमेंही,लड्कर,मरतेहें,सो,सब,बलायतके राजा बादशाह;इस; बातको-गोरकरकेदेखो-और खयालकरो कि हिंन्दुस्तांनके-लोगोंकी-बुद्धी,केदकर दीहे,किजो भाइ२की बुराइ-करतेहें!और!आपुसमें-कट२के मरजातेहें इसीतरहसे जबकि:रावग.वगैराने.बुद्धी खराबकीथी जबभी संसारके.लोग.आपुसमें.कट२के मरजातेथे और रावणने,छलकरके,शीवजी,और,रांमचंन्द्रजी और ऋषिश्वरों-व गैराको.भुलादीयाथा,और जब सनीचरजीने रावणका छल,शीवजी,रांमचंन्द्रजी और ऋषिश्वरों वगैराको.वाकीफकीयाथा.फीर,वोह,छलमें नहीपडे जबही-हम तुम.आप२के.बुजरगोंकी ओलाद और राजा बादशाहोंकी.ओलाद.और;ऋषिश्व रोंकी ओलाद और-सब:संसारकी;ओलाद;जीतीहे:अब-यह बनीयोंका जाल:प्रगट हुवाहै,सोयह,छल,बहुत कुछकरेंगे पहीले:तो बादशाहोंको,छलकरके;भुलादीयाथा क्याजानें क्या छलकीयाथा-सो,तो-इनकी,यहीजानें-जीसका सबुत यहहे,कि,अ गले.बादशाहोंने.इनके.मन्दीरोंकी पुतलीयो वगैराके नाक.और.कांन,कटवाकर; मन्दीरोंको गीरवादीयेथे और-यह,बनीये-वेइमांन,गाये-सुव्वरकी कसमें खाकर बचगये-और;ऊन-बादशाहोंके मरनेकेबाद फीर इनहोंने जादु,चलाके-ऊनकी-बाद शाहतको और ओलादको,गारतकरदीया,सोयह,हिंन्दुस्तांनमें देखलो और,पैसा वगैरा.जो.बादशाहोंने इनसे लीयाहोगा;वोहभी फीर ऊनको.गारतकरके.लेलीया होगा-और ऊनकी ओलादको-बीलकुल-खराब-करदीया और दुनीयांको,दीन२ खराबकरके,कम,करतेजातेहें क्युंकि पहीले दुनीयांमें आदमी,बहुतथे,किजब,रांम चंन्द्रजी महाराजने रावणका.जाल,मीटानेको,लंकापर.चढाइकीथी उसवक्त फो जमें;अठारह;पदम;आदमीथे और फोजमें लडनेवाले;जवांन२आदमी,गयेहोंगे;और

बुढे,डोकरे और ओरत.बचे.पीछेभी,रहेहोंगे.तो.खयालकरो कि उसवक्त,आदमी कीतनेहोगे.और.अब मरदम शुमारीमें,देखो कि हिंन्दुस्तानमें.कीतने.आदमीहैं;तो पहीलेसे बहुत थोडेहैं,परंन्तु;काइभी?खयाल?नहीकरते,और बनीये अनकेतरहसे संसारको?मारतेहैं?और गुरु नांनकने अपनी पोथीमें ऐसा लीखाहै?किइन?काफी रोंका ऐतबार कभीनहीकरना.चाहीये,चाहे,यह,इसकदर.कसमें क्युं न खावें?कि जेसे.कोइ.आदमी.भरेहुये घीके कुप्पमें हाथ घुसेडदेवे और.फीर.उसहाथको.नी कालके तीलोंमें घुसडें.तो,घीके,भरेहुये,हाथमें,बेशुमार.तील लगजावें इसकदर, कसमेंखावें-तबभी-काफीरोंका ऐतबार न करना चाहीये-इसीतरहसे-कृष्णमहारा जके-वक्तमें संसार कंन्स;राजा.और.हिरनाकश.और;कारूंन वगैराके छलमें.नही पडा.क्युंकि.सनीचरजी कृष्णमहाराज और नरसिंघमहाराज.और.गुरु.नांनकजी महाराजने वाकीफ करदीयाथा-इसवास्ते-छलमें-नहीपडे इससे अपने२बजुर्गोंकी ओलाद,बचीहै,अगर,सब संसार राक्षसोंके छलमें पडजाता,तो,गारत,करदेते:इसी तरहसे जोमेरे जीतेजी,बनीये;अपना;जाल;छोडदेवें,तो बनीयेभी उभरजावें:क्युंकि जेसेतुम-संसार-माइ बापकी तरहसेहो उसीतरहसे बनीयोंकोभी-अपना-माइ-बाप जांनताहूं:परंन्तु यह बेइमांन-तुमको,छलकरके,भुलादेंगे-क्युंकि तुम लोगोंको;इनके जालकी.खबरनही.और मेरेको इन बनीयोंने समा सुख कलपायाहै.जेसेकि.राव णने सनीचरजीको कलपायाथा!इसवास्ते?मुझको!इनके जालकी मालुमहै-अगर इनको,जाल,छोडनाहोवे तो तुम:लोगोंसे छलक्युंकरें परंन्तु,यह,तुमको,छलकरके भुलादेंगे और बाद-तुम्हारे,मरनेके,तुम्हारी-ओलादको गारतकरेंगे मेरेको?यह-बहुत-फीकरहै-क्युंकिमैंभी अकेलानहीहूं मेरीभी जात-बीरादरीहै-जीसकदर,चाक रकी,ओदहै मैंभी कोइ!अकेलानहीहूं!क्युंकिहमारी!तुम्हारी सबहीकी ओलाद:जा दुसे,डुबतीहैं,इससे,लीखताहूं किइनका छलहै और इसीवास्ते,यह,छल,चलायाहै कि-सब बलायतोंको गारतकरके,यह,कलंकी,राजकरेंगे जोतुमको अपनी२ओलाद प्यारीहै:तोतुम.अंग्रेज और हिंन्दु मुसलमांन इनके छलमें:मतपडना,नहीतो;मुल्कमें पैसा नहीरहनेदेंगे और!ओलादोंको!दु:खीकरके!गारतकरदेंगे और जोयह;मेरे;जी तेजी-जाल-छोडदेवें तोयहभी उभरजावें और जालभी मीटजावे-और-बार२कह ताहूं कि हरगीज२इनके छलमें मतपडना कि हमारी तुम्हारी जात और ओलाद कायम रहै चाहे यह कीतनाही छलकरें परंन्तु जालको छोडाना जो मुख माहो